शरलॉक होम्स

(अंग्रेजी मूल से हिंदी अनुवाद)

1

सर आर्थर कॉनन डॉयल

शरलॉक
1

शरलॉक होम्स- 1

(अंगरेजी मूल से हिंदी अनुवाद)

सर आर्थर कॉनन डायल

विश्व बुक्स

(ब्रिटेन की पहले मुद्रा पाउंड, शिलिंग व पेंस में होती थी. आज वही मुद्रा दशमिक मुद्रा में बदल कर केवल पाउंड और पेंस में हो गई है. लेकिन पुस्तक में पुरानी ही मुद्रित की जा रही है ताकि उस समय की सामयिकता को बरकरार रखा जा सके.)

ISBN: 978-93-5065-303-0

प्रकाशक

© विश्व बुक्स प्राइवेट लि.

दिल्ली प्रेस समाचार पत्र प्राइवेट लि.

(ISO 9001:2008)

एम-12 , कनाट सरकस, नई दिल्ली-110001

सभी विवादों का निपटारा केवल दिल्ली की अदालतों में होगा.

Hindi • Classic • Sherlock Holmes-1 • Sir Arthur Conan Doyle

Vishv Books Private Ltd .

M-12, Connaught Circus, New Delhi-110001

Contact Office :

A-36, Site-IV, Sahibabad, Ghaziabad-201010, UP (INDIA)

Ph. +91-0120-4129946, 4111552, 4111553

e-mail: mybook@vishvbook.com : www.vishvbook.com

feedback@vishvbooks.org

विषय सूची

खून के लाल रंग पर तहकीकात

नतीजे पर पहुंचने का विज्ञान

लौरिस्टन गार्डन का राज

जॉन रेंस को क्या बताना था

हमारा विज्ञापन एक मेहमान को घर लाता है

टोबियास ग्रेगसन दिखाता है कि वह क्या कर सकता है

अंधेरे में रोशनी

ग्रेट अलकली प्लेन के ऊपर

यूटाह का फूल

जॉन फेरियर पैगंबर से बात करता है

प्राणरक्षा की उड़ान

प्रतिशोध लेते फरिश्ते

जॉन वॉटसन एम.डी. के आगे के संस्मरण

समापन

चार का चिन्ह निष्कर्ष का विज्ञान

केस की प्रस्तुति

हल की खोज में

गंजे आदमी की कहानी

पांडिचेरी लॉज की त्रासदी

शरलॉक होम्स कुछ साबित करता है

पीपे का किस्सा

बेकर स्ट्रीट के नन्हे जासूस

जंजीर की एक कड़ी का टूटना

द्वीप निवासी का अंत

आगरा का खजाना

जोनाथन स्मॉल की अजीब दास्तान

बोहिमिया में बदनामी के बादल

लाल बाल संगठन

पहचान का किस्सा

बॉस्कांब घाटी का राज

संतरे के पांच बीज

लेखक परिचय:

सर आर्थर कॉनन डायल, (1859-1930) स्कॉटिश लेखक, आयरिश माता. पिता, इडिबर्ग में जन्मे थे. उन्होंने डाक्टरी की पढ़ाई भी की. लेकिन उन की लेखन प्रतिभा के कारण उन के प्रशंसकों ने उन्हें जासूसी कहानियों की श्रृंखला लिखने के लिए उत्साहित किया. इस के फलस्वरूप उन की जासूसी कहानियों की पहली श्रृंखला ब्रिटेन की स्ट्रेंड पत्रिका में 1891-93 में प्रकाशित हुई. यह श्रृंखला इतनी प्रसिद्ध हुई कि डायल को अपने जासूस शरलॉक होम्स जिस का उन्होंने अंत कर दिया था, उसे दोबारा प्रस्तुत करना पड़ा. इस के अतिरिक्त उन की अन्य पुस्तकें ‘रोडनी स्टोन’, ‘लेस्टिवर्ड’ व ‘पाइजन बैल्ट’ काफी प्रसिद्ध हैं.

शरलॉक होम्स की कहानियों की यही विशेषता है कि वे आज भी जासूसी सीखने व सिखाने की कला के लिए मूलभूत स्रोत हैं. शरलॉक होम्स की कहानियों को विभिन्न श्रृंखलाओं में प्रस्तुत किया जा रहा है.

शरलॉक होम्स का परिचय:

सर आर्थर कॉनन डायल ने अपने इस प्रसिद्ध खोजी जासूस शरलॉक होम्स के व्यक्तिगत जीवन पर कुछ नहीं लिखा था. फिर भी विभिन्न केसों के हल करते समय होम्स और डा. वॉटसन के आपसी बातचीत के विवरणों से पता चलता है कि उस का जन्म लगभग 1854 में हुआ था.

होम्स के अनुसार उस ने अपनी इस खोजी या पता करने (या कहिए सूंघने) की कला को अपनी कालिज की पढ़ाई के दौरान ही ढूंढ़ा था. शुरूशुरू में उस ने नौसिखिए के रूप में कार्य किया फिर अपनी इस खोजी विद्या को अपनी क्लास के मित्र के पिता के आग्रह पर ही उस ने अपना व्यवसाय बनाने का विचार किया था. छह वर्षों तक उस ने विश्वविद्यालय में सलाहकार के रूप में कार्य किया, लेकिन पैसे की तंगी के कारण उस ने डा. वॉटसन के साथ मिल कर 221 -बी बेकर स्ट्रीट पर अपना कार्यालय खोला. जहां पर वह अपने ग्राहकों व पुलिस के अधिकारियों व अन्य संबंधित व्यक्तियों से भी मिलता था. होम्स ने डा. वॉटसन के साथ लगभग 23 वर्षों तक कार्य किया. होम्स को ले कर अंतिम कहानी 1908 में लिखी गई थी.

खून के लाल रंग पर तहकीकात

वर्ष 1878 में मुझे लंदन विश्वविद्यालय से डाक्टर ऑफ मेडिसिन की उपाधि मिली और मैं सेना में सर्जनों के लिए तय पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए नेटली रवाना हुआ. वहां अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं सही वक्त पर असिस्टेंट सर्जन के तौर पर पांचवीं नार्थंबरलैंड फ्यूसिलियर में दाखिल हो गया. यह रेजीमेंट उस समय भारत में थी.

मेरे वहां पहुंचने के पहले ही दूसरी अफगान लड़ाई छिड़ चुकी थी. मुंबई में उतरने से पहले ही मुझे पता चला कि मेरी पलटन दर्रों से गुजर कर दुश्मन के देश में दाखिल हो चुकी है. फिर भी मेरे जैसे हालात में फंसे कई दूसरे अफसरों के साथ मैं उन के पीछेपीछे गया और सहीसलामत कांधार पहुंचने में कामयाब रहा, जहां मैं ने अपनी रेजीमेंट को ढूंढ़ निकाला और फौरन अपना काम संभाल लिया.

कई लोगों के लिए यह लड़ाई इज्जत और कामयाबी लाई थी, पर मेरे लिए तबाही के अलावा यह कुछ नहीं थी. मुझे अपनी ब्रिगेड से हटा कर बर्कशायर के साथ कर दिया गया, जिन के साथ मैं ने मायवांड की खूनी लड़ाई में काम किया. वहां मेरे कंधे पर एक गोली लगी, जिस ने मेरी हड्डी को चूरचूर कर दिया और हंसली की धमनी को छील डाला.

मेरा अर्दली एक घोड़े पर मुझे लाद कर अंगरेजों के खेमों तक सहीसलामत पहुंचाने में कामयाब हो गया था, जिस की वफादारी और बहादुरी के बगैर मैं खूंखार गाजियों के हाथों में पड़ गया होता. दर्द की वजह से मैं परेशान था और शरीर भी कमजोर हो गया था.

इसलिए मुझे बहुत सारे जख्मी रोगियों के साथ पेशावर के बेस सैन्य अस्पताल में पहुंचा दिया गया. यहां मेरी सेहत में इतना सुधार हुआ कि मैं वार्डों में चलफिर सकता था और बरामदे में धूप भी सेंक सकता था.

फिर मुझे आंतों के बुखार ने दबोच लिया, जो हमें हिंदुस्तान से विरासत में मिला था. महीनों तक मेरी जिंदगी में मायूसी छाई रही और आखिर में जब मैं ने होश संभाला और मेरी तबीयत सुधरने लगी, तब तक मैं इतना कमजोर और पतला हो चुका था कि एक मेडिकल बोर्ड ने फैसला किया कि मुझे वापस इंगलैंड भेजने में एक दिन की भी देरी न की जाए.

इसीलिए मुझे ओरोनटीस नामक जहाज में रवाना कर दिया गया और एक महीने बाद मैं पोट्र्समाउथ के तट पर उतरा. मेरी तबीयत हमेशा के

लिए खराब हो चुकी थी, पर नेकदिल सरकार से इजाजत मिल गई थी कि अगले नौ महीनों तक मैं अपनी सेहत सुधारने की कोशिश करूंगा.

इंगलैंड में मेरा कोई सगा रिश्तेदार नहीं था. इसलिए मैं हवा की तरह आजाद था या उतना आजाद, जितना रोजाना ग्यारह शिलिंग और छह पेंस (वर्ष 1878 के हिसाब से) कमाने वाला इनसान हो सकता था. इन हालात में मैं कुदरती तौर पर लंदन की ओर खिंचा चला गया. लंदन, यानी वह बड़ा नाला जो पूरी ब्रिटिश हुकूमत के आलसियों, निठल्लों को अपनी ओर खींच लेता है.

वहां मैं कुछ समय के लिए स्ट्रेंड में एक प्राइवेट होटल में रहा, एक आरामहीन, बेकार जिंदगी बिताता रहा. मैं उस से ज्यादा खर्च करता था जितना मुझे करना चाहिए था. मेरी जमापूंजी की हालत इतनी पतली हो गई थी कि मैं ने जल्दी ही महसूस किया कि मुझे इस जगह से निकल कर मुल्क के किसी दूसरे हिस्से में सादी जिंदगी बितानी चाहिए या अपनी आदतों में बदलाव लाना चाहिए. दूसरे रास्ते को चुनते हुए मैं ने फैसला किया कि यह होटल छोड़ कर किसी कम चकाचौंध वाली और कम महंगी जगह कमरा ढूंढूं.

जिस दिन मैं इस नतीजे पर पहुंचा, उसी दिन मैं क्राइटेरियन बार पर खड़ा था. किसी ने धीरे से मेरा कंधा थपथपाया. पीछे मुड़ने पर मैं ने स्टैमफोर्ड को देखा, जो बार्ट्स में मेरे नीचे एक ड्रेसर था. एक अकेले इनसान के लिए लंदन की बड़ीबड़ी भूलभुलैयों में किसी दोस्त का चेहरा नजर आना बड़ा अच्छा लगता है. स्टैमफोर्ड मेरा कोई नजदीकी दोस्त नहीं था, पर मैं तपाक से उस से मिला. वह भी मुझे देख कर खुश हुआ. मैं ने उस से होलबर्न में अपने साथ लंच करने के लिए कहा. फिर हम दोनों एक साथ घोड़ागाड़ी (हैनसम) में रवाना हुए.

"तुम अपने साथ आखिर कर क्या रहे थे, वाटसन?" उस ने ताज्जुब से पूछा. उस वक्त हम लंदन की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर चल रहे थे. "तुम डंडे की तरह पतले और मूंगफली की तरह भूरे हो रहे हो."

मैं ने उसे संक्षेप में अपने कारनामों के बारे में जानकारी दी. अपनी मंजिल पर पहुंचने तक मैं कहानी बस खत्म करने ही वाला था.

"बेचारा भूत!" जब उस ने मेरे हालात के बारे में सुना, तो उस ने तरस खा कर कहा, "अब तुम क्या कर रहे हो?"

"रहने की जगह ढूंढ़ रहा हूं." मैं ने जवाब दिया. "यह दिक्कत सुलझाने की कोशिश कर रहा हूं कि क्या यह मुमकिन है कि सही दामों पर

आरामदेह कमरा मिल सकेगा.”

“बड़ी अजीब बात है.” मेरे मित्र ने टिप्पणी की, “आज तुम दूसरे इनसान हो जिस ने यह बात मुझ से कही है.”

“और पहला कौन था?” मैं ने पूछा.

“अस्पताल रसायन प्रयोगशाला में काम करने वाला एक व्यक्ति. आज सुबह ही वह अफसोस जाहिर कर रहा था कि उसे कोई ऐसा नहीं मिल रहा है जो उन अच्छे कमरों में रहने का खर्चा उस के साथ बांट ले, जो उस ने ढूंढ़े थे, पर उस की जेब पर भारी पड़ रहे थे.”

“और, हां!” मैं चिल्ला पड़ा, “अगर हकीकत में वह ऐसे किसी व्यक्ति की तलाश में है जो उस के कमरे और खर्चा बांटने के लिए तैयार है, तो मैं उस के लिए बिलकुल सही हूं. मैं चाहता हूं कि अकेले रहने की बजाए मैं किसी के साथ रहूं.”

युवा स्टैमफोर्ड ने अपने वाइन गिलास के ऊपर से मुझे अजीब नजरों से देखा. फिर बोला, “तुम अभी शरलॉक होम्स को नहीं जानते हो. शायद तुम उसे लंबे अरसे तक साथी के तौर पर न रखना चाहो.”

“क्यों, ऐसा क्या है, उस के खिलाफ?”

“ओह, मैं ने यह नहीं कहा है कि उस के खिलाफ कुछ है. वह अपने खयालातों में थोड़ा सा अजीब है. विज्ञान की कुछ शाखाओं में बहुत ज्यादा दिलचस्पी रखता है. जहां तक मैं जानता हूं, वह एक शरीफ इनसान है.”

“शायद मेडिकल का छात्र है,” मैं ने कहा.

“नहीं, मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है कि वह क्या करना चाहता है. मैं सोचता हूं कि शायद वह एनाटामी (शरीर रचना) में काफी जानकारी रखता है और वह आला दरजे का केमिस्ट भी है. पर जहां तक मैं जानता हूं, उस ने ढंग से कोई मेडिकल क्लास नहीं ली है. उस की जानकारी बेहद अटपटी और अजीब है. ऐसा लगता है कि उस ने बहुत सारी इधरउधर की जानकारी इकट्ठी कर ली है, जो उस के प्रोफेसरों को भी हैरत में डाल सकती है.”

“क्या तुम ने उस से कभी नहीं पूछा कि वह क्या करने की सोच रहा है?”

“नहीं, वह इस तरह का इनसान नहीं है कि जिस के अंदर की बात आसानी से निकाली जा सके, हालांकि जब उस पर सनक सवार होती है,

तब वह काफी बातूनी बन जाता है."

"मैं उस से मिलना चाहूंगा," मैं ने कहा, "अगर मुझे किसी के साथ रहना पड़ता है, तो मैं किसी पढ़ाकू और शांत स्वभाव वाले व्यक्ति के साथ रहना पसंद करूंगा. मैं अभी इतना तंदुरुस्त नहीं हुआ हूं कि ज्यादा शोरगुल बरदाश्त कर सकूं.

"अफगानिस्तान में मैं इतना ज्यादा भुगत चुका हूं कि मेरी बाकी जिंदगी के लिए काफी है. मैं तुम्हारे इस दोस्त से कैसे मिल सकता हूं?"

"वह लैब में ही होगा," मेरे दोस्त ने जवाब दिया, "वह या तो हफ्तों तक उस जगह से कतराता है या फिर सुबह से शाम तक वहीं काम करता रहता है. अगर तुम चाहो तो लंच के बाद हम वहां चल सकते हैं."

"बिलकुल." मैं ने जवाब दिया और बातचीत का रुख दूसरी बातों की ओर मुड़ गया.

होलबर्न छोड़ने के बाद जब हम अस्पताल की ओर जा रहे थे, तो स्टैमफोर्ड ने उस के बारे में कुछ और जानकारी दी जिस के साथ रहने का मैं मन बना रहा था.

"अगर तुम्हारी उस से न पटे तो मुझ पर इलजाम मत लगाना," वह बोला, "मैं उस के बारे में इस से ज्यादा कुछ नहीं जानता जितना लैब में कभीकभार उस से मुलाकात होने पर मैं जान पाया हूं. यह सुझाव तुम्हारी ओर से आया था, इसलिए मुझे जिम्मेदार मत ठहराना."

"अगर हमारी नहीं पटेगी तो अलग होना आसान होगा," मैं ने जवाब दिया. "मुझे लगता है स्टैमफोर्ड," मैं ने आगे कहा, और अपने दोस्त की ओर गौर से देखा, "इस मामले से हाथ धो लेने की तुम्हारे पास जरूर कोई वजह है. क्या इस आदमी का गुस्सा बहुत तेज है या और कोई बात है? इस बारे में घुमाफिरा कर बात मत करो."

"अनकही बात को कहा नहीं जा सकता," हंसते हुए उस ने जवाब दिया, "मेरी दिलचस्पी के हिसाब से होम्स कुछ ज्यादा ही साइंटिफिक दिमाग रखता है. प्रायः अनमना और रूखा सा रहता है वह. कभीकभी वह अपने दोस्त को चुटकी भर वनस्पति (वेजीटेबल एलकालाइड) चटाता है, किसी दुष्टता से नहीं, समझे. पर सिर्फ इस कुतूहल से यह देखने के लिए कि उस का ठीकठीक क्या असर होता है. उस की सिफारिश करते हुए, मैं सोचता हूं कि उसी उतावलेपन से वह उस को खुद भी चख लेता होगा. ऐसा लगता है कि उसे ठीकठीक जानकारी हासिल करने का जुनून है. यह

ठीक भी है. हां, पर कभीकभी कुछ ज्यादती भी हो जाती है. जब चीरफाड़ के कमरे में वह लाशों को डंडे से मारता है, तो यह पागलपन ही मालूम पड़ता है.”

“लाशों को मारता है!”

“हां, यह साबित करने के लिए कि मौत के बाद किस हद तक जख्म पहुंचाए जा सकते हैं. मैं ने अपनी आंखों से उसे ऐसा करते देखा है.”

“और फिर भी तुम कहते हो कि वह मेडिकल का छात्र नहीं है?”

“नहीं, यह तो वही जानता है कि उस की स्टडी का क्या टापिक है. पर हम यहां आ पहुंचे हैं. अब तुम्हें उस के बारे में अपनी राय खुद बनानी होगी.”

जब वह बोल रहा था, हम एक संकरी गली में मुड़े और एक छोटे से साइड दरवाजे से गुजरे जो एक बड़े अस्पताल के एक भाग में खुलता था. मेरे लिए यह इलाका जानापहचाना था. बदरंग सी पत्थर की सीढ़ियां चढ़ते वक्त मुझे किसी गाइड की जरूरत नहीं थी. हम सफेदी की हुई दीवारों और धुंधले काले रंग के दरवाजों के बीच से गैलरी में अपने रास्ते चलते गए. गैलरी के दूसरे छोर के पास एक नीचा सा गुंबद के आकार का रास्ता निकला और हमें केमिकल लैब तक ले गया.

वह एक बहुत आलीशान कमरा था, जो लाइन से लगी अनगिनत बोतलों से भरा हुआ था. चौड़ी, नीची मेजें इधरउधर रखी थीं. उन पर तरहतरह के बकयंत्र (रिटार्ट), परखनली (टेस्ट ट्यूब) और छोटेछोटे बुनसेन लैंप अपनी नीली, लपलपाती लपटें उगल रहे थे. कमरे में सिर्फ एक ही छात्र था, जो दूर वाली मेज पर झुका अपने काम में तल्लीन था.

हमारे कदमों की आवाज से उस ने चारों ओर देखा और खुशी से खड़ा हो गया और चिल्लाया, “मैं ने ढूंढ़ लिया. मैं ने ढूंढ़ लिया,” वह मेरे दोस्त को देख कर जोर से बोला.

उस के हाथ में टेस्ट ट्यूब था जिसे ले कर वह हमारी ओर दौड़ता आ रहा था. “मैं ने एक ऐसा री एजेंट ढूंढ़ लिया है, जो हीमोग्लोबिन से ही मजबूत हो सकता है, किसी और से नहीं.”

यदि उस ने सोने की खान ढूंढ़ ली होती, तब भी उस के चेहरे पर इस से ज्यादा खुशी नहीं चमक सकती थी.

“डाक्टर वॉटसन, मिस्टर शरलॉक होम्स,” स्टैमफोर्ड ने हमारा परिचय करवाते हुए कहा.

“हाऊ आर यू?” उस ने विनम्रता से कहा और मेरा हाथ इतनी जोर से पकड़ा जितना कि मैं सोच भी नहीं सकता था. “मुझे लगता है कि आप अफगानिस्तान हो कर आए हैं?”

“अरे, आप को यह कैसे मालूम पड़ा?” मैं ने हैरानी से पूछा.

“कोई बात नहीं,” उस ने हलके से हंसते हुए कहा.

“अब सवाल हीमोग्लोबिन का है. मेरी इस खोज की आप को बेशक अहमियत मालूम तो होगी.”

“इस में कोई शक नहीं कि रासायनिक तौर पर यह बहुत दिलचस्प है. पर व्यावहारिक रूप से...”

“क्यों, भाई, यह तो वर्षों पुरानी चिकित्सा कानून संबंधी सर्वाधिक व्यावहारिक खोज है. क्या तुम नहीं देख पा रहे हो कि खून के ध्ब्बों का यह शर्तिया टेस्ट है. इधर आओ!” तुरंत उत्साह में उस ने मेरे कोट की आस्तीन को पकड़ कर उस मेज की ओर खींचा, जहां वह काम कर रहा था.

“थोड़ा सा ताजा खून लेना पड़ेगा.” उस ने एक लंबा सूआ अपनी उंगली में चुभोते हुए कहा और इस की वजह से निकली खून की बूंद को एक पतली नलिका में इकट्ठा कर लिया.

“अब मैं इस खून को एक लीटर पानी में मिलाऊंगा. तुम गौर करोगे कि यह मिश्रण शुद्ध पानी जैसा दिखाई पड़ेगा, खून का अनुपात दस लाख में एक से ज्यादा नहीं हो सकता. फिर भी मुझे कोई शक नहीं है कि हम इस से होने वाला रिएक्शन पा लेंगे.”

बोलतेबोलते उस ने बरतन में कुछ सफेद दाने डाले और फिर एक पारदर्शी तरल पदार्थ की कुछ बूंदें उस में मिला दीं. पलभर में ही वह मिश्रण हलके भूरे रंग का हो गया. भूरे से रंग की धूल उस कांच के जार के तल पर जम गई.

“हां! हां!” वह ताली बजाते हुए चिल्लाया.

उस समय ऐसा लग रहा था मानो एक नया खिलौना पाकर बच्चा खुश हो रहा हो.

“इस के बारे में क्या राय है?”

"यह बहुत ही नाजुक टेस्ट मालूम होता है." मैं ने कहा.

"सुंदर! अतिसुंदर! पुराना वाला बहुत फूहड़ और अनिर्णायक था, ब्लड कारपसल (रक्त कणिका) का माइक्रोस्कोपिक टेस्ट भी ऐसा ही था. अगर धब्बे कुछ घंटे पुराने हो जाते हैं, तो यह बेकार हो जाता है. अब चाहे खून पुराना हो या नया, यह नया टेस्ट उतना ही असरदार रहता है. अगर इस टेस्ट की पहले खोज कर ली गई होती तो सैकड़ों ऐसे लोग जो आजाद घूम रहे हैं, वे अपने जुर्म की सजा भुगत रहे होते."

"वाकई!" मैं बुदबुदाया.

"जुर्म के मामले अकसर इसी एक मुद्दे पर लटके रहते हैं. एक इनसान गुनाह के कई महीनों बाद शक के दायरे में आता है. उस के कपड़ों का टेस्ट किया जाता है और उन पर भूरे रंग के धब्बे पाए जाते हैं. ये खून के धब्बे हैं या मिट्टी के धब्बे हैं या जंग के या फलों के या किस चीज के धब्बे हैं? यह सवाल है जिस ने अनेक विशेषज्ञों को उलझन में डाला है और क्यों? क्योंकि कोई भरोसेमंद टेस्ट नहीं था. अब हमारे पास शरलॉक होम्स टेस्ट है इस लिए कोई दिक्कत नहीं आएगी."

बोलते समय उस की आंखें चमक रही थीं. उस ने अपने दिल पर अपना हाथ रखा और किसी काल्पनिक भीड़ की तालियों की गड़गड़ाहट को झुक कर सलाम किया.

"तुम बधाई के हकदार हो," उस की खुशी पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए मैं ने कहा.

"पिछले साल फ्रैंकफर्ट में वान बिशचौफ का केस था. अगर यह टेस्ट तब मौजूद होता, तो वह शर्तिया सूली पर लटका दिया जाता. फिर ब्रैडफोर्ड का मेसन था, कुख्यात मुलर और मोंटपेलियर का लिफेव्रे और न्यू ऑरलियंस का सैमसन. मैं ऐसे बीसियों केस गिना सकता हूं जिन का यह टेस्ट फैसला कर देता."

"तुम गुनाह के चलतेफिरते कैलेंडर लगते हो," हंसते हुए स्टैमफोर्ड ने कहा. "इस आधार पर तुम अखबार निकाल सकते हो. उसे तुम उसे–'पुलिस के भूतपूर्व समाचार'– का नाम दे सकते हो."

"यह काफी दिलचस्प भी होगा पढ़ने में," अगली अंगुली पर सूआ चुभोने की जगह प्लास्टर का छोटा सा टुकड़ा चिपकाते हुए शरलॉक होम्स ने फब्ती कसी, "मुझे होशियार रहना पड़ेगा," वह बोलता गया, फिर

मुसकराते हुए मुड़ कर मुझे देखा, “क्योंकि मुझे जहरीले पदार्थों से काफी उलझना पड़ता है,” बोलते हुए उस ने अपना हाथ आगे बढ़ाया.

मैं ने गौर किया कि वह ऐसे ही प्लास्टर के छोटेछोटे टुकड़ों से भरा पड़ा था और तेज एसिडों से बदरंग हो रहा था.

“हम यहां काम से आए हैं,” एक ऊंचे तिपाए स्टूल पर बैठते हुए और एक पैर से दूसरा स्टूल मेरी ओर खिसकाते हुए स्टैमफोर्ड ने कहा, “यह मेरा दोस्त रहने की जगह चाह रहा है और क्योंकि तुम शिकायत कर रहे थे कि तुम को आधा किराया बांटने वाला कोई नहीं मिल रहा है, मैं ने सोचा कि अच्छा होगा कि तुम दोनों को मिला दूं.”

मेरे साथ कमरा बांटने के खयाल से शरलॉक होम्स खुश दिखाई पड़ा.

“मेरी नजर बेकर स्ट्रीट के एक स्यूट पर है,” उस ने कहा, “जो हमारे लिए पूरी तरह ठीक है. मैं उम्मीद करता हूं कि तुम को तेज तंबाकू की महक से एतराज नहीं है?”

“मैं तो खुद ही सिगरेट सुलगाता हूं,” मैं ने जवाब दिया.

“वह तो ठीक है. मेरे पास अकसर ही केमिकल रहते हैं और कभीकभी मैं टेस्ट भी किया करता हूं. इस से तुम को खीझ तो नहीं होगी?”

“किसी भी तरह की नहीं.”

“मुझे देखने दो– मेरी दूसरी कमियां कौनकौन सी हैं. मैं कभीकभी मूडी हो जाता हूं और कईकई दिनों तक मुंह नहीं खोलता. जब मैं ऐसे करूं तो तुम यह मत सोचना कि मैं यूं ही ऐंठ रहा हूं. बस, मुझे अकेला छोड़ देना और मैं जल्दी ठीक हो जाऊंगा. अब तुम्हारे पास कबूलने के लिए क्या है? यह अच्छी बात होगी कि दोनों लोगों को एकदूसरे की बुरी से बुरी आदतों की जानकारी हो, इस के पहले कि वे साथसाथ रहना शुरू करें.”

इस बात पर मैं हंसा.

“मैं ने एक छोटा पिल्ला पाला हुआ है,” मैं ने कहा, “मुझे शोरशराबे से एतराज है क्योंकि मेरा दिल सिहर जाता है और मैं वक्तबेवक्त जग जाता हूं. मैं बेहद आलसी हूं. जब मैं तंदुरुस्त होता हूं तो मेरे अंदर दूसरी तरह की बुराइयां होती हैं पर अभी के लिए ये ही मेरी खास बुराइयां हैं.”

“वायलिन बजाना क्या तुम्हारे शोरशराबे की लिस्ट में शामिल है?” उस ने बेचैन हो कर पूछा.

“यह तो बजाने वाले पर है,” मैं ने जवाब दिया, “अच्छी तरह बजा वायलिन तो सभी को अच्छा लगेगा. बुरी तरह बजाया जाने वाला वायलिन तो किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा.”

“ओह, वह सब ठीक है,” खुशी से हंसते हुए उस ने कहा, “मैं सोचता हूं कि हम यह मामला निपटा हुआ समझें. यदि कमरे तुम को पसंद आ जाते हैं, तो.”

“हम कमरों को कब देखेंगे?”

“कल दोपहर यहां पर मुझ से मिलने आ जाना और हम एकसाथ जा कर मामला पक्का कर लेंगे,” उस ने जवाब दिया.

“ठीक है, कल दोपहर ठीक बारह बजे,” उस से हाथ मिलाते हुए मैं ने कहा.

हम ने उसे अपने केमिकलों के बीच काम करते हुए छोड़ा और हम साथसाथ अपने होटल की ओर बढ़े.

“वैसे,” मैं ने रुक कर स्टैमफोर्ड की ओर मुड़ कर अचानक पूछा, “उसे यह कैसे मालूम पड़ा कि मैं अफगानिस्तान से आया हूं?”

मेरा दोस्त रहस्यमय तरीके से मुसकराया, “यह उस की एक छोटी सी खासियत है,” वह बोला, “काफी सारे लोगों ने जानना चाहा है कि वह यह कैसे पता कर लेता है.”

“ओह! तो यह एक राज है?” हाथ मिलाते हुए मैं ने कहा, “यह बिलकुल साफ है. हमें साथ मिलाने के लिए मैं तुम्हारा शुक्रिया अदा करता हूं. इनसानों की सही जानकारी किसी आदमी के बारे में तहकीकात करने पर होती है.”

“तब फिर तुम इस को पढ़ना.” मुझ से विदा लेते हुए स्टैमफोर्ड ने कहा, “पर तुम्हें वह बहुत पेचीदा जान पड़ेगा. मैं शर्त लगा सकता हूं कि तुम उस के बारे में जितना जान पाओगे, उस से ज्यादा वह तुम्हारे बारे में जान लेगा. गुडबाय.”

नतीजे पर पहुंचने का विज्ञान

जैसाकि उस ने पहले तय किया था, हम अगले दिन मिले और हम ने नंबर 221 बी, बेकर स्ट्रीट के कमरों का जायजा लिया, जिन के बारे में उस ने बताया था. उन में दो आरामदायक बेडरूम थे और एक बड़ी हवादार बैठक थी, जिस में अच्छा फर्नीचर था और दो चौड़ी खिड़कियों से उस में रोशनी आती थी. यह अपार्टमेंट हर तरीके से इतना सटीक था और हमारे बीच बंट जाने पर किराया इतना सही कि हम ने वहीं पर सौदा तय कर लिया और वह कमरा हमारा हो गया.

उसी शाम मैं होटल से अपना सामान ले आया और अगली सुबह शरलॉक होम्स भी अपना सामान और कपड़ों से भरा चमड़े का सूटकेस ले कर आ पहुंचा. एक या दो दिनों तक हम अपना सामान लगाने में लगे रहे. धीरेधीरे हम अपने नए ठिकाने के आदी होने लगे.

होम्स के साथ रहना कोई मुश्किल काम नहीं था. वह बहुत शांति से अपना काम करता था और उस की आदतें नियमित थीं. वह शायद ही कभी रात में दस बजे के बाद जगा रहता. ज्यादातर सुबह मेरे उठने के पहले वह नाश्ता कर के निकल जाता था. कभी वह केमिकल लैब में दिन बिताता, कभी चीड़फाड़ वाले कमरे में और कभीकभी लंबी दूरी तक पैदल चला जाता, जिस से लगता कि वह शहर के निचले इलाकों में पहुंच गया है.

जब उस पर काम करने का भूत सवार होता, तो उस की एनर्जी को कोई मात नहीं दे सकता था. पर कभीकभी उस पर कोई झक सवार हो जाती और कईकई दिनों तक वह बिना एक भी लफ्ज बोले या सुबह से शाम तक बगैर एक भी मांसपेशी हिलाए बैठक के सोफे पर लेटा रहता.

इन मौकों पर मैं ने उस की आंखों में इतना खोयाखोया, खाली सा भाव देखा है कि मुझे शक होता कि वह किसी नशे की लत का शिकार हो गया है. पर उस की रोजमर्रा की जिंदगी में अनुशासन और साफसफाई को देख कर यह खयाल उठ ही नहीं पाता था.

जैसेजैसे हफ्ते गुजरते गए, उस के लिए मेरी दिलचस्पी और जिंदगी में उस के उद्देश्य की ओर मेरा कुतूहल गहराता और बढ़ता गया. उस की शख्सियत और रंगरूप ऐसा था कि किसी राह चलते इनसान का भी ध्यान अपनी ओर खींच ले. लंबाई में वह करीब दो मीटर था और इतना पतला

कि वह और भी लंबा लगता था. उस की आंखें तीखी और भेदती हुई थीं, सिवा उस समय, जब वह अपनी दुनिया में खोया रहता था.

पतली बाज जैसी नाक से वह चौकन्ना और जिद्दी जान पड़ता था. उस की ठोड़ी भी साफ और चौकोर थी, जो किसी जिद्दी इनसान की निशानी होती है. उस के हाथ अकसर स्याही से रंगे होते और उन पर रसायनों के धब्बे होते. फिर भी उस की छुअन में बेहद नजाकत थी, जो मुझे अपने नाजुक उपकरणों का इस्तेमाल करते वक्त दिखाई पड़ी थी.

पाठक मुझे दूसरों के कामों में दखल देने वाला बेकार आदमी मान सकते हैं, अगर मैं यह हामी भरूं कि इस शख्स ने किस हद तक मेरी दिलचस्पी जगाई है. मैं ने कितनी बार कोशिश की है कि मैं उस की उस जिद को चीर सकूं जो वह अपने मतलब के हर काम में दिखाता है.

पर किसी भी नतीजे पर पहुंचने के पहले यह याद रहे कि मेरी जिंदगी कितनी बेकार थी और मेरा मन लगाने के लिए कितने कम तरीके थे. बाहर जाने में मेरी तबीयत आड़े आती थी, जब तक मौसम बेहद खुशगवार न हो. मेरे ऐसे दोस्त भी नहीं थे जो मुझ से मिलने आते और मेरा रोजमर्रा का अकेलापन दूर करते. इन हालात में मैं उस छोटे से रहस्य का खुशी से स्वागत करता, जो मेरे दोस्त के इर्दगिर्द छाया रहता था. मैं अपना काफी समय उस रहस्य का परदाफाश करने की कोशिश में बिताता.

वह मेडिसिन नहीं पढ़ रहा था. एक सवाल के जवाब में उस ने खुद इस बारे में स्टैमफोर्ड की राय मानी थी. न ही ऐसा लगता था कि उस ने पढ़ाई का कोई भी कोर्स पूरा किया था जो उसे विज्ञान या किसी भी विषय में डिगरी प्राप्त करने के लायक बना सके. फिर भी कुछ विषयों में उस की दिलचस्पी तारीफ के काबिल थी और एक विचित्र सीमा में उस की जानकारी इतनी विस्तृत और बारीक थी कि उस के खयाल मुझे काफी हद तक ताज्जुब में डाल देते थे.

यह तय था कि कोई भी किसी तय मंजिल के बगैर इतनी मेहनत या इतनी ज्यादा जानकारी इकट्ठी करने की जहमत नहीं उठाता. अनियमित पाठक अपनी जानकारी के लिए शायद ही कभी अपनी ओर ध्यान खींचते हैं. कोई भी शख्स छोटीमोटी वजह के लिए अपने दिमाग पर जोर नहीं देता, जब तक उस के पास ऐसा करने की कोई अच्छी वजह नहीं होती.

उस का अनजानापन उस के ज्ञान की तरह ही चौंकाने वाला था. सामयिक साहित्य, फलसफे और राजनीति के मसलों में वह बिलकुल अनजान मालूम होता था. थॉमस कारलाइल का हवाला देने पर उस ने

बेहद अल्हड़ता से मुझ से पूछा कि वह कौन है और उस ने कौन सा तारीफ का काम किया है.

मेरे ताज्जुब की उस वक्त सीमा नहीं रही, जब मैं ने अचानक पाया कि उसे कॉपरनिक्स की थ्योरी के बारे में कुछ भी नहीं मालूम था, न ही सोलर सिस्टम के बारे में कि कोई भी सभ्य व्यक्ति, इस उन्नीसवीं शताब्दी में यह भी न जानता हो कि धरती सूरज के चारों ओर चक्कर लगाती है. इतनी अजीब बात थी कि मैं यकीन ही नहीं कर पा रहा था.

"तुम ताज्जुब में दिखाई दे रहे हो," मेरे भाव पर मुसकराते हुए उस ने कहा, "अब जब मुझे यह जानकारी हो गई है, मैं पूरी कोशिश करूंगा कि इस को मैं भूल जाऊं."

"भूल जाऊं!"

"देखो," उस ने समझाया, "मैं मानता हूं कि आदमी का दिमाग असल में एक खाली अटारी की तरह होता है और तुम को उस में अपना मनपसंद सामान भरना होता है. जो बेवकूफ होता है वह हर तरह का सामान भरता जाता है, जिस से जो जानकारी उस के लिए मायने रखती है, वह भीड़ में खो जाती है, जिस से उस को वह जानकारी ढूंढ़ने में मुश्किल होती है. कुशल कारीगर अटारी भरते वक्त चौकन्ना रहता है कि वह क्या भर रहा है. वह उस में सिर्फ वे औजार रखता है जो काम करने में उस की मदद कर सकते हैं, पर ये मात्रा में काफी ज्यादा होते हैं और सभी को दिमाग में अच्छी तरह संभाल कर रखा जाता है. यह सोचना भूल है कि उस छोटे से कमरे में इतना लचीलापन है कि उस को किसी भी सीमा तक खींचा जा सकता है. यह याद रखो कि ऐसा वक्त आता है जब हर अतिरिक्त ज्ञान की जगह पर तुम ऐसा कुछ भूल जाते हो जो तुम को पहले से पता था, इसलिए यह सब से जरूरी है कि जरूरी तथ्यों पर अनावश्यक तथ्य भारी न पड़ जाए."

"पर सौरमंडल!" मैं ने विरोध किया.

"उस से मुझे आखिर क्या मतलब हो सकता है," उस ने विचलित हो कर पूछा. "तुम कहते हो कि हम सूरज के चारों ओर चक्कर लगाते हैं, किंतु अगर हम चांद के चक्कर लगा रहे होते तो भी रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता न, मेरे काम में."

मैं उस से पूछने ही वाला था कि उस का काम आखिर है क्या, पर उस के अंदाज में कुछ ऐसा था कि मुझे लगा कि इस सवाल से वह खुश नहीं होगा. मैं ने अपनी छोटी सी बातचीत पर गौर किया और उस से कुछ

समझने की कोशिश की. उस ने कहा कि वह ऐसी कोई जानकारी नहीं लेगा जो उस से मतलब नहीं रखती हो. इसलिए उस के पास जितनी भी जानकारी थी, वह सब उस के लिए जरूरी थी.

मैं ने अपने मन में वे सभी बातें दोहराईं, जिन से मुझे मालूम पड़ा कि उस को बहुत कुछ मालूम था. मैं ने एक पेंसिल ले कर उन सब बातों को लिख लिया. जब मैं ने उस के बारे पूरा हुआ दस्तावेज पढ़ा, तो मैं अपनी हंसी दबा नहीं पाया. वह इस तरह था:

शरलॉक होम्स: उस की सीमाएं

1 . साहित्य की जानकारी- शून्य.

2 . फलसफे की जानकारी- शून्य.

3 . खगोल की जानकारी- शून्य.

4 . राजनीति की जानकारी- बेहद कामजोर.

5 . वनस्पति विज्ञान की जानकारी- थोड़ीबहुत. धतूरा, अफीम, जहरों के बारे में पूरा ज्ञान. बागबानी के बारे में कुछ नहीं जानता.

6 . भूतत्त्व विद्या का ज्ञान- व्यावहारिक पर सीमित. देख लेने भर से ही अलगअलग किस्मों की मिट्टियों का भेद बता सकता है. सैर के बाद मुझे अपनी पतलून पर पड़े छींटों को दिखाया है और उन के रंग और घनता से उस ने मुझे बताया है कि लंदन के किस भाग में वे उस को मिले हैं.

7 . रसायन शास्त्र की जानकारी- बहुत गहरी.

8 . शरीर रचना शास्त्र की जानकारी- अचूक पर अव्यावहारिक.

9 . सनसनीखेज साहित्य की जानकारी- शताब्दी में विस्तृत हुई हर भयंकर घटना की विस्तृत जानकारी रखने वाला दिखाई देता है.

10 . वायलिन अच्छा बजा लेता है.

11 . अच्छा लठैत, घूंसेबाज और तलवारबाज है.

12 . अंगरेजी कानून का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान है.

जब मेरी सूची इतनी लंबी हो गई, तो घबरा कर मैं ने उसे आग में फेंक दिया. “अगर मैं केवल यह जान पाता कि इन उपलब्धियों से वह क्या करना चाहता है और ऐसा कौन सा पेशा है, जिस में सब की जरूरत पड़ेगी,” मैं ने अपने आप से कहा, “तो मैं अपनी यह कोशिश तुरंत छोड़ देता?”

मैं देख रहा हूं कि ऊपर मैं ने उस की वायलिन बजाने की काबिलीयत का जिक्र किया है. यह बेहद उल्लेखनीय थी, पर उस की अन्य उपलब्धियों की ही तरह विचित्र भी. वह अच्छी और कठिन धुनें निकाल लेता था. यह मैं अच्छी तरह जानता था, क्योंकि मेरे अनुरोध पर उस ने मेनडेलस्सोन की लाइडर और पसंदीदा धुनें बजाई हैं. जब वह अपने में होता तो शायद ही कभी संगीत बजाता या कोई अन्य जानापहचाना काम करता.

शाम को अपनी आरामकुरसी में अधलेटा सा, वह आंखें मूंद कर घुटनों पर पड़ी सारंगी के तार छेड़ता रहता. कभी तान मीठी और उदास होती, कभी वह खुशनुमा होती. जाहिर है कि इस से उस के उस वक्त के मूड का पता चलता था, पर यह मूड उस तान से प्रेरित है. वह यूं ही बजा रहा है यह मेरी समझ के बाहर था. इन उबाऊ इकलबंदियों के खिलाफ मैं बोल उठता. अगर ऐसा नहीं होता, तो अंत में वह मेरी पसंदीदा धुनों की पूरी श्रृंखला बजा कर मुझे मेरी सहनशीलता का मुआवजा नहीं देता.

पहले सप्ताह के आसपास हमारे पास कोई मिलने वाला नहीं आया और मैं यह सोचने लगा था कि मेरा साथी भी मेरी ही तरह मित्रविहीन है. पर धीरेधीरे मुझे पता चला कि उस की काफी जानपहचान है और वह भी समाज के अलगअलग तबकों में. वह एक छोटा सा भूरे रंग का, चूहे जैसा, काली आंखों वाला व्यक्ति था, जिस का परिचय मुझ से मिस्टर लेस्ट्रेड कह कर कराया गया था और जो एक ही हफ्ते में तीन या चार बार आया. एक सुबह एक युवती आई, जिस ने फैशन के अनुकूल कपड़े पहन रखे थे और वह आधा घंटे या इस से अधिक समय तक रही. उसी दोपहर एक सफेद बालों वाला संदेहास्पद मेहमान आया, जो एक यहूदी फेरीवाला लग रहा था. वह मुझे बेहद उत्तेजित लगा और उस के ठीक पीछेपीछे चप्पल पहने अधेड़ औरत आई.

एक दूसरे मौके पर सफेद बालों वाले एक वृद्ध पुरुष ने मेरे साथी से मुलाकात की और दूसरे अवसर पर अपनी मखमली वरदी पहने एक रेलवे के कुली ने. जब इन में से कोई भी साधारण सा व्यक्ति आता था, तो शरलॉक होम्स मुझ से अनुरोध करता था कि वह बैठक का इस्तेमाल करेगा और मैं बेडरूम में आराम करने चला जाता. मुझे इस तरह असुविधा में डालने के बाद वह हमेशा मुझ से माफी मांगता था. “यह कमरा मुझे अपने पेशे के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है,” वह बोला, “और ये लोग मेरे मुवक्किल हैं,” मेरे पास फिर से उस से सीधा, सपाट सवाल पूछने का मौका था और एक बार फिर मेरे लिहाज ने एक दूसरे शख्स को अपना हमराज बनाने को रोक दिया. उस वक्त मैं ने सोचा कि उस के पास इस

बात का जिक्र न करने की कोई मजबूत वजह होगी, पर इस मुद्दे को खुद ही छेड़ कर उस ने मेरे इस खयाल को जल्दी ही तोड़ दिया.

चार मार्च की बात है. इस तारीख को याद रखने के लिए मेरे पास एक ठोस वजह यह थी कि मैं रोजाना से थोड़ा जल्दी जाग गया और पाया कि शरलॉक होम्स ने अभी नाश्ता नहीं किया है. मकान मालकिन मेरे देर से दिन शुरू करने की आदत की इतनी आदी हो चली थी कि उस ने मेज पर मेरे लिए प्लेट वगैरह भी नहीं रखी थीं और न मेरी कौफी तैयार थी. आदमजात की बेतुकी ढिठाई से मैं ने घंटी बजाई और रुखाई से कहलवाया कि मैं तैयार हूं. फिर मैं ने मेज पर से मैगजीन उठाई और उस से समय बिताने की कोशिश करने लगा, जबकि मेरा मित्र चुपचाप टोस्ट खाता रहा. एक लेख के शीर्षक पर पेंसिल का निशान था और स्वाभाविक तौर पर मैं ने उस पर अपनी निगाह दौड़ाई.

उस का कुछ इस तरह का महत्त्वाकांक्षी शीर्षक था- जीवन की पुस्तक.' उस में यह दिखाने की कोशिश की गई थी कि एक चौकन्ना व्यक्ति अपनी राह में आने वाली हर बात का सटीक और नियमबद्ध परीक्षण करने में कितना कुछ सीख सकता है. मुझे वह चतुराई और बेतुकेपन का एक अद्भुत मिश्रण लगा. उस के तर्क सटीक थे, पर उस के निष्कर्ष मुझे मुश्किल और बढ़ेचढ़े लगे. लेखक ने दावा किया था कि एक जरा सा भाव मांसपेशी का फड़कना या आंख की एक सरसरी नजर से वह किसी के भी अंदरूनी विचारों का थाह पा सकता है. उस के अनुसार, पर्यवेक्षण तथा विश्लेषण में प्रशिक्षित व्यक्ति के साथ छलकपट करना असंभव है. उस के निष्कर्ष यूक्लिड की अनेक प्रस्तावनाओं की तरह ही दोषरहित थे. एक अनजान व्यक्ति के लिए उस के नतीजे इतने चौंकाने वाले थे कि जब तक वे उन प्रक्रियाओं को नहीं सीख लेते जिन के द्वारा वह उन निष्कर्षों पर पहुंचा था, तब तक वे उस को जादूगर ही समझते.

'एक बूंद पानी से,' लेखक ने कहा- कोई तार्किक एक अटलांटिक या नियाग्रा की संभावना का अनुमान कर सकता है, भले ही उस ने इन में से किसी को भी न सुना और न देखा हो. इसलिए पूरी जिंदगी एक जंजीर है, जिस की प्रवृत्ति के बारे में हम उस की एक कला दिखाई पड़ते ही जान जाते हैं. दूसरी कलाओं की तरह ही निष्कर्ष और विवेचन का विज्ञान लंबे और धैर्यपूर्ण अध्ययन द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है. जिंदगी इतनी लंबी नहीं होती कि कोई भी इनसान इस में पूरे तौर पर सटीकता प्राप्त कर सके.

इस तथ्य के नैतिक और मानसिक मुद्दों पर गौर करने से पहले जो बड़ी कठिनाइयां प्रस्तुत करते हैं, तहकीकात करने वाले को शुरुआती समस्याओं पर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहिए. उसे अपने जैसा दूसरा इनसान मिलने पर एक नजर में ही उस का इतिहास जान लेना सीखने दीजिए और यह भी कि वह किस पेशे या व्यवसाय से संबंध रखता है. इस तरह की हरकत भले ही ओछी जान पड़ती हो, लेकिन इस से अवलोकन करने की क्षमता तीक्ष्ण हो जाती है. यह सिखाती है कि कहां देखना चाहिए और किस चीज को देखना चाहिए. किसी व्यक्ति को अंगुलियों को नाखूनों से, उस के कोट की आस्तीन से, उस के बूटों से, उस की पैंट के घुटनों से, उस की तर्जनी और अंगूठे के चमड़े के कड़ेपन से, उस के भाव से, उस की शर्ट की आस्तीन के छोर से, इन सभी चीजों से जाना जा सकता है. किसी भी मामले में किसी कुशल छानबीन करने वाले को ये सारे तथ्य मिल कर मामले की पूरी जानकारी नहीं दे देंगे, ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता.

"क्या कोरी बकवास है!" मेज पर पत्रिका को जोर से पटकते हुए मैं ने कहा, "ऐसी बेहूदा बातें मैं ने जिंदगी में पहले कभी नहीं पढ़ीं."

"क्या बात है?" शरलॉक होम्स ने पूछा.

"क्यों, यह लेख," नाश्ते के लिए बैठते हुए अपने अंडे की चम्मच से इशारा करते हुए मैं ने कहा. "मैं देख रहा हूं कि तुम ने यह लेख पढ़ा है क्योंकि तुम ने इस पर निशान लगा रखे हैं. मैं इनकार नहीं कर रहा हूं कि यह अच्छी तरह लिखा गया है, पर मुझे इस से खीज हो रही है. साफतौर पर ये एक ऐसे व्यक्ति के दिल की बातें हैं, जो आरामकुरसी पर पसर कर इस तरह के छोटेछोटे विरोधाभास अपने कमरे की तन्हाई में लिखा करता है. यह व्यावहारिक नहीं है. मैं उसे भूमिगत ट्रेन के तीसरे दरजे में बंद कर उस से अपने सभी सहयात्रियों के व्यवसाय के बारे में जानना चाहूंगा. मैं उस के खिलाफ हजार में एक की शर्त रखता हूं."

"तुम अपना पैसा खो दोगे," होम्स ने शांति से उत्तर दिया. "और जहां तक लेख का सवाल है, वह मैं ने खुद लिखा है."

"तुम ने!"

"हां, मैं गौर से निरीक्षण भी कर सकता हूं और निष्कर्ष भी निकाल सकता हूं. जिन सिद्धांतों को मैं ने यहां पर व्यक्त किया है और जो तुम को इतने मनगढ़ंत लग रहे हैं, वास्तव में बेहद व्यावहारिक हैं, इतने कि मैं अपनी रोजीरोटी के लिए इन पर निर्भर हूं."

"अरे, कैसे?" न चाहते हुए भी मैं ने पूछा.

“मेरा अपना एक व्यवसाय है. मेरे विचार से इस व्यवसाय में मैं अकेला ही हूं. पूरी दुनिया में मैं एक सलाहकार जासूस हूं. अगर तुम इसे समझ सकते तो! यहां लंदन में बहुत सारे सरकारी जासूस हैं और बहुत सारे निजी जासूस भी. जब ये लोग गलती पर होते हैं तो ये मेरे पास आते हैं और मैं उन को सही दिशा में मोड़ देता हूं. वे लोग सारे सबूत मेरे सामने रखते हैं और अपराध के इतिहास की अपनी जानकारी की सहायता से मैं उन को सुलझाने में सफल हो जाता हूं. दुष्कर्मों की एक ठोस पारिवारिक समानता होती है और अगर तुम को एक हजार अपराधों की विस्तृत जानकारी मुंहजबानी याद हो, तो यह विचित्र बात होगी कि तुम एक हजार एकवीं वारदात को सुलझा नहीं पाओ. लेसट्रेड एक मशहूर जासूस है. जालसाजी के एक मामले में वह कुछ मुश्किल में पड़ गया था और यही परेशानी उसे यहां खींच लाई.”

“और ये बाकी लोग?”

“अधिकतर ये लोग किसी निजी छानबीन एजेंसी द्वारा भेजे जाते हैं. ये सब वे लोग होते हैं, जो परेशानी में होते हैं और कुछ जानकारी चाहते हैं. मैं उन की कहानी सुनता हूं, वे मेरी टिप्पणियां सुनते हैं और फिर मैं अपनी फीस जेब में रख लेता हूं.”

“पर तुम क्या कहना चाहते हो,” मैं ने कहा, “अपना कमरा छोड़े बगैर ही तुम ऐसी कोई गुत्थी सुलझा देते हो जो दूसरे लोगों की समझ के बाहर होती है, जबकि उन्होंने अपने पास एकएक चीज की गहरी छानबीन की है?”

“बिलकुल. इस बारे में मुझे गहरा ज्ञान है. बीचबीच में कोई ऐसा मामला आ जाता है, जो कुछ ज्यादा ही पेचीदा होता है. फिर मुझे इधरउधर जा कर अपनी आंखों से सब कुछ देखना पड़ता है. देखो, मेरे पास बहुत सी ऐसी विशेष जानकारी है, जो मैं समस्या पर लागू करता हूं जिस से आश्चर्यजनक तौर पर उन्हें सुलझाने में मदद मिलती है. उस लेख में निष्कर्ष के जो नियम मैं ने स्थापित किए हैं, जिन से तुम्हारे अंदर तिरस्कार जागा है, वे मेरे व्यावहारिक काम के लिए अनमोल हैं. मेरे लिए हर चीज का गौर से निरीक्षण करना मेरी दूसरी प्रवृत्ति बन चुकी है. जब मैं ने तुम्हें अपनी पहली मुलाकात में ही बताया था कि तुम अफगानिस्तान से आए हो, तो तुम आश्चर्यचकित से लगे थे.”

“तुम को बताया गया था, इस में कोई शक नहीं.”

“ऐसा कुछ नहीं था. मुझे मालूम था कि तुम अफगानिस्तान से आए हो. पुरानी आदत के अनुसार, विचारों की गाड़ी इतनी तेज मेरे मन में दौड़ी कि उस में आने वाले पड़ावों की ओर ध्यान दिए बगैर ही मैं इस नतीजे पर पहुंच गया, पर कुछ पड़ाव तो जरूर थे. तर्क का पहिया कुछ इस तरह दौड़ाः ‘यह मेडिकल किस्म का संभ्रांत व्यक्ति है, पर इस का हावभाव सेना का सा है. साफतौर पर तब यह सेना का डाक्टर है. यह अभीअभी अयनवृत्तों से लौटा है, क्योंकि इस का चेहरा काला पड़ा हुआ है. यह इस की स्वाभाविक त्वचा नहीं है क्योंकि इस की कलाइयां गोरी हैं.

“यह बहुत कठिनाइयों और बीमारियों से गुजरा है, जैसा कि कुम्हलाया हुआ चेहरा साफ बताता है. इस का बायां हाथ जख्मी है. वह बिलकुल अकड़ा हुआ है और वह उसे अस्वाभाविक रूप से रखता है. अयनवृत्तों में कौन से स्थान पर एक अंगरेज सेना का डाक्टर इतनी कठिनाइयां देखता और हाथ जख्मी करता? साफतौर पर अफगानिस्तान में.’ विचारों की इस पूरी प्रक्रिया ने एक क्षण भी नहीं लगाया, फिर मैं ने टिप्पणी की कि तुम अफगानिस्तान से आए हो और तुम आश्चर्य में पड़ गए.”

“जब तुम समझा रहे हो, तो यह बहुत सरल लग रहा है,” मुसकराते हुए मैं ने कहा, “तुम मुझे एडगर एलन पो के ड्यूपिन की याद दिलाते हो. मुझे मालूम नहीं था कि कहानियों के बाहर भी ऐसे व्यक्ति होते हैं.”

शरलॉक होम्स उठा और उस ने अपना पाइप सुलगाया. “इस में कोई शक नहीं कि तुम सोच रहे हो कि ड्यूपिन से मेरी तुलना कर के तुम मेरी प्रशंसा कर रहो हो,” उस ने टिप्पणी की. “मेरे विचार से ड्यूपिन बेहद घटिया व्यक्ति था. पंद्रह मिनटों की चुप्पी के बाद किसी अनुकूल टिप्पणी द्वारा अपने मित्र के विचारों को तोड़ने की उस की चालाकी बड़ी दिखावटी और खोखली है. बेशक उस में विश्लेषण की बुद्धि थी, पर किसी भी तरह वह उतना भी अपूर्व नहीं था. जैसी वह कल्पना करता प्रतीत होता था.”

“क्या तुम ने गैबोरियाओ के कामों को पढ़ा है?” मैं ने पूछा. “क्या लिकौक तुम्हारी जासूस की कल्पना पर खरा उतरता है?”

शरलॉक होम्स ने तिरस्कार की सांस छोड़ी. “लिकौक एक अभागा एवं फूहड़ व्यक्ति था,” उस ने गुस्से भरी आवाज में कहा, “उस की तारीफ में सिर्फ एक ही बात थी और वह थी उस की ऊर्जा. उस किताब से मैं वास्तव में बीमार पड़ गया था. प्रश्न यह था किसी अनजाने कैदी की पहचान कैसे की जाए. मैं इस काम को चौबीस घंटों में कर देता. लिकौक को लगभग

छह महीने लग गए. उसे जासूसों की पाठ्यपुस्तक में लिख देना चाहिए कि उन्हें किनकिन बातों को नजरअंदाज करना चाहिए.”

दो चरित्रों को, जिन का मैं प्रशंसक था, इस प्रकार तिरस्कृत किए जाने से मुझे गुस्सा आने लगा. मैं खिड़की तक गया और व्यस्त सड़क को देखने लगा. ‘यह शख्स बहुत होशियार भले ही हो,’ मैं ने अपने से कहा, ‘पर वास्तव में यह बहुत घमंडी है.’

“आजकल न अपराध होते हैं, न अपराधी,” लड़ने के अंदाज में वह बोला. “हमारे पेशे में दिमाग का क्या फायदा है? मैं अच्छी तरह जानता हूं कि मेरे अंदर वह बात है, जो मेरे नाम को प्रसिद्ध कर सकती है.

“अपराध की खोज में जितना अध्ययन मैं ने किया है और जितना मुझ में प्राकृतिक हुनर है, उतना किसी भी जीवित व्यक्ति के पास नहीं है और न पहले कभी किसी के पास रहा होगा और इस का परिणाम क्या निकला? अब ढूंढ़ने के लिए कोई अपराध नहीं है या फिर अधिक से अधिक कोई फूहड़ता से किया गया अपराध होता है, जिस का उद्देश्य इतना पारदर्शी होता है कि स्काटलैंड यार्ड का अधिकारी भी उस को आरपार देख सकता है.”

बातचीत करने के उस के इस घमंडी अंदाज से मैं अब भी चिढ़ा हुआ था. मैं ने सोचा कि बातचीत का विषय बदल देना ही सब से अच्छा होगा.

“मैं सोच रहा हूं कि वह आदमी क्या ढूंढ़ रहा है?” मैं ने सादा कपड़े पहने एक हट्टेकट्टे व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए पूछा, जो सड़क के उस पार धीरेधीरे चल रहा था और अंकों को चिंतित दृष्टि से देखता जा रहा था. उस के हाथ में एक बड़ा सा नीला लिफाफा था और स्पष्ट था कि वह किसी का संदेशवाहक था.

“तुम्हारा मतलब है समुद्री जहाज का अवकाशप्राप्त सारजेंट,” शरलॉक होम्स ने कहा.

‘साफतौर पर यह अपना ढिंढोरा खुद पीट रहा है,’ मैं ने सोचा, ‘यह जानता है कि मैं इस के अनुमान की पुष्टि नहीं कर सकता.’

यह विचार मेरे मन में आया ही था कि जिस व्यक्ति को हम देख रहे थे, उस आदमी की दृष्टि हमारे दरवाजे पर लगे नंबर पर पड़ी और वह जल्दी से सड़क पार करने के लिए दौड़ा. हम ने एक तेज दस्तक सुनी. नीचे एक गहरी और सीढ़ियां चढ़ते भारी कदमों की आवाज सुनाई पड़ी.

“मिस्टर शरलॉक होम्स के लिए,” कमरे में प्रवेश करते हुए उस ने पत्र मेरे दोस्त को थमाते हुए उस ने कहा.

उस का घमंड दूर करने का यह एक अच्छा मौका था. हवा में उछाली गई टिप्पणी करते समय उस ने ध्यान नहीं दिया था. “क्या मैं पूछ सकता हूं,” मैं ने सपाट आवाज में कहा, “तुम्हारा पेशा क्या है?”

“नौसेना में हूं, सर,” उस ने रुखाई से कहा. “मेरी वरदी ठीक होने गई है.”

“और तुम क्या थे?” मैं ने अपने मित्र की ओर एक द्वेषपूर्ण दृष्टि डालते हुए पूछा.

“सारजेंट सर, रॉयल मैरीन लाइट इंफेंट्री सर.” कोई जवाब नहीं? “ठीक है सर.”

उस ने अपनी एड़ियां खटखटाईं, हाथ सेल्यूट में उठाया और वह जा चुका था.

लौरिस्टन गार्डन का राज

मैं मानता हूं कि अपने साथी के व्यावहारिक सिद्धांतों के इस ताजा सबूत से मैं काफी हैरान था. उस की विश्लेषण करने की काबिलीयत के लिए मेरी उस के प्रति इज्जत काफी बढ़ गई थी. मेरे मन में फिर हलका सा शक रहा गया था कि यह पूरी घटना कहीं पहले से सोचीसमझी तो नहीं थी, मुझे अचरज में डालने के लिए. हालांकि मुझे बेवकूफ बनाने के पीछे उस को क्या फायदा हो सकता था, यह मेरी समझ से परे था. जब मैं ने उस की ओर देखा, वह नोट पढ़ चुका था और उस की आंखों में वही अनमना सपाट खालीपन नजर आया.

"आखिर तुम इस नतीजे पर पहुंचे कैसे?" मैं ने पूछा.

"कौन सा नतीजा?" उस ने ढिठाई से पूछा, "क्यों, यह कि वह मैरींस का अवकाश प्राप्त सारजेंट था."

"बेकार की बातों के लिए मेरे पास समय नहीं है," उस ने अशिष्टता से कहा. फिर मुसकरा कर बोला, "मेरी बदतमीजी के लिए मुझे क्षमा करो. तुम ने मेरे विचारों की डोर तोड़ दी. पर यह ठीक ही है, तो तुम वास्तव में नहीं देख पाए कि वह शख्स मैरींस में सारजेंट था?"

"सचमुच, नहीं."

"मैं क्यों जान गया, यह बात समझाने से ज्यादा आसान है इस बात को जान लेना. अगर तुम से कहा जाए कि साबित करो कि दो और दो चार होते हैं, तो तुम्हें थोड़ी कठिनाई हो सकती है. फिर भी तुम को मालूम है कि यह तथ्य ठीक है. सड़क के पार से ही मैं ने उस के हाथ के पीछे एक बड़ा नीले रंग का लंगर गोदा हुआ (टैटू) देखा था. उस से मुझे समुद्र का एहसास हुआ. पर उस की चाल में सैनिक का सा रोब था और बड़ीबड़ी मूंछें थीं. इसलिए वह एक मैरीन था. उस में स्वाभिमान था और हुक्म चलाने की आदत. तुम ने देखा होगा कि किस तरह वह अपना सिर उठा कर चल रहा था और अपनी बेंत झुला रहा था. ऐसा लग रहा था कि वह एक इज्जतदार अधेड़ उमर का आदमी है-इन्हीं सारी बातों को मिला कर मुझे यकीन हो गया कि वह एक सारजेंट रहा होगा."

"अद्भुत!" मेरे मुंह से निकला.

"बड़ी साधारण बात है," होम्स ने कहा. हालांकि उस के भाव से मालूम पड़ रहा था कि मेरी जाहिर हैरानी और तारीफ से वह खुश था. "मैं

ने अभीअभी कहा था कि यहां कोई भी अपराधी नहीं है. ऐसा लगता है कि मैं गलत था. इस को देखो.” उस ने मेरी ओर वह नोट फेंका जो कमिश्नर लाया था.

“क्यों,” मैं ने उस पर नजर दौड़ाते हुए कहा, यह तो भयंकर है!”

“यह सामान्य से थोड़ा हट कर है,” उस ने शांत भाव से कहा. “क्या तुम जोर से पढ़ कर मुझे सुना सकते हो?”

मैं ने उस को यह पत्र पढ़ कर सुनाया थाः

‘प्रिय मिस्टर शरलॉक होम्स, ब्रिक्सटन रोड से हट कर, तीन, लौरिस्टन गार्डन में रात के समय एक अप्रिय वारदात हुई है. रात के करीब दो बजे गश्त करते चौकीदार ने वहां पर रोशनी देखी. क्योंकि वह खाली घर था, उस को शक हुआ कि जरूर कुछ गड़बड़ है. उस ने दरवाजा खुला पाया और सामने वाले कमरे में, जिस में सामान नहीं था, एक पुरुष की लाश देखी. उस ने अच्छे कपड़े पहने हुए थे और जेब में कई कार्ड थे, जिन पर लिखा हुआ था- ‘एनोच जे. ड्रेबर, क्लीवलैंड, ओहियो, अमेरिका.’ वहां कोई डाका पड़ा नजर नहीं आ रहा था, न ही वहां इस बात का कोई सबूत है कि उस व्यक्ति की मौत कैसे हुई. कमरे में खून के निशान हैं, पर लाश पर कोई जख्म नहीं है. हमें समझ में नहीं आ रहा कि वह लाश इस खाली घर में कैसे आई. बल्कि यह पूरा मामला ही पेचीदा है.

अगर बारह बजे से पहले किसी भी समय तुम वहां पहुंचोगे, तो मैं वहां मिलूंगा. मैं ने सब कुछ ज्यों का त्यों छोड़ रखा है- जब तक कि तुम से कोई खबर नहीं मिलती. अगर तुम नहीं आ सकते तो मैं तुम को पूरी जानकारी दे दूंगा और अगर तुम मुझे अपनी राय दोगे, तो मैं उसे तुम्हारी बड़ी मेहरबानी समझूंगा. तुम्हारा, टोबियास ग्रेगसन.’

“स्कॉटलैंड यार्डरों में ग्रेगसन सब से स्मार्ट है,” मेरे मित्र ने टिप्पणी की. “निकम्मे लोगों में वह और लेस्ट्रेड सब से अच्छे हैं. दोनों ही चुस्त और फुरतीले हैं, पर उन के तरीके चौंकाने की हद तक पुराने हैं. वे एकदूसरे की पीठ में छुरा भोंकते रहते हैं. दो सुंदरियों की तरह वे आपस में ईर्ष्या करते हैं. अगर वे दोनों ही इस मामले की छानबीन करने लगे, तो इस मामले में मजा आ जाएगा.”

उस के बात करने के शांत भाव से मैं भौचक्का था. “अब एक क्षण की भी देर नहीं होनी चाहिए,” मैं बोल उठा, “क्या तुम्हारे लिए टैक्सी का प्रबंध करूं?”

"मुझे पक्का नहीं मालूम कि मैं जाऊंगा या नहीं. मैं बेहद आलसी हूं. जब मुझे दौरा चढ़ता है, तो कभीकभी मैं काफी फुरतीला भी हो सकता हूं."

"क्यों, यह तो वही मौका है, जिस का तुम को इंतजार था." माई डियर, इस से मुझे क्या फर्क पड़ता है? मान लो, मैं इस मामले की गुत्थी सुलझा भी लेता हूं, तो यकीन मानो कि लेस्ट्रेड, ग्रेगसन और कंपनी इस का पूरा श्रेय अपनी जेब में रख लेगी. अनधिकृत व्यक्ति होने का यही नतीजा होता है."

"पर वह तो तुम से मदद मांग रहा है."

"हां, वह जानता है कि मैं उस से ज्यादा काबिल हूं और यह बात मेरे सामने मानता भी है, पर किसी तीसरे के सामने यह बात मानने से पहले वह अपनी जीभ काट लेगा. फिर भी हमें एक बार जा कर देखना होगा. मैं इस मामले को अपनेआप ही सुलझा दूंगा और कुछ नहीं तो मैं उन पर हंस तो सकता हूं. चलो आओ."

उस ने जल्दी से अपना ओवरकोट पहना और इधरउधर जल्दीजल्दी ऐसे काम करने लगा, मानो उस पर फुरती का दौरा चढ़ गया हो.

"अपना हैट ले आओ," वह बोला.

"तुम चाहते हो कि मैं आऊं?"

"हां, अगर तुम्हारे पास करने के लिए और कुछ नहीं हो तो." एक मिनट बाद हम दोनों एक हैनसन में बैठे तेजी से ब्रिक्सटन रोड की ओर चले जा रहे थे.

वह एक बदली भरे कोहरे की सुबह थी और घरों के ऊपर एक मटमैले रंग की चादर सी पड़ी थी, मानो नीचे बिछी मटमैली सड़कों की परछाईं पड़ रही हो. मेरा मित्र काफी प्रसन्नचित्त था. वह क्रेमोना फिडल्स, अमाटी और स्कैनडिनेवियन के बारे में बताता रहा. जहां तक मेरा सवाल था, मैं चुप था क्योंकि उस बदरंग मौसम और हमारे मकसद की गंभीरता के कारण मेरा मन खराब हो रहा था.

"तुम इस मामले पर ज्यादा विचार नहीं कर रहे हो," आखिर में मैं ने होम्स के संगीत संबंधी वार्तालाप को टोकते हुए कहा.

"अभी कोई जानकारी नहीं है," उस ने उत्तर दिया, सभी सबूत इकट्ठा होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना बहुत बड़ी गलती है, इस से न्याय

पक्षपातपूर्ण हो जाता है.”

“तुम्हारे पास सभी जानकारी जल्दी ही पहुंच जाएगी.” मैं ने अंगुली से इशारा करते हुए टिप्पणी की, यह ब्रिक्सटन रोड है और यह वह घर है, अगर मैं गलत नहीं हूं, तो.”

“यह तो है. रोको, ड्राइवर, रोको!” हम अब भी वहां से लगभग सत्तर मीटर दूर थे, पर उस ने जिद कर के हमें वहीं पर उतर जाने को कहा और बाकी यात्रा हम ने पैदल पूरी की.

नंबर तीन, लौरिस्टन गार्डन, मनहूस और भयावह सा दिखाई पड़ रहा था. सड़क से थोड़ा हट कर स्थित चार घरों में से वह एक था, जिन में दो घर भरे हुए थे और दो खाली. इन घरों की तीन मंजिला खाली, उदास सी खिड़कियों में कहींकहीं ‘टू लेट’ का बोर्ड लगा था, मानो धुंधले कांच पर मोतियाबिंद उभर आया हो. एक छोटे से बगीचे में बीमार पौधे बेतरतीबी से उग आए थे और वह इन में से हर घर को सड़क से अलग कर रहा था. पीले से रंग की एक पगडंडी उसे काट रही थी, जो शायद मिट्टी और कंकड़ के मिश्रण से बनी थी. सारी रात होने वाली बरसात की वजह से पूरी जगह में किचकिच हो रही थी. बगीचे के चारों ओर करीब एक मीटर की ईंटों की दीवार थी, जिस के ऊपर लकड़ी के फट्टे लगे हुए थे और इस दीवार के सहारे पुलिस का एक वीर कांस्टेबिल खड़ा था, जिस को कुछ लोफरनुमा लोग घेरे खड़े थे. ये लोग गरदन उचका व आंखों पर जोर दे कर अंदर हो रही गतिविधियों की झलक पाने की कोशिश कर रहे थे.

मैं ने सोचा था कि शरलॉक होम्स तुरंत ही घर के भीतर दौड़ा चला जाएगा और रहस्य की गहराई के अध्ययन में खो जाएगा. पर उस का ऐसा कोई इरादा नहीं था. निर्विकार भाव से वह पगडंडी पर चहलकदमी करता रहा और शून्य भाव से जमीन और आसमान और सामने घरों और लोहे के बाड़ों की ओर देखता रहा.

अपना निरीक्षण खत्म करने के बाद वह धीरेधीरे पगडंडी पर या यूं कहिए कि उस के किनारे उगी घास पर, आंखें जमीन पर टिकाए, बढ़ने लगा. दो बार वह रुका और एक बार मैं ने उस को मुसकराते हुए देखा और संतोष प्रकट करते सुना. गीली मिट्टी पर अनेक पैरों के निशान थे, पर क्योंकि उस पर से पुलिस आजा रही थी, मैं यह देख सकने में असमर्थ था कि मेरा मित्र उस में से कुछ भी जानकारी प्राप्त करने की आशा कैसे कर सकता था. फिर भी उस की भांपने की शक्ति के इतने ज्यादा अद्भुत प्रमाण

मुझे मिल चुके थे कि मेरे मन में कोई संशय नहीं था कि जो मेरे लिए छिपा हुआ था, वह सब उस को दिखलाई पड़ सकता था.

घर के दरवाजे पर हाथ में नोटबुक लिए एक लंबा, सफेद चेहरे और सुनहरे बालों वाला आदमी मिला, जिस ने तपाक से आगे बढ़ कर मेरे मित्र से गरमजोशी से हाथ मिलाया. “बड़ी मेहरबानी जो आप यहां आए.” वह बोला, “मैं ने सब कुछ अनछुआ और ज्यों का त्यों छोड़ दिया है.”

“इस के अलावा!” मेरे मित्र ने पगडंडी की ओर इशारा करते हुए कहा. “इस पर से भैंसों का झुंड गुजरने से भी ज्यादा गंदगी नहीं फैलती. फिर भी, इस में कोई शक नहीं कि तुम ने अपने निष्कर्ष निकाल लिए हैं, हमें यहां आने की अनुमति देने से पहले, ग्रेगसन.”

“घर के अंदर मुझे इतना करना पड़ा,” उस जासूस ने टालते हुए कहा, “मेरा मित्र मिस्टर लेस्ट्रेड यहां पर है. इस मामले को देखने के लिए मैं ने इस पर भरोसा किया है.”

“होम्स ने मेरी ओर नजर डाली और तिरस्कार से उस की भौंहें तन गईं. तुम्हारे और लेस्ट्रेड जैसी दो हस्तियों के मैदान में होते हुए, किसी तीसरी पार्टी के लिए ढूंढ़ने को कुछ नहीं रह जाएगा,” वह बोला.

ग्रेगसन ने आत्मसंतोष से अपने हाथ मले, “मैं सोचता हूं कि हम ने वह सब कर लिया है जो किया जाना चाहिए था,” उस ने उत्तर दिया. “हालांकि यह एक विचित्र मामला है और ऐसी बातों में तुम्हारी रुचि मुझ को मालूम थी.”

“तुम यहां पर कैब (किराए की गाड़ी) में तो नहीं आए थे? “शरलॉक होम्स ने पूछा.

“नहीं, सर.”

“न लेस्ट्रेड.”

“नहीं, सर.”

“फिर चल कर कमरे को देखते हैं.” इस निरर्थक टिप्पणी के बाद उस ने कमरे में कदम रखा. ग्रेगसन उस के पीछेपीछे, चेहरे पर विस्मय के भाव लिए आया.

एक छोटा सा खाली और धूलभरा गलियारा उन को किचन और आफिस की ओर ले गया. दो दरवाजे बाएं और दाएं खुलते थे. उन में से एक जाहिर था कि कई हफ्तों से बंद था. दूसरा कमरा डाईनिंगरूम था,

जहां वह रहस्यमयी घटना घटी थी. होम्स अंदर घुसा और मैं उस के पीछेपीछे भारी मन से चला, जैसा मृत्यु की मौजूदगी में महसूस होता है.

वह एक बड़ा सा चौकोर कमरा था, जो फर्नीचर की गैरमौजूदगी में और भी बड़ा लग रहा था. एक घटिया सा कागज दीवारों पर चिपका था, पर काई की वजह से वह जगहजगह से गला हुआ था और जगहजगह पर बड़ीबड़ी कतरनें अलग हो कर लटक रही थीं और नीचे के पीले प्लास्टर को दर्शा रही थीं. दरवाजे के सामने दिखावटी सा फायरप्लेस था, जो नकली सफेद संगमरमर के पत्थर से जड़ा था. इस के एक कोने में लाल रंग की मोमबत्ती का ठूंठ चिपका हुआ था. एकमात्र खिड़की इतनी गंदी थी कि उस में से आ रही रोशनी इतनी धुंधली थी कि हर चीज मटमैली सी नजर आ रही थी. इस मटमैलेपन को धूल की वह मोटी परत और भी बढ़ा रही थी, जिस ने पूरे अपार्टमेंट को ढक रखा था.

ये सारी बातें मुझे बाद में नजर आईं. फिलहाल तो मेरा सारा ध्यान केंद्रित था उस अकेले खामोश निश्चल जीव पर, जो खाली, पथराई आंखें बदरंगी छत पर गड़ाए हुए लकड़ी के फर्श पर चित्त पड़ा था. यह शरीर एक ऐसे शख्स का था, जो उमर में लगभग तैंतालीस या चौंवालीस वर्षों का रहा होगा. जिस की औसत कद काठी, चौड़े कंधे, घने, काले घुंघराले बाल और एक छोटी सी उगती दाढ़ी थी. वह एक भारी सा चौड़े कपड़े का फ्रॉककोट और बासकट (कुरती) पहने था. उस की पतलून हलके रंग की और कॉलर और आस्तीन बिलकुल साफ थे. उस के पास, जमीन पर ठीक से झाड़ा गया टॉप हैट पड़ा था.

उस की मुट्ठियां भिंची हुई थीं. उस के हाथ छाती पर पड़े थे और उस के पैर आपस में गुंथे हुए थे, मानो मौत से उस की लड़ाई काफी तकलीफदेह थी. उस के शिथिल चेहरे पर डर के भाव थे और जैसा मुझ को दिखाई पड़ा, ऐसी नफरत के, जैसी मैं ने पहले कभी किसी इनसान के चेहरे पर नहीं देखी थी. यह भयावह विद्रूपता, छोटा माथा, चपटी नाक और बाहर की ओर निकला जबड़ा उस मरे हुए आदमी को अजीब बंदरनुमा बना रहे थे और अस्वाभाविक रूप से ऐंठी हुई मुद्रा से वह और भी ज्यादा बंदरनुमा लग रहा था. मैं ने मृत्यु को कई रूपों में देखा है, पर मुझे वह कभी भी इतनी डरावनी नहीं दिखी. जितनी इस अंधेरे, गंदे अपार्टमेंट में लगी, जो लंदन के उपनगरीय इलाके की एक प्रमुख गली में खुलता था.

लेस्ट्रेड, जो हमेशा की तरह पतला और नेवलानुमा था, दरवाजे पर खड़ा था और उस ने मेरा और मेरे मित्र का अभिवादन किया.

“यह केस हलचल पैदा कर देगा, सर.” उस ने टिप्पणी की, आज तक मैं ने जो भी केस देखे हैं, यह केस उन सब से ज्यादा पेचीदा है और मैं कोई नौसिखिया नहीं हूं.”

“कोई भी सुराग नहीं है?” ग्रेगसन ने कहा, “कोई भी नहीं.” लेस्ट्रेड चहका.

शरलॉक होम्स लाश के पास गया और घुटनों के बल बैठ कर गौर से निरीक्षण किया. “तुम को अच्छी तरह मालूम है कि कोई घाव नहीं है?” उस ने चारों ओर लगे हुए खून के धब्बों की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

“बिलकुल!” दोनों जासूस जोर से बोल पड़े. “फिर तो यह खून किसी दूसरे शख्स का है- शायद हत्यारे का. अगर हत्या हुई है तो यह मुझे सन् 34 में यूट्रेट में हुई वॉन जानसेन की मौत के हालातों की याद दिलाता है. तुम को वह केस याद है न, ग्रेगसन?”

“नहीं, सर.”

“उस को पढ़ डालो- तुम को पढ़ना ही चाहिए. इस सूरज के नीचे कुछ भी नया नहीं है. यह सब कुछ पहले भी किया जा चुका है.”

बोलते समय उस की फुरतीली अंगुलियां इधरउधर, चारों ओर चल रही थीं- टटोलती, दबाती, खोलती, परीक्षण करतीं, जबकि उस की आंखों में वह खोयाखोया सा भाव था, जिस का मैं जिक्र कर चुका हूं. परीक्षण इतनी फुरती से किया गया कि कोई उस बारीकी का अंदाज नहीं लगा सकता था, जिस बारीकी से इसे अंजाम दिया गया था. आखिरकार, उस ने मरे हुए व्यक्ति के होंठों को सूंघा और फिर उस के पेटेंट चमड़े के बूटों के तलवे पर नजर डाली.

“इस को बिलकुल भी हिलायाडुलाया नहीं गया है?” उस ने पूछा.

“बस उतना ही, जितना हमारे परीक्षण के लिए जरूरी था.”

“अब इसे शवगृह में ले जा सकते हो,” उस ने कहा, “और जानने के लिए कुछ भी बाकी नहीं रह गया है.”

ग्रेगसन के पास एक स्ट्रेचर और चार आदमी थे. उस के बुलाने पर उन्होंने कमरे में प्रवेश किया और अजनबी को उठा कर बाहर ले गए. जब उन्होंने उसे उठाया, एक अंगूठी खनकती हुई नीचे गिर कर लुढ़कने लगी. लेस्ट्रेड ने उस को उठाया और अचरज से उस को देखने लगा.

“यहां पर एक औरत थी.” वह चिल्लाया, यह एक औरत की शादी की अंगूठी है.”

बोलते हुए उस ने वह अंगूठी हथेली पर रख कर आगे दिखाई. हम सब ने उस को घेर लिया और अंगूठी देखने लगे, इस में कोई शक नहीं था कि सोने का वह सादा सा छल्ला कभी किसी दुलहन की अंगुली की शोभा था.

“यह मामले को और भी पेचीदा कर देता है.” ग्रेगसन ने कहा, “यह केस काफी उलझा हुआ था. पर इस अंगूठी ने तो और भी उलझन में डाल दिया.”

“क्या तुम्हें यकीन है कि इस से केस सुलझाने में मदद नहीं मिलेगी?” होम्स ने टिप्पणी की, “अब इस को घूरते रहने से कुछ नहीं मिलेगा. इस की जेबों में तुम को क्या मिला?”

“वह सब कुछ हम ने यहां पर रखा हुआ है.” सब से नीची सीढ़ी पर बेतरतीबी से फैली चीजों की ओर इशारा करते हुए ग्रेगसन ने कहा. लंदन के बारोड की 97163 नंबर की सोने की घड़ी. एक अलबर्ट सोने की चेन, बहुत भारी और ठोस, एक जड़ाऊ सोने की अंगूठी. एक सोने की पिन, जिस पर बुलडॉग का सिर अंकित है और आंखों की जगह लाल मणियां जड़ी हैं. एक रूसी चमड़े का कार्डकेस है, जिस में एनोच जे. ड्रेबर के कार्ड हैं, जो क्लीवलैंड का है और कपड़ों पर भी मिलतेजुलते अक्षर छपे हैं. कोई पर्स तो नहीं है, पर कुछ खुले सिक्के हैं- लगभग सात पाउंड तेरह की कीमत के. बोकेशियों के डेकामेरॉन का लघु संस्मरण है, जिस के पहले पन्ने पर जोसफ स्टेंजरसन का नाम है. दो पत्र हैं, एक ई. जे. ड्रेबर के नाम और दूसरा जोसफ स्ट्रेंजरसन के.

“किस पते पर?”

“अमेरिकन एक्सचेंज, स्ट्रेंड- ये दोनों गोअन स्टीमशिप कंपनी से हैं और लिवरपूल से नाव चलने के संदर्भ में है. यह साफ है कि यह बदनसीब आदमी वापस न्यूयॉर्क जाने वाला था.”

“क्या तुम ने स्टेंजरसन नाम के व्यक्ति के बारे में खोजबीन की है?”

“मैं ने फौरन ही की थी, सर.” ग्रेगसन ने कहा, “मैं ने सभी अखबारों में विज्ञापन भेज दिए हैं और मेरा एक आदमी अमेरिकन एक्सचेंज गया है, पर वह अभी तक लौटा नहीं है.”

“क्या तुम ने क्लीवलैंड भेजा है?”

“हम ने इसी सुबह तार भेजा था.”

“अपनी पूछताछ आप ने किन शब्दों में की?”

“हम ने सिर्फ हालातों का ब्योरा दिया था और कहा था कि हमें मदद देने वाली किसी भी जानकारी के हम आभारी होंगे.”

“तुम ने ऐसी किसी भी बात की जानकारी नहीं मांगी, जो तुम्हें अहम लगती थी?”

“मैं ने स्टेंजरसन के बारे में पूछा.”

“और कुछ नहीं? क्या ऐसा कुछ नहीं है, जिस पर यह केस आधारित नजर आता है? क्या तुम फिर से तार नहीं भेजोगे?”

“मुझे जो कुछ भी कहना है, वह मैं ने कह दिया है,” ग्रेगसन ने चोट खाई आवाज में कहा.

शरलॉक होम्स मन ही मन हंसा. ऐसा लगा मानो वह कोई टिप्पणी करेगा कि तभी गर्व से हाथ मलता हुआ तथा आत्मसंतुष्टि का भाव लिए लेस्ट्रेड घटनास्थल पर पहुंचा जो उस वक्त आगे वाले कमरे में था, जब हम हॉल में बातचीत कर रहे थे.

“मिस्टर ग्रेगसन,” वह बोला, मैं ने एक बड़ी महत्त्वपूर्ण खोज की है. अगर मैं ने दीवारों का गौर से परीक्षण नहीं किया होता, तो यह नजरअंदाज हो गई होती.”

बोलते वक्त उस छोटे से आदमी की आंखें चमक रही थीं और साफतौर पर वह अपने सहयोगी से एक हाथ आगे निकल जाने की खुशी को दबा रहा था.

“इधर आओ,” कमरे में वापस जाते हुए वह बोला, “जो उस बीभत्स लाश के हटा दिए जाने के बाद पहले से ज्यादा साफ लग रहा था. उधर खड़े हो जाओ!”

“इस को देखो!” विजयी भाव से उस ने कहा- मैं बता चुका हूं कि दीवार का कागज टुकड़ोंटुकड़ों में कट कर गिर चुका था. कमरे के इस वाले कोने में एक बड़ा सा टुकड़ा टूट चुका था, जिस से बदरंग प्लास्टर का पीला चौकोर भाग झांक रहा था. इस खाली जगह पर खूनी रंग से एक शब्द लिखा था: रेशे

“इस के बारे में क्या सोचते हो?” अपनी कलाकृति की नुमाइश करते किसी चित्रकार जैसे अंदाज में जासूस ने कहा, “इस को इसलिए

नजरअंदाज किया गया क्योंकि यह कमरे के सब से अंधेरे कोने में था और किसी ने सोचा भी नहीं कि वहां देखा जाए. हत्यारे या हत्यारिन ने इसे अपने खून से लिखा है. यह धब्बा देखो, जहां से यह दीवार से टपका था!

"इस से वैसे भी आत्महत्या की बात खत्म हो जाती है. लिखने के लिए यही कोना क्यों चुना गया? मैं बताता हूं. मैंटलपीस पर यह मोमबत्ती देख रहे हो? यह उस वक्त जल रही थी और अगर यह जल रही थी, तो इस कोने में अंधेरे की जगह सब से ज्यादा रोशनी होगी."

"और अब जब तुम ने इसे ढूंढ़ ही लिया है, तो इस का क्या मतलब हो सकता है?" ग्रेगसन ने तिरस्कार से पूछा.

"मतलब? क्यों, इस का मतलब है कि लिखने वाला रेशेल नाम की महिला का नाम लिखने वाला था, पर पूरा करने के पहले ही कोई विघ्न पड़ गया. मेरे शब्द याद रखना, जब यह मामला सुलझ जाएगा, तब पता चलेगा कि रेशेल नाम की किसी महिला का इस से संबंध था. आप हंस रहे हैं तो ठीक है, मिस्टर शरलॉक होम्स. आप बहुत स्मार्ट और होशियार हो सकते हैं, पर सब के कहने, करने के बाद यह बूढ़ा ही सब से अच्छा साबित होता है."

"मैं सचमुच तुम से माफी चाहता हूं," मेरे अचानक हंस पड़ने से उस छोटे से आदमी के गुस्से को हवा मिल गई थी. यह बात खोज निकालने का श्रेय हम सब में तुम्हीं को जाता है और जैसा तुम कह रहे हो, यह भी साफ दिखाई पड़ रहा है कि यह पिछली रात के रहस्य में शामिल दूसरे व्यक्ति ने लिखा है. इस कमरे का जायजा लेने का मुझे अभी वक्त नहीं मिला है, पर तुम्हारी अनुमति से मैं अब ऐसा कर लेता हूं."

बोलतेबोलते उस ने अपनी जेब से एक नापने का फीता और बड़ा सा आतसी शीशा (मैग्नीफाइंग ग्लास) निकाला. इन दोनों औजारों के साथ वह चुपचाप चहलकदमी करने लगा- कभी रुकता, कभी घुटनों के बल बैठता और एक बार मुंह के बल लेट गया. अपने काम में वह इतना मशगूल था कि जान पड़ रहा था कि वह हमारी उपस्थिति भूल चुका है, क्योंकि पूरा समय वह अपने से बुदबुदाता रहा. कभी उत्तेजना से चिल्ला पड़ता, कभी कराहता, कभी सीटी बजाता, कभी उम्मीद और प्रोत्साहन दर्शाती आवाजें निकालता. उस को देखते हुए मुझे अकस्मात ही अच्छी नस्ल और प्रशिक्षण प्राप्त फॉक्सहाउंड की याद आ गई, जो किकियाता हुआ अपनी झाड़ी में आगे से पीछे दौड़ता हुआ किसी खोई हुई गंध की खोज का प्रयत्न करता है.

बीस मिनट या उस से ज्यादा समय तक वह छानबीन करता रहा. बड़े ही ध्यानपूर्वक उन निशानों के बीच की दूरी तय करता हुआ, जो मेरे लिए बिलकुल अदृश्य थे. वह कभीकभी दीवारों पर भी अपना फीता लगा कर नापता था, जो कि मेरी समझ से परे था. एक जगह उस ने बहुत ध्यान से जमीन पर से भूरी मिट्टी का छोटा सा ढेर उठा कर एक लिफाफे में बंद कर लिया, आखिर में उस ने अपने शीशे से दीवार पर लिखे शब्दों को गौर से देखा और हर अक्षर को बेहद बारीकी से जांचा. ऐसा कर के वह संतुष्ट दिखाई पड़ा, क्योंकि उस ने टेप (फीता) और शीशा अपनी जेब में रख लिया.

"कहते हैं कि जीनियसों में कठिनाई फैलाने की अद्भुत क्षमता होती है," मुसकराते हुए उस ने टिप्पणी की, "यह एक बेकार परिभाषा है, पर जासूसी के काम पर तो लागू होती है."

ग्रेगसन और लेस्ट्रेड ने अपने सहयोगी के कारनामों को कुछकुछ कौतूहल और कुछ तिरस्कार से देखा था. जाहिर था कि वे उस बात को सराह नहीं पा रहे थे, जो मुझे महसूस हो रहा था. शरलॉक होम्स की हर छोटी से छोटी क्रिया किसी निश्चित लक्ष्य की ओर इशारा करती थी.

"इस के बारे में आप क्या सोचते हैं, सर?" उन दोनों ने पूछा.

"अगर मैं तुम लोगों की मदद करने के लिए सोचूं, तो इस का मतलब होगा कि मैं तुम दोनों से केस का श्रेय छीन रहा हूं." मेरे मित्र ने टिप्पणी की, "तुम लोग इतना बढ़िया काम कर रहे हो कि किसी का भी इस में दखल देना गलत होगा." बोलते समय उस की आवाज में व्यंग्य छिपा हुआ था. "अगर तुम अपनी छानबीन की जानकारी मुझे देते रहोगे," वह आगे बोला, "तो तुम को किसी भी तरह की मदद देने में मुझे खुशी होगी. इस बीच मैं उस कांस्टेबिल से बात करना चाहूंगा, जिसे यह लाश मिली थी. क्या तुम उस का नाम और पता दे सकते हो?"

लेस्ट्रेड ने अपनी नोटबुक पर निगाह डाली. जॉन रेंस." वह बोला, "इस समय वह ड्यूटी पर नहीं है."

"तुम्हें वह 46 , ऑडले कोर्ट, कोनिंगटन पार्क गेट पर मिलेगा."

होम्स ने इस पते को लिख लिया.

"चलो डाक्टर," वह बोला, हम जा कर उस से मिलते हैं, मैं तुम्हें एक बात बताता हूं जिस से इस केस में तुम को मदद मिलेगी," जासूसों की तरफ मुड़ कर वह बोला, "यहां पर हत्या हुई है और हत्यारा एक आदमी

था. वह करीब दो मीटर से ज्यादा लंबा युवक था. “अपनी लंबाई के अनुपात से छोटे पैरों वाला था, चौकोर पंजों वाले घटिया बूट पहने था और ट्रिशनोपोली सिगार पीता था. वह चार पहियों वाली गाड़ी में अपने शिकार के साथ यहां आया था, जिस को एक घोड़ा खींच रहा था, जिस की तीन नालें पुरानी थीं और पिछले खुर की एक नाल नई थी. जहां तक मैं सोचता हूं, हत्यारे का चेहरा लाल था और उस के दाएं हाथ की अंगुलियों के नाखून बेहद लंबे थे. ये कुछ संभावनाएं ही हैं, पर इन से तुम को मदद मिल सकती है.”

लेस्ट्रेड और ग्रेगसन ने एकदूसरे की ओर अविश्वास भरी मुसकराहट से देखा.

“अगर इस आदमी की हत्या हुई है, तो कैसे हुई?” पहले ने पूछा.

“जहर.” शरलॉक होम्स ने रुखाई से कहा और चला गया. दरवाजे पर रुक कर मुड़ते हुए उस ने कहा, “एक और बात, लेस्ट्रेड, ‘रेशे’ का जर्मन में अर्थ है- ‘बदला’, इसलिए किसी मिस रेशेल की तलाश में अपना वक्त बरबाद मत करना.”

इस झनझनाते तीर के बाद वह अपने दोनों प्रतिद्वंद्वियों को ठगा सा छोड़ कर चला गया.

जॉन रेंस को क्या बताना था

जब हम ने नंबर 3 , लौरिस्टन गार्डन छोड़ा, उस वक्त एक बज रहा था. शरलॉक होम्स मुझे सब से पास के तार घर में ले गया, जहां उस ने एक लंबा टेलीग्राम भेजा. फिर उस ने एक कैब बुलाई और ड्राइवर को आदेश दिया कि हमें लेस्ट्रेड के दिए पते पर ले जाए.

“साक्षात सबूत जैसा कुछ भी नहीं,” उस ने टिप्पणी की, “असल में मेरे दिमाग में यह केस पूरी तरह सुलझ चुका है, पर फिर भी जो कुछ जान सकते हैं, जान लेना चाहिए.”

“मुझे तुम ताज्जुब में डाल देते हो,” होम्स, मैं ने कहा, “तुम ने जो सारी बारीकियां बताई हैं, उन के बारे में तुम्हें उतना नहीं मालूम जितना जानने का तुम नाटक कर रहे हो.”

“गलती की गुंजाइश ही नहीं है,” उस ने जवाब दिया. “वहां पहुंचने पर मेरा ध्यान सब से पहले इस बात पर गया कि पत्थरों के पास ही किसी कैब के पहियों से दो लकीरें बनी हुई थीं. अब पिछली रात तक एक हफ्ते से कोई बारिश नहीं हुई थी, इसलिए इतने गहरे निशान छोड़ने वाले पहिए रात में ही आए होंगे. वहां पर घोड़े के खुरों के भी निशान थे, जिस में एक निशान बाकी तीन निशानों से ज्यादा साफ था. इस का मतलब कि वह नाल नई थी, क्योंकि वह घोड़ागाड़ी बारिश शुरू होने के बाद वहां आई थी और सवेरे किसी भी समय नहीं आई, ऐसा ग्रेगसन ने खुद मुझे बताया- इस का मतलब यही हुआ कि रात में यह यहां लाई गई होगी. इस तरह इस घर में दोनों लोगों को ले कर आई.”

“यह तो बड़ा साधारण सा जान पड़ रहा है,” मैं ने कहा, “पर दूसरे शख्स की लंबाई के बारे में कैसे मालूम पड़ा?”

“क्यों, दस में से नौ मामलों में किसी भी व्यक्ति की लंबाई उस के पैरों के डगों की लंबाई से मापी जा सकती है. यह एक आसान सा गणित है, हालांकि अपने गणित से मैं तुम को बोर नहीं करना चाहता. इस आदमी के डग की लंबाई का अंदाज मुझे बाहर की गीली मिट्टी और अंदर की धूल से लग गया था. फिर भी अपनी गणना को जांचने का मेरे पास एक तरीका था. जब कोई दीवार पर लिखता है, तो वह स्वाभाविक तौर पर अपनी आंखों के स्तर पर लिखता है. अब लिखावट जमीन से लगभग दो मीटर की ऊंचाई पर थी. यह तो बच्चों का खेल था.”

“और उस की उमर?” मैं ने पूछा.

“अगर कोई शख्स बगैर कोशिश किए लगभग सवा मीटर का डग भर सकता है, तो वह कोई कच्ची उमर का तो नहीं हो सकता. बगीचे में बने पानी भरे गड्ढे की इतनी ही चौड़ाई थी, जो उस ने पार की थी. उस के बूट पेटेंट चमड़े के थे और बूटों के पंजे चौकोर थे. इस में किसी तरह का कोई रहस्य नहीं है. मैं तो सिर्फ साधारण जिंदगी में वे बातें लागू कर रहा हूं, जिन की मैं ने उस लेख में पैरवी की है. क्या ऐसा और भी कुछ है, जो तुम्हें समझ में नहीं आ रहा है?”

“उस के नाखून और ट्रिशनोपोली,” मैं ने सुझाव दिया.

“दीवार पर लिखावट किसी आदमी की खून में डूबी अंगुली से की गई थी. मेरे शीशे ने मुझे यह गौर करने दिया कि ऐसा करते वक्त प्लास्टर थोड़ा खुरचा हुआ था, जो तब नहीं होता अगर उस आदमी के नाखून कटे हुए होते. मैं ने जमीन पर फैली हुई थोड़ी सी राख उठाई. वह गहरे रंग की थी और उस में छोटेछोटे टुकड़े थे, जैसा सिर्फ एक ट्रिशनोपोली ही बना सकती है. मैं ने सिगरेट की राख पर विशेष अध्ययन किया है. सच में, मैं ने इस विषय पर लेख भी लिखा है. मुझे अपनेआप पर गर्व है कि मैं एक नजर में किसी भी सिगार या तंबाकू की राख पहचान सकता हूं. इन्हीं सब बारीकियों में एक मंझा हुआ जासूस ग्रेगसन या लेस्ट्रेड से अलग होता है.”

“और वह लाल चेहरा?” मैं ने पूछा.

“आह, वह जरा सी तुक्केबाजी थी, हालांकि मेरे मन में कोई शक नहीं है कि मैं ठीक था. इस वक्त तुम्हें मुझ से नहीं पूछना चाहिए.”

मैं ने अपने माथे पर हाथ फेरा. “मेरा सिर चकरा रहा है,” मैं ने कहा, जितना ज्यादा सोचो, उतना ही यह रहस्यमय होता जाता है. ऐसा कैसे हुआ कि अगर ये दो थे तो इस खाली घर में कैसे आए? उस घोड़ेवान का क्या हुआ जो इन्हें यहां तक लाया था? एक आदमी किसी दूसरे आदमी को जहर पीने के लिए मजबूर कैसे कर सकता है? यह खून कहां से आया? कत्ल का मकसद क्या था? क्योंकि डकैती तो थी नहीं. एक महिला की अंगूठी कैसे आई? सब से बड़ी बात तो यह है कि वहां से चंपत होने से पहले दूसरे आदमी ने जर्मन में ‘रेशे’ क्यों लिखा? मुझे कबूलना होगा कि इन सब तथ्यों का मेल बैठाना मेरे बस की बात नहीं है.”

मेरा मित्र समझते हुए मुसकराया, “तुम इन हालातों की कठिनाइयों को बखूबी समझते हो.” वह बोला, “पर अभी बहुत कुछ परदे में ही है, हालांकि मुख्य तथ्यों पर मैं अपने मन में फैसला कर चुका हूं. जहां तक बेचारे लेस्ट्रेड की खोज का सवाल है, वह तो पुलिस को गलत रास्ते पर

डालने की चाल थी ताकि यह लगे कि इस मामले का संबंध समाजवाद या गुप्त सोसाइटी से है. यह किसी जर्मन का काम नहीं था. अगर तुम ने गौर किया हो, तो 'ए' जर्मन तरीके से लिखा गया था. अब असल जर्मन अक्षर लैटिन तरीके से लिखा जाता है, जिस से हम निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि दीवार पर लिखने वाला कोई जर्मन नहीं था, वह कोई ऐसा पाखंडी था, जो अपने पाखंड को कुछ ज्यादा ही बढ़ाचढ़ा गया. वह तो जांच को गलत दिशा में मोड़ने की चाल थी. मैं तुम को केस के बारे में और कुछ भी नहीं बताऊंगा. डाक्टर, तुम जानते हो कि अपना पूरा खेल समझाने के बाद बाजीगर को कोई भी तारीफ नहीं मिलती और अगर मैं अपने काम करने के तरीके के बारे में तुम को बताता हूं, तो तुम इस नतीजे पर पहुंचोगे कि मैं आखिरकार एक साधारण सा ही इनसान हूं."

"मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा," मैं ने जवाब दिया. "तुम ने जासूसी की कला को ऐसा शुद्ध विज्ञान बना डाला है, जिस से ज्यादा दुनिया में कभी कुछ हो ही नहीं सकता."

मेरी बात से मेरे मित्र का चेहरा खुशी से लाल हो गया, क्योंकि वह बात मैं ने दिल से कही थी. मैं पहले ही गौर कर चुका था कि अपनी कला की तारीफ सुनने पर उस को उतनी ही खुशी होती थी, जितनी किसी युवती को अपनी सुंदरता के बारे में सुन कर होती है.

"मैं तुम को एक बात और बताता हूं," वह बोला, पेटेंट लेदर और चौकोर पंजे एक ही कैब में आए थे और वे दोनों दोस्ताना अंदाज में, शायद बांहों में बांहें डाले इस रास्ते से गए थे. जब वे अंदर पहुंचे तो कमरे में इधर से उधर घूमे-या शायद, पेटेंट लेदर खड़ा रहा जबकि चौकोर पंजा इधर से उधर घूमा. यह सब मैं ने धूल से पढ़ लिया था और मैं ने यह भी पढ़ लिया था कि जैसेजैसे वह चहलकदमी करता गया, उस की उत्तेजना भी बढ़ती गई थी. यह उस के डगों की बढ़ती लंबाई से जाहिर है. वह पूरा समय बात कर रहा था, और उस का गुस्सा बढ़ता जा रहा था. फिर यह त्रासदी घटी. अब मैं ने तुम को वह सब बता दिया है जितना मुझे खुद मालूम था, क्योंकि बाकी सब केवल तुक्केबाजी है. फिर भी, हमारे पास कुछ अच्छे सबूत हैं जिन से हम शुरुआत कर सकते हैं. हमें जल्दी करनी चाहिए, क्योंकि आज दोपहर में नॉरमन-नेरूडा को सुनने के लिए हल्ले के कांसर्ट में जाना चाहता हूं."

यह बातचीत उस वक्त हो रही थी, जब हमारी घोड़ागाड़ी अंधेरी सड़कों और गंदी गलियों से गुजर रही थी. इन में से सब से गंदी और अंधेरी गली में आ कर हमारे कोचवान ने गाड़ी रोक दी. "वहां पर ऑडले कोर्ट

है," उस ने बदरंगी ईंटों की कतार में एक पतले से सूराख की ओर इशारा करते हुए कहा.

ऑडले कोर्ट कोई सुंदर जगह नहीं थी. वह पतली गली हमें एक चौराहे पर ले गई. जिस पर झंडे टंगे थे और चारों ओर गंदे घर थे. हम मैलेकुचैले बच्चों और गंदे कपड़ों के बीच से होते हुए नंबर 46 पर आए, जिस का दरवाजा पीतल के एक टुकड़े से सजा था, जिस पर रेंस का नाम खुदा था. पूछताछ करने पर हम ने पाया कि कांस्टेबिल बिस्तर में था और हमें आगे के एक कमरे में बिठा दिया गया कि हम उस का इंतजार कर सकें.

कुछ समय बाद वह आया और नींद से जगाए जाने के कारण थोड़ा चिढ़ा हुआ था. "मैं ने ऑफिस में अपनी रिपोर्ट दे दी है." वह बोला.

होम्स ने अपनी जेब से आधा सौवरेन निकाला और उस से खेलने लगा. "हम ने सोचा कि हम तुम्हारे मुंह से ही सुनना चाहेंगे," वह बोला.

"जो कुछ भी मैं बता सकता हूं, वह बताने में मुझे बड़ी खुशी होगी," कांस्टेबिल ने जवाब दिया. उस की आंखें सुनहरे सिक्के पर टिकी थीं.

"जो कुछ भी हुआ, वह हम तुम्हारे ढंग से सुनना चाहते हैं."

"मैं सब कुछ शुरू से बताता हूं," वह बोला, "मेरा वक्त रात दस बजे से सुबह छह बजे तक है. ग्यारह बजे ह्वाइट हार्ट में लड़ाई हुई, पर उस के अलावा गश्त के दौरान सब शांत था. एक बजे बारिश शुरू हो गई और मैं हैरी मरचर से मिला जो कि हॉलैंड ग्रोव गश्त पर था. हम लोग हेनरीटा सड़क के मोड़ पर खड़े बातें करते रहे. थोड़ी देर बाद शायद दो बजे या उस के बाद, मैं ने सोचा कि ब्रिक्सटन रोड पर जा कर देखूं कि सब कुछ ठीकठाक है या नहीं. वहां काफी गंदगी थी और सन्नाटा भी.

"मुझे पूरी रातभर कोई नहीं मिला, हालांकि एक या दो कैब जरूर मिली थीं. मैं ऐसे ही टहल रहा था, मन में सोचते हुए कि इस समय गरम जिन मिल जाए तो कितना अच्छा हो. तभी अचानक इस घर की खिड़की से कुछ रोशनी सी मुझे दिखाई पड़ी. मैं जानता था कि लौरेस्टन गार्डन के ये दो घर खाली पड़े थे. जिस का कारण था उन घरों का मालिक जो नालियां साफ नहीं कराता था और इन में से एक घर में रहने वाला किराएदार टायफाइड बुखार से मर गया था. इसलिए मैं वह रोशनी देख कर सन्नाटे में आ गया और मुझे शक हुआ कि कहीं कुछ गड़बड़ है. जब मैं दरवाजे पर पहुंचा-"

“तुम रुके और बगीचे के गेट तक वापस गए,” मेरे मित्र ने टोका, “ऐसा तुम ने क्यों किया?”

रेंस बुरी तरह हड़बड़ा गया और भौचक्का हो कर शरलॉक होम्स से कहने लगा, “यह सच है सर,” वह बोला.

“परंतु आप को कैसे मालूम पड़ा?”

“दरअसल, जब मैं दरवाजे तक आया, यहां इतना सन्नाटा था कि मैं ने सोचा कि बेहतर होगा कि कोई मेरे साथ हो. मुझे कब्र के ऊपर जिंदा किसी भी आदमी से डर नहीं लगता, पर मैं ने सोचा कि वह जो टायफाइड से मरा था, कहीं उन नालियों को देखने तो नहीं चला आया था, जिन की वजह से वह मरा था. इस विचार से मैं डर गया और मैं यह देखने वापस गेट तक गया कि मुझे मरचर की लालटेन दिखाई दे जाए, पर वहां न उस का निशान था, न किसी और का?”

“सड़क पर कोई भी नहीं था?”

“कोई जीवित आदमी नहीं था. सर, एक कुत्ता तक नहीं था. फिर मैं ने अपने को संभाला और वापस जा कर धक्के से दरवाजा खोला. अंदर सब शांत था इसलिए मैं उस कमरे में गया जहां रोशनी जल रही थी. मैंटलपीस पर एक लाल मोमबत्ती टिमटिमा रही थी. वहां रोशनी आ रही थी और उस रोशनी में मैं ने देखा-”

“हां, तुम ने जो कुछ भी देखा वह सब मुझे मालूम है. तुम ने कई बार कमरे के चक्कर लगाए, फिर तुम लाश के पास घुटनों के बल बैठ गए और फिर तुम ने जा कर किचन का दरवाजा खोलने की कोशिश की और फिर-”

भयभीत चेहरा और आंखों में शक लिए जॉन रेंस झटके से खड़ा हो गया. “तुम कहां पर छिपे हुए थे कि यह सब देख लिया?” वह चिल्लाया, “मुझे लगता है कि तुम को जितना मालूम होना चाहिए था, तुम उस से कहीं ज्यादा जानते हो.”

होम्स हंसा और कांस्टेबिल की ओर मेज पर अपना कार्ड फेंका. “हत्या के लिए कहीं मुझे जेल मत भिजवा देना.” वह बोला, “मैं तो खोजी कुत्तों में से एक हूं, भेड़िया नहीं हूं, मिस्टर ग्रेगसन या लेस्ट्रेड इस बात का जवाब देंगे, आगे बोलो, फिर तुम ने क्या किया?”

रेंस फिर से अपनी सीट पर बैठ गया, पर उस के चेहरे पर वह भौचक्का भाव बरकरार रहा. “मैं वापस गेट तक गया और सीटी बजाई,

इस से मरचर और दो अन्य लोग मौके पर आ गए.”

“क्या उस वक्त सड़क खाली थी?”

“खाली तो थी, अब यह प्रश्न उठता है कि वहां पर कोई काम का आदमी था या नहीं.”

“तुम्हारा मतलब क्या है?”

कांस्टेबिल के चेहरे पर मुसकराहट फैल गई. “मैं ने अपने जीवन में कई शराबी देखे हैं,” वह बोला, “पर इतनी बुरी तरह धुत आज तक किसी को नहीं देखा. जब मैं बाहर आया, वह गेट पर था, रेलिंग पर लेटा हुआ सा और फेफड़े फाड़ने की आवाज में जोरजोर से गाना गा रहा था. वह तो खड़ा भी नहीं हो पा रहा था, मदद करना तो दूर की बात है.”

“वह किस तरह का आदमी था?” शरलॉक होम्स ने पूछा.

इस पूछताछ से जॉन रेंस कुछ खिसियाया सा लगा. वह एक अजीब तरह का शराबी लग रहा था,” वह बोला, “अगर हम इतने उलझे हुए नहीं होते, तो वह अपने को हवालात में पाता.”

“उस का चेहरा, उस के कपड़े पर क्या तुम ने गौर नहीं किया?” होम्स ने बेचैन होते हुए पूछा.

“मैं समझता हूं कि मैं ने उस पर गौर जरूर किया था क्योंकि मैं ने उस को सहारा दे कर उठाया था, मरचर और मैं ने. वह एक लंबा आदमी था, लाल चेहरा लिए, निचला हिस्सा गोल था.”

“इतना काफी है,” होम्स बोल उठा, “उस का क्या हुआ?”

“हमारे पास उस की देखभाल करने के अलावा भी बहुत सारे काम थे,” पुलिस वाले ने आहत आवाज में कहा, “मुझे यकीन है कि वह ठीकठाक अपने घर पहुंच गया होगा.”

“उस ने किस तरह के कपड़े पहने हुए थे?”

“एक भूरा ओवरकोट.”

“क्या उस के हाथ में चाबुक था?”

“चाबुक, नहीं.”

“वह उसे कहीं छोड़ आया होगा.” मेरा मित्र बुदबुदाया.

“उस के बाद तुम ने न कोई घोड़ागाड़ी देखी, न सुनी?”

“नहीं.”

“यह तुम्हारे लिए आधा सोवरेन है,” मेरे मित्र ने अपना हैट उठा कर खड़े होते हुए कहा. “मुझे डर है रेंस कि तुम पुलिस बल में ज्यादा ऊंचे नहीं उठोगे. यह तुम्हारा सिर शरीर की शोभा बढ़ाने के साथसाथ सोचने के काम भी आना चाहिए, कल रात तुम सारजेंट के पद पर तरक्की पा सकते थे. जिस आदमी को तुम ने बांहों में थामा था, उसी के हाथों में इस रहस्य की गुत्थी है और हम उसी आदमी को ढूंढ़ रहे हैं. इस बारे में बहस करने से अब कोई फायदा नही है. मैं कह रहा हूं कि ऐसा ही है. चलो, डाक्टर.”

हम एकसाथ कैब की ओर चले और अपने मुखबिर को अविश्वस्त और बेचैन सा छोड़ गए.

“बेवकूफ आदमी!” होम्स ने कड़वाहट से कहा. जब हम अपने कमरों में वापस जा रहे थे तो वह बोला, “जरा सोचो कि उस के हाथ में कैसा मौका था पर उस ने उस का फायदा नहीं उठाया.”

“मैं अब भी अंधेरे में हूं. यह सच है कि इस आदमी का हुलिया तुम्हारे द्वारा खींचे गए हुलिए से एकदम मिलताजुलता था, पर एक बार जाने के बाद उस को वहां पर दोबारा क्यों आना पड़ा? यह तो अपराधी का तरीका नहीं है.”

“अंगूठी, अरे, अंगूठी! वह अंगूठी के लिए ही वापस आया था. अगर हमारे पास उस को पकड़ने का और कोई तरीका नहीं होगा, तो हम उस के सामने अंगूठी का चुग्गा डाल सकते हैं. मैं उसे ढूंढ़ निकालूंगा, डाक्टर, मैं शर्त लगा सकता हूं कि मैं उसे ढूंढ़ लूंगा. मुझे तुम को शुक्रिया कहना चाहिए, अगर तुम नहीं होते तो मैं नहीं जाता और इस तरह अपने आप सब से बेहतरीन केस हाथ में लेने का मौका गंवा देता. रक्त के लाल रंग का अध्ययन है! क्यों न हम थोड़ी सी कला की भाषा का प्रयोग करें. जिंदगी के बदरंग धागे में हत्या का लाल रंग दौड़ रहा है और हमारा फर्ज है कि इस गुत्थी को सुलझाएं और उस को अलग कर के उस के हर कतरे को उजागर कर दें. अब लंच और फिर नॉरमन नेरुडा, उस का हमला और उस के झुकने का अंदाज बहुत सुंदर है. वह चोपिन का छोटा सा कौन सा तराना है, जिसे वह इतनी खूबसूरती से निभाती है: ट्रा-ला-ला-लिरा-लिरा-ले.”

कैब पर पीछे पसरते हुए, यह खोजी कुत्ता, चिड़िया की तरह गाता रहा, जबकि मैं इनसानी दिमाग के बहुमुखी आयामों के बारे में सोचता रहा.

हमारा विज्ञापन एक मेहमान को घर लाता है

सवेरे की हमारी गतिविधियां मेरी कमजोर तबीयत के लिए कुछ ज्यादा ही कष्टप्रद साबित हुईं और दोपहर होतेहोते मैं पस्त हो चुका था. कांसर्ट के लिए होम्स के रवाना होने के बाद मैं सोफे पर लेट गया और एकाध घंटा सोने की कोशिश करने लगा. यह एक असफल प्रयास था. जो कुछ भी हुआ था, उस से मेरा मन बड़ा बेचैन था और तरहतरह की बातें उठ रही थीं. जितनी बार भी मैं ने आंखें बंद कीं, मेरे सामने कत्ल हुए उस आदमी का टेढ़ा, बंदरनुमा चेहरा दिखलाई दिया. उस चेहरे का मेरे ऊपर इतना खौफनाक असर पड़ा कि मेरे मन में उस शख्स के प्रति कृतज्ञता भर गई, जिस ने इतने विद्रूप चेहरे को दुनिया से मिटा डाला था. अगर किसी इनसानी चेहरे पर बुरी से बुरी आदतें लिखी थीं, तो वह इनसान एनोच जे. ड्रेबर, क्लीवलैंड ही हो सकता था. फिर भी मैं समझ गया था कि इंसाफ होना चाहिए और मृतक की आपराधिक प्रवृत्ति न्याय की नजर में हत्या को सही नहीं ठहरा सकती.

मैं ने इस के बारे में जितना सोचा, उतना ही असाधारण मुझे अपने मित्र का तर्क लगा कि इस आदमी को जहर दिया गया है. मुझे याद आया कि कैसे उस ने उस के होंठ सूंघे थे और इस के बारे में कोई शक नहीं था कि उस ने उस में कुछ ऐसा अनुभव किया था, जिस से यह खयाल उपजा होगा. फिर अगर यह जहर नहीं था, तो उस आदमी की मृत्यु का क्या कारण हो सकता था, क्योंकि न तो चोट के निशान थे, न गला घोंटे जाने के? पर दूसरी ओर, वह किस का खून था जो इतना गाढ़ा हो कर जमीन पर फैला था?

संघर्ष का कोई निशान नहीं था. न ही मृत आदमी के पास कोई हथियार ही था, जिस से वह अपने दुश्मन को मार सकता. जब तक ये प्रश्न अबूझे रहते हैं, मुझ को लगा कि नींद आना कोई आसान काम नहीं, न होम्स के लिए, न ही मेरे लिए. उस का शांत, आत्मविश्वास से भरा रवैया मुझे आश्वस्त कर रहा था कि उस ने कोई धारणा बना ली है जिस से सारी बातें साफ हो जाती हैं, हालांकि वह धारणा क्या थी, यह समझ से बाहर था.

वापस आने में उसे बहुत देर हो गई. इतनी देर कि मैं समझ गया कि इतना वक्त उसे कांसर्ट में नहीं लग सकता था. उस के आने से पहले ही डिनर टेबुल पर लग चुका था.

“बहुत आलीशान था,” उस ने अपनी सीट पर बैठते हुए कहा. “क्या तुम्हें याद है कि डारविन संगीत के बारे में क्या कहता है? वह दावा करता है कि संगीत को उत्पन्न करने और उस की तारीफ करने की क्षमता इनसान में वाणी से भी पहले उत्पन्न हो चुकी थी. शायद इसलिए हम संगीत से इतना प्रभावित होते हैं. हमारी आत्माओं में इन धुंध भरी शताब्दियों की धुंधली सी यादें हैं, जब यह संसार अपने शिशुकाल में था.”

“यह तो बड़ा विस्तृत खयाल है,” मैं ने टिप्पणी की.

“अगर हम प्रकृति को समझना चाहते हैं तो हमारे विचार प्रकृति की तरह विस्तृत होने चाहिए,” उस ने जवाब दिया, “क्या मामला है? तुम कुछ अनमने लग रहे हो. ब्रिक्स्टन रोड मामले से तुम परेशान हो गए हो.”

“सच कहूं तो हां, ऐसा ही है,” मैं ने कहा, “अफगान के अपने अनुभवों के बाद मुझे मजबूत हो जाना चाहिए था. मैं ने मैवांड में अपने ही साथियों को, (बगैर अपना आपा खोए) टुकड़ेटुकड़े काटे जाते देखा है.”

“मैं समझ सकता हूं. इस के बारे में कोई रहस्य जरूर है, जो मन को झकझोर देता है. जब कोई कल्पना नहीं होती, तो भय भी नहीं होता. क्या तुम ने शाम का अखबार देखा है?”

“नहीं.”

“उस में पूरे माजरे का काफी अच्छा वर्णन है. उस में यह बात नहीं बताई गई है कि जब उस आदमी को उठाया गया, तो एक स्त्री की शादी की अंगूठी जमीन पर गिरी थी. अच्छा ही हुआ कि उस में इस बात का जिक्र नहीं था.”

“क्यों?”

“इस विज्ञापन को देखो,” उस ने उत्तर दिया. “इस घटना के तुरंत बाद मैं ने एक ऐसा विज्ञापन आज सुबह हर अखबार में भिजवाया है.”

“उस ने अखबार मेरी ओर फेंका और मैं ने उस जगह पर नजर डाली, जहां उस ने इशारा किया था. ‘पाया’ वाली पंक्ति में यह पहली घोषणा थी. ‘ब्रिक्स्टन रोड में आज सुबह.’ उस में लिखा था, ‘एक सादी, सोने की अंगूठी, ह्वाइट हार्ट टैवर्न और हॉलैंड ग्रोव के बीच की सड़क पर पाई गई है. डा. वॉटसन, 221 -बी बेकर स्ट्रीट से संपर्क करें, आज शाम आठ और नौ बजे के बीच.”

“तुम्हारे नाम का इस्तेमाल करने के लिए माफी चाहता हूं,” उस ने कहा. “अगर मैं ने अपना नाम लिखा होता, इन में से कुछ बेवकूफों ने पहचान लिया होता और फिर वे लोग इस मामले में टांग अड़ाते.”

“वह सब ठीक है,” मैं ने जवाब दिया. पर यदि कोई इस विज्ञापन का जवाब देता है, तो मेरे पास कोई अंगूठी नहीं है.”

“है कैसे नहीं, बिलकुल है तुम्हारे पास.” उस ने मुझ को एक अंगूठी देते हुए कहा. “यह बिलकुल ठीक रहेगी. यह बिलकुल उसी जैसी अंगूठी है.”

“और तुम क्या सोचते हो कि इस विज्ञापन का जवाब कौन देगा?”

“क्यों, भूरे कोट वाला आदमी देगा-हमारा लाल चेहरे वाला दोस्त जिस के चौकोर पंजे हैं. अगर वह अपनेआप नहीं आता, तो वह अपने किसी साथी को भेजेगा.”

“क्या उस को, ऐसा करना खतरनाक नहीं लगेगा?”

“बिलकुल भी नहीं. अगर इस मामले पर मेरा नजरिया सही है और इस को सही समझने के मेरे पास कई कारण हैं, तो यह आदमी अंगूठी खोने से अच्छा और कुछ भी खो देने का जोखिम उठाएगा. मेरे खयाल से, इस ने यह तब खोया था जब वह ड्रेबर की लाश पर झुका हुआ था और तब इसे पता नहीं चला था. घर से जाने के बाद इस को समझ में आया और यह जल्दी से वापस आया. पर आने के बाद उस ने देखा कि पुलिस पहले से ही पहुंची हुई है, क्योंकि इस ने मोमबत्ती जलती रहने देने की गलती कर दी थी.

“फिर उसे शराबी होने का नाटक करना पड़ा, जिस से गेट पर उस की मौजूदगी से किसी तरह का शक पैदा न हो. अब अपने को उस आदमी की जगह रख कर देखो. इस मामले पर फिर से गौर करने पर उस को उसे ऐसा लगा होगा कि यह हो सकता है कि उस से अंगूठी सड़क पर कहीं गिर गई हो. फिर वह क्या करता? फिर वह शाम के अखबारों को उत्सुकता से पढ़ता, इस उम्मीद में कि शायद ‘पाया’ वाली जगह में उस का जिक्र हो. उस की आंखें बेशक इस पर पड़तीं. वह फूला नहीं समाता. उसे इस में कोई साजिश क्यों नजर आती? उस की नजर में कोई ऐसा कारण नहीं होता कि इस अंगूठी का पाया जाना किसी भी तरह हत्या से ताल्लुक रखता होगा. वह जरूर आता. वह जरूर आएगा. एक घंटे के अंदर तुम उस को देख लोगे.”

“और फिर?” मैं ने पूछा.

“और उस से निपटने के लिए मैं काफी हूं. क्या तुम्हारे पास कोई हथियार है?”

“मेरे पास मेरी पुरानी सर्विस रिवॉलवर और कुछ कारतूस हैं.”

“तुम उस को साफ कर के लोड कर लो. वह बौखलाया हुआ होगा और हालांकि मैं अचानक उस पर हावी हो जाऊंगा, बेहतर यही होगा कि हम पूरी तरह सतर्क रहें और हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहें.”

मैं अपने बेडरूम में गया और उस की सलाह पर अमल किया. जब मैं पिस्तौल ले कर लौटा, मेज साफ हो चुकी थी और होम्स अपना समय वायलिन बजा कर बिता रहा था.

“कहानी गहराती जा रही है,” मैं ने जब अंदर प्रवेश किया, तब उस ने कहा, “मुझे अपने अमरीकी तार का अभीअभी जवाब मिला है. इस मामले में मेरी राय बिलकुल सही है.”

“और वह क्या है?” मैं ने उत्सुकता से पूछा.

“मेरे वायलिन में नए तार लगाने हैं,” वह बोला, “पिस्तौल अपनी जेब में रख लो. जब वह व्यक्ति आए, उस से साधारण तरीके से बात करना. बाकी सब मेरे ऊपर छोड़ दो. उस को ज्यादा कड़ी नजर से मत देखना, नहीं तो वह डर जाएगा.”

“इस वक्त आठ बज रहे हैं,” घड़ी पर नजर डालते हुए मैं ने कहा.

“हां, शायद वह कुछ ही मिनटों में यहां आ जाएगा. दरवाजा थोड़ा सा खोल दो. हां, इतना ठीक है. अब चाबी अंदर लगा दो. थैंक्यू! यह एक अजीब सी किताब है जो मैं ने कल एक दुकान से ली थी, दि ज्यूरे इंटर जेंटिस. यह लैटिन भाषा में लोलेंड के लीज में लिखी गई थी, 1642 में. चार्ल्स का सिर तब भी उस के धड़ से लगा हुआ था, जब इस छोटी सी भूरीकाली किताब पर रोक लगाई गई थी.”

“इस का प्रकाशक कौन है?”

“फिलिप डि क्रोय, वह जो कोई भी रहा हो. उस के पहले पन्ने पर बहुत धुंधली स्याही से लिखा है-एक्सलिबरिस गुलीलमी ह्वाइट. पता नहीं, यह विलियम ह्वाइट आखिर कौन था. शायद सत्रहवीं शताब्दी का कोई

चतुर वकील था. उस के लेखन में कानूनी दांवपेंच है. यह लो, शायद हमारा आदमी भी आ रहा है.”

जब वह बोल रहा था, तभी जोर से घंटी बज उठी. शरलॉक होम्स ने तेजी से दरवाजे की ओर अपनी कुरसी मोड़ ली. हम ने नौकरानी को हॉल से गुजरते हुए सुना और चटखनी की तेज खटाक की आवाज से उस ने दरवाजा खोल दिया.

“क्या डाक्टर वॉटसन यहीं रहते हैं?” एक स्पष्ट पर कर्कश आवाज ने पूछा. हम नौकरानी का जवाब नहीं सुन पाए, पर दरवाजा बंद हुआ और कोई सीढ़ियों के ऊपर चढ़ने लगा. पैरों की आहट अनिश्चित और लड़खड़ाती सी थी. उस को सुनते हुए मेरे मित्र के चेहरे पर ताज्जुब का भाव था. वह धीरेधीरे गलियारे तक आया और फिर दरवाजे पर हलकी सी थपथपाहट हुई.

“अंदर आ जाओ,” मैं बोल पड़ा. मेरे पुकारने पर हमारी आशा के विपरीत, बजाए उस हिंसक आदमी के जिस की हम ने कल्पना की थी, एक बहुत बूढ़ी, झुर्रीदार औरत ने अपार्टमेंट में प्रवेश किया. अचानक हुई रोशनी की चकाचौंध से वह चौंधियांई हुई जान पड़ी और हलका सा अभिवादन करने के बाद वह हमारी ओर पलकें झपकाती, अपनी घबराई हुई कंपकपाती अंगुलियों से अपनी जेब टटोलने लगी. मैं ने अपने मित्र की ओर देखा और उस के चेहरे पर ऐसे निराशा के भाव थे कि मेरी कुछ समझ में नहीं आया.

बूढ़ी औरत ने शाम का अखबार निकाला और हमारे विज्ञापन की ओर इशारा किया. “भले लोगो, यह विज्ञापन ही मुझे यहां तक लाया है,” फिर से अभिवादन करते हुए वह बोली, “ब्रिक्सटन रोड पर सोने की अंगूठी, वह मेरी बेटी सैली की है, जिस की बारह महीने पहले ही शादी हुई है और जिस का पति एक यूनियन बोट पर कारिंदा है और मैं सोच भी नहीं सकती कि वापस आने पर अपनी पत्नी के पास अंगूठी न पा कर वह क्या कहेगा. क्योंकि वैसे भी आमतौर पर वह गुस्से से बौखलाया रहता है, खास कर जब वह नशे में होता है. अगर आप को जान कर कोई खुशी होनी है, तो पिछली रात वह सर्कस देखने गई थी-”

“क्या यह उस की अंगूठी है?” मैं ने पूछा.

बुढ़िया बोल पड़ी, “आज रात सैली एक बेहद खुश महिला होगी, यही वह अंगूठी है.”

“और तुम्हारा पता क्या है?” मैं ने पेंसिल उठाते हुए तहकीकात की.

"13 , डंकन स्ट्रीट, हाउंड्सडिच. यहां से थोड़ी दूरी पर है."

"ब्रिक्सटन रोड किसी भी सर्कस और हाउंड्सडिच के बीच में नहीं पड़ती," शरलॉक होम्स ने तल्खी से कहा.

बूढ़ी औरत ने मुड़ कर उस की ओर गौर से देखा, "इस भले आदमी ने मुझ से मेरा पता पूछा था," वह बोली. "सैली का घर 3 , मेफील्ड, पैलेस, पेकहम में है."

"और तुम्हारा नाम?"

"मेरा नाम है सॉयर, उस का है डेनिस, क्योंकि उस के साथ टॉम डेनिस ने शादी की है और वह काफी स्मार्ट और साफ लड़का है. जब वह समुद्र पर रहता है, तो उस जैसा कोई नहीं है. पर जब वह तट पर होता है, तो इतनी औरतें और इतनी शराब की दुकानें."

"यह रही तुम्हारी अंगूठी, मिसेज सॉयर," अपने मित्र के इशारे पर मैं ने उस को टोका. "जाहिर है कि यह तुम्हारी बेटी की ही है और मुझे खुशी है कि मैं ने इस को इस के सही हकदार तक पहुंचा दिया है."

ढेर सारे आशीष बुदबुदाती हुई और अपनी कृतज्ञता प्रकट करती बूढ़ी औरत ने उस को अपनी जेब में रख लिया और सीढ़ियों के नीचे उतर गई. जैसे ही वह गई, शरलॉक होम्स लपक कर उठा और तेजी से अपने कमरे में गया. कुछ ही पलों में एक ओवरकोट और टोप पहने वह वापस आया. जल्दी से उस ने कहा, "मैं उस का पीछा करूंगा. वह उस की साथी होगी और इस का पीछा कर के मैं अपराधी तक पहुंच जाऊंगा. मेरे लिए जागते रहना."

हाल का दरवाजा हमारी मेहमान के जाने पर बंद हुआ भर था. जब होम्स सीढ़ियों के नीचे उतरा, खिड़की से मैं ने बूढ़ी औरत को धीरेधीरे दूसरी ओर चलते हुए देखा, जबकि उस का पीछा करने वाला थोड़ी सी दूरी पर उस का पीछा कर रहा था. 'या तो इस का पूरा अंदाजा गलत है,' मैं ने सोचा, 'या फिर यह रहस्य की तह तक जा पहुंचेगा.' उसे मुझ से यह कहने की कोई जरूरत नहीं थी कि मैं जागता रहूं, क्योंकि मुझे लगा कि उस के कारनामे का नतीजा जाने बगैर मेरे लिए सो जाना नामुमकिन था.

जब वह बाहर के लिए निकला था, उस वक्त करीब नौ बज रहे थे. मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि उस को कितनी देर लगेगी, पर मैं अपना पाईप पीते और हेनरी मुरगर की 'वाई दि बोहिम' के पन्ने पलटते हुए समय गुजारने लगा. दस बज गए और मैं ने नौकरानी के कदमों की आहट

को उस के बिस्तर तक जाते हुए सुना. ग्यारह बजे और मकान मालकिन के कदमों की रोबीली आहट अपने बिस्तर तक जाती सुनाई पड़ी. दरवाजा खुलने की चाबी की आवाज सुनाई पड़ी तो करीब बारह बज रहे थे. जैसे ही वह अंदर घुसा, मैं उस का चेहरा देखते ही समझ गया कि वह सफल नहीं हो पाया है. उस के चेहरे पर हंसी और निराशा के मिलेजुले भाव थे और फिर वह अचानक जोर से हंस पड़ा.

“मैं किसी भी कीमत पर स्कॉटलैंड यार्ड वालों को यह बात नहीं जानने दूंगा,” कुरसी पर ढेर होते हुए वह बोला, “मैं ने उन को इतना तंग कर रखा है कि वे मेरा मजाक उड़ातेउड़ाते कभी नहीं ऊबेंगे. मैं इसलिए हंस सकता हूं क्योंकि मैं जानता हूं कि आखिर में मैं उन से हिसाब चुकता कर ही लूंगा.”

“आखिर बात क्या है?” मैं ने पूछा.

“ओह, अपने खिलाफ जाने वाली कहानी सुनाने में मुझे कोई एतराज नहीं,” वह थोड़ी दूर गई और फिर लंगड़ाने लगी और ऐसा लगा कि उस के पैरों में छाले पड़ गए हैं. फिर वह रुक गई और गुजरती हुई गाड़ी को रोका. मैं उस के इतने पास तक आ गया था कि मैं पता सुन सकूं, पर मुझे फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं थी, क्योंकि उस ने इतनी जोर से अपना पता बताया कि सड़क के उस पार भी सुनाई दे जाए: 13 , डंकन स्ट्रीट, हाउंड्सडिच तक ले चलो.” वह बोली. ‘यह तो सब सच्चा जान पड़ रहा है,’ मैं ने सोचा और जब वह पूरी तरह अंदर बैठ गई, तो मैं भी गाड़ी के पीछे छिप गया. यह ऐसी कला है, जिस में हर जासूस को महारत हासिल होनी चाहिए. फिर हम खड़खड़ाते हुए चले और तब तक नहीं रुके जब तक हम उस सड़क तक पहुंच नहीं गए.

दरवाजा आने से पहले ही मैं गाड़ी से कूद गया और सड़क पर ऐसे ही टहलने लगा. मैं ने गाड़ी को रुकते हुए देखा. कोचवान नीचे कूदा और उम्मीद में खड़ा रहा. पर गाड़ी में से कुछ नहीं निकला. जब मैं उस के पास पहुंचा, वह गाड़ी के अंदर हड़बड़ाहट में कुछ टटोल रहा था और ऐसीऐसी गालियां दे रहा था जैसी मैं ने शायद ही पहले कभी सुनी हों. उस की सवारी का कोई नामोनिशान नहीं था और उस को अपना किराया मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही थी.

नंबर 13 पर पता करने पर हम ने पाया कि वह घर एक संभ्रात कागज के व्यापारी, केसविक का था और वहां पर किसी ने कभी न तो सॉयर और न ही डेनिस का नाम सुना था.

“तुम्हारा कहने का मतलब कहीं यह तो नहीं,” मैं ने आश्चर्य से कहा, “कि वह लड़खड़ाती कमजोर बुढ़िया औरत चलती गाड़ी से कूद गई और न तुम और न ही कोचवान उस को देख पाया?”

“बूढ़ी औरत गई भाड़ में,” शरलॉक होम्स ने कहा. “बूढ़ी औरतें तो हम लोग थे, जो उस के झांसे में आ गए. वह कोई जवान आदमी रहा होगा, जो काफी फुरतीला भी था और साथ ही बेजोड़ अभिनेता भी. उस का मेकअप भी कमाल का था. उस ने निस्संदेह देख लिया था कि उस का पीछा हो रहा है और मुझे झांसा देने का उस ने यह तरीका अपनाया. यह दर्शाता है कि जिस आदमी की हमें तलाश है, वह उतना अकेला नहीं है जितना मैं उसे समझ रहा था, पर उस के साथ ऐसे मित्र हैं, जो उस के लिए खतरा मोल ले सकते हैं. डाक्टर, तुम थके हुए लग रहे हो, मेरी राय मानो तो जा कर सो जाओ.”

मैं वास्तव में बहुत थकान महसूस कर रहा था, इसलिए मैं ने यह बात मान ली. मैं ने होम्स को उस जलती आग के पास बैठा छोड़ा और देर रात मैं ने उस के वायलिन की गमगीन धुनें सुनीं और मैं जान गया कि वह अब भी उसी विचित्र समस्या के बारे में सोच रहा है जिस को सुलझाने की उस ने ठानी थी.

टोबियास ग्रेगसन दिखाता है कि वह क्या कर सकता है

अगले दिन के अखबार 'ब्रिक्सटन रहस्य' से भरे हुए थे. हरेक में वारदात का लंबा जिक्र था और कुछ में उस पर विशेष टिप्पणियां भी थीं. उन में कुछ जानकारियां ऐसी थीं, जो मेरे लिए नई थीं. अब भी मेरी किताब में इस मामले से संबंधित अनेक कतरनें लगी हुई हैं. इन में से कुछ का सारांश इस प्रकार है.

'डेली टेलीग्राफ' ने टिप्पणी की कि जुर्म के इतिहास में शायद ही कभी इतनी विचित्र त्रासदी घटी हो. मृतक का जर्मन नाम, किसी भी मंशा का अभाव और दीवार पर खौफनाक लिखावट, सभी आंदोलनकारी राजनैतिक शरणार्थियों की ओर इशारा करती हैं. समाजवादियों की कई शाखाएं अमरीका में हैं और निस्संदेह मृतक ने उन के अनलिखे कानूनों को तोड़ा था और वे उसे ढूंढ़तेढूंढ़ते उस तक आ पहुंचे थे. वेमगेरिट, अक्वा टोफाना, कारबनारी, मार्कियोनेस दि ब्रिनविलयर्स, डारविन के सिद्धांत, माल्थस के सिद्धांत और रैटक्लिफ हाइवे हत्याओं की ओर इशारा करने के बाद, इस लेख में अंत में सरकार को फटकार लगाई गई थी और सलाह दी गई थी कि इंगलैंड में विदेशियों पर नजर रखी जाए.

'स्टैंडर्ड' ने इस तथ्य पर टिप्पणी की कि उदार सरकार के नीचे अकसर इस तरह की गैर कानूनी हरकतें होती रहती हैं. इस से आम जनता के मन अस्थिर हो उठते हैं और सारी प्रशासन व्यवस्था अस्तव्यस्त हो जाती है. मृतक अमरीकी भला आदमी था, जो कुछ हफ्तों से महानगर में रह रहा था. वह कैंबरवेल के टोरके टेरेस में उस की मैडम शारपेंटियर के बोर्डिंग हाउस में रहता था. उस की यात्राओं में उस का निजी सेक्रेटरी मिस्टर जोसफ स्टेंजरसन उस के साथ रहता था. उन दोनों ने अपनी मकान मालकिन से मंगलवार 4 तारीख को विदा ली और लिवरपूल एक्सप्रेस पकड़ने के ठोस विचार से यूस्टन स्टेशन के लिए रवाना हुए. उस के बाद उन दोनों को एक साथ प्लेटफार्म पर देखा गया था.

उन के बारे में किसी को और कोई जानकारी नहीं थी, जब यूस्टन से कई कि. मी. दूर, ब्रिक्सटन रोड पर एक खाली घर में मिस्टर ड्रेबर की लाश पाई गई. वह वहां कैसे पहुंचा या उस का अंत कैसे हुआ, ये प्रश्न अब भी रहस्य बने हुए हैं. स्टेंजरसन के बारे में कुछ भी नहीं मालूम. हमें यह जान कर खुशी है कि स्कॉटलैंड यार्ड के मिस्टर लेस्ट्रेड और मिस्टर ग्रेगसन दोनों

ही इस केस में लगे हुए हैं और यह विश्वास किया जा रहा है कि ये जानेमाने अफसर जल्दी ही इस मामले पर प्रकाश डालेंगे.

‘डेली न्यूज’ ने लिखा है कि इस में कोई शक नहीं कि यह अपराध राजनैतिक है. लिबरल सरकार की तानाशाही और नफरत, जिस से महाद्वीप की सरकारें उत्तेजित हैं, उस के प्रभाव से हमारे तटों पर बड़ी संख्या में ऐसे लोग आ गए हैं जो अच्छे नागरिक साबित होते, यदि उन के पास उन घटनाओं की कड़वी यादें नहीं होतीं, जो उन के ऊपर बीती थीं. इन लोगों में कड़ा अनुशासन था, जिस में जरा सी ढील की सजा मौत थी. सेक्रेटरी स्टेंजरसन को ढूंढ़ने का हर संभव प्रयत्न किया जाना चाहिए और मृतक की कुछ आदतों का पता लगाना चाहिए. जो घर उस ने किराए पर लिया था, उस के बारे में पता लगा लिए जाने से एक बड़ा कदम उठाया गया है. जिस का पूरा श्रेय स्कॉटलैंड यार्ड के मिस्टर ग्रेगसन की चतुराई और स्फुर्ति को जाता है.

शरलॉक होम्स और मैं ने इकट्ठे इन नोटिसों को नाश्ते के वक्त पढ़ा और ऐसा लग रहा था कि इन्हें पढ़ कर उस का काफी मनोरंजन हुआ है.

“मैं ने तुम को बताया था कि कुछ भी हो, लेस्ट्रेड और ग्रेगसन का पलड़ा भारी रहेगा.”

“वह तो इस पर निर्भर करता है कि केस किस ओर मुड़ता है.”

“ओह, इस से कोई फर्क नहीं पड़ता. अगर अपराधी पकड़ा जाता है, तो यह उन की कोशिशों की वजह से होगा. अगर वह निकल भागता है, तो भी इन की कोशिशों के बावजूद, चित्त भी मेरी, पट भी मेरी. वे कुछ भी करें, उन की तारीफ होगी ही.”

“अरे बाप रे, यह क्या है?” मैं चिल्लाया क्योंकि इसी क्षण हाल में और सीढ़ियों पर कई पैरों के भागने की आवाज आई और इस के साथ ही हमारी मकानमालकिन की नाराजगी भी सुनाई पड़ी.

“मेरे मित्र ने गंभीरता से कहा, यह खुफिया पुलिस बल की बेकर स्ट्रीट शाखा है.” वह बता ही रहा था कि कमरे में आधा दर्जन सड़की अरब घुस आए जो इतने गंदे और मैलेकुचैले थे, जितने मैं ने पहले कभी नहीं देखे थे.

“अटेंशन (सावधान)!” शरलॉक होम्स ने कड़ाई से कहा और छह गंदे आवारा एक लाइन में मूर्तियों की तरह खड़े के खड़े रह गए, “आइंदा से रिपोर्ट करने के लिए तुम अकेले विगिंस को भेजोगे और बाकी तुम सब सड़क पर इंतजार करोगे. क्या तुम को मिल गया, विगिंस?”

“नहीं सर, हमें नहीं मिला,” एक युवक बोला, “मुझे उम्मीद भी नहीं थी कि तुम को वह मिल सकेगा, जब तक तुम्हें मिल नहीं जाता तुम्हें तलाश जारी रखनी होगी. यह रखो अपनी आमदनी,” उस ने हरेक को एक एक शिलिंग पकड़ाई. “अब तुम लोग यहां से दफा हो जाओ और अगली बार आओ तो इस से अच्छी खबर लाना.”

उस ने अपना हाथ हिलाया और वे चूहों की तरह नीचे भागे और हम ने अगले पल उन की तीखी आवाजें सड़क से आती हुई सुनीं.

“पुलिस के दरजनभर आदमियों से कहीं ज्यादा काम इन छोटे भिखमंगों से निकाला जा सकता है,” होम्स ने टिप्पणी की, “किसी अधिकारी को देखते ही लोगों के होंठों पर ताला लग जाता है. ये छोटे बच्चे हर जगह जाते हैं और हर बात सुनते हैं. ये सूइयों की तरह पैने होते हैं. इन को बस संगठन की जरूरत है.”

“क्या ब्रिक्स्टन मामले के लिए इन लोगों को नियुक्त किया है?” मैं ने पूछा.

“हां, एक मुद्दा है जो मैं साबित करना चाहता हूं. यह कुछ ही समय की बात है. हेलो! हमें कुछ सुनाई पड़ने वाला है! सड़क पर ग्रेगसन आ रहा है और उस के पूरे चेहरे पर परम आनंद के भाव हैं. मैं जानता हूं कि वह मेरी ओर ही आ रहा है. हां, वह रुक रहा है. देखो, वह वहां पर है!”

घंटी जोर से बज उठी और कुछ पलों में वह उजले बालों वाला जासूस तीन सीढ़ियां एक बार में चढ़ता ऊपर आया और हमारे सीटिंगरूम में आंधी की तरह प्रकट हुआ.

“माई डियर फेलो,” होम्स का हाथ पकड़ कर वह बोला, “मुझे बधाई दो. मैं ने पूरा मामला दिन के उजाले की तरह स्पष्ट कर लिया है.”

मुझे लगा कि मेरे मित्र के भावपूर्ण चेहरे पर चिंता की परछाईं उभरी.

“क्या तुम्हारा मतलब है कि तुम सही रास्ते पर हो?” उस ने पूछा.

“सही रास्ता! सर, हम ने मुजरिम को कैद भी कर लिया है.”

“और उस का नाम है?”

“आर्थर शारपेंटियर, हर मेजिस्टी की जलसेना में सब-लेफ्टिनेंट है.” ग्रेगसन ने घमंड से अपने मोटे हाथों को रगड़ते और छाती चौड़ी करते हुए कहा.

शरलॉक होम्स ने राहत की सांस ली और उस के चेहरे पर मुसकान फैल गई.

“बैठो और एक सिगार का मजा लो,” वह बोला. “हम यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि तुम ने यह काम कैसे कर डाला. क्या तुम ह्विस्की और पानी लेना चाहोगे?”

“मुझे लेने में कोई एतराज नहीं.” जासूस ने जवाब दिया. “पिछले एक दो दिनों से मैं इतनी कड़ी मेहनत कर रहा हूं कि मैं बिलकुल थक गया हूं. शारीरिक तो नहीं, पर मानसिक दबाव की वजह से. तुम यह बात जरूर समझ सकोगे, शरलॉक होम्स, क्योंकि हम दोनों ही बुद्धिजीवी हैं.”

“तुम मुझे कुछ ज्यादा ही इज्जत दे रहे हो,” होम्स ने गंभीरता से कहा. “हम सुनना चाहते हैं कि तुम इस संतोषजनक नतीजे पर कैसे पहुंचे.”

जासूस आरामकुरसी में धंस गया और सब्र से सिगार के कश लेने लगा. फिर अचानक उस ने किसी मनोरंजक खयाल से अपनी जांघ पर हाथ मारा.

“सब से मजे की बात यह है,” वह बोला, “वह बेवकूफ लेस्ट्रेड जो अपने को इतना होशियार समझता है, बिलकुल ही गलत पटरी पर जा रहा है. वह सेक्रेटरी स्टेंजरसन के पीछे पड़ा है जिस का इस जुर्म से उतना ही लेनादेना है, जितना किसी अजन्मे बच्चे का. मुझे कोई शक नहीं कि उस ने अब तक उस को हिरासत में भी ले लिया होगा.”

इस खयाल से ग्रेगसन को इतनी ज्यादा हंसी आई कि वह तब तक हंसता रहा, जब तक उस का दम नहीं घुटने लगा.

“और तुम को यह अंदाज कैसे लगा?”

“आह, मैं तुम को पूरी बात बताता हूं. हां, यह जरूर है, डाक्टर वॉटसन, कि यह बात हम लोगों के बीच ही रहनी चाहिए, सब से पहली कठिनाई जिस का हमें सामना करना पड़ा, वह थी इस अमरीकी की पिछली जिंदगी के बारे में पता लगाना. कुछ लोग तब तक इंतजार करते जब तक उन के विज्ञापनों का जवाब नहीं आ जाता या जब तक कुछ लोग आगे आ कर सब जानकारी नहीं देते. पर यह टोबियास ग्रेगसन के काम का तरीका नहीं है. तुम्हें याद है वह हैट जो मृतक के पास पड़ा था?”

“हां,” होम्स ने कहा, “जॉन अंडरवुड एंड संस, 129 , केंबरवेल रोड, द्वारा निर्मित.”

ग्रेगसन काफी निराश लगा.

“मुझे नहीं पता था कि तुम ने इस बात पर गौर किया,” वह बोला, “क्या तुम वहां जा चुके हो?”

“नहीं.”

“हां!” ग्रेगसन बोल पड़ा, एक राहत भरी आवाज में. “तुम को कभी भी कोई ऐसा मौका नहीं खोना चाहिए, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो.”

“महान बुद्धि वाले के लिए कुछ भी छोटा नहीं होता,” होम्स ने कहावत के अंदाज में टिप्पणी की.

“खैर, मैं अंडरवुड के पास गया और उस से पूछा कि क्या उस ने इस नाप और वर्णन का हैट बेचा है, उस ने अपनी किताबों में देखा और तुरंत उस तक पहुंच गया. उस ने वह हैट मिस्टर ड्रेबर को भेजा था, जो टॉरके टेरेस में शारपेंटियर के किराए के कमरों में रहता है, इस तरह मुझे उस का पता मिला.”

“स्मार्ट–बहुत स्मार्ट,” शरलॉक होम्स बुदबुदाया, “उस के बाद मैं ने मैडम शारपेंटियर से मुलाकत की.” जासूस बोले जा रहा था. “मैं ने देखा कि वह एकदम पीली और परेशान थी, उस की बेटी भी उसी कमरे में थी–वह भी एक असाधारण और अच्छी लड़की है–उस की आंखें लाल थीं और जब मैं उस से बात कर रहा था, तो उस के होंठ कांप रहे थे, यह बात मुझ से छिप नहीं सकी. मुझे कुछ गड़बड़ी महसूस हुई. वह एहसास, तुम जानते हो मिस्टर शरलॉक होम्स, जब तुम सही दिशा में होते हो–तुम्हारी रगरग में एक रोमांच सा होता है. क्या तुम ने अपने पुराने किराएदार मिस्टर एनोच ड्रेबर, क्लीवलैंड वालों की रहस्यमयी मौत के बारे में सुना है?” मैं ने पूछा.

“मां ने ‘हां’ में सिर हिलाया. वह एक शब्द भी नहीं बोल पा रही थी. बेटी फूटफूट कर रो पड़ी. मुझे लग रहा था कि ये लोग इस मामले के बारे में जरूर कुछ जानती हैं.”

“ट्रेन पकड़ने के लिए मिस्टर ड्रेबर तुम्हारे घर से कितने बजे निकला था?” मैं ने पूछा.

“आठ बजे,” अपनी बेचैनी को छुपाने के लिए थूक सटकते हुए वह बोली, “उस के सेक्रेटरी मिस्टर स्टेंजरसन ने कहा कि दो ट्रेनें थीं–एक सवा नौ बजे और एक ग्यारह बजे. उस को पहली वाली ट्रेन पकड़नी थी.”

“और क्या यही तुम ने उसे आखिरी बार देखा था?”

“औरत के चेहरे पर विद्रूपता छा गई, जब मैं ने उस से यह प्रश्न पूछा. उस का चेहरा स्याह पड़ गया. उस के मुंह से एक ‘हां’ निकलने में कुछ क्षण बीत गए और जब वह निकला, तो अजीब से अंदाज में. क्षणभर के लिए चुप्पी छाई गई और फिर शांत, साफ आवाज में बेटी बोली, “झूठ से कभी कुछ अच्छा नहीं हो सकता, मां! इस भले आदमी से हमें खुल कर बात करनी चाहिए. हम ने मिस्टर ड्रेबर को फिर से देखा था.”

मैडम शारपेंटियर फिर से अपनी कुरसी में धंस गई. “तुम ने अपने भाई को मार डाला है.”

“आर्थर यही पसंद करता कि हम सच बोलें,” लड़की ने दृढ़ता से कहा.

“सब से अच्छा तो यही होगा कि तुम इस के बारे में मुझ को अभी बताओ,” मैं ने कहा. “अधूरी बात कबूलना कुछ नहीं कबूलने से ज्यादा बुरा है. इस के अलावा, तुम्हें नहीं मालूम कि हम को इस मामले के बारे में कितना ज्यादा मालूम है.”

“अब इस का जिम्मा तुम अपने सिर पर आने दो, एलिस!” उस की मां ने कहा और फिर मेरी ओर रुख कर के बोली, “मैं आप को सारी बात बताती हूं, सर. यह मत सोचिए कि मैं अपने बेटे के लिए इसलिए डर रही हूं कि उस का इस अपराध में कोई हाथ है. वह बिलकुल निर्दोष है. फिर भी, मुझे यह डर है कि आप की नजरों में और दूसरों की नजरों में वह इस अपराध का भागीदार दिखाई देगा. पर वह एकदम नामुमकिन है. उस का ऊंचा चरित्र, उस का पेशा, उस की पहले की जिंदगी उस को ऐसा कभी नहीं होने देंगे.”

“तुम्हारे लिए सब से अच्छा यही होगा कि तुम सारे तथ्यों को ईमानदारी से सामने लाओ,” मैं ने जवाब दिया. “निश्चिंत रहो, अगर तुम्हारा बेटा बेकसूर है, उस को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा.”

“एलिस, शायद अच्छा रहेगा कि तुम हमें अकेला छोड़ दो,” उस ने कहा और उस की बेटी वहां से चली गई. “अब, सर,” वह आगे बोली, “मेरा कोई इरादा नहीं था कि आप को यह सब बताऊं, पर जैसा मेरी बेचारी बेटी ने खुलासा किया है, मेरे पास अब और कोई चारा नहीं है. अब एक बार बोलने का फैसला ले लेने के बाद, मैं आप को बगैर कोई बात छुपाए सारी बात बता दूंगी.”

"यही तुम्हारे लिए सब से बड़ी अक्लमंदी का रास्ता होगा."

"मिस्टर ड्रेबर हमारे साथ करीब तीन हफ्तों तक रहा. वह और उस का साथी मिस्टर स्टेंजरसन महाद्वीप की यात्रा कर रहे थे. मैं ने उन दोनों के बक्सों पर 'कोपनहेगन' लिखा देखा था, जिस से पता चलता है कि आखिरी बार वे लोग वहीं रुके थे. स्टेंजरसन शांत, शर्मीला आदमी था, पर मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि उस का मालिक उस से बिलकुल अलग था. उस की आदतें फूहड़ थीं और हरकतें क्रूरता वाली. जिस रात वे यहां आए, उसी रात वह नशे में बिलकुल धुत हो गया और दिन में बारह बजे के बाद वह शायद ही कभी बगैर नशे में धुत पाया गया हो. घर की नौकरानियों के प्रति उस का रवैया कुछ ज्यादा ही खुला हुआ था. सब से बुरी बात तो यह हुई कि जल्दी ही उस ने यह रवैया मेरी बेटी एलिस के प्रति भी अपना लिया और कई बार उस से ऐसीवैसी बात कही, जो वह अपने भोलेपन में समझ नहीं सकी. एक बार तो उस ने उस को अपनी बांहों में भर लिया, इस बेहूदा हरकत के कारण उस के सेक्रेटरी तक ने उस को डांटा था."

"पर आप ने यह सब क्यों सहा?" मैं ने पूछा, "मैं समझता हूं कि आप जब चाहें, अपने किराएदारों को हटा सकती हैं."

"मेरे धृष्ट सवालों को सुन कर मैडम शारपेंटियर का चेहरा लाल पड़ गया.

"मैं तो उस को उसी दिन नोटिस भिजवा देती, जिस दिन वह आया था," वह बोली, "पर मेरे सामने बहुत बड़ा लालच था. रोजाना वे प्रति व्यक्ति के हिसाब से एक पाउंड देते थे, यानी हफ्ते के चौदह पाउंड और यह समय मंदी का चल रहा है. मैं विधवा हूं और नेवी में अपने बेटे के ऊपर मैं ने बहुत खर्चा किया है. मैं यह पैसा खोना नहीं चाह रही थी. मैं ने जो किया, अच्छे के लिए किया. पर यह आखिर हरकत बरदाश्त के बाहर हो गई, जिस की वजह से मैं ने उस को कमरा खाली करने का नोटिस दे दिया. उस के जाने का यही कारण था."

"और?"

"उस को ड्राइव कर के जाते देख मेरा दिल हलका हो गया. अभी मेरा बेटा छुट्टी पर है, पर मैं ने उस को यह बात नहीं बताई. क्योंकि उस का गुस्सा बहुत तेज है और वह दीवानगी से अपनी बहन से प्यार करता है, जब उन के जाने के बाद मैं ने दरवाजा बंद किया, तो मेरे सिर से एक बोझ उतर गया. पर एक घंटे से भी कम समय में दरवाजे पर फिर से घंटी बजी

और मुझे पता चला कि ड्रेबर वापस आ गया है. वह बहुत उत्तेजित था, क्योंकि वह नशे में था. वह जबरदस्ती कमरे में घुस आया, जहां मैं अपनी बेटी के साथ बैठी थी और कुछ अस्पष्ट से तरीके से कहा कि उस की ट्रेन छूट गई है. फिर वह एलिस की ओर मुड़ा और मेरे सामने ही उस से प्रस्ताव रखा कि वह उस के साथ चले. “तुम अब वयस्क हो गई हो,” उस ने कहा, “और कोई कानून तुम को रोक नहीं सकता. मेरे पास काफी पैसा है जो मैं तुम्हारे ऊपर लुटा सकता हूं. इस बूढ़ी का खयाल मत करो, और फौरन मेरे साथ चली चलो. तुम एक राजकुमारी की तरह रहोगी.” एलिस बेचारी इतनी डर गई कि वह उस से दूर हट गई, पर उस ने उस की कलाई को पकड़ कर घसीटा और दरवाजे तक ले जाने की कोशिश की. मैं चिल्लाई और उसी वक्त मेरा बेटा आर्थर कमरे में दाखिल हुआ.

उस के बाद क्या हुआ, मुझे नहीं मालूम. मैं ने गालियों और कसमों और आपस में गुत्थमगुत्था होने की आवाजें सुनीं. मैं इतनी डर गई कि मुझे अपना सिर उठाने की हिम्मत भी नहीं रही. जब मैं ने ऊपर देखा, मैं ने आर्थर को हाथ में छड़ी लिए हंसते हुए दरवाजे पर खड़ा देखा. “मैं नहीं सोचता कि यह आदमी अब हमें और तंग करेगा,” उस ने कहा. “मैं उस के पीछे जा कर देखता हूं कि वह क्या कर रहा है.” इन शब्दों के साथ उस ने अपना हैट लिया और सड़क पर चला गया. अगली सुबह हम ने मिस्टर ड्रेबर की रहस्यमय मौत के बारे में सुना.

“मैडम शारपेंटियर के मुंह से यह बात गहरी सांसों और काफी रुकरुक कर निकली. कई बार तो वह इतना धीमे बोली कि मैं शब्द सुन ही नहीं पा रहा था. मैं ने शार्टहैंड में उस का बयान दर्ज किया, जिस से गलती की कोई गुंजाइश न रहे?”

“काफी रोमांचकारी है,” शरलॉक होम्स ने जम्हाई लेते हुए कहा. “उस के बाद क्या हुआ?”

“जब मैडम शारपेंटियर रुकी,” जासूस आगे बोला, “मैं ने देखा कि पूरा केस एक ही बिंदु पर टिका है. मैं ने उस को अपनी उस नजर से देखा जो हमेशा महिलाओं को प्रभावित करती है और उस से पूछा कि उस का बेटा कितने बजे घर लौटा.”

“मैं नहीं जानती,” उस ने जवाब दिया.

“नहीं जानती?”

“नहीं. उस के पास अपनी चाबी है और उसी से वह घर में दाखिल हुआ होगा.”

“जब तुम सो चुकी थी?”

“हां.”

“तुम कितने बजे सोई थी?”

“करीब ग्यारह बजे.”

“तो तुम्हारा बेटा करीब दो घंटों तक घर नहीं आया?”

“हां.”

“शायद चार या पांच घंटे?”

“हां.”

“उस दौरान वह क्या कर रहा था?”

“मुझे नहीं मालूम.” उस ने जवाब दिया और उस के होंठ सफेद पड़ रहे थे.

“अब इस के बाद करने के लिए और कुछ भी बाकी नहीं रह गया था. मैं ने ढूंढ़ निकाला कि लेफ्टिनेंट शारपेंटियर किधर है, अपने साथ दो अफसर लिए और उस को हिरासत में ले लिया. जब मैं ने उस को कंधे पर छुआ और उस को चुपचाप हमारे साथ चलने की धमकी दी, तो उस ने लोहे की तरह मजबूती से कहा. मैं सोचता हूं कि आप मुझे उस दुष्ट ड्रेबर की मौत के सिलसिले में बंदी बना रहे हैं,” वह बोला–हम ने उस से इस बारे में कुछ भी नहीं कहा था, इसलिए उस का यह मुद्दा छेड़ना शक खड़ा करता है.

“बहुत,” होम्स ने कहा.

उस के पास उस समय भी वही लाठी थी जो उस की मां ने बताई थी कि उस के पास थी जब वह ड्रेबर के पीछे निकला था. वह मजबूत लकड़ी की लाठी थी.

“तुम्हारा क्या खयाल है?”

“मेरा खयाल यह है कि उस ने ब्रिक्सटन रोड तक ड्रेबर का पीछा किया. वहां पहुंच कर दोनों के बीच में ताजा झड़प हुई, जिस के दौरान ड्रेबर ने लाठी की चोट खाई, शायद पेट पर, जिस ने उस को बगैर चोट के निशान के मार डाला. रात इतनी भीगी हुई थी कि आसपास कोई नहीं था, इसलिए शारपेंटियर उस खाली घर में लाश को खींचते हुए ले गया. जहां

तक मोमबत्ती और खून का सवाल है और दीवार पर लिखावट और अंगूठी का, तो ये सब शायद पुलिस को चकमा देने की साजिश हो."

"शाबाश!" होम्स ने हौसला देने के अंदाज में कहा. "वाकई ग्रेगसन, तुम बहुत बढ़िया कर रहे हो. तुम बहुत आगे बढ़ोगे."

"मैं अपनेआप से बहुत खुश हूं कि मैं ने इतनी सफाई से सारा मामला सुलझा डाला," जासूस ने घमंड से कहा. "वह युवक बयान देने के लिए तैयार हो गया, जिस से उस ने कहा कि कुछ देर ड्रेबर का पीछा करने के बाद ड्रेबर ने उस को देख लिया और एक कैब ले कर चला गया ताकि उस से दूर जा सके. घर के रास्ते में उस को एक पुराना साथी नाविक मिला और वह उस के साथ टहलने लगा. यह पूछे जाने पर कि उस का वह साथी नाविक कहां रहता है, वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया. मेरे खयाल से यह पूरा मामला ठीक से सुलझ चुका है. मुझे हंसी आ रही है लेस्ट्रेड पर, जो गलत दिशा में जा कर केस सुलझाने का प्रयत्न कर रहा है. मुझे डर है वह कुछ ज्यादा नहीं कर पाएगा. क्यों, कसम से, वह तो खुद यहां पर हाजिर हो गया है."

वास्तव में वह लेस्ट्रेड ही था जो हमारी बातचीत के दौरान सीढ़ियां चढ़ कर आया था और अब कमरे में दाखिल हो गया. पर उस की चालढाल और कपड़ों से जो आत्मविश्वास दिखता था, वह अब नजर नहीं आ रहा था. उस के चेहरे पर परेशानी थी जबकि उस के कपड़े अस्तव्यस्त और गंदे थे. साफ था कि वह शरलॉक होम्स से मशविरा लेने आया था क्योंकि अपने साथी को देख कर वह शर्मिंदा और परेशान सा नजर आया. घबराहट में वह अपने हैट को टटोलता हुआ कमरे के बीच में खड़ा था और समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे! "यह एक अपूर्व केस है," अंत में वह बोला, "जो बिलकुल भी समझ में नहीं आ रहा."

"आह, ऐसा तुम को लगता है, मिस्टर लेस्ट्रेड!" विजयी भाव से ग्रेगसन बोल पड़ा. "मैं सोच रहा था कि तुम इसी नतीजे पर पहुंचोगे. क्या तुम सेक्रेटरी जोजफ एंडरसन को ढूंढ़ पाए?"

"सेक्रेटरी जोजफ एंडरसन," लेस्ट्रेड गंभीरता से बोला, "आज सुबह लगभग छह बजे हैलीडे प्राइवेट होटल में हत्या कर दी गई."

अंधेरे में रोशनी

लेस्ट्रेड ने जो जानकारी दी, वह इतनी अप्रत्याशित थी कि हम तीनों ही स्तब्ध रह गए. ग्रेगसन अपनी कुरसी से उछल पड़ा. उस ने अपनी ह्विस्की और पानी को गिरा दिया. मैं चुपचाप देखता रहा शरलॉक होम्स को, जिस के होंठ भिंचे हुए थे और भौंहें तनी हुई थीं.

“स्टेंजरसन भी!” वह बुदबुदाया. “रहस्य गहराता जा रहा है.”

“पहले ही काफी गहरा था,” कुरसी लेते हुए लेस्ट्रेड बड़बड़ाया. “ऐसा लगता है कि मैं किसी युद्ध में फंस गया हूं.”

“इस जानकारी के बारे में तुम को पूरा यकीन है?” ग्रेगसन हकलाया.

“मैं अभीअभी उस के कमरे से आया हूं,” लेस्ट्रेड बोला. “इस घटना को देखने वाला पहला आदमी मैं ही था.”

“हम अब तक इस मामले में ग्रेगसन का नजरिया सुनते आए हैं,” होम्स ने कहा. “अगर तुम्हें आपत्ति न हो तो हमें बता सकते हो कि तुम ने क्या देखा और क्या किया?”

“मुझे कोई आपत्ति नहीं है,” बैठते हुए लेस्ट्रेड ने जवाब दिया, “मैं कबूल करता हूं कि मेरी राय थी कि ड्रेबर की मौत से स्टेंजरसन का वास्ता था. पर इस नई घटना ने मुझे दिखा दिया है कि मैं पूरी तरह गलत था. इसी एक विचार से भरा मैं यह ढूंढ़ने निकला था कि सेक्रेटरी का क्या हुआ. तीन तारीख की शाम को करीब साढ़े आठ बजे उन दोनों को यूस्टन स्टेशन पर इकट्ठे देखा गया था. दो बजे सुबह ड्रेबर को ब्रिक्सटन रोड पर पाया गया था.

“मेरे सामने यह सवाल था कि साढ़े आठ बजे से ले कर कत्ल के वक्त तक स्टेंजरसन कहां था और बाद में उस का क्या हुआ. मैं ने लिवरपूल तार भेजा, उस आदमी के वर्णन के साथ और उन को चेतावनी दी कि अमरीकी नावों पर नजर रखें. फिर मैं ने यूस्टन के आसपास के सारे होटलों और धर्मशालाओं में पता किया, आप देखें, मेरा यह तर्क था कि अगर ड्रेबर और उस का साथी अलगअलग हो गए, तो उस का साथी स्वाभाविक तौर पर रात में रहने के लिए नजदीक ही कोई जगह ढूंढ़ता, जिस से सवेरे फिर आसानी से स्टेशन पहुंच सके.”

“उन्होंने शायद पहले ही कोई मिलने की जगह तय कर ली होगी.” होम्स ने टिप्पणी की.

यही साबित हुआ. मैं ने कल की पूरी शाम छानबीन में गंवा दी, पर कोई फायदा नहीं हुआ. आज सुबह मैं बहुत जल्दी काम पर लग गया और आठ बजे हैलीडे प्राइवेट होटल पहुंच गया जो लिटल जार्ज स्ट्रीट पर है. मेरे पूछने पर कि क्या वहां कोई मिस्टर स्ट्रेंजरसन रह रहा है, उन्होंने तुरंत हामी भरी.

“इस में कोई शक नहीं कि आप ही वह सज्जन हैं, जिस की वह उम्मीद कर रहे थे.” वह बोला, “वह दो दिनों से किसी का इंतजार कर रहा है.”

“अब वह कहां है?” मैं ने पूछा.

“वह ऊपर अपने बिस्तर में है. उस ने नौ बजे उठाए जाने की मांग की थी.”

“मैं ऊपर जा कर तुरंत उस से मिलूंगा,” मैं ने कहा.

“मुझे लगा कि मेरे अचानक पहुंचने पर वह घबरा जाएगा और बगैर सोचे समझे कुछ कह डालेगा. उन लोगों ने मुझे उस के कमरे तक ले जाना स्वीकार कर लिया. वह दूसरी मंजिल पर था और वहां तक पहुंचने के लिए एक छोटा सा गलियारा था. लड़के ने कमरे के दरवाजे की ओर इशारा किया और नीचे वापस जाने को था कि मैं ने कुछ ऐसा देखा कि मैं चकरा गया, जबकि मुझे बीस सालों का तजुरबा है. दरवाजे के नीचे से खून की लकीर बह रही थी जो दूसरी तरफ तक फैल गई थी. मैं चिल्ला पड़ा, जिस से वह लड़का वापस दौड़ आया. उस ने जब यह देखा, तो लगभग बेहोश हो गया.

“दरवाजा अंदर से बंद था, पर हम ने अपने कंधों से जोर लगा कर दरवाजा खोल दिया. कमरे की खिड़की खुली हुई थी और खिड़की के पास एक आदमी की लाश नाइट सूट में मुड़ी हुई पड़ी थी. वह बिलकुल मरा हुआ था. वह कुछ समय से मरा पड़ा था, क्योंकि उस के हाथपैर ऐंठ कर ठंडे पड़ चुके थे. जब उस को पलटा, तो लड़के ने फौरन उसे पहचान लिया कि यह वही सज्जन है, जिस जोजफ स्टेंजरसन के नाम से कमरा बुक किया था. मौत की वजह थी बाईं ओर छुरे का गहरा जख्म, जो शायद दिल तक पहुंच गया था. उस केस की सब से अजीब बात मारे गए आदमी के ऊपर तुम्हारे खयाल से क्या था?”

मेरे रोमरोम में झनझनाहट और आगे आने वाली भयानकता का पूर्वाभास हो चुका था, इस के पहले कि शरलॉक होम्स जवाब देता.

“खून के अक्षरों में ‘रेशे’ शब्द लिखा हुआ था.” वह बोला.

“वही था,” लेस्ट्रेड ने प्रशंसा भरी आवाज में कहा और कुछ देर के लिए हम सब चुप रह गए.

“इस अनजान हमलावर की करतूतों में कुछ ऐसा ढर्रा था जो समझ के बाहर था कि अपराधों में नई जघन्यता नजर आने लगी. मेरा दिल, जो युद्ध के मैदान में मजबूत बना रहा, अब घबरा उठा था.”

लेस्ट्रेड ने आगे कहा, “उस आदमी को देखा गया था. एक दूध वाला होटल के पीछे की गली से गुजर कर अपनी डेयरी की ओर जा रहा था. उस ने गौर किया कि एक सीढ़ी जो अकसर वहां पड़ी रहती थी, दूसरी मंजिल की एक खिड़की से लगी थी, जो पूरी तरह खुली हुई थी. वहां से गुजरने के बाद उस ने पीछे मुड़ कर देखा. उस ने देखा कि एक आदमी सीढ़ी से नीचे उतर रहा है. वह इतने धीरे और आराम से नीचे आया कि लड़के ने सोचा कि वह होटल में काम करने वाला कोई बढ़ई या कुछ होगा.

“उस ने उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया. उस ने सोचा कि अभी काम शुरू करने का समय नहीं हुआ है. उस का खयाल है कि वह आदमी लंबा था, चेहरा लाल था और उस ने लंबा सा भूरे रंग का कोट पहना था. वह हत्या के कुछ समय बाद तक कमरे में रुका रहा होगा. क्योंकि हम ने बेसिन में खून से सना पानी देखा था, जहां उस ने हाथ धोए थे और चादरों पर निशान, जिन पर उस ने जानबूझ कर छुरा पोंछा था.”

हत्यारे का वर्णन सुन कर मैं ने होम्स की ओर देखा, क्योंकि वह बिलकुल उस के द्वारा दिए गए वर्णन से मेल खाता था. फिर भी, उस के चेहरे पर खुशी या संतोष की कोई झलक नहीं थी.

“क्या तुम ने कमरे में ऐसा कुछ नहीं पाया, जो हत्या का सुराग दे सके?” उस ने पूछा.

“कुछ नहीं, स्टेंजरसन की जेब में ड्रेबर का पर्स था. पर यह कोई खास बात नहीं थी क्योंकि सारे खर्चे वही देता था. उस में लगभग अस्सी पाउंड थे, पर कुछ भी चुराया नहीं गया था. इन अजीब अपराधों के पीछे जो भी कारण हो, पर इस के पीछे लूटपाट की मंशा बिलकुल भी नहीं है. मारे गए आदमी की जेब में कोई कागजात वगैरह नहीं थे. बस, महीने भर पहले क्लीवलैंड से भेजा गया तार था जिस पर लिखा था, ‘जे. एच. यूरोप में है.’ इस संदेश के नीचे कोई नाम नहीं था.”

“और इस के सिवा कुछ भी नहीं था. ज्यादा महत्त्व का कुछ भी नहीं था. उस का उपन्यास जो उस ने रात में सोने से पहले पढ़ा था, बिस्तर पर पड़ा था और पास की कुरसी पर उस का पाइप पड़ा था. मेज पर पानी का एक गिलास रखा था और खिड़की पर एक छोटी सी दवाई की डिबिया, जिस में दो गोलियां थीं.”

शरलॉक होम्स खुशी जाहिर करता हुआ अपनी कुरसी से उछल पड़ा.

“आखिरी कड़ी,” विजयी भाव से वह चिल्लाया. “मेरा केस पूरा हो गया है.”

दोनों जासूस चकित से उस को देखते रह गए.

“अब मेरे हाथों में,” मेरे साथी ने पूरे विश्वास से कहा, “इस उलझी हुई गुत्थी के सारे धागे हैं. यह जरूर है कि अभी भी कई बातें विस्तार से जाननी होंगी, पर स्टेशन पर ड्रेबर का स्टेंजरसन के अलग होने से ले कर उस की लाश पाए जाने तक के सारे घटनाक्रम के बारे में मैं इतना आश्वस्त हूं, मानो सारी बातें मेरी आंखों के सामने हुई हों. मैं अपनी जानकारी का सबूत देता हूं. क्या तुम उन गोलियों को अपने साथ ला पाए?”

“मेरे पास हैं,” लेस्ट्रेड ने एक छोटी सी सफेद डिबिया देते हुए कहा, “मैं ने ये गोलियां, पर्स, टेलीग्राम अपने पास रख लिए, इस खयाल से कि पुलिस स्टेशन में हिफाजत से रखवा दूंगा. ये गोलियां तो मैं ने यूं ही रख ली थीं क्योंकि मैं कहना चाहूंगा कि मैं इन को बिलकुल भी महत्त्वपूर्ण नहीं समझता.”

“इन को यहां दो,” होम्स ने कहा. “अब डाक्टर,” उस ने मेरी ओर मुड़ कर कहा, “क्या ये साधारण गोलियां हैं?”

सचमुच में वे गोलियां साधारण नहीं थीं. वे मोतिया-सलेटी रंग की थीं. छोटी, गोल और रोशनी में बिलकुल पारदर्शी, “इन के हलकेपन और पारदर्शिता से मैं अनुमान लगा सकता हूं कि ये पानी में घुल जाती होंगी,” मैं ने टिप्पणी की.

“बिलकुल,” होम्स ने जवाब दिया. “अब क्या तुम नीचे जा कर उस छोटे कुत्ते को लाओगे, जो इतने दिनों से बीमार है और मकान मालकिन कल जिस को चाह रही थी कि तुम उसे हमेशा के लिए सुला दो.”

मैं नीचे गया और गोद में उस कुत्ते को ऊपर ले आया. उस की उखड़ती सांसें और भावरहित आंखें दिखा रही थीं कि उस का अंत दूर नहीं है.

बल्कि उस का बर्फ सा सफेद मुंह दिखा रहा था कि वह अपनी आयु पूरी कर चुका है. मैं ने उसे दरी पर पड़ी गद्दी पर रख दिया.

"अब इन में से एक गोली के मैं दो हिस्से करता हूं," होम्स ने कहा और अपना चाकू निकालते हुए उस ने यही किया. "एक आधा हिस्सा हम भविष्य के लिए संभाल कर डिबिया में वापस रखेंगे, दूसरा आधा मैं इस शराब के गिलास में डालता हूं. जिस में चम्मच भर पानी है. तुम देखो कि हमारा डाक्टर मित्र सही है, यह गोली आसानी से पानी में घुल गई है."

"यह तो काफी दिलचस्प बात है," लेस्ट्रेड ने ऐसे आहत स्वर में कहा मानो उस का मजाक उड़ाया गया हो. "पर फिर भी मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है कि इस का मिस्टर जोजफ एंडरसन की मौत से क्या वास्ता है?"

"धीरज, मेरे दोस्त, धीरज! समय के साथ तुम देखोगे कि गोलियों का उस की मौत से पूरा वास्ता है. अब मैं उस को पीने लायक बनाने के लिए थोड़ा सा दूध मिला देता हूं और कुत्ते के सामने रखने पर हम पाएंगे कि वह इसे जल्दी से पी जाएगा."

बोलतेबोलते उस ने शराब के गिलास के पानी को कुत्ते के बरतन में डाल दिया और कुत्ते के सामने रख दिया, जिस ने उसे पूरी तरह लपलप कर के पी डाला. शरलॉक होम्स की उत्सुकता से हमें उस पर विश्वास हो गया था और हम चुपचाप बैठे रहे, जानवर को गौर से देखते हुए तथा किसी अद्भुत होनी की उम्मीद लिए. पर ऐसा कुछ नहीं हुआ. कुत्ता गद्दी पर लेटा रहा, मुश्किल से सांस लेता हुआ पर उस की हालत न सुधरी, न बिगड़ी.

होम्स ने अपनी घड़ी निकाली और जैसेजैसे बगैर परिणाम के मिनट पर मिनट बीतते गए, उस के चेहरे पर निराशा और खीज दिखाई पड़ने लगी. उस ने होंठ चबाने शुरू कर दिए, मेज पर अंगुलियां बजाने लगा और उस में तीव्र बेसब्री के सारे लक्षण दिखने लगा. वह इतना विह्वल हो रहा था कि मुझे उस के प्रति दिल से सहानुभूति हो गई, जबकि दोनों जासूस मजाक उड़ाते मुसकराने लगे और शरलॉक होम्स की इस मात पर उन्हें बिलकुल तकलीफ नहीं हुई.

"ऐसा नहीं हो सकता," आखिर में अपनी कुरसी से लपक कर कमरे में तेजी से चक्कर काटते वह बोला, "यह असंभव है कि ऐसा हुआ हो. वही गोलियां जिन पर ड्रेबर के मामले में मुझे शक था, अब स्टेंजरसन की मौत के बाद भी मिली हैं और फिर भी ये नाकाम हैं. इस का क्या मतलब हो सकता है? मेरी तर्क की पूरी कड़ी गलत नहीं हो सकती, यह नामुमकिन

है! और फिर भी यह बेचारा कुत्ता ज्यों का त्यों है. आह! मुझे समझ में आ गया! समझ में आ गया! खुशी से किलकते हुए वह डिबिया की ओर जल्दी से बढ़ा, दूसरी गोली को दो भागों में बांट कर घोला, उस में दूध मिलाया और कुत्ते के सामने रख दिया. उस बदनसीब जीव की जीभ अभी तर भी नहीं हुई थी कि उस के हर अंग में झटके आने लगे और वह ऐसे निर्जीव हो गया, मानो उस पर बिजली गिर गई हो."

"शरलॉक होम्स ने एक लंबी सांस खींची और माथे से पसीना पोंछा. "मुझे थोड़ा और विश्वास रखना चाहिए," वह बोला, "इस समय तक मुझे मालूम होना चाहिए कि जब कोई तथ्य तर्कों की लंबी कड़ी के विरुद्ध जा रहा हो, इस का मतलब यही हो सकता है कि इस की कोई और वजह होगी. डिबिया में रखी दोनों गोलियों में एक बिलकुल भी हानिकारक नहीं थी, जबकि दूसरी में घातक विष था. डिबिया देखने से पहले ही मुझे यह बात मालूम होनी चाहिए थी."

उस का यह अंतिम वाक्य मुझे इतना चौंकाने वाला लगा कि मुझे विश्वास करना मुश्किल लग रहा था कि वह अपने होशोहवास में है. परंतु वहां पर मरा हुआ कुत्ता भी था, जो साबित कर रहा था कि उस का अनुमान ठीक था. मुझे लगा कि मेरे मन का धुंधलका छंट रहा था. सत्य का मुझे कुछकुछ एहसास होने लगा था.

"यह सब तुम को अजीब लग रहा है," होम्स बोलता गया, "क्योंकि जांच शुरू करने से पहले तुम उस एकमात्र असली सुराग का महत्त्व समझने में असफल रहे, जो तुम्हारे सामने था, पर मैं ने वह सुराग पकड़ लिया और तब से अब तक जो कुछ भी हुआ है, उस से मेरे शुरुआती अंदेशे को तूल मिला है. इसलिए जिन बातों ने तुम लोगों को उलझन में डाला है और मामले को पेचीदा बनाया है, उन बातों ने मेरे निष्कर्षों को मजबूत किया है. अजीब बातों को रहस्य का नाम देना गलत है. सब से आम अपराध कभीकभी सब से बड़ा रहस्यमय होता है क्योंकि वह कोई भी ऐसे नए या विशेष आयाम नहीं प्रस्तुत करता, जिस से गलत निष्कर्ष निकाला जा सके. यह हत्या सुलझाना तब ज्यादा मुश्किल होता अगर मृतक किसी आम रास्ते पर पड़ा मिलता, बगैर किसी तामझाम के जिन की वजह से यह मुद्दा इतना असाधारण दिख रहा है. अजीब बातों ने मामले को कठिन बनाने की बजाए आसान कर दिया है."

मिस्टर ग्रेगसन जो बेसब्री से यह सब सुन रहा था, अब अपने को रोक नहीं सका, "देखो, मिस्टर शरलॉक होम्स," उस ने कहा, "हम सब यह मानने को तैयार हैं कि तुम बहुत होशियार हो और काम करने का तुम्हारा

एक खास तरीका है, पर अभी हम तुम्हारा भाषण सुनने के लिए तैयार नहीं हैं. यहां तो खूनी को पकड़ने का मामला है. मैं ने केस सुलझा लिया था. पर ऐसा लगता है कि मैं गलत था. युवक शारपेंटियर इस दूसरे मामले में शामिल नहीं हुआ होगा. लेस्ट्रेड उस व्यक्ति स्टेंजरसन के पीछे गया और ऐसा लगता है कि वह भी गलत था. यहां तुम ने कुछ सुराग हमारे सामने रखे हैं और लगता है कि तुम हम से ज्यादा जानते हो. पर अब समय आ गया है जब हम महसूस करते हैं कि हमें सीधे यह पूछने का हक है कि तुम घटना के बारे में कितना जानते हो. क्या तुम उस आदमी का नाम बता सकते हो, जिस ने यह किया है?"

"मुझे भी लगता है कि ग्रेगसन ठीक कह रहा है, सर," लेस्ट्रेड ने टिप्पणी की. "हम दोनों ने कोशिश की और हम दोनों असफल रहे. आप ने एक से ज्यादा बार कहा है, जब से मैं इस कमरे में हूं कि आप के पास वे सारे सबूत हैं जिन की आप को जरूरत है. हम चाहते हैं कि आप इस बात को अपने तक सीमित न रखें."

"हत्यारे को पकड़ने में कोई भी देरी," मैं ने कहा, "उस को कोई नया जुल्म करने का अवसर देगी."

इस तरह हम सब के जोर देने पर होम्स थोड़ा डिगा. वह कमरे में इधरउधर चहलकदमी करता रहा. उस का सिर छाती तक झुका हुआ और भौंहें तनी हुई लग रही थीं, जैसी उस की आदत थी, जब वह खयालों में खोया होता था.

"अब और कोई हत्या नहीं होगी," आखिर में अचानक रुक कर हमारी ओर मुड़ कर वह बोला. "इस अंदेशे का सवाल ही नहीं है. तुम ने पूछा है कि क्या मैं हत्यारे का नाम जानता हूं. मैं जानता हूं, फिर भी सिर्फ नाम जान लेना मामूली बात है. उस को पकड़ लेना असली काम है, मुझे पूरी उम्मीद है कि हम जल्दी ही ऐसा कर सकेंगे, मुझे पूरी आशा है कि मैं अपने ही इंतजाम से ऐसा कर लूंगा. पर यह हमें बड़ी नजाकत और कोमलता से करना है, क्योंकि हमारा पाला एक चालाक आदमी से पड़ा है, जो किसी भी हाल में हत्या करने पर उतारू है.

"हमारे पास इस बात का सबूत है कि उस की मदद कोई एक और आदमी कर रहा है जो उसी की तरह होशियार है. जब तक इस आदमी को यह अंदाज नहीं होता कि किसी के पास हत्या का कोई सुराग नहीं है, उस को पकड़ने की थोड़ीबहुत संभावना है. पर उस को अगर जरा सा भी शक हो गया, तो वह अपना नाम बदल लेगा और इस बड़े शहर की चार

मिलियन (चालीस लाख) आबादी में पलभर में ही विलीन हो जाएगा. तुम में से किसी की भी भावना को ठेस पहुंचाए बगैर मैं कहने को मजबूर हूं कि मैं इन अपराधियों को पूरे पुलिस बल से ज्यादा शातिर मानता हूं और इसलिए मैं ने तुम्हारी मदद नहीं ली. अगर मैं असफल हो जाता हूं, तो जरूर मुझे अपनी इस ढील के लिए सारा इलजाम भुगतना होगा, पर मैं उस के लिए तैयार हूं. फिलहाल मैं इतना वादा करने को तैयार हूं कि अपनी छानबीन को खतरे में डाले बगैर जैसे ही संभव होगा, मैं तुम लोगों से संपर्क करने की कोशिश करूंगा."

इस आश्वासन से या खुफिया पुलिस की बुराई सुन कर ग्रेगसन और लेस्ट्रेड बिलकुल भी संतुष्ट नहीं दिखे. ग्रेगसन तो अपने बालों की जड़ों तक तमतमा उठा था, जबकि दूसरे की छोटीछोटी आंखों में कौतूहल और नाराजगी दिखी. पर दोनों में से किसी के भी पास बोलने का वक्त नहीं था, क्योंकि तभी दरवाजे पर दस्तक हुई और सड़की फौज का मुखिया, विगिंस अपने भद्दे रूप में प्रस्तुत हुआ.

"प्लीज, सर!" अपने माथे की लट से खेलता वह बोला, "कैब मैं ने नीचे खड़ी कर दी है."

"गुड ब्वाय," होम्स ने सपाट स्वर में कहा. "तुम यह तरीका स्कॉटलैंड यार्ड में क्यों नहीं शामिल करते," वह बोला और एक दराज में से स्टील की हथकड़ियों का जोड़ा निकाला, "देखो, इस की स्प्रिंग कितनी सुंदर तरह काम करती है. पल भर में जकड़ लेती है."

"पुराना तरीका भी ठीक है," लेस्ट्रेड ने टिप्पणी की, "अगर हथकड़ियां पहनाने के लिए अपराधी मिल जाए."

"बहुत अच्छा, बहुत अच्छा," होम्स ने मुसकराते हुए कहा. "गाड़ीवान शायद मुझे मेरे बक्से उठाने में मदद करे. उस से कहो कि वह जल्दी से ऊपर आए, विगिंस."

मुझे ताज्जुब हुआ कि मेरा मित्र ऐसे बोल रहा था मानो अभी यात्रा पर निकल रहा हो, क्योंकि उस ने मुझ से इस बारे में कुछ नहीं कहा था. कमरे में एक छोटा सा सूटकेस था और उसे बाहर खींच कर वह उस पर पेटी कसने लगा. वह इस काम में व्यस्त था, तभी गाड़ीवान कमरे में आया.

"इसे बांधने में मेरी मदद करो." गाड़ीवान घुटनों के बल बैठ कर अपना काम करते हुए बगैर सिर उठाए वह बोला.

वह आदमी अनमने से ढंग से बढ़ा और मदद के लिए अपना हाथ बढ़ाया, उसी पल धातु खनकने की एक तेज खटाक की आवाज हुई और शरलॉक होम्स फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो गया.

“जेंटलमैन,” चमकती आंखों से वह बोला, “मैं मिस्टर जेफरसन से आप का परिचय कराता हूं, जो ड्रेबर और जोजफ स्टेंजरसन का हत्यारा है.”

पूरी घटना पलभर में हो गई. इतनी जल्दी कि मुझे कुछ समझने का वक्त ही नहीं मिला. उस पल की विविध यादें मेरे मन में हैं, होम्स का विजयी भाव और उस की आवाज की खनक और गाड़ीवान का बौखलाया हुआ खतरनाक चेहरा अपने हाथों की चमकती हथकड़ियों को बदहवास सा देखता हुआ, जो उस की कलाई पर मानो जादू से प्रकट हुई हों. एक या दो सेकेंड के लिए हम जैसे बुत बन गए थे. फिर गुस्से से गरजते हुए कैदी ने होम्स की पकड़ से एक झटके में अपने को छुड़ा लिया. खिड़की से कूदने से पहले ही ग्रेगसन, लेस्ट्रेड और होम्स उस पर शिकारी कुत्तों की तरह झपट पड़े. उसे वापस कमरे में खींच लिया गया और उस के बाद भीषण लड़ाई हुई.

वह इतना ताकतवर और भयानक था कि हम चारों बारबार पटकी खा रहे थे. ऐसा लग रहा था मानो उसे मिरगी का दौरा पड़ा हो. जब लेस्ट्रेड ने उस का कॉलर पकड़ कर उस का आधा दम घोंट सा दिया तो, उसे समझ में आया कि उस की कोशिशें बेकार हैं. इस के बाद भी हम ने तब तक सुरक्षित नहीं महसूस किया जब तक हम ने उस के हाथ और पैर बांध नहीं दिए. ऐसा कर हम हांफते हुए अपने पैरों पर खड़े हुए.

“हमारे पास इस की गाड़ी है,” शरलॉक होम्स ने कहा. “यह इस को स्कॉटलैंड यार्ड तक ले जाने के काम आएगी. अब जेंटलमैन,” सुहानी मुसकान के साथ वह बोला, “हम अपनी छोटी सी गुत्थी के अंत तक पहुंच गए हैं. अब तुम लोगों को मुझ से कुछ भी सवाल पूछना है, तो स्वागत है और अब ऐसा कोई खतरा नहीं है कि मैं उन का जवाब देने से इनकार करूंगा.”

ग्रेट अलकली प्लेन के ऊपर

विशाल उत्तरी अमरीकी महाद्वीप के बीच के हिस्से में एक बंजर और घिनौना रेगिस्तान है, जो कई सालों तक सभ्यता की तरक्की में बाधा बना रहा. सियरा निवाडे से नेब्रास्का तक और उत्तर येलोस्टोन नदी से ले कर दक्षिण में कोलाराडो तक पूरा इलाका उदासी और निस्तब्धता से भरा है. इस मनहूस से इलाके में कुदरत भी हमेशा एक रूप में नहीं रहती. यहां पर बर्फ से ढके विशाल पर्वत भी हैं और अंधेरी, उदास वादियां भी. यहां रफ्तार से बहती नदियां हैं जो टेढ़ेमेढ़े पहाड़ी दर्रों से हो कर गुजरती हैं. यहां विशाल मैदान हैं, जो सरदी में बर्फ से सफेद रहते हैं और गरमी में क्षारयुक्त, ऊसर धूल से मटमैले. पर ये सभी बंजर, न रहने योग्य और दुख से भरपूर होने के कारण एकसमान भी हैं.

हताशा के इस इलाके में कोई भी निवासी नहीं है. कभीकभार दूसरी जगह जाने के लिए पौनी या ब्लैक फुट कबीलों के जत्थे गुजरते हैं, दूसरी जगह जाने के लिए जहां शिकार आसानी से मिल जाते हैं, पर बहादुर से बहादुर भी इन मैदानों को पार कर के घास के मैदानों में अपने को पाने पर राहत की सांस लेता है. झाड़ियों में कोयोट (भेड़िया) छिपे रहते हैं, बाज भारी शरीर से हवा में उड़ता है और भूरे बालों वाला भालू अंधेरी पहाड़ी नदियों में भद्दे तरीके से चलता हुआ चट्टानों के बीच से खाना ढूंढ़ता है. इस बियाबान में यही निवासी हैं.

पूरे संसार में सियरा ब्लैंको के उत्तरी ढलान से ज्यादा मलिन कोई दूसरा नजारा नहीं है. जहां तक नजर जाती है, यह चपटा मैदान ही दिखाई देता है, जिस के बीच बीच में क्षार के धब्बे हैं और बौनी चप्पराल झाड़ियों के गुच्छे. क्षितिज के दूसरी ओर पर्वत चोटियों की बर्फ से ढकी हुई लंबी श्रृंखला है, इस विशाल विस्तार में जीवन का कोई चिन्ह नहीं है, न जीवन से संबंधित किसी भी चीज का नामोनिशान है. नीले आकाश में कोई चिड़िया नहीं है. मटमैली धरती पर कोई हरकत नहीं है–चाहे कोई कितना भी सुनने का प्रयत्न करे, यहां बिलकुल सन्नाटा है, इस विशाल बियाबान में आवाज की परछाईं तक नहीं है; सन्नाटे के सिवा कुछ नहीं, संपूर्ण रूप से दिल डुबोने वाला सन्नाटा.

यह कहा गया है–इस विस्तार में जीवन से संबंधित कुछ भी है, पर यह बात नहीं है. सियरा ब्लैंको से नीचे देखने पर रेगिस्तान में एक पगडंडी दिखाई देती है. जो दूर जा कर कहीं खो जाती है. उस में पहियों के निशान हैं और कई साहसियों के पैरों के निशान भी हैं. इधरउधर कुछ सफेद सी

चीजें पड़ी दिखाई देती हैं, जो धूप में चमकती हैं और मटमैली धूल में अलग दिखाई पड़ती हैं. उन के पास जा कर गौर से देखो, ये हड्डियां हैं: कुछ बड़ी और खुरदुरी, कुछ छोटी और नाजुक. पहली वाली हड्डियां बैलों की हैं और दूसरे तरह की हड्डियां इनसानों की. डेढ़ हजार मीलों (2,400 कि. मी.) तक इस बदनसीब कारवां का रास्ता इन्हीं छितरे अवशेषों से मालूम किया जा सकता है, जो रास्ते में घिरते गए हैं.

4 मई, 1847 को, यह दृश्य देखता एक अकेला यात्री खड़ा था. उस का स्वरूप ऐसा था, मानो वह उस इलाके का जिन्न या दानव हो. कोई भी यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि वह चालीस वर्षों का है या साठ का. उस का चेहरा पतला और कुम्हलाया हुआ था और उस की भूरी, झुलसी हुई खाल उस की उभरी हड्डियों पर खिंची हुई थी. उस के लंबे, भूरे बाल और दाढ़ी में सफेदी झलक रही थी; उस की आंखें धंसी हुई थीं और उन में अस्वाभाविक चमक थी. उस के एक हाथ में राइफल थी. उस के हाथों में किसी ढांचे से ज्यादा चरबी नहीं थी. खड़ेखड़े उस ने सहारे के लिए अपने राइफल की टेक लगाई, पर फिर भी उस का लंबा चौड़ा डीलडौल इशारा कर रहा था कि कभी वह बड़ा फुरतीला रहा होगा, पर उस का पतला चेहरा और उस के कपड़े जो उस के शरीर पर झूल रहे थे, उसे इतना बूढ़ा दिखा रहे थे कि लग रहा था कि वह आदमी भूख और प्यास से मरने वाला है.

वह बहुत कष्ट उठा कर पहाड़ी दर्रे के नीचे उतर कर पानी ढूंढ़ने का असफल प्रयास करने लगा, अब पूरा क्षारीय मैदान उस की आंखों के सामने फैला हुआ था. सामने की क्रूर पर्वत श्रृंखला पर कोई पेड़ या पौधा नजर नहीं आ रहा था, जिस से पास में कहीं पानी का आभास हो. दूरदूर तक कहीं भी उम्मीद की किरण नहीं दिखाई दे रही थी. उस ने बदहवास नजरों से उत्तर, पूरब और पश्चिम की ओर नजर दौड़ाई. फिर उसे महसूस हुआ कि उस की यात्रा का अंत हो गया है और वह उस बंजर दर्रे में मरने वाला है. “बीस साल बाद मुलायम बिस्तर पर मरना ही है, तो आज यहीं क्यों नहीं,” एक चट्टान की छाया में बैठते हुए वह बुदबुदाया.

बैठने से पहले उस ने अपनी बेकार राइफल जमीन पर रखी और एक सलेटी रंग के शौल में लिपटी एक बड़ी सी गठरी भी, जो उस के दाएं कंधे पर लटकी थी. उस की ताकत के हिसाब से वह बहुत भारी थी, क्योंकि उस को नीचे रखने पर वह बहुत तेजी से जमीन पर गिरी. तत्काल ही उस सलेटी गठरी में से रोने की आवाज आई और इस में से एक नन्हा सा डरा

हुआ चेहरा निकला जिस की आंखें भूरी और चमकीली थीं और फिर दो छोटीछोटी मुट्ठियां भी निकलीं.

"तुम ने मुझे चोट पहुंचाई है?" एक बच्चे की आवाज ने शिकायत भरी आवाज में कहा.

"क्या मुझ से ऐसा हो गया," आदमी ने क्षमा मांगते हुए कहा. "मैं ने जानबूझ कर नहीं किया था." बोलतेबोलते उस ने सलेटी शौल खोली और उस में से एक बच्ची बाहर आई, जो करीब पांच वर्ष की रही होगी. उस के प्यारे से जूते और सुंदर गुलाबी फ्रॉक दिखा रहे थे कि उस की मां ने उसे कितने प्यार से तैयार किया होगा. बच्ची पीली और कुम्हलाई थी, पर उस के हाथ और पैर स्वस्थ दिखाई दे रहे थे. लग रहा था कि उस ने अपने साथी से कम कष्ट झेले हैं.

"अब कैसी हो?" उस ने चिंता से पूछा, क्योंकि अब भी वह अपने सिर के पीछे सुनहरे बालों को रगड़ रही थी.

"इस को चूम कर ठीक कर दो," उस ने गंभीरता से अपनी चोट दिखाते हुए उस से कहा. "मां ऐसा ही करती थी. मां कहां है?"

"मां चली गई. शायद तुम भी जल्दी ही उस के पास चली जाओगी."

"गई, ओह!" बच्ची बोली. "अजीब है कि उस ने मुझ से गुडबाय भी नहीं कहा. जब वह चाय के लिए आंटियों के यहां जाती थी, तो मुझे हमेशा गुडबाय करती थी और अब तो उसे गए तीन दिन हो चुके हैं. यहां तो बड़ा सूखा है, है न? क्या पानी या कुछ खाने के लिए नहीं है?"

"नहीं, यहां कुछ भी नहीं है, डियर! तुम थोड़ी देर के लिए सब्र करो, फिर तुम ठीक हो जाओगी. अपना सिर इस तरह मुझ पर टिका लो और फिर तुम्हें बेहतर लगेगा. इस समय बोलना आसान नहीं है क्योंकि हमारे होंठ चमड़े जैसे हो रहे हैं, पर ठीक यही होगा कि मैं तुम्हें सारी बात बताऊं. यह तुम्हारे पास क्या है?"

"सुंदर सुंदर चीजें!" उत्साह से उस बच्ची ने कहा और अबरक के दो चमकते टुकड़े उठा कर दिखाए हम जब वापस घर जाएंगे तो मैं अपने भाई बॉब को दिखाऊंगी."

"तुम जल्दी ही इन से भी सुंदर चीजें देखोगी," आदमी ने विश्वास से कहा, "तुम बस थोड़ी देर रुक जाओ. हालांकि मैं तुम्हें बताने वाला था, तुम को याद है जब हम नदी से चले थे?"

"ओह, हां."

"देखो, तब हम ने अंदाज लगाया था कि हमें जल्दी ही दूसरी नदी मिल जाएगी. पर कुछ गड़बड़ हो गई थी. हमारे कंपास या नक्शे में या कहीं और, नदी नहीं मिली. पानी खत्म हो गया, बस एकाध बूंद तुम जैसों के लिए और, और..."

"और तुम नहा नहीं पाए," उस की मित्र ने उस के गंदे शरीर को देखते हुए गंभीरता से टोका.

"नहीं, और न ही पीने को कुछ मिला. और मिस्टर बेंडर, जाने वालों में सब से पहले वही था. फिर इंडियन पीट और फिर मिसेज मैकग्रेगोर. फिर जॉनो होंस और फिर बिटिया, तुम्हारी मां."

"तो मरने वालों में मां भी शामिल है," बच्ची बोल उठी, अपनी फ्रॉक में मुंह छुपा कर बुरी तरह रोने लगी.

"हां, वे सब चले गए, मेरे और तुम्हारे अलावा. फिर मैं ने सोचा कि इस ओर पानी की कुछ उम्मीद हो सकती है, इसलिए मैं ने तुम को अपने कंधे पर उठाया और हम दोनों साथसाथ यहां तक आए. पर ऐसा नहीं लग रहा है कि हालात सुधरेंगे. अब तो हमारे पास छोटी सी भी उम्मीद नहीं है!"

"क्या आप का मतलब है कि हम भी मरने वाले हैं?" बच्ची ने अपनी सिसकियां दबाईं और आंसू भरा चेहरा उठा कर पूछा.

"मेरे खयाल से ऐसा ही है."

"आप ने पहले ऐसा क्यों नहीं कहा?" खुशी से हंसते हुए उस ने पूछा. "आप ने मुझे कितना डरा दिया था. अब जब हम मरेंगे, तो हम फिर से मां के साथ होंगे."

"हां, तुम मां के पास होगी, बेटी."

"और आप भी. मैं उन को बताऊंगी कि आप कितने अच्छे हैं. मुझे पक्का मालूम है कि वह स्वर्ग के दरवाजे पर पानी का घड़ा और गेहूं की ढेर सारी गरम और दोनों और सेंकी हुई चपातियां लिए खड़ी होगी, जो बॉब और मुझे अच्छी लगती हैं."

"मुझे नहीं मालूम, ज्यादा समय नहीं लगेगा." आदमी की आंखें उत्तर की ओर के क्षितिज पर टिकी थीं. आसमान के नीले मंडल में तीन छोटे बिंदु नजर आए थे, जो हर पल बढ़ते जा रहे थे और तेजी से पास आते प्रतीत हो रहे थे. जल्दी ही वे तीन बिंदु तीन बड़ी भूरी चिड़ियों में बदल गए,

जो इन दो यात्रियों के सिरों के ऊपर मंडराने लगीं और फिर ऊपर के कुछ चट्टानों पर बैठ गईं. ये थीं बजर्ड, यानी पश्चिम के गिद्ध, जिन का प्रकट होना मौत का सूचक है.

"मुरगे और मुरगियां," उन के मृत्यु सूचक आकार को देख कर बच्ची खुशी से चिल्ला पड़ी और तालियां बजा कर उन को उठाने की कोशिश करने लगी. "कहो, क्या भगवान ने यह जगह बनाई है?"

"हां, बनाई तो है." उस के साथी ने इस अप्रत्याशित सवाल पर चौंकते हुए कहा.

"भगवान ने इलिनोयस बनाया और उस ने मिसूरी भी बनाई," लड़की आगे बोली, "मुझे लगता है कि यह जगह किसी और ने बनाई है. यह जगह उन जगहों की तरह सुंदर नहीं है. यहां पर वे लोग पानी और पेड़ बनाना भूल गए हैं."

"तुम प्रार्थना क्यों नहीं कर रही?" आदमी ने झिझक से पूछा.

"अभी रात नहीं हुई है," उस ने जवाब दिया.

"इस से कोई फर्क नहीं पड़ता. ऐसा आमतौर पर नहीं होता, पर ईश्वर इस का बुरा नहीं मानेगा. तुम अपनी वही प्रार्थनाएं करो जो तुम हर रात अपने वैगन में करती थी, जब हम मैदान में थे."

"तुम खुद थोड़ी प्रार्थना क्यों नहीं करते?" बच्ची ने अचरज भरी नजरों से पूछा.

"मैं उन को भूल गया हूं," उस ने जवाब दिया, "मैं ने तब से पूजा नहीं की है जब से मैं इस राइफल के आधे नाप का था. पर मुझे लगता है कि किसी भी काम के लिए कभी भी 'बहुत देर हो गई' नहीं समझना चाहिए. तुम अपनी प्रार्थनाएं गाओ और मैं यहां खड़ा हो कर तुम्हारे पीछेपीछे दोहराता रहूंगा."

"फिर तो तुम्हें घुटनों के बल बैठना होगा, और मुझे भी," वह इस काम के लिए अपना शौल बिछाते हुए बोली, "तुम को अपने हाथ इस तरह उठाने हैं. इस से तुम को अच्छा महसूस होगा."

बड़ा विचित्र नजारा था, परंतु वहां गिद्धों के अलावा और कोई भी देखने वाला नहीं था. पतली सी शौल पर दोनों यात्री बैठे थे. छोटी सी बातूनी बच्ची बेपरवाह, कठोर और साहसी. उस का गोलमटोल चेहरा और उस के कठोर, पतले नाकनक्श, बादलरहित आसमान की ओर उठे, दिल

से फरियाद कर रहे थे. उस भगवान से जिस से सभी प्राणी डरते हैं, जबकि दोनों आवाजें–एक पतली और स्पष्ट, दूसरी भारी और कठोर, मिल कर दया और माफी की भीख मांग रही थीं. प्रार्थना खत्म हुई और वे वापस चट्टान की छाया में जा कर बैठ गए.

फिर बच्ची अपने रक्षक के सीने पर सिर रख कर सो गई. थोड़ी देर वह उसे सोता हुआ देखता रहा, पर प्रकृति उस से अधिक बलवान थी. तीन दिन और तीन रातों तक वह न सोया और न आराम किया. धीरेधीरे उस की पलकें उस की थकी हुई आंखों पर मुंद गईं और सिर धीरेधीरे सीने पर झुकता गया और आदमी की सफेद काली दाढ़ी बच्ची की सुनहरी लटों से मिल गईं और दोनों एक समान गहरी और स्वप्नरहित नींद सोते रहे.

यदि यात्री आधे घंटे तक और जगा रहता, तो उस की आंखों को एक अजीब नजारा देखने को मिलता. क्षारीय मैदान के अंतिम छोर पर हलकी सी धूल उड़ी, जो पहले इतनी हलकी थी कि दूर का कोहरा लग रही थी, पर धीरेधीरे यह धूल ऊंची और चौड़ी होती गई और एक ठोस, स्पष्ट बादल बन गई. यह बादल आकार में बढ़ता गया और फिर यह साफ हो गया कि यह गुबार बहुत सारे प्राणियों के एक साथ चलने से उठा है.

अन्य किसी उपजाऊ जगह में देखने वाले को लगता जंगली भैंसों का विशाल झुंड घास के मैदानों में चरने आ रहा है, पर इस बंजर रेगिस्तान में इस की संभावना बिलकुल नहीं थी. जैसेजैसे वह धूल का गुबार उस चट्टान तक आ पहुंचा, जहां वे दोनों सो रहे थे, तो धूल में से कैनवस ढकी गाड़ियां और सशस्त्र घुड़सवार दिखाई पड़ने लगे और फिर पता चला कि यह पश्चिम की ओर जाता हुआ कोई विशाल कारवां है. पर क्या कारवां था! जब उस का एक सिरा पहाड़ की तलहटी पर पहुंच गया, तो भी दूसरा सिरा क्षितिज में दिखाई तक नहीं पड़ रहा था. उस विशाल मैदान में गाड़ियां, घुड़सवार और पैदल लोग धीरेधीरे चले आ रहे थे. बहुत सी औरतें अपनेअपने बोझों को संभालती लड़खड़ाती आ रही थीं और बच्चे उन गाड़ियों के साथसाथ या तो पैदल दौड़ रहे थे या सफेद परदों में से झांक रहे थे. यह इस देश से दूसरे देश तक जाने वाले कोई साधारण लोग नहीं थे.

ये कोई खानाबदोश थे जो परिस्थितियों की मार खा कर किसी नई जगह की खोज में निकलने को मजबूर हुए थे. साफ माहौल में इनसानों के इस विशाल सागर की परेशान बदहवास आवाजें गूंज रही थीं. पहिए चरमरा रहे थे और घोड़े हिनहिना रहे थे. वे आवाजें तेज जरूर थीं, पर इतनी तेज नहीं हो पाईं कि ऊपर सो रहे दोनों यात्रियों को जगा सकें.

पंक्ति के शुरू में बीस या इस से कुछ ज्यादा, गंभीर, कठोर चेहरों वाले, हाथ से काते गए साधारण कपड़े पहने और राइफल हाथ में लिए घुड़सवार थे. चट्टान की तलहटी पर पहुंच कर वे रुके और आपस में सलाहमशविरा करने लगे.

"कुएं दाईं ओर हैं, मेरे भाइयो," भिंचें होंठ अधपके बालों वाले एक आदमी ने कहा, जिस की दाढ़ीमूंछें नहीं थीं.

"सियरा ब्लैंको के दाईं ओर-जिस से हम रियो ग्रैंडे पहुंच सकते हैं." दूसरा बोला, "पानी की चिंता मत करो" एक तीसरा बोला, "वह जो चट्टानों से पानी निकाल सकता है, अपने प्रिय भक्तों को ऐसे ही नहीं छोड़ देगा."

"आमीन, आमीन!" पूरी पार्टी में प्रतिक्रिया हुई.

वे अपनी यात्रा शुरू करने ही वाले थे कि उन में सब से छोटों में एक तीव्र दृष्टि वाला अचानक चिल्ला उठा और उस ने ऊपर की चट्टान की ओर इशारा किया. चट्टान की चोटी पर, गुलाबी सा कुछ बदरंग चट्टानों के बीच चमक रहा था. उस को देखते ही घोड़ों की लगामें कसी गईं और बंदूकें तन गईं और ताजा घुड़सवार आगे बढ़ने लगे. हर होंठ पर 'रेडस्किन' शब्द चढ़ा था.

"यहां पर बहुत ज्यादा अमेरिकन भारतीय नहीं हो सकते," बुजुर्ग आदमी ने कहा जो नेतृत्व कर रहा था. हम पौनियों को पार कर आए हैं और विशाल पर्वतों को पार कर लेने तक कोई और कबीले नहीं पड़ते."

"क्या मैं आगे जा कर देखूं, ब्रदर स्टेंजरसन," जत्थे में से एक ने कहा.

"और मैं," "और मैं," दरजनों आवाजें बोल पड़ीं. "अपने घोड़े नीचे छोड़ जाओ, और हम यहीं पर तुम्हारा इंतजार करेंगे," बुजुर्ग ने जवाब दिया, पलभर में वे युवक अपने घोड़ों से नीचे उतरे, घोड़ों को बांधा और खतरनाक ढलान पर ऊपर चढ़ने लगे. उस चीज की ओर जिस की ओर उन का कौतूहल जागा था. वे शीघ्रता और चुपके से आगे बढ़ रहे थे और उन के आत्मविश्वास और निपुणता को देख कर लग रहा था मानो तजुर्बेकार स्काउट हों. नीचे खड़े दर्शक देख सकते थे कि कैसे वे एक चट्टान से दूसरी चट्टान की ओर छलांग लगा रहे थे. फिर उन की आकृतियां ऊपर नजर आने लगीं. वह युवक जिस ने सब का ध्यान आकर्षित किया था, उन का नेतृत्व कर रहा था. अचानक उस के पीछे चलने वालों ने देखा कि उस ने अचरज से हाथ उठा दिए और उस के पास पहुंचने पर वे भी उस दृश्य से उसी तरह प्रभावित हुए.

बंजर पहाड़ के एक छोटे से पठार पर एक बहुत बड़ी चट्टान थी और इस चट्टान के सहारे एक लंबा, लंबी दाढ़ी और कठोर नाकनक्श वाला, पर बेहद कमजोर आदमी लेटा है. उस का शांत चेहरा और नियमित सांसें बता रही थीं कि वह गहरी नींद में सो रहा है. उस के करीब ही एक नन्ही बच्ची थी, जिस के गोल, सफेद हाथ आदमी के भूरे गले में लिपटे थे और सुनहरे बालों वाला उस का सिर उस के शनील के कुरते की छाती पर टिका था. उस के गुलाबी होंठ खुले थे जिस के अंदर से उस के दूधिया सफेद दांत चमक रहे थे और उस के मासूम चेहरे पर एक चंचल मुसकान थी. उस के गबदू से सफेद पैर, जिन में वह सफेद मोजे और चमकीले बकल वाले साफ जूते पहने थी. उस के साथी के मुरझाए अंगों से मेल नहीं खा रहे थे. इस चट्टान के ऊपर तीन गंभीर गिद्ध थे, जो नवागंतुकों को देख कर निराशा से चीत्कार करते, बेमन से वहां से उड़ गए.

उन घिनौने पक्षियों के शोरगुल से दोनों सोने वाले जाग गए और बदहवास से इधरउधर ताकने लगे. आदमी लड़खड़ाता हुआ अपने पैरों पर खड़ा हुआ और नीचे मैदान की देखने लगा जो उस वक्त बिलकुल खाली था जब वह सोया था और अब वह आदमी, औरतों और जानवरों से भरा था. उस के चेहरे पर अविश्वास का भाव झलकने लगा और उस ने अपना हड्डी जैसा हाथ आंखों पर फेरा, “इसी को शायद अवसाद कहते हैं,” वह बुदबुदाया. बच्ची उस के कोट का निचला हिस्सा पकड़े उस के पास खड़ी थी. वह कुछ नहीं बोली, पर बचपन की प्रश्नवाचक, कौतूहल भरी दृष्टि से चारों तरफ देखती रही.

बचाव पक्ष जल्दी ही दोनों भटके हुए यात्रियों को आश्वस्त करने में सफल हो गया कि वे लोग वास्तव में वहां हैं, कोई भ्रम नहीं है. उन में से एक ने बच्ची को उठा कर अपने कंधों पर बैठा लिया जबकि दो अन्यों ने उस के कमजोर साथी को सहारा दिया और दोनों को गाड़ियों की ओर ले कर चले.

“मेरा नाम जॉन फेरियर है,” यात्री ने बताया. मैं और यह नन्ही बच्ची ही इक्कीस लोगों के जत्थे में जिंदा बचे हैं. बाकी सब भूख और प्यास से मर चुके हैं.”

“क्या यह तुम्हारी बच्ची है?” किसी ने पूछा. “मुझे लगता है कि शायद यह अब मेरी हो गई है,” दूसरे ने कहा. “यह मेरी है क्योंकि मैं ने इसे बचाया है. कोई भी इसे मुझ से अलग नहीं कर सकता. आज के बाद यह लूसी फेरियर है. पर आप लोग कौन हैं?” कौतूहल से उन बचाने वालों की

ओर नजर डालता हुआ वह बोला, “ऐसा लगता है कि तुम लोग संख्या में काफी हो.”

“लगभग दस हजार,” एक युवक बोला, “हम प्रभु की संतान हैं, फरिश्ते मेरोना के प्रिय.”

“मैं ने कभी इन का नाम नहीं सुना,” यात्री बोला, “ऐसा लगता है कि उस प्रभु ने काफी बड़ी भीड़ को चुना है.”

“जो पवित्र है, उस का मजाक मत उड़ाओ,” दूसरे ने सख्ती से कहा, “हम उन में से हैं, जो उन पवित्र ग्रंथों में विश्वास रखते हैं, जो मिस्र की लिपि में सोने की पतलीपतली प्लेटों पर लिखी गई हैं. जो जोजफ स्मिथ को पामीरा में सौंपी गई थीं. हम नौवू से आए हैं, जो इलिनोयस प्रदेश में है, जहां हम ने अपने मंदिर की स्थापना की है. हम हिंसक आदमी और नास्तिकों से भाग कर यहां शरण लेने आए हैं, जबकि यह रेगिस्तान के बीचोंबीच है.”

जॉन फेरियर के मन में नौवू का नाम सुनते ही कई यादें ताजा हो गईं, “अच्छा,” वह बोला, “तुम मॉरमॉन लोग हो.”

“हम मॉरमॉन ही हैं,” बाकी लोग एक स्वर में बोले.

“और तुम कहां जा रहे हो?”

“हम को नहीं मालूम, हमारे पैगंबर के रूप में प्रभु का हाथ हमें कहीं ले जा रहा है. तुम को उस के सामने आना पड़ेगा. वही बताएगा कि तुम्हारे साथ क्या करना होगा.”

इस समय तक वे पहाड़ की तलहटी पर पहुंच चुके थे और यात्रियों से घिर गए-पीले चेहरों वाली सहमी सी औरतें, तंदुरुस्त, खिलखिलाते बच्चे और चिंतित, चौकन्नी नजरों वाले पुरुष. उन के बीच से अचरज और करुणा के अनेक स्वर उभरे, जब उन्होंने एक अजनबी की नाजुक उमर देखी और दूसरे की लाचारी, पर उन को यहां तक लाने वाले रुके नहीं, भीड़ को ठेलते आगे बढ़ते गए. उन के पीछेपीछे मॉरमॉनों की भीड़ चली.

वे एक गाड़ी तक पहुंचे, जो अपने विशाल आकार, चटकीले रंग और खूबसूरती की वजह से स्पष्ट नजर आ रही थी. उस पर छह घोड़े जुते थे, जबकि दूसरी गाड़ियों में दो या ज्यादा से ज्यादा चार घोड़े जुते थे. गाड़ीवान के पास एक आदमी बैठा था, जो उमर में तीस साल से ज्यादा का नहीं रहा होगा, पर उस का बड़ा सा सिर और दृढ़ भाव दिखा रहे थे कि वही इन सब का सरदार है. वह कत्थई रंग की कोई किताब पढ़ रहा था.

जब भीड़ उस के पास पहुंची, उस ने वह किताब एक तरफ रख दी और ध्यान से सारी घटना सुनने लगा फिर वह उन भटके हुए यात्रियों की ओर मुड़ा.

"अगर हम तुम को अपने साथ ले जाते हैं," गंभीर शब्दों में उस ने कहा, "तो सिर्फ हमारे धर्म को मानने वालों के रूप में ही. हम अपने बीच भेड़िए नहीं रख सकते. बेहतर होगा कि तुम्हारी हड्डियां इस बियाबान में सूखें, बजाए इस के कि तुम वह सड़ांध बनो जो समय के साथ सारे फल को सड़ा देता है. क्या तुम इन शर्तों पर हमारे साथ आना चाहोगे?"

"मैं सोचता हूं कि मैं किसी भी शर्त पर आप के साथ चलने को तैयार हूं," फेरियर ने इतना जोर दे कर कहा कि गंभीर मुद्रा वाले बुजुर्ग बिना मुसकाए नहीं रह सका. सिर्फ सरदार अपनी गंभीरता का भाव मुंह पर ओढ़े रहा.

"इस को कबूल कर लो, ब्रदर स्टेंजरसन!" उस ने कहा. "इस को खाना और पानी दो और बच्ची को भी. तुम्हारा काम यह भी है कि तुम अपनी जाति के पवित्र तौरतरीके इस को सिखाओ. हम पहले ही काफी देर कर चुके हैं. आगे बढ़ो! जियोन की ओर, जियोन की ओर!"

"जियोन की ओर, जियोन की ओर!" मॉरमॉनों की भीड़ चिल्लाई और पूरे कारवां में ये शब्द लहर की तरह उठे, एक मुंह से दूसरे मुंह तक और आखिर में बहुत दूरी पर एक फुसफुसाहट बन कर रह गए. चाबुक तन गए और पहिए चरमराने लगे. बड़ीबड़ी गाड़ियां चल पड़ीं और पूरा कारवां एक बार फिर से हरकत में आ गया. जिस बुजुर्ग के सुपुर्द दोनों कमजोर प्राणी किए गए थे, वह अपने कारवां में उन को ले गया, जहां उन के लिए भोजन पहले से ही तैयार रखा था.

"तुम यहां पर रहोगे," वह बोला, "कुछ ही दिनों में तुम्हारी थकान उतर जाएगी. फिलहाल याद रखना कि अब और हमेशा के लिए तुम हमारे धर्म के हो. ब्रिगहम यंग ने कह दिया है और उस ने जोजफ स्मिथ की आवाज में कहा है, जो प्रभु की आवाज है."

यूटाह का फूल

यह जगह उन मॉरमॉनों के द्वारा उठाई गई परेशानियों और परीक्षाओं को याद करने की नहीं है. मिसीसिपी के किनारों से रॉकी पर्वतों के पश्चिमी घाटों तक, वे ऐसे संघर्ष करते रहे, जिस का इतिहास में सानी नहीं है. जंगली आदमी, जंगली जानवर, भूख, प्यास, थकान, रोग, हर बाध जो प्रकृति उन के सामने डाल सकती थी- सभी कुछ आंग्ल सैक्सन सिद्धांतों से काबू में किया गया. फिर भी, लंबी यात्रा और बारबार आने वाले खतरों की वजह से उन में से मजबूत से मजबूत भी दहल गया था. उन में से एक भी ऐसा नहीं था जिस ने घुटनों के बल बैठ कर प्रभु को दिल से शुक्रिया अदा न किया हो. जब उन लोगों ने सूरज की रोशनी में नहाई यूटाह की घाटी को देखा और अपने सरदार से सुना कि यही वह जगह है, जिस का प्रभु ने उन को वादा किया था और ये परती मैदान अब से हमेशा के लिए उन के हैं.

यंग ने जल्दी ही साबित कर दिया कि वह कुशल प्रशासक और दृढ़ सरदार है. नक्शे खींचे गए और चित्र बनाए गए, जिस में भविष्य के शहर की रूपरेखा तैयार की गई. चारों ओर खेतों को बांटा गया और प्रत्येक व्यक्ति को हैसियत के हिसाब से जमीन दी गई. हरेक को अपनी क्षमता का काम दिया गया. शहर में सड़कें और चौक ऐसे प्रकट हुए, मानो जादू हुआ हो. शहर में नालियां बनीं, झाड़ियां उगीं, पौधे लगाए गए, सफाई हुई और अगली गरमी ने पूरे शहर को गेहूं की फसल से सुनहरा पाया. इस विचित्र इलाके में सब ओर विकास हुआ. सब से ज्यादा, जो मंदिर उन्होंने शहर के बीच में स्थापित किया था और भी लंबा और बड़ा हो गया. ऊषा की पहली लाली से ले कर ढलने तक, इस इमारत में हथौड़े की गूंज और आरी की आवाज कभी नहीं रुकती, जो यहां के निवासियों ने उस प्रभु के लिए बनाई थी, जो उन्हें सुरक्षित यहां तक लाया था.

दोनों बचे हुए प्राणी, जॉन फेरियर और छोटी बच्ची, जिस को उस ने गोद लिया था और जो अब उस की संपत्ति की वारिस थी, मॉरमॉनों के साथ उन की यात्रा के अंत तक रहे. नन्ही लूसी फेरियर बड़े आराम से बुजुर्ग स्टेंजरसन की गाड़ी में जा रही थी, जिस में मॉरमॉन की तीन बीवियां और एक बारह साल का जिद्दी बेटा भी था. जल्दी ही वह पूरी तरह स्वस्थ हो गई और मां की मृत्यु के गम से बाहर निकल आई. जल्दी वह उन स्त्रियों की लाडली बन गई और उसे अपने चलतेफिरते, कैनवस से ढके नए घर की आदत पड़ गई. इस दौरान अपनी तकलीफों को भूल कर फेरियर ने भी

अपने को एक जरूरी मार्गदर्शक और चुस्त शिकारी सिद्ध कर दिया. इतनी जल्दी वह अपने नए मित्रों की नजरों में चढ़ गया, कि जब वे अपनी यात्रा के अंत पर पहुंचे, सर्वसम्मति से निश्चय किया गया कि उस को भी उतना ही बड़ा उपजाऊ खेत दिया जाए, जितना (किसी भी दूसरे को दिया गया था) खुद यंग, स्टेंजरसन, केंबल, जॉनस्टन और ड्रेबर, जो चार मुख्य बुजुर्ग थे, के सिवा किसी भी दूसरे को दिया गया था.

इस तरह मिले हुए खेत पर जॉन फेरियर ने अपने लिए एक बड़ा सा लकड़ी का घर बनाया, जिस में साल दर साल इतने सारे नए निर्माण किए कि वह एक बहुत बड़ी हवेली लगने लगा. वह समझदार, अपने लेनदेन में चौकन्ना और हाथों से निपुण था. उस का मजबूत शरीर उस को रातदिन काम करने देता, जिस से वह अपनी जमीन को सुधारता और जोतता रहता. इसलिए ऐसा हुआ कि उस के खेत और उस की हर संपत्ति में बहुत तरक्की हुई: तीन सालों में वह अपने पड़ोसियों से बेहतर स्थिति में था. छह सालों में वह समृद्ध, नौ में अमीर. बारह सालों में पूरी साल्ट लेक सिटी में आधा दरजन लोग भी ऐसे नहीं थे, जो उस से मुकाबला कर सकते. विशाल समुद्र से ले कर दूरदराज वाहसाच पर्वतों तक, जॉन फेरियर से ज्यादा प्रसिद्ध नाम दूसरा नहीं था.

एक ही मुद्दा, सिर्फ एक मुद्दा ऐसा था, जिस से उस ने अपने सहधर्मियों की भावनाओं को दुखाया था. किसी भी बहस या अनुरोध के बावजूद वह अपने अन्य साथियों की तरह अपने घर में किसी औरत को रखने के लिए तैयार नहीं था. उस ने अपनी इस अड़ियल मनाही का कोई कारण नहीं दिया. पर अपने इस फैसले पर अडिग रहा. कुछ ने उस पर आरोप लगाया कि वह अपने धर्म के प्रति ठंडा है और दूसरों ने समझा कि वह धन का लालची है और अपने धन को किसी और पर खर्च नहीं करना चाहता. दूसरों ने इस को किसी भूली मोहब्बत की वजह बताया कि कैसे एक सुंदर लड़की इस की याद में अटलांटिक में तिलतिल घुल रही है. वजह जो भी हो, फेरियार कुंआरा ही रहा. दूसरे हर मामले में उस ने इस नए शहर का धर्म कबूल किया और एक रूढ़िवादी और ईमानदार आदमी होने का नाम कमाया.

लूसी फेरियर इस लकड़ी के मकान में बड़ी हुई और अपने पिता के हर काम में हाथ बंटाती, पहाड़ों की शुद्ध हवा और ताड़ के पेड़ों की खुशबू इस छोटी बच्ची की मां और दाई बन गए. जैसेजैसे साल बीतते गए, वह लंबी और ताकतवर बनती गई. उस के गालों पर लाली और चाल में लचीलापन आता गया. फेरियर के खेत के पास से गुजरने वाली सड़क से गुजरने वाले

यात्री इस कमसिन लड़की को गेहूं के खेतों में उछलते या अपने पिता के घोड़े पर बैठते देखते तो उन की भूलीबिसरी यादें लौट आतीं. इस तरह कली खिल कर फूल बन गई और जिस साल उस के पिता सब से अमीर किसान बने, उस साल वह अमरीकी नवयौवनाओं की खूबसूरती की ऐसी मिसाल बनी, जैसे पूरे प्रशांत की ढलान पर दिखने को नहीं मिल सकती थी.

पर वह उस का पिता नहीं था जिस ने सब से पहले यह जाना कि बच्ची अब युवती बन चुकी है. ऐसे मामलों में ऐसा बहुत कम होता है. वह रहस्यमयी बदलाव इतना सूक्ष्म और इतना धीमा होता है कि उसे तारीखों से नहीं नापा जा सकता. युवती खुद भी यह नहीं समझ पाती है, जब तक किसी आवाज की लय या किसी हाथ का स्पर्श उस के दिल को पुलकित नहीं कर देता और गर्व और भय के साथ वह समझ जाती है कि उस के अंदर एक नई और बड़ी प्रकृति जाग चुकी है. बहुत कम युवतियां ऐसी होती हैं, जिन को वह दिन याद नहीं होता या वह छोटी सी घटना याद नहीं होती जिस से उस के जीवन में नई शुरुआत हुई थी. लूसी फेरियर के मामले में यह अवसर अपनेआप में गंभीर था और उस की किस्मत तथा कई और लोगों की किस्मत पर असर डालने वाला था.

वह जून की एक गरम सुबह थी और लैटर डे संत उन्हीं मधुमक्खियों की तरह व्यस्त थे, जिन के छत्तों को उन्होंने अपना चिन्ह बनाया था. खेतों में और सड़कों पर इसी व्यस्तता की गूंज थी. धूल भरी ऊंची सड़कों पर भारी सामान ढोते खच्चरों की कतारें धूल उड़ाती पश्चिम की ओर जा रही थीं, क्योंकि कैलीफोर्निया में सोने का बुखार चढ़ चुका था और वहां पहुंचने का रास्ता इस शहर से गुजरता था. वहां भेड़ों और बैलों के झुंड भी आ रहे थे और थके हुए यात्री, आदमी और घोड़े भी अपनी यात्रा से थक कर आ रहे थे.

इस विविध भीड़ में, एक मंझे हुए घुड़सवार की तरह लूसी फेरियर घोड़े को दौड़ाती आ रही थी. उस का गोरा चेहरा इस कसरत से लाल हो गया था और उस के लंबे सुनहरे बाल उस के पीछे उड़ रहे थे. उस के पिता ने उस को शहर किसी काम से भेजा था और वह तेजी से जा रही थी जैसा पहले कई बार जा चुकी थी, यौवन की निडरता से, सिर्फ यह सोचती हुई कि उस को क्या काम करना है और कैसे करना है. यात्रा से गंदे यात्री उस को हैरानी से देख रहे थे और भावशून्य भारतीय भी अपने सामान के साथ जाते हुए इस गोरी युवती का सौंदर्य निहारने लगे थे.

वह शहर के बाहर पहुंची कि उस ने पाया कि मैदानों से आए आधा दर्जन चरवाहों द्वारा हांकी गईं बहुत सी भेड़ों का झुंड सड़क रोके खड़ा है. बेसब्री से उस ने इस अड़चन को पार करने के लिए एक खाली सी दिखने वाली जगह में अपने घोड़े को ले जाने की कोशिश की. वह वहां तक मुश्किल से पहुंची भर ही थी कि जानवरों ने उसे घेर लिया और उस ने पाया कि वह गुस्सैल आंखों और पैने सींगों वाले बैलों की चलती सी लहर के बीच पूरी तरह फंस चुकी है. उस को ढोरों से निपटने की आदत थी, इसलिए इस स्थिति में वह घबराई नहीं, पर हर मौके का फायदा उठाती हुई अपना घोड़ा आगे बढ़ाती गई, इस उम्मीद में कि वह आगे निकलने का रास्ता निकाल लेगी. बदकिस्मती से एक जानवर के सींग, जानबूझ कर या गलती से, उस के घोड़े की कमर से जोर से टकराए और वह उत्तेजना से पागल हो गया. एक क्षण में वह अपने पिछले पैरों पर जोर से हिनहिनाता हुआ खड़ा हो गया और इस तरह कूदने लगा कि उस पर कोई कुशल घुड़सवार ही टिका रह सकता था.

हालत जोखिम भरी हुई थी. उत्तेजित घोड़े की हर छलांग उसे फिर से सींगों के पास ले जाती और फिर से वह पागल हो जाता. लड़की बड़ी हिम्मत से घोड़े की काठी पकड़े रही, पर अगर एक बार फिसल जाती तो इस का मतलब होता उन डरे हुए बदहवास जानवरों के खुरों के नीचे कुचल कर भयानक मौत. इस प्रकार की अचानक आपदा की वह आदी नहीं थी. उस का सिर चकराने लगा और घोड़े की लगाम से उस की पकड़ ढीली पड़ने लगी, धूल के गुबार से उस का दम घुटने लगा. वह हताश हो कर बचने का प्रयास छोड़ने ही वाली थी कि अपने पास से आती एक आवाज से उस को सहायता का आश्वासन मिला. उसी समय एक भूरे हाथ ने डरे हुए घोड़े की रस्सी को पकड़ लिया और जानवरों के झुंड को चीरता हुआ उसे बाहर निकाल लाया.

“आशा करता हूं कि तुम्हें चोट नहीं लगी होगी,” उस के रक्षक ने अदब से कहा.

उस ने उस के भूरे, कठोर चेहरे को देखा और ढिठाई से हंसी, “मैं बहुत डरी हुई हूं,” अल्हड़ता से उस ने कहा; “कौन सोच सकता था कि पौंचो गायों के झुंड से इतना डर जाएगा.”

“गनीमत है कि तुम घोड़े पर जमी रही,” दूसरे ने आतुरता से कहा. वह एक लंबा, खूंखार सा दिखने वाला युवक था, जो एक मजबूत घोड़े पर सवार था और शिकारी की सी पोशाक पहने था. उस के कंधे पर एक लंबी सी राइफल टंगी थी. मेरे खयाल से तुम जॉन फेरियर की बेटी हो,” उस ने

कहा, “मैं ने तुम को उस के घर से आते हुए देखा था. जब तुम उस से मिलो, तो उसे पूछना कि क्या उसे सेंट लुई के जेफरसन होप की याद है. अगर यह वही फेरियर है, तो मेरे पिता और वह अच्छे मित्र थे.”

“क्या यह बेहतर नहीं होगा कि तुम खुद ही आ कर उन से यह बात पूछ लो?” जलाते हुए उस ने पूछा.

युवक इस प्रस्ताव से खुश नजर आया और उस की काली आंखें खुशी से चमकने लगीं. “मैं ऐसा ही करूंगा,” वह बोला, “हम दो महीनों से पहाड़ों पर हैं और अभी किसी के घर जाने की हालत में नहीं हैं. उन्हें हम को इसी हालत में स्वीकार करना होगा.”

“वह तुम्हारे बहुत आभारी होंगे, और मैं भी,” उस ने जवाब दिया, वह मुझ से बेहद प्यार करते हैं, अगर गाएं मेरे ऊपर कूद गई होतीं, तो वह यह गम कभी नहीं भूल पाते.”

“न मैं भूल पाता,” युवक बोला.

“तुम! मैं यह नहीं समझ पा रही कि तुम को क्यों फर्क पड़ता. तुम तो हमारे दोस्त तक नहीं हो.”

युवा शिकारी का चेहरा यह सुन कर इतना उदास हो गया कि लूसी फेरियर जोर से हंस पड़ी.

“अब देखो, मेरा मतलब यह नहीं था,” वह बोला, हां, अब तुम मेरे मित्र हो. तुम को हमारे घर जरूर आना पड़ेगा. अब मुझे जाना चाहिए, नहीं तो पापा आइंदा मुझे अपने काम नहीं सौंप सकेंगे, गुडबाय!”

युवक जेफरसन होप अपने साथियों के साथ आगे बढ़ता गया, गंभीर और चुपचाप. वह और उस के साथी नेवादा पर्वतों में चांदी की तलाश में निकले थे, और अब सॉल्ट लेक सिटी लौट कर कुछ धन कमाना चाह रहे थे, जिस से कुछ जल मार्गों पर काम कर सकें जो उन्होंने ढूंढ़ निकाले थे. इस काम के प्रति वह औरों की तरह ही सजग था, पर इस अचानक हुई घटना ने उस का ध्यान बंट गया था. सियरा की हवाओं की तरह ताजी और स्पष्ट इस खूबसूरत लड़की की झलक से उस के दिल का ज्वालामुखी सुलगने लगा था.

जब वह उस की नजर से ओझल हो गई तो वह समझ गया कि उस की जिंदगी में एक उलझन पैदा हो गई है और धन कमाना या कोई और प्रश्न अब उस के लिए इस उलझन के सामने कोई मायने नहीं रखता. उस के दिल में जो मोहब्बत पनपी थी, किसी बालक की सी क्षणिक नहीं थी

बल्कि एक दृढ़ और गुस्सैल आदमी की तीव्र चाहत थी. अब तक उस को आदत थी कि जो भी करता, उस में सफलता हासिल करता. उस ने अपने मन में कसम खाई कि वह इस में भी असफल नहीं होगा और हर संभव प्रयास करेगा.

उस रात वह जॉन फेरियर से मिलने गया और उस के बाद भी कई बार गया, और फिर उस (फार्म हाउस) घर में व एक परिचित चेहरा बन गया. पिछले बारह सालों में घाटी तक सीमित रहने और काम में मशगूल होने की वजह से जॉन को बाहरी दुनिया के बारे में जानने के बहुत कम अवसर मिले. जेफरसन होप ने उस को ये सारी जानकारी दीं, इस अंदाज में जो लूसी फेरियर को भी पसंद आया और उस के पिता को भी. वह कैलीफोर्निया में रहा था और उसे दौलत कमाने और दौलत खोने के कई अजीबोगरीब अनुभव हुए थे.

वह एक स्काउट भी रहा था और चांदी खोजने वाला भी, शिकारी और पशुपालक भी. किसी भी साहसिक कारनामे की भनक मिलते ही जेफरसन होप वहां जा पहुंचता. जल्दी ही वह बूढ़े किसान का चहेता बन गया, जो उस के गुणगान करता रहता. इन अवसरों पर, लूसी चुप रहती, पर उस के गालों की लाली और प्रसन्न, चमकती आंखें साफ बता देतीं कि उस का दिल अब उस का नहीं रहा. उस के ईमानदार पिता को भले ही ये चिन्ह दिखाई नहीं देते, पर उस व्यक्ति से छिपे नहीं रहे, जिस ने उस का दिल जीता था.

एक गरम शाम वह सड़क पर घुड़दौड़ करता आया और गेट में प्रवेश किया. वह दरवाजे पर ही थी और उस से मिलने बाहर चली आई. उस ने घोड़े की काठी चहारदीवारी पर डाली और पगडंडी पर उस की ओर चला.

“मैं जा रहा हूं, लूसी,” उस के दोनों हाथ अपने हाथों में ले कर और उस की ओर कोमलता से देखते हुए वह बोला. “मैं तुम से अभी अपने साथ चलने को नहीं कहूंगा, पर जब मैं फिर से यहां आऊंगा तब क्या तुम मेरे साथ चलने के लिए तैयार हो?”

“और यह कब होगा?” उस ने शर्म से लाल पड़ कर हंसते हुए कहा.

“ज्यादा से ज्यादा दो महीने. मैं तब आ कर तुम्हारा हाथ मांगूंगा, प्रिये, हमारे बीच कोई नहीं आ सकता.”

“और पिताजी?” उस ने पूछा.

“उन्होंने अपनी हामी दे दी है, अगर हम इन खानों में काम शुरू कर दें. उस ओर से मुझे कोई डर नहीं है.”

“तो ठीक है. अगर पिताजी और तुम ने फैसला कर लिया है, तो अब कहने के लिए कुछ नहीं है,” उस के चौड़े सीने पर अपने गाल टिकाते हुए धीरे से उस ने कहा.

“बहुत अच्छा.” उस ने भरे गले से उस को झुक कर चूमते हुए कहा. “फिर यह बात तय हो गई है. मैं जितनी देर यहां रहूंगा, यहां से जाना उतना ही कठिन हो जाएगा. वे लोग दर्रे पर मेरा इंतजार कर रहे हैं. गुडबाय डार्लिंग, गुडबाय. दो महीनों में तुम मुझ देखोगी.”

बोलतेबोलते उस ने अपने को उस से अलग किया और अपने घोड़े पर सवार हो कर जल्दी से चला गया. उस ने मुड़ कर एक बार भी नहीं देखा, मानो डर रहा हो कि कहीं पलट कर देखा तो जाने का फैसला डगमगा जाएगा. वह गेट पर खड़ी उस को तब तक देखती रही, जब तक वह नजरों से ओझल नहीं हो गया. फिर वह घर के अंदर चली गई, पूरे यूटाह की सब से खुश लड़की.

जॉन फेरियर पैगंबर से बात करता है

सॉल्ट लेक सिटी से जेफरसन होप और उस के साथियों को गए तीन हफ्ते बीत चुके थे. जॉन फेरियर का दिल यह सोचसोच कर भारी था कि उस की गोद ली हुई बेटी उस से जुदा हो जाएगी. पर उस का चमकता हुआ प्रसन्न चेहरा उसे इस फैसले को सही मानने के लिए मजबूर कर रहा था. उस ने हमेशा अपने दिल की गहराइयों से चाहा था कि किसी भी कीमत पर वह अपनी बेटी की शादी किसी मॉरमॉन से नहीं करेगा. वह ऐसी शादी को शादी नहीं बल्कि अपनी तौहीन समझता था. मॉरमॉन फलसफे के बारे में उस के जो भी खयालात थे, पर इस एक मामले में वह अडिग था. पर इस विषय पर उस को अपने होंठ सीने पड़े थे, क्योंकि उन दिनों संतों के उस देश में परंपरा के विरुद्ध कोई भी राय जाहिर करना खतरनाक था.

हां, खतरनाक. इतना खतरनाक कि उन का बड़े से बड़ा संत भी अपनी धार्मिक सोच दबी सांस में जाहिर करता, कि कहीं उस के होंठों से ऐसा कुछ न निकले जिस का उलटा मतलब निकाल लिया जाए और उस को कड़ी सजा भुगतनी पड़े. अभी तक जो लोग अन्याय के शिकार थे, वे ही अब खूंखार अन्यायी बन चुके थे. न सेविल का इनक्विजिशन, न जरमनी का वेह्मगिरिश्ट, न इटली की गुप्त संस्थाएं इतनी भीषण थीं, जितनी यूटाह देश को काले बादलों की तरह घेरे थी.

इस संस्था की अदृश्यता और रहस्यमयता ने इस को और भी भयावह बना रखा था. यह सर्वज्ञाता और सर्वशक्तिमान थी, पर न देखी जाती थी और न सुनी जाती थी. जिस आदमी ने चर्च से विद्रोह किया, वह गायब हो गया और किसी को नहीं मालूम पड़ा कि वह कहां गया या उस का क्या हुआ. घर पर उस की बीवी और बच्चे उस का इंतजार करते रहे, पर कोई भी पिता उन को यह बताने वापस नहीं आया कि गुप्त न्यायाधीशों ने उस के साथ कैसा सुलूक किया. कोई भी बगैर सोचे समझे कहा गया शब्द या किया हुआ काम उस व्यक्ति का सफाया कर देता. फिर भी किसी को इस खतरनाक ताकत के बारे में कुछ नहीं मालूम था, जो उन के ऊपर मंडराती रहती थी. इसलिए, इस में कोई आश्चर्य नहीं कि पुरुष डरते कांपते अपना काम करते और बियाबान में भी वे उस संशय का जिक्र नहीं करते, जो उन्हें सता रहा था.

पहले पहल तो यह अजीब और भयंकर ताकत सिर्फ उन पर वार करती थी, जो मॉरमॉन धर्म अपनाने के बाद उस का या तो उल्लंघन करते या छोड़ देते थे. पर जल्दी ही इस खौफ का दायरा बढ़ता गया. औरतों की

संख्या घट रही थी और बगैर औरतों के बहुविवाह प्रथा का पालन करना असंभव था. अजीबअजीब अफवाहें फैल रहीं थीं. कत्ल हुए लोगों के बारे में और ऐसीऐसी जगहों पर सशस्त्र कैंपों के बारे में, जहां कभी कोई भारतीय पहले नहीं देखा गया था. बुजुर्गों के हरम में रोज नई औरतों का प्रवेश होता. औरतें रोती, तड़पती रहतीं और उन के चेहरों पर खौफ का साया मंडराता रहता. पहाड़ों पर देर तक रहने वाले यात्री नकाबपोश, चालाक और निश्शब्द घूमते सशस्त्र गिरोहों की बात करते, जो अंधेरे में उन के इर्दगिर्द मंडरा रहे थे. इन कहानियों और अफवाहों को तूल मिला और ये इतनी बार सुनी सुनाई गईं कि सच्ची लगने लगीं. आज तक पश्चिम के उन वीरान चरागाहों में डेनाइट गिरोह या एवेंजिंग एंजिल्स का नाम खौफ और बदनसीबी से जुड़ा है.

इन खौफनाक परिणामों के बारे में ज्यादा जानकारी पाने से लोगों के मन का डर घटने की बजाए और भी बढ़ जाता. किसी को नहीं मालूम था कि कौन किस संस्था से जुड़ा है. धर्म के नाम पर खून और हिंसा की वारदातों में शामिल होने वालों के नाम पूरी तरह गुप्त रखे जाते थे. इस बात का पूरा अंदेशा था कि जिस दोस्त के सामने आप ने सरदार और उस के मिशन के बारे में अपने दिल की बात कही, वही रात आग और तलवार ले कर आप को खौफनाक सबक सिखाने वालों में एक हो. इसलिए हर आदमी अपने पड़ोसी से डरा रहता और कोई भी अपने दिल की बात औरों से नहीं बताता.

एक सुबह जॉन फेरियर अपने गेहूं के खेतों की ओर जाने वाला था कि उस ने गेट खुलने की आवाज सुनी. खिड़की से बाहर देखने पर उस ने एक हट्टाकट्टा, अधपके बालों वाला, अधेड़ अवस्था का आदमी पगडंडी से अंदर आते देखा. उस का कलेजा मुंह को आ गया जब उस ने देखा कि आने वाला और कोई नहीं, महान बिग्रहम यंग खुद था. आशंका से भर कर, क्योंकि वह जानता था कि इस मेहमान का आना उस के लिए अच्छा साबित नहीं होगा. फेरियर मॉरमॉन सरदार का स्वागत करने के लिए दरवाजे की ओर भागा. पर आगंतुक ने उस के अभिवादन का बड़े ठंडेपन से जवाब दिया और चेहरे पर सख्त भाव लिए उस के पीछेपीछे बैठक तक गया.

“ब्रदर फेरियर,” बैठते हुए उस ने कहा और अपनी हलके रंग की पलकों के नीचे से किसान को गौर से देखने लगा. हमारे धर्म के सच्चे उपासक तुम्हारे अच्छे मित्र रहे हैं. हम ने तुम को तब पनाह दी, जब तुम रेगिस्तान में भूखेप्यासे पड़े थे. हम ने तुम्हारे साथ अपना खाना बांटा, तुम

को सुरक्षित इस घाटी तक लाए, तुम को अपनी जमीन का काफी हिस्सा दिया. अपनी रक्षा में तुम को अमीर बनने दिया. क्या ऐसा नहीं हुआ?"

"ऐसा ही हुआ." जॉन फेरियर ने जवाब दिया.

"इस सब के बदले हम ने सिर्फ एक शर्त रखी थी, जो यह थी कि तुम सच्चे धर्म को अपनाओगे और हर तरह से उस के नियमों का पालन करोगे. तुम ने ऐसा करने का वादा किया था और इस वादे को तुम ने तोड़ा है, जैसे आमतौर पर माना जा रहा है."

"मैं ने किस तरह इस वादे को तोड़ा है?" फेरियर ने हैरत से हाथ ऊपर उठाते हुए कहा. "क्या मैं ने अपना पैसा लोगों की भलाई में नहीं लगाया है? क्या मैं प्रार्थनाओं में शरीक नहीं हुआ? क्या मैं ने...?"

"तुम्हारी बीवियां कहां हैं?" यंग ने चारों ओर देखते हुए कहा. "उन को यहां बुलाओ, जिस से मैं उन का अभिवादन कर सकूं."

"यह सच है कि मैं ने शादी नहीं की है." फेरियर ने जवाब दिया. "पर औरतें गिनती में कम थीं और दूसरे आदमियों का उन पर ज्यादा हक था. मैं कभी अकेला नहीं रहा. मेरे पास मेरी बेटी है जो मेरा ध्यान रखती है."

"उसी बेटी के बारे में मैं तुम से बात करना चाहता हूं." मॉरमॉनों के नेता ने कहा. "वह बड़ी हो कर यूटाह का फूल बन चुकी है और उन की आंखों को अच्छी लगने लगी है, जो इस देश में ऊंचे ओहदों पर हैं."

जॉन फेरियर का दिल डूब गया.

"उस के बारे में किस्से हैं जिन पर मैं विश्वास नहीं करना चाहता. किस्से कि उस का किसी दूसरे धर्म वाले से संबंध है. पर ये केवल खाली दिमागों वाले लोगों द्वारा फैलाई गई अफवाहें हो सकती हैं."

"संत जोजफ स्मिथ की संहिता में तेरहवां नियम क्या है?" सच्चे धर्म की हर कन्या को धर्म के अंदर ही शादी करनी चाहिए. अगर वह किसी और से शादी करती है, तो यह घोर पाप माना जाएगा. ऐसा होने की वजह से यह असंभव है कि तुम, जो अपने को इस पवित्र धर्म को मानने वाला कहते हो, अपनी बेटी को इस का उल्लंघन करने दोगे."

जॉन फेरियर ने कोई जवाब नहीं दिया, पर वह घबराहट के मारे अपने घोड़े के चाबुक से खेलता रहा.

"इस एक मुद्दे से तुम्हारी पूरी आस्था की परीक्षा हो जाएगी. यह बात काउंसिल ऑफ फोर में तय की गई है. लड़की अभी कम उमर की है और

हम किसी सफेद बालों वाले बूढ़े से उस की शादी नहीं करना चाहते. हम उस को चुनाव करने से भी नहीं वंचित करना चाहते. हम बुजुर्गों की कई बीवियां हैं, पर हमारे बच्चों का भी खयाल रखा जाना चाहिए. स्टेंजरसन का एक बेटा है और ड्रेबर का भी एक बेटा है और दोनों में से कोई भी तुम्हारी बेटी को अपने घर ले जाने के लिए तैयार हैं. इस को उन दोनों के बीच चुनने की आजादी है. वे जवान भी हैं और अमीर भी और सच्चे धर्म के हैं. इस बात पर तुम क्या कहते हो?"

काफी देर तक फेरियर चिंता में चुपचाप बैठा रहा.

"आप हम को कुछ वक्त दीजिए," आखिर में वह बोला, "मेरी बेटी अभी बहुत छोटी है. वह शादी की उमर की नहीं हुई है."

"उस को एक महीने की मोहलत दी जाएगी." यंग ने कुरसी से उठते हुए कहा. "इस मोहलत के अंत में उस को अपना जवाब देना होगा."

वह दरवाजे से बाहर निकल रहा था कि तमतमाए चेहरे और आग उगलती आंखों से वह मुड़ा. "तुम्हारे लिए बेहतर यही होता, जॉन फेरियर," वह गरजा, "तुम और वह भी इस वक्त सियरा ब्लैंको में सूखी हड्डियां बने होते, बजाए इस के कि तुम अपनी कमजोर मर्जी पवित्र चार के हुक्मनामा के खिलाफ चलाते."

हाथ से धमकाने का इशारा करते हुए वह दरवाजे से मुड़ा और फेरियर को उस के भारी कदमों की आहट पथरीली पगडंडी से जाती सुनाई पड़ी.

वह अभी भी घुटनों पर कोहनी रखे बैठा यह सोच रहा था कि वह यह मामला अपनी बेटी को कैसे बताए, जब एक कोमल हाथ उस के हाथों पर रखा गया और ऊपर देखने पर उस ने उस को अपने पास खड़ा पाया. उस के पीले भयभीत चेहरे की एक झलक देखते ही वह समझ गया कि उस ने सारी बातचीत सुन ली है.

"मैं क्या कर सकती थी," पिता की नजरों का जवाब देते हुए वह बोली. "उस की आवाज पूरे घर में गूंज रही थी. ओह पापा, पापा, अब हम क्या करेंगे?"

"तुम को डरने की कोई जरूरत नहीं है," उस को सीने से लगा कर अपने सख्त हाथ उस के सुनहरे बालों पर फेरते हुए वह बोला, "हम कुछ न कुछ तरकीब कर लेंगे. उस युवक के साथ तुम्हारी मोहब्बत कम तो नहीं हुई है?"

एक सिसकी और उस के हाथ पर पड़े दबाव से उस को जवाब मिल गया.

“नहीं, बिलकुल नहीं. मैं यह सुनना नहीं चाहता कि तुम्हारी मोहब्बत कम हो गई है. वह एक अच्छा लड़का है और ईसाई है. वह यहां के इन लोगों से ज्यादा धर्म भीरु है, जो इतनी पूजा और प्रचार करते हैं. कल नेवाडा के लिए एक पार्टी रवाना हो रही है और मैं उन को संदेश भेज दूंगा कि हम यहां कितनी मुसीबत में पड़ गए हैं. अगर उस युवक के बारे में मेरी जानकारी सही है तो वह यहां तार से भी ज्यादा तेजी से आएगा.”

पिता की बात सुन कर लूसी आंसुओं के बीच हंस पड़ी.

“जब वह आएगा, वह हम को सही राय देगा. पर बेटी, मुझे तुम्हारी ओर से डर लग रहा है. जो लोग पैगंबर के खिलाफ जाते हैं, उन के बारे में कैसेकैसे भयानक किस्से सुनने में आते हैं, उन के साथ कुछ न कुछ खौफनाक जरूर घटता है.”

“पर अभी तो हम उस के खिलाफ नहीं गए हैं,” उस के पिता ने जवाब दिया. “डरने का वक्त तो तब आएगा जब हम खिलाफ जाएंगे. हमारे सामने अभी एक पूरा महीना है, उस के आखिर में, मैं समझता हूं, कि सब से अच्छा यही होगा कि हम यूटाह से भाग जाएं.”

“यूटाह छोड़ देंगे?”

“हां, मेरा यही मतलब था.”

“पर खेत और जमीन?”

“जितना बेच सकेंगे, उतने का हम पैसा इकट्ठा कर लेंगे. बाकी जमीन यूं ही छोड़ जाएंगे. सच कहूं, लूसी, यह करने का विचार मेरे मन में पहली बार नहीं आया है. ये लोग अपने पैगंबर से जितना डरते हैं, उतना मैं किसी भी आदमी से नहीं डर सकता. मैं एक आजाद खयालों वाला अमरीकन हूं और यह सब मेरे लिए नया है. शायद मैं नई बातों को सीखने के लिए बूढ़ा हो चुका हूं.”

“पर वे हमें यहां से नहीं जाने देंगे,” बेटी ने विरोध किया.

“जेफरसन के आने का इंतजार करो. हम ऐसा कर सकेंगे. इस बीच, बेटी तुम परेशान मत हो और न ही अपनी आंखों में आंसू आने देना, नहीं तो वह तुम्हारी यह हालत देख कर मुझ से सवाल करेगा. डरने की कोई बात नहीं है और कोई खतरा भी नहीं है.”

जॉन फेरियर ने दिलासा देने के ये शब्द बड़े विश्वास के साथ बोले थे, पर वह यह गौर कर गई कि उस रात उस के पिता कुछ ज्यादा ही ध्यान से दरवाजों की चटखनी बंद कर रहे हैं और उन्होंने बड़े ध्यान से अपनी जंग लगी शॉटगन को साफ कर के लोड किया, जो उन के बेडरूम की दीवार पर टंगी थी.

प्राणरक्षा की उड़ान

मॉरमॉन के पैगंबर से मुलाकात की अगली सुबह जॉन फेरियर सॉल्ट लेक सिटी गया और नेवाडा पहाड़ों की ओर जाने वाले दोस्त से मिल कर उस ने उस को जेफरसन होप के लिए अपना संदेश उस को सौंप दिया. उस ने उस युवक को उस खतरे के बारे में बताया जो उस के ऊपर मंडरा रहा था और यह भी कितना जरूरी था कि वह वापस आए. यह कह कर के उस का मन हलका हो गया और वह आराम से घर चला गया.

जब वह अपने फार्म के नजदीक पहुंचा तो उसे यह देख कर ताज्जुब हुआ कि फाटक के दोनों खंभों पर घोड़े बंधे हुए थे. अंदर जाने पर अपनी बैठक में दो युवकों को बैठा देख कर उसे और भी ज्यादा ताज्जुब हुआ. लंबे, पीले चेहरे वाला एक युवक उस की आरामकुरसी पर बैठा और उस के पैर स्टोव पर टिके थे. दूसरा बैल की सी गरदन वाला युवक, जिस के नाकनक्श भोंडे से थे, खिड़की के सहारे, जेब में हाथ डाले एक लोकप्रिय भजन की धुन सीटी बजा कर निकाल रहा था. फेरियर के अंदर आने पर दोनों ने सिर हिला कर उस का अभिवादन किया और आरामकुरसी पर बैठे युवक ने बातचीत शुरू की.

“हो सकता है कि आप हमें नहीं जानते हों,” वह बोला, “यह बुजुर्ग ड्रेबर का बेटा है और मैं जोजफ स्टेंजरसन हूं, जो तुम्हारे साथ उस वक्त रेगिस्तान में था, जब प्रभु ने हाथ बढ़ा कर तुम को अपने सच्चे दामन में भरा था.”

“जैसा समय के साथसाथ वह सभी देशों को अपने दामन में भर लेगा,” दूसरे ने आवाज नाक से निकालते हुए कहा, “वह अपनी चक्की धीरेधीरे पीसता है, पर सभी दानों को पीस डालता है.”

जॉन फेरियर ने ठंडेपन से उन का अभिवादन किया. वह समझ गया था कि ये लोग कौन हैं.

स्टेंजरसन आगे बोला, “हम इसलिए आए हैं क्योंकि हमारे पिताओं ने हमें सलाह दी है कि हम में से दोनों आप की बेटी का हाथ मांगें. आप और आप की बेटी जिसे भी चाहे पसंद कर ले. मेरी सिर्फ चार बीवियां हैं और ब्रदर ड्रेबर की सात, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा दावा ज्यादा मजबूत है.”

“नहींनहीं, ब्रदर स्टेंजरसन,” दूसरा चिल्ला पड़ा, “सवाल यह नहीं है कि हमारी कितनी बीवियां हैं, पर यह है कि हम कितनी रख सकते हैं. मेरे

पिता ने अपनी मिलें मेरे नाम कर दी हैं, इसलिए हम दोनों में मैं ज्यादा अमीर हूं.”

“पर मेरा भविष्य बेहतर है,” दूसरे ने गरमजोशी से कहा, “मेरे पिता के मरने पर मुझे उन की चमड़े की फैक्टरी मिल जाएगी. फिर मैं तुम्हारा सरदार और चर्च में भी ऊंची जगह पर हो जाऊंगा.”

“यह फैसला लड़की पर छोड़ दो,” ड्रेबर के बेटे ने शीशे में अपनी छवि पर इतराते हुए कहा, “हम सारा मामला उस के फैसले पर छोड़ देते हैं.”

इस बातचीत के दौरान जॉन फेरियर गुस्से में आगबबूला खड़ा रहा और बड़ी मुश्किल से अपने पर काबू रखा कि अपना चाबुक इन दोनों की पीठ पर न बरसाए.

“देखो,” आखिर में उन की ओर बढ़ते हुए वह बोला, “जब मेरी बेटी तुम्हें बुलाएगी, तब तुम आ सकते हो, पर तब तक मैं तुम्हारी शक्लों को नहीं देखना चाहता.”

दोनों मॉरमॉन युवक उस को आश्चर्य से देखने लगे. उन की नजरों में लड़की के हाथ के लिए उन दोनों के बीच की प्रतिस्पर्धा उस के और उस के पिता के लिए बहुत बड़ी इज्जत की बात थी.

“इस कमरे से बाहर जाने के दो रास्ते हैं,” फेरियर चिल्लाया, “यह दरवाजा है और यह खिड़की है. तुम कौन से रास्ते से जाना चाहोगे?” उस का भूरा चेहरा इतना खूंखार लग रहा था और उस के सख्त हाथ इतने खतरनाक कि उस के मेहमान फौरन उठ खड़े हुए और जल्दी से वहां से चले गए. बूढ़ा किसान उन के पीछेपीछे दरवाजे तक गया.

“मुझे बता देना कि तुम लोगों ने आपस में क्या फैसला किया है,” उस ने घृणा से कहा.

“तुम इस के लिए बहुत पछताओगे!” गुस्से से सफेद पड़ा स्टेंजरसन चिल्लाया. तुम ने पैगंबर और काउंसिल ऑफ फोर का अपमान किया है. तुम जिंदगीभर इस के लिए पछताओगे.

“प्रभु का हाथ तुम्हारे ऊपर भारी पड़ेगा,” ड्रेबर का बेटा बोला वह उठ कर तुम्हें बहुत तकलीफ देगा.

“तो मैं तुम को तकलीफ देना शुरू करता हूं.” फेरियर जोर से चिल्लाया और अपनी बंदूक लाने ऊपर दौड़ने ही वाला था कि लूसी ने उस का हाथ पकड़ कर उस को रोक लिया. वह उस से छूट पाता, इस से पहले

ही घोड़ों की टापों की आवाज से वह समझ गया कि वे उस की पहुंच के बाहर जा चुके हैं.

“आवारा लफंगे!” माथे से पसीना पोंछते हुए वह गुर्राया. “बेटी, मैं चाहूंगा कि इन दोनों में से किसी की भी पत्नी बनने से पहले तू मर जाए.”

“मैं भी यही चाहूंगी, पिताजी.” उस ने जोश के साथ कहा, “पर जेफरसन जल्दी ही यहां आ जाएगा.”

“हां, अब उस के आने में देर नहीं है. वह जितनी जल्दी आ जाए, उतना ही अच्छा होगा क्योंकि कुछ कहा नहीं जा सकता कि उन का अगला कदम क्या होगा.”

वास्तव में इस बात की सख्त जरूरत थी कि कोई समझदार व्यक्ति उस गठीले बूढ़े किसान और उस की बेटी को सही राय दे सके. उस जगह के पूरे इतिहास में बुजुर्गों और सरदारों की ऐसी अवमानना कभी नहीं हुई थी. अगर छोटीछोटी गलतियों की सजा इतनी कड़ी हुआ करती थी, तो न मालूम इस विद्रोही की किस्मत में क्या बंधा था. फेरियर जानता था कि उस का धन और ओहदा उस के लिए किसी फायदे का नहीं होगा. उस के जितने ही प्रसिद्ध और अमीर लोगों को ले जाया गया था और उन की दौलत चर्च को सौंप दी गई थी. वह बहादुर था पर अपने ऊपर मंडराने वाले अनजाने खौफ से थर्रा रहा था. कोई जानापहचाना खतरा तो वह झेल लेता पर यह रहस्य बौखलाने वाला था. उस ने अपने सारे डर अपनी बेटी से छुपा रखे थे और पूरी बात को हंसी में टालने का दिखावा करता, हालांकि बेटी उस को इतना प्यार करती थी कि उसे साफ दिखाई पड़ रहा था कि वह बहुत बेचैन है.

उस को उम्मीद थी कि जल्दी ही यंग का संदेश या सख्ती भरी डांट उस के पास आएगी और वह गलत नहीं था, हालांकि वह एक अप्रत्याशित तरीके से आई. अगली सुबह उठने पर उस ने हैरत से देखा कि उस की छाती के ठीक ऊपर उस की चादर पर एक चौकोर परचा टंगा है. उस पर साफसाफ शब्दों में लिखा था:

“तुम को पश्चाताप के लिए उनतीस दिन दिए जाते हैं, और फिर...”

यह अधूरा वाक्य किसी भी धमकी से ज्यादा दहलाने वाला था. जॉन फेरियर के मन में यह खटका बना रहा कि यह धमकी उस के कमरे में आखिर आई कैसे, क्योंकि उस के नौकर बाहर सोते थे और सारे दरवाजे और खिड़कियां अच्छी तरह बंद थे. उस ने परचे को फाड़ दिया और अपनी बेटी से कुछ नहीं कहा, पर इस घटना से उस के दिल में दहशत भर

गई. यह उनतीस दिनों की मोहलत वही थी जितना यंग ने वादा किया था. एक ऐसे दुश्मन के आगे किस की ताकत या हिम्मत काम कर सकती थी, जिस की शक्ति इतनी रहस्यमयी थी? जिस हाथ ने उस की छाती पर पिन से परचा टांगा था, वहीं हाथ उस के सीने को चीर भी सकता था और उसे मालूम भी नहीं पड़ता कि उस को किस ने मारा था.

अगली सुबह वह और भी थर्रा गया. वे लोग नाश्ता करने बैठे थे कि ऊपर की ओर इशारा करती लूसी आश्चर्य से चिल्ला पड़ी, छत के बीचोबीच शायद किसी जली हुई लकड़ी से लिखा गया था- 28 . यह उस की बेटी की समझ के परे था, पर उस ने उस को कुछ नहीं बताया. उस रात वह अपनी बंदूक लिए बैठा रहा और निगरानी करता रहा. उस ने न कुछ देखा और न ही कुछ सुना, पर फिर भी सुबह एक बड़ा सा 27 उस के दरवाजे के बाहर पेंट किया हुआ था.

इस तरह दिन पर दिन बीतते गए और सुबह होने पर शर्तिया वह पाता कि उस के दुश्मन दिन गिन रहे हैं और किसी भी आसानी से दिखाई पड़ने वाली जगह पर लिख देते थे कि उस के पास अब कितने दिन बचे हैं. कभी ये मौत के दूत बने अक्षर दीवारों पर प्रकट होते, कभी फर्श पर कभीकभी बाग के गेट या किसी चहारदीवारी पर टंगे होते. अपने पूरे चौंकन्नेपन के बावजूद जॉन फेरियर यह नहीं समझ पा रहा था कि रोजरोज उस को ये नई धमकियां कैसे मिल रही थीं. जब भी उस की नजरों में ये धमकियां पड़तीं, उस में अंधविश्वास का सा खौफ छा जाता. वह थका हुआ और बेचैन रहने लगता और उस की आंखों में उस प्राणी का सा डर होता, जिस को डर रहता है कि किसी भी वक्त वह शिकार हो जाएगा. उस की जिंदगी में बस एक ही उम्मीद बची थी, नेवाडा से युवा शिकारी के आ जाने की.

बीस घट कर पंद्रह रह गए थे और पंद्रह बच कर दस, पर अभी तक उस की कोई खबर नहीं आई थी. एकएक कर के दिनों की संख्या कम होती गई. पर फिर भी उस का कोई निशान नहीं था. जब भी किसी घुड़सवार की टाप सड़क से आती सुनाई पड़ती या कोई कोचवान उस की टीम को आवाज देता, बूढ़ा किसान जल्दी से गेट की ओर जाता, यह सोचते हुए कि आखिर मदद आ ही गई. अंत में जब उस ने देखा कि पांच की संख्या चार में बदल गई और फिर तीन में, उस का दिल डूब गया और उस ने भाग निकलने की उम्मीद छोड़ दी. वह जानता था कि अकेले दम पर और पहाड़ों के बारे में अपने सीमित ज्ञान से वह बिलकुल कमजोर था. जो सड़कें ज्यादा चलती थीं, उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी और काउंसिल की इजाजत के बगैर उन पर से कोई नहीं गुजर सकता था. वह

जिस ओर भी मुड़े, जो वार उस पर लटक रहा था, उस से बचने का कोई साधन नहीं था. फिर भी वह बूढ़ा अपनी इस प्रतिज्ञा से नहीं डिगा कि अपनी बेटी को बेआबरू होने से पहले वह अपनी जान दे देगा.

एक शाम अपनी परेशानियों के बारे में सोचता वह चिंतामग्न बैठा था कि कैसे छुटकारा पाए, पर उसे कुछ भी नहीं सूझ रहा था. उस सुबह 2 का अंक उस की दीवारों पर लिखा दिखाई दिया था और अगला दिन उस के लिए आखिरी दिन होगा. फिर क्या होगा? उस की कल्पना में तरहतरह के भयानक खयाल उठने लगे कि उस के मरने के बाद बेटी का क्या होगा? उस के चारों ओर जो अदृश्य जाल बुना गया था, क्या उस से निकलना संभव नहीं था? उस ने मेज पर अपना सिर टिका लिया और अपनी असमर्थता का खयाल कर के सिसक उठा.

यह क्या था? सन्नाटे में उस ने एक कोमल खरोंचने की आवाज सुनी. धीमी, पर रात के सन्नाटे में एकदम स्पष्ट. वह घर के दरवाजे से आ रही थी. फेरियर चुपचाप हॉल में आया और गौर से सुनने लगा. कुछ क्षणों तक चुप्पी छाई रही, और फिर वह धीमी आवाज फिर से दोहराई गई. जाहिर था कि कोई बड़ी कोमलता से दरवाजा खटखटा रहा था. क्या आधी रात को आने वाला यह कोई हत्यारा था, जो गुप्त कानून के खूनी आदेश का पालन करने आया था? या कोई ऐसा था, जो आखिरी दिन की याद दिलाने आया था. जॉन फेरियर को लगा कि उस का दिल डुबोने वाला और दहलाने वाले इस रहस्य को सहते रहने से अच्छा होगा, उस को तुरंत मौत मिल जाए. आगे लपकते हुए उस ने चटखनी खोली और दरवाजा खोल दिया.

बाहर सब शांत था. रात अच्छी थी और ऊपर तारे अच्छी रोशनी फैलाते हुए चमक रहे थे. किसान की आंखों के सामने, सामने का बगीचा था और उस की चहारदीवारी के गेट पर और न सड़क पर कोई इनसान दिखाई पड़ रहा था. राहत की सांस ले कर फेरियर ने दाएं देखा फिर बाएं, अपने ही पैरों पर नीचे निगाह डाल कर उस ने देखा एक आदमी मुंह के बल जमीन पर लेटा है, उस के हाथ और पैर फैले हुए थे.

इस नजारे को देख कर वह इतना घबरा गया कि वह अपनी चीख दबाने के लिए गले पर हाथ रख कर दीवार का सहारा लिए खड़ा रहा. उस का पहला खयाल था कि लेटी हुई आकृति किसी घायल या मरणासन्न आदमी की है, पर वह उस को देख रहा था, तभी उस ने उस को सांप की सी फुरती के साथ जमीन पर रेंगते हुए देखा. घर के अंदर दाखिल होने पर

वह आदमी अपने पैरों पर खड़ा हो गया, दरवाजा बंद किया और हैरान किसान को जेफरसन होप का दृढ़ भाव दिखाया.

“अरे तुम,” जॉन फेरियर हांफा, “तुम ने मुझे कितना डरा दिया. इस तरह अंदर आने की क्या वजह थी?”

“मुझे खाना दो,” दूसरे ने रुंधे गले से कहा. पिछले अड़तालीस घंटों से मैं ने न खाया है, न पिया है. वह अपने मेजबान की खाने की मेज पर रखे खाने पर टूट पड़ा, “क्या लूसी ठीक है?” जब उस की भूख शांत हुई, तो उस ने पूछा.

“हां, उसे खतरे के बारे में कुछ नहीं मालूम,” पिता ने जवाब दिया.

“अच्छा ही है. घर पर चारों ओर से निगाह रखी जा रही है. इसीलिए मैं रेंगते हुए यहां तक आया हूं. वह बहुत चालाक हो सकते हैं पर एक वॉशो शिकारी से ज्यादा चालाक नहीं हैं.”

यह समझते ही कि अब उस के पास एक सच्चा दोस्त है, जॉन फेरियर अब बदला हुआ आदमी था. उस ने युवक का हाथ पकड़ कर गरमजोशी से हाथ मिलाया, “तुम ऐसे आदमी हो जिस पर नाज किया जा सकता है.” वह बोला, “हमारे ऊपर छाए खतरों को बांटने कौन आ सकता था.”

“यह सही है,” युवा शिकारी ने जवाब दिया. “मैं आप की इज्जत करता हूं, पर अगर आप इस उलझन में अकेले होते तो मैं इस मधुमक्खी के छत्ते में कभी हाथ नहीं डालता. मैं यहां पर लूसी की वजह से आया हूं और इस के पहले कि उसे कोई नुकसान पहुंचे, मैं समझता हूं कि यूटाह में होप परिवार का एक सदस्य कम हो जाएगा.”

“हमें क्या करना होगा?”

“कल आप का आखिरी दिन है और अगर आप ने आज कोई उपाय नहीं किया, तो सब खत्म हो जाएगा. एक खच्चर और दो घोड़े ईगल रेवीन में हमारा इंतजार कर रहे हैं. आप के पास कितने पैसे हैं?”

“सोने में दो हजार डॉलर और नोटों में पांच.”

“उतना काफी है, इतना ही मेरे पास भी है. पहाड़ों से होते हुए हमें कारसन शहर की ओर जाना चाहिए. सब से अच्छा यह होगा कि आप लूसी को जगा दें. यह भी अच्छा है कि नौकर घर में नहीं सोते.”

जब फेरियर अपनी बेटी को आने वाली यात्रा के लिए तैयार कर रहा था, जेफरसन होप ने खाने का जितना भी सामान था, एक पैकेट में बांधा

और एक मिट्टी के जार में पानी भरा, क्योंकि वह अनुभव से जानता था कि पहाड़ों में बहुत ही कम कुएं होते हैं और वे भी एक दूसरे से काफी दूरी पर. उस ने अपनी तैयारियां पूरी की ही थीं कि किसान अपनी बेटी के साथ आ गया, जो जाने के लिए तैयार थी. दोनों प्रेमियों के बीच मुलाकात में गरमजोशी थी पर बहुत छोटी, क्योंकि एकएक मिनट कीमती था और करने के लिए बहुत कुछ था.

“हमें फौरन यहां से निकलना होगा,” जेफरसन होप ने धीमी पर दृढ़ आवाज में कहा, जैसे वह जानता था कि खतरा कितना बड़ा है, पर वह उस का सामना करने के लिए लोहे की तरह मजबूत हो चुका है. “आगे और पीछे के रास्तों पर नजर रखी जा रही है, पर हम ध्यान से निकलें तो किनारे की खिड़की से निकल कर हम खेतों में निकल सकते हैं. सड़क पर आने के बाद हम दर्रे से केवल दो किलोमीटर दूर रह जाएंगे, जहां हमारे घोड़े इंतजार कर रहे हैं. पौ फटने तक हम आधी दूरी तक पहाड़ों में निकल जाएंगे.”

“अगर हम रोक लिए गए, तो?” फेरियर ने पूछा. “होप ने रिवाल्वर पर हाथ मारा जो उस की शर्ट के अंदर से चमक रही थी. अगर वे गिनती में ज्यादा हुए, तो हम दो या तीन को अपने साथ ले जाएंगे,” खूंखार हंसी हंसते हुए वह बोला.

घर के अंदर सभी बत्तियां बंद कर दी गई थीं. अंधेरी खिड़की से फेरियर ने बाहर उन खेतों पर नजर दौड़ाई, जो उस के अपने थे और जिन को अब यह हमेशा के लिए छोड़ कर जाने वाला था. उस ने इस बलिदान के लिए खुद को तैयार कर रखा था और उसे अपनी बेटी की खुशी और इज्जत, सारी धनदौलत गंवाने के दुख से बड़ी थी. सब कुछ इतना शांत और खुशनुमा लग रहा था, सरसराते पेड़ और मीलों दूर फैले अनाजों के खेत, कि यह एहसास करना मुश्किल था कि हत्या की रूह पूरे माहौल में मंडरा रही थी. फिर भी युवा शिकारी का सफेद चेहरा और सधा हुआ भाव दिखा रहा था कि घर में आते समय उस ने इस ओर से पूरी तसल्ली कर ली थी.

फेरियर ने सिक्कों और सोने का थैला उठाया. जेफरसन के पास खाना और पानी, जबकि लूसी के पास एक छोटी सी गठरी थी, जिस में उस का अपना कीमती सामान था. खिड़की को बहुत ही ध्यान और धीमे से खोलते हुए उन्होंने तब तक का इंतजार किया, जब तक एक काले बादल ने रात को एकदम अंधेरा नहीं कर दिया और फिर वे एकएक कर के छोटे से बगीचे में उतर गए. सांस रोक कर धीरेधीरे वे घुटनों के बल रेंगते हुए आगे

बढ़े, फिर एक झाड़ी के साए में छुप गए और फिर वे मक्का के खेतों में चले गए. वे यहां पर पहुंचे भर थे कि युवक ने अपने दोनों साथियों को खींच कर छाया में कर लिया, जहां वे चुपचाप कांपते हुए पड़े रहे.

अच्छा ही हुआ कि उस के प्रशिक्षण ने उस के कानों को बहुत सजग कर दिया था. वह और उस के मित्र छिपे भर थे कि उन से कुछ मीटर की दूरी पर पहाड़ी उल्लू की हूटहूट सुनाई पड़ी और तुरंत ही थोड़ी सी दूरी पर इस हूट का जवाब आ गया, उसी समय एक अस्पष्ट सी आकृति उसी रास्ते में दिखी, जहां वे जा रहे थे और वही हूट फिर से सुनाई पड़ी और एक दूसरा आदमी अंधेरे में से निकला.

"कल आधी रात को," पहले ने कहा, जो शायद मुखिया था. "जब विपूर विल तीन बार बुलाएगा."

"ठीक है," दूसरे ने जवाब दिया. "क्या मैं ब्रदर ड्रेबर को बता दूं?"

"उन को बता दो और उन के जरिए औरों को सात में नौ!"

"पांच में सात!" दूसरे ने दोहराया और दोनों आकृतियां अलगअलग दिशाओं में चली गईं. उन का आखिरी शब्द जाहिर था, किसी तरह का इशारा था. जैसे ही उन के कदमों की आहट दूर जा कर खत्म हुई, जेफरसन होप अपने पैरों पर खड़ा हुआ और अपने सहयात्रियों की मदद करता उन को खेतों के पार तेजी से ले गया. कभी गोद में उठा कर लड़की को सहारा देता, क्योंकि उस की ताकत शायद जवाब दे रही थी.

"जल्दी करो, जल्दी करो!" बीचबीच में वह हांफता, "चौकीदारों की पंक्ति से हम निकल चुके हैं. सब कुछ रफ्तार पर निर्भर है. जल्दी करो!"

एक बार सड़क पर आने के बाद, वे जल्दीजल्दी आगे बढ़ने लगे. सिर्फ एक बार उन के रास्ते में कोई मिला, और वे खेतों में छिप गए ताकि वे पहचाने न जाएं. शहर पहुंचने से पहले युवक एक खुरदुरी, पतली सी पगडंडी की ओर मुड़ गया जो पहाड़ों की ओर जाती थी. अंधेरे में दो ऊफबड़खाबड़ पर्वत की चोटियां झलक रही थीं और इन दोनों के बीच से जो रास्ता जाता था, वह ईगल दर्रे से गुजरता था, जहां पर घोड़े उन की प्रतीक्षा कर रहे थे. अपने सटीक अंदाज से जेफरसन होप ने बड़ीबड़ी चट्टानों के बीच से और एक सूखे जल स्रोत से होते हुए अपना रास्ता ढूंढ़ा और वे लोग वहां तक पहुंच गए, जहां चट्टानों से ढके हुए एक एकांत कोने में उस के वफादार घोड़े बंधे हुए थे. लड़की को खच्चर पर बैठाया गया, और बूढ़ा फेरियर एक घोड़े पर अपने रुपए के थैले के साथ, जबकि

जेफरसन होप दूसरे घोड़े के साथ उस खतरनाक रास्ते पर आगेआगे चल पड़ा.

जिस किसी को प्रकृति को अपने सब से रौद्र रूप में देखने की आदत नहीं थी, उस के लिए यह रास्ता बौखलाने वाला था. एक तरफ करीब तीन सौ मीटर लंबी, काली, खतरनाक और डरावनी चट्टान खड़ी थी, जिस की ऊफबड़खाबड़ सतह पर लंबीलंबी लकीरें ऐसी दिख रही थीं, मानो किसी डरे हुए जंतु की पसलियां हों. दूसरी ओर ऊफबड़खाबड़ चट्टानों और कंकड़ों के कारण आगे बढ़ना नामुमकिन था. इन दोनों के बीच में यह टेढ़ीमेढ़ी पगडंडी थी, जो कई जगहों पर इतनी संकरी थी कि उन को एक पंक्ति में चलना पड़ रहा था और इतनी पथरीली कि सिर्फ अनुभवी घुड़सवार ही उस पर गुजर सकता था. फिर भी, सारी परेशानियों और खतरों के बावजूद इन लोगों के हौसले बुलंद थे, क्योंकि हर कदम के साथ इन का और भयानक शत्रुओं के बीच का फासला बढ़ता जा रहा था.

परंतु उन को जल्दी ही सबूत मिल गया कि वे अभी भी संतों के क्षेत्र में ही हैं, वे दर्रे के सब से बियाबान इलाके में थे कि लड़की चौंक कर चीख पड़ी और ऊपर की ओर इशारा किया पगडंडी के ऊपर एक चट्टान पर एक प्रहरी खड़ा था. जैसे ही इन लोगों ने उस को देखा, उस ने भी इन को देख लिया और उस की सैनिक गुहार “कौन है उधर...” पूरे दर्रे में गूंज उठी.

“नेवाडा जाने वाले यात्री,” जेफरसन होप ने बंदूक पर हाथ रखते हुए कहा, उस की काठी से लटक रही थी.

उन्होंने उस अकेले प्रहरी को अपनी बंदूक टटोलते देखा और वह नीचे की ओर इन लोगों को ऐसे देखने लगा मानो इन के जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ हो.

“किस की आज्ञा से?” उस ने पूछा.

“पवित्र चार” फेरियर ने जवाब दिया उस के मॉरमॉन अनुभव ने सिखाया था कि वही सब से ऊंची संस्था है, जिस की दुहाई वह दे सकता था.

“सात में नौ,” प्रहरी चिल्लाया.

“पांच में सात,” जेफरसन होप ने तुरंत जवाब दिया, उस को बगीचे में हुई यह बात याद थी.

“जाओ,” ऊपर से आती आवाज ने कहा. उस की चौकी के आगे पगडंडी चौड़ी हो गई और घोड़े टपाटप चलने लगे. पीछे मुड़ कर उन्होंने

देखा कि अकेला प्रहरी अपनी बंदूक के सहारे खड़ा है और वे समझ गए कि वे मॉरमॉनों की पहुंच से बाहर निकल आए हैं और आजादी उन के सामने है.

प्रतिशोध लेते फरिश्ते

पूरी रात उन का रास्ता पेचीदे और ऊफखड़खाबड़ पगडंडियों से गुजरता रहा. एक से ज्यादा बार वे रास्ता भटके, पर होप की पहाड़ी इलाके की गहरी जानकारी से वे सही रास्ते पर लौट आते. सवेरा होने पर, उन के सामने खूबसूरत दृश्य था. चारों दिशाओं में बर्फ ढकी पहाड़ों की चोटियां थीं, जो दूर क्षितिज तक फैली थीं. उन के दोनों ओर इतना ढलान था कि ऐसा लग रहा था कि पेड़ उन के सिरों के ऊपर लटक रहे हैं और तेज हवा के झोंके से वे उन पर गिर पड़ेंगे. यह डर कोई मिथ्या नहीं था क्योंकि बंजर घाटी पेड़ों और चट्टानों से भरी पड़ी थी, जो इसी तरह गिर चुके थे. जब वे गुजर रहे थे, एक बड़ी चट्टान तेज आवाज से लुढ़कती हुई नीचे आई जिस से शांत दर्रों की प्रतिध्वनियां जाग गईं और थके हुए घोड़े घबरा कर दौड़ने लगे.

पूर्व के क्षितिज में धीरेधीरे जब सूरज उगा, पहाड़ियों की चोटियां एकएक कर के उठीं मानो किसी उत्सव के दीपक हों और अंत में लालिमा लिए चमकने लगीं. इस सुंदर नजारे ने तीनों भगोड़ों के दिलों में उत्साह भर दिया. दर्रे में से निकलने वाले एक पहाड़ी झरने पर वे रुके, घोड़ों को पानी पिलाया और जल्दीजल्दी नाश्ता किया. लूसी और उस के पिता थोड़ी देर आराम करना चाहते थे, पर जेफरसन होप को कोई थकान नहीं हुई थी- “इस समय तक वे हमारी खोज में निकल चुके होंगे,” वह बोला. सब कुछ हमारी रफ्तार पर निर्भर करता है. एक बार सहीसलामत कारसन पहुंच जाएं तो जिंदगीभर आराम कर सकते हैं.”

उस पूरे दिन वे मुश्किलों का सामना करते आगे बढ़ते रहे और शाम तक उन्होंने अंदाज लगाया कि वे अपने दुश्मनों से करीब अड़तालीस कि. मी. से भी ज्यादा फासले पर थे, रात का समय उन्होंने एक दर्रे की ओट में बिताया, जहां चट्टानों से उन्हें बर्फीली हवाओं से कुछ राहत मिली और वहां पर एकदूसरे से सट कर वे आराम से कुछ घंटों के लिए सो गए. पौ फटने से पहले ही वे उठ गए और एक बार फिर से निकल पड़े. उन्होंने अपना पीछा करते किसी को नहीं देखा था और जेफसरन उम्मीद करने लगा था कि वे उस भयंकर संस्था के शिकंजे से बच निकले हैं. जिस की दुश्मनी उन लोगों ने मोल ले ली थी उस को शायद मालूम नहीं था कि उन का मजबूत शिकंजा कितनी दूर पहुंच सकता है या कितनी जल्दी वह उन के पास पहुंच कर उन लोगों को मसल डालेगा.

निकल भागने के दूसरे दिन के बीच में उन के खानेपीने का सामान खत्म होने लगा. इस से शिकारी को कोई खास उलझन नहीं हुई, क्योंकि पहाड़ों पर शिकार मिल ही जाता था और अकसर जिंदगी की जरूरतें पूरी करने के लिए उस को अपनी बंदूक का सहारा लेना पड़ता था. एक छुपा हुआ कोना ढूंढ़ कर, उस ने कुछ सूखी लकड़ियां इकट्ठी कीं और आग जलाई, जिस से उस के साथी अपने को गरम कर सके, क्योंकि इस वक्त वे समुद्र की सतह के करीब पंद्रह सौ मीटर ऊपर थे और हवा सरद थी. घोड़ों को फिर से बांध कर और लूसी से विदा ले कर उस ने बंदूक अपने कंधे पर डाली और खाने की खोज में निकल पड़ा. पीछे मुड़ कर देखने पर उस ने बूढ़े आदमी और युवती को आग के पास बैठे देखा और तीनों जानवर वही पीछे खड़े थे. फिर चट्टानों की आड़ हो जाने से वे आंखों से ओझल हो गए.

वह करीब 3 कि. मी. तक इस झरने से उस झरने तक बिना किसी सफलता के भटकता रहा, हालांकि पेड़ों के तनों पर पड़े निशान और दूसरे संकेतों से उस ने अंदाज लगाया कि आसपास कई भालू होंगे. आखिर में, दो तीन घंटों की असफल खोज के बाद वह निराश हो कर वापस जाने की सोच रहा था कि अचानक ऊपर देखने पर उस ने ऐसा नजारा देखा जिस से उस के दिल में खुशी की लहर दौड़ गई. उस के ऊपर एक सौ बीस मीटर की ऊंचाई पर एक बाहर को निकली चोटी के किनारे एक जानवर खड़ा था जो देखने में तो भेड़ लग रहा था, पर इस के दो बड़ेबड़े सींग थे. यह बड़े सीगों वाला ऐसे लग रहा था मानो अपने पूरे झुंड की रखवाली कर रहा था. पर वह दूसरी दिशा में जा रहा था और उस ने शिकारी को नहीं देखा था. चेहरे के बल लेटते हुए, उस ने अपनी बंदूक चट्टान से टिकाई और ध्यान से निशाना साधा और फिर बंदूक दागी, जानवर हवा में लपका, एक पल डगमगाया और फिर जोरों से नीचे घाटी में आ गिरा.

जानवर बहुत भारी था इसलिए उठाने में परेशानी थी. अतः शिकारी ने उस का कुछ हिस्सा काट लिया. इस को कंधे पर लटका कर वह जल्दीजल्दी चलने लगा, क्योंकि शाम ढलने को थी और वह चला ही था, कि उस को एक कठिनाई सामने नजर आई. अपनी उत्सुकता में, वह उन दर्रों के पार चला आया था जो उस के जानेपहचाने थे और वापसी का रास्ता ढूंढ़ना आसान नहीं था. जिस घाटी में वह अब था, वह अनेक रास्तों में बंटी हुई थी जो एक दूसरे से इतने समान थे कि एक का दूसरे से भेद करना मुश्किल था. वह एक रास्ते में एक किलोमीटर से भी ज्यादा चला. वह एक पहाड़ी झरने पर आया, जो वह जानता था कि उस ने पहले कभी नहीं देखा था. जब उसे यकीन हो गया कि वह गलत मोड़ पर है, उस ने दूसरा रास्ता पकड़ा, पर उस का भी यही नतीजा निकला. रात चढ़ती जा

रही थी और लगभग अंधेरा हो गया था जब आखिर में उसे एक जानीपहचानी जगह मिल गई. दोनों ऊंची चट्टानें उसे और भी बौखला रही थीं, अपने साथ के वजन और थकान की वजह से वह लड़खड़ाता चला जा रहा था और अपने दिल को हौसला देता जा रहा था कि हर कदम उसे लूसी के करीब ले जा रहा है और उस के पास अब इतना भोजन था कि उन की बाकी यात्रा आराम से कट सके.

वह अब उसी रास्ते पर आ गया था, जहां उस ने उन लोगों को छोड़ा था. अंधेरे में भी वह उन चट्टानों को पहचान पा रहा था. उस ने सोचा कि वे लोग व्याकुल हो कर उस का इंतजार कर रहे होंगे क्योंकि उस को गए लगभग पांच घंटे हो चुके थे. खुश होते हुए उस ने अपने मुंह पर हाथ रख कर आवाज निकाल कर इशारा भेजा कि वह आ रहा है. वह रुका और जवाब का इंतजार करने लगा. उस की अपनी प्रतिध्वनि के अलावा कोई इशारा वापस नहीं आया. वह फिर से चिल्लाया, पहले से भी जोरों से, और फिर भी कोई फुसफुसाहट तक नहीं सुनाई पड़ी और फिर भी उस को अपने मित्रों से कोई जवाब नहीं मिला जिन को वह थोड़ी देर पहले छोड़ कर आया था. एक बेनाम सा अनजान खौफ उस के दिल में भर गया और वह बेतहाशा आगे बढ़ा, अपनी हड़बड़ी में वह अमूल्य भोजन भी वहीं छोड़ गया.

जब वह कोने से मुड़ा, उस को वह जगह साफ दिखाई दी, जहां उस ने आग जलाई थी. वहां पर अब भी लकड़ी सुलग रही थी, पर जब से वहां से गया था, आग का किसी ने ध्यान नहीं रखा था. वही मौत का सन्नाटा चारों ओर फैला था. उस का डर अब यकीन में बदल गया था और वह जल्दीजल्दी वहां पहुंचा. आग के पास कोई भी जीवित प्राणी नहीं था. जानवर, पुरुष, युवती, सब जा चुके थे- साफ था कि अचानक कोई भयंकर हादसा उस की गैर मौजूदगी में घटा था-एक ऐसा हादसा जो सब को लील गया पर जिस ने अपने पीछे कोई छाप नहीं छोड़ी थी.

इस वार से स्तब्ध हो कर जेफरसन को लगा कि उस का सिर घूम रहा है, और अपने को गिरने से बचाने के लिए उस को अपनी बंदूक का सहारा लेना पड़ा. फिर भी, वह कर्मयोगी था और इस क्षणिक कमजोरी से फौरन बाहर निकल आया. सुलगती आग में से एक जलती लकड़ी निकाल कर उस को फूंक कर उस की लपट बनाई और उस की मदद से वह उस जगह का मुआयना करने लगा. पूरी जमीन पर घोड़ों के पैरों के निशान थे, जो ये बता रहे थे कि कई घुड़सवारों ने उस के साथियों को धरदबोचा था और उन के पैरों के निशान बता रहे थे कि वे लोग वापस सॉल्ट सिटी की ओर चले

गए थे, क्या वे उन दोनों को भी अपने साथ ले गए थे? जेफरसन होप लगभग यह मान चुका था कि ऐसा ही हुआ होगा कि तभी उस की निगाह किसी चीज पर पड़ी जिस से उस का रोमरोम झनझना उठा. उन के कैंप से कुछ दूर एक तरफ लाल मिट्टी का ढेर पड़ा था, जो शर्तिया पहले नहीं था. जाहिर था कि यह कुछ और नहीं, एक ताजा खोदी हुई कब्र थी. युवा शिकारी जब उस के पास पहुंचा, उस ने देखा कि कब्र पर एक डंडी गाड़ी गई थी और उस पर एक परची टंगी थी. कागज पर लिखावट संक्षिप्त, पर सटीक थी.

'जॉन फेरियर.'

सॉल्ट लेक सिटी का भूतपूर्व निवासी.

वह मजबूत बूढ़ा पुरुष, जिसे उस ने कुछ देर पहले ही छोड़ा था, अब हमेशा के लिए जा चुका था और यह उस की कब्र थी. जेफरसन होप ने बदहवासी से इर्दगिर्द देखा कि कहीं दूसरी कब्र तो नहीं है, पर ऐसा कोई चिन्ह नहीं था. लूसी को वे भयानक लोग बुजुर्ग के बेटे के हरम का हिस्सा बनाने के लिए उठा ले गए थे, जैसा उसे लग रहा था. जैसे ही उस युवक को समझ में आया कि लूसी की किस्मत असल में क्या है और वह कुछ कर पाने में कितना बेबस है. उस की इच्छा हुई कि उस की भी बूढ़े किसान के बगल में कब्र खुद जाए.

फिर भी, एक बार फिर से उस की बेचैन आत्मा ने उस की वह तंद्रा दूर कर दी जो हताशा की वजह से उस पर छाई थी. अगर उस के पास कुछ भी नहीं बचा था, तो कम से कम वह अपना बाकी जीवन बदला लेने में बिता देगा. अदम्य सब्र और लगन के साथसाथ जेफरसन होप के पास बदला लेने की भी ताकत थी, जो शायद उस ने उन भारतीयों से सीखा था, जिन के बीच वह रहता था. एकाकी आग के पास खड़ेखड़े उस को लगा कि उस का गम तभी कम होगा, जब वह पूरी तरह से अपने हाथों से दुश्मनों से बदला लेगा. उस का दृढ़ निश्चय और कार्यक्षमता सिर्फ इसी लक्ष्य को पाने में इस्तेमाल होंगे. उग्र, सफेद चेहरा लिए वह वापस उस जगह तक गया, जहां उस ने भोजन गिराया था और सुलगती आग को हवा दे कर और तेज किया. उस ने इतना भोजन पका लिया जितना उस को कई दिनों तक काफी होता. यह उस ने गठरी में बांधा और हालांकि वह थका हुआ था, पर फिर भी वह पहाड़ों के रास्ते वापस प्रतिशोध लेने वाले फरिश्तों की राह पर चल पड़ा.

पांच दिनों तक पैरों में छाले लिए और थका हुआ-वह चलता गया उन रास्तों पर, जिन से वह कुछ दिन पहले गुजरा था. रात में वह चट्टानों पर लेट जाता, पर दिन उगने से पहले वह हमेशा चल पड़ता. छठे दिन वह ईगल दर्रे पर पहुंचा, जहां से उन्होंने अपनी उड़ान शुरू की थी. वहां से वह संतों के घरों पर नजर रख सकता था. टूटा और थका हारा वह अपनी बंदूक का सहारा ले कर खड़ा हो गया और उस ने क्रोध से अपना हाथ नीचे फैले शहरों की ओर बढ़ाया. नीचे देखने पर उस ने गौर किया कि मुख्य सड़कों पर झंडे लहरा रहे हैं और उत्सव के दूसरे चिन्ह भी थे. वह अंदाज लगा ही रहा था कि इस का क्या मतलब हो सकता है कि उस ने घोड़ों की टापें सुनीं और एक घुड़सवार अपनी ओर आता दिखाई दिया. जब वह पास आया, उस ने पहचान लिया कि वह काउपर नाम का मॉरमॉन है, जिस से पहले कई बार उस का वास्ता पड़ा था, इसलिए उस ने उस का अभिवादन किया, यह जानने के लिए कि लूसी फेरियर का क्या हुआ.

“मैं जेफरसन होप हूं. तुम मुझे पहचानते हो.”

मॉरमॉन ने उसे अचरज से देखा. वास्तव में इस मैलेकुचैले गंदे यात्री को पहचानना मुश्किल था, जिस का चेहरा अप्राकृतिक रूप से सफेद पड़ा था और जिस की आंखों में बहशीपन था कि वह पहले वाला बांका शिकारी था. पर जब उसे यकीन हो गया कि वह वही है, उस आदमी का आश्चर्य चिंता में बदल गया.

“तुम पागल हो जो यहां आए हो,” वह बोला, “तुम से बात करते दिखाई दिए जाने पर मेरी जान भी खतरे में पड़ जाएगी. तुम्हारे खिलाफ पवित्र चार का वारंट जारी है. क्योंकि तुम ने फेरियरों को यहां से भागने में मदद दी.”

“मैं न उन से डरता हूं और न उन के वारंट से,” होप ने आतुर हो कर कहा. “तुम इस मामले के बारे में कुछ जानते होगे, काउपर. मैं तुम को उन सब चीजों की कसम दिलाता हूं, जो तुम को सब से ज्यादा प्रिय है. मेरे कुछ प्रश्नों का जवाब दो. हम हमेशा मित्र रहे हैं. मुझे जवाब देने से इनकार मत करना.”

“क्या है?” मॉरमॉन ने बेचैनी से पूछा. “जल्दी करो. यहां पर चट्टानों तक के कान हैं और पेड़ों की आंखें हैं.”

“लूसी फेरियर का क्या हुआ?”

“कल उस की शादी छोटे ड्रेबर से कर दी गई. संभालो, अपने को संभालो. तुम्हारे अंदर बिलकुल भी जान नहीं बची है.”

“मेरी चिंता मत करो.” होप ने क्षीणता से कहा. उस के होंठ तक बिलकुल सफेद पड़ चुके थे और निढाल हो कर उसी चट्टान पर बैठ गया जिस के सहारे वह अब तक खड़ा हुआ था. “शादी हो गई, तुम ने बताया.”

“कल हो गई शादी, ये झंडे उसी खुशी में लहरा रहे हैं. ड्रेबर और स्टेंजरसन के बेटों में कुछ कहा सुनी हुई थी कि लूसी किस को मिले. उन लोगों की खोज में गई पार्टी में वे दोनों ही गए थे और स्टेंजरसन ही था जिस ने उस के पिता को गोली मारी थी और इसलिए उस के हिसाब से उस का दावा ज्यादा दमदार था. पर जब कांउसिल में यह बहस चल रही थी, ड्रेबर की पार्टी ज्यादा मजबूत थी इसलिए पैगंबर ने लूसी को उसे सौंप दिया, पर कोई भी उस को ज्यादा देर तक नहीं रख सकेगा क्योंकि कल मैं ने उस के चेहरे पर मौत लिखी देखी थी. वह प्रेत ज्यादा, युवती कम नजर आई. तो फिर तुम जा रहे हो?”

“हां, मैं जा रहा हूं.” जेफरसन होप ने कहा, जो अपनी सीट से उठ चुका था. उस का चेहरा मानो संगमरमर से तराशा गया था, उस का भाव इतना कठोर था, जबकि उस की आंखों में एक विनाशकारी चमक थी.

“कहां जा रहे हो?”

“फिक्र मत करो,” उस ने जवाब दिया. अपने हथियार कंधे पर लटका कर वह दर्रे से नीचे गया और पहाड़ों के सीले चीरता हुआ जंगली जानवरों की मांदों से गुजरा, उन सब में कोई उस से ज्यादा खूंखार या खतरनाक नहीं था.

मॉरमॉन की वह भविष्यवाणी सही साबित हुई. अपने पिता की भयंकर मौत के कारण या उस घृणित शादी के असर से जो उस की जबरन कर दी गई थी, बेचारी लूसी फिर कभी अपना सिर ऊपर नहीं उठा सकी. वह सूखती गई और एक महीने के अंदर मर गई. उस का पियक्कड़ पति, जिस ने सिर्फ जॉन फेरियर की जायदाद हासिल करने के इरादे से यह शादी की थी, अपनी बीवी की मौत से बिलकुल भी दुखी नहीं था. उस की दूसरी बीवियों ने इस मौत का गम मनाया और दफनाए जाने तक उस के साथ बैठी रहीं, जैसा मॉरमॉन रिवाज है.

सुबह होने पर वे लाश को घेरे खड़ी थीं, कि वे तब भयभीत और आश्चर्यचकित रह गईं जब अचानक दरवाजा खुला और एक बहशी सा, बदहवास आदमी मैलेकुचैले कपड़े पहने कमरे में घुस आया. डरी औरतों की ओर देखे बिना या उन से एक भी शब्द बोले बिना वह सफेद, शांत पड़ी आकृति की ओर बढ़ा, जिस में कभी लूसी फेरियर की पवित्र रूह बसती

थी. उस के ऊपर झुकते हुए उस ने अपने होंठों से बड़ी श्रद्धा से उस का ठंडा माथा चूमा और फिर उस का हाथ उठा कर उस की अंगुली से शादी की अंगूठी निकाल ली. 'वह इस अंगूठी में नहीं दफनाई जाएगी,'-उस ने एक खूंखार हुंकार भर कर कहा और जब तक शोर मचता, वह सीढ़ियों के रास्ते छलांग लगा चुका था. यह घटना इतनी अजीब और इतनी संक्षिप्त थी कि अगर दुलहन की अंगुली में पड़ा सोने का छल्ला गायब नहीं हुआ होता, तो देखने वालों को इस पर विश्वास करना या दूसरों को बताना मुश्किल हो जाता.

कुछ महीनों तक जेफरसन होप पहाड़ों में मंडराता रहा, एक अजीब जंगली सा जीवन बिताते हुए और अपने दिल में इंतकाम की आग सुलगाए, जो उस के अंदर धधक रही थी. शहर में इस विचित्र आकृति के किस्से सुनाए जा रहे थे जो शहर के आसपास मंडराती नजर आती थी और जो वीरान पहाड़ी दर्रों में रहती थी. एक बार एक गोली स्टेंजरसन की खिड़की के अंदर सनसनाती हुई आई और उस से थोड़ीथोड़ी दूरी पर दीवार में अटक गई.

दूसरे मौके पर, जब ड्रेबर एक चट्टान के नीचे से जा रहा था तो उस के ऊपर एक बड़ा सा पत्थर आ कर गिरा और वह मुंह के बल लेट कर ही अपने को एक भयानक मौत से बचा पाया. दोनों युवा मॉरमॉनों को यह अंदाज लगाते देर नहीं लगी कि उन के ऊपर ये जानलेवा हमले किस वजह से हो रहे हैं और बारबार पहाड़ों पर अपनी फौज ले कर इस उम्मीद में जाते कि दुश्मन को पकड़ लें, मार डालें, पर हमेशा नाकामयाब रहते. फिर उन्होंने सतर्कता बरती कि कभी भी बाहर अकेला या रात ढलने पर नहीं निकलें और अपने घर पर भी कड़ा पहरा लगा दिया. कुछ समय बाद उन्होंने अपनी चौकसी में ढील दे दी, क्योंकि दुश्मन न देखा गया, न उस के बारे में कुछ सुना गया और उन्होंने उम्मीद की कि समय के साथ उस की इंतकाम की आग ठंडी पड़ गई है.

पर ऐसा होना तो दूर, समय ने उस आग को और भड़का दिया था, शिकारी का दिमाग बेहद सख्त और अड़ियल था और बदले का खयाल उस के ऊपर इस तरह हावी हो चुका था कि किसी और भावना की जगह नहीं बची थी. वह बेहद व्यावहारिक किस्म का था. उस ने जल्दी ही जान लिया कि उस की मजबूत काठी भी उस मेहनत और तनाव को ज्यादा दिन नहीं झेल पाएगी, जिस से वह गुजर रहा था. पौष्टिक खुराक की कमी और सरदीगरमी के थपेड़ों से वह गलता जा रहा था. अगर पहाड़ों के बीच वह कुत्ते की मौत मर गया, तो उस के इंतकाम का क्या होगा? पर ऐसी मौत

उस पर जरूर हावी हो जाएगी अगर वह यूं ही भटकता रहेगा. उसे लगा कि यह तो दुश्मन की इच्छा पूरी करने की बात हो जाएगी, इसलिए बेमन से वह नेवाडा की खदानों की ओर लौट गया कि अपनी सेहत बना ले और इतना पैसा कमा ले कि बेहिसाब अपने काम को अंजाम दे सके.

उस का इरादा था कि हद से हद एक साल तक गायब रहे, पर कुछ अनचाहे हालात ऐसे बन गए कि पांच सालों तक वह खदानों को नहीं छोड़ सका. पर इस समय के अंत तक उस के साथ हुए अन्याय और उस की प्रतिशोध की यादें उतनी ही तीखी थीं जितनी उस रात, जब वह जॉन फेरियर की कब्र पर खड़ा था. भेष और नाम बदल कर वह सॉल्ट लेक सिटी वापस पहुंचा, इस से बेपरवाह कि उस की अपनी जिंदगी का क्या होगा. बस इस बात की फिक्र थी कि वह न्याय पा सके. वहां बुरी खबर उस का इंतजार कर रही थी.

उन लोगों के बीच कुछ महीनों पहले ही चर्च में फूट पड़ गई थी. चर्च के कुछ युवा सदस्यों ने बुजुर्गों की सत्ता के खिलाफ बगावत कर दी, जिस का नतीजा यह हुआ कि कुछ असंतुष्ट यूटाह छोड़ कर चले गए थे. इन लोगों में ड्रेबर और स्टेंजरसन भी थे और किसी को भी नहीं मालूम था कि वे कहां गए थे. अफवाह थी कि ड्रेबर ने अपनी जायदाद का काफी हिस्सा पैसे में तबदील कर लिया है और वह यहां से काफी दौलतमंद हो कर गया है जबकि उस का मित्र स्टेंजरसन उस से काफी गरीब था. फिर भी, ऐसा कोई सुराग नहीं था कि अब वे लोग कहां हैं.

इतनी कठिन परिस्थिति में बड़े से बड़ा इंतकाम लेने को आतुर कोई भी व्यक्ति इंतकाम का खयाल छोड़ देता, पर जेफरसन होप एक पल को भी विचलित नहीं हुआ. उस के पास जितनी हैसियत थी जो उस ने इधरउधर काम कर के कमाई थी, वह संयुक्त राष्ट्र के शहरशहर में भटकता, दुश्मनों की खोज करता रहा. साल पर साल बीतते गए, उस के काले बाल अधपके हो गए, पर वह भटकता रहा. एक शिकारी कुत्ते के रूप में इनसान की तरह, उस के दिमाग में सिर्फ एक ही लक्ष्य था. आखिरकार उस की मेहनत रंग लाई.

वह सिर्फ एक खिड़की में किसी चेहरे की झलक थी पर उस झलक से वह समझ गया कि ओहियो के क्लीवलैंड में वे आदमी हैं जिन की उसे तलाश थी.

वह अपने ठिकाने पर आया. उस के मन में बदले की सारी योजना तैयार थी. पर ऐसा हुआ कि खिड़की से देखते हुए ड्रेबर ने सड़क पर खड़े

आदमी को पहचान लिया था और उस ने उस की आंखों में खून पढ़ लिया था. वह जल्दी से स्टेंजरसन के साथ, जो उस का निजी सेक्रेटरी बन चुका था, पुलिस के पास गया और उसे बताया कि उस की जान को खतरा है, एक पुराने विरोधी की ईर्ष्या और नफरत की वजह से. उस शाम जेफरसन होप को बंदी बना लिया गया और जमानत न ढूंढ़ पाने की वजह से कुछ हफ्तों तक वह कैद रहा. आखिरकार जब वह रिहा हुआ, तो उसे पता चला कि ड्रेबर का घर खाली हो चुका है और वह और उस का सेक्रेटरी यूरोप जा चुके हैं.

एक बार फिर बदला लेने वाले को मात मिली थी और एक बार फिर उस की बदले की आग ने उस को उन का पीछा करने के लिए उकसाया. पर उस के पैसे खत्म होते जा रहे थे और कुछ समय के लिए उसे काम पर वापस लौटना पड़ा. वह अपनी आने वाली यात्रा के लिए हर डॉलर को बचाता था. अंत में जब उस ने जीने लायक काफी धन कमा लिया, वह यूरोप की ओर रवाना हो गया. उस ने शहरशहर अपने दुश्मनों की खोज की, कोई भी काम करना स्वीकार किया, पर वे नहीं मिले.

जब वह सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचा, वे लोग पेरिस जा चुके थे और जब वह उन के पीछे वहां गया, उसे पता चला कि वे हाल ही में कोपनहागेन जा चुके हैं. डेनमार्क की राजधनी पहुंचने में उसे फिर कुछ दिनों की देरी हो गई क्योंकि वे लोग लंदन जा चुके थे, जहां अंत में वह उन तक पहुंच गया था. अब लंदन में क्या घटा, बेहतर होगा कि हम युवा शिकारी का ही बयान सुन लें, जो डाक्टर वॉटसन के जर्नल में दर्ज है, जिस के हम पहले ही इतने आभारी हैं.

जॉन वॉटसन एम.डी. के आगे के संस्मरण

हमारे बंदी की खुद को बचाने की कोशिश यह नहीं दिखा रही थी कि वह हम से भी नाराज है, क्योंकि जब उस ने अपने को बेबस पाया, वह बड़े प्यार से मुसकराया और उम्मीद की कि उस लड़ाईझगड़े से हम में से किसी को चोट नहीं लगी होगी. “मैं सोचता हूं कि तुम मुझे पुलिस स्टेशन ले जाओगे,” उस ने शरलॉक होम्स से कहा, “मेरी कैब दरवाजे पर खड़ी है. अगर तुम मेरे पैरों के बंधन खोल दोगे, तो मैं पैदल नीचे तक जा सकूंगा, मैं उठाने में अब उतना हलका नहीं रहा, जितना मैं हुआ करता था.”

ग्रेगसन और लेस्ट्रेड ने एक दूसरे से नजर मिलाई, मानो सोच रहे हों कि यह कितनी ढिठाई भरी फरमाइश है. पर होम्स ने फौरन बंदी की बात मान ली और वह तौलिया ढीला कर दिया जो उसे उस के पैरों में बांधा गया था. वह उठा. उस ने अपने पैरों को फैलाया, मानो अपने को विश्वास दिला रहा हो कि वह एक बार फिर से आजाद है. मुझे याद है कि जब मैं ने देखा, तो मुझे लगा कि मैं ने शायद ही इतना हृष्टपुष्ट डीलडौल वाला आदमी पहले कभी देखा होगा. उस के धूप से काले पड़े चेहरे पर दृढ़ता के वे भाव थे, जो उस की शारीरिक ताकत के अनुरूप ही भीषण प्रतीत हो रहे थे.

“अगर पुलिस चीफ की कोई जगह खाली है, तो मैं सोचता हूं कि तुम से ज्यादा काबिल कोई नहीं हो सकता,” उस ने खुली प्रशंसा की दृष्टि से मित्र को निहारते हुए कहा. जिस तरह से तुम ने मेरा पीछा किया.”

“बेहतर होगा कि तुम मेरे साथ आओ,” होम्स ने दोनों जासूसों से कहा.

“मैं तुम लोगों के लिए गाड़ी चला सकता हूं.” लेस्ट्रेड ने कहा.

“बहुत बढ़िया और ग्रेगसन हमारे साथ अंदर आ सकता है. तुम भी चलो डाक्टर, तुम ने इस केस में रुचि दिखाई है और इसलिए हमारे साथ ही रहो.”

मैं खुशी से तैयार हो गया और हम सब साथसाथ नीचे गए. हमारे कैदी ने भागने की कोई कोशिश नहीं की. वह शांति से कैब में बैठ गया, जो उस की ही थी और हम लोग उस के पीछे चले. लेस्ट्रेड ऊपर चढ़ा और घोड़े को चाबुक लगाया और बहुत कम समय में ही हम को अपनी मंजिल तक ले गया जहां, एक पुलिस इंस्पेक्टर ने हमारे कैदी का नाम और उन लोगों के नाम जिन की हत्या का उस पर आरोप था, दर्ज किया. यह इंस्पेक्टर सफेद चेहरे वाला, भावहीन आदमी था, जो अपना काम बड़ी रुखाई से मशीनी

तरीके से कर रहा था. “इसी हफ्ते में कैदी को मैजिस्ट्रेट के आगे पेश किया जाएगा,” उस ने कहा, इस दौरान, मिस्टर जेफरसन होप, क्या तुम को कुछ कहना है? मैं तुम को चेतावनी देता हूं कि तुम्हारे शब्द लिख लिए जाएंगे और उन का इस्तेमाल तुम्हारे खिलाफ किया जा सकता है.”

“मेरे पास कहने के लिए बहुत कुछ है,” धीरे से कैदी ने कहा. “मैं अपने सज्जनों को सब कुछ बताना चाहता हूं.”

“क्या तुम वह अपनी पैरवी के लिए नहीं रखोगे?” इंस्पेक्टर ने पूछा.

“मेरी पेशी कभी नहीं होगी.” उस ने जवाब दिया. “आप इतना चौंकिए मत. मैं आत्महत्या के बारे में नहीं सोच रहा हूं. क्या आप डाक्टर हैं?” उस ने अपनी तेज, काली आंखें मेरे ऊपर टिका कर अपना आखिरी सवाल पूछा.

“हां, मैं हूं.” मैं ने जवाब दिया.

“फिर यहां पर अपना हाथ रखो,” उस ने मुसकरा कर कहा और अपने हथकड़ी से जकड़े हाथों से अपनी छाती की ओर इशारा किया.

मैं ने ऐसा किया और उसी वक्त मैं ने महसूस किया कि उस के सीने में कितनी ज्यादा हलचल थी और धड़कन कितनी बढ़ी हुई थी. उस के सीने की दीवारें इस तरह हिल रही थीं, मानो किसी ताकतवर इंजिन के चलने से कोई कमजोर इमारत हिल रही हो. कमरे की चुप्पी में भी मैं उस गड़गड़ाहट को सुन पा रहा था, जो उस की छाती से ही आ रही थी.

“तुम को तो एओरटिक अन्यूरिज्म है!”

“ऐसा कह कर वे इस रोग को नाम देते हैं;” उस ने शांति से कहा. “पिछले हफ्ते मैं इस को दिखाने के लिए एक डाक्टर के पास गया था और उस ने मुझे बताया कि अब कुछ ही दिनों में यह फट जाएगा. कई सालों से यह बिगड़ता ही जा रहा था. सॉल्ट लेक पहाड़ों में कुपोषण और कठिन परिस्थितियों के कारण यह रोग मुझे लगा है. मैं ने अब अपना काम खत्म कर लिया है और मुझे परवाह नहीं कि मैं कब खत्म हो जाऊंगा, पर मैं अपनी सारी कहानी सुना देना चाहता हूं. मैं नहीं चाहता कि मुझे आम हत्यारा समझा जाए.”

इंस्पेक्टर और दोनों जासूसों ने आपस में सलाह की कि उस को अपनी कहानी सुनाने देना ठीक होगा कि नहीं.

“डाक्टर, क्या तुम को लगता है कि इस की जान खतरे में है?” उस ने पूछा.

“हां, इस में कोई शक नहीं.” मैं ने जवाब दिया.

“उस हालत में, न्याय की खातिर हमारा फर्ज बनता है कि उस का बयान ले लिया जाए,” इंस्पेक्टर ने कहा, “सर, आप को आजादी है कि आप अपना बयान दें और मैं आप को फिर से चेतावनी देता हूं, कि वह दर्ज कर लिया जाएगा.”

“आप की अनुमति हो तो मैं बैठ जाता हूं.” कैदी ने अपनी बात पर अमल करते हुए कहा. “इसी बीमारी की वजह से मैं जल्दी थक जाता हूं और जो धींगामुश्ती आधा घंटे पहले हुई थी, इस से मेरी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ. मैं कब्र में पैर लटकाए खड़ा हूं और इस की संभावना नहीं है कि मैं आप लोगों से झूठ बोलूंगा. मेरा हर शब्द पूरा सच है और आप इस का कैसे इस्तेमाल करेंगे, इस बात से मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता.”

इन शब्दों के साथ जेफरसन होप अपनी कुरसी पर पसर गया और उस ने आश्चर्यजनक बयान दिया. वह शांत और सिलसिलेवार तरीके से बोल रहा था, मानो जो घटनाएं उस ने बताईं, वे आम थीं. साथ दिए विवरण की सचाई की मैं कसम खा सकता हूं क्योंकि मैं ने लेस्ट्रेड की नोटबुक पढ़ी है, जिस में कैदी के शब्दों को हूबहू वैसे ही लिखा गया था, जैसे वे बोले गए थे.

“इस से आप को कोई मतलब नहीं कि मुझे इन लोगों से इतनी नफरत क्यों थी,” वह बोला- यह काफी है कि वे दोनों दो इनसानों की मृत्यु के जिम्मेदार थे- एक बाप और एक बेटी की और इसलिए उन्होंने जिंदगियां खतरे में डाल दी थीं. उन के अपराध को इतना वक्त बीत चुका था कि मैं किसी अदालत में उन को नहीं घसीट सकता था, पर मैं जानता था कि वे दोषी हैं और मैं ने फैसला कर लिया कि मैं ही वकील, जज, सूली पर लटकाने वाला- सब कुछ बन जाऊंगा. आप भी ऐसा ही करते, अगर आप में थोड़ी सी भी ताकत होती, अगर आप मेरी जगह होते.

जिस लड़की की मैं बात कर रहा था, वह बीस साल पहले मुझ से शादी कर चुकी थी. उस को इसी ड्रेबर के साथ शादी करने को मजबूर किया गया और उसी में वह अपना दिल तोड़ बैठी. मैं ने उस के मृत शरीर की अंगुली से अंगूठी निकाली. मैं ने कसम खाई कि ड्रेबर की मरती हुई आंखें इसी अंगूठी को देख कर बंद होंगी. उस के आखिरी खयाल इस अपराध के होंगे जो उस ने किया था और जिस की अब उसे सजा मिल रही

थी. मैं इसे हर जगह साथ ले कर घूमा हूं. मैं ने इस का और इस साजिश में शामिल इस के दोस्त का दो महाद्वीपों में तब तक पीछा किया जब तक मैं ने उन को ढूंढ़ नहीं लिया. उन्होंने सोचा कि वे मुझे थका देंगे, पर वे ऐसा नहीं कर पाए. अगर मैं कल मर भी जाता हूं, जिस की संभावना काफी है, मैं यह जानते हुए मरूंगा कि मैं ने इस दुनिया में अपना काम पूरा कर लिया है और अच्छी तरह पूरा किया है. वे खत्म हो चुके हैं, वे भी मेरे हाथों अब मेरे लिए कुछ भी नहीं बचा है, न उम्मीद न इच्छा.

वे अमीर थे और मैं गरीब था इसलिए उन का पीछा करना मेरे लिए कोई आसान नहीं था. जब मैं लंदन आया, मेरी जेब करीबकरीब खाली थी और मैं समझ गया कि मुझे कुछ काम कर के पैसा कमाना होगा. ड्राइव करना मेरे लिए उतना ही आसान है जितना पैदल चलना, इसलिए मैं ने एक कैब के मालिक के दफ्तर में कोशिश की और जल्दी ही मुझे नौकरी मिल गई. हर हफ्ते मुझे कैब के मालिक को कुछ रकम देनी होती और उस से जो कुछ बचता, उसे मैं रख सकता था. मेरे पास कभीकभी ही पैसे बच पाते थे, पर मैं किसी तरह काम चलाता गया. सब से कठिन काम था यहां के रास्तों से वाकिफ होना, क्योंकि मैं समझता हूं कि इस शहर की गलियां बहुत ज्यादा पेचीदा हैं, फिर भी मेरे पास एक नक्शा रहता था और एक बार यहां के मुख्य होटल और स्टेशनों को देख लेने के बाद मेरा काम आसान हो गया.

यह ढूंढ़ने में मुझे थोड़ा वक्त लग गया कि मेरे दोनों सज्जन कहां रह रहे हैं. पर मैं पूछताछ करता रहा, जब तक मैं ने इन्हें ढूंढ़ नहीं निकाला. वे केंबरवेल के एक बोर्डिंग हाउस में रह रहे थे-नदी के उस पार एक बार उन को ढूंढ़ लिया. मैं जानता था कि अब वे मेरी कृपा पर हैं. मैं ने अपनी दाढ़ी बढ़ा ली थी और किसी सूरत में वे मुझे पहचान नहीं सकते. मैं उन से बचता हुआ उन का पीछा करता रहा, जब तक मुझे ठीक मौका नहीं मिल गया. मेरा पक्का इरादा था कि वे फिर से मुझ से बच नहीं पाएंगे.

पर इस सब के बावजूद वे फिर करीबकरीब बच निकलते. वे लंदन में कहीं भी जाते. मैं हमेशा उन के पीछे होता. कभी मैं अपनी कैब से पीछा करता, कभी पैदल. पर कैब ही सब से ठीक था क्योंकि फिर वे मेरी आंखों से ओझल नहीं हो सकते थे. मैं सिर्फ सुबह तड़के या देर शाम कमा पाता इसलिए मेरा मालिक मुझ से नाराज रहने लगा. मुझे इस का कोई दुख नहीं हुआ, अगर मैं अपने दुश्मनों को पकड़ पाने में कामयाब रहता हूं.

पर वे बड़े चालाक थे. उन्होंने समझ लिया होगा कि उन का पीछा किया जा सकता है, क्योंकि वे कभी अकेले नहीं जाते और रात के बाद

कभी नहीं. दो हफ्तों तक मैं ने उन का पीछा किया और एक बार भी मैं ने उन को अलग होते नहीं देखा. ड्रेबर खुद आधा समय नशे में रहता था, पर स्टेंजरसन को कभी असावधान नहीं देखा. उन को देर रात में भी देखा और सवेरे भी. कभी मौके का साया भी नहीं दिखा, पर मैं निराश नहीं हुआ क्योंकि मेरा मन कह रहा था कि समय आ गया है. मेरा एक ही डर था कि मेरी छाती का यह रोग कहीं कुछ ज्यादा जल्दी न फट जाए और मेरा काम अधूरा न रह जाए.

आखिर में एक शाम मैं टॉरके रोड में इधर से उधर ड्राइव कर रहा था, जो उस सड़क का नाम था जिस में वे ठहरे थे, तभी मैं ने उस के दरवाजे पर एक कैब को रुकते देखा, फिर कुछ सामान बाहर लाया गया और थोड़ी देर में ड्रेबर और स्टेंजरसन भी बाहर आए और कैब में बैठ कर चले गए. मैं ने अपने घोड़े को दौड़ाया और उन पर नजर बनाए रखी और मुझे काफी घबराहट हो रही थी क्योंकि मैं समझ रहा था कि वे अपना ठिकाना बदलने वाले हैं. यूस्टन स्टेशन पहुंच कर वे बाहर निकले और मैं एक लड़के को अपना घोड़ा सौंप कर उस के प्लेटफॉर्म तक गया. मैं ने उन्हें लिवरपूल की ट्रेन के बारे में पूछते सुना और गार्ड ने जवाब दिया कि एक अभीअभी गई है और दूसरी आने में कई घंटे बाकी हैं. स्टेंजरसन इस बात से परेशान लगा, पर ड्रेबर खुश था. भीड़भाड़ में मैं उन के इतना करीब पहुंच गया कि मैं एकएक शब्द सुन सकता था, जो वे एक दूसरे से कह रहे थे. ड्रेबर ने कहा कि उस को कुछ काम है और अगर दूसरा उस का इंतजार करेगा, तो वह कुछ देर बाद उस को यहीं पर मिलेगा.

उस के मित्र ने उस से बहस की कि उन लोगों ने ठाना था कि एक साथ रहेंगे. ड्रेबर ने जवाब दिया कि मामला कुछ नाजुक है और उस को अकेले ही जाना होगा. मैं यह नहीं सुन पाया कि स्टेंजरसन ने उस से क्या कहा, पर ड्रेबर तुरंत कसमें खाने लगा कि स्टेंजरसन उस का नौकर भर है और उस पर हुक्म न चलाए. इस पर सेक्रेटरी ने बात वहीं खत्म कर दी और यह शर्त रखी कि यदि आखिरी ट्रेन उस से छूट जाती है, तो वह उसे हैलीडे के प्राइवेट होटल में मिलेगा, जिस पर ड्रेबर ने जवाब दिया कि वह ग्यारह बजे से पहले प्लेटफार्म पर आ जाएगा और फिर वह स्टेशन के बाहर चला गया.

जिस क्षण का मुझे इंतजार था, वह आखिर आ ही गया था. मेरे दुश्मन मेरे कब्जे में थे. साथ रह कर वे एक दूसरे को बचा सकते थे, पर अकेले वे मेरे रहम पर थे. फिर भी मैं ने ज्यादा हड़बड़ी से काम नहीं किया. मेरी योजना बन चुकी थी. इंतकाम लेने में तब तक मजा नहीं आता, जब तक सजा पा रहे व्यक्ति को समझ में नहीं आ जाता कि उस पर हमला करने

वाला कौन है और उस को किस बात की सजा मिल रही है. मैं ने अपनी योजना ऐसे बनाई थी कि मुझे उस आदमी को, जिस ने मेरे खिलाफ अपराध किया था, यह जानने का मौका मिल जाए कि उस के अपराध ने आखिर उसे धरपकड़ा था.

ऐसा हुआ कि कुछ दिन पहले एक सज्जन ने जिन पर ब्रिक्सटन रोड के कुछ घरों की निगरानी करने की जिम्मेदारी थी, एक घर की चाबी मेरी गाड़ी में गिरा दी थी. उसी शाम वह उसे वापस ले गया पर इस दौरान मैं ने उस चाबी की एक दूसरी चाबी और बना ली थी. इस से मैं इस बड़े शहर में कम से कम एक अड्डे में तो आ जा सकता था, जहां मुझे कोई रोकटोक नहीं पाता. ड्रेबर को उस घर तक ले कैसे जाऊं, यही कठिन समस्या मुझे अब सुलझानी थी.

वह सड़क पर चलते हुए एक दो शराब की दुकानों पर गया और आखिरी वाली दुकान में उस ने कम से कम आधा घंटा बिताया. जब वह वापस आया उस की चाल में लड़खड़ाहट थी और साफ था कि वह नशे में धुत है. मेरे ठीक सामने एक हैनसन थी और उस ने उसे बुलाया. मैं ने उस का इतने करीब से पीछा किया कि मेरे घोड़े की नाक हैनसन से आधा मीटर की दूरी पर रही. हम वॉटरलू पुल से होते हुए काफी दूर सड़कों पर चलते रहे और फिर आश्चर्यजनक रूप से हम वापस उसी जगह आ पहुंचे, जहां से हम चले थे. मैं सोच नहीं पा रहा था कि यहां पर वापस आने का उस का क्या मकसद है, पर मैं चलता रहा और करीब सौ मीटर की दूरी पर रुक गया. वह अंदर गया और हैनसन चली गई. “मुझे एक गिलास पानी दीजिए, यदि दे सकें तो. मेरा मुंह सूख रहा है बोलतेबोलते.”

मैं ने गिलास पकड़ाया और वह गटगट कर के पी गया.

“अब बेहतर है,” वह बोला- खैर मैं पंद्रह मिनट से ज्यादा समय तक इंतजार करता रहा कि अंदर ऐसा शोर मचा मानो घर के भीतर लोगों में झगड़ा हो रहा हो. अगले क्षण दरवाजा भड़ाक से खुला और दो आदमी प्रकट हुए, एक ड्रेबर और दूसरा युवक जिसे मैं ने पहले नहीं देखा था. इस युवक ने ड्रेबर की कॉलर पकड़ रखी थी और जब वे सीढ़ियों पर आए, उस ने उसे लात मारी और धक्का दिया, जिस से वह सड़क के उस पार जा गिरा. कुत्ते! अपनी छड़ी हिलाते उस की ओर हिलाते हुए वह चिल्लाया; “मैं तुम्हें बताता हूं कि एक भोली लड़की की बेइज्जती कैसे की जाती है!” वह गुस्से से इतना बौखलाया हुआ था कि मुझे लगा कि वह ड्रेबर को अपने डंडे से कुचल डालता, पर वह कुत्ता अपनी पूरी ताकत से भाग निकला.

भागतेभागते नुक्कड़ पर उस ने मेरी कैब खड़ी देखी और वह उस में बैठ गया. “हैलीडे प्राइवेट होटल में मुझे ले चलो!” वह बोला.

जब वह मेरी कैब में ठीक से बैठ चुका, मेरा दिल खुशी से इतना उछला कि मुझे डर लगा कि कहीं इस आखिरी समय पर मेरी बीमारी बढ़ न जाए. मैं धीरेधीरे चलता रहा, यह सोचता हुआ कि कौन सा तरीका सब से अच्छा होगा. मैं उसे इस शहर से एकदम बाहर ले जाऊंगा और वहां किसी सुनसान जगह पर इस से अपने दिल की बात कहूंगा. मैं लगभग निश्चय कर चुका था कि ऐसा ही करूंगा कि उस ने मेरी समस्या हल कर दी. नशे की ललक उस पर फिर से हावी हो चुकी थी और उस ने मुझ से किसी शराब की दुकान पर रुकने के लिए कहा. वह अंदर गया, यह कह कर कि मैं उस का इंतजार करूं. वहां वह दुकान बंद होने तक रहा और जब वह बाहर आया, वह इतना धुत हो चुका था कि मैं समझ गया कि खेल अब मेरे हाथ में है.

यह मत सोचना कि मैं उस को क्रूरता से मारना चाहता था. ऐसा करना हालांकि न्यायसंगत होता, पर मैं इस के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाया. मैं ने बहुत पहले निश्चय कर लिया था कि उस को अपना बचाव करने का मौका जरूर दूंगा. अगर वह इस का फायदा उठा सके. जब मैं अमरीका में भटकता फिर रहा था, मैं ने तरहतरह के काम किए थे, जिन में एक था- यॉर्क कालेज की प्रयोगशाला के जमादार के रूप में काम करना.

एक दिन प्रोफेसर जहरों के बारे में लेक्चर दे रहे थे और उन्होंने अपने छात्रों को एल्कालॉयड दिखाए. जो उन्होंने दक्षिणी अमरीका के किसी जहर बुझे तीर से प्राप्त किया था और जो इतना तेज था कि छोटी सी छोटी बूंद का मतलब था तुरंत मौत. मैं ने वह शीशी देख ली जिस में यह जहर था और जब सब चले गए, मैं ने इस में से थोड़ा सा जहर चुरा लिया. इस जहर को मैं ने छोटीछोटी गोलियों में बांटा और एकएक गोली को डिबिया में बंद किया, एक ऐसी गोली के साथ जिस में जहर नहीं मिला था. उस समय मैं ने निश्चय किया कि जब मुझे मौका मिलेगा, मेरे मुजरिम को एक डिबिया से एक गोली चुनने का मौका दूंगा, जबकि दूसरी गोली मैं खुद खाऊंगा. यह उतना ही जानलेवा होगा, पर बंदूक की गोली से कम आवाज करेगा. उस दिन से मैं गोलियों की डिबिया हमेशा अपने पास रखने लगा था. अब समय आ गया था कि मैं उन का इस्तेमाल करूं.

रात के करीब एक बजे थे. बड़ी तूफानी रात थी- तेज हवाओं और घनघोर बरसात वाली. बाहर जितनी उदासी थी, मेरे मन में उतनी ही खुशी थी, इतनी खुशी कि मैं खुशी के मारे चिल्ला सकता था. अगर तुम में से

किसी ने कभी दिल से कुछ चाहा हो और बीस साल तक उसे पाने की इच्छा की हो और फिर उस को अचानक अपनी मुट्ठी में पाया हो, तो तुम मेरी भावना को समझोगे. मैं ने सिगार सुलगाई और अपने को शांत करने के लिए कश खींचे, पर खुशी के मारे मेरे हाथ कांप रहे थे और मेरी कनपटी फड़क रही थी. गाड़ी चलाते समय मैं बूढ़े जॉन फेरियर और प्यारी लूसी को अंधेरे में से अपनी ओर मुसकराते देख पा रहा था. उतने ही साफ तौर पर, जैसे मैं इस कमरे में आप सब को देख रहा हूं. सारे रास्ते वे मेरे आगे थे. दोनों घोड़े के एकएक तरफ, जब मैं ने ब्रिक्सटन रोड पर गाड़ी रोकी.

"वहां पर एक भी आदमी नहीं था, न कोई आवाज सुनाई दे रही थी, टपकती हुई बारिश के अलावा. जब मैं ने खिड़की से अंदर देखा, तो मैं ने पाया कि ड्रेबर नशे में बेसुध सो रहा है. मैं ने उस की बांह पकड़ कर झंझोड़ा, बाहर निकलने का वक्त हो गया है," मैं ने कहा.

"ठीक है, केबी," वह बोला.

मैं सोचता हूं कि उसे लग रहा था कि हम उस के बताए होटल पर पहुंच चुके हैं, फिर वह बिना एक भी शब्द बोले बाहर निकला और बगीचे से होते हुए मेरे पीछेपीछे चलने लगा. मुझे उस के साथ ही रहना पड़ा कि वह गिर न पड़े, क्योंकि वह काफी नशे में था. जब हम दरवाजे पर आए, मैं ने उसे खोला और आगे वाले कमरे तक ले आया. मैं कसम खाता हूं कि सारे रास्ते पिता और बेटी हमारे आगे चल रहे थे.

"यहां तो नरक जैसा अंधेरा है," इधरउधर पैर पटकता वह बोला.

"अभी रोशनी हो जाएगी," मैं ने माचिस सुलगा कर मोमबत्ती जलाते हुए कहा जो मैं अपने साथ लाया था. "अब एनोक ड्रेबर," उस की ओर मुड़ कर रोशनी अपने चेहरे पर लाते हुए मैं ने कहा, "मैं कौन हूं?"

क्षणभर को उस ने अस्पष्ट, नशे से भरी आंखों से मुझे देखा और फिर मैं ने उस की आंखों में खौफ छलकता देखा, जिस से उस का चेहरा विद्रूप हो गया. मैं समझ गया कि वह मुझे पहचान गया है. स्याह चेहरा लिए वह पीछे की ओर लड़खड़ाया और मैं ने उस के माथे पर पसीना छलकते देखा. उस के दांत किटकिटा रहे थे. यह देख कर मैं ने अपनी पीठ दरवाजे से सटा ली और जोरों से देर तक हंसता रहा. मैं ने हमेशा जाना था कि मेरा इंतकाम मीठा होगा, पर मुझे इतनी संतुष्टि मिलने की उम्मीद नहीं थी, जो इस वक्त मैं महसूस कर रहा था.

"कुत्ते!" मैं ने कहा, "मैं ने साल्ट लेक सिटी से सेंट पीटर्सबर्ग तक तुम्हारा पीछा किया है और तुम हमेशा बच निकले हो. अब तुम्हारे घूमने का अंत हो गया है, क्योंकि या तो तुम या फिर मैं कल के सूरज को उगता नहीं देख सकेंगे." वह मुझ से और भी दूर चला गया और मैं उस के चेहरे पर देख रहा था जो यह था कि वह सोच रहा था कि मैं पागल हूं. जो मैं उस वक्त था. मेरी कनपटी पर हथौड़े से बज रहे थे और मैं सोचता हूं कि मुझे दौरा पड़ गया होता अगर मेरे नाक से खून की नकसीर नहीं छूटी होती, जिस से मुझे आराम मिला.

"लूसी फेरियर के बारे में अब क्या खयाल है?" दरवाजे पर ताला लगा कर चाबी उस के नाक के नीचे हिलाते हुए मैं ने पूछा. "सजा ने आने में देर जरूर की है, पर वह तुम तक पहुंच ही गई." मैं ने उस के डरपोक होंठों को कांपते हुए देखा. वह जरूर अपनी जिंदगी की भीख मांगता पर वह अच्छी तरह जानता था कि ऐसा करना बेकार है.

"क्या तुम मुझे मार डालोगे?" वह हकलाया. "हत्या तो नहीं होगी," मैं ने जवाब दिया. "पागल कुत्ते की हत्या करने की किस को सूझती है? तुम ने मेरी प्रेमिका पर कौन सा रहम बरसाया था जब तुम ने उसे उस के कत्ल किए बाप से अलग किया था और अपने शर्मनाक हरम में खींच ले गए थे."

"उस के पिता का खून मैं ने नहीं किया था." वह रोया. "पर उस के मासूम दिल को तो तुम्हीं ने तोड़ा था," अपनी डिबिया उस के सामने करता मैं चीखा. "हमारे बीच अब भगवान को न्याय करने दो. चुनो और खा लो. एक में मौत है, और दूसरी का मतलब है जीवन. मैं वह लूंगा जो तुम छोड़ दोगे. अब देखते हैं कि इस जमीन में न्याय है या नहीं."

जोर से चिल्लाता हुआ और रहम की भीख मांगता हुआ वह पीछे हटने लगा पर मैं ने अपना चाकू निकाल कर उस के गले पर रख दिया, जब तक उस ने मेरा कहना मान नहीं लिया. फिर दूसरी गोली मैं ने सटक ली और हम एक दूसरे को खड़े चुपचाप देखते रहे, एक मिनट से ज्यादा समय तक, इस इंतजार में कि देख सके कि कौन जिएगा और कौन मरेगा. क्या मैं उस के उस भाव को कभी भूल पाऊंगा जो उस के चेहरे पर उस वक्त आया, जब उसे पहली बार एक एहसास हुआ कि जहर उस के शरीर में फैल रहा है.

उसे देख कर मैं हंसा और लूसी की शादी की अंगूठी उस की आंखों के सामने रखी. वह भी मैं एक क्षण को ही रख पाया क्योंकि एल्कालायड का

असर तेजी से होता है. दर्द की लहर से उस का चेहरा बिगड़ गया. उस ने अपने हाथ आगे की ओर बढ़ाए, लड़खड़ाया और भर्राए गले से चीखता हुआ जमीन पर गिर गया. मैं ने पैर से उस को सीधा किया और अपना हाथ उस के सीने पर रखा. वहां कोई हलचल नहीं थी. वह मर गया था!

मेरी नाक से खून बह रहा था, पर मैं ने उस पर ध्यान नहीं दिया. मुझे मालूम नहीं कि मुझे क्या सूझा कि मैं ने दीवार पर उस खून से लिख दिया. शायद कोई खुराफाती खयाल था पुलिस को गलत सुराग पर भेजने का. क्योंकि उस के बाद मेरा दिल हलका हो गया. मुझे एक जर्मन की याद आई जिस के मृत शरीर पर 'रेशे' लिखा हुआ था और उस समय अखबारों में बहस छिड़ी थी कि किसी गुप्त संस्था ने यह काम किया होगा. मैं ने सोचा कि जिस बात ने न्यूयॉर्क के लोगों को असमंजस में डाला था, वही बात लंदन वालों को भी दुविधा में डालेगी, इसलिए मैं ने अपने ही खून में उंगली डुबोई और दीवार पर लिख दिया.

फिर मैं अपनी कैब तक गया और देखा कि वहां कोई नहीं है और रात अभी बहुत तूफानी थी. मैं ने कुछ दूर तक कैब चलाई. सहसा मैं ने उस जेब में हाथ डाला जिस में मैं लूसी की अंगूठी रखता था और देखा कि वह उस में नहीं है. मेरे ऊपर मानो गाज गिर गई, क्योंकि मेरे पास उस की सिर्फ यही निशानी थी. यह सोच कर कि जब मैं ड्रेबर के शरीर पर झुका, तब यह फिसल गई होगी, मैं वापस गया और एक गली में कैब खड़ी की. मैं सीना तान कर अंदर गया, क्योंकि अंगूठी पाने के लिए मैं कुछ भी कर सकता था. जब मैं वहां पहुंचा तो मैं सीधा एक पुलिस अफसर से जा टकराया जो बाहर खड़ा था. जैसेतैसे मैं वहां से नशे में धुत होने का नाटक कर के ही निकल सका.

इस तरह एनोक ड्रेबर को मौत मिली. उस के बाद मुझे सिर्फ इतना करना था कि स्टेंजरसन के साथ भी यही करूं और इस तरह जॉन फेरियर का कर्ज उतारूं. मैं जानता था कि वह हैलीडे प्राइवेट होटल में रुका है. मैं सारा दिन वहीं मंडराता रहा, पर वह बाहर नहीं निकला. मुझे लगता है कि ड्रेबर जब नहीं लौटा, तो उसे शक हो गया था. स्टेंजरसन चालाक था और हमेशा सतर्क! अगर उस ने सोचा कि अंदर रह कर मुझे धोखे में रख सकता था, तो वह गलत था. मैं ने जल्दी ही पता लगा लिया कि उस के बेडरूम की कौन सी खिड़की है और अगले दिन बहुत सवेरे मैं ने वहां रखी सीढ़ी का फायदा उठाया. तड़के के धुंधलके में उस के कमरे में पहुंच गया.

मैं ने उसे जगाया और उसे बताया कि उस का समय आ गया है, जब उसे उस जिंदगी का जवाब देना होगा जो उस ने बहुत पहले खत्म कर दी

थी. मैं ने उस को ड्रेबर की मौत का पूरा किस्सा सुनाया. फिर मैं ने उस से जहरीली गोलियों में से एक गोली चुनने के लिए कहा. मेरी बात मानने की बजाए, जिस में शायद वह बच भी जाता, वह बिस्तर से लपका और मेरे गले पर झपटा. अपनी रक्षा में मैं ने उस के सीने में छुरा भोंक दिया. वैसे भी उसे मारना ही था, क्योंकि किस्मत कभी भी उस के पापी हाथों में जहरीली गोली के सिवा और कुछ नहीं आने देती.

मेरे पास कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है, क्योंकि अब मैं करीबकरीब खत्म हो चुका हूं. एक दो दिनों तक मैं कैब चलाता रहा ताकि इतना बचा लूं कि वापस अमरीका जा सकूं. मैं वहीं पर खड़ा था कि एक गंदे से युवक ने मुझ से पूछा कि क्या वह जेफरसन होप नाम का कैबी है और यह कि 221 बी, बेकर स्ट्रीट में एक सज्जन को उस के कैब की जरूरत है. मैं गया और मुझे किसी नुकसान का डर नहीं था. अगले ही पल इस युवक ने मेरी कलाई में हथकड़ियां पहना दी थीं- इतनी सफाई से कि मैं ने पहले कभी नहीं देखी थी. यह मेरी पूरी कहानी है. आप लोग मुझे हत्यारा मान सकते हैं, पर मैं मानता हूं कि मैं उतना ही बड़ा कानून का अफसर हूं जितने आप लोग.

इस आदमी की दास्तान इतनी रोमांचकारी थी और उस का तरीका इतना दिलचस्प कि हम सब चुपचाप बैठ उस की कहानी में डूबे रहे. वे जासूस भी, जो पेशेवर थे और अपराध देखने के इतने आदी, वे भी इस आदमी की कहानी में खो गए थे. जब उस ने अपनी बात खत्म की, हम सब कुछ देर के लिए बुत बने बैठे रहे और आसपास की खामोशी सिर्फ लेस्ट्रेड की पेंसिल की आवाज से टूट रही थी, जब वह शार्टहैंड में सारी बात लिख रहा था.

“एक ही पहलू है जिस पर मुझे थोड़ी और जानकारी चाहिए,” आखिर में शरलॉक होम्स ने कहा, तुम्हारी मदद करने वाला वह कौन था, जो वह अंगूठी लेने आया था, जिस का हम ने इश्तिहार दिया था?”

कैदी ने मजाक में मेरे मित्र को देख कर आंख मारी, “मैं अपने सारे रहस्य बता सकता हूं.” वह बोला, “पर मैं दूसरों को जोखिम में नहीं डालता. मैं ने आप का इश्तिहार देखा और मैं ने सोचा कि आप की या तो यह चाल है या फिर वही अंगूठी है जो मैं चाह रहा था. मेरे दोस्त ने वहां जा कर देखने की बात मान ली. मैं सोचता हूं कि आप को मानना ही पड़ेगा कि उस ने बड़ी होशियारी से काम किया.”

“इस में कोई शक नहीं.” होम्स ने दिल खोल कर कहा.

“अब, सज्जनो,” इंस्पेक्टर ने गंभीरता से कहा. “कानून के नियमों का पालन करना होगा. गुरुवार को कैदी को मजिस्ट्रेट के सामने लाना होगा और आप की हाजिरी जरूरी है, तब तक मैं इस का जिम्मेदार हूं.” बोलते हुए उस ने घंटी बजाई और जेफरसन होप को दो वार्डर ले गए. मैं और मेरा दोस्त पुलिस स्टेशन के बाहर आए और कैब पकड़ कर बेकर स्ट्रीट लौट गए.

समापन

हम सब को आगाह किया गया था कि गुरुवार को मजिस्ट्रेट के आगे हाजिर हों. पर गुरुवार आने पर हमारी गवाही की कोई जरूरत नहीं रही. एक सीनियर जज ने मामला अपने हाथ में ले लिया था. जेफरसेन होप को एक ट्रिब्यूनल के सामने पेश होना था, जहां उसे कड़ी सजा सुनाई जानी थी. कैद होने वाली रात ही उस के दिल की धमनी फट गई और सवेरे वह अपने सेल की फर्श पर पड़ा मिला. उस के चेहरे पर हलकी सी मुसकराहट थी, मानो वह अपने आखिरी लम्हों में अपनी बिताई जिंदगी से खुश हो.

"ग्रेगसन और लेस्ट्रेड उस की मौत से बौखला जाएंगे," होम्स ने टिप्पणी की, जब हम ने अगली शाम बात की. "अब उन के पास हांकने के लिए क्या रह जाएगा?"

"इस मामले में उन्होंने किया ही क्या था?" मैं ने जवाब दिया.

"इस दुनिया में तुम क्या करते हो, यह बात कोई मायने नहीं रखती," मेरे दोस्त ने कड़वाहट से कहा. "सवाल यह है कि तुम दूसरों को क्या भरोसा दिला सकते हो कि तुम ने क्या किया है. खैर कोई बात नहीं," वह थोड़ा रुक कर बोला. "इस खोजबीन को मैं अपने हाथ से गंवाना नहीं चाह रहा था. मेरी याद में इस से बेहतर केस आज तक नहीं आया है. हालांकि बहुत सादा था, पर फिर भी इस से कई बातें सीखी जा सकती हैं."

"सादा," मैं बोल पड़ा.

"असल में इस को और कुछ नहीं कहा जा सकता," मेरे ताज्जुब पर मुसकराते हुए शरलॉक होम्स ने कहा. "इस के बेहद सादा होने का सबूत यह है कि बगैर किसी मदद के और कुछ मामूली बातों से ही मैं तीन दिनों में ही गुनाहगार तक पहुंच गया."

"यह बात तो ठीक है," मैं ने कहा.

"मैं ने तुम्हें पहले ही समझाया है कि जो बात आम नहीं होती, ज्यादातर रोड़ा होने की बजाए रास्ता बता देती है. इस तरह की मुश्किल सुलझाने में, अहम बात होती है कि उलटा तर्क शुरू करो. यह बहुत फायदेमंद कला है और बड़ा ही आसान, पर लोग इस पर अमल नहीं करते. रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा फायदा होता है कि तर्क पहली सीढ़ी से शुरू किया जाए और इसलिए आखिरी सीढ़ी से शुरू होने वाले तर्क श्रृंखला की अवहेलना होती रहती है-"

“मैं मानता हूं,” मैं ने कहा, “मुझे तुम्हारी बात समझ में नहीं आई.”

“मुझे उम्मीद भी नहीं थी कि तुम समझ पाओगे, मुझे देखने दो कि मैं इसे साफ कैसे कर सकता हूं. अधिकतर लोग, अगर आप उन को घटनाक्रम बताएं, तो बता सकेंगे कि उस का नतीजा क्या निकला. वे उस घटनाक्रम को एक साथ मन में जोड़ कर उन से उस नतीजे पर पहुंच सकते हैं कि अंत में क्या हुआ होगा. पर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन को नतीजा बताने पर अपने अंदर की जागरूकता से यह समझ सकते हैं कि उस नतीजे पर पहुंचाने वाली पायदाने क्या थीं. यही ताकत है जिस को मैं समझना चाहता हूं, जब मैं तर्क की उलटी गिनती की बात करता हूं.”

“मैं समझ रहा हूं.” मैं ने कहा.

अब यह ऐसा केस है, जिस में नतीजा बता दिया गया था और बाकी सब कुछ आप को ढूंढ़ना था. अब मैं कोशिश करता हूं कि मैं अपने तर्क के अलगअलग कदम तुम को दिखा सकूं. सब से पहले मैं पैदल ही उस घर तक गया और मेरे दिमाग में पहले से कोई छाप नहीं थी. मैं ने सब से पहले सड़क का मुआयना किया और वहां, जैसा मैं पहले ही समझा चुका हूं, मैं ने साफतौर पर कैब के निशान देखे, जो, मैं ने निरीक्षण करने पर पाया, वहां पर रात में रहे होंगे. मैं ने यह तसल्ली कर ली कि वह कैब ही थी-कोई निजी वाहन नहीं, क्योंकि उस के पहियों के बीच का अंतर संकरा था. लंदन का साधारण कैब किसी भद्र पुरुष की गाड़ी से कम चौड़ी होती है.

सब से पहले तो मुझे यह मुद्दा मिला. फिर मैं धीरेधीरे बगीचे की पगडंडी पर गया, जो मिट्टी की थी और इसलिए कोई भी छाप लेने के काबिल. इस में कोई शक नहीं कि तुम को कीचड़ और मिट्टी नजर आई थी, पर मेरी अनुभवी आंखों के लिए उस की सतह पर पड़े हर निशान का कोई मतलब था. जासूसी विज्ञान की कोई भी शाखा न इतनी जरूरी है न इतनी उपेक्षित, जितनी कदमों को परखने की कला. मैं ने हमेशा इस पर काफी जोर दिया था और इस पर अभ्यास करतेकरते मेरे लिए यह मेरे स्वभाव में शामिल हो गया था.

मैं ने कांस्टेबिल के भारी भरकम कदम देखे, पर मैं ने उन दोनों आदमियों के पैरों के भी निशान देखे, जो सब से पहले बगीचे में से गुजरे थे. यह बताना आसान था कि वे ही सब से पहले आए थे क्योंकि कहींकहीं उस के पैरों के निशानों के ऊपर दूसरे निशान आ गए थे. इस तरह मेरा दूसरा सुराग मिला, जिस से मैं ने जाना कि रात में दो मेहमान, एक काफी लंबा (यह अनुमान मैं ने उस के कदमों की दूरी नाप कर लगाया) और

दूसरा, उस ने बड़े फैशनपरस्त कपड़े पहने थे-यह अनुमान मैं ने उस के बूटों की छाप से लगाया.

घर में घुसने पर मेरे इस आखिरी अनुमान को सबूत भी मिल गया. मेरा फैशनपरस्त व्यक्ति मेरे सामने पड़ा था. इस का मतलब था कि लंबे वाले ने हत्या की थी, अगर यह हत्या थी. मृत आदमी के शरीर पर कोई जख्म नहीं था, पर उस के चेहरे पर घबराहट के भाव से मैं आश्वस्त हो गया था कि उसे मौत आने से पहले ही उस का अंदेशा हो गया था. जो लोग दिल के रोग से मरते हैं या किसी प्राकृतिक कारण से, कभी भी उस के चेहरे पर घबराहट नहीं दिखती है.

मृत आदमी के होंठ सूंघने पर मुझे हलकी सी खट्टी बू आई और मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उस को जबरन जहर दिया गया था क्योंकि उस के चेहरे पर नफरत और भय के भाव थे. मैं तर्क करतेकरते इस नतीजे पर पहुंचा था क्योंकि और किसी भी अनुमान से यह तथ्य मेल नहीं खा रहा था. यह मत सोचो कि यह एक ऐसा विचार था, जो पहले कभी सुना नहीं गया था. अपराध जगत में जबरदस्ती जहर पिलाया जाना कोई नई बात नहीं है. ओडेसा में डॉल्सकी और मोंटपेलियर में लेटुरियर के मामले हर विष विद्या के जानकार को याद आ जाएंगे.

अब बड़ा सवाल यह उठा कि इस का कारण क्या था. इस हत्या का इरादा लूटपाट करना नहीं था, क्योंकि कुछ भी नहीं लिया गया था. फिर क्या यह राजनैतिक था या फिर किसी औरत से संबंधित? यह सवाल मेरे सामने उठ रहा था. मैं शुरू से ही दूसरे वाले अनुमान को सही मान रहा था. राजनैतिक हमलावर अपना काम कर के भाग जाते हैं. इस के विपरीत यह हत्या जानबूझ कर की गई थी और हत्यारे ने अपने सुराग पूरे कमरे में छोड़ रखे थे, यह दिखाते हुए कि वह सारा समय इस कमरे में रहा होगा. यह कोई निजी अन्याय रहा होगा, राजनैतिक नहीं, तभी इतना सोचासमझा इंतकाम लिया गया.

जब दीवार पर लिखावट पाई गई, तो मेरा यह यकीन और भी पक्का हो गया. जाहिर था, यह बात जानबूझ कर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए लिखी गई थी. जब अंगूठी पाई गई, तो जवाब तय हो गया. साफ था कि हत्यारे ने अपने शिकार को वह अंगूठी किसी मृत या गैरहाजिर औरत की याद दिलाने के लिए दिखाई होगी. इस मोड़ पर मैं ने ग्रेगसन से पूछा कि क्या उस ने क्लीवलैंड में भेजे तार में यह पूछा था कि मिस्टर ड्रेबर का पहला पेशा क्या था. तुम को याद होगा कि उस ने इस का नकारात्मक जवाब दिया था.

उस के बाद मैं ने कमरे की गौर से जांच की, जिस से मेरे इस अनुमान को सबूत मिला कि हत्यारे का कद ऊंचा था और दूसरी जानकारियां भी मिलीं, जैसे ट्रिशनोपोली सिगार और नाखूनों की लंबाई. मैं पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुंच चुका था क्योंकि संघर्ष का कोई निशान नहीं था. इस का यही मतलब था कि जमीन पर पड़ा खून हत्यारे की नाक से उत्तेजना के मारे बहा होगा. मैं ने देखा था कि खून की धार उस पैरों के निशान के साथसाथ फैल रही थी. बहुत कम ऐसा होता है कि किसी आदमी की उत्तेजना में इस तरह नकसीर फूट पड़ती हो. जब तक वह हृष्टपुष्ट न हो, इसलिए मैं ने यूं ही अंदाज लगाया कि अपराधी हट्टाकट्टा और लाल चेहरे वाला था, घटनाओं ने दिखा दिया कि मैं ने सही परखा था.

घर छोड़ने पर मैं वह करने गया जो ग्रेगसन ने अनदेखा किया था. मैं ने क्लीवलैंड के पुलिस प्रमुख को तार भेज कर सिर्फ इतना ही पूछने की कोशिश की कि एनोक ड्रेबर की शादी से जुड़ा घटनाक्रम क्या था. उस से मुझे पता चला कि ड्रेबर ने कानून से अपनी रक्षा की गुहार की थी कि उस की मोहब्बत को एक पुराने प्रतिद्वंदी से बचाया जाए जिस का नाम जेफरसन होप है और यह होप इस समय यूरोप में है. मैं जान चुका था कि रहस्य का सुराग अब मेरी मुट्ठी में है और अब सिर्फ हत्यारे को पकड़ना भर रह गया है.

मैं अपने मन में फैसला कर चुका था कि ड्रेबर के साथ जो शख्स घर में घुसा, वह वही था जो कैब चला कर आया था. सड़क पर पड़े निशानों से मैं ने समझ लिया कि घोड़े ऐसे चल रहे हैं मानो उन को हांकने वाला कोई नहीं था तो फिर गाड़ीवान कहां हो सकता था, सिवाय घर के अंदर होने के. फिर यह सोचना भी पागलपन था कि कोई आदमी अपराध करेगा, जो शर्तिया उस की पोल खोल देगा. अंत में, मान लो कि कोई आदमी लंदन में किसी का पीछा करना चाहे, तो कैब ड्राइवर बन जाने से अच्छा वह और कौन सा रास्ता अपना सकता था? इन सभी विचारों पर सोचने के बाद मैं इस निर्णय पर पहुंचा कि जेफरसेन होप इस शहर के गाड़ीवानों में पाया जा सकता है.

अगर अब तक वह कैब ड्राइवर था, तो कोई कारण नहीं कि उस ने अब अपनी यह नौकरी छोड़ दी होगी. इस के विपरीत, उस के नजरिए से देखें तो अचानक अपनी नौकरी छोड़ना अपनी ओर लोगों का ध्यान खींचना होता है. कुछ समय के लिए ही सही, वह अपनी यही नौकरी करता रहेगा. यह मानने का भी कोई कारण नहीं था कि उस ने अपना नाम बदल लिया होगा. वह उस देश में अपना नाम क्यों बदलेगा, जहां कोई उस का

असली नाम नहीं जानता था? इसलिए मैं ने अपनी स्ट्रीट अरब जासूसी सेना तैयार की और उन को सिलसिलेवार लंदन की हर कैब कंपनी के मालिक के पास भेजा, जब तक उन्होंने उस आदमी को ढूंढ़ नहीं निकाला जिस की हमें जरूरत थी.

उन को इस में कितनी सफलता मिली और मैं ने कितनी जल्दी इस का फायदा उठाया, अभी तुम लोगों की यादों में ताजा है. स्टेंजरसन की हत्या बिलकुल ही अप्रत्याशित घटना थी, पर जिस को रोका नहीं जा सकता था. उस के जरिए, जैसा तुम जानते ही हो, मुझे वे गोलियां मिलीं, जिन के बारे में मैं ने अंदाज लगा लिया था. यह पूरा मामला एक के बाद लगाए गए तर्कों की कड़ी से सुलझा है, किसी भी गलती या चूक के बगैर.

यह अद्भुत है!" मैं बोल पड़ा. "तुम्हारे गुणों को सार्वजनिक तौर पर मान्यता देनी चाहिए, तुम को इस मामले का ब्योरा छपवाना चाहिए. अगर तुम ऐसा नहीं करते, तो मैं करूंगा."

"तुम जो करना चाहो, करो, डाक्टर," वह बोला. "यहां देखो!" वह आगे मुझे एक कागज थमाते हुए बोला, "इस को देखा!"

वह उस दिन का 'एको' था और उस ने जहां इशारा किया, वह इस मामले को अर्पित था.

उस में लिखा था, "होप नाम के शख्स की आकस्मिक मौत से जो मिस्टर एनोक ड्रेबर और मिस्टर स्टेंजरसन की हत्या का आरोपी था, जनता ने एक सनसनीखेज, चटपटी खबर का लुत्फ खो दिया है. इस मामले का पूरा ब्योरा शायद अब कभी भी मालूम नहीं पड़ सकता. हालांकि विश्वस्त सूत्रों से हमें पता चला है कि यह अपराध एक पुरानी रोमांटिक रंजिश की वजह से हुआ जिस में मोहब्बत और मॉरमॉन परंपरा का हाथ था. ऐसा लगता है कि दोनों मारे गए शख्स अपने युवा दिनों में लैटर डे सेंट्स के साथ थे और मृत कैदी होप भी सॉल्ट लेक सिटी में रहता था. अगर केस का और कोई असर नहीं होता, तो भी कम से कम यह हमारी जासूसी पुलिस की काबिलीयत को उजागर करता है और सभी विदेशियों को सबक देता है कि बेहतर होगा कि वे अपनी रंजिशें अपने घरों में ही निपटाएं और उन्हें ब्रिटेन की जमीन तक न लाएं.

"यह एक खुला राज है कि इस कैद का श्रेय पूरी तरह से स्कॉटलैंड यार्ड के मशहूर अफसरों, मिस्टर लेस्ट्रेड और मिस्टर ग्रेगसन को जाता है. ऐसा लगता है कि यह आदमी कोई मिस्टर शरलॉक होम्स के कमरे में गिरफ्तार किया गया था, जो खुद ही अभी नौसिखिया है, इस ने जासूसी

की दुनिया में थोड़ाबहुत हुनर दिखाया है और जो इतने काबिल दो शिक्षकों के साथ रह कर कुछ समय में उन की थोड़ीबहुत काबिलीयत प्राप्त कर लेगा. ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इन दो अफसरों की अच्छी सेवाओं के लिए इन लोगों को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे."

"शुरू करने से पहले ही क्या मैं ने यह बात नहीं बताई थी?" हंसते हुए शरलॉक होम्स ने कहा. "हमारी 'स्टडी इन स्कारलेट' या खून का यह नतीजा निकला-प्रमाणपत्र उन को मिलेंगे!"

"कोई बात नहीं," मैं ने जवाब दिया, "मैं ने पत्रिका में सारे तथ्य लिख दिए हैं और लोगों को सारी बातें मालूम पड़ जाएंगी. इस बीच तुम को यह मान कर खुश होना चाहिए कि तुम्हारी मेहनत रंग लाई."

चार का चिन्ह निष्कर्ष का विज्ञान

शरलॉक होम्स ने मैंटलपीस के कोने से अपनी शीशी और सुंदर से केस में से सिरिंज लिया. अपनी लंबी सफेद, घबराई अंगुलियों से उस ने नाजुक सूई को संभाला और अपने बाएं हाथ की आस्तीन मोड़ी, कुछ देर तक उस की आंखें कुछ विचार करती अपनी बांह और कलाई पर टिकी रहीं, जो सूई के अनगिनत निशानों से छितरी पड़ी थी. आखिर में उस ने सिरिंज से सूई अपने अंदर डाली और अपनी शनील के कवर वाली आरामकुरसी में संतोष की सांस भरते हुए धंस गया.

कई महीनों से दिन में तीन बार मैं उसे ऐसा करते देख रहा था, पर अभी मेरा दिमाग इस का आदी नहीं हुआ था. इस के विपरीत, दिन पर दिन मैं यह देख कर चिढ़ता जा रहा था और रोज मेरी आत्मा मुझे धिक्कारती कि मुझ में इतना साहस नहीं है कि मैं इस का विरोध कर सकूं. बारबार मैं कसम खाता कि इस विषय पर अपने मन की बात कह डालूंगा पर मेरे मित्र के शांत भाव में कुछ ऐसा था कि मैं उस से खुल कर बात करने में हिचकता था. उस की क्षमता, उस का हावभाव और उस के अद्भुत गुणों के जो अनुभव मुझे हुए थे, उन से मैं उस को नाराज करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था. फिर भी, उस दोपहर या तो मैं ने लंच में कुछ विशेष खाया था या उस की हरकत से बुरी तरह ऊब कर मुझे अचानक लगा कि मैं और बरदाश्त नहीं कर सकता.

“आज क्या ले रहे हो?” मैं ने पूछा. “मॉर्फीन या कोकेन?”

उस ने अलसाते हुए अपनी किताब से आंख उठाई.

“कोकेन,” वह बोला-“सात प्रतिशत का घोल क्या तुम भी आजमाना चाहोगे?”

“बिलकुल नहीं,” मैं ने असभ्यता से कहा. “मेरा शरीर अभी अफगानिस्तान के युद्ध से पूरी तरह स्वस्थ नहीं हुआ है. मैं अपने शरीर पर और जोर नहीं दे सकता.”

मेरे इतनी जोर से मना करने पर वह मुसकराया. “शायद तुम ठीक कहते हो, वॉटसन,” वह बोला, “मुझे पता है कि यह शरीर पर बुरा असर डालता है. फिर भी मुझ को यह इतनी उत्तेजना देता है और दिमाग को स्पष्टता कि शरीर पर इस का बुरा असर पड़े तो कोई बात नहीं.”

“पर सोचो,” मैं ने उत्सुकता से कहा, “सोचो, तुम को इस की क्या कीमत चुकानी पड़ेगी? जैसा तुम कहते हो, हो सकता है तुम्हारा दिमाग उत्तेजित हो जाता हो, पर यह बड़ी रोगकारी और विकृत प्रक्रिया है, जिस में कोशपरिवर्तन होता है और जिस से शरीर में हमेशा के लिए कमजोरी आ जाती है. तुम यह भी जानते हो कि तुम्हारे ऊपर इस की क्या प्रतिक्रिया होती है. क्या फायदा है इस से एक क्षणिक आनंद के लिए? उन महान शक्तियों को तुम क्यों खोना चाहते हो जो तुम को सौगात में मिली हैं? याद रखो, मैं तुम से एक दोस्त की हैसियत से ही नहीं बल्कि एक डाक्टर की हैसियत से भी बात कर रहा हूं, एक ऐसे शख्स से जिस के स्वास्थ्य की कुछ हद तक जिम्मेदारी मेरे ऊपर है.”

ऐसा नहीं लगा कि उस ने बुरा माना हो, इस के विपरीत उस ने अपनी अंगुलियों के पोरों को आपस में जोड़ा और अपनी कोहनियां अपनी कुरसी के हत्थे पर टिका दीं, मानो उसे बातचीत में मजा आ रहा हो.

“मेरा मन,” वह बोला, “बगैर काम के विद्रोह करने लगता है. मुझे समस्याएं दो, काम दो, सांकेतिक तरह से लिखा हुआ लेख दो या कोई पेचीदी उलझन और मेरा मन लगा रहता है. फिर मुझे इन बाहरी चीजों की जरूरत ही नहीं होती, उत्तेजित होने के लिए मुझे उबाऊ जिंदगी से नफरत है. मुझे मानसिक उत्तेजना की हवस है. इसीलिए मैं ने यह पेशा चुना है या अपने लिए बनाया है, क्योंकि मैं इस तरह का दुनिया में एकमात्र व्यक्ति हूं.”

“एकमात्र जासूस जो पेशेवर नहीं है,” मैं ने अपनी भौंहें उचकाते हुए कहा.

“एकमात्र सलाहकार जासूस जो पेशेवर नहीं है,” उस ने जवाब दिया, “जासूसी में मैं ही आखिरी और सब से ऊंचा कोर्ट ऑफ अपील हूं.” जब ग्रेगसन या लेस्ट्रेड या अथलनी जोंस उलझन में पड़े होते हैं, जो उन की सामान्य तौर पर दशा रहती है, तब मामला मेरे सामने रखा जाता है. मैं सारे तथ्यों पर गौर करता हूं और एक विशेषज्ञ के तौर पर अपनी राय जाहिर करता हूं. ऐसे मामलों में मैं कोई श्रेय नहीं मांगता. मेरा नाम किसी अखबार में नहीं छपता. मेरे लिए सब से बड़ा इनाम होता है, वह केस और उस को सुलझाने में लगाई गई अपनी क्षमता. पर अब तो खुद तुम को भी जेफरसन होप मामले में मेरे काम के तरीके का कुछ अनुभव हो गया है.”

“हां,” मैं ने तमीज से कहा. मैं कभी भी जीवन में इतना प्रभावित नहीं हुआ. मैं ने उस को एक छोटे से ब्रोशर में सुरक्षित रखा है, ‘खून के लाल

रंग पर तहकीकात' शीर्षक से.

उस ने उदासी से अपना सिर हिलाया.

"मैं ने उस पर नजर डाली थी," उस ने कहा. "ईमानदारी से मैं तुम को उस के लिए बधाई नहीं दे सकता. जासूसी एक पूर्ण विज्ञान है या होना चाहिए और उस से इसी तरह ठंडा और भावहीन बरताव करना चाहिए. तुम ने उस में रोमांच का हिस्सा मिला दिया है, जिस से वही असर पड़ रहा है मानो तुम ने कोई प्रेम कहानी लिखी हो या यूक्लिड की कहानी में प्रेमीप्रेमिका के फरार होने का किस्सा."

"पर रोमांच तो था उस में," मैं ने डांटा. "मैं तथ्यों से छेड़छाड़ नहीं कर सकता था."

"कुछ तथ्यों को दबाया जाना चाहिए या फिर कम से कम उन को पेश करने में सही अनुपात रखना चाहिए. इस केस में सिर्फ एक बात थी जिस का जिक्र किया जा सकता था और वह थी तर्क से निष्कर्ष निकालना, नतीजों से कारण तक, जिस के द्वारा मैं इसे सुलझाने में सफल रहा."

मुझे उस काम के लिए उस के मुंह से कमियां सुनना बहुत बुरा लगा जो मैं ने उस को खुश करने के लिए किया था. मैं यह भी स्वीकार करता हूं कि मैं उस के अहंकार से चिढ़ रहा था जो चाहता था कि मेरे लेख की हर पंक्ति उस की ही तारीफ बखाने. बेकर स्ट्रीट में उस के साथ गुजारे हुए वर्षों में एक से ज्यादा बार मैं ने महसूस किया कि मेरे मित्र के शांत और उदासीन भाव के नीचे हलका सा घमंड भी दबा हुआ था. पर मैं ने कोई टिप्पणी नहीं की और अपने जख्मी पैर पर मरहम पट्टी करता रहा. उस के अंदर कुछ समय पहले एक जेजेल गोली लग गई थी. मुझे चलने में कोई परेशानी नहीं थी, पर फिर भी हर बदलते मौसम के साथ उस में दर्द फड़कने लगता.

"मेरी प्रैक्टिस का हाल में महाद्वीप तक विस्तार हो गया." कुछ समय बाद अपना पाइप भरते हुए होम्स ने कहा. "पिछले हफ्ते फ्रांकोस ल विलर्ड ने मुझ से सलाह ली थी, जो तुम जानते ही हो. फ्रांसीसी जासूसी सेवा में काफी ऊंचा उठ रहा है. उस में सहज ज्ञान भी है, पर उस में वह ज्ञान नहीं है जो उस की कला को निखार सके. मामला एक वसीयत से संबंधित था और उस की कुछ बातें बड़ी रोचक थीं. मैं ने उस को दो मिलतेजुलते मामलों का हवाला दिया, एक 1857 में रिगा का मामला और दूसरा 1871 में सेंट लुइस का मामला, जिन से उस को असली हल ढूंढ़ने

में मदद मिली. यह रहा वह पत्र जो मुझे सवेरे ही मिला था, जिस में उस ने मेरी मदद के लिए एहसान जताया है.

बोलतेबोलते उस ने मेरी ओर एक मुड़ातुड़ा विदेशी कागज का टुकड़ा फेंका. मैं ने उस पर ऊपर से नीचे तक नजर दौड़ाई, जिस में तारीफों की भरमार थी. इस से मालूम पड़ता था कि वह फ्रांसीसी उस का कितना बड़ा प्रशंसक है.

"यह तो ऐसे लग रहा है मानो शिष्य गुरु से बात कर रहा हो." मैं ने कहा.

"ओह, वह मेरी मदद को कुछ ज्यादा ही भाव दे रहा है." शरलॉक होम्स ने हलकेपन से कहा. वह खुद भी काफी हुनर वाला है. एक आदर्श जासूस के लिए जरूरी तीन में से दो गुण उस के पास हैं. उस में गौर करने की और निष्कर्ष निकालने की क्षमता है. उस में बस ज्ञान की कमी है और वह भी समय के साथ आ सकता है. अब वह मेरे कामों का फ्रेंच में अनुवाद कर रहा है."

"तुम्हारे काम?"

"ओह, क्या, तुम को नहीं मालूम?" वह हंसते हुए बोला. "हां, मैं कई लेखों का अपराधी हूं. वे सभी तकनीकी विषयों पर आधारित हैं. उदाहरण के लिए इस लेख को देखो, जिस का शीर्षक है 'विभिन्न तंबाकुओं की राख के बीच फर्क.' इस में मैं ने एक सौ चालीस प्रकार के सिगारों, सिगरेटों और पाइपों का ब्योरा दिया है और उन की राखों के बीच का फर्क बताया है. यह मुद्दा लगातार आपराधिक मामलों में उठता रहता है और जो सुराग के तौर पर सब से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होता है. उदाहरण के लिए अगर आप निश्चित तौर पर कह सकें कि हत्या किसी ऐसे आदमी की है जो हिंदुस्तानी हुक्का पी रहा था, तो आप की छानबीन का दायरा कम हो जाता है. एक प्रशिक्षित नजर के लिए ट्रिशनोपोली की काली राख और बर्डआई की सफेद फुली हुई राख में उतना ही फर्क है, जितना आलू और पत्ता गोभी में."

"तुम्हारे पास छोटी से छोटी बात पर गौर करने की अद्भुत क्षमता है."

"मैं उन के महत्त्व की कद्र करता हूं. मेरा यह लेख पैरों के निशानों से संबंधित है और कुछ टिप्पणियां भी हैं कि कैसे प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग कर के पैरों के निशानों के सांचे बनाए जा सकते हैं. यह छोटा सा लेख यह बताता है कि किसी के पेशे का उस के हाथ की बनावट पर कैसे असर पड़ता है और सबूत के तौर पर पत्थर के सांचों पर नाविक, बुनकर,

हीरा तराशने वाले, सलेट बनाने वाले और लिखने वालों के हाथों के छापे दिखाए हैं. वैज्ञानिकों, जासूसों के लिए यह काफी रुचि का विषय है, खासकर उन लाशों के मामलें में जो लावारिस होती हैं या अपराधियों की पिछली जिंदगी जानने में. पर अपने इस प्रिय विषय से मैं तुम को उबा रहा हूं."

"बिलकुल भी नहीं," मैं ने उत्सुकता से जवाब दिया. "यह मुझे बहुत रुचिकर लग रहा है कि देखूं कि तुम इस को व्यवहार में कैसे अमल करते हो. पर अभी तुम निरीक्षण और निष्कर्ष की बात कर रहे थे. इन में से एक का संबंध दूसरे से अवश्य होगा."

अपनी आरामकुरसी पर ठाठ से पसरते हुए छल्ले अपने पाइप से छोड़ता हुआ वह बोला. "उदाहरण के लिए, निरीक्षण से मुझे पता चलता है कि तुम आज सवेरे विगमोर स्ट्रीट-डाकखाना गए थे, पर निष्कर्ष यह बताता है कि वहां से तुम ने एक तार भेजा है."

"सही!" मैं ने कहा. "दोनों बातें सही हैं! पर मैं यह जानता हूं कि मुझे नहीं पता कि तुम इस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे. बैठेबैठे अचानक यह फितूर दिमाग में आ गया और यह बात मैं ने किसी को नहीं बताई थी."

"यह तो बड़ी आसान बात है." उस ने मेरे आश्चर्य पर हंसते हुए कहा, "इतनी आसान कि उस को समझाना भी बेकार होगा. पर फिर भी, इस से निरीक्षण और निष्कर्ष की अपनीअपनी सीमाएं तय हो जाएंगी. निरीक्षण से हमें पता चलता है कि तुम्हारे जूते के नीचे लाल मिट्टी इस तरह फैली है कि उस पर चले बिना आप अंदर नहीं आ सकते. वह मिट्टी जिस लाल रंग की है, वह आसपास कहीं नहीं है. यह तो था निरीक्षण, बाकी सब निष्कर्ष है."

"तो फिर, तार वाला निष्कर्ष कैसे निकाला? क्यों, यह तो मैं जानता ही था कि तुम ने कोई पत्र नहीं लिखा था, क्योंकि सारी सुबह मैं तुम्हारे सामने ही था. तुम्हारी मेज की खुली हुई दराज में मैं देख सकता हूं कि तुम्हारे पास डाक टिकट भी हैं और पोस्टकार्डों की मोटी गड्डी भी. फिर तुम डाकखाना क्या करने जाओगे, सिवा तार भेजने के? बाकी बातें एक तरफ रख दो और जो बचता है, वही हकीकत है."

"इस मामले में ऐसा ही है." मैं ने थोड़ा सोच कर जवाब दिया. "फिर भी, जैसा तुम कहते हो, बात साधरण है. क्या तुम मुझे ढीठ कहोगे, अगर मैं तुम्हारी एक कठिन परीक्षा लूं,"

“इस के विपरीत,” उस ने जवाब दिया, “यह मुझे कोकीन की दूसरी खुराक लेने से रोकेगी, मुझे किसी भी समस्या में झांकने में खुशी होगी जो तुम मेरे सामने रखोगे.”

“मैं ने तुम को कहते सुना है कि किसी भी आदमी के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल की हुई किसी भी चीज पर अपने व्यक्तित्व की छाप न छोड़ना कठिन है, जो एक प्रशिक्षित जासूस न पढ़ सके. अब देखो, मेरे पास एक घड़ी है जो हाल ही में मेरे पास आई है. क्या तुम कृपा कर के इस के पुराने मालिक के चरित्र या आदतों के बारे में बताओगे?”

मैं ने घड़ी उस को थमाई और मुझे मन ही मन हंसी आ रही थी, क्योंकि वह परीक्षा, मेरी सोच के अनुसार, बिलकुल असंभव थी. मैं चाहता था कि इस से उस को कुछ सबक मिलेगा और उस का घमंड टूटेगा. उस ने घड़ी को अपने हाथों में तौला, उस के डायल को देर तक देखा, उसे पीछे से खोला और उस की अंदर की कारीगरी परखी, पहले अपनी नंगी आंखों से और फिर एक तेज लेंस के द्वारा. उस के निराशा से भरे चेहरे को देख मैं अपनी मुसकराहट दबा नहीं पा रहा था, जब उस ने आखिर में घड़ी मेरे हाथ में लौटा दी.

“इस में कोई खास जानकारी नहीं है,” उस ने कहा. “इस घड़ी को हाल में ही साफ किया गया है जिस से मेरे असली तथ्य गायब हो गए हैं.”

“सही कह रहे हो,” मैं ने जवाब दिया. “मेरे पास भेजे जाने से पहले इस को साफ किया गया था.”

दिल ही दिल में अपने दोस्त को मैं ने दोष दिया कि उस ने अपनी हार छुपाने के लिए बेहद लचर बहाना ढूंढ़ा था. एक गंदी घड़ी में उसे क्या जानकारी मिलती?

“ज्यादा संतोषजनक तो नहीं थी, पर मेरी खोज पूरी तरह बंजर नहीं रही,” उस ने सपने भरी, बेजान सी आंखों से छत की ओर ताकते हुए कहा. “अगर मैं गलत हूं, तो मुझे टोक देना. यह घड़ी शायद तुम्हारे बड़े भाई के पास थी, जिस को यह तुम्हारे पिता से विरासत में मिली थी.”

“यह बात शर्तिया पीछे बनाए चिह्न से तुम ने जानी है.”

“बिलकुल. चिह्न से तुम्हारा अपना नाम मालूम पड़ता है. घड़ी की तारीख करीब पचास साल पुरानी है और उस पर खुदा हुआ अक्षर भी उतना ही पुराना है, इसलिए यह पिछली पीढ़ी के लिए बनाई गई थी. जेवर अकसर बड़े बेटे को विरासत में मिलते हैं और ज्यादातर उस का नाम पिता

के नाम पर रखा जाता है. अगर मुझे ठीक याद है तो तुम्हारे पिता की मृत्यु हुए कई साल बीत गए हैं, इसलिए यह तुम्हारे बड़े भाई के पास थी."

"अब तक तो सब ठीक बताया है." मैं ने कहा कुछ और?

"वह बड़ी गंदी आदतों वाला शख्स था-बहुत गंदा और लापरवाह, उस को काफी दौलत विरासत में मिली थी, पर उस ने सारे अवसर गंवा दिए. कुछ समय गरीबी में बिताया, बीचबीच में अमीर हो जाता और आखिर में शराब की लत लग गई और मर गया. मुझे यही सब पता चल पाया है."

मैं अपनी कुरसी से उठ खड़ा हुआ और दिल में कड़वाहट भरी बेचैनी से कमरे में लंगड़ाता हुआ टहलने लगा.

"यह तुम ने गलत किया है होम्स. मैं विश्वास नहीं कर सकता था कि तुम इस कदर गिर जाओगे. तुम ने मेरे दुखी भाई के इतिहास के बारे में छानबीन की है और अब तुम नाटक कर रहे हो कि तुम ने इस तरह यह जानकारी प्राप्त की है. तुम मुझ से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं विश्वास कर लूं कि तुम्हें सारी बातें उस की पुरानी घड़ी में झांक कर पता चली हैं. यह क्रूरता है और साफ शब्दों में, इस में तुम ने मेरे साथ छल किया है."

"माई डियर डाक्टर," उस ने प्यार से कहा, "मुझे माफ कर दो. इस समस्या को बताते वक्त मैं भूल गया था कि यह तुम्हारे लिए कितनी व्यक्तिगत और तकलीफदेह बात है. मैं तुम्हें आश्वासन देता हूं कि मुझे यह पता भी नहीं था कि तुम्हारा कोई भाई है, जब तक तुम ने मुझे घड़ी नहीं पकड़ाई."

"तो फिर, तुम को ये सारे तथ्य कहां से मिले? हर बात सच्ची है."

"आह! मैं वही बता सका जो संभावित था. मैं ने यह उम्मीद नहीं की थी कि मैं इतना सटीक हो सकूंगा."

"पर यह खाली तुक्का नहीं था?"

"नहींनहीं. मैं कभी तुक्के नहीं लगाता. यह बड़ी बुरी आदत है-तर्क शक्ति को नष्ट करने वाली. तुम को जो अजीब लग रहा है, वह इसलिए क्योंकि तुम मेरे विचारों के प्रवाह के अनुसार नहीं बहते और न ही उन छोटीछोटी बातों पर गौर करते हो जिन पर महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष निर्भर होते हैं. उदाहरण के लिए, मैं ने शुरुआत यह कहते हुए किया था कि तुम्हारा भाई लापरवाह था. जब उस घड़ी के केस के निचले भाग को देखोगे, तो न सिर्फ वह दो जगहों से टूटा हुआ है बल्कि उस में जगहजगह खरोंच के भी

निशान हैं, क्योंकि उस की आदत थी कि उस घड़ी के साथ जेब में दूसरी कठोर चीजें भी रख दी जाएं, जैसे सिक्के या चाबियां. अब यह मान लेना कोई बड़ी बात नहीं है कि जो आदमी इतनी महंगी घड़ी की इतनी बेकद्री कर सकता है, वह लापरवाह होगा. यह समझने में भी ज्यादा सोचविचार की जरूरत नहीं है कि जो शख्स इतनी महंगी घड़ी विरासत में पाता है, उसे और भी कीमती सामान मिला होगा."

मैं ने सिर हिला कर यह दिखाया कि मुझे उस का तर्क समझ में आ रहा है.

"इंगलैंड में गिरवी पर रकम देने वालों में आम है कि जब वे घड़ी लेते हैं, तो टिकट का नंबर किसी सूई की नोक से खरोंच देते हैं. यह किसी लेबल से ज्यादा आसान है, क्योंकि फिर उस की संख्या खोने का या अदलाबदली होने का खतरा नहीं रहता. मेरे लेंस के द्वारा मुझे चार ऐसे नंबर दिखाई दे रहे हैं. इस से मैं इस नतीजे पर आया हूं कि तुम्हारा भाई अकसर दीवालिया हो जाता था. दूसरा निष्कर्ष कि बीचबीच में वह खुशहाल भी रहता था, नहीं तो वह अपनी घड़ी कैसे छुड़वा पाता.

"अंत में, मैं चाहता हूं कि तुम इस के अंदर की प्लेट में झांक कर देखो, जिस में चाबी वाला सुराग है. कोने से किस शख्स की घड़ी की चाबी इतनी टेढ़ीमेढ़ी हो सकती है? तुम कभी भी किसी नशेड़ी की घड़ी ऐसी चाबी के बगैर नहीं देखोगे. वह रात को घड़ी की चाबी भरता है और अपने लड़खड़ाते हाथों की छाप घड़ी पर छोड़ देता है. इस में रहस्य वाली क्या बात है?"

"यह बात तो अब दिन की तरह साफ है, मैं ने जवाब दिया, "मुझे उस अन्याय पर खेद है जो मैं ने तुम्हारे साथ किया है. मुझे तुम्हारी अद्भुत क्षमता पर पूरा विश्वास होना चाहिए. क्या मैं तुम से पूछ सकता हूं कि तुम्हारे पास इस समय कोई केस हाथ में है या नहीं."

"कोई नहीं, इसलिए मैं कोकीन का सहारा ले रहा हूं. दिमागी काम के बगैर मैं जिंदा नहीं रह सकता. जीने के लिए और कुछ है ही क्या? यहां पर खड़े हो कर खिड़की से देखो. क्या इस से ज्यादा उदास, बेजान बगैर फायदे की दुनिया कहीं हो सकती है? देखो, कैसे यह पीला कोहरा सड़कों पर छाया हुआ है और मिट्टी के रंग के घरों के ऊपर मंडरा रहा है. इस से ज्यादा बेजान और उबाऊ और क्या हो सकता है? काबिलीयत होने से क्या फायदा डाक्टर, अगर आप के पास उस का इस्तेमाल करने का मौका ही न

हो? अपराध बहुत आम बात है, अस्तित्व आम बात है और धरती पर आम गुणों के अलावा दूसरे गुणों के लिए कोई जगह नहीं है.”

इस भाषण का जवाब देने के लिए मैं ने मुंह खोला ही था कि एक तेज दस्तक के साथ हमारी मकानमालकिन अंदर आई, एक पीतल की ट्रे में एक कार्ड लिए.

“आप के लिए एक युवती आई है, सर,” उस ने मेरे मित्र को संबोधित करते हुए कहा.

“मिस मेरी मॉर्सटन,” उस ने पढ़ा. “हम्म! यह नाम मुझे याद नहीं. युवती से कहो कि हमारे पास आए, मिसेज हडसन. जाओ मत, डाक्टर. मैं चाहता हूं कि तुम यहीं रहो.”

केस की प्रस्तुति

मिस मॉर्सटन कमरे में सधे हुए कदमों से दाखिल हुई. उस के हावभाव में आत्मविश्वास था. वह हलके भूरे रंग के बालों वाली इकहरे बदन की नाजुक सी युवती थी, जिस ने सलीकेदार कपड़े पहन रखे थे और हाथों में दस्ताने. उस के कपड़ों में एक सादगी थी जिस से पता चलता था कि उस के पास सीमित साधन थे. उस की ड्रेस सादे से सलेटी रंग की थी और ठीक से सिली हुई भी नहीं थी. उस ने इसी रंग की एक पगड़ी सी पहन रखी थी, जिस के एक ओर सफेद रंग का एक पंख लगा हुआ था. उस के नैननक्श बहुत तीखे नहीं थे, न रंग ही बहुत खूबसूरत, पर उस के भाव से वह बहुत प्यारी और मिलनसार लग रही थी और उस की बड़ीबड़ी नीली आंखों में एक अजब सी सहानुभूति और पवित्रता थी.

औरतों के अपने अुनभव में जो कई देशों और तीन अलगअलग महाद्वीपों से इकट्ठा किया गया था, मैं ने पहले कभी ऐसा चेहरा नहीं देखा था जिस में इतनी संवेदनशीलता झलकती हो. मैं यह गौर करने से नहीं चूका कि जब वह शरलॉक होम्स द्वारा पेश की गई कुरसी पर बैठी, तो उस के होंठ थरथरा रहे थे और हाथ कांप रहे थे, जिस से पता चल रहा था कि वह अंदर से बहुत बेचैनी महसूस कर रही थी.

“मैं आप के पास आई हूं, मिस्टर होम्स, क्योंकि आप ने एक बार मेरी मालकिन मिसेज सीसिल फॉरेस्टर की एक छोटी सी घरेलू समस्या सुलझाने में मदद की थी, वह आप की काबिलीयत और दया से बहुत प्रभावित थी.”

“मिसेज सीसिल फॉरेस्टर,” उस ने याद करते हुए दोहराया, “मैं समझता हूं मैं ने उस की थोड़ीबहुत मदद की तो थी. पर जहां तक मुझे याद आ रहा है, वह केस बड़ा आसान सा था.”

“वह ऐसा नहीं सोचती. पर कम से कम मेरे केस के लिए ऐसा नहीं कहा जा सकता. मैं सोच भी नहीं सकती कि जिस स्थिति में मैं हूं, उस से ज्यादा अजीब और रहस्यमयी और कुछ हो सकता है.”

होम्स ने अपने हाथ मले और उस की आंखें चमकने लगीं. वह अपनी कुरसी पर आगे खिसक कर बैठ गया. उस के तीखे नाकनक्शों वाले चेहरे पर विलक्षण सोचविचार के भाव थे.

“अपनी कहानी सुनाओ,” उस ने बड़े व्यावसायिक अंदाज में कहा.

मुझे लगा कि मैं बड़ी शर्मनाक स्थिति में हूं.

“मुझे क्षमा करें, मैं जाना चाहता हूं.” मैं ने अपनी कुरसी से उठते हुऐ कहा.

मुझे आश्चर्य हुआ कि युवती ने अपना दस्ताने वाला हाथ उठा कर मुझे रोका.

“अगर तुम्हारा दोस्त हमारी खातिर रुक जाता है, तो वह मेरे लिए बहुत बड़ी सहायता होगी.”

मैं वापस कुरसी में धंस गया.

“संक्षेप में,” वह आगे बोली, “तथ्य ये हैं-मेरे पिता एक इंडियन रेजीमेंट में अफसर थे और उन्होंने मुझे तभी वापस अपने देश भेज दिया था जब मैं छोटी सी थी. मेरी मां मर चुकी थी और इंगलैंड में मेरा कोई रिश्तेदार नहीं था. पर मुझे एक आरामदायक बोर्डिंग हाउस में रखा गया और वहां मैं सत्रह वर्ष की उमर तक रही. 1878 में मेरे पिता ने, जो अपनी रेजीमेंट के सीनियर कैप्टन थे, बारह महीनों की छुट्टी ली और घर आ गए. उन्होंने मुझे लंदन से तार भेजा कि वह सही सलामत आ चुके हैं और मैं उन से मिलने फौरन चली आऊं, लांघम होटल के पते पर. जहां तक मुझे याद है, उन का संदेश दया और प्यार से भरा था. लंदन पहुंच कर मैं लांघम पहुंची और वहां मुझे बताया गया कि कैप्टन मॉर्सटन वहां रह रहे थे, पर वह पिछली रात बाहर गए थे और वापस नहीं आए.

“मैं सारा दिन उन का इंतजार करती रही, पर उन की कोई खबर नहीं मिली. उस होटल मैनेजर की सलाह पर मैं ने पुलिस से संपर्क किया और अगली सुबह हम ने सभी अखबारों में विज्ञापन दे दिया. हमारी खोजबीन का कोई नतीजा नहीं निकला. उस दिन के बाद आज तक मेरे बदनसीब पिता के बारे में हमें कोई भी खबर नहीं मिली है. वह अपने देश लौटे थे, दिल में उम्मीदें लिए, कुछ शांति एवं कुछ आराम पाने के लिए और उस की बजाए...”

उस ने अपने गले पर हाथ रखा और एक घुटी हुई सिसकी से उस की बात बीच में कट गई.

“तारीख?” होम्स ने अपनी नोटबुक खोलते हुए पूछा.

“वह तीन दिसंबर 1878 को गायब हुए थे-करीब दस साल पहले.”

“उन का सामान?”

“होटल में ही पड़ा रहा. उस में कुछ भी नहीं था जिस से सुराग मिल सके-कुछ कपड़े, कुछ किताबें, और अंडमान द्वीप से कई छोटीमोटी कलाकृतियां. वे वहां न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए गए अपराधियों के अधिकारी थे.”

“क्या शहर में उन के दोस्त थे?”

“सिर्फ एक. जिन के बारे में हम जानते हैं- उन्हीं की रेजीमेंट, चौंतीसवीं बंबई पैदल सेना के मेजर शालटो. मेजर कुछ समय पहले रिटायर हो गया था और अपर नॉरवुड में रहता था. हम ने उस से संपर्क किया था, पर उस को नहीं मालूम था कि उस का साथी अफसर इंगलैंड में है.”

“अजीब है यह केस.”

“मैं ने सब से विचित्र बात अभी नहीं बताई है. छह साल पहले- यानी 4 मई, 1882 को ‘दि टाइम्स’ में एक विज्ञापन छपा, जिस में मिस मेरी मॉर्सटन का पता पूछा गया था और यह कि अगर वह सामने आती है, तो उस के हित में होगा. विज्ञापन के साथ कोई नाम या पता नहीं था. उस समय मैं ने मिसेल फॉरेस्टर के घर पर गवर्नेस के तौर पर नौकरी शुरू भर की थी. उस की सलाह से, मैं ने अपना पता विज्ञापन वाली जगह पर छपवा दिया. उसी दिन डाक से मेरे लिए एक छोटा सा गत्ते का डब्बा आया, उस में एक डिबिया थी जिस में मैं ने एक बड़ा चमकीला मोती पाया. लिखित में कुछ नहीं था. उस के बाद से उसी तारीख पर हर साल एक वैसी ही डिबिया में एक वैसा ही मोती प्रकट हो जाता है, पर भेजने वाले का कोई सुराग नहीं मिलता. विशेषज्ञ ने बताया कि मोती अद्वितीय और बेशकीमती है. आप खुद देख सकते हैं कि वे कितने खूबसूरत हैं.”

उस ने बोलते हुए एक चपटी डिबिया खोली और छह मोती दिखाए, जो इतने सुंदर थे जैसे मैं ने पहले नहीं देखे थे.

“तुम्हारा बयान बड़ा रोचक है,” शरलॉक होम्स ने कहा. “क्या तुम्हारे साथ और भी कुछ हुआ है?”

“हां, और आज ही. इसीलिए मैं आप के पास आई हूं. आज सुबह मुझे यह चिट्ठी मिली, जो शायद आप खुद ही पढ़ना चाहेंगे.”

“धन्यवाद,” होम्स ने कहा- लिफाफा भी दो, प्लीज. इस पर मोहर है एस. डब्ल्यू. लंदन, का और तारीख है 7 जुलाई. हम्म! यहां पर कोने में किसी शख्स के अंगूठे का निशान शायद पोस्टमैन का होगा. बहुत बढ़िया

किस्म का कागज. एक पैकेट लिफाफे छह पेंस में. अपने लिखने के सामान के बारे में बड़े सलीके वाला. कोई पता नहीं. 'आज रात सात बजे लाइसियम थिएटर के बाहर बाएं से तीसरे खंभे पर मिलना. अगर तुम्हें कोई शक हो, दो मित्रों को ले आना. तुम्हारे साथ नाइंसाफी हुई है और अब न्याय होगा. पुलिस को मत लाना. अगर तुम ले आई, तो सब बेकार हो जाएगा. तुम्हारा अनजाना दोस्त.'

"वास्तव में यह एक छोटा सा सुंदर रहस्य है. तुम क्या करने के लिए सोच रही हो, मिस मॉर्सटन?"

"ठीक यही बात मैं आप से पूछना चाहती हूं."

"फिर तो हम जरूर जाएंगे. तुम और मैं और हां, क्यों मिस्टर वॉटसन भी मित्र बन कर जाएंगे. पत्र भेजने वाले ने दो मित्रों के लिए कहा है और हम पहले भी काम कर चुके हैं."

"पर क्या यह आएंगे?" उस ने आवाज और भाव से मिन्नत करते हुए पूछा.

"मुझे गर्व और खुशी होगी." मैं ने उत्सुकता से कहा, "अगर मैं किसी भी तरह मदद कर सकता हूं."

"आप दोनों बड़े दयालु हैं." उस ने जवाब दिया. "मैं ने एकाकी जीवन बिताया है और मेरा कोई मित्र नहीं है, जिस से मैं मदद ले सकूं. मैं सोचती हूं कि अगर मैं यहां पर छह बजे आ जाऊं, तो ठीक रहेगा."

"इस से ज्यादा देर मत करना," होम्स ने कहा.

"फिर भी, एक बात और है. क्या यह लिखावट वही है जो मोती की डिबियों पर लिखे पते वाली थी?"

"मैं उन को साथ लाई हूं." उस ने आधा दर्जन कागज के टुकड़े पकड़ाते हुए कहा.

"तुम बहुत अच्छी मुवक्किल हो. तुम्हारा अंदेशा सही रहता है. मुझे देखने दो." उस ने मेज पर कागज के टुकड़े फैलाए और एक से दूसरे पर जल्दीजल्दी निगाह दौड़ाई, "ये सब छुपाए गए हाथ हैं, चिट्ठी के अलावा." उस ने कहा. "पर लिखने वाले के बारे में कोई शक नहीं है. यह देखो, कैसे ग्रीक का 'ई' टूट जाता है, और आखिर के 'एस' की घुमावट देखो. ये निश्चित ही एक ही आदमी ने लिखे हैं. "मैं तुम को झूठी उम्मीद नहीं देना

चाहता, मिस मॉर्सटन, पर क्या इस लिखावट और तुम्हारे पिता की लिखावट में कोई समानता है?”

“इन से ज्यादा भिन्न कुछ हो ही नहीं सकता.”

“मुझे उम्मीद थी कि तुम ऐसा ही कहोगी.”

“फिर हम तुम्हारा छह बजे इंतजार करेंगे. ये कागज मेरे पास रहने दो. हो सकता है, उस के पहले ही मुझे मामला समझ में आ जाए. अभी सिर्फ साढ़े तीन बजे हैं. अच्छा, बायबाय.”

“बायबाय,” हमारे मेहमान ने कहा और हम दोनों की तरफ खुशी से देखते हुए उस ने मोतियों का डिब्बा अपने सीने में रखा और जल्दी से चली गई.

खिड़की पर खड़े हुए, मैं ने उसे तेजी से सड़क पर जाते देखा, जब तक भीड़ में वह सलेटी पगड़ी और सफेद पंख आंखों से ओझल नहीं हो गए.

“कितनी आकर्षक महिला है!” अपने दोस्त की ओर मुड़ते हुए मैं ने ऐलान किया.

उस ने अपना पाइप फिर से सुलगा लिया था और मुंदती पलकों के साथ पीछे की ओर पसर गया था. “अच्छा,” उस ने अलसाते हुए कहा, “मैं ने गौर नहीं किया.”

“तुम बिलकुल मशीन हो- गिनने वाली मशीन,” मैं बोल पड़ा. “कभीकभी तुम्हारे अंदर कुछ इनसानियत सी नहीं दिखाई पड़ती.”

वह हलके से मुसकराया.

“सब से जरूरी यह बात है,” वह बोला, “व्यक्तिगत गुणों को आधार बना कर अपने फैसले मत करो. कोई भी मुवक्किल सिर्फ एक इकाई होता है, किसी समस्या का एक हिस्सा. भावुकता से तर्क में बाधा आती है. मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि आज तक मेरी नजरों में सब से सुंदर औरत को बीमा के पैसे के लालच में तीन छोटे बच्चों की हत्या के मामले में फांसी दे दी गई थी और मेरी जानपहचान का सब से घिनौना दिखने वाला आदमी एक दानवीर है, जिस ने लंदन के गरीबों के लिए करीब ढाई लाख खर्च कर दिए हैं.”

“पर, इस केस में...”

“मैं कभी भी अपवाद नहीं बना. अपवाद से नियम टूट जाता है. क्या तुम ने कभी लिखावट से किसी का चरित्र जानने की कोशिश की है? इस आदमी की लिखावट से तुम क्या समझते हो?”

“यह लिखावट स्पष्ट और एक सी है.” मैं ने जवाब दिया. “एक चरित्रवान आदमी जो कोई व्यापारी है.”

होम्स ने सिर हिलाया.

“इस के लंबे अक्षर देखो,” वह बोला. वे छोटे अक्षरों के बराबर ही हैं. इस का ‘डी’ ‘ए’ हो सकता है और ‘आई’ शायद ‘ई’ हो सकता है. चरित्रवान लोग हमेशा अपने लंबे अक्षरों में फर्क करते हैं, चाहे उन की लिखावट कितनी भी अस्पष्ट हो इस के ‘के’ भी एक से नहीं है. मैं अब बाहर जा रहा हूं. मुझे कुछ निष्कर्ष निकालने हैं. मैं यह किताब पढ़ने की सलाह देता हूं. आज तक लिखी गई किताबों में सब से अच्छी यह है बिनवुड रीड की- ‘मार्टरडम ऑफ मैन.’ मैं एक घंटे में वापस आऊंगा.”

हल की खोज में

होम्स लौटा तब साढ़े पांच बज चुके थे. वह खुश था, उत्सुक था और चहक रहा था.

“इस मामले में कोई बहुत बड़ा रहस्य नहीं है,” वह चाय का प्याला थामते हुए बोला जो मैं ने उस के लिए तैयार की थी, “सारे तथ्य मिल कर एक ही बात समझा रहे हैं.”

“क्या! तुम ने मामला अभी से सुलझा भी लिया?”

“खैर, यह कहना तो कुछ ज्यादा ही होगा. मैं ने एक तथ्य ढूंढ़ लिया है जो मामले को साफ कर देता है. पर यह बहुत ही साफ है. अब उस में बाकी सारी बातें जाननी रह गई हैं. ‘दि टाइम्स’ की पुरानी फाइलों पर नजर दौड़ाने पर मैं ने पाया कि अपर नॉरवुड में रहने वाला 34 वीं बंबई पैदल सेना का मेजर शालटो, 28 अप्रैल 1882 को मर गया था.”

“हो सकता है, मैं बेवकूफ हूं, होम्स. पर मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि इस से क्या जाहिर होता है.”

“नहीं? तुम मुझे ताज्जुब में डाल देते हो. फिर इस को इस तरह देखो. कैप्टन मॉर्सटन गायब हो जाता है. लंदन में जिस एकमात्र शख्स के पास वह जा सकता है, वह है मेजर शालटो. मेजर शालटो कहता है कि उसे इसी की जानकारी नहीं है कि मॉर्सटन लंदन में है. चार साल बाद शालटो मर जाता है. उस की मौत के एक हफ्ते बाद कैप्टन मॉर्सटन की बेटी को एक कीमती उपहार मिलता है, जो साल दर साल दोहराया जाता है और अब एक चिट्ठी आती है जो बताती है कि उस के साथ नाइंसाफी हुई है. ऐसी क्या नाइंसाफी की बात हो सकती है, सिवा इस के कि उस को अपने पिता से वंचित कर दिया गया है? और क्यों ये उपहार शालटो की मौत के फौरन बाद से आने शुरू हुए. अगर शालटो का वारिस इस रहस्य के बारे में नहीं जानता होता और वह इस का प्रायश्चित्त करना चाहता हो? क्या तुम्हारे पास इस के अलावा और कोई सुझाव है, जो तथ्यों से मेल खाता हो?”

“पर कितना विचित्र प्रायश्चित्त. क्यों उस ने वह पत्र अब लिखा, छह साल पहले नहीं? फिर वह पत्र हमेशा उस को न्याय दिलाने की बात करता है. उस को कौन सा न्याय मिल सकता है? यह मानना तो कुछ ज्यादा ही होगा कि उस के पिता अभी जीवित हैं. इस मामले में और किसी तरह की कोई ज्यादती नहीं है, जिस के बारे में हमें जानकारी हो.”

“कठिनाइयां हैं, कठिनाइयां जरूर हैं,” शरलॉक होम्स ने सोचते हुए कहा, “पर आज रात वहां जाने से सारी मुश्किल हल हो जाएगी. आह! यह एक गाड़ी आई है और उस के अंदर मिस मॉर्सटन हैं. क्या तुम पूरी तरह तैयार हो? तो फिर हम को जल्दी से नीचे चलना चाहिए. क्योंकि समय हो गया है.”

मैं ने अपना हैट और अपनी सब से मोटी छड़ी उठाई, पर मैं ने देखा कि होम्स ने अपनी दराज से रिवॉल्वर निकाली और जेब में डाल ली. साफ था कि वह समझ रहा था कि हमारा आज रात का काम गंभीर मोड़ ले सकता है.

मिस मॉर्सटन एक गहरे रंग के ओवरकोट से ढकी थी और उस का संवेदनशील चेहरा शांत पर पीला था. वह औरत नहीं हो सकती थी अगर उस को हमारे अजीब काम के बारे में सोच कर बेचैनी नहीं होती, पर फिर भी उस ने संयम बना रखा था और उस ने तत्परता से उन बाकी प्रश्नों का जवाब दिया जो होम्स ने उस से पूछे.

“मेजर शालटो मेरे पापा के पक्वेफ दोस्त थे,” वह बोली, “उन के पत्रों में मेजर का जिक्र भरा रहता था. वह और पापा अंडमान द्वीपों में सेना की कमान पर थे, इसलिए उन्हें काफी वक्त साथ में गुजारना होता था. अरे हां, पापा की मेज से एक अजीब सा कागज मिला था, जिसे कोई भी नहीं समझ पाया. मैं नहीं सोचती उस का थोड़ा सा भी महत्त्व है, पर मैं ने सोचा शायद आप इसे देखना चाहेंगे, इसलिए मैं अपने साथ ले आई. यह रहा.”

होम्स ने ध्यान से कागज खोला और घुटने पर रख कर उस को सीधा करना चाहा, फिर उस ने बड़े कायदे से एक दोहरे लेंस से उस का निरीक्षण किया.

“यह देसी भारतीय कागज है.” उस ने टिप्पणी की- कुछ समय तक यह किसी बोर्ड पर पिन की मदद से लटका रहा है. इस पर बना चित्र लगता है कि किसी बड़ी इमारत की योजना है, जिस में बहुत सारे हॉल, बरामदे और रास्ते हैं. एक जगह पर लाल रंग का एक क्रॉस बना हुआ है और उस के ऊपर धुंधली पेंसिल से लिखा है ‘बाएं से 3.37 .’ बाएं हाथ के कोने में एक लाइन में एकदूसरे को छूते चार क्रॉस बने हैं. उन के पास बहुत गंदी लिखावट में लिखा है ‘1 चार का चिन्ह-जोनाथन स्मॉल, महोमेत सिंह, अब्दुल्ला खान और दोस्त अकबर.’ नहीं. मैं मानता हूं कि मुझे समझ में नहीं आ रहा कि इस मामले से इस का क्या संबंध है. पर जाहिर है कि यह

बड़ा जरूरी कागज है. यह एक पॉकेट बुक में बड़े ध्यान से रखा गया है क्योंकि यह दोनों ओर से बिलकुल साफ है.

“हम को उस की पॉकेट बुक में ही यह मिला था.”

“फिर इस को संभाल कर रखो मिस मॉर्सटन, क्योंकि यह हमारे काम का साबित हो सकता है. मुझे शक होने लगा है कि यह मामला उस से कहीं ज्यादा गहरा और पेचीदा है जितना हम ने पहले समझा था. मुझे अपने विचारों पर फिर से सोचना होगा.”

वह कैब में पसर गया और उस की तनी हुई भृकुटि और खाली आंखें देख कर मैं समझ गया कि वह गहरी सोच में डूबा है. मिस मॉर्सटन और मैं धीमेधीमे आज के हालातों और शाम की मुलाकात के नतीजों का अंदाज लगाते रहे, पर हमारा मित्र अपनी अभेद्य चुप्पी बनाए रहा, जब तक हमारी यात्रा खत्म नहीं हो गई.

सितंबर की शाम थी और अभी सात भी नहीं बजे थे पर दिन काफी बेजान सा था और उस बड़े शहर में घना, बरसने वाला कोहरा छाया था. सड़क पर जलते लैंप की छितरी रोशनी फिसल कर भरे सड़क के किनारे पर एक कमजोर गोले के रूप में बिखर रही थी. दुकानों की खिड़कियों से बहती पीली चमक धुएंदार माहौल में मिल गई थी और भीड़भाड़ वाली उस जगह पर धुंधली, कंपकंपाती सी रोशनी फेंक रही थी.

मेरे खयाल से रोशनी की इन संकरी रेखाओं पर मंडराता, कभी न खत्म होने वाला चेहरों का जुलूस बड़ा खौफनाक और भुतहा जान पड़ रहा था- उदास चेहरे और खुश चेहरे, थके हुए और जिंदादिल चेहरे. सारी आदम जात की तरह ये उदासी से रोशनी में आते और फिर से उदासी में चले जाते. मेरे मन में जल्दी ही किसी बात की छाप नहीं पड़ती. पर यह सुस्त, भारी शाम और ऊपर से वह विचित्र केस जिस में हम व्यस्त थे, सब मिलजुल कर मुझे उदास और घबराया हुआ बना रहे थे. मिस मॉर्सटन के हावभाव से मैं देख पा रहा था कि वह भी ऐसा ही महसूस कर रही है. सिर्फ होम्स ही इन छोटीमोटी बातों के ऊपर उठ सकता था. उस ने अपने घुटनों पर एक खुली हुई नोटबुक रखी हुई थी और समयसमय पर वह अपने जेब की लालटेन की रोशनी में कुछ संख्याएं और कुछ बातें दर्ज करता जाता था.

लाइसियम थिएटर में भीड़ काफी घनी थी. आगे की तरफ गाड़ियां और चार पहिए वाले वाहन खड़खड़ाते हुए चले आ रहे थे और अपने सफेद शर्ट पुरुष और शौल और हीरों के आभूषण पहनी स्त्रियों वाले

असबाब खाली कर रहे थे. हम तीसरे खंभे तक पहुंचे भर थे जो हमारे मिलने की जगह थी कि एक छोटा, काला और फुरतीला आदमी गाड़ीवान की ड्रेस पहने हमें पुकार उठा.

"आप लोग क्या मिस मॉर्सटन के साथ आए हैं?" उस ने पूछा.

"मैं मिस मॉर्सटन हूं और ये दोनों सज्जन मेरे मित्र हैं." उस ने कहा.

"आप मुझे क्षमा करेंगी, मिस," उस ने एक अंदाज में कहा. "पर मुझे आप से कहना होगा कि आप कसम खा कर कहें कि इन दोनों सज्जनों में से कोई भी पुलिस अफसर नहीं है."

"मैं कसम खा कर कहती हूं," उस ने जवाब दिया. उस ने एक तीखी सीटी बजाई, जिस पर एक लड़का गाड़ी ले कर आया और उस का दरवाजा खोला. जिस आदमी ने हम से बात की थी, वह गाड़ीवान की जगह बैठा, जबकि हम लोग अंदर बैठ गए. हमारे बैठते ही गाड़ीवान ने घोड़े को चाबुक मारा और धुंध भरी सड़कों पर हम तेजी से चल पड़े.

स्थिति बड़ी अजीब थी. हम एक अनजान जगह, किसी अनजान काम के लिए जा रहे थे. फिर भी यह निमंत्रण या तो पूरी तरह मखौल था- जो अकल्पनीय अंदाज था- या फिर हमारे पास काफी वजह थी यह सोचने की कि हमारी इस यात्रा से कई महत्त्वपूर्ण मुद्दे जुड़े हुए हैं. मिस मॉर्सटन का रवैया पहले जैसा ही सधा हुआ था. मैं ने उस का मन बहलाने की कोशिश करते हुए अफगानिस्तान के अनुभव सुनाए, पर सच कहूं तो मुझे खुद ही अपनी स्थिति पर इतनी उत्तेजना हो रही थी और अपने गंतव्य के बारे में जानने का इतना कौतूहल था कि मेरी कहानियां बड़ी बेजान सी लग रही थीं. आज तक वह कहती है कि मैं ने कैसे उस को दिल छूने वाला एक किस्सा सुनाया था, कि कैसे एक रात एक बंदूक मेरे तंबू में रात के समय घुस आई थी और कैसे मैं ने उस को चीते के बच्चे के जैसे मार डाला था.

पहले तो मुझे कुछ अंदाज लग रहा था कि हम किस दिशा में जा रहे हैं, पर जल्दी ही, तेज रफ्तार, कोहरे और लंदन के बारे में सीमित ज्ञान की वजह से मैं दिशा का ज्ञान खो चुका था और कुछ नहीं समझ पा रहा था, सिवा इस के कि हम कहीं बहुत ही दूर जा रहे हैं. शरलॉक होम्स के साथ ऐसा नहीं था और कैब के चौराहों और गलियों से गुजरने पर वह उन के नाम बुदबुदाता जा रहा था. "रोचेस्टर रो" वह बोला. "अब विनसेंट स्कवायर. अब हम वाक्सहॉल ब्रिज रोड से निकल रहे हैं. अब शायद हम सरे साइड की ओर जा रहे हैं."

हमें थेम्स नदी की झलक जरूर मिली, जिस के विस्तृत, शांत पानी में लैंप चमक रहे थे, पर हमारी कैब बढ़ती गई और जल्दी ही दूसरी ओर पहुंच कर सड़कों के जाल में उलझ गई.

“वांड्सवर्थ रोड,” मेरा मित्र बोला. “प्राइरी रोड, लार्कहॉल लेन, स्टॉकवेल प्लेस, रॉबर्ट स्ट्रीट, कोल्डहार्बर लेन. हमारी खोज हमें ज्यादा फैशनेबुल इलाकों में नहीं ले जा रही है.”

वाकई में हम एक ऐसी जगह पर पहुंचे, जहां का माहौल कई सवाल खड़े कर सकता था. बेजान से ईंटों के मकानों की लंबी कतारों में कुछ रंगीनी कोनों में खड़े जनता घरों से आ रही थी-उस के बाद दोमंजिले मकानों की बारी आई. हर मकान के आगे एक छोटा सा बगीचा था और फिर नई बनी ईंटों की इमारतों की कतारें. बड़ा शहर अपने दानवी शिकंजे अपनी सीमा के बाहर भी फैला रहा था. आखिर कैब नई छत वाले तीसरे घर पर रुकी. किसी भी ओर घर में कोई नहीं रह रहा था और जहां पर हम रुके, वह बाकी घरों जितना ही अंधकार में डूबा था, बस उस की किचन की खिड़की से एक हलकी रोशनी आ रही थी. परंतु हमारे खटखटाने पर एक हिंदू नौकर ने तुरंत दरवाजा खोला. वह पीली पगड़ी, सफेद ढीले कपड़े और एक पीला पटका पहने हुए था. एक सस्ते उपनगरीय घर के साधारण से दरवाजे पर पूर्व की यह आकृति कुछ असंगत लगी.

“साहिब आप का इंतजार कर रहे हैं,” उस ने कहा और उस के बोलते ही अंदर के किसी कमरे से एक ऊंची, तीखी आवाज आई.

“इन लोगों को मेरे पास ले आओ, खिदमतगार,” वह बोली. “उन को फौरन मेरे पास लाओ.”

गंजे आदमी की कहानी

हम उस भारतीय के पीछेपीछे एक गंदे और अंधेरे से गलियारे में गए, जिस में टूटाफूटा फर्नीचर पड़ा था और फिर दाईं ओर एक दरवाजा था, जिस को उस ने खोल दिया. पीली रोशनी की चमक हमारे ऊपर पड़ी और इस रोशनी के बीच में ऊंचे माथे वाला व्यक्ति था जिस के चारों ओर छोटेछोटे लाल बाल थे और एक गंजी चमकती खोपड़ी, जो ऐसी लग रही थी मानो फर के पेड़ों में से निकली पहाड़ की चोटी. खड़ेखड़े उस ने अपने हाथ मले और भाव लगातार बदल रहे थे-कभी मुसकरा रहे थे, तो कभी घूरते थे. एक पल के लिए भी स्थिर नहीं रहे. प्रकृति ने उस को लटका हुआ होंठ दिया था और बहुत आसानी से नजर आने वाली पीले और टेढ़ेमेढ़े दांतों की कतार, जो वह अपने चेहरे के निचले हिस्से पर बारबार हाथ फेर कर छिपाने की बेकार कोशिश कर रहा था. अपने गंजेपन के बावजूद वह जवान नजर आ रहा था. असलियत यह थी कि अभीअभी उस ने तीसवां साल पार किया था.

“आप का सेवक, मिस मॉर्सटन,” वह एक पतली तीखी आवाज में दोहराता जा रहा था. “आप का सेवक, सज्जनो. कृपा कर के मेरे छोटे से घर में आइए. छोटी जगह जरूर है मिस, पर मैं ने इसे अपनी पसंद से सजाया है, दक्षिण लंदन के रेगिस्तान में कला का मरुद्यान.”

जिस अपार्टमेंट में उस ने हमें आने का निमंत्रण दिया था, उसे देख कर हम दंग रह गए थे. उस जगह पर ऐसा लग रहा था मानो किसी बढ़िया किस्म के हीरे को पीतल में जड़ दिया गया हो. महंगे से महंगे और बेहतरीन किस्म के परदे टंगे हुए थे और कहींकहीं उन को सरका कर महंगे फ्रेम वाली कोई पेंटिंग या कोई ओरियंटल फूलदान की झलक दिखाई जा रही थी. कालीन पीले और काले रंग का था, इतना मुलायम और मोटा कि पैर आराम से अंदर धंस रहा था, मानो काई में जा रहा हो. चीतों की दो बड़ी खालें कालीन पर बिछी थीं, जिस से पूर्वी ऐशोआराम का आभास हो रहा था. ऐसा कोने में चटाई के ऊपर रखे बड़े से हुक्के से भी लग रहा था. चांदी के कबूतर के आकार वाला लैंप लगभग अदृश्य सुनहरे तार से कमरे के बीच में लटका हुआ था. जलने पर वह एक भीनी खुशबू फैला रहा था.

“मिस्टर थैडियस शालटो,” झटके लेते हुए मुसकराता हुआ वह छोटा आदमी बोला, “यह है मेरा नाम. आप तो बेशक मिस मॉर्सटन ही हैं और ये सज्जन...”

“यह मिस्टर शरलॉक होम्स हैं और यह डॉक्टर वॉटसन.”

“यह डॉक्टर हैं?” खुशी से वह बोला. “क्या आप के पास आप का स्टेथोस्कोप है? क्या मैं आप से पूछ सकता हूं कि क्या आप इतनी मेहरबानी करेंगे? मुझे अपने दिल के मिटरल वॉल्व पर शक है. एओरटिक पर तो भरोसा किया जा सकता है, पर मिटरल के लिए आप की राय लेना चाहता हूं.”

मैं ने उस के दिल की धड़कन सुनी, जैसा उस ने मुझ से करने के लिए कहा था, पर मुझे कुछ भी चिंताजनक नहीं लगा, सिवा इस के कि वह डर के मारे उत्तेजित था, क्योंकि वह सिर से पैर तक कांप रहा था.

“यह तो सामान्य लग रही है,” मैं ने कहा, “तुम को बेचैन होने की जरूरत नहीं है.”

“मेरी बेचैनी के लिए क्षमा करें, मिस मॉर्सटन,” उस ने कहा. “मुझे काफी तकलीफ रहती है और उस वॉल्व के लिए मुझे काफी समय से शक था. मुझे यह सुन कर खुशी हुई कि मेरा शक गलत है. अगर आप के पिता दिल पर इतना जोर नहीं देते, तो आज वह जिंदा होते.”

मैं उस आदमी के चेहरे पर चांटा जड़ सकता था, इतने नाजुक मामले को इस हलके ढंग से कहने पर मुझे उस पर इतना गुस्सा आया. मिस मॉर्सटन बैठ गई और उस का चेहरा होंठों तक सफेद पड़ गया.

“मैं अपने दिल में जानती थी कि वे मर चुके हैं,” उस ने कहा.

“मैं आप को सारी जानकारी दे सकता हूं,” वह बोला, “और इस से भी ज्यादा, मैं आप को न्याय दिलवा सकता हूं और ऐसा मैं करूंगा भी ब्रदर बारथोलोमिऊ चाहे कुछ भी कहे. मुझे आप के मित्रों की उपस्थिति से भी बहुत अच्छा लगा, जो न सिर्फ आप की रक्षा कर रहे हैं, पर जो भी मैं अब करने या कहने जा रहा हूं, उस के भी गवाह हैं. हम तीनों मिल कर ब्रदर बारथोलोमिऊ को कड़ा मुकाबला दे सकते हैं. पर हम बाहरी लोगों को- जैसे पुलिस और अधिकारियों को बाहर ही रहने देंगे. हम आपस में ही सारी बातें सुलझा लेंगे. ब्रदर बारथोलोमिऊ को बेकार के प्रचार से ज्यादा बुरा कुछ भी नहीं लगेगा.”

वह एक नीची कुरसी पर बैठ गया और हमारी ओर अपनी कमजोर पेनियल नीली आंखें झपकाने लगा.

“मेरी ओर से...” होम्स ने कहा. “तुम जो भी कहोगे, वह कहीं और नहीं जाएगा.”

मैं ने सिर हिला कर अपनी हामी भरी.

"यह ठीक है. यह ठीक है," वह बोला. "क्या मैं आप को एक गिलास शियांटी पेश कर सकता हूं, मिस मॉर्सटन? मैं और कोई वाइन नहीं रखता. क्या मैं एक फ्लास्क खोलूं? नहीं? फिर, मुझे आशा है कि आप लोगों को तंबाकू के धुएं से कोई एतराज नहीं होगा, पूर्वी तंबाकू की भीनी खुशबू से? मैं थोड़ा नर्वस हो रहा हूं और मुझे मेरा हुक्का बहुत शांत कर देता है."

उस ने बड़े बरतन में एक मोमबत्ती जलाई और गुलाबजल से धुएं के बबूले उठने लगे. हम तीनों अर्धगोलाकार में बैठ गए, ठोड़ी हाथों में लिए और सिर आगे की ओर झुके हुए और वह विचित्र गंजी, चमकती खोपड़ी वाला आदमी बीच में कश लेने लगा.

"जब पहले मैं ने आप से यह संपर्क करने का फैसला किया," उस ने कहा, "मैं अपना पता दे सकता था. पर मुझे डर लगा कि आप मेरी प्रार्थना स्वीकार नहीं करेंगे और अपने साथ अनचाहे लोगों को ले आएंगे. इसलिए मैं ने यह ढिठाई की कि आप से मुलाकात निर्धारित करते वक्त यह ध्यान रखा कि मेरा ही आदमी विलियम्स आप लोगों को पहले से देख सके. मुझे उस की समझ पर पूरा विश्वास है और उस को आज्ञा दी थी कि अगर वह संतुष्ट नहीं हो, तो इस मामले को आगे न बढ़ाए. इस सतर्कता के लिए उम्मीद है आप मुझे माफ कर देंगे, पर मेरी पसंद बड़ी सीमित है और पुलिस वालों से ज्यादा बुरा मुझे कोई नहीं लगता. जोर जबरदस्ती से मैं दूर ही रहना चाहता हूं.

"मैं अनियंत्रित भीड़ के संपर्क में कभी नहीं आता जैसा आप देख सकते हैं, मैं सलीके और सफाई के माहौल में रहता हूं. मैं अपने को कला का पुजारी मानता हूं. यह मेरी कमजोरी है. ये सारी पेंटिंग्स जो आप देख रहे हैं, सारी असली हैं. मुझे मॉडर्न फ्रेंच स्कूल में दिलचस्पी है."

"मिस्टर शॉलटो, मैं माफी चाहती हूं," मिस मॉर्सटन बोली, "पर आप के कहने पर मैं यहां इसलिए आई हूं कि जान सकूं कि आप मुझे क्या बताना चाहते हैं. अब बहुत देर हो रही है और मैं चाहती हूं हमारी यह मुलाकात जितनी छोटी हो सके, उतनी छोटी हो."

"जल्दी करने पर भी थोड़ा वक्त लग ही जाएगा," उस ने जवाब दिया. "क्योंकि हमें ब्रदर बारथोलोमिऊ से मिलने नॉरवुड तो जरूर जाना पड़ेगा. वहां पहुंच कर हम सभी कोशिश करेंगे कि ब्रदर बारथोलोमिऊ पर हावी हो जाएं. वह मुझ से नाराज है कि मैं ने वह किया जो मुझे ठीक लगा. पिछली

रात हमारे बीच काफी गरमागरमी हुई थी. आप सोच भी नहीं सकते कि गुस्से में वह कितना भयंकर लगता है.

"अगर हमें नॉरवुड जाना है, तो बेहतर होगा कि हम फौरन निकल पड़ें." मैं ने कहा.

वह तब तक हंसता रहा जब तक उस के कान लाल नहीं पड़ गए.

"ऐसा नहीं हो सकता." वह बोला, "मैं नहीं जानता कि वह क्या कहेगा अगर हम इस तरह अचानक उस के पास पहुंच जाते हैं. नहीं, पहले मुझे आप को तैयार करना होगा कि हमारा एक दूसरे से क्या रिश्ता है. सब से पहले तो मैं आप को बता दूं कि इस कहानी में कई बातें ऐसी हैं जिन से मैं भी अनजान हूं. मैं आप के सामने सारी बातें रखता हूं, जो मैं जानता हूं–

अब तक आप लोगों को जैसा अंदाज लग चुका होगा, मेरे पिता, इंडियन सेना के मेजर जॉन शॉलटो थे. वह करीब ग्यारह साल पहले रिटायर हुए और अपर नॉरवुड के पांडिचेरी लॉज में रहने आ गए. उन्होंने इंडिया में तरक्की की थी, और वापस आने पर अपने साथ काफी पैसा लाए थे. काफी महंगी कलाकृतियां और देसी नौकरों की पलटन भी, इन साधनों से उन्होंने अपने लिए घर खरीदा और वह ऐशोआराम से रहने लगे. उन की संतान में मेरा जुड़वां भाई बारथोलोमिऊ और मैं ही थे.

कैप्टन मॉर्सटन के गायब होने पर उठी सनसनी मुझे अच्छी तरह याद है. हम ने अखबारों में इस के बारे में पढ़ा था और यह जानते हुए कि वे हमारे पिता के मित्र थे, हम ने उन के सामने ही इस पूरे मामले की खुले दिल से चर्चा की. हम जब अंदाज लगाने की कोशिश करते कि क्या हुआ होगा, तो वह भी हमारी बातचीत में शामिल होते. एक पल के लिए भी हमें शक नहीं हुआ कि सारा राज उन्हीं के दिल में छुपा हुआ है और यह कि सभी लोगों में एक वही आर्थर मॉर्सटन की गति के बारे में जानते थे.

पर हम यह जानते थे कि कोई राज, कोई खतरा हमारे पिता पर मंडरा रहा है. वह अकेले बाहर जाने से बहुत डरते थे और पांडिचेरी लॉज में हमेशा दो लड़ाकुओं को रखते थे जो द्वारपाल थे. विलियम्स, जो आज रात तुम्हारा गाड़ीवान था, उन में से एक है. वह कभी इंगलैंड का लाइटवेट चैंपियन था. हमारे पिता हमें कभी नहीं बताते थे कि उन्हें किस बात का डर है, पर लकड़ी के पैरों वाले आदमियों से उन्हें सख्त नफरत थी. एक बार तो उन्होंने अपनी रिवॉलवर लकड़ी के पैरों वाले एक आदमी पर दाग दी थी, जो आर्डर लेता हुआ एक व्यापारी था. हमें यह मामला दबाने के लिए काफी बड़ी रकम खर्च करनी पड़ी थी. मेरा भाई और मैं सोचते थे कि यह

हमारे पिता की कोई सनक है, पर उस के बाद घटी घटनाओं के बाद हमें अपनी धारणा बदलनी पड़ी.

1882 के शुरू में मेरे पिता को इंडिया से एक पत्र मिला. जिस से उन को बड़ा धक्का लगा. नाश्ते की मेज पर उस पत्र को खोलने पर वह लगभग बेहोश ही हो गए थे और उस के बाद उन की बीमारी उन की मौत तक बढ़ती चली गई. हम कभी नहीं जान पाए कि उस पत्र में क्या था पर जब वह उन के हाथ में था, मैं देख रहा था कि पत्र छोटा था और लिखावट भी अस्पष्ट थी, पर अब उन की हालत तेजी से गिरती जा रही थी और अप्रैल के अंत तक हम को बता दिया गया कि अब उन के बचने की कोई उम्मीद नहीं है और अब वह हम से अपना अंतिम संपर्क करना चाहते हैं.

जब हम उन के कमरे में घुसे, वह तकियों के सहारे बैठे हुए थे और गहरी सांसें भर रहे थे. उन्होंने हम से दरवाजा बंद कर के पलंग की ओर आने को कहा. फिर हमारे हाथ पकड़ कर उन्होंने हम से एक बहुत बड़ी बात कही, एक ऐसी आवाज में जो जितनी भावुकता की वजह से टूटी थी, उतनी ही दर्द की वजह से भी. मैं उन्हीं के शब्दों में वह बात कहने की कोशिश करूंगा.

“सिर्फ एक चीज है,” वह बोले, “जो इस समय मेरे मन पर भार बनी हुई है. वह है बेचारे मॉर्सटन की अनाथ बेटी के प्रति मेरा रवैया, जिंदगी भर वह लालच जो मेरा सब से बड़ा पाप रहा है, उस को उस खजाने से वंचित किए रहा, जिस का कम से कम आधा हिस्सा तो उस का होना चाहिए था. फिर मैं ने खुद भी उस खजाने का इस्तेमाल नहीं किया क्योंकि लालच इतना ही अंधा और मूर्ख होता है. उस खजाने का मालिक बन कर ही मुझे इतनी खुशी मिली कि मुझे किसी और से उस को बांटना गवारा नहीं था.

कुनैन की शीशी के पास रखी मोतियों जड़ी उस माला को देख रहे हो? मैं उस से भी जुदा होना बरदाश्त नहीं कर पा रहा था. हालांकि मैं ने इसे इसी इरादे से बाहर निकाला था कि उस को भेज दूंगा. मेरे बेटो, तुम लोग उसे आगरा के खजाने का उस का हिस्सा दे देना.

“पर उस के पास कुछ मत भेजना, यह हार भी नहीं, जब तक मेरी मौत न हो जाए. भई, कई बार लोगों की इस से भी बुरी हालत हो जाती है, पर वे ठीक हो जाते हैं.”

“मैं तुम्हें बताता हूं कि मॉर्सटन कैसे मरा,” वह बोला, “सालों से वह कमजोर दिल से परेशान था, पर यह बात उस ने सब से छुपा रखी थी. सिर्फ मैं ही जानता था. जब हम दोनों इंडिया में थे, तो कुछ आश्चर्यजनक

परिस्थितियों में हमें काफी सारा धन हाथ लग गया. मैं उसे इंगलैंड ले आया और जिस रात मॉर्सटन इंगलैंड आया, उसी रात वह सीधे मेरे पास आ कर अपना हिस्सा मांगने लगा. वह स्टेशन से पैदल आया, उस को मेरा वफादार नौकर लाल चौदर अंदर ले कर आया, जो अब मर चुका है.

धन के बंटवारे को ले कर हमारे बीच झड़प हो गई और एकदूसरे पर गरम होते रहे. गुस्से के जोर में मॉर्सटन अपनी कुरसी से लपक कर उठ खड़ा हुआ कि अचानक उस ने अपनी बांह पर हाथ रखा. उस का चेहरा सफेद सा पड़ गया और वह पीछे की ओर गिर गया, जिस से खजाने के बक्स से उस का सिर टकरा गया और फट गया. जब मैं उस पर झुका, तो मैं ने देखा कि वह मर चुका है. काफी समय तक मैं आधा पागल सा बैठा यह सोचता रहा कि क्या करना चाहिए. मेरी पहली प्रतिक्रिया हुई कि मैं मदद के लिए आवाज दूं पर मैं यह समझ रहा था कि पूरी संभावना है कि मैं उस की हत्या का जिम्मेवार हूं.

लड़ाई के दौरान उस की मौत और उस के माथे का जख्म मेरे खिलाफ ही जाते. फिर कोई भी आधिकारिक जांचपड़ताल दौलत के जिक्र के बिना नहीं की जा सकती थी, जिसे मैं गुप्त रखना चाहता था. उस ने मुझ से कहा था कि दुनिया में किसी को भी नहीं मालूम कि वह कहां है. मुझे कोई जरूरत नहीं दिखाई पड़ रही थी कि किसी को भी इस बात का पता चले.

“मैं इस मामले पर सोचविचार कर ही रहा था कि ऊपर देखने पर मैं ने अपने नौकर लाल चौदर को दरवाजे पर खड़ा देखा. वह चुपचाप अंदर आया और पीछे से दरवाजा बंद कर दिया.”

“डरिए मत, साहब,” वह बोला, “किसी को पता चलने की जरूरत नहीं है कि आप ने उसे मार डाला है. हम इस को छुपा देते हैं और किस को पता चलेगा?”

“मैं ने इस को नहीं मारा,” मैं ने कहा. लाल चौदर ने सिर हिलाया और मुसकराया. “मैं ने सब सुन लिया है साहब,” उस ने कहा. “मैं ने आप को लड़ते सुना था और थप्पड़ की आवाज भी सुनी थी. पर मेरे होंठों पर ताला लगा है. घर में सभी सो रहे हैं. चलिए, मिल कर इसे ठिकाने लगा दें.” उस के इतना कहने पर मैं ने फैसला कर लिया. अगर मेरा खुद का नौकर नहीं मान रहा कि मैं निर्दोष हूं, तो मैं अदालत के बारह बेवकूफों को कैसे मना पाऊंगा?

“उस रात लाल चौदर और मैं ने लाश को ठिकाने लगा दिया और कुछ ही दिनों में लंदन के अखबार मेजर मॉर्सटन की रहस्यमयी गुमशुदगी की

खबर से भरे हुए थे. तुम लोग मेरी बात से देख सकते हो कि मुझे इस मामले के लिए बिलकुल भी दोष नहीं दिया जा सकता. मेरी गलती यही है कि हम ने न सिर्फ लाश छुपाई, बल्कि दौलत भी और मैं ने मॉर्सटन के हिस्से पर भी कब्जा किया हुआ था. इसलिए मैं चाहता हूं कि तुम इस का प्रायश्चित्त करो. अपने कान मेरे मुंह के ऊपर रखो. खजाना छुपा है.”

इस पल उन के चेहरे के भाव बड़े भयानक हो गए, उन की आंखें बहशीपन से ताकने लगीं, उन का मुंह लटक गया और वे ऐसी आवाज में चिल्लाए जो मैं कभी नहीं भूल सकता, “उस को बाहर रखो, उस को बाहर ही रखो!” हम ने मुड़ कर अपने पीछे वाली खिड़की पर देखा जिस तरफ उन की नजर टिकी हुई थी. अंधेरे में से एक चेहरा हम लोगों को अंदर देख रहा था. कांच से दब कर उस की नाक सफेद पड़ रही थी. इस चेहरे पर दाढ़ी और बाल थे और आंखों में बहशीपन और क्रूरता थी. मेरा भाई और मैं खिड़की की ओर लपके, पर वह आदमी जा चुका था. जब हम अपने पिता के पास लौटे, उन का सिर लटक गया था और उन की नब्ज रुक चुकी थी.

“उस रात हम ने बगीचे में तलाश की पर उस का कोई नामोनिशान नहीं मिला. बस, खिड़की के नीचे फुलों की क्यारी में एक पैर का निशान था. उस निशान के बिना हम यह सोचने को मजबूर हो जाते कि वह बहशियाना चेहरा हमारी कल्पना की उपज था. पर जल्दी ही हम को दूसरा सबूत मिल गया कि हमारे चारों ओर गुप्त एजेंसियां काम कर रही थीं. हमारे पिता के कमरे की खिड़की सुबह खुली मिली, उन की अलमारियां और बक्से खोले गए थे और उन की छाती पर एक फटा हुआ कागज का टुकड़ा पड़ा था, जिस पर ‘चार का चिन्ह’ लिखा था. इन शब्दों का क्या अर्थ था या हमारा रहस्यमयी मेहमान कौन था हम नहीं जान पाए. जहां तक हम समझ पा रहे हैं, हमारे पिता का कुछ भी सामान चुराया नहीं गया था, हालांकि सब कुछ लोटपोट था. मेरे भाई और मैं ने स्वाभाविक था, इस घटना को उस डर से जोड़ा जो मेरे पिता को जिंदगी भर सताता रहा, पर वह हमारे लिए अब भी रहस्य बना हुआ है.”

छोटा आदमी अपना हुक्का सुलगाने के लिए रुका और कुछ समय तक सोचता हुआ कश खींचता रहा. हम सब इस अद्भुत कहानी में खोए हुए बैठे उसे सुनते रहे. अपने पिता की मौत के बारे में सुन कर मिस मॉर्सटन सफेद पड़ गई थी और कुछ समय मुझे लगा कि वह बेहोश होने वाली है. पर एक गिलास पानी पीने के बाद वह कुछ संभली, जो मैं ने उस को साइड टेबुल पर रखे जग से दिया था. शरलॉक होम्स खोयाखोया भाव

ले कर कुरसी पर पसर गया और उस की चमकती आंखों पर पलकें मुंदी हुई थीं.

जब मैं ने उसे देखा, मैं यह सोचने पर मजबूर था कि कैसे उसी दिन उस ने जिंदगी की नीरसता का अनुभव किया था. कम से कम यहां एक ऐसी उलझन थी जो पूरी तरह उस को अपने में उलझाए रखेगी. मिस्टर थेडियस शॉलटो ने बारी बारी से हम सब को देखा, अपनी कहानी से हम पर पड़े प्रभाव से साफतौर पर घमंड महसूस कर रहे थे और अपने बड़े से पाइप से कश खींचते हुए फिर से बताने लगे.

"मेरा भाई और मैं," वह बोला, "आप लोग समझ सकते हैं, पिता द्वारा बताए गए खजाने के लिए बड़े उत्साहित थे. हफ्तों और महीनों तक हम खोदते रहे और बगीचे के हर हिस्से में ढूंढ़ा, पर खजाना नहीं मिला. यह बात हमें पागल कर रही थी कि जिस वक्त वह मरे, खजाने के ठिकाने की बात उन के होंठों पर थी. छुपे हुए खजाने की चकाचौंध का अंदाज हमें उस माला से मिल चुका था जो हम ने निकाली थी. इस माला पर मेरे भाई बारथोलामिऊ और मेरे बीच बहस भी छिड़ी थी. मोती साफतौर पर बेशकीमती थे और वह उन से जुदा नहीं होना चाहता था, क्योंकि दोस्त मान कर आप को बताऊं, तो मेरा भाई भी मेरे पिता की तरह लालची है.

"उस ने यह भी सोचा कि अगर हम ने माला दे दी, तो इस से बातें बनेंगी और आखिर में हम परेशानी में फंस जाएंगे. बड़ी कोशिशों के बाद ही मैं ने उसे मनाया कि मैं मिस मॉर्सटन का पता ढूंढ़ कर उस को समयसमय पर एकएक मोती भेजता रहूं, ताकि कम से कम वह अपने को असहाय तो न महसूस करे."

"यह तो बड़ा अच्छा विचार था," मेरे मित्र ने कहा. "तुम ने बहुत अच्छा काम किया."

छोटे आदमी ने इनकार में अपना हाथ हिलाया.

"हम तो आप की ही धरोहर संभाल रहे हैं," वह बोला. "मैं तो यही सोचता हूं, पर ब्रदर बारथोलोमिऊ मेरे विचारों से सहमत नहीं है. हमारे खुद के पास काफी पैसा है. मुझे और पैसे की इच्छा नहीं थी. इस के अलावा, एक युवती से इतने गलत तरीके से बरताव करना कितनी बुरी बात होती. इस मामले पर हमारे मतभेद इतने बढ़ गए कि मैं ने सोचा कि मैं अलग रहने लगूं. इसलिए पांडिचेरी लॉज छोड़ कर मैं अपने बूढ़े खिदमतगार और विलियम्स को ले कर यहां आ गया, पर कल मैं ने सुना कि एक बड़ी महत्त्वपूर्ण घटना घटी है. खजाना खोज लिया गया है.

“मैं ने तुरंत मिस मॉर्सटन से संपर्क किया, और बस यही बाकी है कि हम सब नॉरवुड जा कर अपने हिस्से की मांग करें. मैं ने अपने विचार ब्रदर बारथोलोमिऊ को बताए थे, इसलिए वह हमारी उम्मीद कर रहा होगा, भले ही खुशी से नहीं.”

मिस्टर थेडियस शॉलटो रुका और अपनी आलीशान आरामकुरसी पर बैठा रहा. हम सब चुप रहे, इस रहस्यमयी मामले में जो नया मोड़ आ गया था, उस के बारे में सोच रहे थे. अपने पैरों पर खड़ा होने वाला पहला शख्स होम्स था.

“शुरू से आखिर तक आप ने ठीक ही किया है, सर.” उस ने कहा. “यह संभव है कि हम आप को वह जानकारी दे सकें जो आप को नहीं मालूम. पर, जैसे मिस मॉर्सटन ने अभी कहा है, अब देर हो रही है और हम बिना समय गंवाए इस मामले को खत्म कर दें.”

हमारे नए जानकार ने धीरेधीरे हुक्के का पाइप तह किया और परदे के पीछे से एक लंबा कोट निकाला. उस ने पूरे बटन बंद किए, हालांकि रात काफी गरम थी और फिर खरगोश की खाल की टोपी पहनी, जिस में लटकने वाले झालर जो कानों को भी ढक रहे थे, जिस से उस के चेहरे के अलावा उस के शरीर का बाकी हिस्सा नजर नहीं आ रहा था.

“मेरी तबीयत कुछ नाजुक है,” गलियारे में आगेआगे रास्ता दिखाते चलते हुए वह बोला. “मैं रोगी हूं.”

हमारी कैब बाहर हमारा इंतजार कर रही थी और हमारा प्रोग्राम पहले से तय नजर आ रहा था क्योंकि ड्राइवर तुरंत तेजी से ले चला. थेडियस शॉलटो लगातार बोले जा रहा था, इतनी तेज आवाज में जो पहियों की खड़खड़ से ऊपर उठ कर सुनाई पड़ रही थी.

“बारथोलोमिऊ बड़ा चालाक आदमी है,” उस ने कहा. “आप क्या सोचते हैं कि उस को कैसे पता चला होगा कि खजाना कहां है? वह इस नतीजे पर आ चुका था कि खजाना कहीं घर के अंदर ही छुपा हुआ है. इसलिए उस ने घर का चप्पाचप्पा छान लिया और जगह के नाप लिए जिस से एक इंच जगह भी बिना खोजी न रह जाए. दूसरी चीजों के अलावा, उस ने पाया कि घर की ऊंचाई करीब 22 मीटर की है, पर अलगअलग कमरों की ऊंचाई से ज्यादा की नहीं हो सकती. करीब सवा मीटर का हिसाब नहीं मिल पा रहा था.

यह इमारत के ऊपर ही हो सकती थी. इसलिए उस ने सब से ऊपर के कमरे की प्लास्टर की छत में सूराख किया और वहीं, उस के ऊपर उसे एक

छोटी अटारी मिली जो सील थी और जिस के बारे में किसी को भी नहीं मालूम था, बीच में खजाने की तिजोरी थी, जो दो बल्लियों पर टिकी थी. सूराख के जरिए उस ने उसे नीचे उतारा और वहीं पर रखा है. उस के अनुमान से गहनों की कीमत आधा मिलियन स्टरलिंग से कम की नहीं है.

इतनी बड़ी कीमत सुन कर हम सब हक्केबक्के से एकदूसरे को देखने लगे. अगर हम उस का हक दिला पाएं तो मिस मॉर्सटन जरूरतमंद गवर्नेस से इंगलैंड की सब से अमीर वारिस बन जाएंगी. किसी भी वफादार दोस्त को यह खबर सुन कर खुशी मनानी चाहिए थी. पर मुझे शर्म से कहना पड़ रहा है कि मेरी सोच पर स्वार्थ हावी हो गया और मेरा दिल शीशे की तरह भारी हो गया. मैं ने हकलाते हुए बधाई के कुछ शब्द कहे और फिर उदास हो कर बैठ गया. सिर झुकाए, हमारे नए मित्र की बकबक से बेखबर.

वह साफतौर पर पित्तोन्माद था और मुझे धुंधला सा याद है कि वह अपनी बीमारी के लक्षण गिना रहा था और अनेक घोड़ों के डाक्टरों के इलाजों के बारे में बता रहा था, जिस में से कुछ उस ने अपनी जेब में एक चमड़े के केस में दर्ज कर रखे थे. मुझे मालूम है कि उस को उन में से एक भी जवाब याद नहीं होगा जो उस रात मैं ने उसे दिए थे. होम्स ने कहा कि उस ने सुना था कि मैं उस कैस्टर ऑयल (रेंडी का तेल) की दो बूंदों से ज्यादा लेने से होने वाले खतरे के बारे में सतर्क कर रहा था, जबकि नींद के लिए भारी मात्रा में वत्सनाभ लेने की सलाह दे रहा था. जो भी कुछ हो, मुझे वाकई राहत हुई जब झटके से हमारी कैब रुकी और दरवाजा खोलने के लिए कोचवान नीचे कूदा.

“मिस मॉर्सटन, यह पांडिचेरी लॉज है,” मिस्टर थेडियस ने हाथ का सहारा दे कर उसे नीचे उतारते हुए कहा.

पांडिचेरी लॉज की त्रासदी

रात की अपनी गतिविधि के अंतिम चरण में पहुंचने पर करीब ग्यारह बज रहे थे. विशाल शहर का गीला कोहरा पीछे रह गया था और रात काफी सुहानी थी, पश्चिम से गरम हवा बह रही थी और भारी बादल धीरेधीरे आकाश में तैर रहे थे. इन के बीचबीच में चांद झांक रहा था. थोड़ी दूरी तक साफ दिखाई पड़ रहा था, पर थेडियस शॉलटो ने गाड़ी का एक लैंप दिखा कर हमें रास्ता दिखाया.

पांडिचेरी लॉज के चारों ओर एक बहुत ऊंची पत्थर की दीवार थी, जिस के ऊपर टूटे कांच के टुकड़े चिपके हुए थे. लोहे की सांकल वाला एक दरवाजा प्रवेश का एकमात्र रास्ता था. इस पर हमारे मार्गदर्शक ने डाकिए की तरह खटखटाया.

"कौन है?" अंदर से एक भारी आवाज आई. "मैं हूं, मैकमर्डो. अब तक तुम मेरी खटखटाहट पहचान गए होगे."

अंदर से बड़बड़ाने की आवाज आई और फिर चाबियां खनकने और सांकल खुलने की. दरवाजा पीछे की ओर धीरेधीरे खुला और एक नाटा आदमी वहां खड़ा दिखाई दिया. लालटेन की पीली रोशनी उस के आगे की ओर बढ़े चेहरे और चमकती, शक करती आंखों पर पड़ रही थी.

"मिस्टर थेडियस, आप हैं? पर आप के साथ ये बाकी लोग कौन हैं? मुझे मालिक ने इन लोगों को अंदर भेजने की कोई इजाजत नहीं दी है."

"नहीं, मैकमर्डो? तुम मुझे ताज्जुब में डाल रहे हो. मैं ने अपने भाई से पिछली रात कहा था कि मैं कुछ मित्रों को लाऊंगा."

"वह आज अपने कमरे से बाहर नहीं निकले हैं, मिस्टर थेडियस, और मुझे कोई आदेश नहीं मिला है. आप अच्छी तरह जानते हैं कि मुझे कायदों का पालन करना होता है. मैं आप को अंदर आने दे सकता हूं, पर आप के मित्रों को वहीं रुकना होगा, जहां पर वे हैं."

"यह तो अप्रत्याशित बाधा है." थेडियस शॉलटो ने चारों ओर उलझन और बेबसी से देखा.

"यह तुम अच्छा नहीं कर रहे, मैकमर्डो!" वह बोला, "अगर मैं इन की जिम्मेदारी ले रहा हूं, तो तुम्हारे लिए यह काफी होना चाहिए, यहां यह नौजवान महिला भी है. इस रात के समय वह ऐसे सड़क पर खड़ी नहीं रह सकती."

“सॉरी, मिस्टर थेडियस,” द्वारपाल ने बगैर थके हुए कहा. “ये लोग आप के दोस्त होंगे, पर हो सकता है कि मालिक के न हों. वह मुझे अपनी ड्यूटी करने के लिए अच्छी तनख्वाह देते हैं और मैं अपनी ड्यूटी करूंगा. मैं आप के किसी दोस्त को नहीं जानता.”

“बिलकुल जानते हो, मैकमर्डो,” शरलॉक होम्स ने दोस्ताना अंदाज में कहा. “मैं नहीं सोचता कि तुम मुझे भूले होगे. क्या तुम को उस नौसिखिए की याद नहीं जिस ने तुम्हारे साथ चार साल पहले एक रात एलीसन की धर्मशाला में तीन राउंड लड़ाई की थी?”

“वह वाला मिस्टर शरलॉक होम्स!” वह गुर्रा उठा. “अरे! मैं ने कैसे तुम को नहीं पहचाना? अगर वहां इस तरह चुपचाप खड़े रहने की बजाए तुम आगे बढ़ कर मेरे जबड़े के नीचे घूंसा मारते, मैं तुम को बगैर सवाल किए ही पहचान लेता. आह! तुम वह हो जिस ने अपनी प्रतिभा बेकार कर दी है! तुम चाहते तो काफी ऊंचा उठ सकते थे.”

“देखो वॉटसन, अगर सब ओर से असफल हो जाता हूं तो भी मेरे पास एक नौकरी तो रहेगी ही,” होम्स ने हंसते हुए कहा, “हमारा मित्र अब हमें बाहर ठंड में नहीं खड़ा रखेगा, मुझे मालूम है.”

“अंदर आइए, सर, अंदर आ जाइए. आप और आप के दोस्त भी,” उस ने जवाब दिया, “सॉरी मिस्टर थेडियस, पर उन का हुक्म बहुत सख्त है. आप के मित्रों के बारे में तसल्ली करनी जरूरी थी, इस के पहले कि उन को अंदर आने देता.”

अंदर एक पथरीली पगडंडी खुली जगह से होती हुई एक बड़े से घर पर जा कर खत्म हुई जो चौकोर और नीरस थी. चारों ओर से अंधेरों से घिरा हुआ, बस एक कोने में चांदनी छिटक रही थी और एक खिड़की पर चमक रही थी. इमारत का बड़ा आकार, उस की उदासी और मौत का सन्नाटा दिल में सनसनी पैदा कर रहा था. थेडियस शॉलटो भी थोड़ा परेशान नजर आया. उस के हाथ में लालटेन कंपकंपा रही थी और खड़खड़ा रही थी.

“मैं यह नहीं समझ पा रहा,” उस ने कहा, “कहीं पर कोई गलती हुई है. मैं ने बारथोलोमिऊ को साफतौर पर बताया था कि हम आएंगे और फिर भी उस की खिड़की पर कोई रोशनी नहीं है. मुझे समझ में नहीं आ रहा कि मैं इस का क्या मतलब निकालूं.”

“क्या वह हमेशा अपने घर की इतनी कड़ी निगरानी रखता है?” होम्स ने पूछा.

“हां, उस ने मेरे पिता के रिवाज को जारी रखा है. आप जानते हैं कि वह उन का सब से लाडला था और कभीकभी मैं सोचता हूं कि मेरे पिता ने जितना मुझे बताया था, उस से ज्यादा इस को बताया होगा. बारथोलोमिऊ की खिड़की वह ऊपर वाली है, जहां चांदनी टकरा रही है वह काफी तेज है, पर मुझे लग रहा है कि अंदर रोशनी नहीं है.”

“बिलकुल नहीं.” होम्स ने कहा. “पर दरवाजे के पास उस छोटी सी खिड़की में मुझे रोशनी की झलक दिखाई दे रही है.”

“आह! वह तो हाउसकीपर का कमरा है. वहीं पर बूढ़ी मिसेज बर्नस्टोन बैठा करती है. वह हम को इस बारे में सब कुछ बता देगी, पर शायद तुम लोगों को एक या दो मिनट रुकना पड़ेगा, क्योंकि अगर हम सब एकसाथ अंदर जाते हैं और उन को हमारे आने के बारे में खबर नहीं है, तो बेचारी घबरा जाएगी, पर वह क्या है?” उस ने लालटेन ऊपर उठाई और इस के हाथ तब तक हिलते रहे जब तक रोशनी के गोले हमारे चारों ओर टिमटिमा नहीं उठे. मिस मार्सटन ने मेरी कलाई पकड़ ली और हम सब धड़कते दिल लिए कानों पर जोर देते खड़े रहे. बड़े अंधेरे से, वीरान रात के बीच में से बड़ी करुण और दुखभरी आवाजें आ रही थीं. किसी डरी हुई औरत की तीखी, टूटती कराहने की आवाज.

“यह मिसेज बर्नस्टोन है,” शॉलटो ने कहा. “घर में वही एक महिला है. यहां रुकिए. मैं अभी आया.”

वह जल्दी से अंदर गया और अपने अजीब अंदाज में खटखटाया. हम ने देखा एक लंबी, बूढ़ी औरत उस को अंदर ले गई और उस को देख कर काफी खुशी जाहिर की.

“ओह मिस्टर थेडियस, सर, मैं कितनी खुश हूं कि आप आ गए. मैं कितनी खुश हूं मिस्टर थेडियस सर!”

हम ने उस को बारबार खुशी जाहिर करते सुना, जब तक दरवाजा बंद नहीं हो गया और उस की आवाज दब गई.

हमारे गाइड ने लालटेन हमारे पास ही छोड़ दी थी. होम्स ने धीरे से उस को चारों ओर घुमाया, गौर से घर की ओर देखा और खुली जगहों में जगहजगह पड़े कूड़े के ढेरों को देखा. मिस मॉर्सटन और मैं एकसाथ खड़े रहे और उस के हाथ मेरे हाथों में थे. मोहब्बत बड़ी अद्भुत चीज होती है, क्योंकि वहां हम दोनों थे, जिन्होंने आज से पहले एकदूसरे को देखा तक नहीं था.

जिन के बीच मोहब्बत का एक भी शब्द या नजर नहीं गुजरी थी और फिर भी संकट की इस घड़ी में हमारे हाथ अचानक ही एकदूसरे से मिल गए. तब से इस बात पर मैं ने आश्चर्य किया है, पर साथ ही यह स्वाभाविक लगा कि मैं उस का हाथ थामूं और जैसा उस ने मुझे कई बार बताया है, उस में भी यह भावना आई कि सहारे और रक्षा के लिए मेरे पास आए. इसलिए हम हाथ में हाथ डाले, दो बच्चों की तरह खड़े रहे और हमारे चारों ओर छाए डरावने माहौल के बावजूद हमारे दिलों में शांति थी.

"कितनी अजीब जगह है!" चारों ओर देखती वह बोली, "ऐसा लगता है जैसे इंगलैंड के सारे छछूंदर यहां पर खुले छोड़ दिए गए हैं. इस तरह की चीज मैं ने बालारात के पास एक पहाड़ के किनारे देखी थी, जहां सोने की खोज में आए लोग काम कर रहे थे."

"और इसी वजह से..." होम्स ने कहा, "ये सब खजाने की खोज में आए लोगों के निशान हैं. तुम को याद होना चाहिए कि उन्होंने छह सालों तक इसे ढूंढ़ने की कोशिश की है. कोई आश्चर्य नहीं कि यह जगह कूड़े का ढेर लग रही है."

उसी क्षण दरवाजा भड़ाक से खुला और थेडियस शॉलटो बाहर भागता आया, उस के हाथ बाहर की ओर और आंखों में खौफ भरा था.

"बारथोलोमिऊ के साथ कोई हादसा हुआ है!" वह चिल्लाया, "मैं डर रहा हूं. मुझ से बरदाश्त नहीं हो रहा."

वाकई में, डर की वजह से वह अंटसंट बोल रहा था और उस का ऐंठा हुआ कमजोर चेहरा जो उस के कोट की बड़ी कॉलर से झांक रहा था, किसी बच्चे का सा असहाय और भयभीत लग रहा था.

"घर के अंदर चलो," होम्स ने अपने दृढ़ लहजे में कहा.

"हां, चलो!" थेडियस शॉलटो ने मिन्नत की. "मैं कुछ भी निर्देश नहीं दे पा रहा."

हम सब उस के पीछेपीछे हाउसकीपर के कमरे तक गए, जो गलियारे के बाएं हाथ पर पड़ता था. बूढ़ी औरत इधर से उधर एक डरा हुआ भाव लिए टहल रही थी, पर मिस मॉर्सटन को देख कर वह कुछ शांत हुई.

जोर की सिसकी के साथ वह बोली, "तुम को देख कर मुझे अच्छा लग रहा है. ओह, पर आज मेरी बड़ी कठिन परीक्षा हुई है."

हमारे मित्र ने उस के पतले, सख्त हाथों पर थपथपाया और दया के कुछ स्त्रियोचित शब्द कहे, जिस से बूढ़ी महिला के रक्तहीन गालों पर फिर से लाली लौट आई.

“मालिक ने अपने को अंदर से बंद कर रखा है और जवाब नहीं दे रहे.” वह बोली. “सारा दिन मैं ने इंतजार किया कि वह मुझे बुलाएंगे क्योंकि वह अकसर अकेले रहना पसंद करते हैं. पर एक घंटे पहले मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है इसलिए मैं ऊपर गई और चाबी वाले सूराख से झांका. आप ऊपर जाइए मिस्टर थेडियस. आप ऊपर जा कर खुद देखिए. मैं ने दस सालों से मिस्टर बारथोलोमिऊ थेडियस को खुशी और गम में देखा है. पर मैं ने उन के चेहरे पर ऐसे भाव कभी नहीं देखे.”

शरलॉक होम्स ने लालटेन ली और आगेआगे चला, क्योंकि थेडियस शॉलटो के दांत बुरी तरह किटकिटा रहे थे. वह इतना ज्यादा हिल उठा था कि मुझे उस की बांह के नीचे अपने हाथ का सहारा दे कर सीढ़ियों पर चढ़ाना पड़ा, क्योंकि उस के घुटने कांप रहे थे. ऊपर चढ़ते वक्त दो बार होम्स ने अपनी जेब से लेंस निकाला और ध्यान से कुछ निशानों का परीक्षण किया, जो मुझे सीढ़ियों की कालीन जो नारियल के रेशों से बनी थी, के ऊपर धूल के थक्के लग रहे थे. वह हर सीढ़ी पर धीरेधीरे चढ़ रहा था और लैंप को नीचे लटका रखा था तथा दाएं बाएं नजर डालता जा रहा था. मिस मार्सटन डरी हुई हाउसकीपर के साथ नीचे ही रह गई थी.

सीढ़ियों की तीसरी फ्लाइट का अंत एक लंबे गलियारे से हुआ और उस के दाएं हाथ पर इंडियन टेपस्ट्री (छपा परदा) में एक बड़ा चित्र लटका हुआ था और बाईं ओर तीन दरवाजे थे. यहां से भी होम्स धीरेधीरे, कायदे से आगे बढ़ा, जबकि हम उस के ठीक पीछे थे. हमारी लंबी, काली परछाइयां गलियारे में पीछे की ओर पड़ रही थीं. तीसरा दरवाजा वह था, जिस की हमें तलाश थी, होम्स ने खटखटाया पर कोई जवाब नहीं आया, फिर उस ने कुंडी खोलने की कोशिश की. पर वह अंदर से बंद था और वह भी एक चौड़ी, मजबूत चटखनी से, जैसा कि हम लालटेन की रोशनी में देख पा रहे थे. पर सूराख पूरी तरह बंद नहीं था. शरलॉक होम्स ने झुक कर देखा और फौरन एक सांस खींच कर खड़ा हो गया.

“वॉटसन, यह तो कुछ खौफनाक मामला है.” उस ने कहा और उस को इतना विचलित मैं ने पहले कभी नहीं देखा था.

“तुम को क्या लगता है?”

मैं ने झुक कर सूराख से झांका और दहशत से दोहरा हो गया. कमरे में चांदनी बिखर रही थी और उस में काफी साफ रोशनी थी. सीधे मेरी ओर देखता हुआ और मानो हवा में लटका हुआ, क्योंकि नीचे सब काला अंधेरा था. एक चेहरा था- हमारे मित्र थेडियस का ही चेहरा. वही ऊंचा, चमकता सिर, वही लाल बाल, वही रक्तहीन चेहरा. पर उस के भाव एक भयानक मुसकान से स्थिर थे, एक अस्वाभाविक मुसकान जो उस खामोश, चांदनी में नहाए कमरे में दिल को दहला रही थी. वह चेहरा हमारे मित्र के चेहरे से इतना ज्यादा मिलताजुलता था कि मैं ने मुड़ कर देखा कि वह वाकई हमारे साथ है. फिर मुझे याद आया कि उस ने बताया था कि वह उस का जुड़वां भाई है.

“यह तो भयानक है. अब क्या करना होगा?”

“दरवाजा तोड़ना होगा.” उस ने जवाब दिया और छलांग लगाते हुए अपना सारा भार ताले पर डाल दिया.

वह चरमराया पर टूटा नहीं. इकट्ठे हम लोगों ने मिल कर फिर से उस पर भार डाला और इस बार वह खटाक से टूट गया और हम ने अपने को बारथोलोमिऊ शॉलटो के कमरे में पाया. ऐसा लगा मानो वह कोई रासायनिक प्रयोगशाला हो. दरवाजे के सामने वाली दीवार पर कांच की शीशियों की दोहरी पंक्ति थी और मेज पर बनसेन बर्नर, परखनलियां और बकयंत्र फैले पड़े थे. एसिड के जार बांस की टोकरियों में कोनों में पड़े थे. इन में से एक ऐसा जान पड़ रहा था मानो लीक कर रहा हो या टूट गया हो, क्योंकि गहरे रंग का तरल पदार्थ उस में से बह रहा था और एक अजीब सी महक कमरे में फैली हुई थी. कमरे के एक ओर से छोटी सी सीढ़ी पड़ी थी, प्लास्टर के टुकड़ों के बीच में और उन के ऊपर छत पर एक इतना बड़ा सूराख था कि एक आदमी उस में से निकल सके, सीढ़ियों के नीचे एक लंबी रस्सी लापरवाही से पड़ी हुई थी.

मेज के पास, एक लकड़ी की आरामकुरसी पर घर का मालिक गठरी बना बैठा था, उस का सिर बाएं कंधे पर झूल रहा था और चेहरे पर वह भुतहा मुसकराहट छाई हुई थी. वह निश्चल और ठंडा पड़ा था और साफ था कि वह कई घंटों से मरा पड़ा था. मुझे लग रहा था कि न सिर्फ उस का चेहरा, पर उस के हाथ पैर भी बुरी तरह मुड़ेतुड़े हुए थे, मेज पर उस के हाथ के पास एक अजीब सा यंत्र पड़ा हुआ था-एक कत्थई लाठी, जिस की मूठ हथौड़े की तरह पत्थर की बनी हुई थी और उस पर रुखी सी रस्सी लिपटी हुई थी. उस के पास कागज का एक फटा हुआ टुकड़ा पड़ा था,

जिस पर अस्पष्ट से कुछ शब्द लिखे हुए थे. होम्स ने उस पर नजर डाली फिर मुझे थमा दिया. “देखो,” अपनी भौंहें उचकाते वह मुझ से बोला.

लालटेन की रोशनी में मैं ने भय के रोमांच के साथ पढ़ा. “चार का चिन्ह.”

“इस सब का क्या मतलब है?” मैं ने पूछा.

“इस का मतलब है हत्या,” उस ने मरे हुए आदमी पर झुकते हुए कहा. “आह! मुझे इसी की उम्मीद थी. यहां देखो!”

उस ने कान के ठीक ऊपर खाल पर चिपके एक लंबे गहरे रंग के कांटे की ओर इशारा किया.

“यह तो कांटे जैसे दिखाई दे रहा है,” मैं ने कहा.

“यह कांटा ही है. तुम इसे निकाल सकते हो. पर ध्यान से, क्योंकि यह जहरीला है.”

मैं ने अपनी अंगुलियों और अंगूठे के बीच रख कर उसे उठाया. वह खाल में से इतनी आसानी से निकल आया कि खाल पर कोई निशान नहीं पड़ा. खून की एक छोटी सी बूंद से पता चल रहा था कि तीर कहां चुभा था.

“यह तो अनसुलझी गुत्थी है मेरे लिए.” मैं ने कहा, “यह साफ होने की बजाए उलझती जा रही है.”

“इस के विपरीत,” उस ने जवाब दिया, “यह हर पल साफ होती जा रही है. मुझे पूरी गुत्थी सुलझाने में कुछ ही कड़ियों की जरूरत है.

“हम अपने मित्रों की उपस्थिति बिलकुल भूल गए थे, जब से हम ने कमरे में प्रवेश किया था, वह अब भी दरवाजे पर खड़ा था, भय की मूर्ति बना, अपने हाथ मसोसता और मन ही मन विलाप करता हुआ. पर अचानक वह जोर से चिल्ला पड़ा.”

“खजाना चला गया!” वह बोला. “उन्होंने खजाना उस से छीन लिया! वह रहा वह सूराख जिस से हम ने उसे नीचे उतारा था. मैं ने उस की मदद की थी! उसे देखने वाला आखिरी व्यक्ति मैं ही था! मैं ने पिछली रात उसे यहीं छोड़ा था और जब मैं नीचे उतरा, मैं ने उसे दरवाजा बंद करते सुना था.”

“यह किस वक्त की बात है?”

“उस समय दस बज रहे थे. अब वह मर गया है और पुलिस बुलाई जाएगी और शक किया जाएगा कि इस में मेरा हाथ था. हां, मुझे मालूम है कि ऐसा ही होगा. पर आप लोग तो ऐसा नहीं सोचते? आप लोगों को तो नहीं लगता कि खून मैं ने किया है? क्या यह संभव है कि अगर मैं हत्यारा होता तो मैं ही आप को यहां लाता? ओह! मै जानता हूं कि मैं पागल हो जाऊंगा!”

उस ने हाथों को झटका दिया और पागलपन के से दौरे में पैर पटकने लगा.

“मिस्टर शॉलटो, तुम को डरने की कोई जरूरत नहीं.” होम्स ने प्यार से अपना हाथ उस के कंधे पर रखते हुए कहा, “मेरी राय मानो और थाने जा कर पुलिस में रिपोर्ट लिखवाओ. उन से कहो कि तुम उन की पूरी मदद करोगे. हम यहां पर तुम्हारे आने का इंतजार करेंगे.”

छोटे आदमी ने अपने आधे होश में उस की बात मानी और हम ने अंधेरे में उसे लड़खड़ाते हुए जाते देखा.

शरलॉक होम्स कुछ साबित करता है

“अब, वॉटसन,” होम्स ने हाथ मलते हुए कहा. “हमारे पास अब आधा घंटा है. उस का पूरा फायदा उठाना होगा. जैसा मैं तुम को बता चुका हूं, मेरा केस लगभग पूरा हो चुका है, पर हमें जरूरत से ज्यादा विश्वस्त नहीं होना चाहिए. इस वक्त भले ही केस आसान लग रहा हो. हो सकता है कि इस के नीचे कुछ गहरा राज छिपा हुआ हो.”

“आसान!” मैं बोल पड़ा.

“बिलकुल” उस ने एक क्लीनिकल प्रोफेसर जैसे अंदाज में कहा. “जरा उस कोने में बैठो, ताकि तुम्हारे पैरों के निशान मामले को उलझा न दें. अब काम की बात! सब से पहले तो आखिर ये लोग कैसे आए और कैसे वापस गए? पिछली रात से दरवाजा खोला नहीं गया है, तो फिर खिड़की से?” वह लालटेन खिड़की तक ले गया और अपने विचार जोरजोर से बोलता रहा, पर वह अपनेआप से बोल रहा था, मुझ से नहीं. “खिड़की में अंदर से चटखनी लगी है और इस का ढांचा मजबूत है. किनारों पर कोई चूल नहीं है. इस को खोल कर देखते हैं पास में कोई पानी का पाइप नहीं है. छत भी पहुंच के बाहर है. फिर भी एक आदमी खिड़की के सहारे अंदर आ जाता है. पिछली रात थोड़ी बारिश हुई थी. यहां पर खिड़की की देहली पर मिट्टी में पैर के निशान हैं. यहां पर मिट्टी में एक गोल निशान है और फिर यहां मेज के पास भी है. यहां देखो, वॉटसन! यह तो बड़ा सुंदर सबूत है.”

“मैं ने मिट्टी पर बने गोले देखे. पर यह पैर का निशान नहीं है,” मैं ने कहा.

“यह हमारे लिए बड़ा महत्त्वपूर्ण है, यह लकड़ी के डंडे का निशान है. खिड़की की देहली पर बूट का निशान है, एक भारी बूट जिस की एड़ी चौड़े धातु की है और इस के पास लकड़ी के पंजे का निशान है.”

“यह लकड़ी के पैर वाला आदमी है.”

“बिलकुल. पर यहां कोई और भी था, जो पूरी तरह सक्षम है. क्या तुम वह दीवार फांद सकते हो, डाक्टर.”

मैं ने खुली खिड़की से बाहर देखा. घर के उस कोण पर चांद अब भी चमक रहा था, हम लोग जमीन से खासे करीब ढाई मीटर ऊपर थे और मैं

जिस ओर भी देख सकता, ईंट की दीवारों में पैर टिकाने की कोई जगह नहीं थी.

"बिलकुल असंभव" मैं ने जवाब दिया. "मदद के बिना असंभव है. पर मान लो, यहां ऊपर तुम्हारा कोई मित्र हो जो तुम्हारे लिए यह मजबूत रस्सी नीचे लटका दे, जो मुझे कोने में पड़ी नजर आ रही है और इस का दूसरा सिरा इस मोटे खूंटे से बांध दे. फिर मैं सोचता हूं, अगर तुम फुरतीले होगे, तो लकड़ी के पैर के बावजूद तुम ऊपर चढ़ सकोगे. ऐसे ही तुम नीचे भी उतर जाओगे और तुम्हारा सहयोगी रस्सी ऊपर खींच लेगा, खूंटे से उसे खोलेगा, खिड़की बंद करेगा, अंदर की उस की चटखनी लगाएगा और वैसे ही वापस लौट जाएगा जैसे आया था."

"एक छोटी सी बात जो गौर करने वाली है," वह रस्सी खोलता कहता गया, "हमारा लकड़ी के पैरों वाला दोस्त चढ़ तो सकता था पर अच्छा नाविक नहीं था. उस के हाथों में गांठें नहीं थीं. मेरे लेंस में एक से ज्यादा खून के धब्बे दिखाई दे रहे हैं, खासकर रस्सी के आखिरी छोर पर, जिस से मैं समझ रहा हूं कि वह इतनी तेजी से फिसला कि उस के हाथ की खाल छिल गई."

"यह सब तो ठीक है," मैं ने कहा. "पर बात अब भी समझ के बाहर है. यह रहस्यमयी दोस्त कौन है? वह कमरे में कैसे आया?"

"हां, वह सहयोगी," होम्स ने सोचते हुए दोहराया. "इस सहयोगी की बात भी दिलचस्प है. उस के होने से मामला साधारण मामलों से ऊपर उठ जाता है. मेरे खयाल से यह सहयोगी इस देश के अपराध जगत में ताजा है, हालांकि इस से मिलतेजुलते मामले इशारा करते हैं कि इंडिया में ऐसे मामले हो चुके हैं. अगर मुझे ठीक से याद हो तो सेनेगैंबिया से."

"फिर यह कैसे आया?" मैं ने सवाल किया. "दरवाजा बंद है, खिड़की से आ नहीं सकते. क्या वह चिमनी से अंदर आया?"

"चिमनी बहुत छोटी है," उस ने जवाब दिया. "मैं इस संभावना पर पहले ही विचार कर चुका हूं."

"फिर कैसे?" मैं अड़ा रहा.

सिर हिलाते हुए उस ने कहा, "कितनी बार मैं ने तुम से कहा है कि जब तुम असंभव हटा देते हो, तो जो भी बचता है, चाहे कितना भी अजीब लगे, सत्य ही होगा. हम जानते हैं कि वह दरवाजे से नहीं आया था, न खिड़की

से न चिमनी से. हम यह भी जानते हैं कि वह कमरे में नहीं छिपा हुआ था, क्योंकि यहां छुपने की कोई जगह नहीं है. फिर वह कहां से आया?”

“वह छत के सूराख से आया?” मैं चिल्लाया. “बिलकुल आया. उस ने यही किया होगा. अगर तुम मेरे लिए लालटेन उठा सको, तो हम ऊपर वाले कमरे में छानबीन करते हैं. वह गुप्त कमरा जिस में खजाना मिला था.”

वह सीढ़ियों पर चढ़ा और एकएक हाथ से एक बल्ली पकड़ कर वह झूल कर ऊपर अटारी में पहुंच गया. फिर, मुंह के बल लेट कर उस ने लालटेन उठाई और मैं उस के पीछेपीछे चला आया.

हम ने जिस कमरे में अपने को पाया, वह करीब तीन मीटर लंबाई और डेढ़ मीटर चौड़ाई में था. फर्श बल्लियों का बना हुआ था, जिन के बीच में प्लास्टर था, इसलिए चलते वक्त एक बल्ली से दूसरी बल्ली पर जाना पड़ रहा था. उस की छत पर एक शिखर था, जो घर की असली छत का अंदरूनी भाग था. यहां पर किसी तरह का कोई फर्नीचर नहीं था और सालों से इकट्ठी हुई धूल की परत फर्श पर जमी थी.

“देखा, बात यह है,” शरलॉक होम्स ने ढलान वाली दीवार पर हाथ रखते हुए कहा. “यह एक गुप्त दरवाजा है जो छत तक जाता है. मैं इसे वापस दबा देता हूं, और यह छत है, जो हलके से कोण पर ढलान पर है. इस का मतलब यह है कि नंबर एक ने इस रास्ते से प्रवेश किया चलो, देखते हैं कि हम उस के व्यक्तित्व के बारे में कुछ ढूंढ़ पाते हैं या नहीं.”

उस ने लालटेन की रोशनी जमीन पर दिखाई और ऐसा करते समय उस रात दूसरी बार मैं ने उस के चेहरे पर आश्चर्य के भाव देखे. जहां तक मेरा सवाल था, मैं ने उस की नजर का पीछा किया तो मेरी खाल कपड़ों के अंदर भी ठंडी पड़ गई. फर्श पर नंगे पैर के निशान भरे पड़े थे. साफ, स्पष्ट, पर नाप में किसी सामान्य आदमी से आधे.

“होम्स,” मैं ने फुसफसा कर कहा. “यह काम किसी बच्चे ने किया है.”

पल भर में ही वह सहज हो गया था. “उस समय तो मैं भी हिल उठा था,” उस ने कहा, “पर यह बात स्वाभाविक है. मेरी याददाश्त ने साथ नहीं दिया, नहीं तो पहले ही बता देता कि अब यहां पर जानने के लिए कुछ और नहीं बचा है. चलो, नीचे चलते हैं.”

“तुम्हारी थ्योरी इन पैरों के निशानों के बारे में क्या है?” मैं ने उत्सुकता से पूछा, जब हम फिर से नीचे वाले कमरे में पहुंचे.

“माई डियर वॉटसन, खुद भी सोचने की कोशिश करो,” वह बोला, “तुम को मेरे तरीके मालूम हैं, उन को लागू करो और नतीजे पर पहुंचो.”

“मैं कुछ भी नहीं सोच पा रहा जो सभी तथ्यों का जवाब दे सके.” मैं ने कहा.

“तुम को जल्दी ही सब साफ हो जाएगा,” उस ने ऐसे ही कहा. “मैं समझता हूं कि अब, यहां काम का और कुछ भी नहीं है, पर मैं देखता हूं.”

उस ने अपना लेंस निकाला और नापने का फीता और घुटनों के बल बैठ कर कमरे की जांच करने लगा. नापता, तुलना करता, जांचता-उस की लंबी नाक बल्लियों से कुछ ही दूरी पर थी और उस की मोतियों जैसी आंखें चिड़ियों की आंखों की तरह चौकस थीं. उस की हरकतें फुरतीली और शांत थीं, जैसे कि किसी बू के पीछे दौड़ता शिकारी कुत्ता. मैं यह सोचने पर मजबूर हो गया कि अगर इस ने अपना दिमाग अपराधी बनने में लगाया होता तो कितना भयंकर अपराधी हो सकता था. ढूंढ़तेढूंढ़ते वह कुछ बड़बड़ाता भी जा रहा था और आखिर में खुशी से चिल्ला पड़ा.

वह बोला, “अब हमें शायद ही कोई परेशानी हो. नंबर वन का पैर लोहबान में पड़ गया. इस बदबूदार गंदगी के पास तुम उस के छोटे से पैर के निशान देख सकते हो. करावा चटक गया है और लोहबान बह रहा है.”

“फिर?” मैं ने पूछा.

“क्यों, हमें वह मिल गया है, बस,” वह बोला. “मैं एक कुत्ते को जानता हूं जो इस महक का दुनिया के आखिरी छोर तक पीछा कर सकता है. इतनी तेज महक के पीछे एक प्रशिक्षित कुत्ता कितनी दूर जा सकता है? तीन नियम में यह सवाल जैसा है. इस का जवाब हमें... पर हेलो, कानून के रक्षक आ पहुंचे हैं.”

भारी कदमों की आहट और तेज आवाजें जो नीचे से आती सुनाई पड़ रही थीं और हाल का दरवाजा भड़ाक से बंद हो गया.

“उन के आने से पहले,” होम्स ने कहा, “अपना हाथ इस बेचारे की बांह पर रखो और यहां इस के पैर पर. तुम को क्या लगता है?”

“इस की मांसपेशियां लकड़ी की तरह सख्त हैं.”

“बिलकुल, ये बिलकुल ऐंठी हुई हैं और चेहरा एकदम टेढ़ा है. इस से तुम किसी नतीजे पर पहुंचते हो?”

“किसी तेज वेजीटेबल एलकालॉयड से मौत,” मैं ने जवाब दिया. “कोई ऐसा तत्त्व जिस से टिटनेस हो सकता है.”

“जैसे ही मैं ने चेहरे की खिंची हुई मांसपेशियां देखीं, यही विचार मेरे मन में भी आया. कमरे में घुसने के बाद मैं ने उस स्रोत को ढूंढ़ने की कोशिश की जिस से जहर उस के शरीर में फैला था जैसा तुम ने देखा, मैं ने एक कांटा देखा, जो उस की खोपड़ी में धीरे से घुसा था. तुम ने देखा कि जिस जगह कांटा लगा था, वह छत के सूराख की तरफ था, अगर उस वक्त यह अपनी कुरसी पर बैठा था, अब कांटे की जांच करो.”

मैं ने ध्यान से उसे उठाया और लालटेन की रोशनी में उसे देखा, वह लंबा पैना और काला था. वह नोक पर चमक रहा था, मानो कोई चिपकाने वाला पदार्थ उस पर सुखाया गया हो. उस का धारहीन हिस्सा काट कर गोल कर दिया गया था.

“क्या यह इंगलिश कांटा है?” उस ने पूछा.

“नहीं, बिलकुल नहीं.”

“इन सब तथ्यों से तुम किस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हो. पर अब पेशेवर लोग आ गए हैं, इसलिए हम सहायकों को पीछे हट जाना चाहिए.”

जब वह यह कह रहा था, उस वक्त वे कदम जो पास आ रहे थे, गलियारे में जोर से सुनाई देने लगे और एक बेहद हट्टाकट्टा आदमी, सलेटी रंग का सूट पहने भारी कदमों से कमरे में दाखिल हुआ. वह लाल चेहरे वाला, मोटा, रक्तपित्त वाला था. उस के पास दो छोटीछोटी चमकती आंखें थीं, जो बहुत ध्यान से देख रही थीं. उस के ठीक पीछे यूनिफॉर्म (वरदी) पहने एक इंस्पेक्टर था और अब भी थरथर कांपता थेडियस शालटो.

“यहां पर काम है!” दबी सी, फटी आवाज में वह बोला. “यहां जरूरी काम है. पर ये लोग कौन हैं? यह घर तो खरगोश के दड़बे से भी ज्यादा भरा लग रहा है.”

“मेरे खयाल से आप मुझे जानते हैं, मिस्टर एथेलनी जोंस,” होम्स ने धीरे से कहा.

“क्यों, बिलकुल मुझे याद है!” वह उखड़ी सांस से बोला. “तुम मिस्टर शरलॉक होम्स हो. याद रखूंगा! मैं कभी नहीं भूलूंगा कि कैसे तुम ने बिरापगेट ज्वैल मामले में हम सब को कारण, निष्कर्ष और नतीजों पर लेक्चर दिया था. यह सच है कि तुम ने हमें सही पटरी पर खड़ा किया, पर

अब तुम मानोगे कि वह अच्छी किस्मत की वजह से था, अच्छे निर्देश की वजह से नहीं.”

“मैं बहुत आसान तर्कों से समझा रहा था.”

“ओह, चलो, अब कबूलने में शर्म मत करो, पर यह सब क्या है? बड़ा गंदा काम हुआ है. बड़ा गंदा, यह सिर्फ तथ्य है. सिद्धांतों का काम नहीं है. एक केस के सिलसिले में नॉरवुड से आया था! मैं स्टेशन पर था, जब यह संदेश आया था. तुम क्या सोचते हो? यह आदमी किस तरह मरा?”

“ओह यह ऐसा केस नहीं है, जिस पर मैं अपने सिद्धांत झाड़ सकूं.” होम्स ने रुखाई से कहा.

“नहींनहीं. फिर भी हम इनकार नहीं कर सकते कि तुम कभीकभी सटीक राय जाहिर करते हो. मित्र, दरवाजा बंद है. आधा मिलियन के कीमती जेवर गायब हैं. खिड़की का क्या हाल था?” “बंद थी. पर खिड़की की देहली पर कदमों के निशान थे.”

“खैर, अगर खिड़की बंद थी तो उन कदमों का कोई मतलब नहीं है, यह तो सहज बुद्धि की बात है. हो सकता है कि उस आदमी को दौरा पड़ा हो, पर फिर जेवर गायब हैं. हां, मेरी समझ में कुछ आ रहा है. मेरे दिमाग में कभी कभी ऐसी समझ कौंध जाती है. जरा बाहर निकलना सारजेंट और तुम मिस्टर शालटो. तुम्हारा मित्र रह सकता है. इस के बारे में क्या सोचते हो, होम्स? शालटो ने खुद कबूला है कि पिछली रात वह अपने भाई के साथ था. भाई को दौरा पड़ने से मर गया और शालटो खजाने के साथ निकल लिया! कैसी रही?”

“और फिर मरा हुआ आदमी बड़ी समझदारी से उठा और उस ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया.”

“हम्म! यहां कोई गड़बड़ है. अब इस मामले में अपनी कॉमन सेंस लागू करनी होगी. यह थेडियस शालटो अपने भाई के साथ था. लड़ाई भी हुई थी. इतना हम जानते हैं. अब भाई मर गया है और खजाना जा चुका है. यह भी हम जानते हैं. थेडियस के जाने के बाद किसी ने भी भाई को नहीं देखा. वह बिस्तर में नहीं सोया था. जाहिर है कि थेडियस बड़ी परेशानी की हालत में है, उस की दशा देखी नहीं जा रही है. मैं अपना जाल थेडियस के चारों ओर बुन रहा हूं. जाल उस पर कसता जा रहा है.”

“तुम्हारे पास अभी सारे तथ्य नहीं हैं,” होम्स ने कहा. “लकड़ी का यह कांटा, जो मैं जानता हूं कि जहरीला है, इस आदमी की खोपड़ी में था, जहां

तुम अब भी निशान देख सकते हो. यह कार्ड टेबुल पर पड़ा था और उस के पास यह अजीब सा पत्थर के सिरे वाला औजार, यह सब तुम्हारे हिसाब से केस से कैसे ताल्लुक रखता है?"

"हर दशा में उसे मजबूत बनाता है," मोटे जासूस ने घमंड से कहा. "घर भारतीय कलाकृतियों से भरा पड़ा है. थेडियस इस को ले कर ऊपर आया और अगर यह कांटा जहरीला है, तो थेडियस ने इस का इस्तेमाल भाई को मारने में किया. यह कार्ड हमें बहकाने के लिए रखा गया है-जिस का कोई महत्त्व नहीं है. बस एक ही सवाल बचा है कि वह यहां से गया कैसे? अरे, देखो, छत में एक सूराख है."

अपने नाप के अनुपात में गजब की फुरती दिखाते हुए वह सीढ़ियों के ऊपर चढ़ता हुआ अटारी में घुस गया और तुरंत बाद ही हम ने उस की उत्साहित आवाज सुनी कि उसे गुप्त दरवाजा मिल गया है.

"वह कुछ ढूंढ़ भी सकता है," होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा. "कभीकभी दिमाग का इस्तेमाल कर लेता है."

"ऐसा है!" एथेलनी जोंस ने सीढ़ियों पर फिर से प्रकट होते हुए कहा, "तथ्य खोजना ही ठीक रहता है. इस केस के मामले में मेरी राय तय हो गई है. छत की ओर जाने के लिए एक गुप्त दरवाजा है और वह थोड़ा सा खुला हुआ है."

"वह मैं ने खोला था."

"अच्छाअच्छा! तो तुम ने भी गौर किया?" वह इस बात से निराश लगा. "खैर, जिस किसी ने पहले गौर किया हो, यह फर्क नहीं पड़ता, पर इस से यही मालूम होता है कि हमारा सज्जन कैसे भागा, इंस्पेक्टर!" "जी सर!" गलियारे से आवाज आई.

"मिस्टर शालटो से कहो कि यहां आएं." उस के आने पर वह बोला, "मिस्टर शालटो, मेरा फर्ज है कि तुम को सूचित करूं कि तुम जो भी कहोगे, वह तुम्हारे खिलाफ इस्तेमाल होगा. मैं तुम को क्वीन के नाम पर गिरफ्तार करता हूं कि तुम अपने भाई की मौत के जिम्मेदार हो."

"अब देखो, क्या मैं ने ऐसा नहीं कहा था?" बेचारा छोटा आदमी चिल्लाया, हाथ पटकते और हम दोनों की ओर बारीबारी से देखने लगा.

"इस के बारे में चिंता मत करो, मिस्टर शालटो," होम्स ने कहा. "मैं समझता हूं कि मैं तुम को इस आरोप से बरी करवा दूंगा."

“ज्यादा दिलासा मत दो, मिस्टर थ्योरिस्ट, ज्यादा दिलासा मत दो!” जासूस भड़क उठा. “तुम इसे जितना आसान समझ रहे हो, यह उस से कहीं ज्यादा कठिन मामला है.”

“न सिर्फ मैं इसे निर्दोष साबित करूंगा, मिस्टर जोंस, बल्कि मैं आप को मुफ्त के तोहफे के तौर पर पिछली रात इस कमरे में हाजिर दो में से एक आदमी का नाम और हुलिया बता सकता हूं. यह मानने के मेरे पास पर्याप्त वजह है कि उस का नाम जोनाथन स्मॉल है. वह कम पढ़ालिखा आदमी है, छोटा, फुरतीला जिस का दायां पैर नहीं है. वह लकड़ी का पैर पहनता है, जो अंदर की ओर घिस चुका है. उस के बाएं बूट का सोल चौकोर पंजे वाला है और एड़ी पर एक बैंड है. वह अधेड़ उमर का है, सूरज से स्याह पड़ा रंग और अभियुक्त भी रहा है, ये कुछ संकेत तुम को कुछ सहायता दे सकते हैं. इस के अलावा, उस की हथेली की काफी खाल छिली हुई है. दूसरा आदमी...”

“आह दूसरा आदमी?” एथेलनी जोंस से चिढ़ाने की सी आवाज में पूछा, हालांकि मैं आसानी से देख पा रहा था कि वह प्रभावित भी था-होम्स की इतनी दो टूक बात सुन कर.

“यह बड़ा अजीब आदमी है,” शरलॉक होम्स ने वापस मुड़ते हुए कहा. “मुझे उम्मीद है कि मैं जल्दी ही दोनों का आप से परिचय करा सकूंगा. तुम से एक बात कहनी है, वॉटसन.”

“वह मुझे सीढ़ी के सिरे तक ले गया.”

“यह असंभावित घटना हमारी यात्रा के असली मकसद से हमें दूर ले गई है.”

“मैं भी अभी यही सोच रहा था,” मैं ने जवाब दिया. “यह उचित नहीं है कि मिस मॉर्सटन इस पीड़ित घर में रहे.”

“नहीं, तुम उस को घर ले जाओ. वह मिसेज सीसिल फॉरेस्टर के साथ लोअर केंबरवेल में रहती है, इसलिए वह बहुत दूर नहीं है. मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा अगर तुम लौटना चाहो या शायद तुम बहुत ज्यादा थके हुए हो?”

“किसी हालत में नहीं, मैं नहीं सोचता कि मैं तब तक आराम कर पाऊंगा जब तक मुझे इस रोमांचक मामले के बारे में कुछ और जानकारी नहीं मिलती. मैं ने जिंदगी में बहुत उतारचढ़ाव देखे हैं, पर मैं कसम खा सकता हूं कि आज रात के इतने सारे विचित्र अजूबे देख कर मैं पूरी तरह

हिल उठा हूं. फिर भी इतनी दूर आ जाने पर मैं मामले को सुलझता देखना चाहता हूं."

"तुम्हारे रहने से मुझे बड़ी मदद मिलेगी." उस ने जवाब दिया. "हम यह केस अपनेआप सुलझाएंगे और इस बड़बोले जोंस को जो कहानी गढ़नी है, गढ़ ले. मिस मॉर्सटन को छोड़ने के बाद मैं चाहता हूं कि तुम नंबर 3 पिनचिन लेन, लेमबेथ चले जाओ, जो पानी के किनारे है. दाएं से तीसरा घर शेरमन नामक आदमी का है. खिड़की पर तुम एक नेवले के मुंह में खरगोश देखोगे. बूढ़े शेरमॉन को जगाना और कहना कि मुझे फौरन टोबी चाहिए और तुम टोबी को कैब में अपने साथ ले कर आओगे."

"कुत्ता शायद?"

"हां, एक अजीब सड़की कुत्ता है, जिस में सूंघने की अद्भुत क्षमता है. मैं टोबी की मदद लेना पसंद करूंगा, पूरे लंदन में जासूसी फौज के बदले."

"फिर मैं उसे ले आऊंगा," मैं ने कहा. "इस समय एक बज रहा है. मैं शायद तीन बजे तक लौट आऊंगा, अगर मुझे ताजा घोड़ा मिल सके तो."

"और मैं," होम्स ने कहा, "देखूंगा कि मैं मिसेज बर्नस्टोन और इंडियन नौकर से क्या बात कर सकता हूं, जो जैसा थेडियस बताता है, अगली अटारी में सोता है. फिर मैं इस महान जोंस के तरीकों पर गौर करुंगा और उस की छींटाकशी सुनूंगा, जो सुनने में अच्छी नहीं लगती."

पीपे का किस्सा

पुलिस अपने साथ कैब ले कर आई थी और इसी कैब में मैं मिस मॉर्सटन को उस के घर तक छोड़ने गया. स्त्रियों की दिव्य क्षमता के अनुरूप, जिस में अपने से कमजोर के सामने वे अपनी परेशानियों का इजहार नहीं करतीं, मिस मार्सटन भी डरी हुई हाउसकीपर के सामने शांत और खुश दिख रही थी. पर कैब के अंदर पहले तो वह बेहोश हुई और फिर उस पर रोने का दौरा चढ़ा. रात की घटनाओं से उस के ऊपर इतना बुरा असर पड़ा था. उस ने मुझे बताया कि उस वक्त उस ने मुझे ठंडा और रूखा पाया. उसे मेरे दिल में उठ रही दुविधा का अंदाज नहीं था, या मैं कितनी कोशिश कर के अपने को संयम में रख रहा था, मेरी सहानुभूति और प्यार उस के साथ थे, जैसे बगीचे में मेरा हाथ उस के हाथ में था, मुझे लगा कि जिंदगी के तमाम अनुभवों के बावजूद मैं उस के अच्छे स्वभाव को नहीं जान पाता, जितना आज वह विचित्र अनुभवों के दौरान उस के साथ रह कर जान पाया था. पर फिर भी, दो बातों ने मेरे दिल की बात होंठों के बाहर नहीं आने दी.

वह कमजोर और बेबस थी और उस के दिल और दिमाग हिल उठे थे. ऐसे समय में उस के ऊपर मोहब्बत थोपने का मतलब होता उस की बेबसी का फायदा उठाना. इस के अतिरिक्त वह अमीर थी. अगर होम्स के प्रयास सफल हो जाते, तो वह भारी दौलत की वारिस हो जाएगी. क्या यह उचित था, कि आधी तनख्वाह पाने वाला एक सर्जन ऐसी नजदीकी का फायदा उठाए जो महज इत्तफाक से हुई थी. क्या वह मुझ को दौलत का लालची एक सस्ता आदमी नहीं समझेगी? मुझे गवारा नहीं था कि ऐसी बात उस के मन में उठे. आगरा का यह खजाना हमारे बीच एक अभेद्य बाध बन कर खड़ा था.

जब हम मिसेज सीसिल फॉरेस्टर के घर पहुंचे, तो करीब दो बज रहे थे. नौकर घंटों पहले सो चुके थे, पर मिसेज फॉरेस्टर को उस अजीब संदेश में इतनी रुचि थी जो मिस मॉर्सटन को मिला था कि वह उस की वापसी का इंतजार करती. वह अब तक जागी हुई थी. उस ने खुद ही दरवाजा खोला, एक अधेड़ उमर की आकर्षक महिला और मुझे यह देख कर खुशी हुई कि उस ने कितने प्यार से उस की कमर में हाथ डाल कर उस का बिलकुल मां की सी आवाज में स्वागत किया.

साफ था कि वह मात्र पेइंग गेस्ट नहीं थी, पर एक प्यारी दोस्त थी. मेरा परिचय हुआ और मिसेज फॉरेस्टर ने मुझ से आग्रह किया कि मैं अंदर आ

कर सब बातें बताऊं. फिर भी मैं ने उन को बताया कि मुझे अभी जरूरी काम है और वादा किया कि अगर केस में कोई तरक्की होती है तो मैं उन को बताने जरूर आऊंगा. जब हम वहां से निकल रहे थे, तो मैं ने मुड़ कर पीछे देखा. मुझे वे दोनों अब भी सीढ़ियों पर खड़ी नजर आ रही थीं. दोनों सलीकेदार आकृतियां, आधा खुला दरवाजा, रंगीन कांच से आती हॉल की रोशनी, सीढ़ियों के चमकीले हत्थे और बैरोमीटर.

एक शांत इंगलिश घर की यह झलक उस खौफनाक काम के बीच बड़ी राहत दे रही थी, जिस में हम उलझे हुए थे. जितना भी मैं ने पूरी घटना के बारे में सोचा मुझे वह और भी काली और फैलती हुई दिखी. गैस की रोशनी से प्रकाशित वीरान सड़कों पर गाड़ी दौड़ाते मैं ने सारी घटनाओं को शुरू से आखिर तक सोचा. एक बात तय थी कि कम से कम मूल उलझन साफ हो गई थी. कैप्टन मॉर्सटन की मौत, मोतियों का तोहफा, विज्ञापन पत्र-इन सभी घटनाओं के रहस्य खुल चुके थे.

पर इन सब रहस्यों के खुलने पर हम एक और भी गहरी साजिश के करीब पहुंच चुके थे. भारतीय खजाना, मॉर्सटन के सामान में पाया गया अजीब नक्शा, मेजर शालटो की मौत का अजीब दृश्य, खजाने के पाए जाने के तुरंत बाद ही खोजने वाले की मौत, अपराध के लिए प्रयोग में लाई गई अजीबोगरीब चीजें, कदमों के निशान, हथियार, कार्ड के ऊपर लिखे हुए शब्द, जो कैप्टन मॉर्सटन के चार्ट पर भी थे-यहां पर ऐसी भूलभुलैया थी, जिस में मेरे मित्र होम्स से कम अक्ल वाले किसी भी व्यक्ति को सुराग तलाशने में हताशा ही हाथ लगती.

पिनचिन लेन, लेमबेथ के निचले इलाके में दो मंजिले घरों की बदरंग कतार थी. मुझे नंबर 3 पर कुछ देर तक खटकाना पड़ा, तब जा कर अंदर कुछ हरकत हुई. आखिर में परदे के पीछे से मोमबत्ती की लौ की परछाईं सी दिखी और ऊपर खिड़की से एक चेहरा झांका.

“यहां से दफा हो जा, शराबी,” चेहरे ने कहा. “अगर और शोरगुल किया, तो मैं कुत्तों के दड़बे खोल कर 43 कुत्ते तुम्हारे पीछे दौड़ा दूंगा.”

“अगर तुम एक कुत्ता मुझे दे दो, मैं इसी लिए आया हूं.”

“हां, कहते जाओ!” आवाज आई. “यहां थैले में मेरे पास एक सांप है, जो तुम्हारे सिर पर गिरा दूंगा अगर तुम यहां से भाग नहीं जाते.”

“पर मुझे एक कुत्ता चाहिए.” मैं चिल्लाया.

“मुझ से बहस मत करो!” शेरमन चिल्लाया. “अब रास्ते से हटो, क्योंकि जब मैं ‘तीन’ गिनूंगा, सांप नीचे गिर जाएगा.”

“मिस्टर शरलॉक होम्स”-मैं ने कहना शुरू किया. इन शब्दों का लगभग जादुई असर हुआ, क्योंकि खिड़की फौरन बंद हो गई और मिनट भर में ही दरवाजा खुल गया. मिस्टर शेरमान दुबलापतला, झुके कंधे, झुर्रीदार गरदन और नीले शीशे का चश्मा पहने एक बूढ़ा आदमी था.

“मिस्टर शरलॉक होम्स के मित्र का हमेशा स्वागत है.” वह बोला. “अंदर आइए, सर. इस से बच कर, क्योंकि यह काट लेता है. आह! बदमाश! बदमाश! क्या तुम इस सज्जन को काटोगे?” यह उस ने एक से कहा, जिस ने अपना खूंखार मुंह और लाल आंखें अपने पिंजरे की सलाखों से बाहर निकाल रखी थीं. “उस से डरिए मत सर, यह कोई नुकसान नहीं कर सकता. इस के दांत भी नहीं हैं, इसलिए मैं इसे कमरे में खुला छोड़ देता हूं क्योंकि इस से कीड़ेमकोड़े कम हो जाते हैं. आप को बुरा नहीं मानना चाहिए कि मैं पहले आप पर चिल्ला रहा था, क्योंकि बच्चे मुझे तंग करते हैं और कोईकोई तो गली में आ कर यूं ही दरवाजा खटखटा जाता है. मिस्टर होम्स ने आप को किस लिए भेजा था?”

“उस को तुम्हारा एक कुत्ता चाहिए.”

“आह! वह तो टोबी होगा.”

“हां, टोबी नाम ही बताया था.”

“टोबी नंबर सात में है- यहां से बाईं ओर.”

वह धीरेधीरे मोमबत्ती लिए आगे बढ़ा, अपने जानवरों के परिवार साथ जो उस के इर्दगिर्द थे. उस अनिश्चित रोशनी में मैं धुंधला सा देख पा रहा था कि चमकती आंखें हर मोड़ और कोने से हमारा पीछा कर रही हैं. हमारे ऊपर छत की बल्लियों पर गंभीर दिखने वाले पक्षी बैठे थे, जो अलसाते हुए कभी एक पैर पर खड़े होते कभी दूसरे पैर पर, क्योंकि हमारी आवाजें उन की नींद में अड़चन डाल रही थीं.

टोबी एक भद्दा, लंबे बालों वाला, लटके हुए कानों वाला, भूरे सफेद रंग वाला एक सड़की कुत्ता था जिस की चाल भी बेढब थी. कुछ देर हिचकने के बाद उस ने चीनी का एक ढेला मेरे हाथ से लिया जो बूढ़े ने मुझे दिया था और इस तरह हमारे बीच दोस्ती हो गई. वह कैब तक मेरे पीछेपीछे चला आया और मेरे साथ जाने में बिलकुल भी आनाकानी नहीं की. पैलेस की घड़ी में अभीअभी तीन बजे थे और तब मैं ने अपने को फिर से

पांडिचेरी लॉज में पाया. मुझे पता चला कि इनामी विजेता मैकमर्डो को हत्या का सहभागी माना गया था और उसे मिस्टर शालटो के साथ थाना भेज दिया गया था. संकरे गेट पर दो कांस्टेबिल पहरा दे रहे थे. पर जासूस का नाम लेने पर उन्होंने मुझे और कुत्ते को अंदर जाने दिया.

होम्स वहीं सीढ़ियों पर खड़ा था, हाथ जेब में और पाइप पीता हुआ.

"आह, तुम इसे ले आए!" वह बोला. "अच्छा कुत्ता! एथेलनी जोंस जा चुका है. जब से तुम गए हो, यहां पर काफी हलचल रही है. उस ने न सिर्फ मित्र थेडियस को गिरफ्तार किया बल्कि गेटकीपर, हाउसकीपर और भारतीय नौकर को भी. अब पूरी जगह हमारी है, बस ऊपर एक सारजेंट है. कुत्ते को यहीं छोड़ कर ऊपर आओ."

हम ने टोबी को हॉल की मेज से बांधा और फिर से सीढ़ियों पर चढ़े. कमरा वैसा ही था, जैसे हम ने छोड़ा था. बस एक कपड़ा लाश पर ढक दिया गया था. एक थका सा दिखने वाला सारजेंट कोने में लेटा था.

"मेरी बात पर गौर करो, सारजेंट," मेरे मित्र ने कहा. "अब यह कार्ड मेरी गरदन में लटकाओ, जिस से यह सामने लटक सके, थैंक्यू. अब मैं अपने बूट और मोजे उतारता हूं. इन को ले कर नीचे चले जाओ, वॉटसन. मैं थोड़ा सा ऊपर चढ़ने की कोशिश करता हूं. मेरा रूमाल उस जार में डुबो दो. बस इतना काफी है. अब एक मिनट के लिए मेरे साथ ऊपर अटारी में आओ."

हम सूराख में से ऊपर गए. होम्स ने फिर से धूल में पड़े कदमों के निशानों पर अपनी लालटेन की रोशनी डाली.

"मैं चाहता हूं कि इन कदमों के निशानों को खास कर देखो," वह बोला. "क्या तुम को इन में कुछ खास नजर आ रहा है?"

"ये निशान या तो किसी बच्चे के हैं या किसी औरत के."

"इन के नाप के अलावा, क्या और कुछ नहीं है?"

"ये बाकी कदमों के निशानों की तरह ही हैं."

"बिलकुल नहीं. यहां देखो! यहां धूल में दाएं पैर का निशान है, अब मैं इस के पास अपने नंगे पैर का निशान बनाता हूं. इन में क्या फर्क है?"

"तुम्हारे पंजे जुड़े हुए हैं, दूसरे निशान की हर अंगुली अलगअलग फैली है."

“बिलकुल. यही बताना चाहता हूं. यह बात ध्यान में रखना, अब तुम उस खिड़की पर जाओ और उस की लकड़ी सूंघो. मैं यहीं पर रुकता हूं, क्योंकि मेरे हाथ में यह रूमाल है.”

मैं ने वही किया जैसा उस ने कहा था और तुरंत ही तेज तारकोल की महक आई.

“यहां से निकलने के लिए उस ने वहीं पर पैर रखा था. अगर तुम उस को ढूंढ़ सकते हो, तो टोबी को भी परेशानी नहीं होगी. अब नीचे भागो, कुत्ते को खोलो और ब्लौंडिन को ढूंढ़ो.”

जब तक मैं नीचे गया, शरलॉक होम्स छत पर पहुंच चुका था और मुझे वह एक बड़ा सा जुगनू जान पड़ रहा था जो छत पर धीरेधीरे टहल रहा था. फिर वह चिमनियों के पीछे छुप गया, पर फिर से नजर आया और उस के बाद फिर से गायब हो गया. जब मैं घूम कर दूसरी ओर गया, मैं ने उसे एक कोने में बैठे देखा.

“तुम हो, वॉटसन?” वह चिल्लाया.

“हां.”

“यही वह जगह है, वह नीचे कालाकाला क्या पड़ा है?”

“एक पानी का पीपा है.”

“उस के ऊपर ढक्कन है?”

“हां.”

“सीढ़ी का कोई अतापता?”

“नहीं.”

“नाश हो उस का! यह बड़ी खतरनाक जगह है. जहां से वह चढ़ा था, वहीं से मैं नीचे आ जाऊंगा. पानी का पाइप काफी मजबूत लग रहा है. खैर, यह लो, मैं आ गया.”

पैरों के घिसने की आवाज आई और दीवार के किनारे से लालटेन ले कर धीरेधीरे नीचे आने लगा, फिर हलकी सी छलांग से वह पीपे के ऊपर आया, फिर जमीन पर.

“उस का पीछा करना बड़ा आसान था,” अपने जूते मोजे पहनता वह बोला. “पूरे रास्ते टाइल्स ढीले हो गए थे और जल्दी में उस ने यह गिरा दिया. जिस से मेरा अनुमान पक्का हो जाता है.”

उस ने जो चीज दिखाई वह रंगीन घासों से बुनी गई छोटी सी जेब या थैली थी और उस पर कुछ दिखावटी मोती लटक रहे थे. उस का आकार और नाप सिगरेट केस जैसा था. अंदर गहरे रंग की लकड़ी के आधा दर्जन कांटे थे, जो एक ओर से पैने और दूसरे सिर पर गोलाई लिए थे, बिलकुल उस कांटे की तरह जो बारथोलोमिऊ शालटो को चुभोया गया था.

"ये बहुत ही भंयकर होते हैं." उस ने कहा. "ध्यान रहे कि अपने को यह कांटा चुभ न जाए. मुझे इन कांटों को पा कर बड़ी खुशी हुई है, क्योंकि संभावना यही है कि हत्यारे के सारे कांटे ये ही हैं. इसलिए जल्दी ही मेरी या तुम्हारी खाल में चुभा मिलने का खतरा कम हो गया है. मैं खुद इन कांटों की बजाए बुलेट का सामना करना ज्यादा पसंद करूंगा. क्या तुम लगभग दस कि. मी. पैदल चलने के लिए तैयार हो, वॉटसन?"

"बिलकुल," मैं ने जवाब दिया.

"तुम्हारे पैर साथ देंगे?"

"अरे, हां."

"लो यह लो डॉगी! गुड टोबी! इसे सूंघो टोबी, सूंघो!" उस ने रूमाल को कुत्ते की नाक पर रखा, जब जानवर अपने झबरे बालों वाले पैर अलगअलग किए खड़ा रहा. सिर को एक ओर टेढ़ा कर के वह ऐसा लग रहा था मानो कोई कद्रदान कोई बेशकीमती शराब सूंघ रहा हो. फिर होम्स ने वह रूमाल थोड़ी दूर फेंक दिया, कुत्ते के पट्टे पर एक मजबूत रस्सी बांधी और उसे पानी के पीपे के पास ले गया. कुत्ता तुरंत तेज आवाज में किकियाने लगा और नाक जमीन से सटा कर और पूंछ हवा में लहराता हुआ वह उस गंध के पीछे इस तेजी से दौड़ा कि उस की रस्सी खिंची जा रही थी और हम पूरी गति से उस के पीछेपीछे दौड़ रहे थे.

पूर्व दिशा धीरेधीरे सफेद हो रही थी और ठंडी, धुंधली रोशनी में कुछकुछ दिखाई पड़ने लगा था. चौकोर विशाल घर और उस की काली, काली खिड़कियां और ऊंची सपाट दीवारें हमारे पीछे उदास सी खड़ी थीं. हमारा रास्ता बगीचे से होता हुआ जा रहा था, जो खुदाई की वजह से ऊबड़खाबड़ था. पूरी की पूरी जगह मिट्टी के ढेरों और बेतरतीबी से उगी हुई घास से पटी हुई थी और वह मनहूसियत घर में घटी काली त्रासदी से मेल खा रही थी.

बाउंडरी की दीवार पर पहुंचने पर टोबी उत्तेजना से भौंकता हुआ उस की छाया के नीचे दौड़ता रहा और आखिर में एक कोने में रुक गया. जहां दो दीवारें मिल रही थीं. कुछ ईंटों को ढीला कर दिया गया था और जो दरारें

रह गई थीं, वे नीचे से घिस गई थीं मानो इसे सीढ़ी के तौर पर अकसर इस्तेमाल किया गया हो. होम्स जल्दी से ऊपर चढ़ा और मुझ से कुत्ते को ले कर उस को दूसरी तरफ रख दिया.

“लकड़ी के पैर वाले के हाथों का निशान है,” जब मैं उस के पास आया, तो उस ने टिप्पणी की. “सफेद प्लास्टर के ऊपर खून का हलका सा धब्बा देख सकते हो. कितनी अच्छी बात है कि कल से बहुत ज्यादा भारी बारिश नहीं हो रही है. अट्ठाईस घंटे बीत जाने पर भी सड़क पर इस की महक रहेगी.”

मैं मानता हूं कि जब मैं ने उस भारी यातायात को देखा जो इस बीच लंदन की इस सड़क से गुजर चुका था, तो मुझे भी संशय हो रहा था, पर जल्दी ही मेरा डर दूर हो गया. टोबी कहीं नहीं रुका, न हिचका, पर अपने अजीब से अंदाज में बढ़ता चला गया. लोहबान के तेल की तीखी महक बाकी सब महकों से ज्यादा तेज थी.

“यह मत सोचो,” होम्स ने कहा, “इस केस की सफलता के लिए मैं इस इत्तफाक पर निर्भर हूं कि अपराधियों में से एक ने रसायन में अपना पैर डाल दिया था. मेरे पास अब इतनी जानकारी है कि मैं कई अलगअलग तरीकों से उन को ढूंढ़ निकाल सकता हूं. फिर भी, यह तरीका सब से ज्यादा पर्याप्त है. मैं बेवकूफ ही होऊंगा अगर मैं इस को अनदेखा कर देता हूं. पर इस की वजह से केस वह दिमागी उलझन नहीं पैदा कर पा रहा है, जिस के शुरू में आसार नजर आ रहे थे. इस से शायद हमें कुछ तारीफ हासिल होती पर इस प्रत्यक्ष सुराग से सब बेकार हो गया.”

“इस में तारीफ है, और बहुत है,” मैं ने कहा. “मैं तुम्हें आश्वासन देता हूं होम्स कि जेफरसन होप की हत्या के मामले में मैं ने तुम्हारी जितनी तारीफ की थी, उस से कहीं ज्यादा आश्चर्य मुझे तुम्हारे इस केस को सुलझाने के तरीके पर हो रहा है. यह मामला मेरे हिसाब से और भी गहरा और उलझा हुआ है. जैसे, तुम कैसे इतने विश्वास के साथ लकड़ी के पैर वाले आदमी का हुलिया बता सकते हो?”

“माई डियर ब्वाय, यह तो आसानी का दूसरा नाम था. मैं नाटकीय नहीं होना चाहता. यह सब एकदम साफ है और उलझन की कोई गुंजाइश नहीं है. अपराधियों की देखभाल करने वाले दो अफसरों को एक गड़े हुए खजाने के महत्त्वपूर्ण रहस्य के बारे में पता चलता है. जोनाथन स्मॉल नाम के आदमी द्वारा एक नक्शा उन के लिए तैयार किया गया. तुम को याद होगा कि हम ने यह नाम कैप्टन मॉर्सटन के कब्जे में रखे चार्ट पर देखा था.

“उस ने इस पर अपने और अपने मित्रों के लिए हस्ताक्षर किए थे-चार का चिह्न जैसा उस ने नाटकीयता से इस को नाम दिया था. इस चार्ट की सहायता से अफसरों या एक अफसर ने खजाना ले लिया और इंगलैंड आ जाता है, पर उस को पाने की एक शर्त पूरी नहीं करता है. तब फिर, जोनाथन स्मॉल ने खुद वह खजाना क्यों नहीं लिया? जवाब साफ है. चार्ट की तारीख तब की है जब मॉर्सटन अभियुक्तों के नजदीकी संपर्क में आया था. जोनाथन स्मॉल को खजाना इसलिए नहीं मिला क्योंकि वह और उस के सहयोगी खुद भी अभियुक्त थे और वहां से निकल नहीं पाए.”

“पर यह तो सिर्फ अंदाज है,” मैं ने कहा.

“यह उस से कहीं ज्यादा है. सिर्फ यही अंदाजा सारे तथ्यों को अपने से समेटता है, अब देखते हैं कि यह कहानी से कैसे जुड़ता है. मेजर शालटो कुछ सालों तक शांति से रहता है, अपने खजाने को कब्जे में ले कर खुश, फिर उसे भारत से एक पत्र मिलता है जिस से उसे बड़ा डर लगता है. वह क्या था?”

“एक पत्र जो कहता है कि जिन लोगों को इस ने धोखा दिया, वे आजाद हो गए हैं या भाग गए हैं. इस की ज्यादा संभावना है, क्योंकि वह जानता था कि उन के कैद की क्या अवधि है. यह उस के लिए आश्चर्य की बात नहीं थी. फिर यह क्या करता है? वह अपने को लकड़ी के पैर वाले आदमी से बचाने की कोशिश करता है, जो कि एक गोरा आदमी है क्योंकि उस ने एक गोरे व्यापारी को उस के धोखे में एक बार गोली मार दी थी. अब सिर्फ एक गोरे आदमी का नाम चार्ट पर है. बाकी सारे हिंदू या मुसलमान हैं. दूसरा और कोई गोरा आदमी नहीं है. इसलिए हम भरोसे से कह सकते हैं कि लकड़ी के पैर वाले का नाम जोनाथन स्मॉल ही है. क्या इस तर्क में तुम को कोई गलती नजर आती है?”

“नहीं.” वह बिलकुल साफ और सटीक है.

“चलो, अब अपने को जोनाथन स्मिथ की जगह रख कर देखते हैं, हम उस के नजरिए से बात करते हैं. वह दो काम करने इंगलैंड आता है- एक तो अपना हक वापस लेने और दूसरा उस से बदला लेने जिस ने उस के साथ धोखा किया था. उस ने शालटो का ठिकाना ढूंढ़ निकाला और बहुत संभव है कि उस ने घर के अंदर किसी व्यक्ति से दोस्ती गांठ ली हो. एक तो शायद बटलर, लाल राव है, जिस को हम ने देखा नहीं है. मिसेज बर्नस्टोन उस को अच्छे चरित्र वाला नहीं समझती. पर फिर भी स्मॉल उस खजाने को ढूंढ़ नहीं पाता, क्योंकि मेजर और एक वफादार नौकर, जो मर चुका है-

इन दोनों के अलावा किसी को भी यह राज मालूम नहीं था कि खजाना कहां छुपा है. अचानक जोनाथन स्मॉल को पता चलता है कि मेजर मृत्यु शय्या पर पड़ा है, इस हड़बड़ाहट में कि कहीं खजाने का राज उस के साथ ही दफन न हो जाए, वह पहरेदारों को चकमा दे कर मरते हुए आदमी की खिड़की तक जा पहुंचता है और उस के दो बेटों की मौजूदगी की वजह से अंदर नहीं जाता.

"नफरत से पागल, जो मृतक के लिए उस के मन में थी, वह उसी रात कमरे में प्रवेश करता है और खजाने से संबंधित कोई दस्तावेज पाने के इरादे से उस के निजी कागजातों को खंगालता है. अंत में एक कार्ड पर संक्षिप्त सी बात लिख कर सबूत छोड़ जाता है. उस ने निस्संदेह पहले से ही योजना बना ली थी कि अगर वह मेजर का काम तमाम कर देता है तो वह उस की देह पर कुछ ऐसा निशान छोड़ेगा कि यह कोई मामूली हत्या नहीं है. पर चारों दोस्तों के नजरिए से उस को न्याय दिया गया है. अपराध जगत के इतिहास में इस तरह की सनकें आम होती हैं और अकसर इन के द्वारा अपराधी के बारे में काफी महत्त्वपूर्ण जानकारी मिलती है. क्या तुम को यह सब समझ में आ रहा है?"

"बिलकुल साफ समझ में आ रहा है."

"अब जोनाथन स्मॉल क्या करता? वह तो खजाना ढूंढ़ने के लिए की जा रही कोशिशों पर नजर ही रख सकता था. शायद वह इंगलैंड के बाहर चला जाता है और बीचबीच में वापस आता रहता है. फिर अटारी ढूंढ़ ली जाती है और उस को फौरन इस बात की जानकारी दे दी जाती है. अब भी, हमें घर के अंदर किसी भेदी के होने का अंदाजा लगता है. अपने लकड़ी के पैर के सहारे जोनाथन बारथोलोमिऊ शालटो की ऊंची अटारी पर बिलकुल नहीं पहुंच पाता. पर वह अपने साथ एक विचित्र सहयोगी को ले जाता है, जो यह कठिनाई दूर कर देता है, पर अपना नंगा पैर लोहबान के जार में डाल देता है जहां अब टोबी का प्रवेश होता है और जख्मी पैर वाले आधी तनख्वाह पाने वाले अफसर के लिए आधी मील की लंगड़ी दौड़."

"पर उस के सहयोगी ने, न कि जोनाथन ने, हत्या की है."

"बिलकुल. जोनाथन को बहुत गुस्सा भी आया, जिस की वजह से सारे कमरे में पैर पटकता हुआ चला था. उसे बारथोलोमिऊ शालटो से कोई दुश्मनी नहीं थी और चाहता था कि सीधी तरह उस के हाथपांव बांध कर मुंह में कपड़ा ठूंस दिया जाए. वह अपना सिर तलवार के नीचे नहीं रखना चाहता था. पर कुछ नहीं किया जा सकता था. उस के सहयोगी की बहशी

भावना जाग उठी और जहर अपना काम कर चुका था. इसलिए जोनाथन स्मॉल ने अपना सबूत छोड़ा. जमीन पर खजाने की तिजोरी रखी और उस के पीछे चला गया. जहां तक मेरी सोच कहती है, घटनाओं का यही सिलसिला रहा होगा. हां, जहां तक उस के डीलडौल का सवाल है, वह अधेड़ उमर का रहा होगा और अंडमान की भट्टी सी गरमी में इतने साल काटने के बाद उस का रंग स्याह पड़ चुका होगा. उस के कदमों की दूरी से उस की लंबाई का अंदाज लगता है. और हम जानते हैं कि उस की दाढ़ी बढ़ी हुई थी. थेडियस शॉलटो ने जब उस को खिड़की पर देखा था, तो एक बात साफ हो गई थी कि उस के शरीर पर काफी बाल थे. मुझे और कुछ नहीं मालूम."

"उस का सहयोगी?"

"आह, उस में तो कोई रहस्य है ही नहीं. पर तुम को उस के बारे में जल्दी ही मालूम पड़ जाएगा. सुबह की हवा कितनी सुहानी है. देखो वह छोटा सा बादल किस तरह किसी बड़ी फ्लेमिंगो चिड़िया का गुलाबी पंख नजर आ रहा है. अब लंदन के बादलों के बीच से सूरज की लाल रोशनी दिख रही है. यह कई लोगों के ऊपर चमकता है, पर मैं शर्त लगा सकता हूं कि तुम्हारे और मेरे जितने विचित्र काम में मशगूल किसी पर भी अपनी रोशनी नहीं बिखेरी होगी. हम प्रकृति के इस अद्भुत रूप के सामने अपनी छोटीछोटी हरकतों से कितने बौने नजर आते हैं. क्या तुम ने जीन पॉल को पढ़ लिया है?"

"काफी हद तक. मैं ने कारलाइल को भी पढ़ लिया है."

"वह तो ऐसे हुआ मानो किसी झरने के साथ चलतेचलते उस के स्रोत तक पहुंच गए हों, वह बड़ी गहरी टिप्पणी करता है. वह कहता है कि किसी भी आदमी की महानता का सबूत इस बात से मिलता है कि वह अपने को कितना तुच्छ मानता है. तुम्हारे पास पिस्तौल तो नहीं है?"

"मेरे पास मेरी छड़ी है."

"अगर हम उन के अड्डे तक पहुंच जाते हैं, तो हो सकता है हमें इस तरह की किसी चीज की जरूरत पड़ जाए. जोनाथन से तुम निपट लेना पर अगर दूसरे ने दुष्टता दिखाई, तो मैं उस को गोली से मार डालूंगा."

बोलतेबोलते उस ने अपनी रिवॉलवर निकाली और उस के दो चेंबर भरने के बाद उस ने उसे अपनी जैकेट की दाईं जेब में रख लिया.

इस दौरान हम टोबी के पीछेपीछे आधी गांव की सी सड़कों पर दौड़ रहे थे जिन के दोनों ओर घर खड़े थे और जो शहर की ओर जा रही थी. अब हम सड़कों पर थे, जहां नाविक और मजदूर काम में लग गए थे और बदसलीकेदार औरतें दरवाजे खोलती घरों की सीढ़ियां साफ कर रहीं थीं. सड़कों के कोनों में खड़े पब्लिक हाउसों में काम शुरू हुआ ही था और बदमाश किस्म के लोग बाहर आ रहे थे. मुंह धो कर अपनी शर्ट की आस्तीनों से गीली दाढ़ियों को पोंछते, तरहतरह के कुत्ते हमें आश्चर्य से देख रहे थे, पर हमारा टोबी एक अजूबे की तरह न दाएं देख रहा था न बाएं पर अपनी नाक जमीन से सटाए दौड़ा जा रहा था और बीचबीच में खुशी से भौंक उठता, जिस से पता चल रहा था कि महक अचानक तेज हो गई है.

हम पूर्वी ओवल से लगी गलियों से होते हुए स्ट्रीथम, ब्रिक्सटन, केंबरवेल से गुजरे और अब कनिंगटन लेन में आ गए थे. जिन लोगों का हम पीछा कर रहे थे, उन्होंने शायद पकड़े जाने के डर से बड़ा उलझा हुआ रास्ता पकड़ा था. अगर कोई गली मिलती, तो वे मुख्य सड़क पर नहीं आते थे.

केनिंगटन लेन के अंतिम छोर पर वे दाएं मुड़ कर बौंड स्ट्रीट और माइल्स स्ट्रीट में पहुंच गए. माइल्स स्ट्रीट जहां पर नाइट्स प्लेस की ओर मुड़ती है, वहां जा कर टोबी रुक गया. फिर कभी आगे कभी पीछे की ओर दौड़ने लगा, कान टेढ़े कर के-जैसे कुत्तों की आदत होती है जब वे अनिश्चय की स्थिति में होते हैं. फिर वह गोलगोल घूमने लगा और बीचबीच में हमें ताकने लगता, मानो अपनी शर्मिंदगी पर हम से सहानुभूति चाह रहा हो.

“आखिर इस कुत्ते के साथ माजरा क्या है?” होम्स गुर्राया. “उन्होंने कैब ले ली या गुब्बारे में उड़ गए?”

“शायद वे कुछ देर यहां पर खड़े रहे,” मैं ने सुझाव दिया.

“आह! अब ठीक है. यह फिर से दौड़ रहा है.” राहत से मेरे मित्र ने कहा.

वह वाकई दौड़ रहा था, क्योंकि यहां पर थोड़ी देर सूंघने के बाद उस ने मन बना लिया था और ऐसी फुरती और दृढ़ता से दौड़ा जैसे अब तक नहीं दौड़ा था. महक अब शायद पहले से तेज हो गई थी, क्योंकि उस ने अपनी नाक जमीन पर नहीं टिका रखी थी, पर अपना पट्टा खींचता हुआ जोर से भागने की कोशिश करने लगा. होम्स की आंखों की चमक देख कर मैं जान गया कि वह सोच रहा है कि हमारी मंजिल आने वाली है.

अब हम नाइन एल्म से होते हुए ब्रोडरिक और लेलसन के विशाल लकड़ी के ठेके पर थे, जो ह्वाइट ईगल टैवर्न के पास था. यहां पर कुत्ता, उत्सुकता से पागल हो कर साइड के गेट से होता हुआ अंदर घुस गया जहां आरी चलाने वाले लकड़ी काट रहे थे. बुरादे और लकड़ी की छीलनों के बीच से कुत्ता दौड़ता रहा, एक गली से गुजरा, एक गलियारे से मुड़ा, लकड़ी के दो चट्टों के बीच गया और आखिर में एक विजय भरी भौंक के साथ एक बड़े पीपे पर कूदा जो ठेलिया गाड़ी पर रखा था. जीभ बाहर लटका और आंखें मिचमिचाता टोबी इस पीपे पर खड़ा हो गया और हम दोनों की ओर शाबाशी के इंतजार में देखने लगा. पीपे और ठेलिया गाड़ी के पहियों पर एक गहरे रंग का पदार्थ चिपका था और पूरे माहौल में लोहबान की महक फैली हुई थी.

शरलॉक होम्स और मैं ने शून्य भाव से एकदूसरे को देखा और फिर एक साथ ही हम पर हंसी का जोरदार दौरा पड़ गया.

बेकर स्ट्रीट के नन्हे जासूस

"अब क्या?" मैं ने पूछा. "टोबी कभी गलती न करने वाला अपना स्वभाव भूल चुका है."

"उस ने अपनी समझ के अनुसार ही काम किया है." होम्स ने उसे पीपे पर से उठा कर लकड़ी के ठेके के बाहर ले जाते हुए कहा. "अगर तुम देखो कि कितना लोहबान रोजाना लंदन से बाहर ले जाया जाता है, तो कोई ताज्जुब नहीं कि हमारे रास्ते उलझ गए हैं. अब इस का बहुत इस्तेमाल किया जाता है, खासकर लकड़ी फेरने के लिए. बेचारे टोबी की कोई गलती नहीं है.

"हमें असली महक तक जाना होगा, शायद."

"हां, और किस्मत से हमें ज्यादा दूर नहीं जाना होगा. नाइट्स प्लेस के कोने पर कुत्ता इसलिए उलझन में पड़ गया कि वहां पर दो अलग दिशाओं से दो अलग महकें आ रही थीं, हम ने गलत रास्ता पकड़ लिया. अब दूसरे रास्ते से जाते हैं."

इस में कोई कठिनाई नहीं हुई. टोबी को वहां ले जाने पर, जहां से उस ने गलती की थी, वह एक बड़े चक्कर में घूमा और आखिर में एक नई दिशा की ओर मुड़ गया.

"अब हमें ध्यान रखना होगा कि हम लौट कर उसी जगह न पहुंच जाएं जहां लोहबान का पीपा रखा था." मैं ने कहा.

"मैं ने इस बारे में सोच रखा है. पर देखो, यह सड़क के किनारेकिनारे ही चल रहा है, जबकि पीपा सड़क से गुजरा था. नहीं, अब हम असली महक के रास्ते पर हैं."

वह महक नदी के किनारे से होती हुई बेलमंट प्लेस और प्रिंस स्ट्रीट तक आ पहुंची. ब्रौड स्ट्रीट के अंत में वह पानी तक पहुंच गई जहां लकड़ी का एक छोटा सा घाट था. टोबी हमें ठीक यहां तक ले कर आया और वहां पर कूंकूं करता पानी के तेज बहाव को देखने लगा.

होम्स ने कहा, "यहां से उन्होंने नाव ली है."

घाट के किनारे और पानी में कुछ छोटीछोटी छिछली नावें पड़ी थीं. हम ने बारीबारी से टोबी को हर नाव सुंघाई, हालांकि उस ने उत्साह से हर नाव सूंघी, पर उस ने कोई इशारा नहीं किया.

“इस जगह के पास ईंटों का एक छोटा सा घर था, जिस की दूसरी खिड़की पर लकड़ी का एक पट्टा टंगा था, उस के ऊपर लिखा था “मोर्डिसाइ स्मिथ” और नीचे लिखा था— “घंटों या दिन के हिसाब से किराए पर नावें मिलती हैं.” दरवाजे के ऊपर एक दूसरी सूचना थी कि एक स्टीम लांच रखी है-इस की साक्षी वहां पर पड़ी बहुत सी खाली कोक की बोतलें थीं. शरलॉक होम्स ने धीरेधीरे चारों ओर देखा और उस के चेहरे पर खतरनाक भाव आ गए.

“यह बहुत बुरा नजर आ रहा है.” वह बोला, “ये लोग उस से कहीं ज्यादा चालाक हैं जितना मैं इन को समझ रहा था. इन्होंने अपने सारे सबूत मिटा दिए हैं. मुझे डर है, यहां पर बहुत सावधानी बरती गई है.”

वह घर के दरवाजे की ओर बढ़ रहा था, जब दरवाजा खुल गया और एक छोटा सा घुंघराले बालों वाला छह साल का बच्चा भागता हुआ बाहर आया और उस के पीछेपीछे एक हट्टीकट्टी, लाल चेहरे वाली औरत, जिस के हाथ में एक बड़ा सा स्पंज था.

“तुम वापस आ कर नहाओ, जैक,” वह चिल्लाई. “वापस आओ, शैतान. क्योंकि अगर तुम्हारे पापा वापस घर आ गए और तुम्हें इस हाल में देखा तो हम दोनों को खूब डांट पड़ेगी.”

“छोटे बच्चे!” होम्स ने चालाकी से कहा. “कितने गुलाबी गाल हैं इस प्यारे बच्चे के! अब जैक, क्या तुम को कुछ चाहिए?”

बच्चे ने जरा देर सोचा.

“मुझे एक शिलिंग चाहिए.” उस ने कहा.

“इस से ज्यादा तुम को कुछ नहीं चाहिए?”

“मुझे दो शिलिंग चाहिए,” होशियार बच्चे ने कुछ सोच कर कहा.

“तो फिर, लो! पकड़ो-बड़ा प्यारा बच्चा है, मिसेज स्मिथ!”

“तुम्हारा भला हो, यह वाकई बड़ा प्यारा है और होशियार भी, पर इसे संभालना मुश्किल हो जाता है, खासकर जब मेरा पति कईकई दिनों के लिए चला जाता है.”

“अभी गया हुआ है, वह?” होम्स ने निराशा से कहा. “मुझे यह सुन कर दुख हुआ क्योंकि मैं मिस्टर स्मिथ से बात करना चाहता था.”

“वह कल सवेरे से गया हुआ है, सर, और सच कहूं तो मुझे उस के लिए डर लग रहा है. पर अगर आप नाव के बारे में बात करना चाहते हैं, तो

वह मैं भी बता सकती हूं.”

“मुझे यह स्टीम लांच किराए पर लेनी थी.”

“सर, वह स्टीम लांच में ही गया है, इसलिए मैं उलझन में हूं. क्योंकि मैं जानती हूं कि उस में इतना कोयला नहीं है कि वह वूलविच जा कर वापस आ सके. अगर वह लकड़ी की नाव में गया होता तो मुझे कोई परेशानी नहीं थी क्योंकि कई बार वह काम के सिलसिले में ग्रेवसेंड तक गया है और ज्यादा काम होने पर वह वहां रुक भी गया है, पर बगैर कोयलों के स्टीम लांच किस काम की?”

“उस ने शायद नदी के घाट पर कुछ कोयले खरीद लिए हों.”

“हां, यह तो है. पर यह उस का तरीका नहीं है. वे कुछ बैग कोयले की जितनी कीमत लगाते हैं, उस पर मैं ने अकसर उस को उन से लड़ते सुना है. मुझे वह लकड़ी के पैर वाला बदसूरत आदमी और उस की बेहूदी बातें अच्छी नहीं लगतीं. वह हरदम यहीं पर ठकठक क्यों करता रहता है.”

“लकड़ी के पैर वाला आदमी?” शरलॉक होम्स ने बड़ी आश्चर्य से पूछा.

“हां, सर. एक भूरा, बंदर के से चेहरे वाला आदमी जो एक से ज्यादा बार मेरे बूढ़े से मिलने आ चुका है. उसी ने कल रात उस को आ कर जगाया और सब से बड़ी बात यह है कि मेरे आदमी को मालूम था कि वह आ रहा है, क्योंकि उस की लांच में स्टीम बन रही थी. मैं आप को सीधी बात बताती हूं सर, मैं मन में इस बात से खुश नहीं हूं.”

“पर माई डियर मिसेज स्मिथ,” होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा. “आप बेकार परेशान हो रही हैं, यह आप कैसे कह सकती हैं कि रात के समय लकड़ी के पैर वाला आदमी ही आया था? मुझे समझ में नहीं आया कि आप इतनी पक्की तरह कैसे कह सकती हैं?”

“उस की आवाज सर. मैं उस की आवाज पहचानती हूं जो थोड़ी मोटी और फटी हुई है. उस ने खिड़की पर खटखटाया था-करीब सुबह के तीन बजे. “जल्दी चलो, दोस्त.” मेरे बूढ़े ने जिम को जगाया-जो हमारी सब से बड़ी औलाद है और वे लोग चले गए-बगैर मुझ से एक भी शब्द बोले, मुझे उस लकड़ी के पैर की ठकठक पत्थरों पर सुनाई दी.”

“और क्या यह लकड़ी के पैर वाला अकेला था?”

“कह नहीं सकती, सर. मैं ने किसी और को नहीं सुना.”

“मैं सॉरी हूं मिसेज स्मिथ, पर मुझे एक स्टीम लांच चाहिए थी, और मैं ने क्या नाम है उस का उस लांच के बारे में बड़ी तारीफें सुनी हैं-मुझे याद नहीं आ रहा-क्या नाम हो सकता है उस का.”

“‘औरोरा,’ सर.”

“आह, वह पीली लाइन वाली पुरानी हरी लांच तो नहीं है, जो आगे से चौड़ी है?”

“नहींनहीं, वह तो छोटी सी पतली सी लांच है. उस पर अभी ताजा पेंट किया गया है, काला और दो लाल लकीरें हैं.”

“थैंक्स, मुझे उम्मीद है कि आप को जल्दी ही मिस्टर स्मिथ की खबर मिलेगी. मैं नदी में जा रहा हूं, और अगर मुझे ‘औरोरा’ दिखी, तो मैं उस को बता दूंगा कि आप घबरा रही हैं. उस का फनल काले रंग का है, आप ने बताया.”

“नहीं सर. काले पर सफेद पट्टा है.”

“हांहां, सिर्फ किनारे पर ही काला है. गुडमॉर्निंग मिसेज स्मिथ. यहां पर एक नाव वाला है, वॉटसन चलो, इस के साथ हम नदी पार करते हैं.”

जब हम नाव पर बैठे, तो शरलॉक होम्स ने कहा, “इस तरह के लोगों के साथ एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि उन को ऐसा लगना चाहिए कि वे जो भी बता रहे हैं, वह आप के लिए बिलकुल भी मायने नहीं रखता. अगर आप दिखाते हैं कि आप को दिलचस्पी है, तो फिर वे सीपी में मोती की तरह बंद हो जाते हैं.

“अगर आप अनिच्छा दिखाते हुए सुनते हो तो आप को वह सारी जानकारी मिल जाती है, जो आप चाहते हैं.”

“हमारा रास्ता अब काफी साफ है.” मैं ने कहा.

“फिर तुम क्या करोगे?”

“मैं एक लांच किराए पर ले कर औरोरा की खोज में नदी में जाता.”

“माई डियर फेलो, यह बहुत उलझा हुआ काम होगा. वह यहां और ग्रीनविच के बीच नदी के किसी भी किनारे पर रुक गई होगी. पुल के नीचे मीलों तक नावों के उतरने का भूलभुलैया है. तुम को सभी जगह खोजने में कई दिन लग जाएंगे, अगर तुम अकेले ऐसा करना चाहते हो, तो फिर पुलिस की मदद लो.”

“नहीं. मैं शायद आखिरी में एथेलनी जोंस को बुलाऊंगा. वह बुरा आदमी नहीं है और मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिस से उस की नौकरी पर आंच आए. पर मैं चाहता हूं कि इसे मैं खुद सुलझाऊं, क्योंकि हम इतनी दूर आ ही चुके हैं.”

“क्या हम विज्ञापन दे कर घाट के अधिकारियों से जानकारी मांग सकते हैं?”

“यह तो और भी बुरा होगा. उन लोगों को भनक मिल जाएगी कि हम उन का पीछा करते हुए इतने करीब आ चुके हैं और वे देश के बाहर भाग जाएंगे. वैसे भी, वे लोग यहां से चले जाएंगे, पर जब तक उन को लगेगा कि वे सुरक्षित हैं, वे जाने में जल्दी नहीं करेंगे. जोंस की फुरती यहां पर हमारे काम आएगी, क्योंकि केस के बारे में उस का जो नजरिया है, वह दैनिक अखबारों में जरूर छपेगा और भगोड़े अपराधी सोचेंगे कि सब लोग गलत रास्ते पर उन को ढूंढ़ने निकले हैं.”

“तब हम क्या करेंगे?” मैं ने मिलबैंक सुधारगृह के पास पहुंचने पर पूछा.

“यह हैनसन लो, घर जाओ, नाश्ता करो और घंटे भर के लिए सो जाओ. ऐसी पूरी उम्मीद है कि हमें आज रात भी खड़ेखड़े ही गुजारनी पड़े. किसी टेलीग्राफ ऑफिस पर रुकना, केबी. हम टोबी को अपने साथ ही रखेंगे क्योंकि यह अब भी हमारे काम आ सकता है.”

हम ग्रेट पीटर स्ट्रीट पोस्ट ऑफिस पर रुके और होम्स ने तार भेजा.

“तुम को क्या लग रहा है कि तार मैं किस को भेज रहा हूं?” उस ने अपनी यात्रा जारी रखते हुए कहा.

“मुझे पक्का पता है कि मुझे नहीं मालूम.”

“तुम को पुलिस बल की बेकर स्ट्रीट शाखा के बारे में याद है, जिस को मैं ने जेफरसन होप के मामले में नियुक्त किया था?”

“हां, तो?” हंसते हुए मैं ने कहा.

“यही वह मामला है, जहां वे कुछ काम कर सकते हैं. अगर वे असफल हो जाते हैं, तो मेरे पास दूसरे साधन भी हैं. पर पहले मैं इन को देखता हूं. वह तार मेरे छोटे से गंदे लेफ्टिनेंट, विगिंस के लिए था और मैं सोचता हूं कि वह और उस का गैंग हमारे नाश्ता खत्म करने के पहले ही हमारे पास आ जाएगा.”

अब आठ और नौ के बीच का समय था और मुझे एहसास हो रहा था कि पिछली रात की गतिविधियों का असर मेरे शरीर पर भारी पड़ रहा था. मैं निढाल हो रहा था और मेरा दिमाग भी कम काम कर रहा था. मुझ में काम के प्रति वह उत्साह नहीं था जो मेरे मित्र को इतनी फुरती देता था, न ही मैं इस समस्या को दिमागी पहेली मान पा रहा था. जहां तक बारथोलोमिऊ की मौत की बात थी, मैं ने उस के बारे में कोई अच्छी बात नहीं सुनी थी और इसलिए उस के हत्यारों के प्रति मेरे दिल में कोई नफरत नहीं थी.

फिर भी खजाना जरा दूसरी बात थी. वह या उस का कोई हिस्सा असल में मिस मॉर्सटन का हक था. अगर वह खजाना वापस मिलने की कोई गुंजाइश होती तो मैं इस काम के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगा देता. यह सच है कि अगर मुझे वह मिला गया होता, तो वह हमेशा के लिए मेरी पहुंच के बाहर हो जाती. फिर भी, यह बड़ा नीच और स्वार्थी प्यार होता, अगर मैं यह सोच कर पीछे हट जाता. अगर होम्स अपराधियों को ढूंढ़ने का काम कर सकता था, तो मेरे पास तो इस से भी दसगुनी मजबूत वजह थी कि मैं खजाना ढूंढ़ने की कोशिश करूं.

बेकर स्ट्रीट पर नहा धो कर मैं बिलकुल तरोताजा हो गया. जब मैं नीचे कमरे में आया तो नाश्ता लग चुका था और होम्स कौफी उंड़ेल रहा था.

“यह रहा,” हंसते हुए वह बोला और एक खुले अखबार की ओर इशारा किया. चुस्त जोंस और रिपोर्टर ने आपस में यह तय किया है. पर तुम ने केस के बारे में काफी जान लिया है. पहले अपना हैम और अंडा खाओ.”

मैं ने उस से अखबार लिया और छोटा सा नोटिस पढ़ा, जिस का शीर्षक था-‘अपर नॉरवुड में रहस्यमयी वारदात.’

पिछली रात करीब बारह बजे (स्टैंडर्ड के मुताबिक) अपर नॉरवुड की पांडिचेरी लॉज के मिस्टर बारथोलोमिऊ शालटो अपने कमरे में रहस्यमयी हालातों में मरे पाए गए. जहां तक हमें जानकारी मिली है, मिस्टर शालटो के शरीर पर हिंसा के कोई सुराग नहीं मिले हैं, पर मृतक द्वारा अपने पिता की विरासत में पाए गए मूल्यवान रत्नों का खजाना गायब हो गया है. यह बात सब से पहले मिस्टर शरलॉक होम्स और डाक्टर वॉटसन को मालूम पड़ी जो मृतक के भाई, मिस्टर थेडियस शालटों के साथ मृतक के घर उस से मिलने गए थे. मिस्टर एथेलनी जोंस जो जासूसी पुलिस बल के नामी सदस्य हैं, नॉरवुड पुलिस स्टेशन में ही मौजूद थे और पहली सूचना मिलते

ही मौका-ए-वारदात पर जा पहुंचे. उन के चौकन्ने और अनुभवी दिमाग ने फौरन अपराधियों को भांप लिया, जिस से कि मृतक का भाई थेडियस शालटो और हाउसकीपर मिसेज बर्नस्टोन, लाल राव नाम का भारतीय बटलर और चौकीदार या गेटकीपर मैकमर्डो नाम का आदमी भी अब हिरासत में हैं.

यह लगभग तय है कि चोरों को घर की पूरी जानकारी थी, क्योंकि मिस्टर जोंस का तकनीकी ज्ञान और छोटी से छोटी बात पर गौर करने की क्षमता के कारण वह इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि अपराधी दरवाजे खिड़की के रास्ते नहीं आए, बल्कि बिल्डिंग की छत के रास्ते अंदर घुसे होंगे और इस तरह उस कमरे में घुसे होंगे जिस में लाश पाई गई थी. इस बात से पता चलता है कि यह घुसपैठ कोई तुक्के में नहीं की गई थी. कानून के रक्षकों की तत्परता से पता चलता है कि ऐसे मौकों पर किसी तेज दिमाग का होना कितना फायदेमंद होता है. यह उन लोगों के लिए करारा जवाब है जो हमारे जासूसों की बुराई करते हैं.

"कितना शानदार लेख है." अपने कौफी के प्याले पर हंसते हुए होम्स ने कहा. "तुम्हारी क्या राय है?"

"मुझे लगता है कि हम भी अपराध के लिए गिरफ्तार होने से बालबाल बचे हैं."

इसी समय घंटी जोर से बज उठी और मैं ने अपनी मकान मालकिन, मिसेज हडसन को निराशा से चिल्लाते हुए सुना.

"होम्स," आधा उठते हुए मैं ने कहा, "मुझे लगता है कि वह हमारा पीछा कर रहे हैं."

"नहीं हालात इतने बेकाबू नहीं हैं. यह तो बेकर स्ट्रीट वाली फौज है."

वह बोल ही रहा था कि नंगे पैरों की धपधप आवाज सीढ़ियों पर चढ़ती सुनाई पड़ी. जोरजोर से बोलते हुए सड़क पर रहने वाले छोटेछोटे लड़कों की टोली आ धमकी. वे लोग अनुशासन में रहने की कोशिश कर रहे थे, हालांकि वे इतनी बेतरतीबी से अंदर घुसे थे, क्योंकि वे तुरंत लाइन में उम्मीद भरे चेहरे लिए हमारे सामने खड़े हो गए. उन में से एक, जो औरों से लंबा और उमर में ज्यादा था, अपने को सब से अच्छा मानने के ऐसे अंदाज में आगे बढ़ा, जो इतने दुबलेपतले गंदे से लड़के पर बड़ा हास्यास्पद लग रहा था.

"आप का संदेश मिला, सर." वह बोला, "और इन लोगों को जल्दी से ले आया. तीन बॉब और एक टैनर, टिकटों के लिए."

"यह लो," होम्स ने कुछ सिक्के निकालते हुए कहा. "आइंदा से ये तुम को रिपोर्ट करेंगे विगिंस और तुम मुझे. मैं घर में इस तरह का हमला बरदाश्त नहीं कर सकता. फिर भी जरूरी है कि तुम सभी सारे निर्देशों को मानो. मुझे 'औरोरा' नाम के एक स्टीम लांच की तलाश है, जिस का मालिक मोर्डिसाई स्मिथ है, जो काले रंग की है और उस पर दो लाल पट्टियां हैं जिस का फनल काला है और उस पर सफेद पट्टी है. इस समय वह नदी में ही कहीं पर है. मैं चाहता हूं कि एक लड़का मिलबैंक के सामने मोर्डिसाई स्मिथ की नाव रखने की जगह पर खड़ा रहे, ताकि वह बता सके कि नाव वापस आ गई है. तुम लोग आपस में तय कर लो और दोनों किनारों पर नजर रखना. जैसे ही कोई खबर मिले, मुझे जरूर बताना. समझ में आया?"

"हां गवर्नर," विगिंस बोला.

"पैसा पहले जितना ही मिलेगा और नाव खोजने वाले लड़के को एक गिनी. लो एक दिन का एडवांस, अब, भागो यहां से."

उस ने सब को एकएक शिलिंग थमाई और मिनमिनाते हुए वे सीढ़ियों के नीचे उतर गए और एक क्षण बाद मैं ने उन्हें सड़क पर जाते देखा.

"अगर लांच पानी के ऊपर है, तो ये लोग उसे ढूंढ़ निकालेंगे," होम्स ने मेज से उठ कर पाइप सुलगाते हुए कहा. "ये लोग हर जगह जा सकते हैं, हर चीज देख सकते हैं, किसी की भी बातचीत सुन सकते हैं. मुझे उम्मीद है कि शाम तक पता चल जाएगा कि उन्होंने ढूंढ़ निकाला है. इस दौरान हम सिर्फ इंतजार ही कर सकते हैं और कुछ नहीं. हम जब तक या तो 'औरोरा' को या मिस्टर मोर्डिसाई स्मिथ को ढूंढ़ नहीं निकालते, तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते."

"मेरे खयाल से टोबी यह टुकड़े खा लेगा. क्या तुम सोने जा रहे हो होम्स?"

"नहीं, मैं थका हुआ नहीं हूं. मेरा शरीर भी अजीब सा है. मुझे याद नहीं पड़ता कि मैं कभी काम कर के थका हूं, जबकि खाली पड़े रहने से मैं पूरी तरह थक जाता हूं. अब मैं सिगार पी कर इस अजीब मामले पर सोचविचार करता हूं. अगर कभी किसी को आसान काम मिला है, तो वह हम को मिला है. लकड़ी के पैर वाले आदमी अकसर नहीं मिलते, पर दूसरा आदमी भी अनूठा ही होगा."

“फिर से दूसरे आदमी की बात कर रहे हो!”

“मैं नहीं चाहता कि वह तुम्हारे लिए रहस्य हो. पर तुम ने अपनी राय बना ली होगी. अब तथ्यों पर नजर डालो. छोटेछोटे पैरों के निशान, पंजे जो कभी जूतों से कसे नहीं गए, नंगे पैर, पत्थर के सिरे वाली लकड़ी की गदा, बहुत फुरतीला, छोटे जहरीले तीर. इन सब से तुम क्या समझते हो?”

“जंगली!” मैं बोल पड़ा. “शायद उन भारतीयों में एक जो जोनाथन स्मॉल के सहयोगी थे.”

“ऐसा नहीं है,” वह बोला. “जब मैं ने पहली बार ये विचित्र हथियार देखे, तो मैं भी यही सोचने लगा. पर पैरों के निशानों की विचित्रता से मुझे अपनी सोच बदलनी पड़ी. भारतीय प्रायद्वीप के कुछ निवासी छोटे होते हैं. पर कोई भी इस तरह के निशान नहीं छोड़ सकता. असली हिंदू के पैर लंबे और पतले होते हैं. सैंडिल पहनने वाले मुसलमान के पैर का अंगूठा बाकी उंगली से अलग होता है, क्योंकि पैर अड़ाने के लिए अंगूठे और अंगुलियों के बीच एक ठूंठ होता है. ये छोटेछोटे तीर भी एक ही तरह से छोड़े जा सकते हैं. इन को फूंकने वाले पाइप के जरिए छोड़ा जाता है. अब बताओ, हमारा जंगली कहां का है?”

“दक्षिणी अमरीका का,” मैं ने तुक्का लगाया. उस ने अपना हाथ उठाया और शेल्फ से एक मोटी किताब उठाई.

यह एक गैजिटियर का पहला संस्मरण है जो अब छापा जा रहा है. इस में जो कुछ भी लिखा है, उसे सही माना जाना चाहिए. देखो, यहां पर क्या दिया गया है? “अंडमान द्वीप, सुमात्रा के उत्तर से लगभग 550 कि. मी. की दूरी पर, बंगाल की खाड़ी में स्थित. हम्म, हम्म! यह सब क्या है? गीला मौसम, कोरल रीफ, शार्क मछलियां, पोर्ट ब्लेयर, अपराधियों के बैरक, रटलैंड द्वीप, रुई के जंगल-आह, यह रहा! अंडमान द्वीपों के मूल निवासी दुनिया भर में सब से ज्यादा छोटे होने का दावा कर सकते हैं, हालांकि कुछ मानव शरीर शास्त्री मानते हैं कि अफ्रीका के बुशमैन, अमरीका के डिगर्स सब से छोटे होते हैं. औसत लंबाई करीब सवा मीटर से कम होती है, हालांकि कई वयस्क इस से भी छोटे होते हैं.

“ये लोग बड़े खूंखार और चिड़चिड़े होते हैं, जिन के ठिकानों का पता नहीं लगाया जा सकता, हालांकि एक बार किसी पर विश्वास कर लें तो पक्की दोस्ती गांठ लेते हैं. यह याद रखना, वॉटसन.” अब यह सुनो, “ये प्राकृतिक तौर पर बड़े भद्दे होते हैं, बिना आकार के बड़ेबड़े सिर वाले, छोटी, पैनी आंखें और बेतरतीब नाकनक्श. उन के हाथ और पैर

आश्चर्यजनक तौर पर छोटे होते हैं. ये इतने चुस्त और खूंखार होते हैं कि ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा इन्हें जीत लेने की कोशिशें बेकार हो गई हैं. दुर्घटनाग्रस्त पानी के जहाज के नाविकों के लिए हमेशा खौफ बने रहे हैं, अपनी पत्थर के सिरों वाली गदाओं से उन के सिर फोड़ डालते हैं या जहरीले तीर से मार डालते हैं. इस नरसंहार के बाद ये इनसानी गोश्त खा कर दावत उड़ाते हैं."

"बड़े अच्छे, दोस्ताना किस्म के लोग हैं. वॉटसन! अगर यह बंदा अपनी करनी पर उतर आता तो यह माजरा और भी बीभत्स हो जाता. मैं सोचता हूं कि जोनाथन स्मॉल ने इस को आने से रोकने की बहुत कोशिश की होगी."

"पर उस को ऐसा अनूठा सहयोगी मिला कैसे होगा?"

"आह, यह तो मैं नहीं बता सकता, क्योंकि हम पहले ही समझ चुके हैं कि स्मॉल अंडमान से आया था, क्या ऐसा होना बड़े अचरज की बात है कि यह भी उसी के साथ रहा हो. इस में कोई शक नहीं कि समय के साथ हमें सब कुछ समझ में आ जाएगा. देखो, वॉटसन, तुम बहुत थके हुए लग रहे हो. सोफे पर लेट जाओ, और देखो कि मैं तुम्हें सुला पाता हूं या नहीं."

उस ने कोने से वायलिन उठाया और मैं लेट गया. वह धीमी, स्वप्निल, मीठी धुनें बजाने लगा, जो शायद उस ने खुद ही गढ़ी थी क्योंकि उस में यह हुनर है. मुझे उस के गंभीर चेहरे और वायलिन के ऊपर नीचे होने का कुछकुछ एहसास है. फिर मैं आवाज के मीठे समुद्र में शांति से तैरने लगा और अपने को स्वप्नलोक में पाया. मिस मॉर्सटन का प्यारा चेहरा मेरे ऊपर झांक रहा था.

जंजीर की एक कड़ी का टूटना

मैं उठा तो दोपहर ढलने लगी थी और मैं तरोताजा हो गया था. शरलॉक होम्स ठीक वैसे ही बैठा था जैसा मैं ने उस को छोड़ा था, बस वायलिन एक ओर रख कर किसी किताब में तल्लीन था. जब मैं हिला, तो उस ने मुझे देखा और मैं ने देखा कि उस के चेहरे पर परेशानी झलक रही थी.

“तुम खूब आराम से सोए,” उस ने कहा. “मुझे लगा कि हमारी बातचीत से तुम्हारी नींद टूट जाएगी.”

“मैं ने कुछ नहीं सुना.” मैं ने जवाब दिया. “तुम को कोई बात सुनाई पड़ी?”

“नहीं. मैं मानता हूं कि मैं हैरान भी हूं और उलझन में भी. अब तक मुझे किसी निश्चित जवाब की उम्मीद थी. अभीअभी विगिंस आया था. वह कह रहा है कि लांच का कुछ सुराग नहीं मिला है. यह देरी बौखलाने वाली है क्योंकि हर घंटा मायने रखता है.”

“क्या मैं कुछ कर सकता हूं? मैं अब बिलकुल तरोताजा हूं और दूसरी रात भी बाहर बिता सकता हूं.”

“नहीं, हम कुछ नहीं कर सकते. हम सिर्फ इंतजार कर सकते हैं. अगर हम खुद जाते हैं, तो संदेश हमारी गैरहाजिरी में आ सकता है और फिर से देर होगी. तुम जो करना चाहो, करो पर मुझे चौकन्ना रहना होगा.”

“तो फिर मैं दौड़ कर केंबरवेल जा कर मिसेज सीसिल फॉरेस्टर से मिलता हूं. उस ने कल मुझ से आने के लिए कहा था.”

“मिसेज सीसिल फॉरेस्टर से मिलोगे?” होम्स की आंखों में हंसी की चमक थी.

“हां, मिस मॉर्सटन से भी मिल लूंगा. वे लोग उत्सुक थीं जानने के लिए कि क्या हुआ.”

“मैं उन को ज्यादा कुछ नहीं बताता.” होम्स ने कहा. “औरतों पर कभी भी पूरा भरोसा नहीं करना चाहिए-चाहे वे कितनी भी अच्छी हों.”

इस बेहूदी टिप्पणी पर बहस करना मैं ने ठीक नहीं समझा.

“मैं एक या दो घंटों में लौट आऊंगा,” मैं ने कहा. “ठीक है! गुड लक! पर सुनो, अगर तुम जा ही रहे हो तो टोबी को लौटा देना, क्योंकि मुझे नहीं

लगता कि अब हमें उस की कोई भी जरूरत पड़ेगी."

इसलिए मैं ने कुत्ते को अपने साथ लिया और शरलॉक होम्स को छोड़ कर पिनचिन लेन के जानवर प्रेमी के पास चला गया. केंबरवेल में मुझे मिस मॉर्सटन मिली जो अपने रात भर के जागरण के बाद थोड़ी थकी हुई दिखी. पर सारी बातें सुनने को उत्सुक थी. मिसेज फॉरेस्टर को भी बड़ी उत्सुकता थी. मैं ने उन को बताया कि हम ने क्याक्या किया, पर ट्रेजडी के भयंकर हिस्सों को उन से छुपा गया. हालांकि मैं ने मिस्टर शालटों की मौत के बारे में बताया, पर उस की मौत का तरीका नहीं बताया. पर काफी कुछ छिपाने के बावजूद काफी कुछ फिर भी था, जिस से वे चौंक कर आश्चर्य में पड़ गई थीं.

"यह तो बड़ी रोमांचक कहानी है!" मिसेज फॉरेस्टर बोली, "एक धोखा पाई औरत, आधा मिलियन का खजाना, एक काला नरभक्षी और लकड़ी के पैर वाला गुंडा, ये लोग पुराने जमाने के ड्रेगन या दुष्ट राजकुमार की जगह ले लेते हैं."

"और बचाने के लिए दो बहादुर," मिस मॉर्सटन ने मुझ पर एक चमकती नजर डाली.

"मेरी, तुम्हारी किस्मत इस खोज पर टिकी हुई है. मुझे नहीं लगता कि तुम ज्यादा उत्सुक हो. जरा सोचो, इतने अमीर होने का और दुनिया तुम्हारे पैरों पर होने का क्या मतलब है!"

मेरे दिल में खुशी की लहर दौड़ गई जब मैं ने देखा कि इस बात से उस ने कोई खुशी नहीं जाहिर की. बल्कि उस ने आत्मसम्मान से अपना सिर झटका, मानो इस मामले में उसे ज्यादा रुचि नहीं है.

"मैं तो मिस्टर थेडियस शालटो के बारे में परेशान हूं," वह बोली. "बाकी कोई बात मायने नहीं रखती. पर मैं समझती हूं कि उन का रवैया बहुत ही ईमानदारी भरा रहा है. हमारा फर्ज बनता है कि उन को इस भयानक और झूठे आरोप से मुक्त किया जाए."

मैं केंबरवेल से निकला तो शाम बीत गई थी और जब मैं घर पहुंचा, तो काफी अंधेरा हो चुका था. मेरे मित्र की किताब और पाइप उस की कुरसी के पास पड़ी थी. पर वह खुद गायब था. मैं ने इधरउधर देखा कि मेरे लिए शायद कोई नोट छोड़ गया हो, पर मुझे कुछ नहीं मिला.

"मेरे खयाल से मिस्टर शरलॉक होम्स बाहर गया है?" मैं ने मिसेज हडसन से कहा, "जब वह परदे गिराने के लिए आई."

“नहीं सर. वह अपने कमरे में चले गए हैं सर. क्या आप जानते हैं सर,” अपनी आवाज को फुसफुसाहट में बदल कर बोली, “मुझे उन की तबीयत के बारे में चिंता हो रही है.”

“ऐसा क्यों, मिसेज हडसन?”

“क्योंकि वह बड़ी अजीब हरकतें कर रहे हैं. आप के जाने के बाद वह टहलते रहे, टहलते रहे, यहां से वहां, वहां से यहां, जब तक मैं उन के कदमों की आहट सुनतेसुनते थक नहीं गई. फिर मैं ने उन को अपने से बोलते, बड़बड़ाते सुना और हर बार घंटी बजने पर वह सीढ़ियों पर आ कर खड़ा हो गया और पूछने लगा यह कैसी आवाज है मिसेज हडसन?” और अब वह अपने कमरे में बंद है, पर मुझे सुनाई पड़ रहा है कि वह अब भी चहलकदमी कर रहा है. कहीं यह बीमार न पड़ जाएं सर. मैं उस से दवाई की बात कह रही थी, पर उस ने मुड़ कर मुझे ऐसी नजर से देखा कि मुझे याद नहीं कि कैसे मैं कमरे से निकल कर भागी.”

“मैं नहीं समझता कि तुम को फिक्र करने की कोई जरूरत है मिसेज हडसन,” मैं ने जवाब दिया. “मैं ने पहले भी उस को इस हाल में देखा है. उस के दिमाग में कुछ चल रहा होगा, जो उसे बेचैन कर रहा है.”

मैं ने अपनी मकान मालकिन से मजाक करने की कोशिश की, पर खुद मैं परेशान था, क्योंकि रातभर मैं ने उस की चहलकदमी सुनी थी और जानता था कि वह निहायत ही परेशान है.

नाश्ते के वक्त वह थका और बुझा हुआ लग रहा था और दोनों गालों पर बुखार की लाली थी.

“तुम अपने को तोड़ दोगे, बूढ़े आदमी.” मैं ने कहा. “मैं ने रातभर तुम को चलते सुना है.”

“नहीं, मैं सो नहीं पाया.” उस ने जवाब दिया. “यह उलझन मुझे खाए जा रही है. इतनी छोटी सी बात पर हम उलझन में हैं, जबकि बाकी सारी गुत्थी सुलझ गई है, मैं उन लोगों को, लांच के बारे में सब कुछ जानता हूं और फिर भी मुझे कोई खबर नहीं मिल पा रही. मैं ने कुछ और लोगों को भी काम पर लगाया है और सारी कोशिशें कर ली हैं. पूरी नदी को दोनों ओर खोज लिया गया है, पर कोई खबर नहीं है, न मिसेज स्मिथ को ही अपने पति के बारे में कुछ पता चला है. मैं जल्दी ही इस नतीजे पर पहुंचूंगा कि उन्होंने नाव बरबाद कर दी है. पर इस पर कुछ आपत्ति है.

“या फिर मिसेज स्मिथ ने हमें झूठी खबर दी है.”

“नहीं, ऐसा नहीं हो सकता. मैं ने छानबीन की है और इस तरह की लांच वास्तव में है.”

“क्या वह नदी में बहुत आगे निकल गई होगी?” मैं ने इस बात पर भी गौर किया है और एक खोजी दस्ता रिचमंड तक जाएगा. अगर आज कोई खबर नहीं मिलती, तो कल मैं खुद ही चला जाऊंगा और नाव की जगह आदमियों को खोजूंगा. पर जरूर, हमें कुछ तो सुनाई पड़ेगा.”

पर हमें कुछ नहीं पता चला. न विगिंस न ही किसी और एजेंसी से कोई खबर आई. नॉरवुड ट्रेजेडी पर अधिकतर अखबारों में जो लेख छपे थे. वे सभी थेडियस शालटो के खिलाफ थे. कोई नई बात नहीं पता चल रही थी. बस इतना ही कि अगले दिन ही कोई तहकीकात की जाएगी. मैं पैदलपैदल केंबरवेल गया, अपनी असफलता के बारे में दोनों महिलाओं को बताने के लिए और वापस लौटने पर मैं ने होम्स को हताश और कुछकुछ चिड़चिड़ा सा पाया.

वह मेरे सवालों का जवाब करीबकरीब नहीं ही दे रहा था और पूरी शाम उस ने अपने को किसी पेचीदे रासायनिक अनुसंधान में व्यस्त रखा, जिस में बकयंत्रों को तपाने और भापों से अर्क बनाने का सिलसिला चलता रहा, जिस की वजह से अपार्टमेंट में इतनी दुर्गंध भर गई कि मुझे बाहर जाना पड़ गया. पौ फटने तक मुझे उस की परखनलियों की खनक सुनाई पड़ती रही जिस से मुझे पता चल गया कि वह अभी भी अपने दुर्गंधयुक्त अनुसंधान में लीन है.

तड़के ही मैं हड़बड़ा कर उठा और मुझे यह देख कर ताज्जुब हुआ कि वह मेरे सिरहाने खड़ा है. उस ने एक घटिया किस्म की नाविक की ड्रेस पहन रखी थी, और एक पी-जैकेट और गरदन पर एक लाल रंग का स्कार्फ लपेट रखा था.

“मैं नदी में जा रहा हूं, वॉटसन,” वह बोला. “मैं ने बहुत सोचा है और मुझे इस में से निकलने का एक ही उपाय समझ में आ रहा है. किसी भी हाल में, इसे आजमाने में कोई हर्ज नहीं है.”

“फिर तो मैं भी तुम्हारे साथ आ सकता हूं?” मैं ने कहा.

“नहीं, यहां पर मेरे प्रतिनिधि बन कर तुम ज्यादा फायदेमंद रहोगे. मैं जाने से कतरा रहा हूं, क्योंकि मैं जानता हूं कि आज जरूर कोई संदेश आएगा, हालांकि कल रात विगिंस को इस की उम्मीद नहीं थी. मैं चाहता हूं कि तुम सारे नोट और टेलीग्राम खोजो और कोई खबर आने पर अपनी अक्ल का इस्तेमाल करो. क्या मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूं?”

"बिलकुल."

"तुम मुझ को चिट्ठी नहीं भेज पाओगे, क्योंकि मैं अभी तुम को नहीं बता पाऊंगा कि मैं कहां पर मिल सकूंगा. अगर सब ठीक रहा, तो मैं ज्यादा समय के लिए बाहर नहीं रहूंगा. आने से पहले मुझे किसी न किसी तरह की खबर मिल ही जाएगी."

नाश्ते के वक्त तक मुझे उस की कोई खबर नहीं मिली थी. पर 'स्टैंडर्ड' अखबार खोलने पर मैं ने पाया कि वारदात के बारे में ताजा जानकारी थी-

'अपर नॉरवुड वारदात के संदर्भ में (उस में लिखा था) हम यह मानने को मजबूर हैं कि जितना पहले सोचा गया था. यह घटना उस से भी कहीं ज्यादा पेचीदा और रहस्यमयी है. ताजा सबूतों से मालूम पड़ा है कि यह असंभव है कि मिस्टर थेडियस शालटो का इस घटना से किसी भी तरह का वास्ता होगा.

कल शाम उन को और हाउसकीपर मिसेज बर्नस्टोन को रिहा कर दिया गया. फिर भी माना जा रहा है कि पुलिस को असली अपराधियों का सुराग है और इस की तहकीकात स्काटलैंड यार्ड के मिस्टर एथेलनी जोंस अपनी मशहूर स्फूर्ति और चतुराई के साथ कर रहे हैं. किसी भी समय कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं.

'यहां तक तो सब संतोषजनक है.' मैं ने सोचा. मित्र शालटो सुरक्षित है. मालूम नहीं यह ताजा सुराग क्या हो सकता है, हालांकि ऐसा लगता है कि जब भी पुलिस से कोई भारी भूल हो जाती है, वह यह घिसीपिटी बात कहती है.

मैं ने अखबार मेज पर पटक दिया, पर उसी क्षण मेरी नजर एक विज्ञापन पर पड़ी जो इस प्रकार था:

खोया- सूचित किया जाता है कि मोर्डिसाइ स्मिथ, नाविक और उस का बेटा जिम, पिछले मंगलवार को सुबह करीब तीन बजे स्मिथ वॉर्फ से अपनी स्टीम लांच 'औरोरा' ले कर निकले थे जो काले रंग की है और उस पर दो लाल पट्टियां बनी हैं, जिस का धुआंकश काला है और उस पर एक सफेद पट्टी बनी है. जिस किसी को भी उपरोक्त मोर्डिसाइ स्मिथ और 'औरोरा' नाम की, उस लांच के बारे में जानकारी हो, तो वह 221 बेकर स्ट्रीट या स्मिथ वॉर्फ पर मिसेज स्मिथ को इस की सूचना दे. इस की सूचना देने वाले किसी भी व्यक्ति को इनाम में पांच पाउंड दिए जाएंगे.

जाहिर तौर पर यह होम्स का ही काम था. बेकर स्ट्रीट का पता इस का सबूत था. मुझे यह बड़ी चतुराई का काम लगा, क्योंकि भगोड़े इस को पढ़ कर यही समझेंगे कि उन की पत्नी ने पति की स्वाभाविक चिंता करते हुए छपवा दिया होगा.

वह दिन काफी लंबा था. दरवाजे पर कोई भी खटका होते ही या सड़क पर किसी तेज आहट के होते ही मैं सोचता कि या तो होम्स लौट आया है या उस के विज्ञापन का जवाब आया है. मैं ने पढ़ने की कोशिश की पर मेरे विचार इस विचित्र मसले पर टिक जाते और मैं उस खलनायकी जोड़े के बारे में सोचने लगता जिस का हम पीछा कर रहे थे. क्या मेरे दोस्त के तर्क में कोई भारी गलती थी? क्या वह किसी भारी गलतफहमी का शिकार तो नहीं हुआ? क्या यह संभव नहीं कि उस के चुस्त और सतर्क दिमाग ने यह पूरा सिलसिला गढ़ने में कोई चूक की हो.

मैं ने उस को पहले कभी भी गलत नहीं पाया था, पर तेज से तेज दिमाग रखने वाला भी कभीकभार धोखा खा सकता है. मैं ने सोचा कि संभव है-वह अपने तर्क की गहराई में इतना डूब चुका है कि वह इस मसले के सूक्ष्म रहस्य ढूंढ़ने में व्यस्त है, जबकि इस का सीधसादा ब्योरा सामने दिखाई दे रहा है. पर दूसरी ओर मैं ने खुद भी सबूत देखे थे और मैं ने उस के निष्कर्षों के कारणों को सुना था. जब मैं ने इन विचित्र परिस्थितियों की लंबी कड़ियों के बारे में फिर से सोचा, जिन में से कई फजूल की भी थीं, सभी एक ही दिशा की ओर इशारा कर रही थीं, तो मैं इनकार नहीं कर सका कि भले ही होम्स का तर्क गलत हो, पर हकीकत उतनी ही चौंकाने वाली निकलेगी.

दोपहर तीन बजे घंटी जोर से बजी. हाल में एक गरजदार आवाज गूंजी और मुझे देख कर ताज्जुब हुआ कि मिस्टर एथेलनी जोंस जैसी बड़ी हस्ती आई है. पर, इस समय उस में आत्मविश्वास से भरी होशियार शख्सियत नहीं नजर आ रही थी जिस ने अपर नॉरवुड में यह मामला अपने हाथों में लिया था. वह मायूस था और बड़ा ही दब्बू लगा.

“गुडडे, सर, गुडडे,” उस ने कहा. “मैं समझता हूं कि मिस्टर शरलॉक होम्स बाहर गए हुए हैं?”

“हां, मैं कह नहीं सकता कि वह कब वापस आएगा पर शायद आप इंतजार करना चाहेंगे. वह कुरसी लीजिए और इन में से कोई भी सिगार.”

“धन्यवाद, मुझे कोई आपत्ति नहीं है.” उस ने एक लाल रूमाल से चेहरा पोंछते हुए कहा.

“और एक व्हिस्की और एक सोडा?”

“ठीक है, आधा गिलास. साल के इस समय के लिए काफी गरमी है और मेरे पास चिंताओं का ढेर है, नॉरवुड मामले के बारे में मेरी राय जानते हो?”

“मुझे याद है कि आप ने एक राय जाहिर की थी. खैर, मैं उस राय पर फिर से विचार करना चाहता हूं. सर, मैं ने अपना जाल मिस्टर शॉलटो के ऊपर कस लिया था कि उस के बीच सूराख बना कर उस में से फिसल गया. उस ने सबूत दे दिया है कि वारदात के समय वह कहीं और मौजूद था, जिसे झुठलाया नहीं जा सका. अपने भाई के कमरे से निकलने के बाद वह किसी न किसी की नजरों के सामने रहा था. इसलिए छतों पर चढ़ने वाला और गुप्त दरवाजों से भीतर आने वाला व्यक्ति शालटो नहीं हो सकता. यह एक बड़ा ही अंधेरा मामला है और मेरी पेशेवर काबिलीयत दांव पर है. मैं थोड़ी सी मदद पाना चाहता हूं.”

“हम सभी को कभी न कभी मदद चाहिए होती है.”

“सर, आप का मित्र मिस्टर शरलॉक होम्स अद्भुत इनसान है.” उस ने गहरी और राजभरी आवाज में कहा. “वह ऐसा आदमी है जिस को मात नहीं दी जा सकती. मैं ने उस युवा आदमी को कई सारे मामलों में दखल देते देखा है. पर मैं ने ऐसा कोई मामला नहीं देखा जिस पर वह रोशनी डाल पाया. उस के तरीके बड़े बेतरतीब हैं और वह किसी भी निष्कर्ष पर आने में थोड़ी जल्दबाजी दिखाता है. पर, मैं समझता हूं कि वह एक बड़ा अच्छा अफसर बन सकता था.

मैं इस की परवाह नहीं करता कि यह बात और कौनकौन जानता है. आज सुबह मुझे उस ने तार भेजा है, जिस से मैं अंदाजा लगा रहा हूं कि शालटो मसले पर उस को कुछ सुराग मिल गए हैं, यह रहा उस का संदेश.” उस ने अपनी जेब से तार निकाला और मुझे थमा दिया. यह पोपलर से 12 बजे भेजा गया था. “फौरन बेकर स्ट्रीट जाओ” उस में लिखा था. “अगर तब तक मैं वापस नहीं पहुंचा तो मेरा इंतजार करना, मैं शालटो के गिरोह के काफी करीब हूं. यह गुत्थी सुलझने के समय यदि तुम हमारे साथ रहना चाहते हो, तो आज रात हमारे साथ आ सकते हो.”

“यह अच्छी खबर लगती है. जाहिर है कि उस ने फिर से मामले की गंध पकड़ ली है.” मैं ने कहा.

“आह, इस का मतलब वह भी गलती पर था,” जोंस बोल पड़ा. उस की आवाज में संतोष झलक रहा था. “कभीकभी हम में से अच्छे से अच्छा

भी धोखा खा जाता है. हो सकता है कि इस बार भी वह गलत सुराग के पीछे हो, पर एक अफसर होने के नाते मेरा फर्ज है कि कोई भी मौका हाथ से फिसलने न दूं. पर दरवाजे पर कोई है. शायद वह आ गया है.”

एक भारी कदम सीढ़ियों पर चढ़ता सुनाई पड़ा और इस के साथ ही खांसनेखखारने की आवाजें भी, मानो चढ़ने वाले की सांस फूल रही हो. एक दो बार वह रुका मानो चढ़ाई उस के ऊपर भारी पड़ रही है, पर आखिरकार वह दरवाजे तक आकर अंदर आ गया. वह आकृति उन आवाजों से मेल खा रही थी जो हम ने सुनी थी. वह एक बूढ़ा आदमी था और नाविकों वाले कपड़े पहने था तथा गले तक बटन किया हुआ पी-जैकेट. उस की कमर झुकी हुई थी, उस के घुटने चरमरा रहे थे और उस की सांसों से पता चल रहा था कि वह बुरी तरह दमा का शिकार है.

वह एक मोटी लकड़ी की छड़ी से टिका खड़ा था और फेफड़ों में सांस भरने की कोशिश में उस के कंधे उठगिर रहे थे. उस ने अपनी ठोढ़ी पर एक रंगीन स्कार्फ लपेटा हुआ था और तेजतर्रार आंखों और घनी सफेद भौंहों के अलावा मुझे उस का चेहरा नजर नहीं आ रहा था. मुझे लगा कि वह किसी ऊंचे ओहदे का नाविक है, जो बूढ़ा हो कर गरीबी में दिन काट रहा है.

“क्या बात है,” मैं ने पूछा.

उस ने बुढ़ापे की धीमी पारखी नजरों से इधरउधर देखा.

“क्या यहां पर मिस्टर शरलॉक होम्स हैं?” वह बोला. “नहीं. पर उस की जगह मैं हूं. उस को देने के लिए जो भी खबर लाए हो, वह मुझे दे सकते हो.”

“मैं उसी को बताना चाहता था.” वह बोला. “पर मैं कह रहा हूं कि उस की जगह इस वक्त मैं हूं. क्या यह बात मोर्डिकाइस स्मिथ की नाव से संबंधित है?”

“हां, मैं जानता हूं कि वह कहां है और मैं यह भी जानता हूं कि वे लोग कहां हैं जिन का वह पीछा कर रहा है. मैं जानता हूं कि खजाना कहां है. मुझे सब कुछ मालूम है.”

“तो फिर मुझे बता दो, और मैं उस को बता दूंगा.”

“मैं उसी को बताना चाहता हूं.” उस ने बहुत बूढ़े आदमी की सी जिद के साथ कहा.

"ठीक है, तुम को उस का इंतजार करना होगा."

"नहींनहीं, मैं सारा दिन फजूल में खड़ा नहीं रह सकता. अगर मिस्टर होम्स यहां नहीं हैं तो मिस्टर होम्स को खुद ही पता लगाना होगा. मुझे तुम दोनों में से एक पर भी भरोसा नहीं है और मैं तुम्हें एक शब्द भी नहीं बताऊंगा."

वह दरवाजे की ओर खिसकने लगा, पर एथेलनी जोंस उस के सामने आ गया.

"जरा रुको, मेरे दोस्त." उस ने कहा. "तुम्हारे पास जरूरी जानकारी है और तुम को यूं ही नहीं जाना चाहिए. हम तुम को यहीं पर रोकेंगे, चाहे तुम्हें अच्छा लगे या नहीं-जब तक हमारा दोस्त लौट नहीं आता."

बूढ़े ने दरवाजे की ओर भागना चाहा पर क्योंकि एथेलनी जोंस ने अपनी चौड़ी छाती वहां टिका दी थी, उस ने विरोध करना बेकार समझा.

"यह अच्छा सलूक है." अपनी छड़ी पटकता हुआ वह बोला. "मैं यहां एक सज्जन आदमी से मिलने आया था और तुम दोनों जिन को मैं ने पहले कभी भी नहीं देखा, मुझे पकड़ कर मुझ से इस तरह बदसलूकी कर रहे हो."

"तुम्हारा कोई नुकसान नहीं होगा," मैं ने कहा. "हम तुम्हारे समय की बरबादी का हरजाना दे देंगे. इस सोफे पर बैठ जाओ और तुम्हें ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा."

वह बड़े अनमने ढंग से आया और चेहरा हाथों में टिका कर बैठ गया. जोंस और मैं सिगार पीते हुए बातें करने लगे पर अचानक होम्स की आवाज हमारे बीच में सुनाई पड़ी.

"मैं सोचता हूं कि तुम लोगों को एक सिगार मुझे भी पेश करनी चाहिए." उस ने कहा.

हम दोनों अपनी कुरसियों में उछल पड़े. वहां पर होम्स हमारे पास बैठा मंदमंद मुसकरा रहा था.

"होम्स!" मैं चिल्ला उठा. "तुम यहां? पर वह बूढ़ा कहां गया?"

"बूढ़ा यह रहा," उस ने सफेद बालों का गुच्छा सामने करते हुए कहा. "यह रहा-विग, दाढ़ी, भौंहें, वगैरह. मैं सोच रहा था कि मेरा भेष बढ़िया है, पर मुझे बिलकुल उम्मीद नहीं कि मैं इस इम्तिहान में सफल होऊंगा."

“आह, बदमाश!” खुश होते हुए जोंस ने कहा. “तुम बढ़िया अभिनेता बन सकते थे. तुम्हारी खांसी किसी कारीगर की सी थी और तुम्हारी कमजोर पैरों की कीमत दस पाउंड प्रति हफ्ता है. हालांकि मैं तुम्हारी आंखों की चमक पहचान रहा था. तुम इतनी आसानी से हमारे चंगुल से नहीं निकले, देखा!”

“मैं सारा दिन इसी भेष के साथ काम करता रहा हूं,” सिगार सुलगाते हुए उस ने कहा. “ऐसा है, अपराध जगत में कई लोग मुझे पहचानने लगे हैं-खास कर जब से हमारे दोस्त ने कई मामले छापने शुरू कर दिए हैं, इसलिए मैं मैदाने-जंग में इसी तरह का कोई साधारण भेष बदल कर ही जा सकता हूं.”

“हां, इसीलिए मैं यहां आया हूं.”

“तुम्हारा केस कितना आगे बढ़ा?”

“सब कुछ बेकार हो गया. मुझे अपने दो कैदी रिहा करने पड़े और बाकी दो के खिलाफ कोई सबूत नहीं है.”

“कोई बात नहीं हम उन की जगह तुम को दो और कैदी दे देंगे. पर तुम को मेरा हुक्म बजाना होगा. सारा आधिकारिक श्रेय तुम लूट सकते हो. पर तुम को मेरे कहे अनुसार चलना होगा. ठीक है.”

“पूरी तरह, अगर तुम मुझे अपराधियों तक ले चलो, तो.”

“ठीक है, सब से पहले मुझे तेज चलने वाली पुलिस बोट चाहिए-स्टीम लांच-जो वेस्टमिनिस्टर की सीढ़ियों पर सात बजे मिले.”

“उस का तो आसानी से इंतजाम हो जाएगा. वहां पर हमेशा एक न एक खड़ी रहती है, पर मैं सड़क के उस पार जा कर फोन कर के बात पक्की करता हूं.”

“फिर मुझे दो ताकतवर आदमी चाहिए, जो विरोध का सामना कर सकें.”

“नाव में दो या तीन होंगे. और क्या चाहिए?” “जब वे लोग हमारे कब्जे में होंगे, तो हमें खजाना मिल जाएगा. मैं समझता हूं कि मेरे दोस्त को खुशी होगी कि वह खजाना जा कर उस युवती को सौंप दे, जो उस आधा खजाने की असली हकदार है. खजाना उसी को सब से पहले खोलने देना चाहिए, क्यों वाटसन?”

"यह मेरे लिए बड़ी खुशी की बात होगी." "उस के बाद खजाना अधिकारियों को सौंप दिया जाना चाहिए, जब तक सारी तहकीकात पूरी न हो जाए."

"बिलकुल. यह आसानी से किया जा सकता है. एक और बात, मैं जोनाथन स्मॉल के होंठों से इस मामले का ब्योरा सुनना चाहूंगा. तुम जानते हो कि मैं अपने मामलों की सारी बारीकियां खुद समझना चाहता हूं. मुझे उस से इंटरव्यू लेने में कोई एतराज नहीं है न अपने कमरे में न कहीं और, पर उस को पूरी सुरक्षा दी जानी होगी."

"बिलकुल. और कुछ?"

"यही कि मैं जिद करता हूं कि तुम हमारे साथ खाना खाओ, आधा घंटे में खाना तैयार हो जाएगा. मेरे पास ऑयस्टर और ग्राउस है और थोड़ी सी ह्वाइट वाइन. वाटसन, तुम ने कभी भी मेरी हाउसकीपिंग की तारीफ नहीं की है."

द्वीप निवासी का अंत

हमारा डिनर बड़ा खुशनुमा रहा. जब वह चाहता, तो होम्स बहुत अच्छी तरह बातचीत कर सकता था और उस रात उस का बातचीत का मन था. वह बड़ा खुश नजर आ रहा था. मैं ने उसे कभी भी इतना चहकते नहीं देखा. उस ने बारी बारी से कई विषयों पर बात छेड़ी- चमत्कार वाले नाटकों से ले कर मध्यकालीन मिट्टी के बरतन बनाने की कला पर, स्ट्रेडीवेरियस वायलिनों से ले कर सीलोन (श्रीलंका) में बौद्ध धर्म पर और भविष्य के लड़ाकू जलपोतों पर उस ने चर्चा की मानो उस ने इन में से हरेक विषय पर विशेष जानकारी हासिल की हो.

उस का यह खुशनुमा मूड पिछले दिनों के गहन डिप्रेशन से बिलकुल अलग था. फुरसत के वक्त एथेलनी जोंस भी बड़ा मिलनसार साबित हुआ और बहुत खुश हो कर डिनर में शामिल रहा. मैं यह सोच कर खुश था कि हम अपने काम को पूरा करने के बिलकुल करीब आ पहुंचे हैं और होम्स की खुशी मुझे भी लग गई. डिनर के दौरान हम तीनों में से किसी ने भी उस काम का जिक्र नहीं किया, जिस ने हम तीनों को मिलाया था.

जब टेबुल साफ हो गई, होम्स ने अपनी घड़ी पर नजर डाली और पोर्ट के तीन गिलास भर दिए.

"हमारी छोटी सी यात्रा की सफलता को सलाम और अब वक्त आ गया है कि हम चल पड़ें, तुम्हारे पास पिस्तौल है, वॉटसन?"

"डेस्क में मेरी पुरानी सर्विस रिवॉल्वर है."

"फिर अच्छा होगा कि तुम उसे ले चलो. हर तरह से तैयार रहना ही ठीक है. मैं देख रहा हूं कि कैब दरवाजे पर खड़ी है. मैं ने उसे साढ़े छह बजे बुलाया था."

सात बजे के कुछ देर बाद हम वेस्टमिनिस्टर वार्फ पहुंचे और लांच को इंतजार करते पाया. होम्स ने उस को पारखी नजर से देखा.

"इस में कुछ ऐसा तो नहीं जिस से पता चल सके कि यह पुलिस की बोट है?"

"हां, किनारे पर लगा यह हरा लैंप."

"तो फिर उस को उतार लो."

यह छोटा सा बदलाव लाया गया. हम उस पर सवार हुए और रस्सियां हटा दी गईं. जोंस, होम्स और मैं पीछे की ओर बैठे. एक ने पतवार संभाली और एक इंजिन पर बैठा और दो हट्टेकट्टे पुलिस वाले आगे की ओर बैठे.

"कहां चलना है?" जोंस ने पूछा.

"टावर तक. उन से कहना कि जेकबसन यार्ड के सामने रुक जाएं."

हमारी लांच जाहिर था, काफी तेज थी. भरी हुई नावों की लंबी कतारों से हम तीर की गति से गुजरे मानो वे नावें चल नहीं रही हों. जब हम ने एक स्टीमर को पछाड़ कर पीछे छोड़ दिया, तो होम्स संतोष से मुसकराया.

"हम नदी पर किसी को भी पकड़ सकेंगे." वह बोला.

"हां, ऐसा तो नहीं है, पर बहुत कम लांचें हमें पछाड़ सकती हैं."

"हमें 'औरोरा' को पकड़ना होगा, और वह अपनी रफ्तार के लिए जानी जाती है. मैं तुम्हें इस जगह के बारे में बताऊंगा. वॉटसन, तुम्हें याद होगा कि मैं इतनी सी बात पर कितना नाराज हो गया था?"

"हां."

"तो मैं ने एक रासायनिक प्रयोग में उलझ कर अपने दिमाग को पूरा आराम दिया. हमारे एक राजनेता ने कहा है कि किसी और काम में उलझना ही सब से अच्छा आराम होता है. ऐसा ही है. जब मैं हाइड्रोकार्बन घोलने में सफल हो गया, जिस में मैं मशगूल था, मैं वापस शालटो की समस्या पर आया और मैं ने पूरे मामले पर विचार किया. मेरे खोजी लड़के नदी में ऊपर से नीचे गए, पर कोई नतीजा नहीं निकला, लांच न कहीं रुकी हुई थी, न वापस आई थी. उस में छेद कर के उसे डुबाया भी नहीं जा सकता था, हालांकि अगर सब ओर से असफलता मिली तो यही निष्कर्ष निकालना पड़ेगा.

"मैं जानता था कि स्मॉल नाम का यह आदमी कुछ हद तक चालाक है. पर मुझे नहीं लगता कि वह ऊंचे दरजे की चालाकी कर पाएगा. फिर मैं ने सोचा कि क्योंकि वह कुछ वक्त से लंदन में रह रहा है, क्योंकि हमारे पास सबूत है कि वह पांडिचेरी लॉज पर लगातार नजर रखे हुए था. वह पलभर में ही तो गायब नहीं हो सकता उसे कुछ तो वक्त लगेगा ही, चाहे एक दिन ही क्यों न हो, कि जाने की तैयारी कर सके. मुझे तो यही संभावना नजर आ रही थी."

“यह थोड़ी कमजोर है,” मैं ने कहा. “यह भी संभव है कि इस वारदात से पहले ही उस ने सारी तैयारी कर रखी हो.”

“नहीं, मैं ऐसा बिलकुल नहीं समझता, यह जिस भी मांद में दुबका हुआ था, वह जरूरत के समय के लिए बड़ी अनमोल रही होगी इसलिए जब तक उसे पूरा विश्वास नहीं हो गया हो कि उस की जरूरत नहीं रही, तब तक उस ने उसे छोड़ा नहीं होगा. पर एक दूसरी बात दिमाग में आई है. जोनाथन स्मॉल ने सोचा होगा कि उस के सहयोगी की अलग दिखने वाली आकृति, भले ही उसे कोई भी भेष पहनाया गया हो, अफवाहों को हवा देगी और संभव है उसे नॉरवुड त्रासदी से जोड़ा जाए. इन सब बातों को वह चालाकी से समझता था. वे अपने रहने की जगह से अंधेरे की ओट में निकले और वे चाह रहे होंगे कि दिन चढ़ने से पहले वापस आ जाएं.

“अब मिसेज स्मिथ के हिसाब से जब उन्हें नाव मिली, तब तीन बज चुके थे. काफी रोशनी फैल चुकी होगी और घंटे भर में लोगों की चहलपहल शुरू होने वाली होगी. इसलिए मैं ने तर्क दिया कि वे ज्यादा दूर नहीं गए होंगे. उन्होंने खूब सारा पैसा दे कर स्मिथ की जुबान बंद कर दी, भाग निकलने के लिए उस की लांच रिजर्व की और खजाना ले कर अपने रहने की जगह पहुंचे. दो रातों में, जब उन्हें यह देखने का मौका मिला कि अखबारों का क्या रुख है और कहीं कोई शक तो नहीं है, तब वे अंधेरे का फायदा उठा कर ग्रेवसेंड या डाउन में किसी पानी के जहाज पकड़ेंगे, जहां उन्होंने जरूर अमरीका या किसी कॉलोनी की तरफ निकल जाने का इंतजाम कर रखा होगा.”

“पर लांच? लांच को तो अपने ठहरने की जगह नहीं ले गए होंगे.”

“बिलकुल. मैं ने अंदाज लगाया कि दिखाई न देने पर भी लांच अभी ज्यादा दूर नहीं गई होगी. फिर मैं ने अपने को स्मॉल की जगह रख कर देखा. उस ने जरूर यही सोचा होगा कि लांच वापस भेजने या उसे किसी घाट पर खड़ा करने में खतरा है क्योंकि अगर पुलिस उन को ढूंढ़ने लगी, तो लांच से उन तक पहुंचने में आसानी होगी. फिर वह लांच को कैसे छुपा सकता है कि जब चाहे उसे लांच मिल भी जाए? मैं ने सोचा कि अगर मैं उस की जगह होता तो क्या करता.

“मैं एक ही तरीका सोच पा रहा था. मैं लांच किसी नाव बनाने वाले या मरम्मत करने वाले को सौंप सकता हूं, उस को यह हिदायत देते हुए कि उस में कुछ बदलाव ले आए फिर लांच उस के यार्ड में रख दी जाएगी और

इस तरह अच्छी तरह छुप जाएगी. इस तरह से कुछ घंटों की मोहलत में मुझे मिल भी जाएगी.”

“यह तो बड़ा सरल लग रहा है.”

“बस ये साधारण बातें ही तो नजरअंदाज हो जाती हैं. फिर भी मैं ने इसी विचार पर अमल करने की ठानी. मैं तुरंत ही इस नाविक के भेष में चल पड़ा और नदी पर पड़ने वाले सभी घाटों में पूछताछ की. पंद्रह में कोई सुराग हाथ नहीं लगा पर सोलहवें में, जेकबसन पर मुझे पता चला कि ‘औरोरा’ उन को दो दिन पहले लकड़ी के पैर वाले एक आदमी ने सौंपी थी- पतवार में कोई फेर बदल करने की छोटी सी बात कही थी. फोरमैन ने कहा. “पतवार में कोई खराबी नहीं है, वह वहां पर खड़ी है, लाल पट्टियों वाली.” उसी समय मोर्डिकाइस स्मिथ को छोड़ कौन आएगा, जो लांच का गुमशुदा मालिक था.

वह बुरी तरह शराब के नशे में था. मैं उसे कहां पहचान पाता, पर उसी ने जोरजोर से अपना और अपनी लांच का नाम लिया. “मुझे आज रात आठ बजे यह चाहिए-ठीक आठ बजे, क्योंकि दो भद्र पुरुष इस का इंतजार करेंगे और उन को देर नहीं होनी चाहिए. जाहिर था कि उन्होंने इसे मोटी रकम दी हुई थी, क्योंकि उस के पास बहुत से पैसे थे और वह आदमियों में लुटाता फिर रहा था. मैं ने कुछ दूर तक उस का पीछा किया, पर वह एक मयखाने में घुस गया, इसलिए मैं वापस यार्ड गया और रास्ते में अपना ही एक लड़का मिल गया, इसलिए मैं ने उसे लांच की निगरानी के लिए खड़ा कर दिया. उस को पानी के किनारे खड़े रहना है और जब वे वहां से चलें, तो अपना रूमाल हिलाना है. हम वहीं पर उन लोगों का इंतजार करेंगे और हम जरूर उन लोगों को खजाने समेत गिरफ्तार कर लेंगे.”

“तुम ने सारी योजना बहुत बढ़िया ढंग से बनाई है, भले ही वे वास्तव में अपराधी हो या न हों.” जोंस ने कहा. “अगर यह मामला मेरे हाथों में होता, तो मैं जेकबसन यार्ड में पुलिस की एक टुकड़ी जरूर रखता और जब वे आते, उन्हें गिरफ्तार कर लेता.”

“जो कि कभी नहीं होता. यह स्मॉल नाम का आदमी बड़ा घुटा हुआ है. वह अपने आगे किसी को भेजेगा और कोई भी शक होने पर वह हफ्तेभर के लिए चुपचाप छिपा पड़ा रहेगा.”

“पर तुम अगर मोर्डिकाइस स्मिथ के साथ रहते, तो उन के छिपने की जगह पहुंच जाते,” मैं ने कहा.

“उस हालत में मेरा दिन ही खराब हो जाता. इस बात की सौ में एक संभावना है कि स्मिथ को जानकारी है कि वे कहां रह रहे हैं. जब तक उस को शराब और अच्छी आमदनी मिलती रहती है, वह सवाल क्यों पूछेगा? वे उसे संदेश पहुंचाते रहते हैं कि क्या करना है, नहीं. मैं ने हर संभव तरीके पर विचार किया है और यही सब से अच्छा है.”

“जब यह बातचीत जारी थी, हम थेम्स पर स्थिति पुलों की लंबी श्रृंखला पार कर रहे थे. जब हम शहर से गुजरे, सेंट पॉल के शिखर पर बने क्रॉस पर सूरज की आखिरी किरणें सोना बिखेर रही थीं. हमारे टॉवर पर पहुंचने से पहले अंधेरा हो चुका था.”

“वह रहा जेकबसन यार्ड,” होम्स ने सरे की तरफ नावों के पालों की ओर इशारा करते हुए कहा. “धीरेधीरे इन नावों की ओट में चलो.” उस ने जेब से रात का चश्मा निकाला और कुछ देर तक किनारे की ओर देखता रहा. “मुझे अपना चौकीदार अपनी जगह पर खड़ा दिखाई दे रहा है.” उस ने कहा. “पर रूमाल का अतापता नहीं है.”

अब तक हम उत्साहित थे, पुलिसवाले और बाकी दोनों भी. हालांकि उन्हें ज्यादा नहीं पता था कि क्या चल रहा है.

“हमें किसी भी बात को हलका नहीं समझना है,” होम्स ने जवाब दिया. “हालांकि दस में एक उम्मीद यही है कि वे इस ओर आएंगे, पर हम निश्चिंत नहीं हो सकते. इस जगह से हमें यार्ड में प्रवेश दिखाई दे रहा है और वे हमें नहीं देख सकते. आज की रात एकदम साफ है और काफी रोशनी रहेगी. हमें यहीं पर रहना होगा, जहां पर हम अभी हैं. देखो, गैस की रोशनी में कैसे वहां पर लोग आतेजाते दिखाई दे रहे हैं.”

“वे लोग यार्ड में काम कर के लौट रहे हैं. देखने में गंदे हैं, पर मेरे खयाल से हरेक में कोई न कोई अच्छाई छिपी हुई है. उन को देख कर ऐसा नहीं लगेगा. आदमी भी अजीब होता है.”

“कोई कहता है कि वह पशु में छिपी हुई आत्मा होती है.” मैं ने सुझाव दिया.

“विनवुड रीड इस विषय पर बहुत अच्छा है,” होम्स ने कहा. “वह टिप्पणी करता है कि हालांकि प्रत्येक व्यक्ति अपने में अनबूझ पहेली है, औसत में देखा जाए तो वह गणित की तरह सुलझा हुआ होता है. उदाहरण के लिए तुम यह कभी भी नहीं कह सकते कि कोई एक व्यक्ति क्या करेगा. व्यक्ति भिन्न हो सकते हैं पर प्रतिशत वही रहता है. गणितज्ञ

यही कहता है. पर क्या मुझे रूमाल दिखाई पड़ रहा है? वहां पर वह सफेद रूमाल ही लहरा रहा है."

"हां, यह तुम्हारा वाला लड़का ही है." मैं चिल्लाया, "मैं उसे साफ देख रहा हूं."

"और वह रही-औरोरा." होम्स ने कहा. "और शैतान की तरह जा रही है! इंजीनियर, पूरी गति से नाव चलाओ. पीली बत्ती वाली उस नाव के पीछे लगो, भगवान की कसम, मैं अपने को कभी माफ नहीं करूंगा अगर वह हम से आगे निकल गई!"

वह अनदेखी सी यार्ड के प्रवेश से निकल कर दो तीन छोटी नावों के पीछे से होती हुई थोड़ी गति पकड़ चुकी थी. जब हम ने उसे देखा, अब वह पानी में तेजी से जा रही थी. किनारे की ओर, बहुत तेज रफ्तार से जोंस ने गंभीरता से उसे देखा और सिर हिलाया.

"यह बहुत तेज है," वह बोला. "मुझे शक है कि हम उसे नहीं पकड़ पाएंगे.

"हमें उस को पकड़ना ही होगा," दांत भींचते हुए होम्स ने कहा. "उस को पूरी तरह से ईंधन से भर, पूरी कोशिश करो! चाहे हमें नाव जलानी ही क्यों न पड़ जाए, हमें उन को पकड़ना ही है!"

हम उस के काफी करीब तक पहुंच गए थे, भट्टियां आग उगल रही थीं, और ताकतवर इंजिन घरघराता जा रहा था, मानो बड़ा सा धातु का दिल हो. उस का पैना संकरा अगला भाग नदी के शांत जल को काट रहा था और हमारे दाएं और बाएं पर दो बड़ी लहरें बन रही थीं. इंजिन की घरघराहट से हम बुरी तरह हिल उठते थे. नाव पर लटकी बड़ी सी पीली लालटेन हमारे सामने एक लंबी कंपकंपाती रोशनी की लकीर डाल रही थी. ठीक सामने एक गहरी आकृति से पता चल रहा था कि 'औरोरा' कहां पर है और उस के पीछे उठ रहे पानी के झागों से पता चल रहा था कि वह कितनी रफ्तार में है.

हम कई तरह के नावों को पछाड़ते हुए जा रहे थे, कभी एक के पीछे, कभी दूसरी के आगे, अंधेरे में आवाजें हमें रोक रही थीं, पर 'औरोरा' आगे गरजती गई और हम उस के काफी पास पहुंच कर उस का पीछा कर रहे थे.

"और तेज, और तेज!" इंजिन कक्ष में झांकते हुए होम्स चिल्लाया, जबकि नीचे से आती तेज लपट की रोशनी उस के उत्तेजित चेहरे पर पड़

रही थी. “जितनी भाप बना सकते हो, बनाओ.”

“मेरे खयाल से हमारी रफ्तार बढ़ी है,” जांस ने ‘औरोरा’ पर नजर टिकाए हुए कहा.

“मुझे पूरा यकीन है,” मैं ने कहा. “कुछ ही मिनटों में हम उस के पास पहुंच जाएंगे.”

पर उसी वक्त हमारे और ‘औरोरा’ के बीच सामान ढोने वाली तीन नावों का बेड़ा आ गया. हम ने बड़ी कोशिश की इसलिए टक्कर नहीं हुई और इस से पहले कि हम घूम कर आगे जाते, ‘औरोरा’ ने अच्छीखासी करीब दो सौ मीटर की दूरी बना ली थी. फिर भी वह साफ दिखाई दे रही थी और शाम का धुंधलका अब तारों वाली रात बन चुका था. हमारी भट्टियां जोरों से जल रही थीं और हमारी नाजुक नाव इतनी ऊर्जा और गरमी से चरमरा रही थी. हम पुल से गुजर चुके थे और वेस्ट इंडिया डॉक्स से होते हुए लंबी डेप्टफोर्ड रीच और आइल ऑफ डॉग्स से गुजरे.

हमारे सामने जो अब तक काला धब्बा दिखाई पड़ रहा था, अब साफतौर पर ‘औरोरा’ की आकृति ले चुका था. जोंस ने हमारी सर्चलाइट उस की तरफ की, जिस से हम उस पर सवार लोगों को देख सकें. एक आदमी पिछले हिस्से पर बैठा था, अपने पुराने घुटनों के बीच किसी काली चीज को दबाए हुए, जिस पर वह झुका हुआ था. उस के पास एक ढेर सा था, जो शायद एक न्यूफाउंडलैंड कुत्ता था. लड़के ने नाव घुमाने के साधन को पकड़ रखा था और भट्टी की लाल दहक की रोशनी में मुझे स्मिथ नजर आया. वह शरीर के ऊपरी हिस्से तक निर्वस्त्र था और जल्दीजल्दी भट्टी में कोयले झोंक रहा था. पहले उन को शक रहा होगा कि हम उन का पीछा कर रहे हैं, पर अब जब हम हर मोड़ और नुक्कड़ पर उन का पीछा कर रहे थे, तो शक का कोई प्रश्न ही नहीं रह गया था. ग्रीनविच में हम उन के तीन सौ कदम पीछे थे.

ब्लैकवॉल पर ढाई सौ से ज्यादा नहीं. अपने कैरियर में मैं ने कई तरह के प्राणी देखे हैं, पर कभी भी मुझे इतना बेकाबू रोमांच नहीं आया था, जितना थेम्स में इस तरह इन लोगों का पीछा करते आ रहा था. धीरेधीरे हम उन तक पहुंच गए. रात के सन्नाटे में हमें उन की मशीनों की घरघराहट सुनाई पड़ रही थी. पीछे बैठा आदमी अब भी डेक पर बैठा था और उस के हाथ ऐसे चल रहे थे मानो वह व्यस्त हो और बीचबीच में वह ऊपर देख लेता, मानो हमारे बीच की दूरी नाप रहा हो. हम पास आते गए और भी पास.

जोंस ने चिल्ला कर उन्हें रुकने के लिए कहा. हम उन के पीछे चार नावों की दूरी से ज्यादा नहीं थे और दोनों नावें तेजी से आगे बढ़ी जा रही थीं, नदी की यह वह जगह थी जहां एक ओर बार्किंग लेवल था और दूसरी ओर प्लमशेड मार्शेस की उदासी. हमारे पुकारने पर पीछे बैठा आदमी डेक से कूदा और उस ने अपनी दो मुट्ठियां हमें दिखाईं और तेज तीखी आवाज में हमें गालियां बकने लगा. वह ठीकठाक डीलडौल वाला ताकतवर आदमी था और जब वह अपने पैर फैला कर अपने को संतुलित कर रहा था.

मैं ने देखा कि जांघ के नीचे से, दाईं तरफ उस का पैर नहीं, लकड़ी का ठूंठ है. उस की गुस्से भरी गालियों की आवाज पर, डेक पर सिमट कर बैठी गठरी में हलचल हुई. वह एक छोटे से काले आदमी में तबदील हो गई. इतना छोटा जितना मैं ने पहले कभी नहीं देखा था. उस का सिर बहुत बड़ा और बेडौल था और उस पर बुरी तरह उलझे, बेतरतीब बालों का गुच्छा. होम्स ने पहले ही रिवॉल्वर निकाल ली थी और इस जंगली, विद्रूप प्राणी को देख कर मैं ने भी. वह एक तरह के गहरे रंग के कंबल में लिपटा था, जिस से सिर्फ उस का चेहरा ही नजर आ रहा था, पर वह चेहरा किसी की भी रातों की नींद उड़ा सकता था. कभी भी मैं ने किसी चेहरे पर इतनी पाशविकता और क्रूरता नहीं देखी. उस की छोटी आंखें खूंखार रोशनी सी जल रही थीं और उस के मोटे होंठ दांतों से पीछे मुड़े हुए थे, जो हमें देख कर बहशीपन से किटकिटा रहे थे.

“हाथ उठाए तो फायर कर देना,” होम्स ने धीरे से कहा.

अच्छा हुआ जो हम ने उसे इतने करीब से देखा. हमारे देखतेदेखते उस ने अपने कंबल के नीचे से लकड़ी का एक छोटा सा गोल सा टुकड़ा निकाला, जो देखने में स्कूली रूलर की तरह था और अपने होंठों से चिपका लिया. हमारी पिस्तौल एक साथ गूंजी. वह तेजी से घूमा, हाथ उठाए और दमघोंट खांसी के साथ नदी में कूदा, मैं ने उस की जहरीली आंखों की एक झलक देखी-सफेद पानी के बीच में. उसी पल लकड़ी के पैर वाले आदमी ने पतवार संभाली, जिस से नाव सीधे दक्षिणी किनारे की ओर चली, जबकि हम उस से कुछ ही दूरी पर थे. हम पलभर में ही उस तक पहुंच गए, पर वह तब तक किनारे जा लगी थी.

वह सुनसान और जंगली इलाका था, जहां दूर तक फैले दलदल पर चांद चमक रहा था. बीचबीच में स्थिर पानी के गड्ढे थे और सड़ती हरियाली, एक हलकी थपाक से लांच मिट्टी के किनारे जा लगी, उस का आगे का हिस्सा हवा में उछल गया और पीछा पानी से भर गया. भगोड़ा

कूदा, पर उस का लकड़ी का ठूंठ तुरंत ही पूरी तरह दलदल में फंस गया. उस ने छूटने की बड़ी कोशिश की, पर बेकार रहा. वह आगे या पीछे एक भी कदम नहीं ले पा रहा था. वह गुस्से में चिल्लाया और दूसरी टांग से मिट्टी में लात मारने लगा. पर उस की कोशिशों से उस की लकड़ी की टांग दलदल में और भी गहरी धंसती गई.

हमारी लांच जब वहां पहुंची, वह इतनी मजबूती से दलदल में फंसा हुआ था कि उस के कंधों के ऊपर रस्सी फेंक कर ही, हम मछली की तरह उसे अपनी ओर खींच पाए. दोनों स्मिथ, बाप और बेटा चुपचाप अपने लांच में बैठे रहे, पर हमारे बुलाने पर चुपचाप हमारी लांच में आ गए. 'औरोरा' को खींच कर हम ने अपनी लांच से बांध लिया. डेक पर भारतीय कारीगरी का ठोस संदूक रखा था. इस में कोई शक नहीं था कि यह वही संदूक था, जिस में शालटो का खजाना था. उस में कोई चाबी नहीं थी, पर वह खासा भारी था, इसलिए हम ने उसे उठा कर अपने छोटे से केबिन में रख लिया. वापस जाते हुए हम ने अपनी सर्चलाइट हर दिशा में फेंकी, पर द्वीप निवासी का कोई चिन्ह नहीं मिला. थेम्स के तल की गहराइयों में कहीं, तट के उस अजीब मेहमान की हड्डियां पड़ी होंगी.

"इधर देखो," होम्स ने लकड़ी की नक्काशी की ओर इशारा करते हुए कहा. "हम अपनी पिस्तौल ज्यादा फुरती से नहीं निकाल पाए थे." वहां पर, निस्संदेह, जहां हम खड़े थे, ठीक उस के पीछे, जहर बुझा हत्यारा तीर चिपका हुआ था, जिस के बारे में हमें इतनी अच्छी तरह मालूम था. उस क्षण हमारे बीच से गुजरा होगा जब हम ने फायर किया. होम्स उसे देख कर मुसकराया और अपने सरल ढंग से कंधे उचकाए, पर मुझे कबूलना होगा कि उस रात जो भयावह मौत हमारे इतने करीब से गुजरी थी, उसे देख कर मुझे चक्कर आ गया.

आगरा का खजाना

हमारा कैदी उस संदूक के सामने केबिन में बैठा था, जिस को पाने के लिए उस ने इतना किया था और इतनी देर इंतजार किया था. वह धूप में झुलसा हुआ, बेफिक्र आंखों वाला शख्स था और उस के काठ के से चेहरे पर लकीरों और झुर्रियों का जाल फैला हुआ था, जिस से पता चल रहा था कि वह खुले आसमान के नीचे कठिन जिंदगी जी रहा है. उस की दाढ़ी वाली ठोढ़ी में कुछ ऐसी बात थी जो बता रही थी कि वह आसानी से डिगने वाला नहीं था. उस की उमर पचास के करीब रही होगी क्योंकि उस के काले घुंघराले बाल कई जगहों पर सफेद थे. आराम करते वक्त उस का चेहरा बुरा नहीं था. हालांकि, जैसे मैं ने हाल में देखा था, उस की घनी भौंहें और अड़ियल ठोढ़ी से उस के चेहरे का भाव बड़ा भयानक हो जाता था. अब वह बैठा था अपने हथकड़ियों में जकड़े हाथों को गोद में रखे, और उस का सिर छाती पर टिका था.

वह अपनी तेज चमकती आंखों से संदूक की ओर देख रहा था, जिस की वजह से उस की यह हालत हुई थी. मुझे लगा कि उस के शांत चेहरे पर क्रोध से ज्यादा दुख झलक रहा है. एक बार उस ने मेरी ओर देखा, उस की आखों में उस वक्त शायद हंसी का पुट था.

"हां, जोनाथन स्मॉल," होम्स ने सिगार सुलगाते हुए कहा, "मुझे खेद है कि ऐसा हुआ."

"मुझे भी, सर." उस ने साफतौर पर कहा. "मैं नहीं समझता कि अब मैं बच सकता हूं. पर मैं सच कहता हूं कि मैं ने मिस्टर शॉलटो पर कभी हाथ नहीं उठाया. वह तो जंगली कुत्ता टोंगा था जिस ने अपना तीर उस के अंदर छोड़ा था. इस में मेरा कोई हाथ नहीं था. वह तो जंगली कुत्ता टोंगा था, जिस ने शालटो पर तीर छोड़ा था. मुझे उतना दुख हुआ था जितना किसी सगेसंबंधी के लिए होता. मैं ने रस्सी के छोर से उस शैतान को पीटा भी. पर नुकसान हो चुका था और मैं उस को ठीक नहीं कर सकता था."

"एक सिगार लो," होम्स ने कहा, "और मेरे फ्लास्क से थोड़ा पी लो, क्योंकि तुम बहुत गीले हो. तुम यह उम्मीद कैसे कर सकते थे कि उस के जैसे छोटा आदमी मिस्टर शालटो पर हावी रह सकेगा, जब तुम रस्सी पर चढ़ रहे थे?"

"आप को इस के बारे में लगभग उतना मालूम है मानो आप वहीं थे, सर. सच तो यह है कि मैं ने सोचा था कि मुझे कमरा खाली मिलेगा. मुझे

इस घर के तौर तरीके अच्छी तरह मालूम थे और यह वह समय था जब मिस्टर शॉलटो अकसर खाना खाने के लिए नीचे जाते थे. मैं इस घटना के बारे में कुछ नहीं छिपाऊंगा. मैं सिर्फ सीधी सच्ची बात बता कर अपनी पैरवी करूंगा. अगर यह बूढ़ा मेजर होता, तो मैं हलके दिल से उस का काम तमाम करता. उस को छुरा घोंपने से पहले मैं उतना भी नहीं सोचता जितना इस सिगार को पीने में सोच रहा हूं. पर मैं इस जवान शालटो से उलझ गया, जिस के साथ मेरी कोई दुश्मनी नहीं थी."

"तुम इस वक्त स्कॉटलैंड यार्ड के मिस्टर एथेलनी जोंस के कब्जे में हो. वह तुम्हें हमारे कमरे में लाएगा और मैं इस मामले का सच ब्योरा तुम से लूंगा, तुम सारी बात सचसच बताओगे, क्योंकि ऐसा करोगे तो मुझे उम्मीद है मैं तुम्हारी मदद कर सकूंगा. मैं सोचता हूं कि मैं साबित कर सकता हूं कि जहर इतनी जल्दी काम करता है कि तुम्हारे कमरे में पहुंचने के पहले ही वह आदमी मर चुका था."

"वह तो था ही सर. मुझे जिंदगी में इतना धक्का कभी नहीं लगा जितना उस को कंधे पर सिर टिका कर मेरी ओर हंसते हुए देखने पर लगा था. मैं अच्छाखासा कांप उठा था, सर. टोंगा अगर भाग नहीं गया होता तो मैं शायद उसे अधमरा कर देता. उसी ने मुझे बताया कि उस का मुगदर और तीर इसी लिए वहीं छूट गए, और मुझे अंदाज है कि उन्हीं चीजों के सहारे आप लोग यहां तक आए हैं. पर यह सब कैसे कर पाए, यह मेरी समझ के बाहर है. मुझे आप से कोई शिकायत नहीं है. पर यह अजीब बात लगती है," एक कड़वी मुसकान के साथ वह बोला, "मुझे आधा मिलियन की दौलत मिलनी चाहिए. अपनी आधी जिंदगी अंडमान से निकलने की कोशिश करते बितानी पड़ी और बाकी जिंदगी डार्टमोर में नाले खोदते हुए.

"वह मेरे लिए काला दिन था जब मेरी नजर व्यापारी अचमेत पर पड़ी और मेरा वास्ता आगरा के खजाने से पड़ा, जो हर उस शख्स के लिए तबाही लाया जिस ने उसे हासिल किया. उस के लिए हत्या लाया, मेजर शालटो के लिए भय और अपराध की भावना और मेरे लिए सारी उमर गुलामी."

इस समय एथेलनी जोंस ने अपना चेहरा और कंधा उस छोटे से केबिन में अड़ाया.

"पूरे परिवार की पार्टी नजर आ रही है." उस ने टिप्पणी की. "मुझे भी उस फ्लास्क का मजा लेने दो, होम्स. मैं समझता हूं हमें एकदूसरे को बधाई देनी चाहिए. अफसोस है कि दूसरे को हम जिंदा नहीं पकड़ पाए, पर हमारे

पास कोई चारा नहीं रह गया था. मैं कहता हूं, होम्स, तुम्हें मानना पड़ेगा कि तुम ने बहुत बढ़िया काम किया. लांच को पकड़ने में हम ने कोई कसर नहीं छोड़ी."

"अंत भला तो सब भला," होम्स ने कहा. "मैं यह नहीं जानता था कि 'औरोरा' की रफ्तार इतनी तेज है."

स्मिथ ने बताया कि पूरी नदी में यह सब से तेज लांच है और अगर इंजिनों पर मदद देने के लिए उस के साथ कोई होता तो हम उसे कभी नहीं पकड़ पाते, यह भी कहा कि उसे इस नॉरवुड मामले के बारे में कुछ नहीं मालूम.

"न वह जानता था." हमारा कैदी बोला, "एक शब्द भी नहीं. मैं ने उस की लांच इसलिए चुनी क्योंकि मैं ने सुना था कि वह उड़नपरी है. हम ने उसे कुछ नहीं बताया, पर हम ने उसे अच्छी रकम दी और अगर हम अपनी नाव से एसमेरेलडा तक पहुंच जाते जो ग्रेवसेंड पर है ब्राजील्स जाने को तैयार, तो बहुत पैसा मिलता. "खैर, अगर इस ने कोई गलती नहीं की है तो हम देखेंगे कि इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा. हम अपराधी को पकड़ने में जल्दी करते हैं पर उस को सजा देने में नहीं."

यह देख कर हंसी आ रही थी कि जोंस बड़ा बन रहा था, इस गिरफ्तारी के बाद शरलॉक होम्स के चेहरे पर तैरती धीमी मुसकान से मैं ने अंदाज लगाया कि जोंस की बात उस ने भी सुनी है.

"कुछ ही देर में हम वॉक्सहाल ब्रिज पहुंच जाएंगे." जोंस ने कहा. "और खजाने के साथ, डाक्टर वॉटसन, तुम को उतार देंगे. मुझे यह कहने की बिलकुल जरूरत नहीं है कि मैं एक गंभीर जिम्मेदारी ले रहा हूं. ऐसा कभी नहीं किया जाता. पर समझौता, समझौता ही होता है. पर मेरा फर्ज है कि मैं तुम्हारे साथ एक इंस्पेक्टर भेजूं, क्योंकि तुम्हारे पास इतनी बहुत अधिक जिम्मेदारी है. तुम ड्राइव तो कर लोगे?"

"हां, मैं ड्राइव कर लूंगा."

"अफसोस की बात है कि हमारे पास इस संदूक की चाबी नहीं है, जिस से हम इस के अंदर के माल की सूची बना लेते. तुम को यह तोड़ कर खोलना पड़ेगा. इस की चाबी कहां है, मेरे कैदी?"

"नदी के तल में." कुछ देर बाद उस ने कहा. "हम्म! हमें यह बेकार की जानकारी देने का कोई फायदा नहीं. तुम ने हमें बहुत देर से परेशान कर रखा है. फिर भी, डाक्टर, मुझे तुम को चौकन्ने रहने की सलाह देने की

जरूरत नहीं. यह संदूक अपने साथ बेकर स्ट्रीट ले आना. तुम हमें वहीं पाओगे."

लोहे के उस भारी संदूक के साथ उन्होंने मुझे वॉक्सहाल पर उतार दिया और एक खुशमिजाज इंस्पेक्टर को भी मेरे साथ कर दिया. पंद्रह मिनट की ड्राइव के बाद हम मिसेज सीसिल फॉरेस्टर के यहां पहुंचे. इतनी देर शाम को आने वाले मेहमानों को देख कर नौकर ताज्जुब में था. मिसेज सीसिल फॉरेस्टर बाहर गई हुई है और बहुत देर से लौटेंगी, उस ने बताया. पर, मिस मॉर्सटन ड्राइंगरूम में थी, इसलिए मैं ड्राइंगरूम में चला गया. हाथ में संदूक लिए इंस्पेक्टर को मैं कैब में ही छोड़ आया था.

वह खुली खिड़की के पास बैठी थी, सफेद पोशाक में, जिस की गरदन और कमर पर लाल रंग का पुट था. वह बेंत की कुरसी पर आराम से बैठी थी और एक लैंप की मंद रोशनी उस के सुंदर गंभीर चेहरे पर खिल रही थी और उस के घने बालों की लटों पर चमक रही थी. एक सफेद हाथ कुरसी के किनारे लटका था और उस की पूरी मुद्रा बता रही थी कि वह गमगीन सोच में डूबी है. मेरे कदमों की आहट से वह उठ खड़ी हुई और उस के पीले गालों पर आश्चर्य और खुशी की लाली चमक उठी.

"मैं ने एक कैब को आते सुना था." वह बोली. "मैं ने सोचा कि मिसेज फारेस्टर बड़ी जल्दी वापस आ गई है. पर मैं ने सोचा भी नहीं था कि तुम हो सकते हो. तुम हमारे लिए क्या खबर लाए हो?"

"मैं तुम्हारे लिए खबर से भी अच्छी चीज लाया हूं." मेज पर संदूक रख कर मजाकिया लहजे में मैं ने कहा, हालांकि मेरा दिल भारी हो रहा था. "मैं तुम्हारे लिए दुनिया की सारी खबरों से अच्छी चीज लाया हूं, मैं तुम्हारे लिए दौलत लाया हूं."

उस ने लोहे के संदूक पर नजर डाली. "तो यही वह खजाना है"? शांत भाव से उस ने पूछा.

"हां, यही आगरा की महान दौलत है. आधी तुम्हारी है और आधी थेडियस शालटो की है. तुम में से हरेक को दोदो लाख मिलेंगे. सोचो! इंगलैंड में बहुत कम महिलाएं ही तुम से अमीर होंगी. कितनी खुशी की बात नहीं है?"

"मुझे लगता है कि मैं अपनी खुशी जाहिर करने में ज्यादा ही नाटकीय हो रहा था और उस ने मेरी बधाइयों में छिपी उदासी भांप ली, क्योंकि मैं ने उस की भौंहें चढ़ती देखीं और उस ने मेरी ओर कौतूहल से देखा."

“अगर मेरे पास कुछ है, तो वह तुम्हारी वजह से है.”

“नहींनहीं,” मैं ने जवाब दिया, “मुझे नहीं, पर मेरे दोस्त शरलॉक होम्स को. चाहे मैं कितना भी चाहता, मैं कभी भी उस सुराग का पीछा नहीं कर सकता था जिस ने उस की भी बुद्धि पर भार डाल दिया था. वैसे भी, आखिरी क्षण में तो हम इस से लगभग हाथ धो बैठे थे.”

“कृपा कर के बैठ जाओ और मुझे इस के बारे में सारी बातें बताओ, डा. वॉटसन.” वह बोली.

मैं ने संक्षेप में उसे बताया कि उस से मेरी आखिरी मुलाकात के बाद क्या हुआ था. होम्स को खोजने का नया तरीका, ‘औरोरा’ के बारे में पता चलना, एथेलनी जोंस का प्रकट होना, हमारी शाम की रोमांचक यात्रा और थेम्स पर धरपकड़. उस ने खुले होंठों और चमकती आंखों से मेरी सारी बातें सुनीं. जब मैं ने उसे तीर के बारे में बताया जिस से हम बालबाल बचे थे, तो वह सफेद पड़ गई कि मुझे डर लगा कि यह बेहोश न हो जाए.

“अरे, कुछ नहीं हुआ,” मैं उस के लिए जल्दी से पानी उंड़ेल रहा था, तो उस ने कहा. “अब मैं फिर से ठीक हूं, यह सोच कर मुझे धक्का लगा था कि मेरी वजह से मेरे दोस्त कितने बड़े खतरे में पड़ गए थे.”

“वह सब खत्म हो गया,” मैं ने जवाब दिया. “वह कुछ नहीं था. मैं इस तरह की बातें अब नहीं करूंगा. चलो, कुछ अच्छी बातें करते हैं. यह रहा खजाना. इस से अच्छी बात और क्या हो सकती है? मुझे छूट दी गई कि मैं इसे अपने साथ ले आऊं, यह सोच कर कि तुम्हें अच्छा लगेगा कि सब से पहले तुम ही ने इसे देखा.”

“मैं जरूर देखना चाहती हूं.” उस ने कहा. पर उस की आवाज में कोई उत्साह नहीं था. जरूर उस को लग रहा होगा कि ऐसे खजाने के लिए खुशी जाहिर करना अच्छा नहीं होगा, जो इतनी मुश्किल से मिला था.

“कितना सुंदर बक्सा है,” उस पर झुकते हुए उस ने कहा, “यह शायद भारतीय कारीगरी है?”

“यह बनारस की नक्काशी है? और कितना भारी!” उठाने की कोशिश करते हुए उस ने कहा. “इस संदूक की ही काफी कीमत होगी. चाबी कहां है?”

“स्मॉल ने उस को नदी में फेंक दिया,” मैं ने जवाब दिया, “मुझे मिसेज फॉरेस्टर की चिमटी लेनी होगी.”

आगे की ओर एक चौड़ी सी कुंडी थी जो बैठे हुए बुद्ध की आकृति में थी. इस के नीचे मैं ने चिमटी डाल कर लिवर की तरह घुमाया. तेज आवाज के साथ कुंडा खुल गया. कांपती उंगलियों से मैं ने ढक्कन उठाया. हम दोनों हैरान खड़े रह गए, बक्सा खाली था!

कोई ताज्जुब नहीं कि वह खाली था. चारों ओर लोहे का काम था. वह बहुत बड़ा, और ठोस था, जैसे कीमती चीजों को रखने के लिए बनाया गया है पर उस में जेवर या कीमती धातु का एक टुकड़ा भी नहीं था. वह पूरी तरह खाली थी.

“खजाना खो गया है,” मिस मॉर्सटन ने शांत भाव से कहा.

जब मैं ने ये शब्द सुने और मुझे समझ में आया कि इन का क्या मतलब है, मेरी आत्मा से एक भारी साया उठ गया. मुझे नहीं मालूम था कि आगरा के इस खजाने से मैं कितना परेशान था. इस में शक नहीं कि यह बात स्वार्थपूर्ण थी, गलत थी. पर मैं इस के अलावा और कुछ भी नहीं सोच पा रहा था कि हमारे बीच की सुनहरी अड़चन हट गई है.

मैं ने कहा, “तुम फिर से मेरी पहुंच के दायरे में आ गई हो.” उस का हाथ थामते हुए मैं ने कहा. उस ने हाथ वापस खींचा. “क्योंकि मैं तुम से मोहब्बत करता हूं, मिस, जितनी किसी भी पुरुष ने किसी स्त्री के साथ नहीं की होगी. इस खजाने, इस दौलत ने मेरे होंठ सिल दिए थे. अब जब यह सब जा चुका है, मैं तुम से कह सकता हूं कि मैं तुम से कितना प्यार करता हूं.”

फिर मैं ने उसे करीब लाने की कोशिश की, तो वह फुसफुसाई.

जिस ने भी खजाना खोया हो, मुझे तो पता था कि मेरे हाथ उस रात एक खजाना लग गया था.

जोनाथन स्मॉल की अजीब दास्तान

कैब में बैठा इंस्पेक्टर बड़ा सब्र वाला इनसान था, क्योंकि जब मैं उस के पास पहुंचा तो काफी समय गुजर चुका था. जब मैं ने उसे खाली बक्सा दिखाया तो उस का चेहरा निराशा से भर गया.

“लो गया इनाम!” उस ने दुख से कहा. “जहां पैसा नहीं, वहां इनाम भी नहीं होता. आज की रात की कीमत मेरे और सैम ब्राउन के लिए दस पाउंड की होती, अगर खजाना हमारे पास होता.”

“मिस्टर थेडियस शालटो अमीर आदमी है.” मैं ने कहा. “वह देखेगा कि तुम को इनाम दिया जाए, खजाना चाहे हो या न हो.”

पर इंस्पेक्टर ने निराशा से सिर हिलाया. “यह बुरा हुआ,” उस ने दोहराया. “और मिस्टर एथेलनी जोंस यही सोचेगा.”

उस की भविष्यवाणी सही साबित हुई क्योंकि जासूस का चेहरा भावहीन हो गया जब मैं ने बेकर स्ट्रीट पहुंच कर उसे खाली बक्सा दिखाया वे तभी वहां पहुंचे थे, होम्स, कैदी और वह, क्योंकि अपना इरादा बदल कर, वे रास्ते में एक थाने में रिपोर्ट करने रुक गए थे. मेरा मित्र अपनी आरामकुरसी में अपना भावरहित चेहरा लिए पड़ा था, जबकि स्मॉल उस के सामने बैठा था, अपनी लकड़ी की टांग को सही टांग पर चढ़ा कर. जब मैं ने खाली संदूक दिखाया, वह कुरसी पर पसर कर जोरों से हंसने लगा.

“यह तुम्हारा काम है, स्मॉल.” एथेलनी जोंस ने गुस्से में कहा.

“हां. मैं ने खजाना ऐसी जगह छुपा दिया है जहां तुम कभी भी उस तक नहीं पहुंच सकोगे.” विजय से वह चिल्लाया. “वह मेरी दौलत है और अगर उसे मैं नहीं पा सकता तो मैं यह देखूंगा कि वह किसी और को भी न मिले. मैं कह देता हूं कि किसी भी जिंदा आदमी को उस पर कोई अधिकार नहीं है, सिवाय अंडमान के कैदी बैरकों में रह रहे तीन कैदी और मेरे.

“अब मैं जानता हूं कि मेरे लिए उस का फायदा नहीं है और मैं जानता हूं कि उन तीनों को भी नहीं है. मैं ने लगातार उन तीनों को ध्यान में रख कर उतना ही काम किया है, जितना अपने लिए किया है. हमारे लिए हमेशा चार का चिन्ह रहा है. वैसे मैं जानता हूं कि वे मुझ से यही चाहते जो मैं ने किया है कि थेम्स में खजाना फेंक दूं. बजाए इस के कि शालटो या मॉर्सटन के सगेसंबंधियों के हाथ लग जाए. इन लोगों को अमीर बनाने के लिए हम ने अचमत का काम तमाम नहीं किया था. तुम को खजाना वहीं मिलेगा,

जहां इस की चाबी है और जहां बौना टोंगा है. जब मैं ने देखा कि तुम लोगों की लांच हमें पकड़ लेगी, तो मैं ने खजाना सुरक्षित जगह पर रख दिया. इस यात्रा में तुम को कुछ हाथ नहीं लगा."

"तुम हमें धोखा दे रहे हो, स्मॉल," एथेलनी जोंस ने सख्ती से कहा. "अगर तुम थेम्स में खजाना फेंकना चाहते, तो बक्से समेत फेंकना ज्यादा आसान होता."

"मेरे लिए फेंकना तो आसान होता ही, तुम्हारे लिए उसे फिर से ढूंढ़ निकालना भी आसान होता," उस ने चालाकी से देखते हुए कहा. "जो आदमी इतना होशियार है कि उस ने मुझे ढूंढ़ निकाला, वह इतना होशियार भी होगा कि नदी के तल से लोहे का संदूक खोज निकाले. अब जब खजाना करीब आठ कि. मी. के दायरे में बिखरा पड़ा है, तो तुम्हारा काम मुश्किल हो सकता है. हालांकि ऐसा करते वक्त मेरा दिल बहुत रोया था. जब तुम लोग हम तक पहुंचे, मैं करीबकरीब पागल हो गया था. फिर भी, उस पर अफसोस करने का कोई फायदा नहीं. मैं ने जिंदगी में उतार भी देखे हैं और चढ़ाव भी, पर मैं ने सीखा है कि जब चिड़िया खेत चुग गई, तो रोने से कोई फायदा नहीं."

"यह बहुत गंभीर मामला है, स्मॉल," जासूस बोला. "अगर तुम ने कानून के रास्ते में अड़चन न डाल कर उस की मदद की होती, तो तुम्हारे बचने की ज्यादा उम्मीद होती."

"कानून," मुजरिम गुर्राया. "बहुत बढ़िया है कानून! यह खजाना किस का है, अगर हमारा नहीं है तो यहां कहां का कानून है कि हम इस खजाने को उन लोगों के हवाले कर दें, जिन्होंने इसे कमाने में कोई मदद नहीं की है? देखो, मैं ने इसे कैसे कमाया है! उस बीमारी युक्त दलदल में बीस लंबे सालों तक पूरा दिन पेड़ के नीचे काम करना, सारी रात अभियुक्तों वाली कोठरी में जंजीरों से बंधे पड़े रहना, मच्छरों से कटते रहना, बीमारी से जूझना, उस हर काले चेहरे वाले पुलिसवाले की धौंस झेलना जो गोरों से नफरत करता है.

"आगरा का खजाना मैं ने इस तरह कमाया और तुम लोग न्याय और कानून की बात कर रहे हो? यह सोचना भी मेरी बरदाश्त के बाहर है कि मैं ने यह कीमत इसलिए चुकाई है कि कोई दूसरा इस के मजे न लूट सके! मैं बीसियों बार झूल सकता हूं, पर यह बरदाश्त नहीं कर सकता कि मैं कैद में रहूं और कोई दूसरा आदमी मेरी दौलत के सहारे महलों में रहे."

स्मॉल ने अपने चेहरे से बेपरवाही का मुखौटा उतार फेंका था और शब्दों के बवंडर से ये सारी बातें निकालीं, जबकि उस की आंखें जल रही थीं और हाथों की हरकत से हथकड़ियां झनझना रही थीं. इस आदमी के गुस्से और आवेग को देख कर मैं समझ रहा था कि मेजर शॉलटो को जो अस्वाभाविक खौफ सता रहा था, वह आधारहीन नहीं था, जब उसे पहली बार पता चला कि घायल मुजरिम उस की तलाश में है.

"तुम भूल रहे हो कि हमें इस सब के बारे में कुछ भी नहीं पता," होम्स ने धीरे से कहा. हम ने तुम्हारी कहानी नहीं सुनी है और हम कह नहीं सकते कि तुम कितने निर्दोष हो."

"ठीक है, सर आप ने मेरे साथ बड़ा अच्छा सलूक किया है. हालांकि मैं जानता हूं कि मेरी कलाइयों में पड़ी इन हथकड़ियों की वजह आप हैं. फिर भी, इस के लिए मुझे कोई शिकायत नहीं है. यह सब बिलकुल ठीक है. अगर मेरी कहानी सुनना चाहते हैं, तो मैं चुप नहीं रहूंगा. जो मैं कहूंगा, उस का एकएक शब्द बिलकुल सच होगा. शुक्रिया, आप इस गिलास को मेरे पास यहां पर रख सकते हैं और अगर मेरा गला सूख जाता है तो मैं इस में से पी लूंगा–

खुद मैं वोरसेस्टरशायर का रहने वाला हूं. परशोर के करीब पैदा हुआ था. अगर आप देखें तो वहां स्मॉलों का ढेर पाएंगे. मैं ने अकसर सोचा है कि वहां जा कर देखूं, पर हकीकत यह है कि मैं परिवार को ज्यादा महत्त्व नहीं देता और मैं नहीं समझता कि मुझे देख कर वे ज्यादा खुश होंगे. वे सब चैपल में जाने वाले सीधेसादे लोग हैं, छोटे किसान, पूरे इलाके में मशहूर और इज्जतदार, जबकि मैं हमेशा से नालायक रहा हूं.

जब मैं अट्ठारह साल का हुआ तो मैं ने उन्हें और परेशान नहीं किया, क्योंकि एक लड़की के पीछे झगड़े में पड़ गया और झगड़े से निकलने के लिए क्वीनस शिलिंग ले कर थर्ड बफ्स में शामिल हो गया, जो भारत की ओर रवाना हो रही थी. मैं ने अभी पहले कदम रखे ही थे और अपनी मस्कट चलाना सीखा ही था कि मैं ने गंगा में तैरने की बेवकूफी कर दी. मेरा कंपनी सारजेंट, जॉन होल्डर भी उस वक्त पानी में था– सारी फौज में सब से अच्छा तैराक.

जब मैं नदी में था, तो एक मगरमच्छ मुझे घसीट ले गया और उस ने घुटने के ऊपर मेरा दायां पैर ऐसी सफाई से तोड़ डाला जैसे किसी सर्जन ने काटा हो. दहशत और खून बह जाने से मैं बेहोश हो गया और डूब ही जाता, अगर होल्डर ने मुझे पकड़ कर किनारे तक नहीं पहुंचाया होता. इस

की वजह से मैं पांच महीनों तक अस्पताल में रहा और आखिर में जब मैं लकड़ी के इस पैर के साथ लंगड़ाता हुआ बाहर निकला, तो मैं ने पाया कि सेना में मेरे लिए जगह नहीं थी और मैं उस के लायक नहीं रह गया था.

तुम सोच सकते हो कि उस वक्त मैं अपनी किस्मत से कितना मायूस रहा, क्योंकि तब तक मैं बीस साल का भी नहीं था, अपाहिज हो चुका था. उन्हीं दिनों ऐबल ह्वाइट नाम का यह आदमी, जो नील की खेती करने वहां आया था, एक ओवरसियर की तलाश में था जो उस के कुलियों पर नजर रख सके. वह हमारे कर्नल का दोस्त था जो दुर्घटना के बाद मुझ में रुचि लेने लगा था. लंबी कहानी को छोटी करते हुए, कर्नल ने उस पद के लिए मेरा नाम लिया और क्योंकि काम करते समय घुड़सवारी की जरूरत थी, मेरा पैर किसी तरह की अड़चन नहीं बना क्योंकि मुझ में इतना घुटना अभी बचा था कि काठी पर अच्छी पकड़ बनाए रखूं.

मुझे करना यह था कि सारे बागानों में घूमूं, आदमियों पर नजर रखूं और कामचोरों की शिकायत करूं. तनख्वाह अच्छी थी, मुझे रहने के लिए आरामदायक घर मिला हुआ था और मैं पूरी तरह बाकी जिंदगी नील की खेती में बिताना चाहता था. मिस्टर ऐबल ह्वाइट दयालु इंसान थे और वे अकसर मेरे छोटे से घर में आ कर मेरे साथ पाइप सुलगाते थे, क्योंकि वहां पर गोरे को दूसरे गोरे के साथ इतनी आत्मीयता होती है, जो अपने देश में रह कर नहीं होती.

अचानक बगैर किसी चेतावनी के हमारे खिलाफ क्रांति हो गई. एक महीने भारत में सब शांत रहा, जैसे सरे या वेंफट इलाके हों, पर दूसरे महीने दो लाख काले हैवान छा गए और देश एकदम नरक हो गया. ये सारी बातें तो आप लोगों को मालूम ही होंगी, मुझ से भी कहीं ज्यादा, क्योंकि पढ़ना मेरे बस की बात नहीं है. मैं वही जानता हूं जो मैं ने अपनी आंखों से देखा. हमारे बागान मथुरा नाम की जगह में थे.

उत्तर पश्चिम प्रांत में रातों को पूरा आसमान जलते हुए बंगलों की रोशनी से चमक उठता था, और रोजाना हमारे बागानों से यूरोपियनों की छोटीछोटी टुकड़ियां अपनी बीवियों, बच्चों के साथ गुजरती थीं, आगरा जाने के लिए, जहां पर सेना थी. मिस्टर ऐबल ह्वाइट अड़ियल किस्म का था. उस के दिमाग में था कि मामले को बढ़ाचढ़ा कर बताया जा रहा है और जितनी जल्दी यह फैला था, उतना ही जल्दी शांत हो जाएगा. वह अपने बरामदे में बैठा ह्विस्की पीता हुआ अपनी चुरुट के कश लगा रहा था, जबकि उस के चारों ओर देश जल रहा था.

हम उस के साथ ही रहे, मैं और डॉसन, जो अपनी बीवी के साथ उस का बहीखाता रखता था और बाकी काम देखता था. खैर, एक दिन गाज गिर गई. मैं एक दूर के बागान में गया हुआ था और शाम को धीरेधीरे अपने घोड़े से घर आ रहा था, जब मेरी नजर एक गहरे नाले के नीचे पड़े एक ढेर पर पड़ी तो मैं ने नीचे जा कर देखा कि क्या है और मेरे दिल पर बर्फ जम गई जब मैं ने देखा कि वह डॉसन की बीवी थी, छोटेछोटे टुकड़ों में कटी हुई और कुत्तों और गीदड़ों ने उस की आधी से ज्यादा लाश खा ली थी.

सड़क पर कुछ दूरी पर खुद डॉसन औंधे मुंह पड़ा था, मरा हुआ और उस के हाथ में खाली रिवॉलवर थी और चार सिपाही उस के सामने एकदूसरे पर मरे पड़े थे. मैं ने अपने घोड़े की लगाम खींची कि किस ओर जाऊं पर तभी मुझे ऐबल ह्वाइट के बंगले की ओर से घना धुआं आता दिखाई दिया और लपटें छत फोड़ कर बाहर निकल रही थीं. तब मैं समझ गया कि मैं अपने मालिक के लिए कुछ काम नहीं आ सकता, बल्कि मैं ने इस मामले में उलझने की कोशिश की, तो अपनी भी जिंदगी खो दूंगा. जहां पर मैं खड़ा था, वहां से मैं सैकड़ों काले दोस्तों को अपने लाल कोट पहने जलते हुए घर के इर्दगिर्द नाचते, चिल्लाते देख सकता था. कुछ ने मेरी ओर इशारा किया और मेरे सिर के पास से दो गोलियां निकलीं. इसलिए मैं धान के खेतों की ओर भाग गया और देर रात को आगरा की चहारदीवारी में अपने को सुरक्षित पाया.

पर बाद में जैसे साबित हुआ, यहां भी कोई बहुत ज्यादा सुरक्षा नहीं थी. पूरा देश मधुमक्खियों के छत्ते की तरह मंडरा रहा था. जहां भी अंगरेज अपनी छोटी सी टुकड़ी इकट्ठी कर सकते थे, वहां वे अपनी बंदूकों के सहारे मोरचा संभाल लेते. पर बाकी सब जगह वे बेसहारा थे. यह सौ के खिलाफ लाखों की लड़ाई थी. सब से खतरनाक बात यह थी कि जिन लोगों के खिलाफ हम लड़ रहे थे, वे पैदल, घुड़सवार या बंदूकधरी, हमारे अपने सिपाही थे, जिन को हम ने सिखाया और प्रशिक्षित किया था, अपने ही हथियार दिए थे और हमारे ही बिगुल वे बजाते थे.

आगरा में, थर्ड बंगाल फुजिलियर, कुछ सिख, घोड़ों की दो टुकड़ियां और बारूद की पूरी बैटरी थी. क्लर्कों और व्यापारियों की एक सेना बनाई गई, जिस में मैं शामिल हो गया, अपनी लकड़ी की टांग समेत. जुलाई की शुरुआत में हम क्रांतिकारियों से निपटने के लिए शाहगंज गए और कुछ देर तक उन को खदेड़ा भी, पर हमारा बारूद खत्म हो गया और हमें वापस शहर की ओर लौटना पड़ा.

हर ओर से हमारे पास बुरी से बुरी खबर ही आती रही– जिस में कोई ताज्जुब नहीं, क्योंकि नक्शा देखने पर तुम को पता चलेगा कि हम क्रांति के बीचोंबीच थे. लखनऊ हमारे पूरब में करीब 160 कि. मी. की दूरी पर था और कानपुर लगभग इतनी ही दूर दक्षिण की ओर. हर ओर से हत्या, लूट, बलात्कार की खबरें आ रही थीं.

आगरा बहुत बड़ा शहर है, जहां हर तरह का कट्टरपंथी रहता है. हमारे मुट्ठीभर आदमी वहां की तंग, घुमावदार गलियों में खो गए. हमारे मुखिया ने नदी के रास्ते जा कर आगरा के पुराने किले पर डेरा जमा लिया. मुझे मालूम नहीं कि आप लोगों में किसी ने पुराने किले के बारे में कुछ पढ़ा या सुना है या नहीं. वह बड़ी अजीब जगह है. मैं कई अजीबोगरीब जगहों पर गया हूं, पर यह सब से ज्यादा अजीब है.

पहली बात तो यह है कि यह बहुत विशाल है मेरे खयाल से कई एकड़ों में फैली हुई है. उस में एक नया हिस्सा भी था– जिस में हमारी पूरी सेना, औरतों, बच्चों, रसद और बाकी सभी कुछ था, जहां कोई नहीं जाता और जहां बिच्छू और कनखजूरे घूमते रहते हैं. उस में बड़ेबड़े वीरान हॉल हैं और घुमावदार गलियारे जिस से कोई भी आसानी से वहां खो सकता है. इस वजह से वहां बहुत कम लोग जाते हालांकि कभीकभी टार्च ले कर कोई पार्टी वहां चली जाया करती थी.

नदी पुराने किले के सामने से बहती है इसलिए उस की रक्षा करती है, पर किनारे और पीछे कई दरवाजे हैं और उन पर पहरा रखना पड़ता है, पुराने इलाके में भी और नए इलाके में भी. जहां हमारी सेना थी, हमारे पास लोगों की कमी थी, कि इमारत के कोनों की भी निगरानी हो सके और बंदूकें भी चलाई जा सकें. इसलिए हमारे लिए संभव नहीं था कि असंख्य गेटों पर पहरा लगा सकें. हम ने किले के बीच में एक गार्ड हाउस बनाया और हर गेट पर एक गोरा और दो तीन कालों को तैनात कर दिया.

मुझे इमारत के दक्षिण पश्चिम में एक सुनसान गेट की, रात के कुछ घंटों के लिए निगरानी का जिम्मा मिला. मेरे नीचे दो सिख सिपाही थे और मुझे निर्देश था कि अगर कुछ गलत हुआ तो मैं अपनी बंदूक चला दूं, जिसे सुनते ही सेंट्रल गार्ड से मदद आ जाएगी. गार्ड हम से दो सौ मीटर की दूरी पर था और हमारे बीच गलियारों की भूलभुलैया थी. मुझे शक था कि वास्तव में हमले के समय वे मेरे पास समय से पहुंच पाएंगे.

खैर, मुझे बड़ा घमंड था कि मुझे यह छोटी सी टुकड़ी की कमान सौंपी गई थी, क्योंकि मैं नया था ऊपर से मेरी टांग भी लकड़ी की थी. दो रातों

तक मैं ने पंजाबियों के साथ चौकसी रखी. वे लंबे और खूंखार थे, महोमेत सिंह और अब्दुल्ला खान. दोनों बूढ़े सैनिक, जिन्होंने जालियांवाला में हमारे खिलाफ लड़ाई की थी. वे अच्छीखासी अंगरेजी बोल लेते थे, पर उन की मुझ से बहुत कम बातचीत होती थी.

वे दोनों एक साथ खड़े हो कर ठेठ पंजाबी में सारी रात बातें करते रहते थे. मैं गेट के बाहर खड़ा हो कर चौड़ी नदी पर निगरानी रखता और शहर की टिमटिमाती रोशनी पर. नगाड़ों की आवाजें, भोंपू की आवाजें, क्रांतिकारियों का अफीम और भांग के नशे में हल्लागुल्ला, सारी रात हमें याद दिलाने को काफी होता कि नदी के उस पार हमारे खतरनाक पड़ोसी हैं. हर दो घंटे बाद रात का अफसर सारी चौकियों पर चक्कर लगाता, यह देखने के लिए कि सब ठीक है.

मेरी चौकसी की तीसरी रात अंधेरी और गंदी थी और लगातार हलकीहलकी बारिश हो रही थी. ऐसे मौसम में गेट पर घंटों खड़े रहना नागवार लग रहा था. मैं ने बारबार कोशिश की कि सिखों से बातचीत करूं, पर कोई सफलता नहीं मिली. सुबह दो बजे, अफसर अपने राउंड पर आया और कुछ देर के लिए रात की बोरियत कम हुई. यह देख कर कि मेरे साथ वाले दोनों शख्स मुझ से बात नहीं करना चाहते थे, मैं ने अपना पाइप लिया और माचिस सुलगाने के लिए पिस्तौल नीचे रखी. उसी क्षण दोनों शख्स मेरे ऊपर हावी हो गए. एक ने मेरी पिस्तौल छीन कर मेरी कनपटी पर लगा दी, जबकि दूसरे ने मेरे गाल पर एक बड़ा सा छुरा रख दिया और दांत भींच कर धमकी दी कि मैं एक कदम भी हिला तो वह मेरे अंदर भोंक देगा.

मेरा पहला खयाल यह था कि ये लोग विद्रोहियों के साथ मिले हुए हैं और यह किसी हमले की शुरुआत है. अगर हमारा द्वार सिपाहियों के हाथ में पड़ गया तो यह जगह हम हार जाएंगे और औरतों और बच्चों के साथ वही सलूक किया जाएगा जो कानपुर में हुआ था. हो सकता है कि आप लोग सोच रहे हों कि मैं अपने को बचाने के लिए यह कहानी मन से बना रहा हूं.

पर मैं सच कहता हूं कि जब मेरे मन में यह बात आई, हालांकि मुझे गले पर चाकू की नोक चुभ रही थी, मैं ने चिल्लाने के इरादे से मुंह खोला, चाहे वह मेरी आखिरी चीख ही क्यों न होती, जिस से कि मुख्य गार्ड चौकन्ना हो जाए. जिस आदमी ने मुझे पकड़ रखा था, मेरा इरादा भांप गया, क्योंकि जैसे ही मैं चीखने वाला था, वह फुसफुसाया, “शोर मत मचाना. किला वैसे भी सुरक्षित है. विद्रोही कुत्ते, नदी इस तरफ नहीं है.”

उस की बातों में सच्चाई थी और मैं जानता था कि अगर मैं ने आवाज उठाई तो वह मुझे मार डालेगा. मैं यह बात उस की भूरी आंखों में पढ़ सकता था. इसलिए मैं ने चुपचाप इंतजार किया कि देखूं ये दोनों मुझ से क्या चाहते हैं.

“मेरी बात सुनो, जनाब,” उन दोनों में जो ज्यादा लंबा और खूंखार था, बोला, जिसे लोग अब्दुल्ला खान के नाम से पुकारते थे, “तुम भी हमारा साथ दो, नहीं तो तुम्हें अभी हमेशा के लिए चुप कर दिया जाएगा. यह मामला बहुत गंभीर है और हम हिचकेंगे नहीं. हम अपने विद्रोही भाइयों की सेना में शामिल हो जाएंगे. बीच का कोई रास्ता नहीं है. तुम क्या चाहते हो– जिंदगी या मौत? हम तुम्हें सोचने के लिए सिर्फ तीन मिनट का समय देते हैं–क्योंकि वक्त बीत रहा है और सब कुछ राउंड शुरू होने से पहले हो जाना चाहिए.”

“मैं कैसे तय कर सकता हूं?” मैं ने कहा. “तुम ने मुझे यह नहीं बताया है कि तुम लोग मुझ से क्या चाहते हो, पर मैं अभी बताता हूं कि अगर किले पर कोई खतरे की बात है तो मैं तुम्हारा साथ नहीं दूंगा, इसलिए तुम छुरा भोंक दो, स्वागत है.”

किले के खिलाफ कुछ नहीं है,” उस ने कहा. “हम तुम्हें वही करने को कहेंगे जो तुम्हारे मुल्क के लोग यहां करने आते हैं. हम चाहते हैं कि तुम अमीर बन जाओ. अगर आज रात तुम हमारा साथ दोगे, तो तुम को लूट में से खासी रकम मिलेगी, एक चौथाई खजाना तुम्हारा होगा. हम इस से ज्यादा न्याय नहीं कर सकते.”

“फिर यह खजाना क्या है?” मैं ने पूछा. “मैं अमीर होने को उतना ही तैयार हूं जितना तुम हो, अगर तुम दिखा सको कि यह कैसे हो सकता है.”

“फिर तुम वायदा करो,” वह बोला. “हमारे ऊपर कभी हाथ नहीं उठाओगे, न हमारे खिलाफ कुछ भी कहोगे, न अब, न कभी और?”

“मैं वायदा करूंगा,” मैं ने जवाब दिया. “बशर्ते किले पर कोई खतरा न आए.”

“तो फिर, मेरा साथी और मैं वायदा करेंगे, तुम को चौथाई खजाना मिले, जो हम चारों में बराबरी से बंटेगा.”

“पर यहां तो हम तीन ही हैं.” मैं ने कहा.

“नहीं, दोस्त अकबर को भी उस का हिस्सा मिलना चाहिए, हम उस का इंतजार करतेकरते तुम को सारी बात बताएंगे. महोमेत सिंह, गेट पर

खड़े हो कर उन का इंतजार करो और उन के आने पर हमें बता देना. बात यह है जनाब, मैं तुम को इसलिए बता रहा हूं कि मैं जानता हूं कि फिरंगी अपने वायदे से बंध जाता है, इसलिए हम तुम पर भरोसा कर सकते हैं. अगर तुम झूठ बोलते तो तुम्हारा खून छुरे पर और तुम्हारी लाश पानी में होती. पर सिख अंगरेज को खूब पहचानता है और अंगरेज सिख को, इसलिए सुनो कि मुझे क्या कहना है. उत्तर के प्रदेश में एक अमीर राजा है, हालांकि उस का राज्य छोटा सा है. उस को अपने पिता से काफी धन मिला है और उस ने खुद भी काफी दौलत कमाई है, क्योंकि वह अपना सोना खर्च नहीं करता, बचाता रहता है.

जब लड़ाई शुरू हुई, तो उस ने शेर से भी दोस्ती रखी, चींटी से भी– सिपाही से भी और कंपनी राज से भी. पर जल्दी ही उस की समझ में आ गया कि गोरों के दिन पूरे हो चुके हैं, क्योंकि सब ओर से उसे उन की मौत और हार की खबरें ही मिल रही थीं. फिर भी, वह चालाक आदमी था. उस ने ऐसी योजना बनाई कि चाहे कुछ भी हो, कम से कम उस का आधा खजाना तो उसी के पास रहे, जो सोने और चांदी का सामान था, उन को उस ने अपने महल के तहखानों में अपने साथ रखा.

पर सब से कीमती पत्थर और मोती जो उस के पास थे, उस ने लोहे के एक संदूक में रखा और व्यापारी के वेश में एक भरोसेमंद नौकर के जरिए, देश में शांति होने तक के लिए उसे आगरा के किले में भिजवा दिया. इस तरह, अगर विद्रोही जीत जाते तो भी उस की दौलत उस के पास रहती, पर अगर कंपनी जीतती, तब भी उस के जेवरात बचे रहते. इस तरह अपनी दौलत के हिस्से कर के वह सिपाहियों का पक्ष लेने लगा, क्योंकि उस के इलाके में वे ज्यादा ताकतवर थे. ऐसा कर के जनाब, उस की जायदाद उन लोगों की हो जानी चाहिए जिन्होंने उस के साथ वफादारी की है.

“यह जो व्यापारी के वेश में अचमेत नाम का शख्स घूम रहा है, अब आगरा शहर में है और किले में आने का रास्ता खोज रहा है. उस के साथ मेरा सौतेला भाई दोस्त अकबर भी है, जो उस का भेद जानता है. दोस्त अकबर ने वादा किया है कि इस रात वह किले के किसी दरवाजे से उसे अंदर ले आएगा– यानी इस दरवाजे से. थोड़ी देर में वे यहां आएंगे और मुझे और महोमेत सिंह को इंतजार करता पाएंगे. यह जगह सुनसान है और किसी को उस के आने की भनक नहीं लगेगी. दुनिया को व्यापारी अचमत के बारे में कुछ खबर नहीं लगेगी, पर राजा का खजाना हमारे बीच बंट जाएगा. इस पर क्या कहते हो, जनाब?”

“वॉरसेस्टरशायर में आदमी की जिंदगी बड़ी महान और पवित्र मानी जाती है, पर यह उस वक्त कठिन होता है जब तुम्हारे चारों ओर आग और खून बह रहा हो और तुम्हें हर मोड़ पर मौत से मुलाकात की आदत पड़ गई हो. व्यापारी अचमत के जिंदा रहने या मर जाने का मुझ पर खास फर्क नहीं पड़ने वाला था, पर खजाने की बात सुन कर मेरा दिल उस पर आ गया और मैं ने सोचा कि मैं अपने देश में इस दौलत के साथ क्या नहीं कर सकता और कैसे मेरे रिश्तेदारों की आंखें फटी की फटी रह जाएंगी, जब वे देखेंगे कि कैसे एक नालायक अपनी जेबें सोने से भर कर लाया है. इसलिए, मैं ने फैसला ले लिया था. पर,” अब्दुल्ला खान ने यह सोच कर कि मैं हिचक रहा हूं, मामले को फिर उठाया.

“सोचो जनाब,” वह बोला. “अगर यह आदमी कप्तान साहब के हाथ लग गया, तो या तो उसे लटका दिया जाएगा या गोलियों से भून दिया जाएगा और सारे जेवरात सरकार ले लेगी और किसी को भी ढेले भर का फायदा नहीं होगा. अब जब हम इस का काम तमाम करेंगे, तो क्यों न दौलत भी हमीं लें? जेवर हमारे पास रहें या कंपनी के खजाने में, क्या फर्क पड़ता है? हम अमीर हो जाएंगे, किसी को भी इस बारे में पता नहीं चल सकता, क्योंकि यहां हम सब से अलग हैं. इस काम के लिए इस से अच्छा क्या हो सकता है? फिर से कहो जनाब, कि तुम हमारे साथ हो या हम तुम को दुश्मन समझें.”

“मैं तुम्हारे साथ दिलोजान से हूं.” मैं ने कहा. “अच्छा हुआ,” उस ने मेरी पिस्तौल लौटाते हुए कहा. “देखो, हम तुम पर भरोसा कर रहे हैं, क्योंकि हमारी तरह तुम भी अपने वायदे को नहीं तोड़ोगे. अब हमें सिर्फ अपने भाई और व्यापार का इंतजार करना है.”

“क्या तुम्हारे भाई को मालूम है कि तुम क्या करने वाले हो?”

“यह सारी तरकीब उसी की है. उसी ने सोची है. हम गेट पर चलते हैं और महोमेत सिंह के साथ चौकसी करते हैं.”

“अभी भी लगातार बारिश हो रही थी, क्योंकि बारिश का मौसम शुरू ही हुआ था. आसमान में घने काले बादल तैर रहे थे और बालिश्त भर की दूरी से ज्यादा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था. हमारे दरवाजे के सामने गहरी खाई थी. पर कई जगह पानी सूख चुका था और आसानी से पार किया जा सकता था. मेरे लिए दो लोगों के साथ वहां खड़े हो कर एक आदमी को अपनी मौत के मुंह में आने का इंतजार करना अजीब था.

“अचानक मेरी नजर एक लालटेन पर पड़ी, जो खाई के उस तरफ थी. फिर वह गायब हो गई और फिर से हमारी ओर धीरेधीरे आने लगी.”

“ये रहे वे लोग” मैं चिल्ला पड़ा. “तुम उन को हमेशा की तरह चुनौती दोगे, जनाब,” अब्दुल्ला फुसफुसाया. “उसे डरने की कोई वजह मत देना. हमें उस के साथ अंदर जाने देना और बाकी काम हम कर देंगे. तुम यहीं पर चौकसी करना और लालटेन खोलने की तैयारी रखना, जिस से हमें पक्का जो जाए कि ये लोग वही हैं.”

“लालटेन की रोशनी टिमटिमा रही थी, कभी धीमी, कभी तेज. फिर मैं ने खाई के उस तरफ दोनों काली आकृतियों को देखा. मैं ने उन्हें संकरे किनारे से फिसल कर कीचड़ में गिरते देखा और गेट की ओर चढ़ते देखा, फिर मैं ने उन्हें आवाज दी.”

“कौन है?” मैं ने दबी आवाज में पूछा. “दोस्त.” जवाब आया. मैं ने लालटेन की रोशनी उन पर डाली, पहला एक विशालकाय सिख था, जिस की काली दाढ़ी लगभग उस के कमरबंद तक लहरा रही थी, इतना लंबा आदमी मैं ने सिर्फ खेलतमाशों में ही देखा है. दूसरा थोड़ा मोटा था, बड़ी सी पीली पगड़ी पहने, हाथ में एक बंडल लिए जो उस ने शौल में छिपा रखा था. वह बड़ा घबराया हुआ था, क्योंकि उस के हाथ यूं कांप रहे थे जैसे उस को बुखार ने दबोच रखा हो और उस का सिर कभी दाएं, कभी बाएं मुड़ता था. दो चमकीली आंखों के साथ वह ऐसा लग रहा था जैसे बिल से निकलने पर चूहा दिखाई देता है. उस को मार डालने के खयाल से मेरे हाथ पांव ठंडे पड़ गए, पर फिर मैं ने खजाने के बारे में सोचा और मेरा दिल लोहे की तरह मजबूत हो गया. मेरी गोरी चमड़ी को देख कर वह खुशी से चिल्लाया और दौड़ता हुआ मेरी ओर आया.

“तुम ही मेरी हिफाजत करोगे जनाब,” वह हांफा. “दुखी व्यापारी अचमेत का सहारा हो. मैं राजपूताना से चलता हुआ आगरा के किले में आसरा ढूंढ़ने आया हूं. मुझे लूटा गया, पीटा गया, धिक्कारा गया क्योंकि मैं कंपनी का दोस्त रहा हूं. यह बड़ी नसीबों वाली रात है कि मैं फिर से सलामत हूं, मैं और मेरा थोड़ा सा यह सामान.”

“बंडल में तुम्हारे पास क्या है?” मैं ने पूछा. “लोहे का संदूक.” उस ने जवाब दिया. “जिस में एक दो खानदानी चीजें हैं जिन से दूसरों को कोई मतलब नहीं, पर जिन के खो जाने से मुझ को दुख होगा. मैं भिखारी नहीं हूं और साहब, अगर तुम और तुम्हारा गवर्नर मुझे आसरा देगा, तो मैं तुम को इनाम दूंगा.”

“मैं इस आदमी से ज्यादा देर बात नहीं करना चाहता था. जितना ज्यादा मैं उस के मोटे, डरे हुए चेहरे को देखता, उतना ही कठिन मुझे यह सोचना लग रहा था कि कुछ ही देर में हम इसे बेरहमी से काट डालेंगे. सब से अच्छा यही था कि मैं इस बात को भूल जाऊं.”

“इसे मुख्य गार्ड तक ले जाओ,” मैं ने कहा. “दोनों सिख उसे अपने बीच में कर के चले और विशालकाय आदमी उन के पीछेपीछे गया. इस के पहले कभी भी कोई मौत से इतनी बुरी तरह नहीं घिरा होगा. मैं लालटेन लिए गेट पर खड़ा रहा.

उन के कदमों की नपी आवाज मैं सुन रहा था. अचानक यह आवाज थम गई और मुझे कुछ दबी हुई धक्कामुक्की और मारपीट की आवाजें सुनाई दीं. एक क्षण बाद ही अपनी ओर भागते हुए कदमों और भागते हुए आदमी के हांफने की आवाज सुन कर मैं खौफ से भर गया. मैं ने अपनी लालटेन का रुख लंबे सीधे गलियारे की ओर किया, तो देखा कि मोटा आदमी हवा की तरह भाग रहा था, उस के चेहरे पर खून सना था और उस के बिलकुल पास, चीते की फुरती से, लंबा काली दाढ़ी वाला सिख अपना छुरा लहराता दौड़ रहा था. उस छोटे व्यापारी की तरह दौड़ते मैं ने कभी किसी को नहीं देखा.

“मैं देख रहा था कि वह सिख को पीछे छोड़ता आ रहा था. और अगर वह मुझ से बच कर खुली जगह आ गया तो अपने को बचा लेगा. मेरा दिल पिघल गया पर खजाने का खयाल आते ही मैं ने उस के पैरों के बीच में गोली मारी और वह जख्मी खरगोश की तरह दो बार लुढ़का. वह अपने पैरों पर खड़ा हो, इस के पहले ही सिख ने उसे धर दबोचा और उस की कमर में दो बार छुरा घोंप दिया. वह शख्स न कराहा न हिला, पर वहीं पड़ा रह गया जहां वह गिरा था. मैं सोचता हूं कि गिरने से उस की गरदन टूट गई होगी. देखो, मैं अपना वादा निभा रहा हूं. मैं पूरी घटना की एकएक बात बता रहा हूं, चाहे वह मेरे पक्ष में हो या नहीं.”

वह रुका और ह्विस्की पीने के लिए हाथ बढ़ाया जो होम्स ने उस के लिए उंड़ेला था. मैं स्वीकार करता हूं कि मुझे इस आदमी के लिए खौफ हो गया था, न सिर्फ उस की बेरहमी के लिए बल्कि अपनी बेरहमी बताने के शांत तरीके के लिए भी. उस के लिए जो भी सजा तय थी, मुझे लगा कि उसे मुझ से कोई सहानुभूति नहीं मिलती, शरलॉक होम्स और जोंस घुटनों पर हाथ रखे बैठे रहे, कहानी में खूब रुचि दिखाते हुए, पर उन के चेहरे पर भी उतनी ही नफरत के भाव थे. उस ने ये भाव पढ़ लिए होंगे क्योंकि उस की आवाज और हावभाव में, इस के बाद चुनौती का पुट आ गया था.

“यह सब कुछ बेशक बहुत बुरा था,” वह बोला, “मैं जानना चाहता हूं कि मेरी जगह कितने लोग खजाने से अपना हिस्सा लेने से मना करते, जबकि उन को पता होता कि मना करने पर गला काट दिया जाएगा? इस के अलावा, किले के अंदर जाने पर या तो उस की जिंदगी खत्म होती या मेरी. अगर वह निकल भागा होता, तो पूरी बात खुल जाती और मेरा कोर्ट मार्शल हो गया होता और शायद शूट भी कर दिया जाता. क्योंकि ऐसे वक्त में कोई भी दया नहीं दिखाता है.”

“अपनी कहानी कहते जाओ,” कुछ देर बाद होम्स ने कहा.

“खैर, अब्दुल्ला, अकबर और मैं उस की लाश को अंदर ले आए. इतना छोटे कद का होने पर भी वह खासा भारी था. महोमेत सिंह को गेट की निगरानी के लिए छोड़ा गया. हम उसे उस जगह ले गए, जो सिखों ने पहले ही तैयार कर रखी थी. वह थोड़ी दूरी पर थी, जहां एक घुमावदार गलियारा एक खाली हॉल तक जाता था, जिस की ईंटों की दीवारें ढह रही थीं, फर्श एक जगह धंस गया था, जिस से स्वाभाविक कब्र सी बन गई थी इसलिए हम ने व्यापारी अचमेत को वहां ईंटों से ढकने के बाद छोड़ दिया, यह कर के हम वापस खजाने के पास पहुंचे.

खजाना वहीं पड़ा था जहां पहला हमला होने पर उस ने गिरा दिया था. यह वही बक्सा है जो इस वक्त मेज पर खुला पड़ा है. इस के ऊपर के नक्काशीदार कुंडे पर रेशमी डोरी में चाबी लटकी थी. हम ने खोला और लालटेन की रोशनी ऐसे जवाहरातों पर चमकी, जिन के बारे में मैं ने तब पढ़ा और सुना था, जब मैं परशोर में छोटा सा लड़का था. उन को देख कर आंखें चौंधियां गईं, जब हमारी आंखें उन्हें देख कर भर चुकीं, तो हम ने उन की सूची तैयार की.

एक सौ तैंतालीस हीरे थे, पहले पानी के और इन में वह हीरा भी शामिल था जिसे ‘ग्रेट मुगल’ कहा जाता था और जिसे दुनिया भर का दूसरा सब से बड़ा हीरा माना जाता था. फिर सत्तानवे पन्ना थे, एक सौ सत्तर माणिक जिन में कई काफी छोटी थीं, चालीस कारबंकल थे, दो सौ दस नीलम, इकसठ सुलेमानी पत्थर और ढेर सारे बिल्लौर, गोमेद, फिरोजे और दूसरी तरह के कीमती पत्थर भी थे, जिन के उस वक्त मैं नाम भी नहीं जानता था, हालांकि अब मैं उन को पहचानने लगा हूं. इस के अलावा करीब तीन सौ बेहतरीन मोती थे, जिन में से बारह मोती सोने के मुकुट में जड़े थे. पर, ये संदूक से निकाले जा चुके थे और जब मैं ने देखा, तब ये संदूक में नहीं थे.

अपना खजाना गिनने के बाद हम ने उसे वापस संदूक में डाला और महोमेत सिंह को दिखाने गेट की ओर चले. फिर हम ने गंभीरता से अपने अपने वायदे दोहराए कि एकदूसरे का साथ निभाएंगे और अपने भेद के प्रति सच्चे रहेंगे. हम ने फैसला किया कि खजाना किसी सुरक्षित जगह छुपा देंगे और जब देश में फिर से शांति होगी, तब आपस में बांट लेंगे. अभी बांटने का कोई फायदा नहीं था, क्योंकि हमारे पास अगर इतने कीमती जेवर पाए जाते तो शक उठ खड़ा होता और किले में अपनी कोई ऐसी जगह नहीं थी जहां दूसरों की पहुंच नहीं थी. इसलिए हम संदूक उठा कर वहीं ले गए जहां हम ने लाश गाड़ी थी.

वहां सब से अच्छी दीवार में कुछ ईंटों के नीचे हम ने खोखली जगह बनाई और खजाना रख दिया. हम ने उस जगह को ध्यान से पहचान लिया और अगले दिन मैं ने चार नक्शे बनाए और चार चिन्ह बनाए. क्योंकि हम ने तय किया था कि हर एक आदमी चारों के लिए काम करेगा. जिस से कोई भी अकेला इस का फायदा न उठा सके. वह ऐसा वायदा है जो मैं दिल पर हाथ रख कर कह सकता हूं कि मैं ने निभाया.

खैर, मेरे यह बताने का कोई फायदा नहीं कि भारत के विद्रोह का क्या नतीजा निकला. विलसन के दिल्ली जीतने के बाद सर कॉलिन ने लखनऊ को राहत दी और इस से विद्रोह की कमर टूट गई. नए सैनिक आते गए और नाना साहब कहीं छिप गया. कर्नल ग्रेटहेड के नेतृत्व में सेना आगरा आई. देश में अमन कायम होता दिखाई दे रहा था और हम चारों मित्र उम्मीद कर रहे थे कि समय आ गया है कि हम आराम से अपनी लूट का हिस्सा ले कर जा सकते हैं. पर एक ही पल में हमारी उम्मीदें बिखर गईं और हम अचमेत की हत्या के आरोप में गिरफ्तार हो गए.

यह सब ऐसे हुआ. जब राजा ने अपने जेवर अचमेत को सौंपे थे, वह जानता था कि अचमेत भरोसे का आदमी है. पर पूर्व में लोग शक्की मिजाज के होते हैं तो इस राजा ने एक और भरोसेमंद नौकर को पहले की जासूसी पर लगा दिया. दूसरे आदमी को हिदायत थी कि कभी भी अचमेत को आंखों से ओझल न होने दे और वह उस के पीछे छाया की तरह लग गया. उस रात वह उस के पीछे था और उस ने अचमेत को दरवाजे के अंदर जाते देखा. उस ने सोचा कि अचमेत को अंदर किले में शरण मिल गई है और वह भी अंदर आ गया पर उसे अचमेत कहीं नहीं मिला. उसे यह बात इतनी अजीब लगी कि उस ने एक सारजेंट से इस के बारे में बात की, जिस ने इस की खबर कमांडर को दी.

जल्दी से खोज जारी हुई और लाश मिल गई. ऐसे, हम ने जब सोचा कि सब सुरक्षित है, तभी हम चारों पकड़े गए और हम पर खून का इलजाम लग गया. हम में से तीन को इसलिए कि हम गेट पर थे और चौथे को इसलिए कि वह मारे गए आदमी के साथ था. तहकीकात के दौरान जेवरातों का कोई जिक्र नहीं छिड़ा, क्योंकि राजा का तख्त छिन चुका था और उसे देश के बाहर खदेड़ दिया गया था, इसलिए किसी को भी उन में खास रुचि नहीं थी. पर हत्या साफ साबित हो गई और जाहिर था कि हम सभी उस में शामिल थे. तीनों सिखों को उमरकैद और मुझे मौत की सजा मिली हालांकि बाद में बाकियों की तरह मेरी सजा भी उमरकैद में तबदील हो गई.

हमारे लिए बड़े अजीबोगरीब हालात पैदा हो गए थे. हम चारों, पैरों में बेड़ियां पहने हुए थे और हमारे वहां से निकल पाने की कोई उम्मीद नहीं थी, जबकि हम में से हरेक के पास ऐसा रहस्य था कि हम महलों के मालिक बन सकते थे. हर छोटेमोटे गोरे अफसर की लात घूंसे खाना ही दिल दहलाता था, जबकि बाहर दौलत हमारा इंतजार कर रही थी. ये हालात मुझे पागल कर देते, पर मैं हमेशा से अड़ियल किस्म का रहा हूं, इसलिए मैं सब्र से सही समय का इंतजार करने लगा.

आखिरकार मुझे लगा कि सही वक्त आ गया है. मुझे आगरा से मद्रास भेज दिया गया और इस अंडमान के ब्लेयर द्वीप पर. इस जगह बहुत कम गोरे मुलजिम थे और क्योंकि मेरा बरताव अच्छा था, मैं जल्दी ही उन की नजरों में चढ़ गया. मुझे होप टाउन में एक कुटिया दे दी गई. जो माउंट हैरियट की चढ़ाई पर एक छोटी सी जगह है और वहां पर मैं ज्यादातर अकेला ही रहता था. यह बड़ी वीरान, ज्वर-युक्त जगह है. हमारे इर्दगिर्द जंगली आदमखोर रहते थे, जो मौका मिलते ही हम पर जहरीले तीर छोड़ सकते थे. वहां पर खुदाई और खेती की जाती थी, इसलिए हम सारा दिन व्यस्त रहते. हालांकि शाम के वक्त हमें अपने लिए थोड़ा समय मिल जाता था और चीजों के अलावा मैं ने सर्जन के लिए दवाइयां लाना सीखा और उस के बारे में भी सीखा. सारे वक्त मैं भाग निकलने के तरीके ढूंढ़ता रहता, पर यह जगह किसी और जगह से सैकड़ों मील दूर है और समुद्र में बहुत कम हवा बहती है. इसलिए निकल भागना बड़ा कठिन था.

सर्जन डा सॉमरटन अच्छे स्वभाव का युवक था और दूसरे जवान अफसर उस के कमरे में ताश खेलने शाम को जमा होते थे. चीरफाड़ का कमरा जहां मैं दवाइयां बनाता था, इस की बैठक से लगा हुआ था और दोनों के बीच एक छोटी सी खिड़की थी. अकसर जब मुझे अकेलापन

लगता तो मैं सर्जरी की रोशनी बुझा देता और फिर खिड़की पर खड़ा हो कर उन की बात सुनता और उन्हें खेलते देखता. मैं खुद ताश खेलने का शौकीन हूं और उन्हें देख कर मुझे लगता कि मैं ही खेल रहा हूं. वहां मेजर शालटो, कैप्टन मॉर्सटन और लेफ्टिनेंट ब्राउन थे–जो आदिवासियों की सेना की कमान संभाले हुए थे–और खुद सर्जन और दो तीन जेल अधिकारी–जो चालाक किस्म के थे. उन की मजलिस अच्छी जमती थी.

खैर, जल्दी ही एक बात मेरी समझ में आ गई कि फौजी हमेशा हारते थे और नागरिक जीतते थे. मैं यह नहीं कह रहा कि कुछ घपला था, पर ऐसा ही था. इन जेल अधिकारियों ने अंडमान में आने के बाद ताश खेलने के सिवा कुछ नहीं किया था और एकदूसरे का खेल समझते थे, जबकि दूसरे लोग यूं ही समय बिताने के लिए खेलते थे और ऐसे ही पत्ते डाल देते थे. हर रात फौजी अपनी जेब हलकी पाते और जितनी हलकी पाते, उतना ही और खेलना चाहते. मेजर शालटो पर सब से ज्यादा असर हुआ था. पहले तो वह नोटों और सोने से खेलता था पर जल्दी ही वह बड़ी रकम लिए खेलने लगा.

कभीकभी वह कुछ बाजियां जीत जाता, जिस से उस का उत्साह बना रहे और फिर उस की किस्मत और भी बिगड़ जाती. सारा दिन वह काले तूफान की तरह घूमता रहता और जरूरत से ज्यादा पीने लगा.

एक रात वह हमेशा से कुछ ज्यादा ही हार गया. मैं अपनी कुटिया में बैठा था कि वह और कैप्टन मॉर्सटन अपने कमरे में जाते व लड़खड़ाते हुए गुजरे, वे दोनों दिली दोस्त थे और हमेशा साथ रहते थे. मेजर अपनी हार के बारे में बता रहा था.

"सब खत्म हो गया मॉर्सटन," मेरी कुटिया से गुजरते हुए वह कह रहा था, "मुझे यहां से जाना होगा. मैं बरबाद हो गया हूं."

"बकवास मत करो यार!" उस के कंधे पर धौल मारते दूसरा बोला. "मेरे साथ भी बहुत बुरा वक्त आ चुका है पर– मैं इतना ही सुन पाया, पर इतना ही मेरे लिए सोचने को काफी था."

दो दिन बाद मेजर शालटो समुद्र के किनारे घूम रहा था. इसलिए मैं ने उस से बात करने का मौका निकाला.

"मैं तुम्हारी राय लेना चाहता हूं, मेजर."

"हां स्मॉल, क्या बात है." उस ने होंठों से चुरुट हटाते हुए पूछा.

“मैं पूछना चाहता हूं सर,” मैं ने कहा, “छिपे हुए खजाने को सौंपने के लिए कौन सही रहेगा. मुझे मालूम है कि आधा मिलियन कहां पर है. लेकिन मैं उस का फायदा नहीं उठा सकता. मैं ने सोचा कि अच्छा रहेगा कि मैं सही अधिकारियों तक उसे पहुंचा दूं और फिर शायद वे मेरी सजा कम करा देंगे.”

“आधा मिलियन, स्मॉल?” सांस भर कर उस ने गौर से मुझे देखा कि क्या मैं सच बोल रहा हूं.

“बिलकुल सर, जेवरातों और मोतियों के तौर पर. किसी के लिए भी तैयार है वह खजाना और सब से अजीब बात है कि उन का असली मालिक कानून के शिकंजे में है और किसी तरह की संपत्ति नहीं रख सकता, इसलिए वह सारी दौलत उस की है, जो उस को सब से पहले हासिल कर लेगा.”

“सरकार को, स्मॉल,” वह हकलाया, “सरकार को.” पर उस ने यह बात हिचकते हुए कही और मैं समझ गया कि वह मेरे चंगुल में आ गया है.

“तो फिर आप सोचते हैं सर कि मैं यह खबर गवर्नर जनरल को दे दूं?” मैं ने धीरे से पूछा.

“अरे नहीं, तुम कोई भी कदम जल्दीबाजी में मत लेना कि बाद में पछताना पड़े. मुझे उस के बारे में सब कुछ बताओ स्मॉल. सब बातें बताओ.”

“मैं ने उसे पूरी कहानी सुनाई, इधरउधर कुछ पेफरबदल कर के, जिस से वह यह न भांप सके कि यह किस जगह का किस्सा है. जब मैं ने कहानी खत्म की, तो वह सन्नाटे में खड़ा रह गया. उस के फड़कते होंठ से मैं समझ गया कि उस के अंदर उथलपुथल चल रही है.”

“यह बहुत जुरूरी बात है, स्मॉल.” आखिर में वह बोला. “इस के बारे में किसी से एक शब्द भी मत कहना. मैं तुम से जल्दी ही मिलूंगा.”

दो रातों के बाद वह और उस का दोस्त, मॉर्सटन लालटेन ले कर रात के अंधेरे में मेरे पास आए.

“मैं चाहता हूं कि कैप्टन तुम्हारे ही होंठों से सारी कहानी सुने, स्मॉल.” वह बोला.

मैं ने पहले की तरह पूरा किस्सा दोहरा दिया. “सच्ची बात लगती है, हैं?” वह बोला. “क्या इस पर काम करना चाहिए?”

कैप्टन मॉर्सटन ने सिर हिलाया. “देखो स्मॉल,” मेजर बोला, “हम इस के बारे में सोचते रहे हैं. यह मेरा दोस्त और मैं और हम इस फैसले पर पहुंचे हैं कि तुम्हारा यह रहस्य कोई सरकारी मसला नहीं रह गया है, बल्कि तुम्हारा निजी मामला है और तुम उस का जो कुछ करना चाहो, कर सकते हो. अब सवाल यह है कि तुम उस की कितनी कीमत मांगना चाहोगे? हम इस मामले पर काम करने को तैयार हैं, पर हम सौदा करना चाहते हैं.” वह कोशिश कर रहा था कि शांत और बेपरवाह दिखाई दे, पर उस की आंखें उन्माद और लालच से चमक रही थीं.

मैं ने भी उस की तरह शांत रहने की कोशिश की, पर मैं भी उस की तरह ही उत्साहित था. “मेरी जगह पर कोई भी आदमी एक ही सौदा कर सकता है. मैं चाहता हूं कि आप लोग आजादी पाने में मेरी मदद करें और मेरे तीन साथियों की भी. फिर हम आप को अपना पार्टनर बना लेंगे और आप दोनों को खजाने का पांचवां हिस्सा दे देंगे.”

“हम्म!” वह बोला. “एक बटे पांच–यह तो कुछ खास नहीं है.”

“इस का मतलब आप दोनों को पचासपचास हजार मिलेंगे.”

“पर हम तुम्हें आजादी कैसे दिलवा सकते हैं? तुम जानते हो कि तुम हम से नामुमकिन बात कर रहे हो.”

“ऐसा कुछ नहीं है.” मैं ने जवाब दिया. “मैं ने सारी बातें सोच रखी हैं. हमारी आजादी में एक अड़चन यही है कि हमें अपनी समुद्री यात्रा के लायक कोई नाव नहीं मिलेगी, न इतनी लंबी यात्रा के लिए रसद. मद्रास और कलकत्ता में हमारे लिए कई नावें मिल सकती हैं. आप एक नाव यहां ले आइए. हम कोशिश करेंगे कि रात को यहां से निकल भागें और अगर हमें किसी भी भारतीय तट पर उतार दें तो आप का काम पूरा हो जाएगा.”

“काश एक ही होता,” वह बोला.

“या तो कोई नहीं या सब,” मैं ने जवाब दिया. “हम ने ऐसा ही निश्चय किया है. हम चारों को एक साथ ही काम करना है.”

“देखो, मॉर्सटन,” वह बोला. “स्मॉल अपनी बात का पक्का है. वह अपने दोस्तों को धोखा नहीं देता. मुझे लगता है कि हम उस पर भरोसा कर सकते हैं.”

“यह बड़ा गंदा खेल है,” दूसरे ने जवाब दिया, “फिर भी, जैसा तुम कह रहे हो, उस रकम से हमें फायदा होगा.”

"ठीक है, स्मॉल," मेजर बोला, "मुझे लगता है हमें कोशिश कर के तुम से मिलना होगा. पर सब से पहले हमें तुम्हारी कहानी की सच्चाई देखनी होगी. यह बात बताओ कि संदूक कहां छिपाया हुआ है और मैं छुट्टी ले कर भारत जाऊंगा. मासिक राहत नाव के साथ और जांच करूंगा."

"इतनी जल्दबाजी नहीं," मैं ने ढीठ हो कर कहा, जब वह उत्तेजित हो रहा था. "मुझे अपने तीन साथियों की हामी लेनी होगी. मैं कह रहा हूं कि या तो हम चारों होगें या कोई नहीं."

"बकवास" उस ने बीच में टोका. "तीन कालों का हमारे समझौते के बीच क्या काम?"

"काले हों या नीले," मैं ने कहा. "वे मेरे साथ अंदर हैं और हम सब एक साथ बाहर जाएंगे."

खैर, दूसरी मुलाकात में मामला तय हुआ जिस में महोमेत सिंह, अब्दुल्ला खान और अकबर सभी शामिल थे. हम ने फिर से मामले पर विचार किया और आखिर में एक समझौते पर आए. हम दोनों अफसरों को आगरा किले के उस भाग का नक्शा देंगे, जहां पर खजाना छिपा था. दीवार पर उस जगह निशान बना देंगे. मेजर शॉलटो हमारी बात की सच्चाई देखने भारत जाएगा. अगर उसे संदूक मिल गया, तो वह उसे वहीं छोड़ देगा और हमारे लिए रसद से भरी नाव भेजेगा जो रटलैंड द्वीप के आसपास खड़ी रहेगी और हम उस से निकल भागेंगे.

इस के बाद शालटो वापस काम पर आ जाएगा. इस के बाद कैप्टन मॉर्सटन छुट्टी लेगा और हमें आगरा में मिलेगा और वहां हम खजाने का बंटवारा करेंगे जिस में वह मेजर का हिस्सा भी ले लेगा. यह सब हम ने दृढ़ निश्चय किया और सवेरे तक दोनों चार्ट तैयार थे–चार के चिन्ह के साथ–मतलब अब्दुल्ला, अकबर, महोमेत और मेरे.

"तो सज्जनो, मैं अपनी लंबी कहानी से आप लोगों को ऊबा रहा हूं और मैं जानता हूं कि मेरे मित्र मिस्टर जोंस मुझे जेल पहुंचाने को बेताब हैं. मैं अपनी कहानी छोटी करता हूं. खलनायक शालटो भारत चला गया. पर वह कभी वापस नहीं आया. कैप्टन मॉर्सटन ने इस के कुछ समय बाद एक मेलबोट की सूची में उस का नाम दिखाया, उस के अंकल की मौत हो चुकी थी और वे इस के नाम काफी दौलत कर गए थे और उस ने सेना छोड़ दी, पर फिर भी उस ने पांच आदमियों के साथ वही सलूक किया जो हमारे साथ किया था.

कुछ समय बाद मॉर्सटन आगरा गया और जैसा हमें अंदेशा था, उस ने पाया कि खजाना गायब हो चुका है. शालटो सारा खजाना ले गया था. उस ने एक भी वह शर्त पूरी नहीं की थी, जिस पर हम ने अपना रहस्य उसे बताया. उस दिन के बाद से मैं सिर्फ बदले के लिए जी रहा था. मैं दिन में इस के बारे में सोचता और रात में भी. यह मेरे ऊपर जुनून की तरह हावी हो गया. मुझे कानून की कोई फिक्र नहीं थी–फांसी के पंफदे की भी नहीं. वहां से भाग निकलने की, शालटो को ढूंढ़ने की, अपने हाथ से उस का गला दबाने की– सिर्फ यही बात दिमाग में घूमती थी. आगरा का खजाना भी अब शॉलटो की मौत के खयाल के सामने बेकार लग रहा था.

खैर, जिंदगी में कई चीजों पर मैं ने नजर जमाई है और एक भी बार ऐसा नहीं हुआ कि मैं ने उस पर अमल न किया हो. पर मेरा समय आने तक कई लंबे साल गुजर गए. मैं ने पहले बताया है कि मैं ने दवाइयों के बारे में थोड़ी बहुत जानकारी इकट्ठी की थी. एक दिन जब डा. समरटन को बुखार था. अंडमान के छोटे से निवासी को कैदियों ने पकड़ लिया. वह बहुत बीमार था और मरने के लिए किसी सुनसान जगह पर जा कर लेट गया था.

मैं ने उसे अपनी देखभाल में रख लिया, जबकि वह सांप की तरह जहरीला था और दो महीनों बाद वह ठीक हो गया और चलफिर सकता था. फिर उसे मुझ से लगाव हो गया और कभीकभार ही जंगल जाता था और ज्यादातर मेरी कुटिया के पास ही रहता. मैं ने उस से उस की थोड़ी बहुत भाषा सीख ली और इस से वह मुझे और भी प्यार करने लगा.

टोंगा–क्योंकि यही उस का नाम था–बहुत बढ़िया मल्लाह था और उस की अपनी एक बड़ी सी नाव थी. जब मैं ने देखा कि वह मुझे इतना चाहता है और मेरे लिए कुछ भी कर सकता है, तब मुझे अपनी आजादी का मौका दिखाई देने लगा. मैं ने उस से बात की. वह एक निश्चित रात को अपनी नाव वहां लाने वाला था जहां कोई पहरा नहीं होता और वहां वह अपनी नाव में मुझे बैठा लेता. मैं ने उसे हिदायत दी कि ढेर सारा पानी और खूब सारे जिमीवंफद, नारियल और शकरवंफदी भी नाव में भर ले.

वह कट्टर और सच्चा था, मेरा छोटा टोंगा. किसी को भी आज तक इस से ज्यादा वफादार दोस्त नहीं मिला होगा. पर तय रात को, वहां पर एक संतरी था. एक खूंखार पठान, जिस ने मेरी तौहीन करने और चोट पहुंचाने का कोई मौका कभी नहीं गंवाया था. मैं ने उस से बदला लेने का प्रण किया था और अब मुझे मौका मिल गया था. वह तट पर मेरी ओर पीठ किए खड़ा था और उस की बंदूक उस के कंधे पर थी. मैं ने इधरउधर देखा कि

उस का सिर तोड़ने के लिए कोई पत्थर मिल जाए पर मुझे कोई पत्थर नहीं दिखा.

फिर मेरे दिमाग में एक अजीब खयाल आया और मुझे समझ में आ गया कि हथियार कहां ढूंढूं. मैं अंधेरे में बैठ गया और अपना लकड़ी का पैर खोला. तीन लंबी कूदों में मैं उस तक पहुंच गया. उस ने बंदूक तानी पर मैं ने उसे पूरे जोर से मारा और उस की खोपड़ी चकनाचूर हो गई. लकड़ी में अब भी उस जगह दरार देखी जा सकती है जहां वह उस की खोपड़ी पर पड़ी थी. हम दोनों एक साथ गिरे क्योंकि मैं अपना संतुलन नहीं बना पाया, पर जब मैं उठा, मैं ने देखा कि वह शांत गिरा पड़ा है.

मैं नाव तक पहुंचा और घंटे भर में हम समुद्र में काफी दूर निकल चुके थे. टोंगा अपने साथ अपना सारा सामान ले कर आया था. अपने हथियार और देवता. दूसरी चीजों के अलावा उस के पास एक लंबी बांस की बरछी थी, और कुछ अंडमान की नारियल से बनी चटाइयां, जिस से मैं ने एक तरह की पाल बना ली. दस दिनों तक हम यूं ही किस्मत के सहारे बहते रहे और ग्यारहवें दिन हमें एक व्यापारी ने अपनी नाव में बैठा लिया जो मलय के तीर्थयात्रियों के साथ सिंगापुर से जद्दा जा रहे थे. उस में खासी भीड़ थी और टोंगा और मैं उस में खो गए. उस में एक बड़ी अच्छी बात थी. वे तुम्हें अकेला छोड़ देंगे और कोई सवाल नहीं करेंगे.

खैर, अगर मैं आप को वे सारे अनुभव सुनाऊं जो मेरे छोटे दोस्त और मैं ने देखे, तो आप लोग ज्यादा खुश नहीं होंगे क्योंकि यह बात सूरज उगने तक चलती रहेगी. हम दुनिया में यहां वहां गए– और हर बार कुछ न कुछ हो जाता कि हम लंदन नहीं जा पाते. पर मेरी नजर अपने ठिकाने पर लगी हुई थी. मुझे रात में शालटो के सपने आते. आखिर में, तीन या चार साल पहले, हम ने खुद को इंगलैंड में पाया. मुझे यह पता लगाने में कोई दिक्कत नहीं हुई कि शालटो कहां रहता है और मैं यह पता लगाने में जुट गया कि खजाना उस के पास है या नहीं. मैं ने एक ऐसे शख्स से दोस्ती की जो मेरी मदद कर सकता था–मैं किसी का नाम नहीं लेता क्योंकि मैं दूसरों को मुश्किल में नहीं डालना चाहता–और जल्दी ही पता चल गया कि शालटो के पास जेवरात हैं. फिर मैं ने उस तक कई तरह से पहुंचने की कोशिश की. पर वह बहुत चालाक था और बेटों और खिदमतगारों के अलावा दो पहलवान भी अपनी सुरक्षा में लगा रखे थे.

पर एक दिन मुझे खबर मिली कि वह मर रहा है. मैं जल्दी से बगीचे की ओर गया, इस खयाल में पागल कि वह इस तरह मेरे शिकंजे से निकल जाएगा और खिड़की से देखने पर मैं ने उसे बिस्तर पर लेटे देखा और दोनों

बेटे उस के इर्दगिर्द बैठे थे. मैं अंदर आ कर तीनों से निपट सकता था, पर जैसे ही मैं ने उस की ओर देखा, उस का जबड़ा लटक गया और मैं समझ गया कि वह जा चुका है. उसी रात मैं उस के कमरे में दाखिल हुआ और उस के कागजातों में टटोला कि कहीं कोई सुराग हाथ लग जाए कि उस ने जेवर कहां छुपाए हैं.

पर मुझे एक भी ऐसी पंक्ति नहीं मिली, इसलिए मैं गुस्से और कड़वाहट से भर कर चला गया. जाने से पहले मैं ने सोचा कि अगर मुझे कहीं अपने सिख दोस्त कभी भी मिलें तो यह जान कर हमें कुछ राहत मिलेगी कि हम अपनी नफरत का चिन्ह छोड़ कर आए हैं, इसलिए मैं ने वहां चार का चिन्ह बनाया, जैसा चार्ट में बना था और उस की छाती पर लटका दिया. यह कुछ ज्यादा ही हो जाता कि वह अपनी कब्र में उन आदमियों की निशानी लिए बिना ही पहुंचता, जिन को उस ने लूटा और बेवकूफ बनाया था.

इस दौरान मैं टोंगा बेचारे को मेलों में और इसी तरह की और जगहों पर काला आदमखोर के तौर पर तमाशा बना कर रोजीरोटी कमा रहा था. वह कच्चा मांस खाता और नाचता इसलिए हर शाम हमें थोड़ाबहुत पैसा मिल जाता. मुझे पांडिचेरी लॉज की सारी खबर मिलती थी और कुछ सालों तक कोई खास बात सुनाई नहीं पड़ी, सिवा इस के कि वे खजाना खोज रहे हैं. आखिर में वह हुआ जिस का हमें इतने दिनों से इंतजार था, खजाना मिल गया. वह मिस्टर बारथोलोमिऊ की केमिकल प्रयोगशाला में घर के ऊपर था.

मैं तुरंत वहां पहुंचा और जगह देखी पर मुझे समझ में नहीं आया कि अपने लकड़ी के पैर के साथ मैं ऊपर कैसे चढ़ूंगा. फिर मैं ने एक गुप्त दरवाजे के बारे में सुना. मेजर शालटो के रात का खाना खाने के समय के बारे में भी मुझे लगा कि टोंगा के जरिए मैं यह काम आसानी से कर लूंगा. मैं ने उस की कमर में लंबी रस्सी बांधी और जल्दी ही वह छत पर पहुंच गया, पर बदकिस्मती से बारथोलोमिऊ शॉलटो तब भी अपने कमरे में ही था जो उसे महंगा पड़ा. टोंगा ने सोचा कि उसे मार कर उस ने बड़ी होशियारी का काम किया है, क्योंकि जब रस्सी के सहारे मैं चढ़ कर ऊपर आया, वह मोर की तरह सीना ताने घूम रहा था.

उसे बड़ा ताज्जुब हुआ कि जब मैं ने रस्सी के सिरे से उस को पीटा और खूनी शैतान कह कर गाली दी. मैं ने खजाने का संदूक लिया और नीचे पहुंचा दिया, मेज पर चार का चिन्ह छोड़ने के बाद. यह दिखाने के लिए कि आखिरकार खजाना उन तक पहुंच गया है, जिन का उस पर सही हक था.

फिर टोंगा ने रस्सी खींची, खिड़की बंद की और जैसे आया था, वैसे ही लौट गया.

“मैं नहीं जानता कि आप लोगों को बताने के लिए मेरे पास कुछ और है. मैं ने किसी को स्मिथ की लांच, ‘औरोरा’ की रफ़्तार के बारे में बताते सुना था, इसलिए मैं ने सोचा कि हमारे भाग निकलने में यह बड़ी मदद देगी. मैं ने बूढ़े स्मिथ से बात तय की और अगर हम अपने जहाज तक सलामती से पहुंच जाते, तो मैं उसे मोटी रकम देता. इस में शक नहीं कि उसे अंदाज था कि कहीं कुछ गड़बड़ है. पर उसे हमारा रहस्य नहीं मालूम था. ये सारी बातें सच्ची हैं और अगर मैं आप लोगों को बता रहा हूं तो आप का मन बहलाने को नहीं, क्योंकि आप ने मेरा कोई भला नहीं किया. पर इसलिए कि क्योंकि मैं मानता हूं कि सब कुछ उगल कर ही मैं अपना बचाव कर सकता हूं और पूरी दुनिया यह जान जाए कि खुद मेजर शालटो ने मेरे साथ कितना बुरा सलूक किया और उस के बेटे की मौत के लिए मैं दोषी नहीं हूं.”

“बड़ी अजीब कहानी है,” शरलॉक होम्स ने कहा, “एक बड़े दिलचस्प केस का उतना ही दिलचस्प अंत तुम्हारी कहानी का आखिरी भाग मेरे लिए नया नहीं है, सिवा इस के कि तुम अपनी रस्सी खुद लाए थे. यह मुझे नहीं मालूम था. मैं ने सोचा था कि टोंगा ने अपने सारे तीर फेंक दिए होंगे पर फिर भी उस ने नाव से हमें एक तीर मार ही दिया.”

“उस ने एक के अलावा सारे तीर खो दिए थे. बस यही बचा था जो उस के ब्लोपाइप में था.”

“हां, हां,” होम्स ने कहा. मैं ने इस के बारे में सोचा ही नहीं था.”

“क्या और कोई मुद्दा है. जिस के बारे में आप मुझ से पूछना चाहेंगे?” मुजरिम ने प्यार से पूछा.

“नहीं, मुझे नहीं लगता, थैंक यू,” मेरे मित्र ने जवाब दिया.

“वैसे होम्स,” एथेलनी जोंस ने कहा. “तुम को खुश रखना होता है और हम सभी जानते हैं कि तुम्हारा कोई सानी नहीं, पर फर्ज, फर्ज होता है और जो कुछ तुम ने और तुम्हारे मित्र ने मांगा, वह पूरा करने में मैं ने कोई कसर नही छोड़ी. मुझे तब चैन आएगा जब हम इस कहानीकार को ताले में बंद कर देंगे. कैब अभी भी इंतजार कर रही है और दो इंस्पेक्टर नीचे खड़े हैं. तुम लोगों की मदद का मैं शुक्रगुजार हूं. हां, मुकदमे के दौरान तुम दोनों की जरूरत पड़ेगी, गुडनाइट.”

“गुडनाइट. तुम दोनों को भी,” जोनाथन स्मॉल बोला.

“पहले तुम, स्मॉल,” सावधान जोंस ने कमरे से निकलते हुए कहा.

“मैं पूरी सावधानी बरतूंगा कि तुम अपनी लकड़ी की टांग से मुझ पर वार न कर दो, चाहे तुम ने अंडमान द्वीप में उस जेंटिलमैन के साथ कुछ भी किया हो.”

“चलो, और यह, हुआ हमारे छोटे से नाटक का अंत.” थोड़ी देर चुपचाप सिगरेट पीते रहने के बाद मैं ने टिप्पणी की, “मुझे डर है कि यह छानबीन आखिरी छानबीन होगी जिस में मुझे तुम्हारे तरीकों से वाकिफ होने का मौका मिलेगा. मिस मॉर्सटन ने मुझे अपना होने वाला पति स्वीकार कर के मुझे इज्जत बख्शी है.” उस ने निराशा भरी हुंकार भरी.

“मुझे इसी बात का डर था,” वह बोला. “मैं तुम्हें बधाई नहीं दे सकता.”

मुझे थोड़ा बुरा लगा.

“क्या कोई वजह है कि तुम मेरी पसंद से खुश नहीं हो?” मैं ने पूछा.

“बिलकुल नहीं. मैं सोचता हूं कि आज तक जितनी भी युवतियों से मैं मिला हूं, उन में यह युवती सब से ज्यादा आकर्षक है और हमारे काम में बहुत मदद कर सकती थी. उस में वह हुनर था. गौर करो कि कैसे उस ने अपने पिता के सब कागजों में से आगरा वाला नक्शा संभाल कर रखा था? पर मोहब्बत एक जजबाती चीज है और जजबात ठंडे तर्क को नहीं मानते जो मुझे सब से ज्यादा जरूरी लगता है. खुद मैं कभी शादी नहीं करूंगा, कि मैं अपनी समझदारी से हाथ धो बैठूं.”

“मुझे विश्वास है कि मेरी बुद्धि इस तूफान से बच निकलेगी. पर तुम थके हुए लग रहे हो.”

“हां, इस की प्रतिक्रिया शुरू हो चुकी. अब मैं हफ्ते भर तक निढाल रहूंगा.”

“अजीब है.” मैं ने कहा. “किसी दूसरे में मैं जिस चीज को आलस का दर्जा देता, वह तुम्हारे फुरती के दौरों के बीच आती जाती रहती है.”

“हां,” उस ने जवाब दिया. मेरे अंदर अच्छे लोफर के सारे गुण हैं. वैसे नॉरवुड मामले का जिक्र करें तो इन लोगों की तरह ही मैं ने भी पहले अंदाजा लगाया था कि अपराधियों से घर के अंदर किसी की मिली भगत है, जो राम लाल बटलर के अलावा और कोई नहीं हो सकता. इसलिए

जोंस को श्रेय जाता है कि उस ने एक बड़ी मछली अपने जाल में फंसा ली है."

"यह बात गलत लगती है." मैं ने टिप्पणी की, "इस मामले में सारा काम तुम ने किया. मुझे इस से एक पत्नी मिली, जोंस को शाबाशी, तुम्हारे लिए फिर क्या बचा?"

"मेरे लिए," शरलॉक होम्स बोला. "अभी भी कोकीन की बोतल बची है." और उस ने अपना लंबा सफेद हाथ उसे उठाने के लिए उठाया.

बोहिमिया में बदनामी के बादल

शरलॉक होम्स के लिए वह हमेशा से 'वह महिला' थी. मैं ने बहुत कम बार ही उसे किसी और नाम से बुलाते देखा. उस की नजरों में वह स्त्री जाति में श्रेष्ठ है. ऐसा नहीं था कि आइरीन एडलर के लिए उस के मन में मोहब्बत जैसी कोई चीज थी. सभी जजबात, खास कर यह जजबात उस के ठंडे, पर संतुलित दिमाग के लिए नफरत के काबिल थे. मैं सोचता हूं कि उस जैसी तर्क करने और परखने वाली मशीन दुनिया में दूसरी नहीं मिल सकती थी. पर प्रेमी के तौर पर उस की जगह डांवांडोल थी. वह कभी भी इस तरह के कोमल जज्बातों की बात नहीं करता था और जब करता था, तो व्यंग्य और हिकारत से परखी के लिए ये बातें तारीफे काबिल थीं.

दूसरे लोगों के मकसद से परदा उठाने के काम आती थीं. पर अपनी खुद की जिंदगी में इन बातों का दाखिल होना उस की मानसिक मजबूती को कमजोर कर सकता था. किसी नाजुक यंत्र में कठोरता या ज्यादा पावर वाले लेंस का चटखना, उस को इतना विचलित नहीं कर सकता था, जितना जज्बातों का पैदा होना. पर उस के लिए एक महिला थी और वह थी स्वर्गीय आइरीन एडलर, जिस की याददाश्त पर कई प्रश्न खड़े हो जाते थे.

कई दिनों से मैं ने होम्स को बहुत कम देखा था. मेरी शादी ने हम दोनों को थोड़ा दूर कर दिया था. अपनी खुशी और उन सब घरेलू बातों में पैदा रुचि की ओर जो हर उस शख्स में पैदा होती है जो पहली बार अपने को गृहस्थी का मालिक पाता है, मेरा पूरा ध्यान केंद्रित था. जबकि होम्स को किसी भी तरह के मिलनेजुलने से नफरत थी और वह हमारे बेकर स्ट्रीट वाले घर में ही अपनी किताबों में डूबा रहा और हर हफ्ते कभी कोकीन, कभी अपनी महत्त्वाकांक्षा और कभी अपनी स्वाभाविक चुस्ती के बीच झूलता रहता.

वह अब भी, हमेशा की तरह और उन सुरागों को ढूंढ़ने और उन रहस्यों का परदाफाश करने की कोशिश करता. पुलिस जिन से हाथ धो बैठी थी.

समयसमय पर मुझे उस के कामों का पता चलता रहता. ट्रेपोफ हत्याओं के संबंध में उस को ओडेसा बुलाया जाना, ट्रिंकोम में उस का एटकिंसन भाइयों वाली सनसनीखेज त्रासदी का सुलझाना और आखिर में हॉलैंड के शाही खानदान के लिए उस ने जितनी नजाकत और सफलता से काम किया था, उस के बारे में भी पता चला. पर इन कामों के अलावा जो

मुझे रोज का अखबार पढ़ने वाले बाकी पाठकों की तरह ही पता चलते थे. मुझे अपने पुराने दोस्त और सहयोगी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं मालूम था.

20 मार्च 1888 , रात की बात है. मैं अपने एक रोगी को देख कर लौट रहा था. (मैं अब सिविल प्रैक्टिस करने लगा था), जब मैं बेकर स्ट्रीट से गुजरा और अपने पुराने दरवाजे से निकला, जो मुझे अपने प्रेम के शुरू के दिनों की याद दिलाते थे और लाल रंग के अध्ययन के काले दिनों की, तब मुझे अचानक होम्स से मिलने की ललक हुई और यह जानने की, कि वह अपनी अद्भुत क्षमता किस काम में लगा रहा है.

उस के कमरे में तेज रोशनी थी और जब मैं ने ऊपर देखा, मैं ने उस की लंबी छरहरी आकृति को परदे के पीछे काली परछाईं के रूप में गुजरते देखा. वह बारबार तेजी से कमरे के चक्कर काट रहा था, उस का सिर छाती पर टिका हुआ और हाथ पीछे की ओर बंधे हुए थे. मैं, जो उस के हर मूड और आदत को पहचानता था, उस के हावभाव से सारी बात समझ गया. वह फिर से काम पर लग गया था. वह ड्रग की खुमारी से निकल गया था और किसी नई समस्या का हल ढूंढ़ने में बेचैन था. मैं ने घंटी बजाई और कमरे तक ले जाया गया, जो पहले मेरा भी हुआ करता था.

वह ज्यादा नहीं चहक रहा था. वैसे भी ऐसा कम ही होता था. पर मैं समझता हूं कि मुझे देख कर वह खुश हुआ. वह एक शब्द भी नहीं बोला, पर आंखों से उस ने मुझे आरामकुरसी पर बैठने के लिए कहा, अपना सिगार का केस मेरी ओर उछाला और कोने में रखे स्पिरिट केस और गैसोलीन की ओर इशारा किया. फिर वह आग के पास खड़ा अपनी पारखी नजर से मुझे ऊपर से नीचे की ओर देखने लगा.

“शादी तुम को माफिक पड़ी है.” उस ने कहा. “मैं सोचता हूं वॉटसन, कि जब मैं ने पिछली बार तुम्हें देखा था, तब से अब तक तुम्हारा साढ़े सात पाउंड वजन बढ़ा है.”

“सात,” मैं ने जवाब दिया.

“हां, बल्कि मुझे लग रहा था उस से ज्यादा ही. वॉटसन, तुम ने मुझे नहीं बताया था कि तुम वापस अपने पेशे में लौटना चाहते हो.”

“फिर तुम को कैसे पता चला?”

“मैं ने देखा था. मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं. मुझे कैसे पता चला कि तुम कुछ दिनों से भीग रहे हो और तुम्हारी नौकरानी बेहद फूहड़ और

लापरवाह है?”

“माई डियर होम्स,” मैं ने कहा. “यह तो हद हो गई है. अगर तुम कुछ शताब्दियों पहले पैदा हुए होते तो तुम्हें जला दिया जाता. यह सच है कि मैं पिछले गुरुवार को सैर के लिए गया था और बहुत भीगी हालत में वापस आया. पर मैं उन कपड़ों को उतार चुका हूं, मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि तुम ने यह कैसे जाना. जहां तक मेरी जेन का सवाल है, वह सुधरने वाली नहीं है. मेरी पत्नी ने उसे नोटिस दे दिया है, पर मुझे नहीं समझ में आ रहा कि तुम ने यह कैसे जाना.”

वह अपने आप में हंसा और अपने लंबे हाथ आपस में रगड़े.

“बड़ी आसान बात है.” वह बोला. “मेरी आंखें बताती हैं कि तुम्हारे बाएं जूते के अंदर की ओर, जहां आग की रोशनी पड़ती है, चमड़ा छह जगह से एक सा कटा हुआ है. जाहिर है कि ये निशान किसी ऐसे आदमी ने बनाए हैं, जिस ने वहां से लापरवाही से सूखी मिट्टी खुरचने की कोशिश की है. इसलिए मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि तुम खराब मौसम में बाहर गए थे और लंदन के नौकरों में तुम्हारे पास एक खास कर बड़ा गुस्सैल नौकर जो गुस्से में जूते काट देता है. अगर कोई जेंटिलमैन मेरे कमरे में आइडोफॉर्म का भभका लिए दाखिल होता है और उस की दाईं तर्जनी पर सिल्वर नाइट्रेट का काला निशान लगा हो, उस के टोप की एक तरफ उभार यह दिखा रहा हो कि उस ने वहां पर अपना स्टेथोस्कोप छुपा रखा है और मैं तब भी यह अंदाज न लगा सकूं कि तुम डाक्टरी पेशे के कार्यरत सदस्य हो, तो मैं पागल ही माना जाऊंगा.”

मैं उस के तर्क और निष्कर्षों पर पहुंचने की प्रक्रिया सुन कर हंसे बगैर नहीं रह सका. “जब तुम अपने कारण बताते हो,” मैं ने कहा, “तो हमेशा बात इतनी साधारण लगती है कि लगता है कि मैं भी यही सोचता, हालांकि तुम्हारे तर्क सुन कर मैं हमेशा भौचक्का रह जाता हूं. जब तक तुम उस की प्रक्रिया समझा नहीं देते और फिर भी मुझे लगता है कि मेरी आंखें तुम्हारी आंखों जितनी ही तेज हैं.”

“बिलकुल,” सिगरेट सुलगाते हुए उस ने जवाब दिया और आरामकुरसी में धंस गया. तुम देखते हो, पर गौर नहीं करते. यही फर्क है. जैसे, उदाहरण के लिए तुम ने हॉल से इस कमरे तक आने वाली सीढ़ियां अकसर देखी होंगी?”

“अकसर.”

“कितनी बार?”

“करीब सैकड़ों बार.”

“तो फिर कितने पाएदान हैं?”

“कितने? मुझे नहीं मालूम.”

“यही तो! तुम ने गौर नहीं किया. और फिर भी तुम ने देखी हैं. यही बात मैं कहना चाह रहा हूं. अब मैं जानता हूं कि सत्रह पायदान हैं, क्योंकि मैं ने देखा भी है और गौर भी किया है. वैसे, क्योंकि तुम्हें इन छोटीमोटी समस्याओं में मजा आता है और क्योंकि तुम मेरे एकाध बेकार के अनुभव लिखने की मेहरबानी कर चुके हो, शायद तुम को इस बात में मजा आए.” उस ने मेज पर खुला पड़ा गुलाबी रंग का एक मोटा नोट पेपर मेरी ओर उछाला. “यह आखिरी डाक से आया था.” उस ने कहा. “इसे जोर से पढ़ो.”

नोट में तारीख नहीं लिखी हुई थी और न नाम था, न पता.

‘आज रात पौने आठ बजे तुम्हारे पास एक शख्स आएगा जो एक बड़े गंभीर मसले पर तुम्हारी राय लेना चाहता है. यूरोप के एक शाही खानदान के प्रति तुम्हारा रवैया दिखाता है कि तुम पर भरोसा किया जा सकता है. उन मामलों में जो बहुत ज्यादा जरूरी है. तुम्हारे बारे में यह तारीफ हमें कई सूत्रों से मिली है. तो फिर उस वक्त तुम्हारे कमरे में मुलाकात होगी और इस बात का बुरा मत मानना कि तुम्हारे मेहमान ने मुखौटा पहन रखा है.’

“यह तो वास्तव में कोई रहस्य है.” मैं ने कहा. “तुम क्या सोचते हो कि इस का क्या मतलब है?”

“अभी मेरे पास कोई जानकारी नहीं है. जानकारी हासिल किए बिना ही अनुमान लगाना सब से बड़ी गलती है. फिर लोग अनुमान के आधार पर तथ्यों को मोड़नेतोड़ने लगते हैं. पर जहां तक नोट का सवाल है, तुम को इस के बारे में क्या लगता है?”

मैं ने गौर से उस नोट की लिखावट देखी और उस कागज को, जिस पर लिखा था.

“जिस शख्स ने यह लिखा है मेरे अनुमान से वह काफी दौलतमंद है.” मैं ने अपने मित्र की प्रक्रिया की नकल करते हुए कहा. “इस तरह के कागज का पैकेट आधे क्राउन से कम का नहीं हो सकता. यह अजब मजबूत और कड़ा है.”

“अजब– यही सही शब्द है.” होम्स ने कहा. “यह अंग्रेजी कागज है ही नहीं. इस को रोशनी में उठा कर देखो.”

“मैं ने किया था और मैं ने बड़ा ‘ई’ और छोटा ‘जी’ एक ‘पी’, और एक बड़ा ‘जी’ छोटे ‘टी’ के साथ कागज के अंदर छपा देखा.”

“इस का क्या मतलब समझते हो?” होम्स ने पूछा.

“बेशक बनाने वाले का नाम या शायद उस का मोनोग्राम हो.”

“नहीं.” “छोटे ‘टी’ के साथ बना ‘जी’ एक जर्मन शब्द दिखता है– जीसेलशाफ्ट जिस का जर्मन मतलब है ‘कंपनी’. ‘पी’ का मतलब है ‘पेपर’ यानी कागज. अब ‘ईजी’ का क्या मतलब हो सकता है? चलो, अपने गिजेटियर पर नजर डालते हैं. उस ने शेल्फ से भारी भरकम किताब निकाली–“इग्लो, इग्लोनिज–ये रहा इग्रिया. यह एक जर्मन भाषी प्रदेश है, बोहिमिया में, जो कारिसबैड से ज्यादा दूर नहीं है. यह वालेनस्टेन की मौत के लिए मशहूर है और अपनी असंख्य कांच की फैक्टरी और कागज की मिलों के लिए. हा हा हा, तुम इस से क्या समझते हो, मेरे दोस्त?” उस की आंखें चमक रही थीं और उस ने अपनी सिगरेट का एक बड़ा, नीला, विजयी कश छोड़ा.

“यह कागज बोहिमिया में बना था.” मैं ने कहा. “बिलकुल, और जिस शख्स ने यह नोट लिखा था, वह जर्मन था. इस वाक्य की अजीब बनावट देखो– कोई फ्रांसीसी या रूसी ऐसा वाक्य नहीं लिख सकता था. सिर्फ जर्मन ही अपने क्रियापदों से इतनी बदसलूकी कर सकता था. इसलिए अब यह देखना बाकी है कि यह जर्मन जो बोहिमिया के कागज पर लिखता है और अपना चेहरा मुखौटे से ढकना चाहता है, आखिर चाहता क्या है? और यह लो, अगर मैं गलत नहीं हूं, वह आ गया है और हमारे सारी शंकाएं दूर हो जाएंगी.”

वह बोल ही रहा था कि घोड़ों के टापों और घास पर पहियों के रुकने की तेज आवाज आई. इस के साथ ही घंटी जोर से बजी. होम्स ने सीटी बजाई.

“आवाज से पता चलता है कि बड़ी शानदार जोड़ी है.” वह बोला. “हां.” खिड़की के बाहर देखता रहा. “सुंदर सी घोड़ागाड़ी और सुंदर घोड़े, एकएक की कीमत डेढ़ सौ गिनी होगी. इस केस में खूब पैसा है, वॉटसन और कुछ नहीं हो तो भी.”

“मैं सोचता हूं कि मैं चला जाऊं, होम्स.”

“बिलकुल नहीं, डाक्टर, अपनी जगह पर बने रहो, अपने बॉसवेल के बगैर मैं कुछ भी नहीं और यह बड़ा दिलचस्प केस जान पड़ रहा है. इसे जरूर देखो.”

“पर तुम्हारा मुवक्किल...”

“उस की फिक्र मत करो, मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत हो सकती है और उस की भी. देखो, वह आ गया. उस आरामकुरसी पर बैठो डाक्टर और हमारी ओर पूरा ध्यान दो.”

धीमा और भारी कदम जो सीढ़ियों और गलियारे में सुनाई पड़ा था, दरवाजे के ठीक बाहर आ कर रुक गया, फिर जोर से और अधिकार से दरवाजा खटखटाया गया.

“अंदर आओ!” होम्स ने कहा.

एक आदमी अदंर आया जो करीब दो मीटर लंबा था और उस का सीना और हाथ पैर हरक्यूलिस जैसे थे. उस के कपड़े कीमती थी, इतने कीमती कि इंगलैंड में उन को हिकारत से देखा जाएगा. आस्तीनों पर आस्ट्रखान के भारी पट्टे लगे थे और उस के कंधे पर पड़े गहरे नीले रंग के चोगे पर लपट के रंग के रेशम का अस्तर था, जो एक ब्रोच से गरदन पर बंधा था जिस में बिल्लौर जड़ा था. बूट उस के टखनों तक आ रहे थे, जिन के ऊपर गहरे कत्थई रंग का फर लगा था. इन सब से पुराने जमाने की रईसी याद आ रही थी.

उस के हाथ में चौड़े किनारे वाला हैट था और उस ने अपने चेहरे का ऊपरी हिस्सा एक काले मुखौटे से ढक रखा था जो उस के गालों तक आ रहा था और जिसे उस ने उसी क्षण ठीक किया था, क्योंकि अंदर आते समय भी उस का हाथ मुखौटे पर ही था. चेहरे के नीचे के हिस्से से लग रहा था कि वह मजबूत चरित्र वाला आदमी है. उस का होंठ मोटा और लटका हुआ था. ठोड़ी लंबी और सीधी थी जिस से पता चल रहा था कि वह जो ठान लेता है, उस पर अड़ा रहता है.

“तुम्हें मेरा नोट मिला?” उस ने कर्कश आवाज में पूछा, जिस में जर्मन लहजे का गहरा पुट था. “मैं ने कहा था कि मैं आऊंगा.” उस ने हम दोनों को बारीबारी से देखा, मानो समझ नहीं पा रहा हो कि बातचीत किस से करे.

“कृपया बैठो.” होम्स ने कहा. “यह मेरा मित्र और सहयोगी डा. वॉटसन है, जो कभीकभी मेहरबानी कर के मुझे मेरे मामलों में मदद करता

है. क्या मैं जान सकता हूं कि मुझे किस से बातचीत करने का सौभाग्य मिल रहा है?"

"मुझे काउंट वॉन क्राम के नाम से बुला सकते हो. मैं बोहिमिया का एक रईस हूं. मैं उम्मीद कर सकता हूं कि यह तुम्हारा मित्र अपनी बात का पक्का है और हमारे बारे में इधरउधर नहीं बताएगा और एक बहुत जरूरी बात के लिए इस पर भरोसा किया जा सकता है. अगर ऐसा नहीं है, तो मैं तुम से अकेले में ही बात करना चाहता हूं."

"मैं जाने के लिए उठ खड़ा हुआ, पर होम्स ने मेरी कलाई पकड़ कर मुझे वापस कुरसी की ओर धकेल दिया, "या तो हम दोनों यहां रहेंगे या एक भी नहीं." वह बोला. "तुम इस के सामने वह सब कुछ कह सकते हो, जो तुम मुझ से अकेले में कहने वाले थे."

काउंट ने अपने चौड़े कंधे उचकाए. "फिर तो मुझे शुरू हो जाना चाहिए," वह बोला. "दो साल तक तुम दोनों बिलकुल चुप्पी साधे रहोगे, उस के बाद यह बात उतनी जरूरी नहीं रह जाएगी. इस वक्त यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह मामला इतना गंभीर है कि यूरोप के इतिहास को प्रभावित कर सकता है."

"मैं वादा करता हूं," होम्स ने कहा.

"और मैं भी."

"इस मुखौटे के लिए मैं क्षमा चाहता हूं," हमारे विचित्र मेहमान ने कहा. "जिस भले आदमी ने मुझे यह काम सौंपा है, वह चाहता है कि मैं तुम लोगों के लिए अनजान बना रहूं और मैं यह भी कबूलना चाहता हूं कि अभी मैं ने जो अपनी यह उपाधि 'काउंट' बताई थी, वह मेरी नहीं है."

"मुझे पता था." होम्स ने रूखेपन से कहा. "हालात बड़े नाजुक हैं और यूरोप के एक शाही परिवार की इज्जत धूल में मिलने से बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की जानी चाहिए. साफ शब्दों में, यह बोहिमिया के राजसी परिवार, हाउस ऑफ ओर्मस्टीन से जुड़ा हुआ मामला है."

"मुझे यह भी मालूम था," अपनी आरामकुरसी में धंस कर आंखे बंद करते हुए होम्स बुदबुदाया.

हमारे मेहमान ने ताज्जुब से उस ढीलेढाले आदमी को देखा जो कुरसी पर पसरा हुआ था और जिस के बारे में उस से कहा गया था कि वह यूरोप का सब से चुस्त एजेंट है. होम्स ने धीरे से अपनी आंखें खोलीं और अपने भीमकाय मुवक्किल की ओर बेसब्री से देखा.

“अगर योर मैजेस्टी (बादशाह सलामत) अपना आने का मकसद बताने का कष्ट करें,” उस ने कहा, “तो मैं तुम्हें बेहतर सलाह दे सकता हूं.”

वह आदमी कुरसी से उठ खड़ा हुआ और बड़ी बेसब्री से कमरे में इधरउधर टहलने लगा. फिर बेबसी के अंदाज में उस ने मुखौटा अपने चेहरे से हटा कर जमीन पर फेंक दिया. “तुम ठीक कहते हो. मैं ही बादशाह हूं. मैं यह बात छुपाने की कोशिश क्यों करूं?”

“वाकई, क्यों?” होम्स ने धीरे से कहा. “बादशाह सलामत तब बोले भी नहीं थे, जब मैं समझ गया था कि मैं बोहिमिया का वारिस राजा और ग्रैंड ड्यूक ऑफ केसिल फैलस्टीन, यानी विल्हेम गॉट्सरीच सिगिस्मंड वॉन ओर्मस्टीन से बात कर रहा हूं.”

“पर तुम समझ सकते हो,” हमारे अजीब मेहमान ने फिर से बैठ कर अपने ऊंचे, सफेद माथे पर हाथ फेरते हुए कहा. “तुम समझ सकते हो कि मुझे खुद इस तरह के काम करने की आदत नहीं है. पर मामला इतना नाजुक है कि मैं किसी एजेंट को बताता तो उस की मुट्ठी में हो जाता. मैं प्राग से भेष बदल कर आया हूं कि तुम से सलाह ले सकूं.”

“तो लो सलाह,” होम्स ने एक बार फिर से आंख बंद करते हुए कहा.

“हकीकत कुछ इस तरह की है. करीब पांच साल पहले, वारसा में लंबे समय के लिए जाने के दौरान मेरी जानपहचान मशहूर आइरीन एडलर से हुई, यह नाम तुम्हें जरूर जानापहचाना लगेगा.”

“इस नाम को मेरी सूची में देखो, डाक्टर,” होम्स ने बगैर आंखें खोले धीरे से कहा. कई सालों से उस ने नियम बना रखा था कि लोगों और चीजों के बारे में छपी हर बात को योजनाबद्ध तरीके से इकट्ठी कर लेना, जिस से ऐसे विषय या इनसान का नाम लेना कठिन था, जिस की उस के पास जानकारी न हो. इस मामले में मैं ने देखा कि उस महिला के बारे में जानकारी हेब्रू के एक रब्बी और एक स्टाफ कमांडर के बीच में रखी थी, जिस ने गहरे पानी की मछलियों के विषय में लेख लिखा था.

“मुझे देखने दो,” होम्स ने कहा. “हम्म! सन 1858 में न्यू जर्सी में पैदा हुई. कांट्राल्टो–हम्म! ला स्काला, हम्म! इम्पीरियल ऑपेरा आफ वारसा की मुख्य नायिका. हां, स्टेज से अवकाश लिया, हां! लंदन में रह रही है, बिलकुल बादशाह सलामत ने जैसा मैं समझता हूं, इस युवती के साथ संबंध बनाए और उस को कुछ पत्र भेजे और अब चाहते हैं कि वे पत्र वापस मिल जाएं.”

“बिलकुल यही बात है. पर तुम को कैसे...?”

“क्या गुप्त रूप से शादी हुई थी?”

“नहीं.”

“कोई कानूनी दस्तावेज या प्रमाण पत्र?”

“नहीं.”

“फिर मैं बादशाह को समझ नहीं पा रहा. अगर यह युवती ब्लैकमेल के लिए चिट्ठियों का इस्तेमाल करे, तो वह यह कैसे साबित करेगी की ये असली हैं?”

“मेरी लिखावट जो है.”

“उस की नकल भी की जा सकती है.”

“मेरा निजी कागज.”

“चोरी किया जा सकता है.”

“मेरी अपनी मोहर.”

“नकल की जा सकती है.”

“मेरा फोटो.”

“खरीदा जा सकता है.”

“फोटोग्राफ में हम दोनों थे.”

“ओह डियर. यह बुरा हुआ. बादशाह ने वाकई सावधानी से काम नहीं किया.”

“मैं पागल था– पागल.”

“तुम ने अपने को वाकई मुश्किल में डाल दिया है.”

“तब मैं युवराज था. मैं जवान था. अभी मैं तीस का हूं.”

“उस को वापस लेना होगा.”

“हम ने बहुत कोशिश की थी.”

“बादशाह को इस की कीमत देनी होगी. इसे खरीदना होगा.”

“वह बेचेगी नहीं.”

“तो चुराना पड़ेगा.”

“पांच बार कोशिश की जा चुकी है, दो बार घुसपैठियों ने पूरा घर उथलपुथल किया, जिन को मैं ने पैसे दिए थे. एक बार वह यात्रा कर रही थी तो हम ने उस का सामान इधरउधर कर दिया. दो बार राहजनी कर चुके हैं, पर कोई नतीजा नहीं निकला.”

“उस का कोई नामोनिशान नहीं?”

“बिलकुल नहीं.”

होम्स हंसा. “यह तो अच्छी खासी समस्या है.” उस ने कहा.

“पर मेरे लिए बड़ी गंभीर,” बादशाह ने नाराजगी से कहा.

“वाकई बहुत गंभीर. फोटो के साथ वह क्या करना चाहती है?”

“मुझे बरबाद करना.”

“पर कैसे?”

“मेरी शादी होने वाली है.”

“ऐसा मैं सुन चुका हूं.”

“स्वेफनडिनेविया के राजा की दूसरी बेटी, क्लोटिल्डे लॉथमैन वॉन साक्से मेनिनजेन से. तुम उस के परिवार के सख्त कायदेकानून जानते ही हो. वह खुद भी नजाकत का पुतला है. मेरे आचरण के बारे में कोई भी शक हमारा संबंध खत्म कर सकता है.”

“और आइरीन एडलर?”

“फोटोग्राफ उन को पहुंचाने की धमकी देती है. वह ऐसा कर भी सकती है. तुम उस को जानते नहीं हो, उस का दिल पत्थर का बना है. उस का चेहरा सब से खूबसूरत स्त्री का है और दिमाग किसी अड़ियल पुरुष का. मैं किसी और से शादी कर लूं. इस के लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है.”

“तुम्हें पक्का पता है कि उस ने अभी तक फोटो वहां नहीं भेजी है?”

“मुझे यकीन है.”

“और क्यों?”

“क्योंकि उस ने कहा है कि वह उस दिन भेजेगी, जिस दिन सगाई की सार्वजनिक घोषणा की जाएगी. वह अगले सोमवार को की जाएगी.”

“ओह, फिर तो हमारे पास तीन दिन और हैं.” होम्स ने जम्हाई लेते हुए कहा. “यह अच्छी बात है क्योंकि अभी मेरे पास एकदो जरूरी मामले पड़े हैं. बादशाह फिलहाल के लिए लंदन में तो रुकेंगे?”

“बिलकुल. मैं तुम्हें लैनघैम में काउंट वॉन क्राम के नाम से मिलूंगा.”

“तो फिर मैं एक लाइन लिख कर बता दूंगा कि हम ने कितनी तरक्की की है.”

“कृपा कर के बता देना. मुझे बड़ी फिक्र रहेगी.”

“फिर, पैसे का क्या होगा?”

“तुम्हारे पास ब्लैंक चैक होगा.”

“बिलकुल?”

“मैं कह रहा हूं कि मैं उस फोटोग्राफ के लिए अपने राज्य का कुछ हिस्सा तक देने को तैयार हूं.”

“और अभी के खर्चों के लिए?” राजा ने एक भारी चमड़े का बैग अपने चोगे के अंदर से निकाला और मेज पर रख दिया.

“इस में सोने के तीन सौ पाउंड और नोटों में सात सौ पाउंड हैं.”

होम्स ने अपनी नोटबुक के पन्ने पर रसीद काटी और उसे थमा दी.

“और मैडम का पता?” उस ने पूछा.

“ब्राइओनी लॉज, सरपेंटाइन एवेन्यू, सेंट जॉन वुड.”

होम्स ने इस को लिख लिया. “एक और सवाल,” वह बोला. “क्या फोटो मढ़ा हुआ है?”

“हां.”

“फिर गुडनाइट, योर मैजेस्टी और मुझे उम्मीद है कि हम जल्दी ही तुम्हें अच्छी खबर देंगे... और गुडनाइट, वॉटसन,” उस ने कहा. जब शाही घोड़ागाड़ी के पहिए सड़क पर जाते सुनाई दिए. “अगर तुम मेहरबानी कर के कल दोपहर तीन बजे आ जाओ, तो मैं इस छोटे से मसले पर तुम से बात करना चाहूंगा.”

ठीक तीन बजे मैं बेकर स्ट्रीट पर था, पर होम्स वापस नहीं आया था. मकान मालकिन ने मुझे बताया कि वह सुबह आठ बजे के लगभग घर से निकला था. फिर भी मैं फायरप्लेस के आगे उस का इंतजार करते बैठ

गया, चाहे उसे कितना भी समय क्यों न लगे. मुझे अभी से उस की छानबीन में दिलचस्पी होने लगी थी, हालांकि यह मामला उन मामलों की तरह खूनी और अजीब नहीं था, जिन का जिक्र मैं पहले कर चुका हूं, फिर भी यह मसला और उस के मुवक्किल का ऊंचा ओहदा कुछ अलग ही बात लिए था.

वास्तव में इस किस्से की तहकीकात के अलावा, जिस का जिम्मा मेरे मित्र पर था. उस का हर स्थिति से निपटने का अंदाज और उस की तीखी तर्क शक्ति मुझे उस के साथ काम करने में मजा देती थी. मुझे उस की हर मामले को सुलझाने में सफलता की ऐसी आदत हो गई थी कि यह बात मेरे दिमाग में ही नहीं आती थी कि वह कभी नाकाम भी हो सकता है.

लगभग चार बजे थे जब दरवाजा खुला और नशे में धुत एक रईस पूरी तरह अस्तव्यस्त, चेहरे पर बढ़ी हुई दाढ़ी, लाल और सूजा हुआ चेहरा और गंदे कपड़े पहने मेरे कमरे में दाखिल हुआ. मुझे अपने दोस्त की वेष बदलने की अद्भुत क्षमता की आदत होने पर भी मुझे तीन बार गौर करने के बाद ही यकीन हुआ कि यह वही था. सिर हिलाते हुए वह अपने बेडरूम में गया, जहां से पांच मिनट में वह पहले की तरह ट्वीड का सूट पहने इज्जतदार आदमी सा लग रहा था. जेब में हाथ डालते हुए उस ने आग के सामने अपने पैर फैलाए और कुछ मिनटों तक दिल खोल कर हंसता रहा.

“वाकई, में!” वह बोला और फिर हंसा. और फिर इतना हंसा कि उसे कुरसी पर पसर जाना पड़ा.

“क्या बात है?”

“बहुत हंसी की बात है. मुझे पता है कि तुम कभी नहीं जान पाओगे कि मैं ने अपनी सुबह कैसे बिताई और क्या किया?”

“मैं नहीं सोच सकता, शायद तुम मिस आइरीन एडलर की आदतों और उस के घर का जायजा ले रहे थे.”

“हां, यह तो है. पर इस का सिलसिला भी अजब था. पर चलो, मैं तुम को बताता हूं. मैं आठ बजे के लगभग घर से चला गया था, सईस के भेष में जो बेरोजगार है. सईसों में बेहद सहानुभूति और दोस्ती होती है. उन में घुलमिल कर देखो तो तुम को सारी बातें मालूम हो जाएंगी. मैं ने जल्दी ही ब्राइओनी लॉज ढूंढ़ ली. यह बड़ा सा विला है, जिस के पीछे खूबसूरत बगीचा है, पर खुद सड़क तक दो मंजिला बना हुआ है. दरवाजे पर बड़ा सा ताला, दाईं ओर बड़ा सा सिटिंगरूम अच्छी तरह सजा हुआ है. फर्श तक की लंबी खिड़कियां और वे अंगरेजी चटखनियां जिन्हें बच्चा भी खोल

ले. इस के पीछे कुछ खास नहीं था, सिवा इस के कि गलियारे की खिड़की तक घोड़ागाड़ी रखने की जगह से पहुंचा जा सकता था. मैं ने उस के चारों ओर घूम कर गौर से हर जगह से देखा, पर कुछ खास नहीं देख पाया.

"फिर मैं सड़क की ओर टहलता रहा और जैसी मुझे उम्मीद थी, मैं ने पाया कि एक गली में घुड़साल थी, जो बगीचे की एक दीवार तक जाती थी. मैं ने घोड़ों की मालिश करने में सईसों की मदद की और मुझे बदले में टू पेंस, कुछ शराब और थोड़ी सी तंबाकू मिली. मिस एडलर के बारे में वे सारी जानकारियां मुझे मिलीं जो मुझे चाहिए थीं और आसपास रहने वाले आधा दरजन और लोगों के बारे में भी जिन में मेरी दिलचस्पी नहीं थी, पर उन की भी कहानियां मुझे सुननी पड़ीं."

"और आइरीन एडलर के बारे में क्या पता चला?" मैं ने पूछा.

"ओह, उस ने उस इलाके के सारे पुरुषों के सिर झुका दिए हैं. इस दुनिया में वह सब से नाजुक युवती है. सईसों के बीच तो यही राय है. वह चुपचाप रहती है, कानसर्ट में गाती है, रोजाना पांच बजे बाहर जाती है और ठीक सात बजे डिनर के लिए लौट आती है. इस के अलावा कभी नहीं जाती, सिवा तब जब वह गाती है. सिर्फ एक पुरुष मेहमान आता है, जो अकसर आता है.

वह काला, खूबसूरत और स्मार्ट है. दिन में एक बार से कम नहीं आता और अकसर दो बार आता है. वह कोई मिस्टर गॉडफ्रे नॉरटन है, इनर टेंपल का. देखा, कोचवान से दोस्ती का नतीजा. वे दरजनों बार उसे घर तक लाए थे और उस के बारे में सब कुछ जानते थे. जब मैं ने उन की सारी बातें सुन लीं, मैं एक बार फिर ब्राइओनी लॉज में चहलकदमी करने लगा और अपनी योजना बनाने लगा.

"जाहिर है कि इस गॉडफ्रे नॉरटन की इस मामले में अहम भूमिका है. वह वकील है. यह बात खतरनाक लग रही है. उन के बीच क्या रिश्ता था और वह बारबार किस मकसद से आता था, वह उस की मुवक्किल थी या रखैल या दोस्त? अगर वह मुवक्किल थी तो उस ने शायद वह फोटो उस के पास रखवा दिया होगा. अगर रखैल या दोस्त है, तो शायद ऐसा नहीं किया होगा. इस सवाल के जवाब पर निर्भर होता है कि मुझे ब्राइओनी लॉज में अपना काम जारी रखना चाहिए या उस शख्स के टेंपल वाले घर की ओर ध्यान देना चाहिए. यह बड़ी नाजुक बात है और मेरी तहकीकात का दायरा बढ़ गया है. मुझे डर है कि इन बातों से मैं तुम को बोर कर रहा

हूं, पर अपनी मुश्किलें तुम को बतानी हैं, जिस से तुम सारे हालात समझ सको."

"मैं तुम्हें गौर से सुन रहा हूं." मैं ने जवाब दिया. "अभी मैं इन सब बातों पर मन में विचार कर ही रहा था कि एक हैनसम कैब ब्राइओनी लॉज पर आ कर रुकी और उस में से कोई सज्जन निकला. वह बेहद खूबसूरत था, सांवला, तीखे नाकनक्श और मूंछों वाला. जाहिर था कि यह वही है जिस के बारे में मैं ने सुना था. वह बहुत जल्दी में लग रहा था. उस ने कैबमैन को पुकार कर रुकने के लिए कहा और दरवाजा खोलने वाली नौकरानी के पास से तेजी से गुजर गया. उस के हावभाव से दिख रहा था कि वह इस घर से अच्छी तरह वाकिफ है.

वह घर में करीब आधे घंटे तक रहा और मुझे बैठक की खिड़कियों से उस के कमरे के चक्कर लगाने की झलक मिलती रही. वह उत्तेजित हो कर हाथ लहराते हुए बोल रहा था. युवती मुझे दिखाई नहीं पड़ रही थी. आखिर में वह बाहर आया और पहले से भी ज्यादा जल्दी में दिखाई दिया. वह कैब में घुस ही रहा था कि उस ने अपनी जेब से सोने की घड़ी निकाली और उसे ध्यान से देखा. "शैतान की तरह गाड़ी ले चलो." वह चिल्लाया. "पहले रीजेंट स्ट्रीट पर ग्रौस एंड हैनकी तक, फिर एजवैर रोड में सेंट मोनिका के चर्च में. अगर बीस मिनट में पहुंचा दोगे तो आधी गिनी इनाम में दूंगा!"

"वे दोनों गए. मैं सोच ही रहा था कि उस के पीछे जाऊं या नहीं कि गली के उस छोर पर एक छोटी सी घोड़ागाड़ी आई. उस के कोचवान का कोट आधा बंद था और उस की टाई कानों के नीचे जबकि उस की काठी के सारे पट्टे बाहर लटक रहे थे. गाड़ी रुक भी नहीं पाई थी कि वह लपक कर हॉल के दरवाजे से निकली और उस में बैठ गई. मैं ने क्षणभर को ही उस की झलक देखी. पर वह बेहद सुंदर युवती थी और उस के चेहरे पर कोई भी मर मिट सकता था."

"सेंट मोनिका चर्च ले चलो, जॉन," वह चीखी, "और बीस मिनट में पहुंचाने पर आधा सोवरेन मिलेगा."

"यह मौका हाथ से नहीं निकलने देना था, वॉटसन. मैं सोच ही रहा था कि मैं उस के पीछे भागूं या घोड़ागाड़ी के पीछे लटक जाऊं कि सड़क पर एक कैब आती दिखी, ड्राइवर ने दो बार अपने इस अस्तव्यस्त यात्री को देखा, पर उस के मना करने से पहले ही मैं उस में बैठ गया. बारह बजने में पच्चीस मिनट बाकी थे, और साफ था कि माहौल में क्या चल रहा है.

“मेरे घोड़ेवान ने तेजी से गाड़ी दौड़ाई. मुझे नहीं लगता कि पहले कभी मैं इस से तेज गया होऊंगा. पर बाकी लोग हम से पहले पहुंच गए थे. दोनों गाड़ियों के हांफते हुए घोड़े मेरे पहुंचने पर दरवाजे पर खड़े थे. मैं ने जल्दी से भाड़ा चुकाया और चर्च के अंदर गया. वहां पर कोई भी नहीं था और सफेद चोगे में एक पादरी जो उस के साथ बहस कर रहा था. वे तीनों मंडप के सामने घेरा बनाए खड़े थे. मैं किसी भी दूसरे लफंगे की तरह किनारे की तरफ खड़ा हो गया जो चर्च में यूं ही चला आया है, अचानक मैं हैरत में पड़ गया जब वे तीनों मेरी ओर मुड़े और गॉडफ्रे नॉरटन तेजी से दौड़ता हुआ मेरे पास आया.”

“अच्छा हुआ!” वह बोला. “तुम हमारे काम आ सकते हो. आओ, आओ!”

“फिर क्या?” मैं ने पूछा.

“चलो भई, चलो. सिर्फ तीन मिनट बचे हैं, नहीं तो यह कानूनी नहीं माना जाएगा.”

“मुझे मंडप तक लगभग खींच कर ले जाया गया और इस से पहले कि मैं कुछ समझ पाता, मैं ने पाया कि मेरे कान में जो कुछ भी फुसफुसाया जा रहा है, मैं उसे दोहरा रहा हूं और उन बातों की जिम्मेदारी ले रहा हूं जिन के बारे में मुझे कुछ मालूम ही नहीं था– और कुमारी आईरीन एडलर को कुंआरे गॉडफ्रे नॉरटन के साथ विवाह बंधन में बांध रहा था. यह सब पल भर में ही हो गया. फिर एक ओर तो वह सज्जन मुझे शुक्रिया कह रहा था और दूसरी ओर युवती, जबकि आगे की ओर पादरी मुझे खुशी से देख रहा था. यह मेरे जीवन का सब से मजाकिया क्षण था और उसी को सोचसोच कर मैं हंस रहा हूं. ऐसा लगता है कि उन की शादी गैर कानूनी है कि पादरी ने किसी गवाह के बगैर उन की शादी करने से इनकार कर दिया और मेरी हाजिरी से दूल्हे को गवाह की तालश में सड़क पर नहीं जाना पड़ा. दुलहन ने मुझे एक सॉवरेन दिया और उस मौके की याद में मैं उसे अपनी घड़ी की चेन में लगा लूंगा.”

“यह तो कहानी में नया मोड़ आ गया,” मैं ने कहा, “और फिर क्या?”

“खैर, मेरी योजना गड़बड़ा गई थी. ऐसा लग रहा था कि यह जोड़ा फौरन चला जाएगा और इसलिए मुझे जल्दी से कोई कदम उठाना था. पर चर्च के दरवाजे पर वे अलग हो गए. वह टेंपल की ओर वापस चला गया और युवती अपने घर. “मैं रोज की तरह पांच बजे पार्क की ओर आऊंगी.” उस से अलग होते समय वह बोली. मैं ने इस के आगे कुछ भी नहीं सुना. वे

दोनों अलगअलग दिशाओं में चले गए और मैं अपनी तैयारियों में जुट गया."

"और क्या था? बियर का गिलास," उस ने जवाब दिया और घंटी बजाई. "खाने के बारे में सोच ही नहीं सका. अपनी व्यस्तता में और आज शाम मैं और भी ज्यादा व्यस्त रहूंगा. वैसे, डाक्टर, मुझे अब भी तुम्हारा सहयोग चाहिए."

"मुझे खुशी होगी."

"तुम कानून तोड़ने से डरते तो नहीं?"

"बिलकुल नहीं."

"न गिरफ्तार होने की संभावना से?"

"अगर वजह अच्छी है, तो नहीं."

"ओह, वजह बहुत अच्छी है."

"फिर मैं तुम्हारा गुलाम हूं"

"मुझे विश्वास था कि मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूं."

"पर तुम क्या चाहते हो?"

"जब मिसेज टर्नर ट्रे ले कर आएगी, तो मैं सारी बात साफ कर दूंगा."

अभी वह भूखा सा उस सादा खाने की ओर बढ़ा जो हमारी मकान मालकिन ने दिया था, "मैं खातेखाते इस पर बातचीत करूंगा, क्योंकि मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है. अभी करीब पांच बज रहे हैं. दो घंटों में हमें उस जगह पर पहुंचना है, जहां सब कुछ घट रहा है. मिस आईरीन या मैडम, अपनी ड्राइव से सात बजे लौटती है. हमें उस वक्त उस से मिलने के लिए ब्राइओनी लॉज पर होना है."

"और फिर?"

"वह सब तुम्हें मुझ पर छोड़ना होगा. मैं ने तैयारियां कर ली हैं कि क्या करना है. बस एक ही बात पर मैं जोर देना चाहूंगा. चाहे कुछ भी हो जाए, तुम्हें दखल नहीं देना है. समझे तुम?"

"मुझे तटस्थ रहना है?"

"कुछ भी नहीं करना है. शायद थोड़ी बहुत कहासुनी हो जाए. तुम उस में शामिल मत होना. इस के अंत में मुझे घर में घुसने दिया जाएगा. चार या

पांच मिनट बाद बैठक की खिड़की खुलेगी. तुम्हें उस खुली खिड़की के पास रहना है.”

“हां.”

“तुम मुझ पर नजर रखोगे क्योंकि तुम मुझे देख पा रहे हो.”

“हां.”

“और जब मैं अपना हाथ उठाऊं, ऐसे– तुम कमरे के अंदर उस चीज को फेंकोगे जो मैं तुम्हें फेंकने के लिए दूंगा– और साथ ही आगआग चिल्लाओगे. समझ गए?”

“पूरी तरह.”

“कुछ ज्यादा मुश्किल नहीं है.” उस ने जेब से एक लंबा, सिगार की आकार का पैकेट निकला. “यह एक साधारण सा स्मोक रॉकेट है, जिस के दोनों सिरों पर ढक्कन है ताकि वह अपनेआप जल सके. तुम्हारा काम यहीं तक सीमित है, जब तुम आग से सावधान होने का शोर मचाओगे, तो काफी लोग तुम्हारी पुकार में शामिल हो जाएंगे. फिर तुम सड़क के छोर तक चले जाना और दस मिनट बाद मैं भी वहीं आ जाऊंगा. क्या मैं ने सारी बातें साफ कर दी हैं?”

“मुझे तटस्थ रहना है, खिड़की के पास जाना है, तुम्हें देखना है और इशारा मिलते ही यह चीज अंदर फेंकनी है, फिर आग का शोर मचाना है और गली के छोर पर तुम्हारा इंतजार करना है.”

“बिलकुल.”

“फिर तुम मुझ पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हो.”

“बहुत बढ़िया. मैं सोचता हूं कि करीबकरीब वक्त हो गया है कि मैं अपनी नई भूमिका के लिए तैयार हो जाऊं.”

वह अपने बेडरूम में गायब हो गया और कुछ मिनटों में खुशमिजाज, सरल पादरी बन कर निकला. उस का चौड़ा वाला हैट, ढीली पैंट, सफेद टाई और सधी हुई मुसकान और इधरउधर यूं ही तांकझांक करने की आदत, ऐसी थी जो सिर्फ मिस्टर जॉन हैर को मात दे सकती थी. होम्स ने अपने कपड़े ही नहीं बदले बल्कि. उस के हावभाव, उस की आत्मा तक उस के नए किरदार में ढल जाती थी. नाट्य जगत ने एक बेहतरीन अभिनेता खोया, विज्ञान ने अपना महान तर्कशास्त्री खोया, जब वह अपराध का विशेषज्ञ बना था.

हम बेकर स्ट्रीट से सवा छह बजे चले थे और एक घंटे में अभी दस मिनट बाकी थे, जब हम सरपेंटाइन एवेन्यू पहुंचे. शाम ढल चुकी थी और लैंप जलने शुरू ही हुए थे और हम ब्राइओनी लॉज में चहलकदमी कर रहे थे, उस की मालकिन के इंतजार में. घर बिलकुल वैसा था जैसा शरलॉक होम्स के वर्णन को सुन कर मैं ने सोचा था, पर उस जगह उतनी गोपनीयता नहीं थी जितनी मैं ने सोची थी. इस के विपरीत एक शांत इलाके की छोटी सी गली के लिए वहां खासी रौनक थी. एक कोने में गंदे कपड़े पहने आदमियों की भीड़ थी, जो हंसते हुए सिगरेट पी रहे थे, कैंची की धार तेज करने वाला, दो चौकीदार जो किसी लड़की को छेड़ रहे थे और कई अच्छे कपड़े पहने युवक, जो मुंह में सिगार दबाए इधरउधर घूम रहे थे.

"देखो," होम्स ने घर के चक्कर काटते हुए कहा, "इस शादी से मामला आसान हो गया है. फोटो अब दोधारी हथियार बन गया है. संभावना यह है कि वह भी नहीं चाहेगी कि गॉडफ्रे नॉर्टन वह फोटो देखे, जिस तरह हमारा मुवक्किल नहीं चाहता कि उस की राजकुमारी के सामने वह फोटो आए, अब सवाल यह है कि हमें फोटोग्राफ कहां मिलेगा?"

"हां, कहां?"

"यह संभावना नहीं है कि वह फोटो अपने साथ ले कर घूमती होगी. वह बड़े साइज का फोटो है. किसी महिला के कपड़ों में छुपाया नहीं जा सकता, इतना बड़ा. वह जानती है कि बादशाह उस की तलाशी करवा सकता है. इस तरह की दो कोशिशें पहले भी की जा चुकी हैं. इसलिए हम यह मान कर चलें कि वह फोटो को अपने साथ लिए नहीं घूमती है."

"फिर कहां?"

"उस के बैंकर या वकील के पास. यह दोहरी संभावना है. पर मैं इन दोनों में से एक भी नहीं समझता. स्त्रियां स्वभाव से ही रहस्यभरी होती हैं और अपने भेद को अपने पास ही रखती हैं. वह क्यों किसी और के सुपुर्द करेंगी? वह उसे अपने मित्र के पास ही रखना चाहेगी, पर वह कह नहीं सकती कि एक व्यापारी को कौन सा अप्रत्यक्ष या राजनैतिक मामला खरीद डाले. उस के अलावा, याद रहे कि उस ने निश्चय किया था कि कुछ दिनों में वह इस का इस्तेमाल करेगी. फोटो वहीं होना चाहिए. जहां इसे आसानी से मिल सके. वह उसी के घर में होना चाहिए."

"पर उस में तो दो बार सेंध लग चुकी है."

"हूं, उन्हें देखना नहीं आया होगा."

“पर तुम कैसे देखोगे?”

“मैं नहीं देखूंगा.”

“फिर?”

“मैं उसे मजबूर करूंगा कि मुझे दिखाए.”

“पर वह मना कर देगी.”

“वह मना नहीं कर पाएगी. पर मुझे पहियों की आवाज सुनाई पड़ रही है. उस की गाड़ी है. अब मेरी बात मानना.”

वह कह रहा था तभी घोड़ागाड़ी के किनारे पर लगी रोशनी चमक उठी और गली के छोर से घोड़ागाड़ी आती नजर आई. वह बहुत खूबसूरत छोटी सी गाड़ी थी, जो ब्राइओनी लॉज के दरवाजे पर खड़खड़ाती हुई रुकी. जब वह रुकी, तो कोने में यूं ही टहल रहे लोगों में एक युवक दौड़ कर दरवाजा खोलने आया कि कुछ इनाम कमा सके, पर उसे दूसरे लफंगे ने खदेड़ दिया जो इसी इरादे से आया था. भयानक लड़ाई हुई और दोनों चौकीदारों ने एक युवक का साथ दे कर इस को बढ़ावा दिया और धार तेज करने वाले ने भी, क्योंकि उस ने दूसरे युवक के पक्ष में बोला.

किसी पर वार हुआ और क्षणभर में वह युवती जो गाड़ी के बाहर आ गई थी, एकदूसरे को मुक्कों और डंडों से मारते हुए युवकों की भीड़ के बीच में घिर गई.

होम्स भीड़ में घुस गया युवती की रक्षा करने के लिए, पर जैसे ही उस तक वह पहुंचा, वह अचानक चीखा और जमीन पर गिर गया और खून उस के चेहरे से बहने लगा. उस के गिरते ही चौकीदार एक ओर भागे और लफंगे दूसरी ओर, जबकि अच्छे कपड़े पहने दूसरे भले लोग जिन्होंने झगड़े में शामिल हुए बगैर झगड़ा देखा था, युवती की मदद करने और जख्मी आदमी की देखभाल करने के लिए इकट्ठा हो गए. आईरीन एडलर जल्दी से सीढ़ियां चढ़ने लगी, पर ऊपर जा कर वह खड़ी हो गई और उस की सुडौल काया हॉल से आती रोशनी में चमक उठी. वह मुड़ कर सड़क की ओर देख रही थी.

“क्या उस बेचारे को ज्यादा चोट आई है?” उस ने पूछा.

“वह मर गया है,” कुछ आवाजें आईं. “नहींनहीं, इस में अभी जान है,” दूसरा चिल्लाया. “पर अस्पताल पहुंचने से पहले ही यह जा चुका होगा.”

“यह बहादुर आदमी है,” एक महिला बोली. उन्होंने मैडम का पर्स छीन लिया होता और घड़ी भी, अगर यह नहीं होता. उन का पूरा गिरोह था और वे बदमाश भी थे. आह, अब यह सांस ले रहा है.”

“यह सड़क पर पड़ा नहीं रह सकता. क्या हम इसे अंदर ला सकते हैं, मैडम?”

“बिलकुल. इस को सिटिंगरूम (बैठक) में ले आओ. वहां पर आरामदायक सोफा है. इस रास्ते से आइए, प्लीज.”

धीरेधीरे और संजीदगी से उसे ब्राइओनी लॉज के अंदर लाया गया और मुख्य कमरे में लिटा दिया गया, जबकि मैं खिड़की के नीचे से सारी गतिविधियां देखता रहा. लैंप जलाए जा चुके थे, पर परदे अभी गिरे नहीं थे, इसलिए सोफे पर लेटे होम्स को मैं देख सकता था. मुझे नहीं पता कि उस वक्त अपने नाटक पर उसे शर्म आ रही थी या नहीं, पर मैं जानता हूं कि मुझे जिंदगी में इस के पहले कभी भी इतनी शर्मिंदगी नहीं हुई थी, जितनी इस सुंदर युवती को देख कर हुई, जिस के खिलाफ मैं साजिश कर रहा था, क्योंकि वह बहुत ही दया और सहानुभूति के साथ जख्मी की देखभाल कर रही थी. अगर मैं इस वक्त अपने काम से पीछे हट गया होता, तो होम्स के साथ गद्दारी करता. मैं ने अपना दिल कड़ा किया और स्मोक रॉकेट निकाला. मैं ने सोचा कि हम उस को कोई चोट तो नहीं पहुंचा रहे हैं. हम तो उस को किसी और को चोट पहुंचाने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं.

होम्स सोफे पर बैठ गया था और मैं ने उसे ऐसा इशारा करते देखा मानो उसे सांस लेने की लिए हवा की जरूरत है. एक नौकरानी ने दौड़ कर खिड़की खोल दी. उसी समय मैं ने उसे अपना हाथ उठाते देखा और इस इशारे पर मैं ने रॉकेट उस कमरे में उछाल दिया और ‘आग, आग’ का शोर मचाने लगा. यह शब्द मेरे मुंह से निकला भर था कि तमाशबीनों की पूरी भीड़–अच्छे या बुरे कपड़ों वाले, संभ्रांत, सईस और नौकरानियां–सभी ‘आग, आग’ की चिल्लाहट में शामिल हो गए. धुएं के घने बादल कमरे में मंडराने लगे और लोग खिड़की से बाहर निकलने लगे.

मैं ने भागते हुए लोगों की झलक देखी और एक क्षण बाद होम्स की आवाज आई कि कोई खतरा नहीं है. चिल्लाती हुई भीड़ में रास्ता निकालते हुए मैं सड़क के कोने पर पहुंच गया और दस मिनट बाद जब मैं ने अपने दोस्त का हाथ अपने हाथ में पाया, तो मैं खुश हुआ कि अब इस शोरशराबे से छुट्टी मिलेगी. वह कुछ मिनटों तक चुपचाप तेजी से चलता रहा, जब

तक हम एजवैर-रोड की ओर जाने वाली शांत सड़कों की ओर मुड़ नहीं गए.

"तुम ने बहुत अच्छी तरह अपना काम किया, डाक्टर," उस ने कहा. "इस से अच्छा और कुछ नहीं हो सकता था."

"तुम्हारे पास फोटोग्राफ है?"

"मैं जानता हूं कि वह कहां है."

"और तुम ने कैसे पता लगाया?"

"उसी ने मुझे दिखाया, जैसा मैं ने बताया था कि वह दिखाएगी."

"मैं अब भी अंधेरे में हूं."

"मैं इस को रहस्य नहीं बनाना चाहता," हंसते हुए वह बोला. "बात आसान थी. यह तो तुम ने देख ही लिया है कि सड़क पर हर शख्स हमारे नाटक में शामिल था. उन सब को शाम के लिए इकट्ठा किया गया था."

"यह मैं ने समझ लिया था."

"फिर जब शोर मचा, उस वक्त मेरी हथेली पर गीला लाल रंग लगा था. मैं आगे बढ़ा, गिरा, चेहरे पर अपना हाथ लगाया और जख्मी दिखता हुआ गिर गया. यह एक पुरानी चाल है."

"यह भी मैं ने समझ लिया था."

"फिर वे मुझे उठा कर अंदर ले गए. वह मुझे अंदर ले ही जाती और क्या कर सकती थी? और अपनी बैठक में, जहां मुझे फोटो होने का शक था. वह उस कमरे और बेडरूम के बीच में था और मैं देखना चाहता था कि वह कहां था. उन्होंने मुझे सोफे पर लिटाया, मैं ने हवा के लिए इशारा किया, उन्हें खिड़की खोलनी पड़ी और तुम्हें मौका मिल गया."

"इस से तुम्हें कैसे मदद मिली?"

"यह बहुत जरूरी था. जब कोई महिला सोचती है कि उस के घर में आग लगी है, तो वह स्वाभाविक तौर पर उस चीज की ओर दौड़ती है जो उसे सब से प्यारी है. यह भावना बहुत तेज होती है और कई बार उस का फायदा उठाया है. डारलिंगटन सबस्टट्यूशन स्कैंडल में मैं ने इस का फायदा उठाया है और आर्नसवर्थ कासल मामले में भी. एक शादीशुदा औरत अपना बच्चा उठाती है, कुंआरी अपने जेवरों का डिब्बा. अब मुझे यह बात साफ थी कि हमारी आज की युवती के पास घर में उस चीज से

ज्यादा प्यारा और कुछ नहीं था, जिस की हमें तलाश थी. वह उसी को बचाने के लिए दौड़ेगी. आग के खतरे का शोर बेहतरीन ढंग से मचाया गया था.

"धुआं और चीख पुकार बड़े से बड़े पत्थर का दिल भी हिला देने के लिए काफी थे. उस की प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया थी. फोटोग्राफ घंटी खींचने की डोर के दाईं ओर बने एक पैनल के सूराख में है. पलभर में वह वहां थी और उस ने उसे आधा निकाल लिया था जब मुझे उस की झलक दिखी, जब मैं ने पुकारा कि यह झूठी चेतावनी है, उस ने उसे वापस रखा, रॉकेट को देखा कमरे से बाहर निकली और तब से मैं ने उसे नहीं देखा है. मैं उठा और बहाने बनाता हुआ घर से खिसक लिया. मैं हिचका कि फौरन फोटो लेने की कोशिश करूं या न करूं, पर गाड़ीवान अंदर आ गया था और मुझे गौर से देख रहा था, इसलिए मैं ने इंतजार करना ठीक समझा. ज्यादा उतावली सारी बात बिगाड़ सकती थी."

"और अब?" मैं ने पूछा.

"हमारी खोज करीबकरीब खत्म हो गई है. मैं कल बादशाह से मिलूंगा और तुम से भी, अगर तुम हमारे साथ आना चाहो. हमें युवती के इंतजार में बैठक में बिठाया जाएगा, पर यह संभव है कि जब वह आएगी, तो न फोटो पाएगी न हमें. बादशाह को तसल्ली मिलेगी कि वह अपने हाथ से फोटो ले सका है."

"और तुम कब आओगे?"

"सुबह आठ बजे. तब वह उठी नहीं होगी, इसलिए हमारे लिए मैदान साफ रहेगा. इस के अलावा, हमें फुरती दिखानी होगी, क्योंकि इस शादी का मतलब हो सकता है कि उस की जिंदगी और आदतों में फर्क आ जाए. मुझे देर किए बगैर बादशाह को तार भेजना होगा."

हम बेकर स्ट्रीट पहुंच कर अपने दरवाजे पर रुक चुके थे. वह चाबियां ढूंढ़ते अपनी जेब तलाश रहा था कि पास से गुजरते किसी की आवाज आई–

"गुडनाइट, मिस्टर शरलॉक होम्स." उसी समय पगडंडी पर कई लोग थे, पर यह अभिवादन घोड़ागाड़ी में बैठे एक पतले युवक से आया था.

"मैं ने पहले कहीं यह आवाज सुनी है," होम्स ने कम रोशनी वाली सड़क पर नजर दौड़ाते हुए कहा. "अब मैं सोच रहा हूं, आखिर वह कौन हो सकता है?"

उस रात मैं बेकर स्ट्रीट पर सोया और सुबह हम अपने टोस्ट और कॉफी में व्यस्त थे जब बोहिमिया का बादशाह कमरे में दाखिल हुआ.

“तुम ने सचमुच वह पा लिया!” दोनों कंधों से शरलॉक होम्स को पकड़ कर वह बोल पड़ा और उत्सुकता से उस का चेहरा देखने लगा.

“अभी नहीं.”

“पर तुम्हें उम्मीद है?”

“मुझे उम्मीद है.”

“तो फिर चलो. मैं चलने को बेचैन हूं.”

“हमें कैब ढूंढ़नी होगी.”

“नहीं, मेरी गाड़ी इंतजार कर रही है.”

“तो इस से मामला आसान हो गया.” हम नीचे उतरे और एक बार फिर ब्राइओनी लॉज की ओर उतरे.

“आईरीन एडलर की शादी हो गई.” होम्स ने बताया.

“शादी? कब?”

“कल.”

“पर किस से?”

“नार्टन नाम के अंगरेज वकील से.”

“पर वह उस से प्यार तो नहीं करती होगी?”

“मुझे आशा है कि वह करती है.”

“क्यों? आशा क्यों है?”

“क्योंकि इस से योर मैजेस्टी आगे भी किसी तरह की परेशानी से बचे रहेंगे. अगर युवती अपने पति से प्यार करती है तो वह योर मैजेस्टी से प्यार नहीं करती, अगर वह योर मैजेस्टी से प्यार नहीं करती तो कोई कारण नहीं कि वह योर मैजेस्टी की योजना में दखल डालेगी.”

“यह सच है, फिर भी! खैर, मैं चाहता था कि वह मेरे साथ रहे! क्या रानी बनती वह!” फिर वह एक चुप्पी में खो गया जो तब तक नहीं टूटी, जब तक हम सरपेंटाइन एवेन्यू पर रुक नहीं गए.

ब्राइओनी लॉज का दरवाजा खुला हुआ था और सीढ़ियों पर एक अधेड़ महिला खड़ी थी. उस ने हमें गाड़ी से उतरते हुए, व्यंग्य से देखा.

"मिस्टर शरलॉक होम्स, मैं समझती हूं?" उस ने पूछा.

"मैं मिस्टर होम्स हूं." मेरे मित्र ने उस की ओर प्रश्न भरी और चौंकी हुई नजर डालते हुए जवाब दिया.

"बिलकुल! मेरी मालकिन ने कहा था कि तुम्हारे आने की संभावना है, वह आज सुबह चैरिंग क्रॉस से सवा पांच बजे की ट्रेन पकड़ कर यूरोप चली गई है, अपने पति के साथ."

"क्या!" आश्चर्य और हताशा से सफेद पड़ता हुआ शरलॉक होम्स लड़खड़ाया. "तुम्हारा मतलब है कि वह इंगलैंड छोड़ गई है?"

"कभी न आने के लिए."

"और कागज?" बादशाह ने रुंधी आवाज में पूछा. "सब खो गया."

"देखते हैं." उस ने नौकरानी को धक्का दिया और ड्राइंग रूम में दौड़ा गया, उस के पीछेपीछे बादशाह और मैं भी गया. फर्नीचर हर दिशा में फैला हुआ था; शेल्फ हटा दिए गए थे, दराजें खुली हुई थीं, मानो युवती ने भागने से पहले जल्दीजल्दी सामान तितरबितर किया हो. होम्स घंटी की डोर तक पहुंचा, एक छोटा सा शटर खोला और उस में हाथ डाल कर एक फोटो और एक पत्र निकाला. फोटो खुद आईरीन एडलर का था, जो एक बढ़िया ईवनिंग ड्रेस में थी और खत शरलॉक होम्स के नाम था, और उसे तब तक नहीं छूना था जब तक होम्स उसे खुद लेने न आए. मेरे मित्र ने उसे फाड़ कर खोला और हम तीनों ने उसे साथसाथ पढ़ा. वह पिछली रात आधी रात को लिखा गया था और इस प्रकार था–

'माई डियर मिस्टर शरलॉक होम्स, तुम ने सचमुच बहुत बढ़िया किया. तुम ने मुझे पूरी तरह झांसे में डाल दिया. आग के शोरगुल के बाद भी मुझे शक नहीं हुआ था. पर फिर, जब मैं ने सोचा कि मैं ने अपना रहस्य किस तरह खोल दिया है, तो मैं सोचने लगी. महीनों पहले ही मुझे तुम से बच के रहने के लिए कहा गया था. मुझ से कहा गया था कि अगर बादशाह किसी की मदद लेगा, तो वह तुम ही होगे और तुम्हारा पता भी मुझे दिया गया था. इस सब के बावजूद तुम ने मुझ से वह जान लिया जो तुम जानना चाहते थे. शक होने के बाद भी, मैं सोच नहीं सकती थी कि इतना दयालु पादरी धूर्त हो सकता है. पर तुम जानते हो, मैं खुद भी प्रशिक्षित अभिनेत्री रही हूं. पुरुषों के

लिबास मेरे लिए नए नहीं हैं. मैं ने भी अकसर इस से मिलने वाली आजादी का फायदा उठाया है. मैं ने कोचवान जॉन को तुम पर नजर रखने के लिए कहा. मैं ऊपर दौड़ी, कपड़े बदले और जब तुम मेरे घर से गए, उसी वक्त मैं नीचे उतर कर आई.

'खैर, मैं ने तुम्हारे दरवाजे तक तुम्हारा पीछा किया और इस तरह यकीन कर लिया कि मैं जानेमाने मिस्टर शरलॉक होम्स की दिलचस्पी का केंद्र हूं. फिर मैं ने बेवकूफी से तुम्हें गुडनाइट कहा और अपने पति को देखने टेंपल चली गई.

हम दोनों ने सोचा कि सब से अच्छा तरीका होगा कि हम भाग निकलें, अगर हमारा विरोधी इतना ज्यादा ताकतवर है. इसलिए कल जब तुम आओगे तो यह घोंसला खाली मिलेगा. जहां तक फोटो की बात है, तुम्हारा मुवक्किल आराम से रह सकता है. मैं उस से ज्यादा बेहतर आदमी द्वारा चाही जाती हूं और मैं भी उसे चाहती हूं. बादशाह जो भी चाहे करे, उस के काम में मैं दखल नहीं दूंगी जिस का उस ने गलत फायदा उठाया है. मैं फोटो सिर्फ अपनी सुरक्षा के लिए रख रही हूं, क्योंकि वह एक ऐसा हथियार है जो मुझे उस के उठाए किसी भी कदम से सुरक्षित रखेगा. मैं एक फोटो छोड़ रही हूं जिसे वह शायद अपने पास रखना चाहे. और मैं हूं, मिस्टर शरलॉक होम्स, तुम्हारी अपनी आईरीन नार्टन एडलर.'

जब हम तीनों वह खत पढ़ चुके, तो "क्या महिला है? ओह, क्या महिला है!" बोहिमिया का बादशाह चिल्ला उठा. "क्या मैं ने बताया नहीं था कि वह कितनी तेज और जिद्दी है? क्या वह तारीफे काबिल रानी नहीं बनती? क्या यह अफसोस की बात नहीं है कि वह मुझे अपने लायक नहीं समझती?"

"कुछ भी हो मैं ने उस महिला के बारे में जो समझा और देखा है, तो वाकई तुम्हारी और उस की जोड़ी बेमेल रहती," होम्स ने रूखेपन से बादशाह से कहा. "मुझे अफसोस है कि मैं बादशाह के काम में कामयाब नहीं हो सका."

"इस से उलटा, माई डियर सर," बादशाह बोला, "इस से ज्यादा कामयाबी और कुछ नहीं हो सकती थी. मैं जानता हूं, जो वह कहती है उस से पीछे नहीं हटती. फोटो उतना ही सुरक्षित है मानो उसे आग में झोंक दिया गया हो."

"मुझे खुशी है कि योर मैजेस्टी यह बात कह रहा है."

“मैं तुम्हारा बड़ा एहसानमंद हूं. मेहरबानी कर के मुझे बताओ कि मैं तुम्हें क्या इनाम दूं. यह अंगूठी.” उस ने अपनी अंगुली से एक सांप के आकार वाली अंगूठी निकाली और खुली हथेली पर रख दी.

“योर मैजेस्टी के पास कुछ ऐसा है जिस की कीमत मेरी नजर में इस अंगूठी से ज्यादा है.” होम्स ने कहा.

“तुम उस का नाम भर लो.”

“यह फोटोग्राफ.”

बादशाह ने अचरज से उस की ओर ताका.

“आईरीन का फोटोग्राफ!” वह बोल पड़ा. “बिलकुल. अगर तुम लेना चाहते हो तो.”

“मैं तुम्हारा शुक्रिया अदा करता हूं. फिर अब इस मामले में और कुछ नहीं करना है. मैं तुम्हें गुडमॉर्निंग कहता हूं.” उस ने झुक कर अभिवादन किया और खुली हुई हथेली पर एक नजर डाले बगैर ही मेरे साथ अपने चेंबर में चला गया.

इस तरह बोहिमिया राज्य पर बदनामी का बादल छाया था और मिस्टर शरलॉक होम्स के सारे मंसूबों को एक होशियार युवती ने पछाड़ दिया. वह अकसर स्त्रियों की होशियारी का मजाक उड़ाता था. पर हाल फिलहाल में मैं ने उसे ऐसा करते नहीं सुना. जब वह आईरीन एडलर की बात करता है या उस के फोटो का जिक्र करता है, वह हमेशा उसे बड़ी इज्जत से ‘वह महिला’ कह कर संबोधित करता है.

लाल बाल संगठन

पिछले साल शरद ऋतु में एक दिन मैं अपने दोस्त मिस्टर शरलॉक होम्स से मिलने गया था और पाया कि वह एक बेहद भारीभरकम, लाल चेहरे, लाल बाल वाले बुजुर्ग सज्जन से बातचीत में मशगूल था. आने के लिए माफी मांगते हुए, मैं जाने ही वाला था कि होम्स ने मुझे कमरे में खींच कर दरवाजा बंद कर लिया.

"तुम इस से बेहतर समय नहीं आ सकते थे वॉटसन," उस ने प्यार से कहा.

"मैं ने सोचा कि तुम व्यस्त हो."

"वह मैं हूं, बहुत ज्यादा."

"फिर मैं दूसरे कमरे में इंतजार करता हूं."

"बिलकुल नहीं. यह सज्जन, मिस्टर विलसन, कई सफल केसों में मेरे पार्टनर और मददगार रहे हैं और मुझे कोई शक नहीं है कि तुम्हारे केस में भी यह मेरी बहुत मदद करेगा."

मोटा सज्जन कुरसी से आधा उठ खड़ा हुआ और झुक कर अभिवादन किया. उस की छोटी आंखों में, जिन के इर्दगिर्द मोटापे की परत थी, एक सवालिया भाव था.

"इस कुरसी पर बैठ जाओ," आरामकुरसी पर पसरते हुए, अपनी अंगुलियों के पोरों को जोड़ते हुए होम्स ने कहा, जैसा वह तब किया करता था जब वह पेशे से जुड़ी बात कर रहा होता था. "मैं जानता हूं, डियर वॉटसन, कि तुम को भी मेरी तरह रोजाना की जिंदगी से परे हट कर घटने वाली घटनाएं अच्छी लगती हैं. तुम ने ऐसी बातों के प्रति अपनी रुचि तब दिखाई थी, जब तुम ने उत्साह से मेरे सारे कारनामों को खूब बढ़ाचढ़ा कर लिखा था."

"तुम्हारे केस मुझे वाकई बड़े दिलचस्प लगते हैं." मैं ने कहा.

"तुम्हें याद होगा कि मैं ने एक बार कहा था, मिस मेरी सदरलैंड की छोटी सी समस्या हल करने के पहले, कि अजीबोगरीब घटनाओं के लिए हमें जिंदगी में ही झांकना चाहिए, जो कल्पना की किसी भी उड़ान से ज्यादा रोमांचकारी होता है."

"इस विचार पर मैं ने फौरन संदेह प्रकट किया था."

"तुम ने किया था, डाक्टर, पर फिर भी तुम कभी न कभी मेरा नजरिया समझ जाओगे, नहीं तो मैं तुम्हारे ऊपर एक के बाद एक हकीकतें थोपता जाऊंगा, जब तक तुम्हें असलियत न दिखाई देने लगे और मैं सही साबित हो न जाऊं. अब आज सुबह मिस्टर जाबेज विलसन ने यहां आने की मेहरबानी की है और एक ऐसा किस्सा सुनाया है जैसा मैं ने बहुत दिनों से नहीं सुना. तुम ने मुझे यह कहते सुना है कि सब से अजीबोगरीब बातों का रिश्ता बड़े अपराधों से नहीं, बल्कि छोटे अपराधों से होता है.

जहां तक मैं ने सुना है, मेरे लिए यह कहना नामुमकिन है कि मौजूदा केस अपराध की श्रेणी में आता है या नहीं, पर इस की घटनाओं का सिलसिला बड़ा अजीब है, जैसा मैं ने पहले कभी नहीं सुना.

"मिस्टर विलसन, शायद तुम मेहरबानी कर के अपनी दास्तान शुरू करोगे, मैं सिर्फ इसलिए यह फरमाइश नहीं कर रहा कि मेरे दोस्त डा. वॉटसन ने शुरू की कहानी नहीं सुनी है. पर इस कहानी की विचित्रता की वजह से मैं चाहता हूं कि तुम्हारे होंठों से एकएक बात ध्यान से सुनूं. आमतौर पर किसी भी कहानी की घटनाओं का जरा सा इशारा पाते ही मैं उन हजारों मामलों पर विचार करने लगता हूं जो इस से मिलतेजुलते होते हैं. मौजूदा मामले में मुझे मानना पड़ रहा है कि सारी घटनाएं बेजोड़ हैं."

भारीभरकम मुवक्किल ने थोड़े घमंड से सीना ताना और अपने कोट की अंदर वाली जेब से एक गंदा और मुड़ातुड़ा अखबार निकाला. जब वह अपने घुटने पर अखबार फैला कर विज्ञापनों की जगह नजर दौड़ा रहा था, तब मैं ने उस आदमी को अच्छी तरह देखा और अपने दोस्त की तरह कोशिश करने लगा कि उस के कपड़ों या हावभाव से कुछ सुराग इकट्ठे कर लूं.

अपनी कोशिश में मुझे ज्यादा कुछ कामयाबी नहीं मिली. हमारा मेहमान एक आम अंगरेज व्यापारी लग रहा था मोटा, घंमडी और ढीलमढाल. उस ने बहुत ढीली सलेटी रंग के चेक वाली पैंट पहन रखी थी. एक काला फ्रॉक कोट जो ज्यादा साफ नहीं था और आगे से बटन नहीं लगाए गए थे और एक मटमैला वेस्टकोट, जिस पर भारी पीतल की एलबर्ट चेन लटकी थी और जिस का चौकोर धातु जेवर की तरह लटका हुआ था. उस के पास पड़ी एक कुरसी पर एक टॉप हैट और बदरंग कत्थई ओवरकोट पड़ा था जिस की मखमली कॉलर मुड़ी हुई थी. पूरी तरह से देखने के बावजूद, इस आदमी में कुछ भी अलग नहीं था, चमकते हुए लाल सिर और चेहरे पर घोर निराशा और बेसब्री के भावों के अलावा.

“शरलॉक होम्स की तेज नजर ने मेरी नजर भांप ली और मेरी सवालिया नजर की ओर देख कर उस ने मुसकराते हुए सिर हिलाया. “सिवा इस के कि कभी न कभी इस ने शारीरिक मेहनत की है, यह सुंघनी लेता है, यह संगतराश है, यह चीन में रह चुका है और हाल में यह बहुत ज्यादा लिखता रहा है, मैं और कुछ नहीं समझ पाया हूं.”

मिस्टर जाबेज विलसन कुरसी पर बैठाबैठा चौंक गया, उस की अंगुली अखबार पर टिकी रही पर, उस की नजर मेरे दोस्त पर टिक गई.

“यह सब तुम्हें कैसे पता चला, मिस्टर होम्स?” उस ने पूछा. जैसे, तुम्हें यह कैसे पता चला कि मैं ने शारीरिक मेहनत की है. यह बिलकुल सच है, क्योंकि मैं ने अपने कैरियर की शुरुआत एक पानी के जहाज में बढ़ई के तौर पर की थी.”

“तुम्हारे हाथ, माई डियर सर. तुम्हारा दायां हाथ तुम्हारे बाएं हाथ से खासा बड़ा है. तुम ने उस से काम किया है और इस की मांसपेशियां भी ज्यादा पुष्ट हैं.”

“और सुंघनी और संगतराशी?”

“मैं यह बता कर तुम्हारी बुद्धि का मजाक नहीं बनाऊंगा, क्योंकि अपने पेशे से जरा अलग होते हुए तुम आर्क और वंफपास ब्रेस्टपिन काम में लाते हो.”

“‘हां, वह मैं भूल गया था पर लिखने वाली बात?”

“तुम्हारी दाईं कलाई पांच इंच तक बिलकुल चमकीली और दाईं आस्तीन कोहनी पर घिसी हुई, जिसे तुम डेस्क पर टिकाते हो.”

“अच्छा, पर चीन?”

“जो मछली तुम ने दाईं कलाई के ठीक ऊपर गुदवा रखी है, सिर्फ चीन में हो सकती थी. मैं ने टैटू के निशानों पर थोड़ा बहुत अध्ययन किया है और इस विषय पर मेरे लेख भी छपे हैं. मछलियों के स्कल को हलके गुलाबी रंग में रंगने का काम सिर्फ चीन में होता है. उस के अलावा, जब तुम्हारी घड़ी से चीनी सिक्का लटका देखता हूं, तो मामला और भी आसान हो जाता है.”

मिस्टर जाबेज विलसन खूब हंसा, उस ने कहा. “पहले मैं सोच रहा था कि तुम ने बड़ी होशियारी का काम किया है, पर अब समझ में आया है कि इस में कुछ खास था ही नहीं.”

"मैं सोचने लगा हूं, वॉटसन," होम्स ने कहा, "समझा कर मैं गलती करता हूं. तुम्हें मालूम है कि मेरी थोड़ी सी इज्जत जो कुछ भी है, दांव पर लग जाएगी अगर मैं इतना सरल बनता हूं तो. क्या तुम विज्ञापन नहीं ढूंढ़ पाए, मिस्टर विलसन."

"हां, अब मुझे मिल गया है." अपनी मोटी, लाल अंगुली को विज्ञापन पर घुमाते हुए उस ने कहा. "यह रहा. सारी शुरुआत यहीं से हुई थी. सर, आप खुद पढ़ें इसे."

मैं ने उस से अखबार ले लिया और यह पढ़ा–

'लाल बाल संगठन के लिए–लेबनान, पेन. यू. एस. ए. के स्वर्गीय एजीकिया हॉपकिंस के वसीयतनामे की वजह से एक जगह खाली हुई है, जिस से संगठन के सदस्य को हफ्ते के चार पाउंड मिलेंगे और काम भी नामभर का है. सभी लाल बाल वाले जो शरीर और दिमाग से तंदुरुस्त हैं और जिन की उमर इक्कीस साल से ज्यादा है, इस के हकदार हैं. सोमवार को ग्यारह बजे, फ्लीट स्ट्रीट, 7 पोप्स कोर्ट में संगठन के दफ्तर में डंकन रॉस से मिल कर खुद आवेदन करें.'

"इस का क्या मतलब है?" यह अद्भुत ऐलान, दो बार पढ़ने के बाद मैं चिल्ला पड़ा.

होम्स धीरे से हंसा और अपनी कुरसी में इधरउधर खिसका, जैसा कि जोश में होने पर वह हमेशा किया करता था. "यह थोड़ा लीक से परे हट कर है न?" वह बोला. अब, मिस्टर विलसन, शुरू से सारी कहानी सुनाओ और हमें अपने बारे में, अपनी गृहस्थी के बारे में और इस विज्ञापन का तुम्हारी किस्मत पर क्या असर पड़ा, सब बातें बताओ. डाक्टर, सब से पहले अखबार और तारीख नोट कर लो."

"यह 27 अप्रैल 1890 का 'मॉर्निंग क्रोनिकल' है. सिर्फ दो महीने पहले का."

"बहुत अच्छा, अब मिस्टर विलसन?"

"यह सब बातें वही हैं जो मैं तुम को बता रहा हूं, मिस्टर शरलॉक होम्स," जाबेज विलसन ने माथा पोंछते हुए कहा, "शहर के पास कोबर्ग स्क्वायर में मेरा छोटा सा गिरवी का धंधा है यह बहुत बड़ा नहीं है और पिछले सालों में इस से मेरी खानापूरी भर हो पाती है. मैं दो सहायक रखा करता था, पर अब मैं सिर्फ एक ही रखता हूं और उस की तनख्वाह देना

मेरे लिए कठिन था. पर वह आधी तनख्वाह पर ही काम करने को तैयार था क्योंकि वह काम सीखना चाहता था."

"इस युवक का क्या नाम है?" शरलॉक होम्स ने पूछा.

"उस का नाम विंसेंट स्पॉलडिंग है और वह कोई युवक भी नहीं है. उस की उमर का अंदाज लगाना मुश्किल है. मैं इस से ज्यादा होशियार सहायक नहीं चाहता, मिस्टर होम्स. मैं अच्छी तरह जानता हूं कि वह जल्दी ही अपने को सुधार लेगा और जितना मैं देता हूं, उस से दुगना कमा लेगा. पर अगर वह संतुष्ट है तो मैं क्यों उस के दिमाग में यह बात डालूं?"

"वाकई, क्यों? तुम किस्मत वाले हो कि इतने कम दामों पर तुम्हें सहायक मिल गया. इस जमाने में बहुत से लोग इतने किस्मत वाले होते हैं. मुझे नहीं मालूम कि तुम्हारा सहायक भी इस विज्ञापन की तरह अनूठा है या नहीं."

"खैर, उस में भी कुछ कमियां हैं," मिस्टर विलसन ने कहा. "फोटो खींचने का इतना शौक है कि किसी और को नहीं हो सकता. अपने कैमरे से बस फोटो खींचता रहता है, उस समय भी जब उसे अपनी अक्ल बढ़ानी चाहिए और फिर खरगोश की तरह अपने बिल में दुबक जाता है, फोटो डेवलप करने के लिए. यही इस की मुख्य कमी है, पर वैसे इस का काम अच्छा है. इस में कोई ऐब नहीं है."

"वह अब भी तुम्हारे साथ है, शायद?"

"हां, सर. वह और एक चौदह साल की लड़की जो थोड़ाबहुत खाना बनाती है और जगह साफ रखती है– मेरे पास घर में यही है, क्योंकि मैं विधुर हूं और कभी भी मेरा परिवार नहीं रहा. हम तीनों बहुत चुपचाप रहते हैं सर, हम अपने उधार चुका कर अपनी गृहस्थी समेटे हुए हैं– इस से ज्यादा नहीं."

"जिस बात ने हमें परेशान किया, वह यही विज्ञापन था. आठ हफ्तों पहले इसी दिन स्पॉलडिंग हाथ में यही अखबार लिए हुए ऑफिस आया और बोला, "मिस्टर विलसन, काश! मैं लाल बालों वाला होता."

"ऐसा क्यों?" मैं ने पूछा.

"क्यों," उस ने कहा, "यहां पर लाल बाल संगठन में एक और जगह खाली हुई है. जिस किसी को यह जगह मिलती है, उस की किस्मत खुल जाती है और मुझे पता चला है कि खाली जगह आदमियों से ज्यादा है, इसलिए वहां के ट्रस्टियों को समझ में नहीं आ रहा कि इस पैसे का क्या

करें. अगर मेरे बाल रंग बदल लेते, तो मेरे लिए इस से अच्छी जगह दूसरी नहीं हो सकती थी."

"क्यों आखिर यह है क्या?" मैं ने पूछा. "देखो मिस्टर होम्स, मैं घर में ही रहने वाला आदमी हूं और क्योंकि मेरा व्यापार मेरे पास था, मुझे वहां तक नहीं जाना पड़ा, इसलिए कई हफ्ते बीत जाते थे जब मैं घर की देहरी पार करता था. इसलिए मुझे पता नहीं रहता कि बाहर की दुनिया में क्या चल रहा है और कोई खबर मिलती तो मुझे अच्छा लगता था."

"क्या तुम ने कभी भी लाल बाल संगठन के बारे में नहीं सुना?" उस ने आंखें फाड़ कर पूछा.

"कभी नहीं."

"अरे, मुझे ताज्जुब हो रहा है, क्योंकि तुम खुद ही इस जगह के लायक हो."

"और इस से फायदा?" मैं ने पूछा.

"ओह, वैसे तो हर साल दो सौ पाउंड मिलेंगे पर काम हलका है और इस से किसी के मौजूदा काम में खलल नहीं पड़ता. अब तुम लोग आसानी से सोच रहे होगे कि इस से मेरे कान खड़े हो गए क्योंकि कुछ सालों से मेरा धंधा मंदा ही चल रहा था और अतिरिक्त दो सौ मुझे बड़े काम के होते."

"इस के बारे में सब कुछ बताओ," मैं ने कहा.

"देखो," विज्ञापन दिखाते हुए वह बोला. "यह खुद ही देख सकते हो कि संगठन में एक जगह खाली है और यह रहा पता. जहां तुम आवेदन कर सकते हो. जहां तक मैं समझ रहा हूं यह संगठन अमरीकी लखपति एजीकियाह हॉपकिंस ने बनाया था, जो विचित्र आदतों वाला था. वह खुद लाल बाल वाला था और उसे सभी लाल बाल वालों से सहानुभूति थी. इसलिए जब वह मरा, तो पता चला कि उस ने अपनी सारी दौलत ट्रस्टी को दे रखी थी. इस हिदायत के साथ कि इस दौलत के आने वाले ब्याज से उन लोगों को खुशी मिले जिन के बाल लाल हैं. मैं ने सुना है कि तनख्वाह अच्छी है और करने के लिए कुछ खास नहीं है."

"पर," मैं ने कहा. "आवेदन करने वाले लाखों लाल बाल वाले होंगे."

"उतने भी नहीं हैं जितने तुम सोच रहे हो." उस ने जवाब दिया. "देखो न, यह सिर्फ लंदनवासियों के लिए सीमित है और वह भी अधिक उमर वालों के लिए. इस अमरीकन ने जवानी में लंदन में काम शुरू किया था

और वह बदले में इस शहर के लिए कुछ करना चाहता था. फिर इस के अलावा मैं ने यह भी सुना है कि अगर किसी के बाल हलके लाल हैं या गहरे लाल हैं तो उस का कोई फायदा नहीं, जब तक बाल चटकीले चमकीले लाल न हों. अब अगर तुम अर्जी भेजना चाहो, मिस्टर विलसन, तुम्हारा काम झटपट हो जाएगा, पर शायद तुम अपने रास्ते से हट कर महज कुछ सौ पाउंड के लिए ऐसा न करना चाहो."

"अब यह हकीकत है, जैसा तुम लोग देख रहे हो कि मेरे बाल चटक लाल हैं, इसलिए मुझे लगा कि मेरे चुने जाने की गुंजाइश किसी भी और से ज्यादा है. विंसेंट स्पॉलडिंग को इस के बारे इतना ज्यादा मालूम था कि मुझे लगा कि वह मददगार साबित होगा इसलिए मैं ने उस दिन दुकान बंद करने का हुक्म दिया और उस से कहा कि मेरे साथ चले. उसे छुट्टी से कोई एतराज नहीं था, इसलिए हम ने दुकान बंद की और विज्ञापन में दिए पते की ओर निकल गए.

"मैं नहीं चाहता कि मैं वैसा नजारा फिर कभी देखूं, मिस्टर होम्स. पूरब पश्चिम उत्तर और दक्षिण से लाल बालों वाला हर आदमी विज्ञापन का जवाब देने शहर चला आया था. फ्लीट स्ट्रीट लाल बाल वालों से भरी पड़ी थी और पोप्स कोर्ट एक लाल मैदान सा लग रहा था. मैं सोच भी नहीं सकता था कि पूरे मुल्क में लाल बालों वाले इतने लोग होंगे, जितने उस विज्ञापन की वजह से आज ये इकट्ठा थे. वहां लाल का हर रंग था–भूरा, पीला, नारंगी, ईंट के रंग आदि. पर जैसा स्पॉलडिंग ने कहा था, मेरा जैसा आग के रंग का चटक लाल बहुत कम लोगों के पास था.

"जब मैं ने देखा कि कितने लोग इंतजार कर रहे हैं, मैं हताश हो कर हार मान बैठता, पर स्पॉलडिंग ने मेरी एक नहीं सुनी. उस ने कैसे किया, मैं नहीं जानता पर वह धक्के देता, मुझे खींचता, इधरउधर से घुसता हुआ भीड़ पार कराता ले आया, उस ऑफिस की सीढ़ियों तक. सीढ़ियों पर दोहरा रेला था, कोई उम्मीद बांधे ऊपर जा रहा था. कोई निराश हो कर नीचे आ रहा था. पर हम भी डटे रहे और जल्दी ही हम ने अपने को ऑफिस में पाया."

"तुम्हारा अनुभव काफी मनोरंजक रहा है." होम्स ने कहा जब उस का मुवक्किल सुंघनी लेने को रुका. "अपनी दिलचस्प कहानी आगे सुनाओ."

"ऑफिस में ज्यादा कुछ नहीं था, बस लकड़ी की दो कुरसियां और ताश के लिए एक मेज, जिस के पीछे एक छोटा सा आदमी बैठा था, जिस के बाल मुझ से ज्यादा लाल थे. उस ने हर प्रत्याशी से कुछकुछ कहा और

फिर वह हरेक में कोई न कोई कमी निकाल देता जिस से वह प्रतियोगिता से बाहर हो जाता. वहां नौकरी पाना इतना भी आसान नजर नहीं आ रहा था. फिर भी जब हमारी बारी आई, वह छोटा आदमी मुझ में दिलचस्पी दिखाने लगा और हम जब अंदर गए तो उस ने दरवाजा बंद कर लिया जिस से वह हम से कुछ प्राइवेट बातें कर सके.

“यह हैं मिस्टर जाबेज विलसन,” मेरे सहायक ने कहा, “और यह संगठन की खाली जगह भरने को तैयार हैं.”

“और यह इस के लिए पूरी तरह लायक भी हैं.” दूसरे ने जवाब दिया, “इस में सारी योग्यताएं हैं, मुझे नहीं याद पड़ता कि मैं ने कभी इतना बढ़िया लाल रंग देखा हो.” उस ने एक कदम पीछे लिया, अपना सिर एक ओर झुकाया और मेरे बालों को ऐसे देखने लगा कि मुझे शर्म आने लगी. फिर अचानक वह आगे आया, मेरा हाथ झकझोरा और मुझे मेरी सफलता पर गरमजोशी से बधाई देने लगा.

“अब हिचकने का मतलब होगा नाइंसाफी,” वह बोला. “फिर भी, तुम मुझे यकीन है, मुझे यह सावधानी बरतने के लिए माफ कर दोगे,” इस के साथ उस ने दोनों हाथों से मेरे बाल जोरजोर से खींचे, जब तक मैं दर्द से चिल्ला नहीं पड़ा. “तुम्हारी आंखों में पानी है,” उस ने मेरे बाल छोड़ते हुए कहा. “मैं देख रहा हूं कि सब कुछ वैसा है जैसा होना चाहिए. पर हमें चौकन्ना रहना होता है क्योंकि हम दो बार विगों से धोखा खा चुके हैं और एक बार पेंट (रंग) से.

“मैं तुम्हें मोची के मोम की इतनी कहानियां सुना सकता हूं कि तुम्हें आदमी के स्वभाव से नफरत हो जाएगी.” वह खिड़की तक गया और खिड़की से पूरे जोर से चिल्लाया कि खाली जगह भर गई है. नीचे से निराशा की लहर गूंज उठी और सब लोग अलगअलग रास्तों से वापस जाने लगे और फिर वहां पर मेरे और मैनेजर के सिवा कोई भी लाल बालों वाला नहीं था.

“मेरा नाम,” वह बोला, “मिस्टर डंकन रॉस है और मैं खुद भी इस पंफड से पेंशन पाता हूं. क्या तुम शादीशुदा हो, मिस्टर विलसन? क्या तुम्हारे बच्चे हैं?”

“मैं ने ‘नहीं’ में जवाब दिया.”

उस के चेहरे पर फौरन निराशा छा गई. “ओह” उस ने गंभीरता से कहा. “यह तो बड़ी गंभीर बात है! मुझे यह सुन कर दुख हुआ है. यह

पंफड लाल बाल वालों के प्रचार और उस की देखभाल के लिए है. यह खेद की बात है कि तुम अभी कुंआरे हो.”

“इस से मेरा चेहरा लटक गया, मिस्टर होम्स, क्योंकि मैं ने सोचा कि शायद अब मुझे यह जगह नहीं मिलेगी, पर कुछ मिनट सोचने के बाद उस ने कहा कि कोई बात नहीं.”

“किसी और की बात होती,” वह बोला, “तो यह बात उस का बेड़ा गर्क कर देती पर तुम्हारे जैसे बालों वाले आदमी के लिए हमें अपने नियम बदलने होंगे. तुम कब से अपना नया काम संभाल पाओगे?”

“यह थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि मेरा पहले से ही बिजनेस है.” “ओह, उस की फिक्र मत करो, मिस्टर विलसन. विंसेंट स्पॉलडिंग ने कहा, “तुम्हारे लिए मैं उस को संभाल दूंगा.”

“काम के लिए किस समय आना होगा?” मैं ने पूछा.

“दस से दो.”

“अब मेरा धंधा ज्यादातर शाम को तेजी पकड़ता है, मिस्टर होम्स. खास कर गुरुवार और शुक्रवार की शाम को, जो तनख्वाह बंटने के बिलकुल पहले के दिन होते हैं. इसलिए सुबह के वक्त मैं कुछ कमा सकूं तो अच्छा है. उस के अलावा, मैं कुछ जानता था कि मेरा सहायक अच्छा आदमी है और वह सारा धंधा संभाल लेगा.”

“यह मेरे लिए बिलकुल ठीक रहेगा,” मैं ने कहा. “और तनख्वाह?”

“चार पाउंड हर हफ्ते है.”

“और काम?”

“नाम का है.”

“नाम भर का है से तुम्हारा क्या मतलब है?”

“इस का मतलब, तुम्हें ऑफिस में ही या कम से कम इस बिल्डिंग में ही सारे समय रहना होगा. अगर तुम बिल्डिंग के बाहर जाते हो तो तुम हमेशा के लिए अपनी नौकरी खो दोगे. वसीयत में यह बात बड़े साफ शब्दों में लिखी हुई है. अगर तुम अपने ऑफिस से हिले भी तो तुम शर्त तोड़ते हो.”

“सिर्फ चार घंटे हर रोज की बात है और मैं यहां से जाने की सोचूंगा भी नहीं.” मैं ने कहा.

“कोई भी बहाना नहीं चलेगा,” मिस्टर डंकन रॉस ने कहा, “न बीमारी, न बिजनेस, न कुछ और या तो वहीं रहो या अपनी नौकरी छोड़ बैठो.”

“और काम क्या है?”

“एंसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका की नकल उतारनी है. उस का पहला संस्करण प्रेस में है. तुम को अपनी स्याही, कलम और सोखने का कागज लाना होगा और हम तुम को मेज और कुरसी दे देंगे. क्या तुम कल आने के लिए तैयार हो?”

“बिलकुल,” मैं ने जवाब दिया.

“फिर गुडबाय, मिस्टर जाबेज विलसन और एक बार फिर से इस महत्वपूर्ण ओहदे के लिए बधाई, जो तुम को मिला है.” वह झुक कर अभिवादन करता हुआ बाहर निकला और मैं अपने सहायक के साथ घर चला गया और मुझे कुछ भी नहीं समझ में आ रहा कि क्या कहूं या क्या करूं. मुझे अपनी अच्छी किस्मत पर इतनी खुशी हो रही थी.

“खैर, मैं ने इस मसले पर दिन भर सोचा और शाम तक फिर से दिल भारी हो गया क्योंकि मैं ने अपने दिल में सोचा कि यह पूरा मसला कोई बहुत बड़ी धोखाधड़ी का है, हालांकि इस का क्या मकसद है, मैं समझ नहीं पा रहा था. यह समझ के बिलकुल परे था कि कोई भी ऐसी वसीयत बना सकता है या कोई भी ‘एंसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका’ की नकल लिखने जैसे आसान काम के लिए इतनी पगार दे सकता है. विंसेंट स्पॉलडिंग ने मुझे खुश करने के लिए बड़ी कोशिश की, पर रात होतेहोते मैं ने अपने को समझा लिया था कि इस चक्कर में न पड़ूं. पर फिर भी, सुबह मैं ने फैसला किया कि चल कर देखा जाए क्या माजरा है, इसलिए मैं ने एक स्याही की बोतल खरीदी और पंख वाले कलम और कागज के सात पन्ने ले कर पोप्स कोर्ट की ओर चल पड़ा.

मुझे देख कर हैरत और खुशी हुई कि वहां पर सब कुछ ठीक था. मेरे लिए मेज लगा दी गई थी और मिस्टर डंकन रॉस वहां पर यह देखने के लिए हाजिर था कि मैं ठीक से काम पर जुट जाऊं. उस ने मुझे ‘ए’ अक्षर से शुरू करवाया और फिर चला गया, पर थोड़ीथोड़ी देर बाद वह आ कर देख जाता कि सब कुछ ठीकठाक चल रहा है या नहीं. दो बजे उस ने मुझे गुडबाय कहा, मेरी तारीफ की कि मैं ने इतना सारा लिख डाला था और फिर मेरे पीछे से ऑफिस का दरवाजा बंद कर दिया.

यह सिलसिला दिन पर दिन चला मिस्टर होम्स, शनिवार को मैनेजर आया और हफ्ते भर के काम के लिए मुझे चार सोने के सिक्के दिए. ऐसा

ही अगले हफ्ते हुआ और फिर अगले हफ्ते भी. हर सुबह दस बजे मैं वहां होता और दोपहर दो बजे वहां से चला जाता. धीरेधीरे मिस्टर डंकन रॉस वहां दिन में सिर्फ एक बार आने लगा और फिर कुछ समय बाद उस ने आना बिलकुल ही बंद कर दिया. फिर भी, मैं एक पल के लिए भी कमरे से बाहर नहीं जाता था, क्योंकि मुझे पता नहीं होता था कि वह कब आ जाएगा और कमरा इतना बढ़िया था और मुझे इतना मजा आता था कि मैं उसे खोना नहीं चाहता था.

"आठ हफ्ते ऐसे ही बीत गए और मैं ने एबट, आर्चरी, आर्मर और आर्किटेक्चर के बारे में लिख लिया था और सोच रहा था कि थोड़ी सी मेहनत और लगन से मैं जल्दी ही 'बी' अक्षर पर उतर आऊंगा. मुझे कागज काफी मंहगा पड़ रहा था और अपने लेखन से मैं ने एक पूरा शेल्फ लगभग भर दिया था और फिर अचानक यह सब खत्म हो गया."

"खत्म हो गया?"

"हां सर. और आज सुबह ही. मैं दस बजे हमेशा की तरह काम पर गया और दरवाजा बंद था और ताला लगा था और कील से एक गत्ता दरवाजे पर टंगा था. यह रहा और तुम खुद पढ़ लो."

उस ने सफेद गत्ते का एक टुकड़ा उठाया जो कापी के पन्ने के बराबर था. वह इस प्रकार था-'लाल बाल संगठन भंग कर दिया गया है. अक्टूबर नौ, 1890 .'

शरलॉक होम्स और मैं ने यह घोषणा पढ़ी और उस के पीछे छिपा घबराया हुआ चेहरा, फिर इस पूरे मसले का हंसीदार पहलू बाकी सब बातों पर हावी हो गया और हम दोनों ठहाका लगा कर हंस पड़े.

"मुझे इस में हंसने की बात कोई नहीं दिखाई दे रही है," अपने लाल बालों की जड़ों तक लाल होता हमारा मुवक्किल बोला. "अगर तुम हंसने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते, तो मैं कहीं और जा सकता हूं."

"नहीं नहीं," होम्स ने उसे वापस कुरसी पर बैठाते हुए कहा, जिस पर से वह आधा उठ चुका था. "तुम्हारा केस मैं हाथ से नहीं जाने देना चाहता. यह बहुत ही असाधारण है. पर इस में, मैं माफी चाहता हूं, थोड़ा सा मजाक तो है ही. अच्छा, तुम ने दरवाजे पर यह कार्ड मिलने पर क्या कदम उठाए?"

"मुझे झटका लगा था, सर. मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं. फिर मैं ने आसपास के दफ्तरों में पता किया कि किसी को इस के

बारे में कुछ नहीं मालूम था. आखिर में मैं मकान मालिक के पास गया जो नीचे रहता था और अकाउंटेंट था और मैं ने उस से पूछा कि क्या वह बता सकता है कि लाल बाल संगठन का क्या हुआ. उस ने कहा कि उस ने ऐसी किसी संस्था के बारे में नहीं सुना था. फिर मैं ने उस से पूछा कि मिस्टर डंकन रॉस कौन है, उस ने कहा कि उस के लिए यह नाम नया है.

“अच्छा,” मैं ने कहा, “नंबर चार वाले सज्जन?” “कौन लाल बालों वाला?”

“हां.”

“ओह,” वह बोला, “उस का नाम विलियम मॉरिस था. वह पेशे से कानूनी सलाहकार था और कुछ वक्त के लिए मेरे कमरे का इस्तेमाल कर रहा था, जब तक उस की जगह तैयार न हो जाए. वह कल चला गया.”

“मुझे वह कहां मिलेगा?”

“अपने नए ऑफिस में उस ने मुझे पता बताया तो था. अरे हां, 17 किंग एडवर्ड स्ट्रीट, सेंट पॉल के पास.”

“मैं चल पड़ा, मिस्टर होम्स, पर जब मैं उस पते पर पहुंचा तो वहां नकली घुटने बनाने का कारखाना था और वहां पर किसी ने भी न मिस्टर विलियम मॉरिस, न मिस्टर डंकन रॉस ही का नाम सुना था.”

“और फिर तुम ने क्या किया?” होम्स ने पूछा.

“मैं सक्से कोबर्ग स्क्वायर वाले अपने घर गया और अपने सहायक से राय ली. पर वह किसी तरह मेरी मदद नहीं कर सका. वह सिर्फ इतना कह सका कि अगर मैं थोड़ा इंतजार करूं तो शायद डाक से मुझे कोई खबर मिले. पर उस से कोई फायदा नहीं हुआ. मिस्टर होम्स. मैं इतनी बढ़िया नौकरी बगैर लड़े हाथ से नहीं जाने देना चाहता था, इसलिए क्योंकि मैं ने सुना था कि तुम गरीबों को भी राय देते हो, मैं सीधे तुम्हारे पास चला आया.”

“और तुम ने बड़ी अक्लमंदी की,” होम्स ने कहा. “तुम्हारा केस बड़ा अनोखा है और मुझे इस में खोजबीन करने में खुशी होगी. जो कुछ तुम ने मुझे बताया है, मुझे लगता है कि इस में काफी गंभीर मसले भी अटके हुए हैं, जो पहले नजर नहीं आए थे.”

“काफी गंभीर!” मिस्टर जाबेज विलसन ने कहा. “क्यों? मैं हफ्ते में चार पाउंड खो चुका हूं.”

“जहां तक तुम्हारा निजी मसला है,” होम्स ने कहा, “मुझे नहीं लगता कि इस अजूबी संस्था से तुम्हारा कोई नुकसान हुआ है. बल्कि, मैं समझता हूं कि तुम को करीब तीस पाउंड का फायदा ही हुआ है और ऊपर से ‘ए’ अक्षर के हर विषय पर जानकारी भी हासिल की है. तुम ने उन के कारण कुछ भी नहीं खोया है.”

“नहीं सर. पर मैं उन के बारे में जानना चाहता हूं. वे लोग कौन हैं और मेरे साथ यह नाटक खेलने के पीछे उन का क्या मकसद था. अगर यह नाटक ही था तो उस के लिए यह मजाक काफी महंगा था, क्योंकि उन को इस से बत्तीस पाउंड का नुकसान हुआ है.”

“हम ये सारी बातें तुम्हारे लिए साफ करने की कोशिश करेंगे. पहले, एक या दो सवाल मिस्टर विलसन. यह जो तुम्हारा सहायक है जिस ने सब से पहले इस विज्ञापन की ओर तुम्हारा ध्यान खींचा था, वह कितने वक्त तुम्हारे साथ रहा?”

“करीब महीना भर.”

“वह कैसे आया था?”

“एक विज्ञापन के जवाब में.”

“क्या एक वही आवेदक था?”

“नहीं, मेरे पास दरजनभर अर्जियां थीं.”

“तुम ने उसी को क्यों चुना?”

“क्योंकि वह आसानी से मिल रहा था और तनख्वाह भी कम मांग रहा था.”

“बल्कि आधी तनख्वाह ही.”

“हां.”

“कैसा है यह विंसेंट स्पॉलडिंग?”

“छोटा, गठा हुआ शरीर, बड़ा फुरतीला, चेहरे पर कोई बाल नहीं, हालांकि वह तीस के आसपास है. उस के माथे पर तेजाब का सफेद निशान है.”

होम्स काफी उत्तेजित सा अपनी कुरसी पर चौकस हो कर बैठ गया. “मैं ने भी यही सोचा था,” वह बोला. “क्या तुम ने कभी गौर किया है कि उस के कान छिदे हुए हैं?”

“हां सर. उस ने मुझे बताया कि जब वह छोटा था, तो एक जिप्सी ने उस के कान छेदे थे.”

“हम्म!” होम्स ने गहरी सोच में डूबते हुए कहा. “क्या वह अब भी तुम्हारे साथ है?”

“ओह. हां सर, मैं उसे अभीअभी छोड़ कर आया हूं.”

“और तुम्हारी गैरहाजिरी में तुम्हारा काम ठीक से देखा भाला गया?”

“मुझे कोई शिकायत नहीं है सर. सुबह के वक्त वैसे भी करने के लिए कुछ खास नहीं होता.”

“इतना काफी है मिस्टर विलसन, एक या दो दिनों में मैं तुम को इस के बारे में अपनी राय दूंगा. आज शनिवार है और मुझे उम्मीद है कि सोमवार तक हम किसी नतीजे पर पहुंच जाएंगे.”

“खैर, वॉटसन,” होम्स ने कहा जब हमारा मेहमान जा चुका था. “तुम्हें इस सब से क्या समझ में आता है?”

“मुझे तो कुछ समझ में नहीं आया.” मैं ने साफ जवाब दिया. “यह सारा मामला बड़ा रहस्यमयी है.”

“कायदे से,” होम्स ने कहा, “जो सब से ज्यादा अजीब लगता है, वह सब से कम रहस्यमयी होता है. जो आम अपराध होते हैं, वही सब से ज्यादा पेचीदे होते हैं, जैसे कोई आम चेहरा हो तो उसे पहचानना सब से कठिन होता है, पर मुझे इस मामले में जल्दी करनी होगी.”

“तो फिर तुम क्या करने वाले हो?” मैं ने पूछा. “धूम्रपान,” उस ने जवाब दिया. “यह समस्या तीन पाइप पीने में ही सुलझ जाएगी और मैं तुम से इतनी कृपा चाहता हूं कि अगले पचास मिनटों तक मुझ से बात मत करना.”

वह आराम से पैर मोड़ कर कुरसी पर बैठ गया. उस के पतले घुटने उस की बाज जैसी नाक तक मुड़े हुए थे. वह आंखें बंद किए बैठा रहा और उस का काला मिट्टी का पाइप उस के मुंह में से चिड़िया की चोंच की तरह निकला हुआ था. मैं इस नतीजे पर पहुंचा था कि वह सो चुका है और मैं खुद भी झपकी ले रहा था कि अचानक वह कुरसी से उछल पड़ा, ऐसे इनसान की तरह जिस ने कोई फैसला कर लिया है, उस ने पाइप मैंटलपीस पर रख दिया.

“आज दोपहर सेंट जेम्स हॉल में सारासेटे का प्रोग्राम है,” उस ने टिप्पणी की. “तुम क्या सोचते हो, वॉटसन? क्या तुम्हारे मरीज तुम्हें कुछ घंटों की छुट्टी देंगे?”

“आज मेरे पास कोई काम नहीं है. मेरी प्रैक्टिस मुझे ज्यादा व्यस्त नहीं रखती.”

“तो फिर अपना हैट पहनो और आओ. पहले मैं सिटी जा रहा हूं और हम लंच रास्ते में ही कर लेंगे. मैं देख रहा हूं कि प्रोग्राम में बहुत सारा जर्मन संगीत है, जो मुझे इटालियन या फ्रेंच संगीत से ज्यादा अच्छा लगता है. वह दिल तक छू जाता है और मैं आज सोचना चाहता हूं. चलो आओ.”

हम अंडरग्राउंड से आलडर्सगेट तक गए और थोड़ा सा चलने पर हम सक्से कोबर्ग स्क्वायर पहुंच गए, जहां पर यह अजीब कहानी घटी थी, जो हम ने सुबह सुनी थी. वह एक अंधेरी, ठीकठीक, छोटी सी जगह थी, जहां घुटन भरे, ईंटों के दोमंजिला मकानों की चार कतारें थीं, जहां बेतरतीब उगी घास का लॉन और मुरझाई हुई कुछ झाड़ियों के झुरमुट उस धुआं भरे और बेकार माहौल से लड़ रहे थे. कोने से एक मकान में सफेद अक्षरों में एक कत्थई रंग के बोर्ड पर लिखा था ‘जाबेज विलसन’ जो दिखा रहा था कि यहीं से हमारा लाल बालों वाला मुवक्किल धंधा करता था.

शरलॉक होम्स एक ओर सिर झुकाए उस के सामने रुका और ध्यान से देखने लगा, उस की आंखें चमक रही थीं, पलकें बोझिल थीं, फिर वह धीरेधीरे सड़क के उस छोर तक गया और फिर से कोने वाले घर की ओर, बाकी घरों को गौर से देखता हुआ. अंत में वह कोने वाले घर पर वापस आया और पगडंडी पर जोरजोर से डंडा खटकाता हुआ वह दरवाजे पर गया और खटखटाया. एक चिकने चेहरे वाले युवक ने फौरन दरवाजा खोला और उसे अंदर आने के लिए कहा.

“थैंक यू,” होम्स ने कहा, “मैं सिर्फ यही पूछना चाह रहा हूं कि यहां से स्ट्रैंड तक कैसे पहुंच सकता हूं.”

“तीसरे मोड़ से दाएं, चौथे मोड़ से बाएं,” दरवाजा बंद करते हुए उस ने जल्दी से जवाब दिया.

“स्मार्ट लड़का है,” होम्स ने राय दी. “मेरी समझ में यह लंदन का चौथा स्मार्ट लड़का है, बल्कि तीसरा भी हो सकता है. इस के बारे में मुझे पहले भी थोड़ीबहुत जानकारी थी.”

“जाहिर,” मैं ने कहा, “मिस्टर विलसन के सहायक का लाल बाल संगठन के रहस्य में काफी बड़ा हाथ है. मुझे पक्का पता है कि तुम ने रास्ता इसलिए पूछा, ताकि तुम उसे देख सको.”

“उस को नहीं.”

“फिर?”

“उस की पैंट के घुटनों को.”

“और तुम ने क्या देखा?”

“जो मैं देखना चाहता था.”

“तुम ने पगडंडी पर डंडा क्यों खटकाया?”

“माई डियर डाक्टर, यह वक्त गौर करने का है, बात करने का नहीं. हम दुश्मन के देश में जासूस हैं. हम सक्से कोबर्ग स्क्वायर के बारे में कुछकुछ जान रहे हैं. अब देखते हैं कि इस के पीछे कौनकौन से इलाके हैं.”

सक्से कोबर्ग स्क्वायर के छोर से मुड़ने पर हम ने अपने को जिस सड़क पर पाया, वह इस जगह से ठीक वैसी ही भिन्न थी जैसे किसी चित्र का आगे का हिस्सा पिछले हिस्से से भिन्न होता है. यही वह मुख्य सड़क है जो शहर के यातायात को उत्तर और पश्चिम से जोड़ता है. सड़क पर जाम लगा था क्योंकि तमाम लोग आ जा रहे थे, जबकि पगडंडियों पर पैदल चलने वालों के पैरों के काले निशान लगे हुए थे. यहां की चमचमाती दुकानों और आलीशान इमारतों को देख कर यह अंदाज लगाना भी मुश्किल था कि ये उस फीकी और बेजान जगह का दूसरा पहलू है, जहां से हम अभीअभी आए थे.

“मुझे देखने दो,” होम्स ने एक कोने में खड़े हो कर इस पंक्ति को देख कर कहा, “मैं यहां के घरों का क्रम याद रखना चाहता हूं, यह मेरा शौक है कि मुझे लंदन की एकएक चीज की जानकारी रहे. यहां तंबाकू वाला मॉर्टिमर है, छोटी सी अखबार की दुकान, शाकाहारी रेस्तरां और मैकफारलेन का गाड़ी बनाने का डिपो. अब हम दूसरे ब्लॉक में आ गए हैं. और अब डाक्टर, हम ने अपना काम कर लिया है, इसलिए वक्त आ गया है कि हम दिल बहलाने का इंतजाम करें. एक सैंडविच और एक कप कौफी और फिर वायलिन की दुनिया में चलते हैं, जहां सिर्फ मिठास और नजाकत है और जहां हमें अपनी परेशानी में उलझाने वाले लाल बालों वाले लोग नहीं होंगे.”

मेरा दोस्त संगीत का रसिया था और खुद बहुत ही अव्वल दर्जे का संगीतज्ञ था. सारी दोपहर वह खुश हो कर संगीत सुनता रहा, अपनी लंबी पतली अंगुलियों से संगीत की लय पर थाप देता हुआ और उस का शांत मुसकराता चेहरा उस चालाक जासूस होम्स से बिलकुल उलटा था. उस के मूड के हिचकोले कभी उसे सुस्त बना रहे थे, कभी बहुत चुस्त. जहां तक मैं उसे जानता था, जब वह अपनी आरामकुरसी पर बैठा कईकई दिन गुजारता हुआ सोचता और लिखता रहता, उस वक्त वह सब से ज्यादा खतरनाक होता था.

फिर किसी रहस्य के पीछे भागने की भूख उस पर हावी हो जाती और उस की तर्क शक्ति मानो उस की आत्मा की आवाज बन जाती और फिर जो लोग उस को नहीं जानते वे उस को वह शख्स समझने लगते थे जिस का ज्ञान किसी भी दूसरे आदमी के ज्ञान से ज्यादा था. उस दोपहर जब मैं ने उस को सेंट जेम्स हॉल में संगीत में डूबा पाया, तो मुझे लगा कि जिन लोगों की खोज करने की उस ने ठानी है, उन लोगों का बुरा वक्त आ गया है.

“इस में कोई शक नहीं, डाक्टर, कि तुम घर जाना चाहते हो.” हम बाहर निकले तो उस ने कहा.

“हां, वही ठीक रहेगा.”

“और मुझे कुछ काम है जिस में मुझे कुछ घंटे लग सकते हैं. यह कोबर्ग स्क्वायर मामला काफी गंभीर है.”

“गंभीर क्यों है?”

“एक संगीन अपराध होने वाला है. यह सोचने के लिए मेरे पास कई कारण हैं कि हम उसे रोक सकते हैं. पर आज शनिवार होने से मामला उलझ गया है. आज रात मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत पड़ेगी.”

“कितने बजे?”

“दस बजे ठीक रहेगा.”

“मैं दस बजे बेकर स्ट्रीट पहुंच जाऊंगा.”

“ठीक है. और मैं बताए देता हूं कि वहां थोड़ा बहुत खतरा हो सकता है, इसलिए मेहरबानी कर के अपनी आर्मी वाली रिवॉलवर जेब में रख लेना.” उस ने अपना हाथ हिलाया, मुड़ा और तुरंत भीड़ में खो गया.

मुझे मालूम है कि मैं अपने पड़ोसियों से कम अक्ल नहीं रखता, पर शरलॉक होम्स के साथ मुझे हमेशा लगता है कि मैं बेवकूफ हूं. यहां मैं ने वही सुना था जो इस ने सुना था, वही देखा था जो इस ने देखा था, पर फिर भी इस की बातों से साफ है कि इस ने न सिर्फ वह सब देख लिया है जो हुआ है, पर वह सब भी जो होने वाला है, जबकि मेरे लिए पूरा मामला अभी भी उलझा हुआ और पेचीदा है. केनसिंगटन में अपने घर की ओर ड्राइव करते हुए मैं ने पूरे मामले पर फिर से विचार किया, 'एंसाइक्लोपीडिया' की नकल उतारने वाले लाल बाल वाले की कहानी से ले कर हमारा सक्से कोबर्ग स्क्वायर तक जाना और जिन डरावने शब्दों के साथ होम्स और मैं अलग हुए थे-सब बातों पर विचार किया.

रात में हम यह कौन सा साहसिक कारनामा करने जा रहे थे और मैं अपना रिवॉलवर क्यों साथ में रखूं? हम कहां जा रहे थे और हम क्या करने वाले थे? मुझे होम्स से इशारा मिला था कि विलसन का चिकने चेहरे वाला सहायक बड़ा ही चालाक है, जो कोई भी गहरी चाल चल सकता है. मैं ने गुत्थी सुलझाने की कोशिश की पर हार मान बैठा और यह सोच कर मामले को एक तरफ खिसका दिया कि शायद रात को कुछ समझ में आ जाएगा.

सवा नौ बजे थे, जब मैं घर से चला और पार्क से होता हुआ ऑक्सफोर्डस्ट्रीट से बेकर स्ट्रीट पहुंचा. दरवाजे पर दो हैनसम इंतजार कर रही थीं और गलियारे में दाखिल होने पर ऊपर से मुझे आवाजें आती सुनाई दीं. उस के कमरे में दाखिल होने पर मैं ने होम्स को दो लोगों से जोर जोर से बातें करते पाया, जिन में से एक को मैं ने पहचाना कि वह पुलिस एजेंट पीटर जोंस है, जबकि दूसरा लंबे, पतले, उदास चेहरे वाला आदमी था, जिस ने बड़ा ही चमकीला हैट और कुछ ज्यादा ही इज्जतदार फ्रॉक कोट पहन रखा था.

"हां. हमारी टुकड़ी पूरी हो गई," अपने जैकेट के बटन बंद करते और शेल्फ से अपना शिकार वाला भारी चाबुक उठाते हुए होम्स ने कहा. "वॉटसन, मैं समझता हूं कि तुम स्कॉटलैंड यार्ड के मिस्टर जोंस के बारे में जानते हो. आओ, तुम्हारी मुलाकात मिस्टर मेरीवेदर से करवा दूं जो आज की रोमांचकारी रात में हमारे साथ रहेंगे."

"देखो डाक्टर, हम फिर से जोड़ों में शिकार करेंगे." जोंस ने रोब झाड़ने वाले अंदाज में कहा. "हमारा दोस्त जो है, पीछा करने में माहिर है."

मिस्टर मेरीविदर ने उदासीनता से जवाब दिया, “हमारी पूरी कसरत कहीं टांय टांय फिस्स न हो जाए.”

“मिस्टर होम्स पर आप काफी भरोसा रख सकते हैं, सर,” पुलिस एजेंट ने बड़प्पन जताते हुए कहा. “उस के अपने छोटेछोटे तरीके हैं. अगर यह बुरा न माने तो हैं तो यह बड़े अजीबोगरीब, पर इस में जासूस बनने के सारे लक्षण हैं. यह कहना नहीं होगा कि एक या दो बार, जैसे कि ‘शालटो हत्याकांड’ और ‘आगरा का खजाना’ के मसले में, इस का अंदाजा बाकी पुलिस के अंदाज से ज्यादा सही था.”

अजनबी ने थोड़ी इज्जत के साथ कहा, “ओह, अगर आप कह रहे हैं, तो सही ही होगा. फिर भी मैं मानता हूं कि मैं अपनी जुए की बाजी को भूल नहीं पा रहा हूं. सत्ताईस सालों में यह पहली शनिवार की रात है, जब मैं जुआ नहीं खेल रहा.”

“मुझे लगता है कि आज रात तुम ऐसी बाजी खेलोगे जैसी तुम ने पहले कभी नहीं खेली होगी और खेल भी ज्यादा रोमांचक होगा. तुम्हारे लिए, मिस्टर मेरीवेदर, बाजी करीब तीस हजार पाउंड की होगी और जोंस तुम को वह आदमी मिल जाएगा, जिसे तुम पकड़ना चाहते हो.”

“जॉन क्ले, जो हत्यारा और चोर है और धोखाधड़ी करने में माहिर है. मिस्टर मेरीवेदर, उस की उमर अभी ज्यादा नहीं है, पर अभी से ही वह अपने पेशे में शातिर है और लंदनभर के किसी भी दूसरे अपराधी की जगह में इस की कलाइयों में अपनी हथकड़ियां डालना पसंद करूंगा. यह नवयुवक जॉन क्ले बहुत अनोखा किस्म का है. उस के दादा शाही ड्यूक थे और यह खुद भी ईटन और ऑक्सफोर्ड जा चुका है. उस का दिमाग उस की अंगुलियों की तरह ही चालाक है और हालांकि हर मोड़ पर हमें उस की छाप मिल जाती है, हमें यह कभी नहीं मालूम होता कि वह खुद कहां पर मिलेगा. एक हफ्ते वह स्कॉटलैंड में बच्चों का पालना तोड़ रहा होगा, तो दूसरे हफ्ते कार्नवॉल में अनाथालय के लिए चंदा जमा करता मिलेगा. मैं सालों से उस का पीछा कर रहा हूं, पर अभी तक उस को देख तक नहीं पाया हूं.”

“मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे आज रात उस के साथ तुम्हारा परिचय कराने की खुशी मिलेगी. मिस्टर जॉन क्ले के साथ मेरी भी एक या दो बार छोटीछोटी भिड़ंत हो चुकी है और मैं भी मानता हूं कि अपने पेशे में वह काफी माहिर है. पर अब दस बज चुके हैं और हमें चलना चाहिए. अगर

तुम दोनों पहली हैनसम पकड़ लो, तो वॉटसन और मैं अगली वाली से आ जाएंगे."

उस लंबी ड्राइव के दौरान शरलॉक होम्स ने ज्यादा बातचीत नहीं की और कैब में पसर कर वे धुनें गुनगुनाता रहा जो उस ने दोपहर में सुनी थीं. हम गैस की रोशनी में नहाई सड़कों की भूलभुलैया से खड़खड़ाते हुए गुजरे, आखिरकार फैरिंगडन स्ट्रीट पहुंच ही गए.

"हम उस जगह के बिलकुल पास पहुंच गए हैं," मेरे दोस्त ने टिप्पणी की. "यह शख्स मेरीवेदर बैंक का डाइरेक्टर है और इस मामले में उस की खुद की रुचि है. मैं ने सोचा कि जोंस को भी अपने साथ रखना ठीक होगा. वह बुरा आदमी नहीं है, हालांकि अपने पेशे में बिलकुल है निखट्टू. उस में एक अच्छी बात है. वह बुलडॉग की तरह बहादुर है और अपने शिकार को केकड़े की तरह जकड़ लेता है. देखो, हम वहां पहुंच गए हैं और वे लोग हमारा इंतजार कर रहे हैं."

हम उसी भीड़भाड़ वाली जगह पर पहुंच गए थे जहां हम सुबह थे. हम ने अपनी कैबें लौटा दीं और मिस्टर मेरीवेदर की हिदायतों पर गौर करते हुए हम एक संकरे रास्ते से गुजरते हुए एक किनारे के दरवाजे पर पहुंचे, जिस को उस ने हमारे लिए खोल दिया. उस के अंदर एक छोटा सा गलियारा था जिस के दूसरी ओर बड़ा सा लोहे का गेट था, यह भी खोला गया और फिर हम घुमावदार पत्थर की सीढ़ियों से नीचे उतरे जिस के आखिर में एक दूसरा मजबूत गेट था. मिस्टर मेरीवेदर लालटेन जलाने के लिए रुका और एक अंधेरे, सीलन भरे गलियारे से हमें रास्ता दिखाते हुए आगे बढ़ा, फिर एक तीसरा गेट खोलने के बाद एक बड़े कमरे में हमें ले गया, जो चारों ओर बड़ेबड़े बक्सों से भरा था.

"तुम को ऊपर से ज्यादा खतरा नहीं है," लालटेन अपने हाथ में ले कर इधरउधर देखने पर होम्स ने गौर फरमाया.

"न नीचे से." मिस्टर मेरीवेदर ने अपनी छड़ी फर्श पर खटकाते हुए कहा. "अरे बाप रे, यह तो, खोखला लग रहा है!" हक्काबक्का हो कर ऊपर देखते हुए वह बोला.

"मुझे तुम को चुप रहने के लिए कहना पड़ेगा," होम्स ने सख्ती से कहा. "वैसे भी तुम ने हमारी पूरी मेहनत को खतरे में डाल दिया है. क्या मैं तुम से कह सकता हूं कि इन में से किसी बक्से पर बैठ जाने की कृपा करो और हमारे काम में दखल मत डालो."

मिस्टर मेरीवेदर चुपचाप एक बक्से पर बैठ गया और उस के चेहरे पर दुख का भाव था. होम्स घुटनों के बल जमीन पर बैठ गया और लालटेन और मैगनिफाईंग शीशे की मदद से पत्थरों के बीच आई दरारों को गौर से देखने लगा. कुछ ही पलों में उस के दिल को तसल्ली हो गई, क्योंकि वह फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो गया और अपना शीशा जेब के अंदर रख लिया.

“हमारे पास कम से कम अभी एक घंटा है,” वह बोला, “क्योंकि जब तक वह शरीफ साहूकार सो नहीं जाता, वे लोग कोई कदम नहीं उठाएंगे. उस के बाद वे एक मिनट भी बरबाद नहीं करेंगे क्योंकि जितनी जल्दी वे अपना काम पूरा करेंगे, उन्हें भाग निकलने का उतना ही ज्यादा समय मिलेगा. जैसा तुम ने अंदाजा लगा ही लिया होगा, इस वक्त, डाक्टर, हम लंदन के एक प्रमुख बैंक की शाखा के तहखाने में हैं, मिस्टर मेरीवेदर यहां के डायरेक्टरों का चेयरमैन है. यह तुम को बताएगा कि लंदन के शातिर अपराधियों को इस तहखाने में इतनी रुचि क्यों है.”

“हमारे फ्रेंच सोने की वजह से.” डायरेक्टर फुसफुसाया. “हमें कई बार चेतावनी दी जा चुकी है कि इस को लूटने की कोशिश की जा सकती है.”

“तुम्हारा फ्रेंच सोना?”

“हां. कुछ महीनों पहले हमें अपने को मजबूत करने का मौका मिला और इसलिए हम ने बैंक ऑफ फ्रांस से तीस हजार नेपोलियन उधर लिए थे. यह सब की जानकारी में है कि हम वह धन खोल नहीं पाए हैं और वह पूरा का पूरा यूं ही तहखाने में पड़ा है. जिस बक्से पर मैं बैठा हूं, उस में दो हजार नेपोलियन बंद पड़े हैं. हमारा बुलियन का खाता इस समय किसी भी ब्रांच ऑफिस में रखे गए खाते से ज्यादा है और डॉयरेक्टर काफी घबराए हुए हैं.”

“उन का घबराना ठीक ही है.” होम्स बोला. “और अब वक्त आ गया है कि हम तैयार हो जाएं. मुझे उम्मीद है कि आधे घंटे के अंदर अपना काम शुरू हो जाएगा. इस दौरान, मिस्टर, मेरीवेदर हमें लालटेन को ढक देना चाहिए.”

“और अंधेरे में बैठे रहें?”

“हां, ऐसा ही करना पड़ेगा, मैं अपनी जेब में ताश के पत्ते लाया हूं और मैं ने सोचा कि तुम को जुआ खेलने दूंगा. पर मैं देख रहा हूं कि दुश्मनों ने इतनी ज्यादा तैयारी कर रखी है कि हम जरा सी भी रोशनी का खतरा मोल

नहीं ले सकते. सब से पहले हमें अपनीअपनी जगह चुननी होगी. वे बड़े बेखौफ हैं और हमें देख कर भौचक्के रह जाने के बावजूद, यदि हम ने सावधनी से काम नहीं लिया तो वे हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं. मैं इस बक्से के पीछे खड़ा रहूंगा और तुम लोग उन बक्सों के पीछे छिप जाओ. फिर जब मैं उन पर रोशनी डालूंगा, तुम लोग जल्दी से उन्हें घेर लेना. अगर वे फायर करते हैं, तो वॉटसन, तुम भी उन को शूट करने से मत हिचकना."

मैं ने अपनी रिवॉलवर तान कर उस लकड़ी के बक्से के ऊपर रख दी, जिस के पीछे मैं छिपा था. होम्स ने लालटेन की रोशनी ढक दी और हम घुप अंधेरे में थे. ऐसा काला अंधेरा मैं ने पहले कभी नहीं देखा था. गरम धतु की महक से हमें यह संतोष था कि रोशनी अभी भी है और एक पल में ही चमक जाएगी, मैं वैसे ही अनजानी अनहोनी की आशंका से घबराया हुआ था और उस तहखाने की ठंडी, सीलन भरी उदासी में मन दुखी हो रहा था.

"उस के पास भाग निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता है," होम्स ने दबी आवाज में कहा. इस घर से वापस हो कर सक्से कोबर्ग स्क्वायर तक. जोंस, मुझे उम्मीद है कि तुम ने मेरी हिदायतों का पालन कर लिया होगा?"

"आगे के दरवाजे पर मैं ने एक इंस्पेक्टर और दो अफसरों को तैनात कर रखा है."

"फिर तो हम ने उन के निकल भागने के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं और अब हमें चुपचाप रह कर इंतजार करना होगा."

वह समय कितना लंबा लग रहा था. बाद में बात करने पर पता चला कि सिर्फ सवा घंटा ही बीता था, पर उस वक्त मुझे लग रहा था कि पूरी रात ही बीत गई होगी और पौ फटने वाली होगी. मेरे जोड़ अकड़ गए थे और दुख भी रहे थे, क्योंकि मुझे हिलने से डर लग रहा था, पर मेरा दिल जोर से धड़क रहा था और मेरे कान इतने चौकन्ने हो रहे थे कि न सिर्फ अपने सहयोगियों की सांसों की आवाज सुनाई पड़ रही थी, बल्कि हट्टेकट्टे जोंस की गहरी सांसों से बैंक डायरेक्टर की पतली, धीमी सांसों का फर्क भी मालूम हो रहा था. अपनी जगह से मैं बक्से के ऊपर जमीन तक देख सकता था. अचानक मेरी आंखों को हलकी सी रोशनी का एहसास हुआ.

पहलेपहले तो पत्थर की पगडंडी पर चिनगारी सी दिखाई पड़ी. फिर वह लंबी होतीहोती पीली रेखा बन गई और फिर बगैर किसी चेतावनी के एक दरार खुली और एक सफेद, स्त्री का सा हाथ दिखा, जो रोशनी के इर्दगिर्द टटोल सा रहा था. एक मिनट से भी ज्यादा समय तक टटोलती

अंगुलियों वाला वह हाथ जमीन के ऊपर लहराता रहा. फिर जिस तरह अचानक वह जमीन के बाहर आया, उसी तरह वापस गायब हो गया. और फिर से अंधेरा हो गया, सिवाय जमीन के नीचे से आती दरारों के बीच उस चिनगारी के.

पर उस का गायब हो जाना क्षणिक था. चीरने वाली तेज आवाज से एक चौड़ा, सफेद पत्थर अपनी जगह से हटा. वहां पर एक चौकोर गड्ढा बन गया. इस गड्ढे में से लालटेन की रोशनी चमक रही थी. फिर एक चिकना, लड़कपन लिए चेहरा झांका और गड्ढे के दोनों ओर एकएक हाथ रख कर वह कंधे और फिर कमर तक ऊपर आ गया. फिर उस का एक घुटना ऊपर टिक गया. दूसरे ही क्षण वह गड्ढे के किनारे खड़ा था और अपने साथी को ऊपर खींच रहा था, जो उसी की तरह चुस्त और छोटा था और जिस के बाल बहुत ज्यादा लाल थे.

"सब ठीकठाक है," वह फुसफुसाया. "तुम्हारे पास थैले और हथौड़े हैं न? अरे रे, आर्ची, कूदो, मैं भी कूदता हूं."

शरलॉक होम्स उछल कर खड़ा हो गया था और लड़के की गिरेबान पकड़े था. दूसरा गड्ढे में कूदने लगा और जब जोंस ने उस का कोट पकड़ा, तो मुझे कपड़ा फटने की आवाज आई. रोशनी में एक रिवॉलवर चमकी, पर होम्स का कोड़ा उस की कलाई पर पड़ा और रिवॉलवर खनकती हुई पत्थर के फर्श पर आ गिरी.

"कोई फायदा नहीं, जॉन क्ले," होम्स ने सपाट आवाज में कहा. "तुम बच नहीं सकोगे."

"वह तो मुझे दिखाई पड़ रहा है." दूसरे ने शांत आवाज में कहा. "मुझे लगता है मेरा दोस्त सही सलामत है, हालांकि तुम ने उस का कोट पकड़ रखा है."

"अच्छा! लगता है कि तुम ने अपना काम पूरी तरह किया है. मुझे तुम को बधाई देनी चाहिए."

"और मुझे तुम को." होम्स ने जवाब दिया. "तुम्हारी लाल बालों वाली तरकीब बहुत ही नई और असरदार थी."

"तुम थोड़ी देर में अपने दोस्त से मिल जाओगे. वह गड्ढों के नीचे मुझ से जल्दी उतर लेता है. चुपचाप खड़े रहो जिस से मैं हथकड़ियां लगा दूं."

"मेहरबानी कर के मुझे अपने गंदे हाथों से मत छुओ," कलाइयों पर हथकड़ियां पड़ते ही हमारा कैदी बोला. "तुम्हें शायद मालूम नहीं कि मेरी

नसों में शाही खून दौड़ रहा है और मुझ से बात करने से पहले मुझे ‘सर’ और ‘प्लीज’ कहा करो.”

“ठीक है,” उपहास से उसे घूरते हुए जोंस ने कहा. “खैर, क्या आप प्लीज सर, ऊपर चलने की मेहरबानी करेंगे जहां कैब आप को पुलिस स्टेशन ले जाने का इंतजार कर रही है.”

“यह बेहतर है.” जॉन क्ले ने शांत भाव से कहा. वह हम तीनों की ओर झुका और जासूस की हिरासत में चुपचाप वहां से चला गया.

“वाकई, मिस्टर होम्स,” तहखाने से उस के पीछेपीछे चलते मिस्टर मेरीवेदर ने कहा. “मुझे नहीं मालूम कि बैंक किस तरह तुम्हारा शुक्रिया या कर्ज चुका सकता है. इस में कोई शक नहीं है कि मेरे अनुभव में हुई सब से खतरनाक बैंक डकैती की कोशिश को तुम ने मजबूती से नाकाम कर दिया है.”

“मिस्टर जॉन क्ले से मुझे भी एक दो पुराने कर्ज चुकाने हैं,” होम्स ने कहा. “इस मामले में मेरा थोड़ा खर्चा हो गया है और मुझे उम्मीद है कि बैंक उसे चुका देगा. पर उस के अलावा, मुझे काफी फायदा भी हुआ है क्योंकि मुझे ऐसा अनुभव हुआ है जो कई तरह से बेजोड़ है, लाल बाल संगठन का पूरा किस्सा.”

“देखो वॉटसन,” उस ने सुबहसुबह समझाया, “जब हम बेकर स्ट्रीट में ह्विस्की और सोडा के साथ बैठे थे. “शुरू में ही बिलकुल साफ था कि संगठन का विज्ञापन और ‘एंसाइक्लोपीडिया’ (विश्वकोश) की नकल उतारने के पूरे मामले का मकसद यही था कि इस बेवकूफ साहूकार को हर रोज कुछ घंटों के लिए रास्ते से हटाया जाए. इन का तरीका अजीब था, पर इस से अच्छा तरीका सोचा भी नहीं जा सकता.

“क्ले के खुराफाती दिमाग में यह तरकीब अपने साथी के बालों के रंग से सूझी होगी, इस में शक नहीं है. हफ्ते के चार पाउंड का लालच उसे फंसाने के लिए दिया गया और यह उन के लिए कुछ भी नहीं था क्योंकि वे लोग हजारों के चक्कर में थे. उन्होंने विज्ञापन दिया, एक बदमाश के पास कामचलाऊ दफ्तर था, दूसरे बदमाश ने इस शख्स को उकसाया कि वह यहां पर नौकरी की अर्जी दे और साथ मिल कर वे लोग अपनी चाल में कामयाब हो गए कि वह हफ्ते में रोज सुबह यहां से चला जाए. जब मैं ने सुना कि आधी तनख्वाह पर कोई इस का असिस्टेंट बनने को तैयार हो गया है, तभी मैं समझ गया कि इस के पीछे कोई गहरा मकसद छुपा है.”

“पर तुम ने यह कैसे समझा कि मकसद क्या है?”

"अगर घर में कोई महिला होती तो मुझे लगता कि कोई अश्लील साजिश मात्र है. पर इस का तो सवाल ही नहीं था. इस आदमी का कारोबार भी छोटा सा था और इस के घर में भी ऐसा कीमती सामान नहीं था, जिस पर ये लोग इतना खर्चा करें. इस का मतलब कि घर के बाहर ही कुछ ऐसा था जिस पर इन की नजर थी. पर ऐसा क्या था? मैं ने असिस्टेंट के फोटोग्राफी के शौक के बारे में सोचा और यह कि वह बारबार तहखाने में जाता था. तहखाना! इस उलझी हुई गुत्थी का सिरा मुझे मिल गया था.

फिर मैं ने इस रहस्यमयी असिस्टेंट के बारे में छानबीन करवाई तो पाया कि मुझे लंदन के सब से शातिर अपराधियों से निपटना होगा. वह तहखाने में कुछ कर रहा था- जिस के लिए उसे महीने तक लगातार हर रोज कई घंटों तक काम करना पड़ रहा था. आखिर यह क्या रहस्य हो सकता था? मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा था सिवा इस के कि वह किसी और इमारत तक नीचेनीचे सुरंग तैयार कर रहा होगा.

जब हम मौका ए-वारदात पर पहुंचे तो इतना तो मेरी समझ में आ गया था. मैं ने वहां पर अपनी छड़ी जमीन पर ठोंक कर तुम्हें अचंभे में डाल दिया था. मैं यह तय कर रहा था कि तहखाना आगे की ओर खुलता है या पीछे की ओर. आगे की ओर वह नहीं था. फिर मैं ने घंटी बजाई और जैसी मुझे उम्मीद थी, असिस्टेंट ने ही दरवाजा खोला. हमारी कुछ छोटीमोटी झड़पें हो चुकी हैं, पर हम ने एकदूसरे को पहले कभी नहीं देखा था. मैं ने उस का चेहरा शायद ही देखा था. मैं उस के घुटने देखना चाह रहा था.

"तुम ने खुद देखा होगा कि उस के घुटने कितने घिसे हुए और गंदे थे. वह घंटों तक घुटनों के बल बैठ कर खुदाई की जाने की कहानी कह रहे थे. बस एक बात देखनी थी कि वे किस के लिए खुदाई कर रहे हैं. मैं ने वहां का चक्कर लगाया तो देखा कि हमारे दोस्त के घर से सटा हुआ था, सिटी एंड सबअर्बन बैंक. इस से मुझे लगा कि गुत्थी सुलझ गई है. जब तुम कांसर्ट के बाद वापस घर गए, तब मैं ने स्कॉटलैंड यार्ड से संपर्क किया और बैंक के डायरेक्टरों के चेयरमैन से बात की और इस का नतीजा तुम्हारे सामने है."

"और तुम को यह कैसे मालूम हुआ कि वे आज रात को ही अपनी कोशिश करेंगे?" मैं ने पूछा.

"देखो, जब उन्होंने अपना दफ्तर बंद कर दिया, इस का मतलब यह था कि उन्हें मिस्टर जाबेज विलसन के होने न होने की अब कोई परवाह नहीं थी. दूसरे शब्दों में, उन की सुरंग तैयार हो चुकी थी. पर यह जरूरी था

कि वे जल्दी से जल्दी अपना काम निपटा लें. कहीं इस के बारे में किसी को पता न चल जाए या सोना वहां से हटा कर कहीं और न ले जाया जाए. शनिवार उन के लिए और दिनों से ज्यादा ठीक था क्योंकि उन्हें भाग निकलने के लिए दो दिन मिल जाते. इन सब वजहों से मुझे लग रहा था कि वे आज रात ही आएंगे."

"तुम ने बड़ी खूबसूरती से सारा मसला सुलझा लिया है," मैं ने अनछुपी तारीफ करते हुए कहा. "यह इतनी लंबी माला है, पर इस की एकएक कड़ी पर भरोसा हो रहा है."

"इस ने मुझे बोर होने से बचाया," जम्हाई लेते हुए उस ने जवाब दिया. "मुझे अभी से बोरियत लग रही है. मेरी जिंदगी में एक लंबी कोशिश रही है, अपने को जिंदगी के उबाऊपन से बचाने की. इन छोटी मोटी समस्याओं से मुझे मदद मिलती है."

"तुम इनसानों के लिए मसीहा हो." मैं ने कहा.

उस ने कंधे उचकाए. "शायद आखिर कुछ तो फायदा है ही."

पहचान का किस्सा

बेकर स्ट्रीट स्थित उस के घर में आग तापते हुए शरलॉक होम्स बोल पड़ा, “मेरे प्यारे दोस्त, वास्तव में जिंदगी इनसान की सोच से कहीं ज्यादा अजीब है. हम कई बातों के बारे में सोच भी नहीं सकते जो रोजमर्रा में आम है. अगर हम हाथों में हाथ डाले खिड़की के बाहर उड़ते हुए इस शहर पर नजर डालें, धीमे से छतों को हटा दें और देखें कि कितनी अजीबअजीब बातें हो रही हैं, कितने विचित्र संयोग, कितनी योजनाएं, कितनी अड़चनें, घटनाओं का अद्भुत क्रम जो पीढ़ियों से चला आ रहा है और जिन के नतीजे उतने ही चौंकाने वाले हैं, तो मनगढ़ंत किस्सों की सभी अटकलें बेकार लगने लगेंगी.”

“और फिर भी, मैं इस से आश्वस्त नहीं हूं.” मैं ने जवाब दिया. “अखबारों में छपने वाले किस्से काफी घटिया होते हैं, हमारे पुलिस की रिपोर्टों में दर्ज किस्से वास्तविक होते हैं, पर यह मानना पड़ेगा कि वे न तो रुचिकर होते हैं न ही कलात्मक.”

“वास्तविक बनाने के लिए काफी समझदारी की जरूरत होती है.” होम्स ने कहा. “पुलिस रिपोर्टों में इस की कमी होती है, जहां मजिस्ट्रेट की तारीफ के पुल बंधे होते हैं और असली घटना पर ध्यान कम दिया जाता है, जो पूरी घटना के सार के लिए जरूरी है. मेरी बात मानो कि रोजमर्रा की घटनाओं से ज्यादा विचित्र कुछ नहीं होता.

मैं ने मुसकरा कर सिर हिलाया. “मैं समझ सकता हूं कि तुम ऐसा क्यों सोच रहे हो.” मैं ने कहा. “सच है कि तीन महाद्वीपों में जो भी असमंजस में होता है, तुम उस के सलाहकार और मददगार बन जाते हो, जिस की वजह से तुम अप्रत्याशित और अजीबोगरीब घटनाओं से वाकिफ हो.” “पर यहां,” मैं ने जमीन से सुबह का अखबार उठाया. “चलो, इस बात को आजमा कर देखते हैं. यह पहला शीर्षक है जो मैं पढ़ रहा हूं. ‘पति की पत्नी से क्रूरता’ इस में बहुत थोड़ा लिखा गया है पर बगैर पढ़े ही मैं इस के बारे में जानता हूं. “इस में दूसरी औरत होगी, शराब का नशा होगा, धक्का, मुक्का, जख्म, सहानुभूति दिखलाती बहन या मकान मालकिन होगी. घटिया से घटिया लेखक भी इस से ज्यादा घटिया लेख नहीं लिख सकता.”

“दरअसल तुम्हारा उदाहरण तुम्हारे तर्क को झुठला रहा है.” होम्स ने अखबार ले कर उस पर दृष्टि डालते हुए कहा. “यह डुंडस दंपति के तलाक का मामला है और इस से संबंधित कुछ छोटीछोटी बातों से मैं वाकिफ हूं.

पति मादक चीजों को हाथ नहीं लगाता, कोई दूसरी औरत उस की जिंदगी में नहीं थी, पर पत्नी को उस से यह शिकायत थी कि उस की आदत पड़ गई थी कि हर खाने के बाद वह अपने नकली दांत निकाल कर पत्नी पर खींच कर मारता था. यह तो तुम भी मानोगे कि औसत कहानीकार की कल्पना में यह बात कभी नहीं उपजेगी. थोड़ी सी सुंघनी लो, डाक्टर और कबूल करो कि मैं ने तुम्हारा तर्क काट दिया है."

पुराने सोने की बनी सुंघनी की डिबिया उस ने मेरी ओर बढ़ाई. उस के ढक्कन के बीचोबीच एक कीमती नीलमणि जड़ी थी. शरलॉक होम्स की सादगी के बीच यह कीमती डिबिया अलग ही चमक रही थी. मैं इस पर अपने विचार प्रकट करने से खुद को रोक नहीं पाया.

"आह." उस ने कहा. "मैं भूल गया था कि मैं ने कई हफ्तों से तुम को नहीं देखा है. यह बोहेमिया के राजा की ओर से छोटी सी सौगात है, क्योंकि मैं ने आइरीन एडलर से जुड़ी घटना के सिलसिले में राजा की मदद की थी."

"और यह अंगूठी?" उस की अंगुली में जगमगा रही अंगूठी पर नजर टिकाते हुए मैं ने पूछा.

"यह तो हॉलैंड के शाही परिवार से मिली थी, हालांकि वह मामला जिस में मैं ने उन की मदद की थी, बेहद नाजुक था, इतना कि मैं तुम को भी नहीं बता सकता, जबकि तुम एकदो मामले सुलझाने में मेरा साथ दे चुके हो."

"और इस वक्त क्या तुम्हारे हाथ में कोई केस है?" मैं ने उत्साह से पूछा.

"करीब दस या बारह, पर उन में से कोई भी ज्यादा दिलचस्प नहीं है. वे जरूरी हैं, पर दिलचस्प नहीं. वैसे, मैं ने देखा है कि अकसर गैरजरूरी मसलों पर ही गौर करने की गुंजाइश होती है. संगीन अपराध सरल होते हैं, क्योंकि गुनाह जितना बड़ा होता है, उन का मकसद आमतौर पर साफ होता है. एक पेचीदे मामले के अलावा, जो मारसेल्स से मेरे पास भेजा गया है, ऐसे मामलों के दिलचस्प होने की गुंजाइश बहुत कम होती है. फिर भी, संभव है कि कुछ ही मिनटों में मेरे पास कुछ बेहतर आ जाए, क्योंकि अगर मैं गलत नहीं हूं, तो एक मुवक्किल यहां आ रहा है."

वह अपनी कुरसी से उठ गया था और दो परदों के बीच में खड़ा हो कर लंदन की उस बदरंग बेजान सड़क को देख रहा था. उस के कंधे के ऊपर से मैं ने देखा कि सड़क के उस पार पैदल पथ पर एक विशालकाय

स्त्री खड़ी थी, जिस की गरदन पर भारी फर का बोआ लटका था और चौड़े से हैट में बड़ा, लाल रंग का पंख अटका था, जो कान के ऊपर फैशनेबुल तरीके से झुका हुआ था. इस विशाल हैट के नीचे से उस ने घबराते, हिचकते हुए हमारी खिड़की की ओर देखा. ऐसा करते समय उस का शरीर आगे पीछे लहरा रहा था और उस की अंगुलियां दस्तानों के बटनों के साथ खेल रही थीं. अचानक झटके के साथ, मानो कोई तैराक किनारा छोड़ कर तैरने लगा हो, उस ने जल्दी से सड़क पार की और हम ने घंटी खनकने की तेज आवाज सुनी.

"मैं पहले भी इस तरह के लक्षण देख चुका हूं." सिगरेट को आग में फेंकते हुए होम्स बोला. "पैदल पथ पर दुविधा में खड़े रहने का मतलब है, प्यार का चक्कर. वह सलाह लेना चाहती है, पर उस को लग रहा है कि यह नाजुक मामला कैसे किसी को बताए. पर इस हावभाव में भी फर्क नजर आता है. जब किसी महिला पर कोई पुरुष ज्यादती करता है तो वह असमंजस में नहीं रहती, बल्कि इतनी जोर से घंटी बजाती है कि घंटी का तार टूट जाता है. इस महिला से हम समझ सकते हैं कि यह है तो प्यार का ही चक्कर, पर युवती नाराज कम है, दुखी और परेशान ज्यादा, अब हमारे सवालों का जवाब देने यह खुद ही हाजिर हो गई है."

वह यह सब कह ही रहा था कि दरवाजे पर दस्तक हुई और लड़का मिस मेरी सदरलैंड के आने की खबर दे ही रहा था कि उस के नन्हे काले शरीर के पीछे महिला स्वयं खड़ी हुई, मानो किसी छोटी नाव के पीछे भीमकाय नाविक खड़ा हो. शरलॉक होम्स ने अपने चिरपरिचित सरल अंदाज में उस का अभिवादन किया और दरवाजा बंद कर उसे आरामकुरसी पर बैठने का इशारा किया. इस बीच उस ने उस का अपने अनमने ढंग से बारीकी से जायजा ले लिया था.

"क्या तुम को ऐसा नहीं लगता," वह बोला, "कमजोर आंखों से इतनी टाइपराइटिंग करना काफी थकान देता है?"

"पहले मुझे परेशानी होती थी," उस ने जवाब दिया, "पर अब मुझे बिना देखे ही पता है कि कौन सा अक्षर कहां है." पर अचानक जैसे ही उसे होम्स की बात की गहराई समझ में आई, वह बुरी तरह चौंक पड़ी और उस के चौड़े, हंसमुख चेहरे पर भय और आश्चर्य झलक उठा. "तुम ने मेरे बारे में सुन रखा है, मिस्टर होम्स." वह चिल्ला पड़ी. "नहीं तो, तुम को यह सब कैसे मालूम होता?"

“कोई बात नहीं,” होम्स ने हंसते हुए कहा. “सब कुछ जानना मेरा पेशा है. शायद मैं ने अपने को प्रशिक्षित किया है कि वह देख लूं जो दूसरों को नहीं दिखाई देता. नहीं तो, तुम मुझ से सलाह लेने क्यों आती?”

“सर, मैं यहां इसलिए आई हूं क्योंकि मैं ने मिसेज एथेरीज से तुम्हारे बारे में सुना था, जिस के पति को तुम ने आसानी से ढूंढ़ निकाला था, जबकि पुलिस और बाकी सब उसे मरा हुआ समझ बैठे थे. ओह, मिस्टर होम्स, काश! तुम मेरे लिए भी ऐसा कर सकते. मैं अमीर नहीं हूं, पर फिर भी मुझे साल में सौ मिल ही जाते हैं और थोड़ा बहुत मैं अपनी मशीन से कमा लेती हूं और मैं यह जानने के लिए सब कुछ दे सकती हूं, कि मिस्टर होस्मर एंजिल का क्या हुआ.”

“मुझ से सलाह करने के लिए इतनी जल्दी क्यों चली आईं?” अंगुलियां जोड़े हुए और आंखें छत पर टिकाए शरलॉक होम्स ने पूछा.

मिस मेरी सदरलैंड का सपाट चेहरा फिर से चौंक गया. “हां मैं, घर के बाहर बिजली की गति से निकल गई थी,” वह बोली, “क्योंकि जिस ढंग से मिस्टर विंडीबैंक-यानी पापा पेश आ रहा था, मुझे बड़ा गुस्सा आ गया था. वह न पुलिस के पास जा रहा था, न तुम्हारे पास और अंत में क्योंकि वह कुछ नहीं कर रहा था और कह रहा था कि कुछ नहीं बिगड़ेगा, मैं पागल हो उठी और जिस हाल में थी, उसी हाल में तुम्हारे पास सीधी चली आई.”

“तुम्हारे पापा.” होम्स बोला, “यानी सौतेला पापा क्योंकि तुम दोनों के नाम अलगअलग हैं.”

“हां, सौतेला, मैं उसे पापा कहती हूं जो कि बड़ी अजीब बात है, क्योंकि वह मुझ से पांच साल दो महीने बड़ा है.”

“और तुम्हारी मां जिंदा हैं?”

“अरे हां, मां जिंदा भी हैं और स्वस्थ भी. मिस्टर होम्स, उन्होंने जब फिर से शादी की तो मैं बहुत खुश नहीं हुई क्योंकि मेरे पिता को गुजरे ज्यादा वक्त नहीं हुआ था और यह शख्स मां से करीब पंद्रह साल छोटा है. पिता टॉटेनहाम कोर्ट में प्लंबर थे और उन का काम अच्छाखासा चल रहा था, जो बाद में मां मिस्टर हार्डी के साथ मिल कर चलाने लगीं. पर जब मिस्टर विंडीबैंक आया, तो उस ने यह धंधा बिकवा दिया, क्योंकि वह शराब का व्यापारी था और उस का काम बहुत अच्छा चल रहा था. उन्हें इस धंधे के चार हजार सात सौ पाउंड मिले, जो अगर मेरे पिता जिंदा होते तो इस से कहीं ज्यादा मिलते.”

मुझे लग रहा था कि इस बेतरतीब और बेतुकी बातचीत से शरलॉक होम्स बेचैन हो जाएगा, पर हुआ इस का उलटा. उस ने बहुत ध्यान से सारी बात सुनी.

"तुम्हारी अपनी आमदनी क्या इसी धंधे आती है?" उस ने पूछा.

"अरे नहीं सर. वह इस से बिलकुल अलग है और ऑकलैंड में अंकल नैड मेरे लिए छोड़ गए थे. वह न्यूजीलैंड स्टॉक में हैं और साढ़े चार प्रतिशत मिलता है. असल में पूरी राशि ढाई हजार पाउंड है, पर मुझे सिर्फ उस का ब्याज ही मिलता है."

"मुझे तुम में बड़ी रुचि हो रही है." होम्स ने कहा. "और क्योंकि तुम्हें सालाना सौ मिल जाते हैं, इस में शक नहीं कि तुम घूमतीफिरती भी हो और हर तरह से अपने शौक पूरे करती हो. मैं समझता हूं कि एक अकेली स्त्री साठ पाउंड की राशि में आराम से रह सकती है."

"मिस्टर होम्स, मैं इस से बहुत कम में रह सकती हूं, पर समझ सकते हो कि जब तक मैं घर पर रहती हूं, मैं उन पर बोझ नहीं बनना चाहती, इसलिए जब मैं उस के पास रह रही होती हूं, तो मैं अपना पैसा उन को इस्तेमाल करने देती हूं. यह जरूर है कि यह व्यवस्था अभी फिलहाल के लिए ही है. मिस्टर विंडीबैंक हर पंद्रह दिनों में ब्याज ले आता है और मेरी मां को देता है और मैं टाइपराइटिंग की कमाई पर आराम से रह सकती हूं. इस से मुझे एक शीट के दो पेंस मिलते हैं और अकसर मैं दिन में पंद्रह से बीस शीट कर लेती हूं."

"तुम ने अपनी स्थिति मेरे सामने बिलकुल साफ कर दी है." होम्स ने कहा. "यह मेरा दोस्त है, डाक्टर वॉटसन और इस के सामने भी तुम बेझिझक बात कर सकती हो. अब सब बताओ कि मिस्टर होस्मर एंजिल से तुम्हारा क्या रिश्ता है?"

मिस सदरलैंड के चेहरे पर लाली छा गई, और वह सकुचाती हुई अपनी जैकेट की डोरी से खेलने लगी. "पहली बार मैं उस से गैसफिटर बॉल में मिली थी." वह बोली. "जब मेरे पिता जिंदा थे, तो वे लोग उन को टिकट भेजा करते थे और बाद में भी उन्होंने हमें याद रखा और मां के पास टिकट भेजते थे. मिस्टर विंडीबैंक नहीं चाहता था कि हम जाएं. वह नहीं चाहता था कि हम कहीं भी जाएं. अगर मैं संडे स्कूल भी जाना चाहती, तो वह गुस्से से पागल हो जाता. पर इस बार मैं ने ठान लिया कि मैं जरूर जाऊंगी, क्योंकि उस को रोकने का क्या हक है?

“उस ने कहा कि वे लोग इस लायक नहीं हैं कि हम उन्हें जानें, जबकि मेरे पिता के सारे दोस्त वहां आने वाले थे. उस ने कहा कि मेरे पास पहनने लायक कुछ भी नहीं है जबकि मेरे पास एक बेहद खूबसूरत ड्रेस थी जिसे मैं ने छुआ तक नहीं था. आखिर में जब कोई बात नहीं बनी, तो वह फर्म की बिजनेस के सिलसिले में फ्रांस चला गया, पर मां और मैं मिस्टर हार्डी के साथ गए, जो हमारा फोरमैन था और वहीं पर मैं मिस्टर होस्मर एंजिल से मिली.”

“शायद,” होम्स ने कहा, “जब मिस्टर विंडीबैंक फ्रांस से लौटा, तो वह तुम्हारे बॉल में जाने की बात जान कर बहुत नाराज हुआ होगा.”

“अरे नहीं, वह बड़ी खुशमिजाजी से पेश आया. मुझे याद है कि वह हंसा, कंधे उचकाए और बोला कि किसी स्त्री को किसी बात के लिए मना नहीं करना चाहिए क्योंकि वह अपने मन की कर के ही मानती है.”

“अच्छा, फिर गैसफिटर बॉल में, तुम्हारी मुलाकात मिस्टर होस्मर एंजिल से हुई.”

“हां सर. मैं उस रात उस से मिली और अगले दिन वह पूछने आया कि हम घर सुरक्षित पहुंचे या नहीं. उस के बाद मिस्टर होम्स, मैं उस से दो बार सैर के दौरान मिली, पर उस के बाद पापा लौट आए और मिस्टर होस्मर एंजिल फिर घर नहीं आ पाया.”

“नहीं”

“देखिए, पापा को इस तरह का कुछ भी नापसंद था. उस का बस चलता तो वह अपने घर किसी भी मेहमान को नहीं आने देता और वह कहता था कि स्त्री को अपने परिवार के बीच में ही रहना चाहिए. पर फिर जैसा मैं मां से कहा करती थी, किसी भी स्त्री को अपना सामाजिक दायरा चाहिए होता है, जो मुझे अभी तक नहीं मिला है.”

“पर मिस्टर हॉस्मर एंजिल ने तुम से मिलने की कोशिश नहीं की?”

“पापा एक हफ्ते के भीतर फिर से फ्रांस जाने वाला था और हॉस्मर ने लिख कर कहा कि जब तक वह चला नहीं जाता, बेहतर होगा कि हम एकदूसरे से न मिलें. पर हम एकदूसरे को लिख सकते थे और वह रोजाना मुझे पत्र लिखता था. मैं उन पत्रों को सुबह लिया करती थी, जिस से पापा को मालूम नहीं चल पाता था.”

“तब तक तुम्हारी उस शख्स से सगाई हो चुकी थी?”

“हां, मिस्टर होम्स. हम जब पहली बार सैर के लिए गए, तभी हमारी सगाई हो गई थी. हॉस्मर मिस्टर एंजिल लीडनहॉल स्ट्रीट के एक ऑफिस में कैशियर था और...”

“कैसा ऑफिस?”

“यही तो मुसीबत है, मिस्टर होम्स. मुझे नहीं मालूम.”

“तो वह रहता कहां था?”

“वह दफ्तर में ही सोता था.”

“और तुम को पता मालूम नहीं है?”

“नहीं. सिवा इस के कि वह लीडनहॉल स्ट्रीट पर रहता था.”

“तो फिर तुम पत्र किस पते पर भेजती थी?”

“लीडनहॉल-स्ट्रीट पोस्ट ऑफिस के पते पर कि वहां से अपने आप ले लिया जाएगा. उस ने कहा था कि अगर मैं ने दफ्तर के पते पर भेजा तो सारे क्लर्क उस की खिल्ली उड़ाएंगे कि लड़की के पत्र आते हैं, इसलिए मैं पत्र टाइप करती थी और वह भी टाइप करता था. पर उसे यह अच्छा नहीं लगता था क्योंकि उसे लगता था कि टाइपराइटर उस के और मेरे बीच आता है. इस से तुम्हें पता चलेगा कि वह मुझ से कितना प्यार करता था, मिस्टर होम्स और इन छोटीछोटी बातों के बारे में सोचता था.”

“बिलकुल.” होम्स बोला. “मेरा हमेशा से मानना रहा है कि छोटीछोटी बातें ही सब से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होती हैं. मिस्टर हॉस्मर एंजिल के बारे में और कुछ याद है तुम्हें?”

“वह बड़ा संकोची था, मिस्टर होम्स. वह मेरे साथ शाम को घूमना पसंद करता था, सवेरे नहीं क्योंकि वह कहता था कि उसे किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने से नफरत है. बड़ा सज्जन और शांत स्वभाव का, उस की आवाज भी कोमल थी. जब वह छोटा था, तो उस को गले की कोई बीमारी हो गई थी, जिस से उस का गला कमजोर हो गया था और आवाज में फुसफुसाहट आ गई थी. वह हमेशा ढंग के कपड़े पहनता था, साफसुथरे और सादा, पर उस की आंखें कमजोर थीं, मेरी तरह और वह रोशनी से बचने के लिए हमेशा गहरा चश्मा ही पहनता था.”

“अच्छा. और फिर क्या हुआ जब मिस्टर विंडीबैंक, तुम्हारा सौतेला पिता, फ्रांस वापस गया?”

“मिस्टर हॉस्मर एंजिल फिर से घर आया और उस ने प्रस्ताव रखा कि हम पापा के आने से पहले शादी कर लें. वह बेहद उतावला था और मुझ से वचन लिया गया कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं उस के प्रति वफादार रहूंगी. मां बोली कि वह सही कर रहा है, कि यह उस के जुनून का सबूत है. मां शुरू से उस के पक्ष में थी और मुझ से भी ज्यादा प्यार करती थी. फिर जब उसी हफ्ते शादी की बात छिड़ी, मैं पापा के बारे में पूछने लगी पर उन दोनों ने कहा कि मैं पापा की फिक्र न करूं और उसे बाद में बता देंगे. मां ने कहा कि वह सब कुछ ठीक कर देगी. मुझे यह बात अच्छी नहीं लगी मिस्टर होम्स. यह उचित था कि मैं उस की रजामंदी लूं क्योंकि वह मुझ से कुछ ही साल बड़ा था, पर मैं चोरीछुपे कुछ नहीं करना चाहती थी, इसलिए मैं ने पापा को चिट्ठी लिखी, जहां कंपनी का फ्रांस में ऑफिस था, से वह चिट्ठी मेरी शादी की सुबह वापस आ गई.”

“तो वह उसे नहीं मिली?”

“जी सर, क्योंकि चिट्ठी पहुंचने से पहले ही वह इंगलैंड के लिए चल पड़ा था.”

“हां, यह तो बुरा हुआ. अच्छा, तुम्हारी शादी का दिन शुक्रवार को तय हुआ था? क्या वह चर्च में होनी थी?”

“हां सर, पर बहुत चुपचाप तरीके से. वह सेंट सेवियर्स में होनी थी, किंग क्रॉस के पास और उस के बाद सेंट पैनक्रास होटल में हमें नाश्ता करना था. हॉस्मर हैनसम में हमारे पास आया, पर क्योंकि हम दो थे, उस ने हम दोनों को उस में लिया और खुद दूसरे चौपहिए में चला गया, जो सड़क पर उस वक्त खड़ी एकमात्र कैब थी. हम पहले चर्च पहुंचे और जब कैब आई तो हम ने उस के उतरने का इंतजार किया, पर वह नहीं उतरा और जब कैब वाले ने उतर कर अंदर देखा, तो वहां कोई नहीं था! कैब वाले ने कहा कि उस की समझ में नहीं आ रहा कि वह कैसे गायब हो सकता है, क्योंकि उस ने अपनी आंखों से उसे कैब में बैठते देखा था. यह पिछले शुक्रवार की बात है मिस्टर होम्स, और तब से मैं ने उसे न देखा है, न सुना है कि बता सकूं कि उस का क्या हुआ.”

“ऐसा लगता है कि तुम्हारे साथ बहुत शर्मनाक बरताव हुआ है.” होम्स बोला.

“नहीं सर, वह बहुत अच्छा और उदार है. वह मुझे कभी नहीं छोड़ेगा. पूरी सुबह वह मुझ से यही कहता रहा कि कुछ भी हो, मुझे उस के प्रति वफादार होना होगा और अगर हमें अलग करने की कोई अप्रत्याशित

घटना घट भी जाए, तो भी मुझे याद रखना होगा कि मैं ने उस की होने की कसम खाई है और देरसवेर वह मेरा ही हो कर रहेगा. शादी की सुबह ऐसी बातें अजीब लग रही थीं, पर जो कुछ तब से हुआ है, उस से ये बातें महत्त्वपूर्ण हो जाती हैं."

"बिलकुल हो जाती हैं. तो तुम्हारी राय यह है कि उस के साथ कोई अनहोनी हो गई है?"

"हां सर. मुझे लगता है कि उसे किसी खतरे का एहसास हो गया था वरना वह इस तरह की बात नहीं करता और फिर, उस को जिस बात का डर था, वह हो गई."

"पर तुम को बिलकुल अंदाज नहीं है कि उस के साथ क्या हुआ होगा?"

"नहीं."

"एक और सवाल. तुम्हारी मां की इस मामले में क्या प्रतिक्रिया रही?"

"वह बड़ी नाराज हुई और बोली कि मुझे इस बारे में अब कभी भी बात नहीं करनी है."

"और तुम्हारा पापा? क्या तुम ने उसे बताया?"

"हां, और मेरी तरह उसे भी लगा कि कुछ हो गया है और हॉस्मर मुझ से संपर्क करेगा. जैसा वह कह रहा था, किसी को इस से क्या फायदा होगा कि मुझे चर्च के दरवाजे पर लाकर फिर छोड़ जाए? अब अगर उस ने मुझ से पैसे उधर लिए होते या मुझ से शादी कर के मेरे पैसे हड़प लिए होते तब भी कोई बात थी, पर हॉस्मर रुपए पैसे के मामले में एकदम स्वतंत्र था और मुझ से एक शिलिंग भी नहीं लिया. पर उस के साथ क्या हुआ होगा? और वह मुझे चिट्ठी क्यों नहीं लिख सकता था? यह सोचसोच कर मैं आधी पागल हो रही हूं! मैं रात में बिलकुल भी नहीं सो पा रही." उस ने एक छोटा सा रूमाल निकाला और जोरजोर से सुबकने लगी.

"तुम्हारे लिए मैं इस केस पर नजर डालूंगा." होम्स ने खड़े होते हुए कहा. "और मुझे कोई शक नहीं है कि हम जल्दी ही किसी नतीजे पर पहुंच जाएंगे. अब मामले को मेरे ऊपर छोड़ दो और तुम इस के बारे में बिलकुल भी मत सोचो और मिस्टर हॉस्मर एंजिल को अपने दिमाग से दूर कर दो, जैसे वह तुम्हारी जिंदगी से दूर चला गया है."

"तो तुम को नहीं लगता कि मैं उसे कभी भी फिर से देखूंगी?"

"मुझे नहीं लगता."

"तो फिर उस को क्या हुआ?"

"यह सवाल मेरे ऊपर छोड़ दो. मुझे उस का बिलकुल सही वर्णन करो और उस की भेजी कोई भी चिट्ठी मुझे दो."

"मैं ने पिछले शनिवार के क्रॉनिकल में उस की रिपोर्ट दर्ज कराई थी." वह बोली. "यह रही उस की परची और ये रहीं उस की भेजी चार चिट्ठियां."

"शुक्रिया. और तुम्हारा पता?"

"31 , लियोन-प्लेस, केंबरवेल."

"मिस्टर एंजिल का पता तुम्हारे पास था ही नहीं, ऐसा तुम ने मुझे बताया है. तुम्हारे पिता का बिजनेस कौन सी जगह है?"

"वह वेस्टहाउस एंड मारबैंक के लिए काम करता है, जो फेनचर्च स्ट्रीट के बड़े व्यापारी हैं."

"शुक्रिया. तुम ने अपनी बात साफ ढंग से बताई है. तुम ये कागज यहीं छोड़ जाओ और उस सलाह पर ध्यान दो जो मैं ने दी है. इस पूरी घटना को बंद किताब समझो और इस का अपनी जिंदगी पर असर मत पड़ने दो."

"मिस्टर होम्स, तुम बहुत अच्छे हो. पर मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगी. मैं हॉस्मर के प्रति वफादार रहूंगी. जब वह वापस आएगा तो मुझे तैयार पाएगा."

बड़े हैट और सपाट चेहरे के बावजूद हमारी मेहमान के इस भरोसे में कुछ ऐसा था कि हमारे मन में उस के लिए इज्जत बढ़ गई. उस ने कागजों का छोटा सा बंडल मेज पर रखा और चली गई, इस वादे के साथ कि हम जब भी उसे बुलाएगा, वह फौरन आ जाएगी.

कुछ मिनटों तक शरलॉक होम्स चुपचाप, अंगुलियां जोड़े, पैर पसारे बैठा रहा और उस की नजर छत पर टिकी थी. फिर उस ने रैक पर से पुराना और तैलीय मिट्टी का पाइप निकाला, जो उस का सलाहकार था और उसे सुलगाने के बाद वह धुएं के बादलनुमा गहरे नीले छल्ले छोड़ता हुआ, चेहरे पर बेहद शांत भाव लिए, फिर से कुरसी पर पसर गया.

"काफी रुचिकर है यह युवती," वह बोला. "मुझे उस की छोटी सी समस्या से ज्यादा रुचिकर वह लगी. अगर मेरी किताब देखो तो इस से मिलतेजुलते और भी मामले हो चुके हैं-सन 77 में एंडोवर में और पिछले

साल हेग में भी ऐसा ही कुछ हुआ था. यह तरकीब है तो पुरानी पर इस की एकदो बातें मेरे लिए नई थीं. पर युवती ने खुद ही काफी बता दिया है."

"तुम ने उस से काफी जानकारी ले ली, जो मुझे दिखाई नहीं दी." मैं ने कहा.

"अदृश्य नहीं थी, बस तुम ने गौर नहीं किया, तुम को मालूम नहीं था कि कहां देखना है, इसलिए जरूरी बातें तुम्हारी नजर में नहीं आईं. आस्तीनों का महत्त्व या अंगूठे के नाखून क्या बतलाते हैं या जूते के फीतों में क्याक्या मुद्दे जुड़े होते हैं, मैं तुम्हें कभी नहीं बता सकता. अब बताओ कि इस महिला को देख कर तुम क्या मालूम कर सके?"

"ठीक है, उस ने सलेटी रंग का चौड़े किनारे वाला स्ट्रॉ हैट पहना था, जिस पर ईंट के लाल रंग का पंख था. उस की जैकेट काली थी, पर उस पर काले मोती सिले हुए थे और उस पर छोटेछोटे काले आभूषण भी लटक रहे थे. उस की ड्रेस कत्थई रंग की थी, कौफी के रंग से कुछ गहरी, गरदन पर बैंगनी फर का किनारा और आस्तीनों पर भी. उस के दस्ताने सलेटी से थे और दाएं हाथ की तर्जनी पर फटे हुए. उस के बूटों पर मैं ने गौर नहीं किया. उस ने छोटेछोटे गोल झुमके पहने थे और वह एक तरीके से थोड़ीबहुत अमीर लग रही थी."

शरलॉक होम्स ने हौले से ताली बजाई और हंसा.

"वाकई मानना पड़ेगा, वॉटसन, तुम अच्छी तरह सीख रहे हो, कमाल कर दिया. यह सही है कि तुम ने सभी जरूरी बातों को नजरअंदाज कर दिया है. पर तुम्हें तरीके की समझ आ गई है. तुम रंगों की पहचान आसानी से कर लेते हो, परंतु कभी भी उन बातों पर मत जाओ जो आंखों से दिखाई देती हैं-बारीकियों पर गौर करो. मेरी नजर सब से पहले महिला की आस्तीन पर जाती है.

पुरुष में बेहतर होता है, सब से पहले उस की पैंट के घुटनों पर गौर करना जैसा कि तुम ने देखा कि इस महिला की आस्तीन पर फर था, जो चिट्ठे खोलने के लिए सब से बढ़िया होता है.

"कलाई के ऊपर पड़ी दोहरी लाइन जहां टाइप करने वाली की कलाई मेज पर टिकती है, काफी साफ थी. हाथ की सिलाई मशीन से भी ऐसा निशान पड़ता है, पर सिर्फ बाएं हाथ में और अंगूठे के विपरीत ओर, न कि सब से चौड़ी जगह, जैसा यहां था. फिर मैं ने उस का चेहरा देखा और नाक के दोनों ओर चश्मे के पड़े गड्ढे, जिस से मैं ने उस की कमजोर नजर और टाइपिंग पर टिप्पणी की, जिस ने शायद उसे चौंका दिया."

“मैं भी चौंक गया था.”

“पर यह बात तो एकदम साफ थी. फिर जब मेरी नजर नीचे फिसली तो मुझे यह देख कर ताज्जुब भी हुआ और कौतूहल भी कि उस के बूट हालांकि एक से थे, फिर भी थोड़े अलग भी थे. एक के पंजे पर डिजाइन था, दूसरा सादा था. एक के पांच में से सिर्फ नीचे के दो बटन बंद थे और दूसरे में पहला, तीसरा और पांचवां. अब जब तुम देखते हो कि कोई युवती जो वैसे अच्छी तरह कपड़े पहने हुए है, अपने घर से बेमेल, आधे बटन हुए, बूट पहन कर आई है, तो यह कहने में कोई बड़ा राज नहीं कि वह बेहद हड़बड़ी में आई है.”

“और भी कुछ?” मैं ने बहुत दिलचस्पी से पूछा जैसे मैं अमूमन अपने मित्र की तर्क भरी बातों को सुन कर कहता था.

“मैं ने यूं ही गौर किया कि घर से चलने से पहले उस ने एक नोट लिखा था, पर पूरी तरह कपड़े पहनने के बाद. तुम ने गौर किया कि उस की दाईं तर्जनी पर दस्ताना फटा हुआ था, पर शायद तुम ने यह नहीं देखा कि दस्ताना और अंगुली दोनों ही नीली स्याही से रंगे थे. उस ने बहुत जल्दी में लिखा था और कलम स्याही में कुछ ज्यादा डुबो दिया था. यह इसी सुबह की बात है, नहीं तो अंगुली पर निशान इतना साफ नहीं होता. यह सब हास्यप्रद है, पर मुझे काम की बात करनी होगी. वॉटसन, क्या तुम अखबार में छपा मिस्टर हॉस्मर विलसन का वर्णन पढ़ कर सुनाओगे?”

“मैं ने वह छोटी सी छपी हुई परची रोशनी की ओर की ‘गुमशुदा’. “चौदह तारीख की सुबह, हॉस्मर एंजिल नाम का शख्स, कद लगभग 5 फुट, 7 इंच, हृष्टपुष्ट डीलडौल, सफेद रंग, काले बाल, सिर में थोड़ा सा गंजा, घुंघराली दाढ़ी और घनी मूंछें, गहरे रंग का चश्मा; बोलने में थोड़ी दिक्कत. आखिरी बार देखे जाने पर काली फ्रॉक कोट, काला कोट, सोने की अलबर्ट चेन और स्लेटी ट्वीड की पैंट पहने था. लीडन-स्ट्रीट हॉल के एक दफ्तर में काम करता था. जिस किसी को भी...आदिआदि.”

“काफी है,” होम्स ने कहा. “जहां तक चिट्ठियों का सवाल है,” उन पर नजर डालते हुए वह बोला, “ये बड़ी आम हैं. इन में मिस्टर एंजिल के बारे में कोई सुराग नहीं है, सिवा इस के, कि उस ने एक बार बॉलजैक का हवाला दिया है. पर एक बात गौर फरमाने वाली है और वह तुम को भी दिखलाई देगी.”

“ये सब टाइप की हुई हैं.” मैं ने कहा, “न सिर्फ यह, पर दस्तखत भी टाइप किए हुए हैं. नीचे कितनी सफाई से हॉस्मर एंजिल टाइप किया गया

है, तारीख तो दी है, पर पते की जगह सिर्फ लीडन हॉल-स्ट्रीट लिखा है. दस्तखत वाली बात हमारे केस को सुलझा देती है.”

“कैसे?”

“माई डियर फेलो, क्या ऐसा हो सकता है कि तुम को अभी भी समझ में नहीं आया?”

“मैं नहीं कह सकता कि मैं समझ गया हूं या शायद बात यह है कि उस ने अपना हस्ताक्षर भी टाइप इसलिए किया होगा कि कहीं अपने खिलाफ धोखेबाजी की काररवाई होने पर वह मुकर सके.”

“नहीं. बात यह नहीं थी. फिर भी, मैं दो पत्र लिखूंगा जिस से मामला सुलझ जाएगा. एक शहर की एक फर्म को और दूसरा युवती के सौतेले पिता, मिस्टर विंडीबैंक को. उस से कहने कि क्या वह हम से यहां पर कल शाम छह बजे मिल सकता है? यह ठीक ही रहेगा कि हम घर के पुरुषों से भी संपर्क करें और अब डाक्टर, हम कुछ नहीं कर सकते जब तक इन पत्रों के जवाब नहीं आ जाते, इसलिए कुछ समय के लिए हमें इस समस्या हो यहीं छोड़ना होगा.”

मुझे अपने मित्र की अजब तर्कशक्ति पर विश्वास करने की इतनी वजहें थीं कि मुझे लगा कि इस राज को इतनी सरलता से लेने के पीछे उस के पास कोई ठोस वजह होगी. सिर्फ एक बार ही मैं ने उसे विफल होते देखा है, बोहेमिया के राजा और आईरीन एडलर फोटो मामले में, पर जब मैं ने चार के चिह्न की खौफनाक दास्तान और लाल रंग का अध्ययन से संबंधित परिस्थितियों के बारे में याद किया, तो मुझे लगा कि जो गुत्थी वह नहीं सुलझा सकता, वह वास्तव में ही बेहद उलझी होगी.

उसे काली मिट्टी के पाइप पर कश लेते छोड़, मैं वहां से चला गया, इस भरोसे के साथ कि जब मैं अगली शाम यहां आऊंगा, मुझे पता चलेगा कि उस के हाथ में वे सभी सुराग हैं, जिन से मिस मेरी सदरलैंड के गायब हुए दूल्हे के बारे में पता चलता है.

उस वक्त अपने ही पेशे से संबंधित एक गंभीर केस में मेरा ध्यान अटका हुआ था और अगले दिन सारा समय मैं रोगी की शय्या के पास बैठा रहा. करीब छह बजे मैं वहां से निपटा और एक हैनसम पकड़ कर बेकर स्ट्रीट पहुंचा, इस डर के साथ कि उस रहस्य को सुलझाने में मदद करने में मुझे देर हो गई है. पर मुझे शरलॉक होम्स अकेला ही मिला, अपनी आरामकुरसी पर सिमटे हुए आधी सोई हुई हालत में. बोतलें, टेस्टट्यूब

और हाइड्रोक्लोरिक एसिड की तीखी गंध ने मुझे बताया कि उस ने सारा दिन रसायनों के बीच बिताया था, जो उसे बहुत प्रिय था.

“क्या तुम ने गुत्थी सुलझा ली?” अंदर आते हुए मैं ने पूछा.

“हां. यह वोरायता का बाय सल्फेट है.”

“नहींनहीं. मैं तो केस के बारे में पूछ रहा था.”

“अच्छा वह! मैं ने सोचा कि तुम इस सॉल्ट के बारे में पूछ रहे हो जिस पर मैं काम कर रहा हूं. इस केस में वैसे कभी भी कोई रहस्य था ही नहीं, हालांकि जैसा मैं ने कल कहा था, उस की कुछ बातें दिलचस्प थीं. सब से बड़ी कमजोरी यह है कि मुझे डर है कि ऐसा कोई कानून नहीं है, जो उस धोखेबाज को छू सके.”

“तो फिर वह कौन था और मिस सदरलैंड को धोखा देने के पीछे उस का क्या मकसद था?”

“यह सवाल मेरे मुंह से निकला भर था और होम्स ने जवाब देने के लिए होंठ खोले भी नहीं थे कि हमें गलियारे में भारी कदमों की आइट सुनाई दी और फिर दरवाजे पर दस्तक.”

“यह उस लड़की का सौतेला पिता है, मिस्टर जेम्स विंडीबैंक.” होम्स ने कहा. इस ने मुझे लिखा था कि छह बजे आएगा. अंदर आ जाओ.”

अंदर आने वाला आदमी हृष्टपुष्ट, मध्यम कद का था, उमर होगी करीब तीस वर्ष, शेव किया चेहरा, गोरा रंग और बेहद तीखी और बेधती हुई दो सलेटी आंखें. उस ने हम दोनों पर सवालिया नजर डाली, किनारे पर अपना चमकता हैट रखा और हलके से अभिवादन के साथ सब से नजदीक रखी कुरसी पर बैठ गया.

“गुडईवनिंग, मिस्टर जेम्स विंडीबैंक,” होम्स ने कहा. “मेरे खयाल से यह टाइप किया हुआ पत्र तुम्हारा है, जिस में तुम ने मुझ से छह बजे मिलना तय किया था?”

“हां, सर. मुझे अफसोस है कि मुझे थोड़ी देर हो गई है, पर मैं अपनी मर्जी से नहीं चल पाता. मुझे दुख है कि मिस सदरलैंड ने इस छोटे से मामले में तुम को भी उलझा लिया, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि घर की बात बाहर आए. वह मेरी मर्जी के खिलाफ आई थी, पर वह बहुत उत्तेजित हो जाती है और बगैर सोचेसमझे काम करती है. जब वह किसी चीज का मन बना लेती है तो उसे रोका नहीं जा सकता. यह जरूर है कि मुझे तुम से

उतनी ज्यादा आपत्ति नहीं है, क्योंकि तुम पुलिस से जुड़े हुए नहीं हो. पर घर परिवार की बात का बाहर ढिंढोरा पीटा जाना अच्छा नहीं लगता और फिर यह बेकार की मेहनत है क्योंकि आखिर तुम मिस्टर हॉस्मर एंजिल को कैसे ढूंढ़ सकोगे?"

"इस के विपरीत," होम्स ने शांत भाव से कहा, "मुझे यह मानने का हर कारण है कि मैं मिस्टर हॉस्मर एंजिल को ढूंढ़ने में सफल हो जाऊंगा."

मिस्टर विंडीबैंक बुरी तरह चौंक गया और उस के दस्ताने नीचे गिर गए. "यह सुन कर मुझे बहुत खुशी हुई है." वह बोला.

"बड़ी अजीब बात लगती है," होम्स बोला, "एक टाइपराइटर में भी उतना ही व्यक्तित्व होता है, जितना किसी की लिखावट में होता है. कोई भी दो की लिखावट एक सी नहीं होती. कोईकोई अक्षर दूसरों से ज्यादा धुंधले पड़ जाते हैं, और कोईकोई किसी एक तरफ हलका होता है. अब तुम खुद ही देखो मिस्टर विंडीबैंक, तुम्हारे पत्र में हर जगह 'म' थोड़ा ज्यादा खिंचा हुआ है, और 'त' में भी हलका सा दोष है. ऐसी 14 और विशेषताएं हैं, पर ये दो ज्यादा स्पष्ट हैं."

"हम इसी मशीन से सारा पत्र व्यवहार करते हैं. ऑफिस में, और इस में शक नहीं कि यह थोड़ा घिस गया है." हमारे मेहमान ने जवाब दिया. उस की छोटीछोटी चमकीली आंखें होम्स की ओर गौर से देख रही थीं.

"और अब मैं तुम को एक बड़ी दिलचस्प बात दिखाता हूं, मिस्टर विंडीबैंक," होम्स ने कहा. "मैं सोचता हूं कि एक दिन टाइपराइटर और उस का अपराध से संबंध के ऊपर लेख लिखूंगा. इस विषय पर मैं ने थोड़ा बहुत ध्यान दिया है. मेरे पास इस समय गुमशुदा शख्स के चार पत्र हैं. वे सभी टाइप किए हुए हैं. हर पत्र में न सिर्फ 'म' धुंधला है, और 'त' की पूंछ नहीं है, पर तुम भी गौर करोगे, अगर मेरे मैनीफाईंग ग्लास से देखो, कि मैं ने जो चौदह और दोषों के बारे में कहा था, वे सभी इन पत्रों में मौजूद हैं."

मिस्टर विंडीबैंक अपनी कुरसी से उछल पड़ा और अपना हैट उठा लिया. "मैं इस तरह की अनापशनाप बातों पर वक्त बरबाद नहीं कर सकता, मिस्टर होम्स." वह बोला. "अगर तुम उस आदमी को पकड़ सकते हो, तो पकड़ लेना और मुझे इस की खबर कर देना."

"बिलकुल," उस का रास्ता रोक कर दरवाजे पर चाबी लगाते हुए होम्स ने कहा. "तुम को फिर यह जानकारी दे ही दूं कि मैं ने उसे पकड़ लिया है."

“क्या? कहां?” सफेद पड़ते मिस्टर विंडीबैंक ने चूहेदानी में फंसे चूहे की तरह फड़फड़ा कर कहा.

“ओह, ऐसे नहीं चलेगा-बिलकुल नहीं चलेगा.” होम्स ने होशियारी से कहा. “इस में से निकलने की कोई संभावना नहीं है, मिस्टर विंडीबैंक यह एकदम साफ है और यह कह कर तुम ने मेरी तौहीन की है कि मैं इतना आसान सा केस नहीं सुलझा सकूंगा. अब चुपचाप यहां बैठ जाओ और बातचीत करो.”

हमारा मेहमान कुरसी पर लुढ़क गया. उस का चेहरा सफेद हो गया था और माथे पर पसीने की बूंदें दिखाई दे रही थीं. “इस अपराध के लिए सजा नहीं दी जा सकती.” वह हकलाया.

“मुझे इस का बड़ा दुख है कि इस गुनाह के लिए सजा नहीं दी जा सकती. पर आपस में तो यह कहा ही जा सकता है कि यह निहायत ही क्रूर और स्वार्थी गुनाह है जो तुम ने किया है, ऐसा मैं ने पहले कभी नहीं देखा. अब सारी घटनाओं पर नजर डालते हैं और जहां मैं गलत कहूं, मुझे टोक देना.”

वह अपनी कुरसी पर गठरी बना बैठा रहा, उस का सिर छाती पर टिका था, मानो बिलकुल हताश हो गया हो. होम्स ने अपने पैर मैंटलपीस के कोने पर टिका दिए और जेब में हाथ डाल कर पसर गया. उस के बाद, मानो खुद से वह बोलने लगा-

“इस आदमी ने अपने से कहीं अधिक उमर वाली स्त्री से उस के पैसों के लिए शादी की और उस की बेटी की कमाई भी तब तक उड़ाने को मिली, जब तक वह उन के साथ रह रही थी. यह काफी बड़ी रकम थी और इस रकम के बिना उन्हें परेशानी होती. इसलिए इसे बचा कर रखने की कोशिश करनी पड़ी. बेटी सरल और अच्छे स्वभाव की थी और जाहिर था कि रईस भी होने की वजह से वह ज्यादा दिन अकेली नहीं रहती. अब उस की शादी का मतलब था कि सालाना सौ हाथ से गए. तो उस का सौतेला बाप क्या करता है? जाहिर है कि वह उसे घर से बाहर आनेजाने नहीं देता और अपने हमउमर लोगों से मिलनेजुलने पर पाबंदी लगा देता है. पर जल्दी ही वह समझ जाता है कि ऐसा वह हमेशा नहीं कर सकता. वह बेसब्र हो कर अपने हक मांगने लगी और फिर उस ने अपना फैसला सुना दिया कि अमुक बॉल में जरूर जाएगी.

“फिर उस का चालाक सौतेला बाप क्या करता है? वह एक चाल सोचता है. अपनी बीवी की रजामंदी और मदद से वह भेष बदलता है,

अपनी तीखी आंखों को गहरे चश्मे से छुपाता है, चेहरे को दाढ़ी मूंछों से ढकता है. अपनी आवाज को फुसफुसाहट में बदलता है और लड़की की कमजोर नजर का फायदा उठाते हुए मिस्टर हॉस्मर एंजिल बन जाता है और खुद उस का प्रेमी बन कर दूसरे प्रेमियों को उस से दूर रखता है."

"शुरू में यह सिर्फ मजाक था." वह मिनमिनाया. "हम ने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी खो जाएगी."

"जो भी कुछ हो, वह युवती उस के प्रेम में इतना डूब गई कि उस ने सपने में भी नहीं सोचा कि सब धेखा है, क्योंकि उस की समझ में तो सौतेला पिता फ्रांस में था, उसे अपने प्रेमी की बातें अच्छी लगने लगीं और मां ने तारीफ कर के उस प्रेम को और भड़काया. फिर मिस्टर एंजिल घर आने लगा जिस से प्यार और बढ़ जाए, इन मुलाकातों के बाद सगाई हुई, जिस से लड़की उसी से बंधी रहे. पर यह धोखा हमेशा नहीं दिया जा सकता था. कब तक वह फ्रांस जाने की झूठ कहता? अब यही था कि इस पूरे मामले को इतनी नाटकीयता से खत्म करना होगा कि युवती के दिमाग पर हमेशा के लिए छाप छोड़ जाए और काफी दिनों तक वह किसी और को अपना साथी न समझे, इसलिए सच्चा रहने के वायदे किए गए और इस ओर भी इशारा किया गया कि शादी की सुबह ही कुछ अनहोनी घट सकती है.

"जेम्स विंडीबैंक चाहता था कि मिस सदरलैंड इतनी बंध जाए हॉस्मर एंजिल से और उस के बारे में इतनी अनिश्चय की हालत में रहे कि आने वाले दस सालों तक वह किसी दूसरे पुरुष की बातें न सुनना चाहे. वह उसे चर्च के गेट तक ले आया और क्योंकि इस से आगे वह नहीं बढ़ सकता था, वह चुपचाप वहां से खिसक लिया. चौपहिए के एक दरवाजे से अंदर जा कर दूसरे दरवाजे से बाहर निकल कर यह तो पुरानी तरकीब है. मैं समझता हूं कि यही सारी घटनाक्रम है, मिस्टर विंडीबैंक!"

होम्स जब बोल रहा था, तो हमारा मेहमान भी सामान्य हो गया था. अब होंठ टेढ़े कर के वह कुरसी से उठा.

"ऐसा हो भी सकता है और नहीं भी, मिस्टर होम्स," वह बोला. "पर अगर तुम इतने तेज दिमाग हो, तो तुम को यह भी मालूम होना चाहिए कि इस वक्त तुम कानून तोड़ रहे हो न कि मैं. मैं ने शुरू से ही कुछ ऐसा नहीं किया कि मुझे सजा दी जाए, पर तुम जितनी देर तक दरवाजा बंद रखोगे, तुम जबरन किसी को बंदी बनाने के आरोप में सजा पा सकते हो."

“जैसा तुम कहते हो, कानून तुम को छू भी नहीं सकता,” होम्स ने दरवाजे को खोलते हुए कहा, “पर तुम से ज्यादा और कोई भी सजा का हकदार नहीं है. अगर युवती का भाई या दोस्त है, तो उसे तुम्हारे कंधे पर कोड़े बरसाने चाहिए. “बाय जोव,” उस आदमी के चेहरे पर आई तिरस्कार की मुसकान देख कर वह बोला. “यह मेरा फर्ज नहीं है, पर मेरे पास एक चाबुक है जिसे इस्तेमाल-” उस ने कोड़े की ओर दो कदम उठाए, पर कोड़ा पकड़ने से पहले ही तेजी से सीढ़ियां उतरने की आवाज आई और खिड़की से हम ने देखा कि जेम्स विंडीबैंक पूरी गति से सड़क पर भागा जा रहा है.

“ठंडे खून वाला कुत्ता!” हंसते हुए होम्स ने कहा और एक बार फिर से कुरसी पर पसर गया. “वह आदमी अपराध पर अपराध करता रहेगा और फिर कोई ऐसी वारदात कर देगा कि उसे फांसी हो जाएगी. कई मामलों में यह केस काफी दिलचस्प रहा है.”

“मैं तुम्हारी तर्कों की कड़ी अभी तक नहीं समझ पाया हूं.” मैं ने कहा.

“देखो, यह तो शुरू से ही साफ था कि मिस्टर हॉस्मर एंजिल के विचित्र व्यवहार के पीछे उस का कोई मकसद तो जरूर रहा होगा और यह भी साफ था, जहां तक हम देख सकते थे कि इस घटना से उस के सौतेले पिता को ही सब से ज्यादा फायदा होना था. फिर इन दोनों का कभी भी एक साथ न होना कि एक तभी दिखाई देता था जब दूसरा मौजूद न हो, शक पैदा करता था. फिर गहरा चश्मा, दाढ़ी मूंछें, अजीब आवाज, ये सब बातें इशारा कर रही थीं कि कोई भेष बदल कर बहुरुपिया बन रहा था. मेरा शक उस वक्त यकीन बन गया जब इस ने अपना दस्तखत न कर के नाम टाइप कर दिया. इस का मतलब यह था कि उस की लिखावट युवती के लिए इतनी जानीपहचानी है कि वह उसे देखते ही पहचान जाती. इस तरह की बहुत सारी छोटीछोटी बातें एक ही ओर इशारा करती हैं.”

“और तुम ने इन को साबित कैसे किया?”

“एक बार गुनाहगार के बारे में पता चल गया तो काम आसान हो गया. मैं उस फर्म को जानता हूं जहां यह काम करता है. अखबार में दिए ब्योरे, मैं ने वह सब हटाया, जो भेष बदलने में मददगार होता है-दाढ़ी मूंछ, चश्मा, आवाज, और यह मैं ने फर्म को भेजा, इस दरख्वास्त के साथ कि उन के यहां काम कर रहे किसी शख्स से मेल खाता है या नहीं. मैं ने टाइपराइटर की खासियत पहले ही गौर कर ली थी और मैं ने इस शख्स को लिखा कि वह यहां आ जाए. जैसी मुझे उम्मीद थी, इस ने जवाब टाइप किया था, और इस में भी अक्षरों की वही गलतियां निकलीं. मेरे पास वेस्टहाउस एंड

मारबैंक से भी चिट्ठी आई, यह बताने के लिए कि हमारा ब्योरा उन के एक मुलाजिम जेम्स विंडीबैंक से हूबहू मिलता था.”

“और मिस सदरलैंड?”

“अगर मैं उसे बताऊंगा तो वह यकीन नहीं करेगी. तुम्हें वह पुरानी फारसी की कहावत याद होगी-जो एक बाघ के बच्चे को छीनता है, उसे खतरा है और उसे भी खतरा है जो किसी स्त्री से उस के ख्वाब छीनता है.”

बॉस्कांब घाटी का राज

एक सुबह मैं और मेरी पत्नी, नाश्ता कर रहे थे. तभी नौकरानी एक टेलीग्राम ले कर आई. यह शरलॉक होम्स ने भेजा था और इस प्रकार था- क्या तुम दो दिनों के लिए वक्त दे सकते हो? मुझे पश्चिमी इंगलैंड से अभीअभी तार आया है-बॉस्कांब घाटी की त्रासदी के सिलसिले में. मुझे खुशी होगी अगर तुम मेरे साथ चलो. वहां की हवा और नजारे खूबसूरत हैं. सवा ग्यारह तक पैडिंगटन छोड़ देना.

“डियर, क्या कहते हो?” मेरी पत्नी ने मुझे देख कर कहा, “क्या तुम जाओगे?”

“मैं कुछ समझ नहीं पा रहा. अभी मेरे पास बहुत लंबी लिस्ट है.”

“ओह, एंसट्रथर तुम्हारा काम कर देगा. कुछ समय से तुम कुछ कमजोर भी दिखाई दे रहे हो, मैं सोचती हूं कि जगह बदलने से तुम्हें फायदा होगा और वैसे भी तुम को मिस्टर शरलॉक होम्स के केसों में बड़ी दिलचस्पी है.”

“अगर मैं नहीं गया तो मैं एहसान फरामोश कहलाऊंगा, क्योंकि उस के एक केस से मैं ने कितना पाया है,” मैं ने जवाब दिया. “पर अगर मुझे जाना है, तो मुझे फौरन अपना सामान पैक करना होगा, क्योंकि मेरे पास सिर्फ आधा घंटा है.”

अफगानिस्तान की कैंप की जिंदगी से मैं ने किसी भी यात्रा के लिए फौरन तैयार हो जाना सीखा था. मेरी जरूरतें कम और सामान्य थीं, जिस से आधे घंटे से कम समय में मैं कैब में बैठा पैडिंगटन स्टेशन की ओर जा रहा था. शरलॉक होम्स बेसब्री से इंतजार कर रहा था. उस का लंबा, पतला शरीर उस के लंबे सलेटी क्लोक और कैप से और भी लंबा लग रहा था.

“तुम ने आ कर बहुत अच्छा किया, वॉटसन.” वह बोला. “इस से मुझे बहुत फर्क पड़ता है जब मेरे साथ कोई ऐसा होता है, जिस पर मैं पूरा भरोसा कर सकता हूं. स्थानीय व्यक्ति हमेशा या तो बेकार होते हैं या पक्षपाती. तुम कोने की दो सीटें बचा कर रखो, मैं टिकट ले कर आता हूं.”

पूरे डिब्बे में हम दो ही थे और इस के अलावा कागजों का भारी पुलिंदा जो होम्स अपने साथ लाया था. वह इन कागजों के बीच में कुछ ढूंढ़ता और पढ़ता रहा और बीचबीच में कुछ नोट लिखता और कभी ध्यान में डूब

जाता. इस तरह हम ने रीडिंग पार कर लिया, फिर उस ने सारे कागजों का गोला बनाया और उन्हें ऊपर फेंक दिया.

"क्या तुम ने केस के बारे में कुछ सुना है?" उस ने कहा.

"एक शब्द भी नहीं. मैं ने कुछ दिनों से अखबार नहीं देखा."

"लंदन की प्रेस ने सारा किस्सा नहीं बताया है. मैं सारे अखबार पढ़ कर छांट रहा था कि मेरी जानकारी से कोई भी बात छूटी न रह जाए. मुझे जो समझ में आया है, वह यह है कि यह उन मामूली केसों में हैं जो बहुत कठिन साबित होते हैं."

"यह तो *विरोधभास लग रहा है."

"पर यही गहरा सच है. अगर कोई केस अपनेआप में अनूठा हो, तो उस का कोई न कोई सुराग मिल ही जाता है. अपराध जितना ही आम और साधारण होता है, उसे सुलझाना उतना ही कठिन होता है, पर इस मामले में इन लोगों ने मारे गए व्यक्ति के बेटे पर गंभीर आरोप लगाया है."

"तो यह हत्या का मामला है?"

"अंदाज तो यही लगाया जा रहा है. मैं किसी भी बात को तब तक नहीं मानूंगा जब तक मैं खुद ही मामले की छानबीन न कर लूं. मैं थोड़े ही शब्दों में, जितना भी मैं जान पाया हूं, तुम को केस के बारे में बताता हूं."

"बॉस्कांब घाटी हियरफोर्डशर के रॉस से बहुत दूर नहीं है. यहां का सब से बड़ा जमींदार मिस्टर जॉन टर्नर है जिस ने ऑस्ट्रेलिया में दौलत कमाई और कुछ साल पहले लौट आया. उस ने ऑस्ट्रेलिया के पुराने मित्र मिस्टर चार्ल्स मैककार्थी को मिस्टर हैदरले का खेत दे दिया. ये दोनों आपस में एकदूसरे को जानते थे इसलिए जाहिर है, ये लोग एकदूसरे के पास ही रहना चाहते थे. टर्नर इन दोनों में ज्यादा अमीर था इसलिए मैककार्थी उस का किराएदार बन गया. फिर भी, दोनों के बीच बराबरी के रिश्ते बने रहे.

मैककार्थी का एक बेटा था, अट्ठारह साल का युवक और टर्नर की एक ही बेटी थी, लगभग इसी उमर की, पर दोनों की ही पत्नियों का स्वर्गवास हो चुका था, वे दोनों अपने पड़ोस में रहने वाले अंग्रेज परिवारों को नजरअंदाज करते हुए एकाकी जीवन बिता रहे थे. पर दोनों मैककार्थी को खेलों का शौक था और पड़ोस में होने वाली रेसों में भाग लेते थे. मैककार्थी ने दो नौकर रखे थे-एक आदमी और एक लड़की. टर्नर के पास करीब आधा दर्जन नौकर थे. इन परिवारों के बारे में मुझे इतनी ही जानकारी मिल सकी है. अब किस्सा सुनो-

“3 जून को, यानी पिछले सोमवार को मैककार्थी दोपहर तीन बजे के लगभग हैदरले के घर से निकला और बॉस्कांब पूल जा पहुंचा, जो बॉस्कांब घाटी से नीचे गिरने वाले झरने से बना एक छोटा सा तालाब है. सवेरे वह अपने नौकर के साथ रॉस गया था. वहां उस ने कहा था कि वह जल्दी में है क्योंकि तीन बजे उस को एक आदमी से जरूरी मुलाकात करनी है. उस मुलाकात से वह जिंदा वापस नहीं लौटा.

हैदरले फार्महाउस से बॉस्कांब पूल करीब लगभग आधा कि. मी. की दूरी पर है और इस रास्ते से गुजरते हुए उसे दो लोगों ने देखा था. एक तो बूढ़ी औरत थी जिस का नाम नहीं दिया गया है और दूसरा था विलियम क्राउडर नाम का गेमकीपर, जो मिस्टर टर्नर के लिए काम करता था. दोनों ने गवाही दी है कि मिस्टर मैककार्थी अकेला था. गेमकीपर बताता है कि मिस्टर मैककार्थी के वहां से गुजरने के कुछ मिनटों के अंदर उस ने उस के बेटे मिस्टर जेम्स मैककार्थी को उसी रास्ते पर, बगल में बंदूक दबाए जाते देखा था. जहां तक वह समझ पाया है, पिता उस समय भी दिखाई पड़ रहा था और बेटा उस के पीछे जा रहा था. उस ने इस बारे में और ज्यादा नहीं सोचा. शाम को उसे हादसा घटने की बात पता चली.

दोनों मैककार्थी उस समय के बाद भी देखे गए जब विलियम क्राउडर, यानी गेमकीपर की आंखों से ओझल हो चुके थे. बॉस्कांब पूल एक गोल घने जंगल के बीच में है, चौदह साल की एक लड़की, पेशंस मोरन जो बॉस्कांब घाटी एस्टेट के लॉजकीपर की बेटी है, इन्हीं में से एक जंगल में फूल चुनने गई थी. वह बताती है कि जब वह वहां थी, तब उस ने देखा कि जंगल के सिरे पर और तालाब के पास मिस्टर मैककार्थी और उस का बेटा खड़े थे. ऐसा लग रहा था कि उन के बीच हाथापाई हो रही है. उस ने बड़े मिस्टर मैककार्थी को अपने बेटे से कड़े शब्दों में बोलते सुना और उस ने देखा कि बेटे ने हाथ उठाया था, मानो पिता को मारने वाला हो.

उन की हिंसा से वह इतनी डर गई कि वह भाग गई और घर पहुंचने पर उस ने अपनी मां को बताया कि वह तालाब पर मैककार्थी (पिता) और पुत्र दोनों को लड़ते छोड़ आई है और उसे डर लग रहा था कि वे दोनों एकदूसरे को मारेंगे. पर उस ने मां को यह बात बताई ही थी कि उस ने देखा कि छोटा मैककार्थी दौड़ता हुआ लॉज आया और बोला कि उस ने जंगल में अपने पिता को मरा हुआ देखा है और वह लॉजकीपर की मदद लेने आया था. वह बड़ा घबराया हुआ था और उस के पास न बंदूक, न हैट था. उस के दाएं हाथ और आस्तीन पर ताजे खून के धब्बे थे.

“उस के पीछे जाने पर उन्होंने देखा कि उस के बाप का शरीर तालाब के किनारे घास पर पड़ा है. सिर पर बारबार किसी भारी चीज से वार किया गया था. जख्म ऐसे थे मानो बेटे ने अपनी उसी बंदूक से मारा हो, जो लाश से कुछ ही दूर घास पर पड़ी थी. इन हालातों में युवक तो तुरंत हिरासत में लिया गया और मंगलवार को हुई पूछताछ में फैसला दे दिया गया कि यह काम किसी सनक के चलते किया गया था. बुधवार को वह रॉस में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और उस ने यह मामला दर्ज कर दिया है. पुलिस की कचहरी के सामने तथ्य आए हैं.”

“इस से ज्यादा आसान केस मैं ने आज तक नहीं देखा. अपराधी सामने है, घटना के सबूत और गवाह इसी ओर इशारा कर रहे हैं.”

“घटनास्थल के सबूत बड़े पेचीदा होते हैं. वह पहले एक ओर इशारा कर रहे होते हैं, पर अगर तुम दूसरे नजरिए से देखो, तो दूसरी ओर कहानी कहने लगते हैं. फिर भी यह मानना पड़ेगा कि युवक के खिलाफ केस काफी गंभीर है. यह हो भी सकता है कि वह अपराधी हो. उस इलाके में कई लोग हैं और उन में पड़ोस के जमींदार की बेटी मिस टर्नर भी है, जो युवक को बेगुनाह मानते हैं और जिन्होंने यही साबित करने के लिए लेस्ट्रेड को चुना है, जिस के बारे में तुम लाल रंग की स्टडी के दिनों से जानते हो. लेस्ट्रेड उलझन में पड़ गया है और हार कर उस ने यह केस मुझे सौंप दिया है. यही वजह है कि दो अधेड़ लोग 80 कि. मी. प्रति घंटा की रफ्तार से पश्चिम की ओर जा रहे हैं, जबकि उन्हें आराम से घर पर बैठ कर नाश्ता पचाना था.”

“मुझे लग रहा है कि तथ्य इतने साफ हैं कि इस केस से तुम को और कुछ भी नहीं मिल पाएगा.” मैं ने कहा.

“जो साफ दिखाई देता है, उस से ज्यादा छलावा और कहीं नहीं होता.” हंसते हुए उस ने कहा. “इस के अलावा, हो सकता है कि हम को कुछ नए साफ सबूत मिल जाएं, जो लेस्ट्रेड को नहीं दिख पाए हों. तुम मुझे अच्छी तरह जानते हो, इसलिए यह नहीं समझोगे कि मैं डींग हांक रहा हूं कि मैं इस तरीके से लेस्ट्रेड की बात को स्वीकार या अस्वीकार करूंगा, जो वह समझ भी नहीं सकता. अब पहला उदाहरण ही लो. मैं साफ देख रहा हूं कि तुम्हारे बेडरूम में खिड़की दाईं तरफ है, पर मुझे शक है कि मिस्टर लेस्ट्रेड की नजर में यह जाहिर सी बात आती है या नहीं.”

“तुम को कैसे!”

“माई डियर फेलो, मैं तुम्हें अच्छी तरह जानता हूं. मैं जानता हूं कि फौजी साफसफाई तुम्हारे अंदर कूटकूट कर भरी है. तुम रोजाना सवेरे शेव करते हो और इस मौसम में तुम सूरज की रोशनी में शेव करते हो, पर क्योंकि बाईं ओर जातेजाते तुम्हारी शेविंग कमजोर पड़ती जाती है और जबड़े तक पहुंचतेपहुंचते काफी बेतरतीब, यह साफ है कि इस तरफ रोशनी दूसरी तरफ की रोशनी से कम होती है, मैं सोच भी नहीं सकता कि तुम्हारी जैसी आदतों वाला कोई शख्स दोनों तरफ एक सी रोशनी होने पर भी ऐसी शेव करेगा. मैं गौर करने और नतीजे पर पहुंचने का एक छोटा सा उदाहरण दे रहा हूं. यहां मेरी काबिलीयत सामने आती है और यह संभव है कि हमारे सामने आए मामले में इस से मदद मिल सके. पूछताछ के दौरान एकदो छोटे मुद्दे सामने आए थे और उन पर ध्यान देना जरूरी है.”

“वे क्या हैं?”

“ऐसा लगता है कि उस को फौरन हिरासत में नहीं लिया गया था, पर हैदरले फार्म लौटने के बाद लिया गया था. जब इंस्पेक्टर या कांस्टेबिल ने बताया कि वह हिरासत में है, उस ने कहा कि उसे यह सुन कर ताज्जुब नहीं हो रहा और यह उस के कर्मों का फल है. उस की इस बात से जाहिर है, ज्यूरी के मन में उठी किसी भी तरह की शंका दूर हो गई होगी.”

“वह उस का कबूलनामा था.” मैं ने कहा. “नहीं, क्योंकि इस के बाद उस ने कहा था कि वही अपराधी है.”

“सारे घटनाक्रम के बाद उस का इस बात को कबूलना ही शक पैदा करता है.”

“इस के विपरीत,” होम्स बोला, “पर इस समय छाए काले बादलों के बीच मुझे उम्मीद की यही किरण दिखाई देती है. वह कितना भी मासूम क्यों नहीं हो, वह इतना पागल नहीं हो सकता कि देख न सके कि परिस्थितियां उस के एकदम खिलाफ हैं. अगर वह अपने को बंदी बनाए जाने पर आश्चर्य दिखाता या नाराज होता, तो मुझे उस पर शक होता, क्योंकि इन हालातों में आश्चर्य दिखाना या मासूम दिखाई देना स्वाभाविक नहीं होता, पर एक खुराफाती आदमी को यही सब से अच्छा तरीका नजर आता.

“उस का हालातों को साफगोई से स्वीकार कर लेना दिखाता है कि या तो वह निर्दोष है या बेहद अड़ियल. उस का कहना कि- यह उस के कर्मों का फल है, भी स्वाभाविक है, क्योंकि उसी दिन उस ने बेटा होने का फर्ज भूल कर अपने पिता से बहस की थी और जैसा छोटी लड़की ने बताया था,

उस को मारने के लिए हाथ भी उठाया था और थोड़ी देर बाद उसे मरा पाया था. अपने को वह दोषी मान कर ग्लानि में डूबा था. इस सब से एक स्वस्थ दिमाग दिखलाई देता है, दोषी नहीं."

मैं ने सिर हिलाया. "कई लोग इस से भी कम सबूत मिलने पर फांसी पर लटका दिए गए हैं." मैं ने कहा.

"यह हुआ है और कई लोगों को गलती से लटका दिया गया है."

"वह युवक खुद क्या बता रहा है. इस घटना के बारे में?"

"उस को चाहने वालों को उस की बात से निराशा हुई होगी, हालांकि एकदो बातें ऐसी हैं जिन पर मैं सोचने को मजबूर हो गया हूं, तुम पढ़ सकते हो, यहां लिखा है."

अपने बंडल से उस ने हियरफोर्डशर पेपर की एक प्रति निकाली और वह पृष्ठ निकाल कर दिखाया कि उस युवक ने उस दिन के घटनाक्रम के बारे में क्या बताया था. मैं डिब्बे के एक कोने में बैठ गया और ध्यान से सारी बात पढ़ी. वह इस तरह थी-

"मिस्टर जेम्स मैककार्थी, मृतक का इकलौता बेटा, बुलाया गया."

"फिर मृतक के इकलौते बेटे, मिस्टर जेम्स मैककार्थी को बुलाया गया और उस ने यह गवाही दी- "मैं तीन दिनों के लिए घर से बाहर, ब्रिस्टल गया था और पिछले सोमवार तीन तारीख की सुबह ही लौटा था. उस वक्त मेरे पिता घर पर नहीं थे और मुझे नौकरानी ने बताया कि वह जॉनकॉब के साथ रॉस गए हुए हैं. मेरे लौटने के थोड़ी देर के बाद ही मैं ने उन की गाड़ी के पहियों की आवाज सुनी और खिड़की से मैं ने देखा कि वह उतरे और जल्दी से बाहर जाने लगे. हालांकि मुझे नहीं पता था कि वे किस दशा में जा रहे हैं, फिर मैं ने अपनी गन निकाली और बॉस्कांब पूल की तरफ चल पड़ा, खरगोश के शिकार के लिए.

रास्ते में विलियम क्राउडर यानी गेमकीपर दिखाई दिया, जैसा उस ने अपनी गवाही में कहा है. पर उसे यह गलतफहमी है कि मैं अपने पिता का पीछा कर रहा था. मुझे मालूम ही नहीं था कि वह मेरे आगे चल रहे हैं. पूल से करीब नब्बे मीटर की दूरी पर मैं ने एक आवाज सुनी 'कूईई' जो मेरे और पिताजी के बीच गुप्त संकेत था. फिर मैं जल्दी से आगे बढ़ा और देखा कि वे पूल के किनारे खड़े थे, वह मुझे देख कर ताज्जुब में पड़ गए और डांट कर पूछा कि मैं वहां क्या कर रहा था.

हमारे बीच बहस छिड़ गई, गरमागरमी बढ़ी और मारपीट की नौबत आ गई, क्योंकि मेरे पिता बेहद गुस्सैल थे. यह देख कर कि उन का गुस्सा बेकाबू हो रहा है, मैं उन को वहीं छोड़ आया और हैदरली फार्म लौट आया. मैं लगभग सौ मीटर भी नहीं गया था कि मुझे पीछे से भयानक चीख सुनाई पड़ी, जिस से मैं वापस भागा. मैं ने देखा कि मेरे पिता जमीन पर पड़े थे, सिर पर भयानक चोट थी. मैं ने बंदूक नीचे फेंकी और उन्हें अपनी बांहों में लिया, पर वह तभी खत्म हो गए.

"मैं कुछ मिनटों के लिए उन के पास बैठा रहा फिर मिस्टर टर्नर, लॉजकीपर के घर भागा, मदद मांगने क्योंकि उस का घर सब से पास था. जब मैं लौटा तो मैं ने अपने पिता के पास किसी को नहीं देखा था. मुझे बिलकुल नहीं मालूम कि उन को चोट कैसे लगी. वह लोकप्रिय इनसान नहीं थे, क्योंकि उन का स्वभाव रूखा और ठंडा था, पर उन का कोई दुश्मन भी नहीं था. इस मामले में मुझे और कुछ भी नहीं मालूम."

कोरोनर: "क्या मरने से पहले तुम्हारे पिता ने कुछ कहा?"

गवाह: "उन्होंने कुछ शब्द बुदबुदाए थे पर मुझे सिर्फ 'रैट' समझ में आया."

कोरोनर: "इस से तुम क्या समझे?"

गवाह: "मेरे लिए इस का कोई मतलब नहीं निकला मैं ने सोचा कि वह अनापशनाप बक रहे हैं."

कोरोनर: "तुम्हारी अपने पिता के साथ आखिरी बार लड़ाई किस लिए हुई थी?"

गवाह: "मैं इस के बारे में कोई जवाब नहीं देना चाहता."

कोरोनर: "मुझे खेद है कि मुझे जोर देना होगा."

गवाह: "यह वाकई नामुमकिन है कि मैं किसी को बताऊं. मैं सिर्फ यह कह सकता हूं कि उस के बाद हुए हादसे से इस का कोई ताल्लुक नहीं."

कोरोनर: "वह तो कोर्ट फैसला करेगा. मुझे यह बताने की जरूरत नहीं कि तुम्हारे जवाब देने से इनकार करने पर आइंदा की किसी भी काररवाई में केस तुम्हारे प्रतिकूल बैठेगा."

गवाह: "मुझे फिर भी इनकार करना होगा."

कोरोनर: "हमें पता चला है कि 'कूईई' की पुकार तुम्हारे और पिता के बीच आम पुकार थी?"

गवाह: “हां, थी.”

कोरोनर: “फिर, ऐसा कैसे हुआ कि उस ने तुम को देखने से पहले ही बल्कि यह जाने बिना कि तुम ब्रिस्टल से लौट आए हो, यह पुकार लगाई?”

गवाह: (कुछ उलझन में पड़ कर) “मुझे नहीं मालूम.”

ज्यूरी: “पुकार सुन कर लौटने पर क्या तुम ने ऐसा कुछ नहीं देखा, जिस से तुम्हारे मन में शक पैदा हो? जब तुम ने अपने पिता को चोट से मृत पाया, तब भी?”

गवाह: “कुछ खास नहीं.”

कोरोनर: “क्या मतलब?”

गवाह: “मैं इतना सकपका गया था और उत्तेजित हो गया था कि मुझे अपने पिता के सिवा कुछ ध्यान नहीं था. पर फिर भी, मुझे धुंधला सा याद आ रहा है कि जब मैं दौड़ा, तो जमीन पर मेरे बाईं ओर कुछ पड़ा था, वह सलेटी रंग का कुछ था, शायद कोट था. जब मैं पिता के पास से उठा तो मैं ने चारों ओर देखा, पर वह चीज वहां नहीं थी.”

“तुम्हार मतलब है कि तुम मदद पाने के लिए दौड़े, इस के पहले ही वह गायब हो चुकी थी?”

“हां, गायब हो गई थी.”

“तुम कह नहीं सकते कि वह क्या थी?”

“नहीं. पर मुझे लग रहा था कि वहां पर कुछ है.”

“शरीर से कितनी दूर?”

“10 मीटर के लगभग.”

“जंगल के छोर से कितनी दूर?”

“इतनी दूर ही.”

“तो अगर वह हटाई गई थी, तो तुम उस वक्त उस से लगभग 10 मीटर की दूरी पर थे?”

“हां, पर मेरी पीठ उस तरफ थी?”

“इस से गवाह का बयान समाप्त हुआ.”

“अच्छा ...” मैं ने यह अनुच्छेद पढ़ते हुए कहा. “कोरोनर युवक मैककार्थी से बड़ी सख्ती से पेश आता है. वह इस ओर ध्यान खींचता है कि उस के पिता ने क्यों उसे बिना देखे ही पुकारा और यह कि उस ने यह बताने से इनकार कर दिया कि उस की अपने पिता से बातचीत हुई थी इस दौरान.”

होम्स धीरे से हंसा और गद्देदार सीट पर पसर गया. “तुम और कोरोनर दोनों ही उन बातों को तूल दे रहे हो जो इस युवक के पक्ष में हैं. क्या तुम को समझ में नहीं आता कि तुम यह भी कहते हो कि उस में कल्पना शक्ति की कमी है और यह भी कि वह मनगढ़ंत बना रहा है. कल्पना शक्ति कम थी, इसलिए वह लड़ाई का कारण गढ़ नहीं पाया, जिस से ज्यूरी को उस से सहानुभूति हो सके.

“कल्पना शक्ति ज्यादा थी, अगर उस ने बताया कि उस के पिता ने ‘रैट’ के संबंध में कुछ कहा था और गायब हुए कपड़े की बात से भी यही लगता है. नहीं सर. मैं इस केस को इस नजरिए से देखूंगा कि जो कुछ भी यह युवक कह रहा है, वह सही है और हम देखेंगे कि इस से हम किस नतीजे पर पहुंचते हैं. अब हम इस केस के बारे में तब तक नहीं बोलेंगे जब तक हम घटनास्थल तक नहीं पहुंचते. हम स्विंडन में लंच करेंगे और मैं समझता हूं कि हम बीस मिनट में वहां पहुंच जाएंगे.”

जब आखिरकार, स्ट्राउड घाटी की खूबसूरती पार कर के हम अपनी मंजिल तक पहुंचे, तो करीब चार बज रहे थे. रॉस एक छोटा सा सुंदर शहर था. प्लेटफार्म पर एक बेचैन, पतला, चालाक सा दिखने वाला आदमी हमारा इंतजार कर रहा था. उस के गांव जैसे कपड़ों के बावजूद मुझे लेस्ट्रेड को पहचानने में मुश्किल नहीं हुई, जो स्काटलैंड यार्ड का था, उस के साथ हम ने हियरफोर्ड आर्म्स तक ड्राइव किया. जहां एक कमरा हमारे लिए पहले से ही बुक था.

“मैं ने एक घोड़ागाड़ी का आर्डर दे दिया है.” चाय पीते समय लेस्ट्रेड ने बताया. “मैं तुम्हारी फुरती के बारे में जानता हूं कि तुम को तब तक तसल्ली नहीं होगी, जब तक तुम घटनास्थल पर नहीं जाते.”

“तुम ने बड़ी मेहरबानी की.” होम्स ने कहा. “यह तो बैरोमेट्रिक प्रेशर की बात है.”

लेस्ट्रेड चौंक गया. “मैं समझा नहीं.” वह बोला.

“पारा कितना है? अच्छा, उनतीस है. कोई हवा नहीं, न आसमान में कोई बादल. मेरे पास सिगरेट से भरा केस है, जो मैं पीना चाहता हूं और

यह सोफा आमतौर पर होटलों में दिखाई देने वाले सोफों से बहुत अच्छा है. मैं नहीं समझता कि मैं आज इस घोड़ागाड़ी का इस्तेमाल करना चाहूंगा."

लेस्ट्रेड प्यार से हंसा. "जाहिर है कि अखबारों को पढ़ कर तुम किसी नतीजे पर पहुंच चुके हो." वह बोला. "यह केस बिलकुल साफ है और इस की जितनी छानबीन करो, उतना ही साफ होता जाता है. पर फिर भी, किसी महिला को मना नहीं किया जा सकता, खास कर उसे, जो मिलने की जिद पर अड़ी हो. उस ने तुम्हारे बारे में सुन रखा है और तुम्हारी राय जानना चाहती है, जबकि मैं ने उस से बारबार कहा कि ऐसा कुछ नहीं है जो होम्स कर देगा, जो मैं पहले ही नहीं कर चुका हूं. अरे, देखो, दरवाजे पर उस की गाड़ी आ चुकी है."

वह बोल ही चुका था कि कमरे के अंदर एक इतनी सुंदर महिला दाखिल हुई जितनी मैं ने जिंदगी में पहले कभी नहीं देखी थी. उस की चमकीली जामुनी आंखें, खुले होंठ और गालों पर लाली बता रही थी कि बदहवासी में वह अपना स्वाभाविक शांत स्वभाव भूल गई थी.

"ओह मिस्टर शरलॉक होम्स!" हम लोगों पर बारीबारी से नजर डालती वह बोली और फिर स्त्री की छठी इंद्रिय से उस की नजर मेरे दोस्त पर टिक गई. "मुझे कितनी खुशी हुई है कि तुम आ गए. मैं तुम को यही बताने आई हूं. मैं जानती हूं कि जेम्स ने कुछ नहीं किया. मैं जानती हूं और चाहती हूं कि तुम भी यही जानते हुए अपना काम शुरू करो."

"अपने मन में इस बात पर कभी शक मत होने देना. हम एकदूसरे को तब से जानते हैं, जब से हम छोटे बच्चे थे और मुझ से ज्यादा उस की खामियों के बारे में कोई नहीं जानता. पर उस का दिल इतना कोमल है कि वह मक्खी भी नहीं मार सकता. उस पर इस तरह का आरोप लगना, हर उस व्यक्ति को अजीब लगेगा जो उसे वाकई जानता है."

"मैं उम्मीद करता हूं कि हम उसे बरी कर देंगे, मिस टर्नर." शरलॉक होम्स ने कहा. "तुम मुझ पर भरोसा रख सकती हो कि मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा."

"पर तुम ने सबूत पढ़े तो होंगे. तुम ने कोई नतीजा निकाला? क्या तुम को कोई भी गलती नजर नहीं आती है? क्या तुम को खुद भी नहीं लगता कि वह निर्दोष है?"

"मैं समझता हूं, ऐसा काफी संभव है."

“देखा!” लेस्ट्रेड को विजयी भाव से देखते हुए उस ने कहा. “सुना तुम ने! यह मुझे उम्मीद दे रहा है.”

लेस्ट्रेड ने कंधे उचकाए. “मुझे लग रहा है कि मेरे सहयोगी ने निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी की है.” वह बोला. “पर यह ठीक कह रहा है. ओह, मैं जानती हूं कि यह सही है. जेम्स ने नहीं किया है. जहां तक पिता से झगड़े की बात है, मुझे पक्का पता है कि वह कोरोनर के सामने इसलिए नहीं बोल रहा है क्योंकि वह झगड़ा मेरी वजह से था.”

“किस तरह?” होम्स ने पूछा.

“यह समय नहीं है कि मैं कुछ भी छिपाऊं. जेम्स और उस के पिता में मुझे ले कर मतभेद था. मिस्टर मैककार्थी चाहते थे कि हमारे बीच शादी हो जाए, पर जेम्स और मैं हमेशा से एकदूसरे के लिए भाई बहन का प्यार रखते थे. पर वह अभी कम उमर है और अभी बहुत थोड़ी जिंदगी ही देखी है और वह इस तरह का अभी कुछ नहीं करना चाहता था. इसलिए उन दोनों के बीच झगड़े होते थे और मुझे पक्का पता है कि यह झगड़ा भी कुछ ऐसा ही था.”

“और तुम्हारा पिता?” होम्स ने पूछा. “क्या वह ऐसे किसी रिश्ते के पक्ष में था?”

“नहीं. वह भी इस के खिलाफ है. मिस्टर मैककार्थी के अलावा कोई भी इस के पक्ष में नहीं है. उस के ताजा चेहरे पर लाली छा गई जब उस ने देखा कि होम्स उस की ओर सवालिया नजर से देख रहा है.”

“इस जानकारी के लिए शुक्रिया.” वह बोला. “अगर मैं कल तुम्हारे घर आऊं, तो क्या तुम्हारे पिता से मिल सकूंगा?”

“मुझे डर है कि डाक्टर आज्ञा नहीं देगा.”

“डाक्टर?”

“हां, क्या तुम को सुनाई नहीं दिया? बेचारे पिता कई सालों से बीमार हैं पर इस हादसे ने उन्हें बिलकुल तोड़ दिया है. उन्होंने बिस्तर पकड़ लिया है और डा. विलो कहता है कि उन की मानसिक स्थिति टूट चुकी है, मिस्टर मैककार्थी ही एकमात्र जीवित आदमी थे, जो डैड को विक्टोरिया के पुराने दिनों से जानते थे.”

“हां, विक्टोरिया. यह जानकारी महत्त्वपूर्ण है.”

“हां. खदानों में.”

“बिलकुल सोने की खदानों में. जहां जैसी मुझे जानकारी है मिस्टर टर्नर ने अपनी दौलत कमाई.”

“हां. बिलकुल सही.”

“शुक्रिया मिस टर्नर, तुम ने मेरी जरूरी मदद की है.”

“अगर कल कोई जानकारी मिले तो मुझे बताना. इस में शक नहीं कि जेम्स से मिलने जेल जाओगे. ओह, अगर तुम जाओ, मिस्टर होम्स, उसे जरूर बताना कि मैं जानती हूं कि वह बेगुनाह है.”

“जरूर, मिस टर्नर.”

“मुझे अब घर जाना होगा क्योंकि डैड बहुत बीमार हैं और जब मैं उन्हें छोड़ जाती हूं, तो वे मुझे बहुत याद करते हैं. गुडबाय.” वह कमरे से उतनी ही फुरती से चली गई जितनी फुरती से आई थी और हम ने उस की गाड़ी के पहियों की खड़खड़ाहट सड़क पर जाती सुनी.

“मुझे तुम पर शर्म आ रही है,” होम्स, लेस्ट्रेड ने थोड़ी देर चुप रह कर शांत स्वर में कहा. “तुम ने उस में उम्मीद क्यों जगाई, जो तुम जानते हो, उसे निराश करेगी? मैं बहुत ज्यादा कोमल दिल का नहीं हूं, पर फिर भी मैं इसे क्रूरता कहूंगा.”

“मुझे लगता है कि जेम्स मैककार्थी को बेगुनाह साबित करने का रास्ता मुझे मिल गया है,” होम्स ने कहा. “क्या तुम्हारे पास उस से जेल में मिलने का आर्डर है?”

“हां, पर सिर्फ मेरे और तुम्हारे लिए.”

“फिर मैं बाहर न जाने का अपना इरादा वापस लेता हूं. क्या हमारे पास अभी वक्त है कि हियरफोर्ड की ट्रेन पकड़ कर आज रात ही उस से मिल सकें?”

“काफी वक्त है.”

“तो फिर ऐसा ही करते हैं, वॉटसन, मैं सिर्फ कुछ ही घंटों के लिए बाहर रहूंगा.”

मैं उन के साथ पैदल स्टेशन गया और उस छोटे से शहर की सड़कों पर घूमा और आखिर में वापस लौट कर होटल आ गया, जहां मैं सोफे पर लेट कर एक पीले मुखपृष्ठ वाला उपन्यास पढ़ने लगा. पर जिस गहरे रहस्य को फिलहाल हम सुलझाने की कोशिश कर रहे थे, उस के मुकाबले इस उपन्यास की कहानी की रूपरेखा बहुत कमजोर थी और मैं बारबार

कल्पना से हकीकत में आ रहा था. आखिर में मैं ने उपन्यास को उठा कर फेंक दिया और पूरे ध्यान से सारे दिन की घटनाओं के बारे में सोचने लगा.

मान लो, इस परेशान युवक की कहानी पूरी तरह सच्ची है, तो ऐसी कौन सी काली छाया पड़ी, कौन सी अनहोनी घट गई उस छोटे से वक्त के बीच, जब वह अपने पिता को छोड़ कर वापस आ रहा था और फिर उन की भयानक चीखें सुन कर वापस उस के पास पहुंचा? यह बहुत ही भयावह था, वह क्या हो सकता था? क्या चोटों के निशान को देख कर मेरा डाक्टरी अनुभव कुछ नहीं बता सकेगा? मैं ने घंटी बजाई और वहां का स्थानीय अखबार मंगवा भेजा, जिस में अपराध और उस की छानबीन की पूरी जानकारी थी. सर्जन ने अपने बयान में कहा था कि बाईं पैरीटल बोन के पोस्टीरियर थर्ड और औकपिटल बोन का बायां आधा हिस्सा किसी चपटे हथियार के तेज वार से चकनाचूर हो गया था. मैं ने अपने सिर पर यह जगह ढूंढ़ी.

साफ था कि ऐसा वार पीछे से ही किया जा सकता था. यह बात कुछ हद तक आरोपी के पक्ष में थी क्योंकि झगड़े के वक्त वह और उस के पिता आमनेसामने खड़े देखे गए थे, पर फिर भी, यह ज्यादा ठोस सबूत नहीं था क्योंकि ऐसा भी हो सकता था कि वृद्ध के पलटने पर पीछे से वार किया गया हो. फिर भी होम्स का ध्यान इस तरफ खींचने में कोई बुराई नहीं है. फिर, मरते समय चूहे का जिक्र करना भी विचित्र था. इस का क्या मतलब हो सकता था?

यह अनर्गल बकवास नहीं हो सकती. अचानक हुए वार से मरते समय आदमी ऐसा नहीं करता. नहीं, यह तो समझाने की कोशिश थी कि उस की यह हालत कैसे हुई. पर इस का क्या मतलब हो सकता था? मैं ने इस का जवाब ढूंढ़ने के लिए दिमाग पर बहुत जोर दिया और फिर याद आई, सलेटी ड्रेस वाली घटना जो युवा मैककार्थी ने बताई थी. अगर वह सच था, तो हत्यारे से पोशाक का कोई हिस्सा, शायद ओवरकोट, भागते समय गिर गया होगा और उस ने हिमाकत की और उस समय लौटा जब बेटा अपने पिता के शरीर के पास घुटनों के बल बैठा था. उस समय वह हत्यारे से करीब 10 मीटर की दूरी पर, उस की ओर पीठ किए हुए था.

पूरी वारदात कितने रहस्यों और असंभावित घटनाओं से भरी थी. मुझे लेस्ट्रेड की राय पर शक नहीं था, पर मुझे शरलॉक होम्स की छठी इंद्रिय पर इतना भरोसा था कि मैं तब तक उम्मीद नहीं छोड़ सकता था, जब तक हर नया तथ्य युवा मैककार्थी की बेगुनाही की गवाही नहीं दे देता.

शरलॉक होम्स लौटा तो काफी देर हो चुकी थी. वह अकेला ही लौटा था क्योंकि लेस्ट्रेड शहर में ही रुक गया था.

“पारा अभी भी ऊंचा है.” वह बैठते हुए बोला. “यह जरूरी है कि घटनास्थल पर हमारे जाने से पहले बारिश न हो, दूसरी ओर ऐसा काम करने के लिए किसी को तरोताजा रहना चाहिए और लंबी यात्रा से थकने के बाद मैं ऐसा नहीं करना चाहता. मैं युवा मैककार्थी से मिला था.”

“और उस से तुम को क्या पता चला?”

“कुछ नहीं.”

“क्या वह कुछ नहीं बता पाया?”

“कुछ भी नहीं. एक बार मुझे ऐसा लगा था कि उसे मालूम है कि गुनाह किस ने किया है और उसे छुपाने की कोशिश कर रहा है, पर अब मुझे यकीन है कि वह भी सब की तरह उलझन में है. वह बहुत तेज दिमाग वाला नहीं है, हालांकि देखने में खूबसूरत है और जैसा मुझे लगता है, दिल का साफ.”

“मैं उस की पसंद की तारीफ नहीं करता.” मैं बोला. “अगर यह बात सही है कि वह मिस टर्नर जैसी प्यारी युवती से शादी करने से इनकार कर रहा था.”

“आह, इस के पीछे बड़ी दर्दभरी दास्तान है. यह युवक उस से दीवानगी की हद तक प्यार करता है. पर करीब दो साल पहले जब इसे ठीक से नहीं जानता था, क्योंकि पांच साल यह बोर्डिंग स्कूल में रही थी और खुद यह लड़का ही था. इस वक्त यह बेवकूफ ब्रिस्टल में एक बार-मेड (सुरबाला) के चंगुल में पड़ गया था और उस से रजिस्ट्री ऑफिस में जा कर शादी कर ली थी. किसी को इस बात का कुछ भी पता नहीं है, पर तुम सोच सकते हो कि उसे इस बात पर डांट मिलने से कितनी कोफ्त होती होगी, जिसे करने के लिए वह अपनी आंखें तक दे सकता है, पर वह जानता है कि ऐसा करना अब उस के लिए नामुमकिन है.

“इसी हताशा से उस ने अपने हाथ ऊपर किए थे, जब आखिरी बार उस के पिता उसे मिस टर्नर से शादी करने पर जोर दे रहे थे. दूसरी ओर, उस के पास अपने गुजारे के लिए पैसे नहीं थे. पिता बेहद सख्त आदमी था और सच जानने पर उसे घर से बाहर निकाल देता. पिछले तीन दिन उस ने इसी सुरबाला पत्नी के साथ ब्रिस्टन में बिताए थे और उस के पिता को नहीं मालूम था कि वह कहां है. इस बात पर गौर करो. यह जरूरी है पर बुराई

से कुछ अच्छाई भी निकली है, क्योंकि जब सुरबाला को पता चला कि वह गंभीर मुसीबत में है और शायद उसे फांसी हो जाए, उस ने उसे पूरी तरह त्याग दिया है और इस को लिखा है कि उस के पास पहले ही एक पति है बरमूडा डॉकयार्ड में, इसलिए उन दोनों के बीच अब कोई रिश्ता नहीं है. मुझे लगता है कि इस खबर से युवा मैककार्थी को अपने दुख में थोड़ी राहत मिली है."

"पर अगर वह बेगुनाह है, तो गुनाहगार कौन है?"

"आह! कौन? मैं दो मुद्दों पर तुम्हारा ध्यान खींचता हूं. एक तो यह कि मृतक को पूल पर किसी से मिलना था और यह शख्स उस का बेटा नहीं हो सकता, क्योंकि उस का बेटा कहीं गया हुआ था. उसे नहीं मालूम था कि वह कब लौटेगा. दूसरी बात यह है कि मृतक ने 'कूईई' पुकारा था, यह जानने से पहले ही कि उस का बेटा लौट आया है. इन दो जरूरी बातों पर केस टिका है. अब जॉर्ज मेरेडिथ के बारे में बात करते हैं, अगर तुम चाहो तो, हम इन छोटीमोटी बातों को कल के लिए छोड़ देते हैं."

जैसा होम्स ने कहा था, बारिश नहीं हुई और सुबह पूरी तरह चमकती और साफ थी. नौ बजे लेस्ट्रेड गाड़ी ले कर आया और हम हैदरले फार्म और बॉस्कांब पूल के लिए रवाना हो गए.

"इस सुबह गंभीर खबर है," लेस्ट्रेड ने कहा. "कहा जाता है कि मिस्टर टर्नर इतना बीमार है कि उस के बचने की उम्मीद नहीं है."

"मेरे खयाल से वह बुजुर्ग है?" होम्स ने कहा. "करीब साठ साल का, पर विलायत में रहने से उस का शरीर जर्जर हो गया है और कुछ समय से उस की तबीयत खराब रहने लगी है. इस हादसे से उस पर बुरा असर पड़ा है. वह मैककार्थी का पुराना दोस्त है. मैं यह भी बताना चाहूंगा कि उस का हितैषी भी क्योंकि मैं ने सुना है कि उस ने हैदरले फार्म बिलकुल मुफ्त में मैककार्थी को दिया है." अच्छा यह तो दिलचस्प बात है," होम्स ने कहा. "उस ने सैकड़ों तरीकों से उस की मदद की. सब लोग यहां पर उस के एहसानों की बात कर रहे हैं."

"अच्छा, क्या तुम को यह बात चौंका नहीं रही कि यह मैककार्थी, जो इतना गरीब है और जो टर्नर के एहसानों तले दबा है, अपने बेटे पर जोर डालता है कि वह टर्नर की बेटी से शादी कर ले, जो शायद उस की पूरी जायदाद की वारिस है और वह भी इतने विश्वास से कि उसे प्रस्ताव रखने की देर है और वह स्वीकार कर लिया जाएगा. अजीब बात है, क्योंकि हम

जानते हैं कि टर्नर खुद इस प्रस्ताव के खिलाफ था. उस की बेटी ने खुद यह बात बताई है. क्या इस से तुम को कुछ समझ में नहीं आता?"

"हम तर्क और नतीजों पर अटक गए हैं," लेस्ट्रेड ने मेरी ओर आंख मारते हुए कहा. "मैं तो सबूतों से ही परेशान हो जाता हूं, होम्स, बाकी बातें तो सोच भी नहीं पाता."

"सही कह रहे हो," होम्स ने चुपचाप कहा. "तुम को सबूत ही परखने में दिक्कत होती है."

"फिर भी, मुझे एक बात समझ में आ गई है, जिसे समझना तुम को मुश्किल लग रहा था." लेस्ट्रेड ने गरमजोशी से कहा.

"और वह क्या है?"

"मैककार्थी सीनियर को मैककार्थी जूनियर ने मौत के मुंह में ढकेला था और इस सच से हट कर कोई भी खयाल छलावा है."

हंसते हुए होम्स ने कहा, "जैसी जिस की समझ." "पर अगर मैं गलत नहीं हूं तो बाईं ओर यह हैदरले फार्म है."

"हां, यही है." यह दोमंजिला, काली छत वाली विशालकाय एवं आरामदायक इमारत थी, जिस की धुंधली दीवारों पर सीलन के पीले धब्बे थे. बंद परदे और धुएंरहित चिमनियों से मनहूसियत टपक रही थी, मानो हादसे का बोझ उस पर भारी हो रहा है. हम ने दरवाजा खटखटाया, जहां नौकरानी ने बूट दिखाए जो उस के मालिक ने मौत के समय पहन रखे थे और बेटे के भी एक जोड़ी बूट दिखाए, हालांकि ये वे बूट नहीं थे जो उस ने हादसे के वक्त पहन रखे थे. इन को ध्यान से नापने के बाद, होम्स ने आंगन में जाने की इच्छा जाहिर की, जहां से हम घुमावदार रास्तों से होते हुए बॉस्कांब पुल पहुंचे.

शरलॉक होम्स को जब इस तरह की खुशबू मिलती, वह बिलकुल बदल जाता. जो लोग उसे बेकर स्ट्रीट पर मिले थे, वे इस समय उसे पहचान नहीं पाते. वहां के शांत विचारक का इस समय चेहरा लाल और उत्तेजित था, उस की भौंहें तनी हुई थीं और उस की आंखों में फौलादी चमक थी. उस का चेहरा नीचे झुका हुआ था, कंधे उचके थे, होंठ भिंचे हुए और उस की लंबी, पतली गरदन की नसें तनी हुई थीं. उस के नथुने ऐसे फुले थे मानो कोई पशु शिकार पर निकला हो. उस का ध्यान इस कदर के केस पर टिका हुआ था कि उस को किसी की कोई भी बात नहीं सुनाई पड़ रही थी या फिर जवाब में वह झिड़क देता.

फुरती से और चुपचाप वह मैदानों से होती हुई पगडंडियों के सहारे जंगल में पहुंचा और फिर बॉस्कांब पूल. यह गीला, दलदल भरा इलाका था, पूरा जिला ही ऐसा था, और रास्ते पर कई पैरों के निशान थे और घास भी रास्ते के दोनों ओर उगी थी. कभी होम्स जल्दीजल्दी बढ़ता, कभी बुत बन खड़ा हो जाता और एक बार मैदान का चक्कर भी लगा आया. लेस्ट्रेड और मैं उस के पीछे चलते रहे. लेस्ट्रेड उस की मजाक सी उड़ाता हुआ, जबकि मैं अपने दोस्त को गौर से देखता रहा क्योंकि मुझे यकीन था कि उस के हर कदम के पीछे कोई मकसद था.

बॉस्कांब पूल छोटा सा तालाब था, जिस की चौड़ाई कोई पैंतालीस मीटर होगी, जो हैदरले फार्म और रईस मिस्टर टर्नर के निजी पार्क की सीमा पर स्थित था. उस के उस पर खड़े जंगलों के ऊपर अमीर जमींदार के घर के लाल शिखर दिखाई पड़ रहे थे. तालाब के हैदरले की ओर, जंगल बहुत घना था और वहीं पर कुछ जगह घास दबी हुई थी. लेस्ट्रेड ने ठीक वही जगह दिखाई जहां लाश मिली थी और वास्तव में जमीन इतनी गीली थी कि मुझे उस चोट खाए आदमी के गिरने के सभी निशान साफ दिखाई पड़ रहे थे. होम्स के लिए, जैसा उस के उत्सुक चेहरे और आंखों से मैं अंदाज लगा सकता था, उस चीरती दबी हुई घास में और भी कई कहानियां पढ़ी जा सकती थीं. जैसे कुत्ता किसी गंध के पीछे भागता है, वह भी इधरउधर दौड़ रहा था और फिर मेरे साथी की ओर मुड़ा.

“तुम तालाब के अंदर क्यों गए थे?” उस ने पूछा.

“मैं ने उस के अंदर फावड़े से ढूंढ़ने की कोशिश की कि शायद कोई हथियार या और कोई सबूत मिल जाए.”

“ओह! मेरे पास वक्त नहीं है, तुम्हारा अंदर की ओर मुड़ा बायां पांव सब जगह छपा है. एक छछूंदर भी उसे ढूंढ़ लेता और घास में आ कर वह निशान गायब हो गया है. ओह! यह सब कितना आसान होता अगर ये लोग भैंसों के झुंड की तरह सब ओर नहीं मंडराए होते. यहां पर लॉजकीपर अपनी पार्टी के साथ आया और लाश के इर्दगिर्द करीब दो से सवा दो मीटर की जगह ढक दी है. पर उन्हीं पैरों की ये तीन अलग पगडंडियां सी हैं.”

उस ने लेंस निकाला और अपनी बरसाती पर लेट गया, जिस से उसे और साफ दिखाई दे सके. पूरे समय वह बोलता रहा, हम से नहीं, अपनेआप से. “ये युवक मैककार्थी के पैरों के निशान हैं, दो बार वह चल रहा था. एक बार वह इतनी तेज भागा कि उस के तलुवों के गहरे निशान हैं

और एड़ी लगभग नहीं दिखाई पड़ रही. इस से साबित होता है कि उस ने जो कहा, वह सच था. फिर ये उस के पिता के पैर हैं, जब वह यहां चहलकदमी कर रहा था तो फिर ये क्या हैं? यह तो बंदूक का परला छोर है, जब बेटा उस की बात सुन रहा था और यह? हा हा, यहां हमें क्या दिखाई दे रहा है? दबे पैरों के निशान मानो कोई चुपके से आ रहा हो. चौकोर से, काफी खास किस्म के बूट. वे आते हैं और जाते हैं और फिर आते हैं. अरे हां, अपना कोट लेने, अब ये आए कहां से थे? वह यहां से वहां भागता रहा, कभी खोता, कभी पाता रहा उन निशानों को, जब तक हम जंगल की सीमा और इलाके के सब से बड़े बीच के पेड़ की छाया के नीचे नहीं आ गए.

होम्स ने इस के कुछ दूर तक कुछ ढूंढ़ने की कोशिश की और फिर चेहरे के बल लेट कर संतोष से चिल्लाया. फिर बड़ी देर तक वहीं सूखे पत्तों और टहनियों को लोटपोट करता रहा. मुझे लगा वह एक लिफाफे में मिट्टी भर रहा है और अपने लेंस से न सिर्फ जमीन का मुआयना कर रहा था, बल्कि पेड़ के तने को भी जांच परख रहा था. जहां तक उस का हाथ पहुंच सकता था, वह गौर से देख रहा था. एक ऊबड़खाबड़ पत्थर वहां काई में पड़ा था और इस को भी उस ने ध्यान से देख कर अपने पास रख लिया. फिर वह जंगल की एक पगडंडी पर बढ़ता गया, जो एक सड़क पर खुलती थी और वहां से सारे सुराग बंद हो गए.

"यह केस काफी दिलचस्प है," अपने रूप में वापस आते हुए वह बोला. "मुझे लगता है कि दाईं ओर वाला यह घर लॉज के ऊपर होगा. मैं सोचता कि जा कर मोरन से बात करूं और शायद एक नोट लिखूं. यह कर के हम वापस लंच के लिए चलेंगे. तुम लोग कैब तक पहुंचो, मैं अभी वहां तुम से मिलता हूं."

दस मिनट में हमें अपनी कैब मिली और हम वापस रॉस आ गए. होम्स के पास अब भी वह पत्थर था, जो उस ने जंगल से लाया था.

"तुम्हें जान कर खुशी होगी, लेस्ट्रेड," सामने करते हुए वह बोला. "हत्या इस पत्थर से की गई थी."

"मुझे कोई निशान नहीं दिखाई दे रहे."

"निशान है ही नहीं."

"फिर तुम्हें कैसे पता?"

“इस के नीचे घास उग रही थी. यह वहां पर कुछ ही दिनों से पड़ा था. यह कहां से लिया गया था, ऐसी कोई जगह वहां दिखाई नहीं पड़ रही थी. इस से वे जख्म किए जा सकते हैं. किसी और हथियार का कोई निशान नहीं मिला है.”

“और हत्यारा?”

“वह एक लंबा आदमी है, बाएं हाथ से काम करने वाला, दाएं पैर से लंगड़ाता है, मोटे तलवे वाले बूट और सलेटी कोट पहनता है, इंडियन सिगार पीता है, सिगार होल्डर रखता है और जेब में बिना धार की छुरी रखता है. और भी कई सुराग हैं, पर हमारी खोज के लिए यही काफी है.”

लेस्ट्रेड हंसा. “मुझे लगता है कि मैं तुम्हारी बात से सहमत नहीं हूं.” वह बोला. “तुम्हारे सबूत और धारणाएं ठीक हैं, पर हमें तो सख्त ब्रिटिश जूरी का सामना करना होगा.”

“कोई बात नहीं.” होम्स ने शांत भाव से जवाब दिया. “तुम अपने तरीके से काम करो, मैं अपने तरीके से काम करता हूं. आज दोपहर मैं व्यस्त रहूंगा और शाम की ट्रेन से लंदन पहुंच जाऊंगा.”

“और केस अधूरा छोड़ दोगे?”

“नहीं, खत्म कर दूंगा.”

“पर रहस्य?”

“सुलझ गया.”

“तो अपराधी कौन है?”

“जिस सज्जन का अभी वर्णन किया है.”

“पर वह कौन है?”

“यह ढूंढ़ना मुश्किल नहीं होगा. यह ज्यादा आबादी वाला इलाका नहीं है.”

लेस्ट्रेड ने कंधे उचकाए. “मैं एक प्रैक्टिकल आदमी हूं,” वह बोला. “और मुझे इस इलाके में बाएं हाथ से काम करने वाला, नकली टांग वाले आदमी को ढूंढ़ते फिरने का कोई शौक नहीं. मैं पूरे स्कॉटलैंड यार्ड की हंसी का पात्र नहीं बनना चाहता.”

“ठीक है.” होम्स ने धीमे से कहा. “मैं ने तुम्हें मौका दिया है. यह तुम्हारा लॉज आ गया. गुडबाय. जाने से पहले मैं तुम्हें चिट्ठी लिखूंगा.”

लेस्ट्रेड को छोड़ने के बाद हम अपने होटल लौट गए जहां मेज पर लंच सजा हुआ था. होम्स के चेहरे पर दुख की छाया थी और वह अपने खयालों में डूबा हुआ था, जैसे वह किसी ऊहापोह में हो.

“देखो वॉटसन,” मेज साफ होने के बाद उस ने कहा. “इस कुरसी पर बैठो. मैं तुम से कुछ कहना चाहता हूं. मुझे समझ में नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं. मुझे तुम्हारी राय चाहिए. एक सिगार सुलगा लो और मैं अपने मन की बात कहता हूं.”

“जरूर कहो.”

“देखो, अब इस केस में युवा मैककार्थी की दो बातों ने हमें चौंका दिया था, हालांकि उन से मैं उस के पक्ष में हो गया था और तुम उस के खिलाफ. एक बात यह थी कि उस को देखने से पहले ही उस के पिता ने ‘कूईई’ कर के पुकारा था. दूसरी बात थी कि मरते समय उस ने किसी ‘रैट’ का जिक्र किया था. तुम जानते हो, उस ने कुछ शब्द बड़बड़ाए थे, पर बेटे को यही शब्द समझ में आया. इन दोनों बातों पर हमारी खोज टिकी है और हमें इन्हीं के सहारे आगे बढ़ना है. हम शुरुआत यह मान कर करेंगे कि युवक ने जो कुछ कहा, वह सच था.”

“फिर ‘कूईई’ का क्या चक्कर था?”

“यह साफ है कि वह पुकार बेटे के लिए नहीं थी. उस की जानकारी में तो बेटा ब्रिस्टल में था. यह तो इत्तफाक था कि उस ने यह पुकार सुन ली. इस ‘कूईई’ से वह उस को बुला रहा था जिस से उसे इस जगह पर मिलना था. पर ‘कूईई’ एक ऑस्ट्रेलियन पुकार है और ऑस्ट्रेलियावासी इस का अकसर प्रयोग करते हैं. इस से यह अंदाज लगाया जा सकता है कि बॉस्कांब पूल पर उस दिन मैककार्थी किसी ऐसे व्यक्ति से मिलना चाहता था, जिस का संबंध आस्ट्रेलिया से है.”

“तो ‘रैट’ का क्या मसला था?”

शरलॉक होम्स ने अपनी जेब से मुड़ा हुआ कागज निकाला और मेज पर बिछा दिया. “यह विक्टोरिया की कॉलोनी का नक्शा है,” वह बोला. “मैं ने कल तार द्वारा ब्रिस्टल से इसे मंगवाया था. उस ने नक्शे के एक हिस्से पर हाथ रखा.

“तुम इसे कैसे पढ़ोगे?”

“अ रैट,” मैं ने पढ़ा.

“और अब?” उस ने हाथ हटा लिया.

“बैलारैट.”

“बिलकुल. उस आदमी ने यही बुदबुदाया था, पर बेटे ने सिर्फ आखिरी हिस्सा ही सुना. वह अपने हत्यारे का नाम बताना चाह रहा था. बैलारैट का अमुक.”

“यह तो आश्चर्य हो गया.” मैं ने कहा.

“यह तो बिलकुल साफ है. और अब, देखो, मैं ने दायरा काफी समेट लिया था. सलेटी रंग का कपड़ा वह तीसरी जानकारी थी, जो बेटे ने दी थी. यह भी पक्की बात है. अब हमें यह पक्की जानकारी है कि सलेटी कोट वाला बैलारैट का आस्ट्रेलियन ही हत्यारा है.”

“बिलकुल.”

“और वह आदमी उस वक्त इलाके में ही अपने घर पर है, क्योंकि पूल तक पहुंचने का रास्ता या तो फॉर्म से है या जागीर से हो कर, जहां अजनबी नहीं आ जा सकते.”

“बिलकुल.”

“फिर हमारे आज के अनुभव देखो, जमीन को बारीकी से देखने पर मुझे वे छोटेछोटे सुराग मिले जो मैं ने मूर्ख लेस्ट्रेड को बताए थे, हत्यारे के व्यक्तित्व के बारे में.”

“पर तुम ने वे सुराग कैसे ढूंढ़े?”

“तुम को मेरा तरीका मालूम ही है. वह छोटीछोटी बातों पर गौर करने पर टिका है.”

“उस का कद, मैं जानता हूं कि तुम उस के कदम की लंबाई से नाप सकते हो. उस के जूते भी अपनी छाप छोड़ते हैं.”

“हां, वे विशेष तरह के जूते थे.”

“पर उस का लंगड़ापन?”

“उस के दाएं पैर की छाप उस के बाएं पैर की छाप से हमेशा कमजोर दिखती थी. वह उस पर कम वजन डालता था. क्यों? क्योंकि वह लंगड़ाता था. वह लंगड़ा था.”

“पर उस का बाएं हाथ का इस्तेमाल?”

“सर्जन ने छानबीन के दौरान जख्म का जो खुलासा किया, उस से तुम भी चौंक गए थे. वार बिलकुल पीछे से किया गया था, पर बाईं तरफ था. अब अगर वह बाएं हाथ का प्रयोग नहीं करता, तो ऐसा कैसे हो सकता था? पिता और बेटे के बीच हो रही बहस के दौरान वह उस पेड़ के पीछे खड़ा था. उस ने वहां सिगार भी पिया था. मुझे वहां पर सिगार की राख मिली और तंबाकू की राख पर मुझे खास जानकारी होने की वजह से मैं बता सकता हूं कि वह इंडियन सिगार था. तुम तो जानते ही हो कि मैं ने इस पर काफी अध्ययन किया है और 140 अलग तरह की पाइप, सिगार और सिगरेट की राख पर लेख लिखा है. राख ढूंढ़ निकालने पर मैं ने इधरउधर देखा और काई में मुझे उस का टुकड़ा मिल गया जहां उस ने फेंका था. वह इंडियन सिगार था, जैसा रौटरडैम में बनाया जाता है.”

“और सिगरेट होल्डर?”

“मैं ने देख लिया था कि उस का सिरा उस ने मुंह में नहीं लिया था, जिस का मतलब था कि वह होल्डर का इस्तेमाल करता था. उस का सिरा मुंह से नहीं काटा गया था, पर चीरा गया था. पर यह चीरा ज्यादा स्पष्ट नहीं था, इसलिए मुझे पता चला कि उस ने कम धर वाला चाकू इस्तेमाल किया था.”

“होम्स.” मैं ने कहा. “तुम ने इस आदमी के इर्दगिर्द ऐसा जाल डाला है, जिस में से वह निकल नहीं सकता और तुम ने एक बेगुनाह की जान बचाई है. तुम ने वह फंदा काट दिया है, जिस पर वह फांसी पर चढ़ने वाला था. मैं देख पा रहा हूं कि हत्यारा है-”

“मिस्टर जॉन टर्नर.” होटल के वेटर ने हमारे सिटिंगरूम का दरवाजा खोल कर एक मेहमान को लाते हुए कहा.

अंदर आने वाला व्यक्ति अजीब और असरदार था. उस की धीमी लंगड़ाती चाल और झुके हुए कंधे दिखा रहे थे कि कमजोर है. पर फिर भी उस के कठोर नाकनक्श बता रहे थे कि उस का शरीर और चरित्र काफी मजबूत थे. उस की उलझी दाढ़ी, काले सफेद बाल और घनी भौंहों से वह काफी प्रभावशाली दिखाई दे रहा था, पर उस का चेहरा सफेद पड़ा था. उस के नथुनों के कोनों पर नीलापन था. मैं पहली नजर में ही समझ गया कि उसे किसी गंभीर बीमारी ने जकड़ रखा है.

“कृपया सोफे पर बैठिए.” होम्स ने कोमलता से कहा. “आप को मेरा नोट मिला?”

“हां, लॉजकीपर ने मुझे ला कर दिया था. तुम ने कहा था कि तुम चर्चा से बचने के लिए मुझ से यहां मिलना चाहते हो.”

“मुझे लगा कि अगर मैं हॉल तक जाऊंगा, तो लोग बातें बनाएंगे.”

“और तुम मुझ से क्यों मिलना चाहते थे?” उस ने थकी हुई आंखों से मेरे दोस्त को हताशा से देखा, मानो सवाल का जवाब उसे मिल गया हो.

“हां.” होम्स ने उस नजर का जवाब दिया. “ऐसा ही है. मुझे मैककार्थी के बारे में सब कुछ मालूम है.”

बुजुर्ग ने अपना चेहरा हाथों में छुपा लिया. वह बोला, “पर मैं उस युवक को नुकसान नहीं होने देता. अगर केस उस के खिलाफ जाता, तो मैं सामने आ कर कबूल कर लेता.”

“यह सुन कर मुझे खुशी हुई.” होम्स ने गंभीरता से कहा.

“मैं अभी ही सामने आ गया होता, अगर मुझे लाडली बेटी की फिक्र नहीं होती. उस का दिल टूट जाता. उस का दिल तब भी टूटेगा जब वह सुनेगी कि मैं बंदी बना लिया गया हूं.”

“शायद इस की नौबत न आए,” होम्स ने कहा.

“क्या.”

“मैं कोई सरकारी एजेंट नहीं हूं. मुझे पता है कि तुम्हारी बेटी की इच्छा थी कि मैं यहां आऊं और मैं उस की इच्छा पूरी कर रहा हूं. पर युवक मैककार्थी को रिहा करवाना ही पड़ेगा.”

“मैं मरने वाला हूं.” बुजुर्ग टर्नर ने कहा. “मुझे सालों से डायबिटीज है. मेरा डाक्टर कहता है कि इस में शक है कि मैं एक महीने और जिंदा रहूंगा या नहीं. पर मैं अपनी छत के नीचे मरना चाहता हूं, जेल में नहीं.”

होम्स उठ कर हाथ में कलम ले कर अपनी मेज पर कागजों के बंडल के सामने बैठ गया. “हमें बस पूरी तरह सचसच बताएं.” वह बोला. “मैं सारा बयान लिख लेता हूं. आप इस पर दस्तखत करेंगे और मैं और वॉटसन उस के गवाह बनेंगे. फिर आखिरी समय पर मैं युवक मैककार्थी को बचाने के लिए इसे पेश कर दूंगा. मैं वादा करता हूं कि जब तक बिलकुल ही जरूरी नहीं होगा, तब तक मैं इस को पेश नहीं करूंगा.”

“मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता.” बुजुर्ग ने कहा. “तब तक शायद मैं जिंदा भी नहीं रहूंगा, इसलिए मुझे फर्क नहीं पड़ता. पर मैं एलिस को इस सदमे से दूर रखना चाहता हूं. अब मैं बात साफसाफ बतलाता हूं. इस

किस्से की शुरुआत लंबे समय पहले हुई थी, पर मुझे पूरी बात कहने में ज्यादा समय नहीं लगेगा-

तुम इस मृतक मैककार्थी को नहीं जानते. वह शैतान का असली रूप था. मैं सच कह रहा हूं. तुम ऐसे बुरे आदमी के चंगुल से बचे रहो. पिछले बीस सालों से उस का शिकंजा मुझ पर कसा हुआ था और उस ने मेरी जिंदगी तबाह कर दी. पहले मैं यह बता दूं कि कैसे मैं उस के चंगुल में फंसा.

यह बात साठ के दशक की है. हम लोग खदानों में काम करते थे. उस वक्त मैं जवान था, खून गरम और बेपरवाह, मैं कुछ भी करने को तैयार था. मैं बुरी सोहबत में पड़ गया, शराब की लत पड़ गई, जुएं में हारने लगा और आखिर में लुटेरा बन गया. हम छह लोग थे और हम बेकाबू हो कर लूटने लगे. मैं ने अपना नाम ब्लैक जैक ऑफ बैलारैट रख लिया और अब भी उस इलाके में हम लोगों को बैलारैट गैंग के नाम से जाना जाता है.

एक बार सरकारी खजाना जिस में बहुत सोना था, बैलारैट से मेलबोर्न कुछ पुलिस वालों की देखरेख में ले जाया जा रहा था. हम ने घात लगा कर रक्षक दल पर हमला कर दिया. उस में छह सिपाही थे और हम भी छह थे. इस लिए मामला टक्कर का था, पर हम ने चार सिपाही पहले ही धावे में ढेर कर दिये. पर जब तक हमें खजाना हाथ लगता, हमारे भी तीन साथी मर चुके थे. मैं ने वैगनड्राइवर के सिर पर पिस्तौल रखी जो यही मैककार्थी था. काश! मैं ने उसी दिन अपनी पिस्तौल चला दी होती, पर मैं ने इसे छोड़ दिया जबकि मैं ने इस की दुष्ट आंखों को अपने चेहरे पर गड़ा देख लिया था. मानो वह मेरे चेहरे की बारीकियों को रटने की कोशिश कर रहा है. हम सोना ले कर फरार हो गए, अमीर हो गए और बिना शक पैदा किए इंगलैंड खिसक गए.

वहां मैं अपने पुराने मित्रों से अलग हो गया और ठान लिया कि अब से शरीफों की तरह सम्मानजनक जिंदगी बिताऊंगा. मैं ने यह जागीर खरीद ली जो उस वक्त बिकाऊ थी और मैं ने सोचा कि अपनी दौलत से भले काम करूंगा, जिस से वे पाप धुल सकें, जिन से मैं ने दौलत कमाई थी. मैं ने शादी भी की. मेरी पत्नी जवानी में ही चल बसी थी, वह नन्ही सी एलिस को छोड़ गई. जब वह बच्ची ही थी, तब भी उस के छोटेछोटे हाथ मानो मुझे सही रास्ता दिखाते थे. दूसरे शब्दों में, मैं पूरी तरह बदल चुका था और अपने पिछले पापों को धोने की कोशिश कर रहा था. सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी मैककार्थी ने मुझ पर शिकंजा कस दिया.

“मैं किसी निवेश के सिलसिले में शहर गया था और रिजेंटस्ट्रीट पर यह मिला, न पीठ पर शर्ट थी, न पैरों में जूते.”

“हम मिल गए, जैक,” मेरी बांह छूते हुए वह बोला. “हम तुम्हारे परिवार की तरह रहेंगे. हम दो जने हैं, मैं और मेरा बेटा और तुम हमें अपने साथ रखोगे. अगर तुम नहीं रखते, तो कोई बात नहीं. इंगलैंड एक कानून पसंद देश है और हर जगह पुलिस तैनात है.”

इस तरह वे वेस्ट कंट्री आ गए, मैं उन से छुटकारा नहीं पा रहा था और तब से वे बगैर किराया दिए मेरी सब से अच्छी जमीन पर रहने लगे. मेरे लिए कोई चैन नहीं था, न शांति, न मैं भूल पा रहा था. मैं जहां भी मुड़ता, उस का धूर्त मुसकराता चेहरा मेरे पास होता. एलिस के बड़ी होने पर यह और भी बढ़ गया, क्योंकि वह समझ गया था कि पुलिस से ज्यादा डर, मुझे अपनी बीती जिंदगी का पता एलिस को चल जाने का है. उसे जो चाहिए, वह मिल जाना चाहिए और जो भी वह मांगता, मैं बगैर सवाल पूछे उसे दे देता–जमीन, दौलत, जायदाद और आखिर में उस ने वह मांग लिया जो मैं नहीं दे सकता था, वह थी एलिस.

असल में उस का बेटा बड़ा हो गया था और मेरी बेटी भी और क्योंकि मेरे खराब स्वास्थ के बारे में सब को मालूम था, उसे यह अच्छा मौका दिखाई दिया कि उस का बेटा मेरी जायदाद का वारिस बन जाए. पर यहां मैं अड़ गया. मैं नहीं चाहता था कि उस का गंदा खून मेरे खून से मिले, जबकि मुझे उस का लड़का नापसंद नहीं था. पर पिता का खून उस में था और यही काफी था. मैं अड़ा रहा. मैककार्थी ने धमकी दी. मैं ने उसे उकसाया. हमें पूल पर इस बारे में बातचीत करने के लिए मिलना था.

जब मैं वहां पहुंचा तो देखा कि वह अपने बेटे से बात कर रहा है, इसलिए मैं ने एक सिगार सुलगाई और उस के अकेले होने के इंतजार में पेड़ के पीछे छिप गया, पर जब मैं ने उस की बातें सुनीं, तो मेरे अंदर जितना कड़वापन था, सब ऊपर आ गया. वह अपने बेटे को उकसा रहा था कि मेरी बेटी से शादी कर ले, मानो मेरी बेटी सड़क चलती बाजारू औरत हो और उस की राय मायने नहीं रखती.

मैं यह सोच कर पागल हो गया कि मैं और मुझे जो सब से प्रिय है, ऐसे आदमी की जकड़ में है. क्या मैं यह डोर तोड़ नहीं सकता? मैं तो खुद ही मरणासन्न और हताश हूं. हालांकि मेरा दिमाग साफ है और शरीर मजबूत. मैं जानता था कि मेरी किस्मत का फैसला तो हो गया है. पर मेरी बीती कहानी और मेरी बेटी! दोनों ही बचाए जा सकते थे, बस अगर मैं इस

बदजुबान को चुप कर सकूं. मैं ने किया, मिस्टर होम्स. मैं फिर से करूंगा. हालांकि मैं ने गहरा पाप किया है, इस के लिए मैं ने काफी सजा भी भुगती है.

"मैं यह बिलकुल बरदाश्त नहीं कर पा रहा था कि मेरी बेटी भी उसी जाल में फंस जाए, जिस में मैं फंसा हुआ था. उस को मारते समय मुझे उतना ही पछतावा हुआ, जितना किसी पशु या पक्षी को मारने पर होता. उस की चीख से उस का बेटा लौट आया. पर मुझे जंगल में छुप जाना था, हालांकि मुझे अपना कोट लेने के लिए लौटना पड़ा जो भागते समय मुझ से गिर गया था. उस दिन जो कुछ भी हुआ था, उस की सच्ची कहानी यही है."

"यह मेरे हाथ में नहीं है कि तुम्हारा फैसला कर सकूं." होम्स ने कहा. जब बुजुर्ग बयान पर दस्तखत कर रहा था. मैं उम्मीद करता हूं कि हमें ऐसा करने की नौबत न आए."

"मैं भी यही चाहता हूं सर. और तुम क्या करना चाहते हो?"

"तुम्हारी तबीयत देखते हुए, कुछ भी नहीं. यह तो तुम भी जानते हो कि जल्दी ही तुम्हें अदालत में जवाब देना होगा जो यहां की अदालत से बहुत बड़ी है. मैं तुम्हारा कबूलनामा अपने पास रखूंगा और अगर मैककार्थी को सजा होती है तो मुझे जबरन इस का इस्तेमाल करना होगा. अगर नहीं, तो यह किसी भी इनसान की नजर में नहीं आएगा. तुम्हारा रहस्य, चाहे तुम जीवित रहो या नहीं, हमारे पास सुरक्षित रहेगा."

"तो अलविदा," बुजुर्ग ने गंभीरता से कहा. "जब भी तुम लोगों को मृत्यु आएगी, तुम लोग भी शांति से मरोगे, क्योंकि तुम लोगों ने मुझे शांति से मरने का मौका दिया है."

उस की विशाल काया कांपती हुई धीरेधीरे कमरे के बाहर चली गई.

केस से जेम्स मैककार्थी बरी हो गया, क्योंकि होम्स ने कई जगह आपत्ति उठाई थी और बचाव के पक्ष में उस ने कोर्ट में कई दलीलें पेश की थीं. बूढ़ा टर्नर हम से मिलने के बाद सात महीनों तक जीवित रहा, पर अब मर चुका है और यह मुमकिन है बेटा और बेटी आपस में खुशीखुशी रहते हैं, उस काले बादल से अनजान, जो उन के बीते हुए काल पर मंडराया था.

संतरे के पांच बीज

वर्ष ‘82 ’ और ‘90 ’ के बीच के शरलॉक होम्स के केसों के नोटों और रिकार्डों पर नजर डालने पर मुझे इतने सारे केस मिले जो दिलचस्प भी थे, विचित्र भी, कि समझ में नहीं आता कि कौन सा केस उठाऊं, कौन सा छोड़ूं. कुछ को अखबारों से ही काफी प्रचार मिल चुका था, कुछ केसों ने उस को भी उलझन में डाल दिया था और अगर कहानी के तौर पर बताए जाएं तो उन का कोई अंत नहीं बताया जा सकता था. कुछ केस अधूरे सुलझे हुए थे और सबूत के आधार पर नहीं, बल्कि अनुमान के आधार पर ही उन का फैसला किया गया था. पर उन में से आखिरी केसों में एक इतना ज्यादा आश्चर्यजनक था और उस का अंत इतना चौंकाने वाला कि मैं उस के बारे में कुछ बताना चाहता हूं, जबकि उस में कई मुद्दे ऐसे थे, जो न कभी सुलझे न कभी सुलझेंगे.

वर्ष, 87 में हमारे पास केसों की लंबी फेहरिस्त थी, जिन के रिकार्ड मेरे पास थे. मेरे पास पेराडोल चेंबर का किस्सा था, ऐमेटर मेंडिवेंफट सोसायटी का भी किस्सा था जो फर्नीचर की दुकान के गोदाम के नीचे के तहखाने में बड़ा ऐयाशी भरा क्लब चलाती थी. सोफी एंडरसन के खोने से संबंधित सारे तत्त्व (यह एक छोटा, ब्रिटिश पानी का जहाज था), उफ्फा द्वीप में ग्राइस पैटरसंस के साहसिक कारनामें और केंबरवेल को जहर दिए जाने का केस. जैसा सब को याद होगा, इस

आखिरी केस में शरलॉक होम्स ने मृतक की घड़ी में चाबी भर कर साबित कर दिया था कि उस में दो घंटे पहले ही चाबी भरी गई थी और इसलिए मृतक लगभग इसी समय सोने के लिए गया होगा, इस बात से केस सुलझाने में बहुत मदद मिली. ये सारे केस मैं बाद में कभी लिखूंगा, पर उन में से कोई भी इतना हैरान करने वाला नहीं था जितना यह, जिस के बारे में मैं अपनी कलम से लिखने जा रहा हूं.

सितंबर के आखिरी दिनों की बात है और तूफानी हवाएं अपने रौद्र रूप में आ चुकी थीं. सारे दिन हवाएं सायंसायं और बारिश खिड़कियों से टकराती रही थी, जिस से इस विशाल लंदन में भी, जो इनसानों ने बनाया है, हम अपनी दिनचर्या भूल कर प्रकृति की लीला के बारे में सोचने को मजबूर हो गए थे, जो मानवजाति पर उस की सभ्यता के सीखचों से चीख रही थी, मानो पिंजरे में बंद कोई हिंसक पशु हो. शाम होते होते तूफान और भी तेज हो गया और हवाएं ऐसे चीत्कार कर रही थीं, मानो चिमनी में कोई बच्चा फंस गया हो. शरलॉक होम्स आग के पास बैठा अपने केसों की सूची

बना रहा था, जबकि दूसरी ओर मैं बैठा क्लार्क रसल की बेहतरीन समुद्री कथाएं पढ़ने में डूबा हुआ था. तभी बाहर हवाओं की तेज सनसनाहट कहानी की हवाओं से घुलमिल सी गई और बारिश की बौछार समुद्र की ऊंची लहरों जैसी लगने लगीं. मेरी पत्नी अपनी मां से मिलने गई हुई थी और कुछ दिनों के लिए मैं बेकर स्ट्रीट पर अपनी पुरानी रहने की जगह पर आया हुआ था.

अपने मित्र की ओर देखते हुए मैं ने कहा, "मुझे लगता है कि घंटी बजी है. आज रात कौन आ सकता है? शायद तुम्हारा कोई मित्र होगा?"

"तुम्हारे सिवा मेरा कोई नहीं है." उस ने जवाब दिया. "मैं मेहमानों को बढ़ावा नहीं देता."

"कोई मुवक्किल?"

"अगर है, तो कोई गंभीर केस ही होगा. नहीं तो ऐसे दिन कोई भी घर से क्यों निकलेगा, वह भी इस समय पर. मैं समझता हूं कि यह मकान मालकिन का ही कोई चमचा होगा."

शरलॉक होम्स का अंदाजा गलत था. क्योंकि गलियारे में कदमों की आहट हुई और दरवाजा खटका. उस ने अपना लंबा हाथ बढ़ा कर लैंप अपने से हटा कर खाली कुरसी की ओर घुमा दिया जिस पर आने वाले को बैठना था, "अंदर आइए," वह बोला.

अंदर आने वाला कम उमर का, लगभग बाईस वर्ष का जान पड़ रहा था. वह सलीकेदार कपड़े पहने था और उस के हावभाव में कुलीनता टपक रही थी. उस के हाथ का भीगा हुआ छाता और लंबी चमकती बरसाती उस भीगे मौसम का गवाह थी, जिस में से वह आया था. उस ने घबराकर अपने इर्दगिर्द लैंप की रोशनी में देखा और मैं समझ रहा था कि उस का चेहरा पीला था और आंखें भारी, मानो वह गहरी चिंता में डूबा है.

"मुझे तुम लोगों से माफी मांगनी चाहिए." अपना सुनहरा चश्मा आंखों पर टिकाते हुए वह बोला. "मैं जबरन तो अंदर नहीं आ गया? मुझे अफसोस है कि बाहर के तूफान और पानी को मैं इस सुंदर कमरे में ले आया हूं."

"अपना कोट और छाता मुझे दे दो." होम्स ने कहा. "इन को खूंटी पर टांग देते हैं और कुछ ही देर में यह सूख जाएंगे. मैं देख रहा हूं कि तुम दक्षिण–पश्चिम से आए हो."

"हां, होरशम से."

"तुम्हारे पंजों पर लगा मिट्टी और चूने का मिश्रण साफ बता रहा है."

"मैं यहां राय लेने आया हूं."

"वह तो आसानी से मिल जाएगी."

"और मदद."

"वह हमेशा आसान नहीं होती."

"मैं तुम्हारे बारे में सुन चुका हूं मिस्टर होम्स. मैं ने मेजर प्रेंडरगास्ट से सुना था कि कैसे तुम ने टैंकरविले क्लब अफवाह से उसे बचाया था."

"अच्छा. हां, उस पर गलत आरोप था कि वह जुए में बेईमानी करता है."

"उस ने कहा कि तुम कोई भी माजरा सुलझा लोगे."

"उस ने कुछ ज्यादा ही कह दिया."

"तुम कभी नहीं हारते."

"मैं चार दफे हार चुका हूं, तीन दफे पुरुषों से और एक दफा एक स्त्री से."

"पर तुम्हारी सफलताओं के मुकाबले में तो ये कुछ भी नहीं हैं."

"हां. यह सच है कि ज्यादातर मैं सफल ही होता हूं."

"तो फिर मेरे साथ भी होगे."

"मैं चाहता हूं कि तुम अपनी कुरसी यहां आग के पास खिसका लो और अपने केस के बारे में सारी बातें बताओ."

"यह कोई साधरण मामला नहीं है."

"मेरे पास आने वाला कोई भी मामला साधरण नहीं होता. मैं आखिरी अदालत हूं जहां अपील होती है."

"फिर भी सर, मैं पूछूंगा कि क्या, तुम्हारे सारे तजुर्बे में तुम ने ऐसी रहस्यमयी और अविश्वसनीय घटनाओं के बारे में सुना है जो मेरे परिवार में घटी हैं?"

"तुम ने मेरे अंदर दिलचस्पी जगा दी है." होम्स ने कहा. मेहरबानी कर के मुझे शुरू से पूरी बात बताओ और बाद में मैं उन बातों पर सवाल करूंगा जो मुझे जरूरी लगेंगी."

युवक ने अपनी कुरसी खिसकाई और आग की ओर अपने पैर पसार दिए.

“मेरा नाम जॉन ओपनशॉ है, पर मेरे निजी जीवन से इस सारी घटना का कोई ताल्लुक नहीं है. यह मुझे विरासत में मिला है और इसलिए तुम को पूरी जानकारी देने के लिए मुझे शुरू से सब कुछ बताना होगा.

मुझे तुम को यह बताना होगा कि मेरे बाबा के दो बेटे थे–मेरे अंकल एलियस और मेरे पिता जोजफ. मेरे पिता की कॉवंट्री में छोटी सी फैक्टरी थी, जो साइकिल के ईजाद होने पर उन्होंने बढ़ा ली. उन के पास ओपनशॉ के न टूटने वाले टायर का पेटेंट था और उन के धंधे को इतनी सफलता मिली कि उस को बेच कर उन्हें काफी रकम मिल गई.

मेरे अंकल एलियस जब युवक थे, तभी अमरीका चले गए थे और फ्लोरिडा में प्लांटर बन गए, जहां सुनते हैं कि उन्हें बहुत सफलता मिली. युद्ध के समय वे जैकसन की सेना में लड़े और फिर हुड के नेतृत्व में भी लड़े और कर्नल बन गए. जब ली ने हथियार सौंपे तब मेरे अंकल वापस अपने बागानों में लौटे. वह वहां तीनचार साल रहे. करीब 1869 या 1870 में वह यूरोप लौटे ओर होरशम के पास संसेक्स में छोटी सी जागीर खरीद ली. अमरीका में उन्होंने खासी रकम कमाई थी और वह इसलिए छोड़ी कि उन्हें नीग्रो जाति के लोगों से और रिपब्लिक सरकार की नीति से नफरत थी. वह अनूठे थे–भयानक और गुस्सैल. गुस्से में अनापशनाप बोल जाते और उन्हें किसी से मिलनाजुलना पसंद नहीं था. होरशम में वह जितने भी साल रहे, उन्होंने शायद ही कभी शहर की ओर रुख किया हो. उन के घर के बाहर एक बगीचा था और 2-3 खेत, जहां वह कसरत करते. हालांकि अकसर वह हफ्तों तक अपने कमरे के बाहर ही नहीं निकलते. वह काफी मात्रा में ब्रांडी पीते थे और सिगरेट भी, पर वे किसी से मिलतेजुलते नहीं थे, न कोई दोस्त चाहते, अपना भाई भी नहीं.

उन्हें मुझ से कोई परेशानी नहीं थी, बल्कि वह मुझे प्यार करते थे, क्योंकि जब उन्होंने मुझे पहली बार देखा था, उस वक्त मैं बच्चा था, करीब बारह साल का. यह 1878 की बात है. जब वह आठ नौ सालों तक इंगलैंड में रहे थे. उन्होंने मेरे पिता से कहा कि मुझे उन के साथ रहने दें. अपने तरीके से वह मेरा बड़ा ध्यान रखते थे. जब वह नशे में नहीं होते, तो हम बैकगैमन खेलते और नौकरों और दूसरे व्यापारियों से मेरे जरिए ही बात करते, जिस की वजह से सोलह साल का होतेहोते मैं पूरे मकान का मालिक सा बन चुका था. सारी चाबियां मैं ही रखता और मुझे जहां जाना होता, वहां जा सकता था. उन की निजी जिंदगी में खलल दिए बगैर कुछ

भी कर सकता था. एक अपवाद यह था कि दुछत्ती पर एक लकड़ी का कमरा था जो हमेशा बंद रहता था. इस में जाने की आज्ञा न मुझे थी, न किसी और को. लड़कपन के कौतूहल में मैं ने छेद से झांक कर देखा, पर मुझे पुराने बक्से और पोटलियां ही दिखाई दीं.

एक दिन, मार्च 1883 में–कर्नल की प्लेट के आगे विदेशी स्टैंप लगा एक पत्र पड़ा था, उन के लिए पत्र आना खास बात थी, क्योंकि वह अपने सारे बिल खुद चुकाते थे और उन का कोई मित्र नहीं था. 'इंडिया से' उसे उठाते हुए वह बोले. "पांडिचेरी (पुडुचेरी) का पोस्टमार्क यह क्या हो सकता है?" जल्दी से उसे खोलते हुए उस में से संतरे के सूखे हुए पांच बीज उस की प्लेट में आ गिरे. यह देख कर मैं हंसने लगा, पर उन का चेहरा देखते ही मेरी हंसी होंठों तक ही ठहर गई. उन के होंठ लटक गए थे, आंखें बाहर निकल आई थीं, रंगत चूने जैसी सफेद पड़ गई थी और वह उस लिफाफे को देखते रह गए जो अब भी उन के कांपते हाथों में था. 'क. क.क' वह चीखे और फिर बोले, "ओह, मेरे पाप मुझ से आगे निकल गए."

"क्या है अंकल?" मैं ने हड़बड़ा कर पूछा. "मौत," वह बोले और वहां से उठ कर अपने कमरे में चले गए और मैं डर से कांपता रह गया. मैं ने लिफाफा उठाया और देखा कि अंदर की ओर लाल स्याही से तीन बार 'क' अक्षर लिखा हुआ है. इन सूखे बीजों के सिवा उस में और कुछ भी नहीं था. उन के इस भय के पीछे क्या वजह हो सकती थी? मैं सीढ़ियां चढ़ ही रहा था कि वे हाथ में पुरानी जंग लगी चाबी लिए उतरते हुए मिले. यह चाबी दुछत्ती की रही होगी. उन के दूसरे हाथ में पीतल की एक छोटा सी डिब्बी थी, जो गुल्लक जैसी दिखाई पड़ रही थी.

"वे लोग जो मर्जी आए करें, पर मैं उन को फिर भी मात दे दूंगा," वह बोले. "मेरी से कहो कि आज मेरे कमरे में आग सुलगा दे और होरशम से वकील फोरधाम को बुलवा भेजे."

मैं ने वही किया जो उन्होंने कहा था और जब वकील आया तो मुझे कमरे में बुलवाया गया. आग तब तक तेज हो गई थी और अंगीठी में जले हुए कागज जैसी काली राख पड़ी थी, जबकि उस के पास ही खाली पीतल की डिब्बी खुली रखी थी. जब मैं ने डिब्बी देखी, मैं देख कर चौंक गया कि उस के ढक्कन पर तीन बार 'क' छपा था. जो मैं ने सुबह लिफाफे पर देखा था.

“मैं चाहता हूं, जॉन,” मेरे अंकल बोले. तुम मेरी वसीयत के गवाह बनो. मैं अपनी सारी जायदाद, उस से फायदे और नुकसान, सब कुछ अपने भाई, यानी तुम्हारे पिता के नाम करता हूं, जिस के बाद जाहिर है, यह तुम को मिल जाएगी.

“अगर तुम चैन से इसे भोग सकोगे तो अच्छा है. अगर नहीं, तो मेरी राय मानो, मेरे बेटे, और इसे अपने जानी दुश्मन को दे देना. मुझे अफसोस है कि मैं तुम को ऐसी जायदाद दे रहा हूं जिस के दो पहलू हैं, पर मैं कह नहीं सकता कि हालात क्या रंग लाएंगे. वहां दस्तखत कर दो, जहां मिस्टर फोरधम बताएं.”

मैं ने कागज पर दस्तखत कर दिए और वकील उसे अपने साथ ले गया. इस घटना ने मेरे ऊपर गहरी छाप छोड़ी और मैं ने इस बारे में बहुत सोचा, पर कुछ भी नहीं समझ पाया. मैं मन से वह खौफ नहीं हटा पाया जो मेरे मन में बैठ गया था, हालांकि जैसेजैसे हफ्ते गुजरते गए और हमारे जीवन में कोई उथलपुथल नहीं हुई, तो यह सनसनी भी धीरेधीरे कम होती गई. पर मुझे अपने अंकल में बदलाव नजर आया. वह पहले से कहीं ज्यादा शराब पीने लगे थे और अपने ही अंदर और भी ज्यादा सिमट गए. वह ज्यादातर समय अपने कमरे में ही बिताते, और दरवाजा अंदर से बंद कर लेते, पर कभीकभी नशे की पिनक में बाहर आते और कमरे से निकलकर हाथ में रिवॉलवर लिए बगीचे में भागतेफिरते. साथ में वह भी चिल्लाते कि वह किसी से नहीं डरते और वह बकरी की तरह मांद में दुबके नहीं रहेंगे. चाहे कोई आदमी हो या हव्वा उन्हें किसी से डर नहीं.

जब यह गरमी दूर होती, वह हड़बड़ा कर दरवाजे के अंदर घुस जाते और उस पर ताला लगा देते, उस आदमी की तरह जो अपनी आत्मा की सतह में बैठे डर को अब और बरदाश्त नहीं कर सकता. ऐसे समयों पर मैं ने उन का चेहरा देखा है, ठंडे दिनों में भी, जो तरबतर रहता है, मानो अभीअभी डुबकी लगा कर आए हों.

“खैर, मामले को खत्म करता हूं, तुम्हारे सब्र का इम्तिहान नहीं लूंगा. मिस्टर होम्स, एक रात ऐसी आई जब वे अपने नशे की पिनक से बाहर नहीं आ पाए. जब हम इन्हें ढूंढ़ने गए, तो हम ने इन्हें काई भरे तालाब में मुंह के बल पड़ा पाया, जो बगीचे के परले छोर पर था. हिंसा का कोई निशान नहीं था और पानी सिर्फ दो फीट गहरा था, इसलिए जूरी ने इसे आत्महत्या का मामला माना क्योंकि इन के अजीब स्वभाव के बारे में सब को मालूम था. पर मैं जो जानता था कि उन्हें मौत का कितना खौफ था, अपने मन को समझा नहीं पा रहा था कि वे खुद ही मौत को गले लगा

सकते हैं. बात आई गई हो गई और मेरे पिता को वह जायदाद मिल गई, साथ में चौदह हजार पाउंड भी, जो बैंक में पड़े थे."

एक मिनट," होम्स ने टोका. "मैं ने अब तक जितने भी बयान सुने हैं, उन में तुम्हारा बयान सब से अजब है. मुझे वह तारीख बताओ जिस दिन तुम्हारे अंकल को वह चिट्ठी मिली थी और उन की तथाकथित आत्महत्या की तारीख भी."

"चिट्ठी 10 मार्च 1883 को आई थी. उन की मौत सात हफ्रतों बाद, 2 मई को हुई."

"शुक्रिया, अब बोलो."

"जब मेरे पिता ने होरशम जायदाद ली, तो, मेरे कहने पर उन्होंने दुछत्ती पर ध्यान से खोजबीन की, जो हमेशा बंद रखी जाती थी. हमें वह पीतल की डिब्बी मिली, हालांकि उस के अंदर का सामान जलाया जा चुका था. उस के ढक्कन के अंदर की ओर कागज का लेबल था जिस पर 'क. क. क' लिखा था और उस के नीचे लिखा था–'पत्र, दस्तावेज, रसीदें और एक रजिस्टर.' हम ने अंदाज लगाया कि ये वे कागजात थे जो कर्नल ओपनशॉ ने नष्ट कर दिए थे. दुछत्ती पर बाकी कुछ भी काम का नहीं था सिवाय अंकल के अमेरिका के दिनों के कुछ बिखरे कागज और नोटबुक जो कुछ युद्ध के दौरान की थी और दिखाती थी कि उन्होंने अपना काम अच्छे तरीके से किया और अच्छे सिपाही के तौर पर नाम कमाया. दूसरी उन तारीखों की थीं जब दक्षिण के स्टेट बन ही रहे थे और ज्यादातर राजनीति से संबंधित थे, क्योंकि जाहिर था कि उन्होंने कारपेट बैग राजनीतिज्ञों का विरोध किया था, जो उत्तर से भेजे गए थे.

खैर, 84 की शुरुआत थी जब मेरे पिता होरशम में रहने आए और जनवरी 85 तक सब कुछ ठीकठाक चलता रहा. नए साल के चौथे दिन जब हम नाश्ता करने बैठे तो मैं ने अपने पिता को चिल्लाते हुए सुना. वह अपने सामने अभीअभी खोला गया लिफाफा हाथ में लिए बैठे थे और सूखे हुए पांच संतरे के बीज उन की दूसरे हाथ की खुली हथेली में रखे थे. कर्नल के साथ घटित ऐसी ही घटना को मैं ने उन्हें भी बताया, उसे वह मनगढ़ंत कहानी कह कर हंसी में उड़ाया करते थे, पर अब वह डरे हुए और उलझन में पड़े दिखाई दे रहे थे. जब खुद उन के साथ वही घटा था.

"इस का क्या मतलब है, जॉन? वह हकलाए."

मेरा दिल पत्थर हो चुका था. "यह क. क. क है." मैं ने कहा.

"उन्होंने लिफाफे के अंदर झांका. "हां, यही है." वह चिल्लाए. "यहां पर यही लिखा है. पर इस के ऊपर यह क्या लिखा है?"

"सूर्य-घड़ी पर यह कागज रखो." मैं ने उन के कंधे पर से झांकते हुए पढ़ा.

"कौन से कागज? कौन सी सूर्य-घड़ी?" उन्होंने पूछा.

"बगीचे वाली सूर्य घड़ी. और कोई नहीं है," मैं ने कहा, पर कागज वे वाले होंगे जो नष्ट कर दिए गए हैं."

"फु!" बहादुर दिखने की कोशिश करते हुए वह बोले. हम यहां सभ्य समाज में हैं, और इस तरह की बेहूदगी यहां नहीं चल सकती. यह आया कहां से है?"

"डुंडी से" पोस्टमार्क पर नजर डालते हुए मैं बोला.

"यह कोई बेहूदगी भरा मजाक है." उस ने कहा. मुझे सूर्य घड़ी और कागजातों के बारे में क्या मालूम? मैं ऐसी बेवकूफी पर ध्यान नहीं दे सकता."

"मैं पुलिस से बात जरूर करूंगा." मैं ने कहा.

"जिस से सब मुझ पर हंसे? कोई जरूरत नहीं."

"तो मुझे करने दीजिए."

"नहीं. मैं तुम्हें नहीं करने दूंगा. इस बेकार की बात का बतंगड़ मैं नहीं बनने दूंगा."

"उन से बहस करना बेकार था क्योंकि वह बड़े अड़ियल किस्म के थे. मेरा दिल आशंकाओं से भर गया था."

"चिट्ठी आने के तीसरे दिन मेरे पिता किसी दोस्त से मिलने घर के बाहर गए–मेजर फ्रीबडी से, जो पोर्ट्सडाउन हिल पर एक किले की कमान संभाले थे. मुझे खुशी हुई कि वे गए क्योंकि मुझे लगा कि वह घर से जितनी दूर हो सकते हैं, उतने ही सुरक्षित रहेंगे. पर मैं गलत था. उन के जाने के दूसरे दिन मेजर का तार आया कि मैं फौरन वहां पहुंच जाऊं. मेरे पिता एक गहरे चूने के गड्ढे में गिर गए थे और बेहोश पड़े थे, उन का सिर चकनाचूर हो गया था. मैं जल्दी से वहां पहुंचा, पर वह होश में आए बगैर ही मर गए. ऐसा लग रहा था कि शाम के धुंधलके में वह फेयरहैम से लौट रहे थे और क्योंकि इलाका उन के लिए अनजान था और गड्ढा ढका हुआ

नहीं था, इसलिए जूरी ने बिना हिचके उस को दुर्घटना संबंधी मौत का मामला बता दिया.

मैं ने ध्यान से उन की मृत्यु से संबंधित हर मसले पर गौर किया, पर मुझे ऐसी कोई भी बात नहीं लगी जो यह शक पैदा करती की उन की हत्या हुई है. न हिंसा का कोई निशान था, न पैरों के निशान, न कोई लूटपाट, न सड़कों पर अजनबियों की मौजूदगी की खबरें और फिर भी, मुझे यह बताने की जरूरत नहीं कि मेरा मन बेचैन था और मुझे पूरा यकीन था कि उन के इर्दगिर्द कोई घटिया जाल बुना गया था.

इस खौफनाक घटना के बाद मैं ने यह सब विरासत में पाया. तुम पूछ सकते हो कि मैं ने यह जायदाद किसी को दे क्यों नहीं दी? मेरा जवाब यह है कि मैं ने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि मुझे अपने दिल में कहीं न कहीं मालूम है कि हमारी परेशानियां कहीं न कहीं मेरे अंकल की जिंदगी में घटी एक घटना से जुड़ी हैं और यह चाहे मैं इस घर में रहूं या कहीं और, खतरा तो मंडराता ही रहेगा.

"जनवरी '85 ' में मेरे पिता की मौत हुई थी, और इस के बाद 2 साल आठ महीने गुजर चुके हैं, तब से मैं होरशम में आराम से रह रहा था और मुझे उम्मीद होने लगी थी कि हमारे परिवार के ऊपर से शाप हट गया है और पिछली पीढ़ी के साथ ही खत्म हो गया है. पर मैं बड़ी जल्दी बेफिक्र हो गया था. कल सुबह मुझ पर भी वही गाज गिरी जो मेरे पिता पर गिरी थी."

युवक ने अपनी जेब से एक मुड़ातुड़ा कागज निकाला और मेज पर उस ने संतरे के पांच सूखे हुए बीज पलट दिए.

"यही वह लिफाफा है." वह बोला. इस में लंदन के पूर्वी भाग का पोस्टमार्क है. इस के अंदर भी वही लिखा है जो मेरे पिता के लिफाफे पर लिखा था–क. क. क" और फिर कागजात सूर्य-घड़ी पर रखो."

"तुम ने क्या किया?" होम्स ने कहा.

"कुछ नहीं."

"कुछ नहीं?"

"सच कहूं तो," उस ने अपना चेहरा अपने पतले, सफेद हाथों से ढक लिया, मैं अपने को बेसहारा महसूस कर रहा हूं. मुझे मानो मैं खरगोश हूं जिस की ओर सांप बढ़ रहा है. मुझे लगता है कि मैं किसी ऐसी शैतानी ताकत से जूझ रहा हूं जिस से बचा नहीं जा सकता.

“चच्च! चच्च!” शरलॉक होम्स ने कहा. तुम्हें कुछ करना होगा नहीं तो तुम हार जाओगे. तुम्हें फुरती दिखानी होगी. यह समय हिम्मत हारने का नहीं है.”

“मैं पुलिस से मिल चुका हूं.”

“आह?”

“पर मेरी कहानी सुन कर वे मुसकरा दिए. मुझे यकीन है कि इंस्पेक्टर के मन में यह बात है कि चिट्ठियां किसी ने मजाक में भेजी हैं और मेरे रिश्तेदारों की मौतें महज दुर्घनाएं थीं, जैसा जूरी ने कहा था और धमकियों से इन का कोई सरोकार नहीं था.”

होम्स ने अपनी मुट्ठी हवा में लहराई. “कितना पागलपन कि विश्वास ही नहीं होता,” वह बोला.

“पर उन्होंने मुझे एक पुलिस वाला दिया है जो मेरे साथ मेरे घर पर रहेगा.”

“क्या आज रात वह तुम्हारे साथ आया है?”

“नहीं. उस को हुक्म है कि वह घर पर रहे.”

होम्स ने फिर हवा में हाथ लहराया.

“तुम मेरे पास क्यों चले आए?” वह बोला. और, सब से पहली बात, तुम मेरे पास तुरंत क्यों नहीं आए?”

“मुझे मालूम नहीं था. आज ही मेजर प्रेंडरगास्ट से बात करने पर उन की सलाह से मैं यहां आया हूं.”

“चिट्ठी आने के बाद दो दिन हो गए हैं. हमें इस के पहले ही कुछ कर लेना चाहिए था, तुम्हारे पास और कोई जानकारी तो नहीं है, कोई और बात जिस से हमें मदद मिल सके?”

“एक बात और है.” जॉन ओपनशॉ बोला. उस ने अपनी जेब टटोली और उस में से नीले रंग का कागज निकाला और मेज पर रख दिया. मुझे कुछकुछ याद है कि जिस दिन मेरे अंकल ने कागजात जलाए, मैं ने गौर किया था कि राख के ढेर में कुछ अनजले टुकड़े हैं, जो इस रंग के थे. मुझे यह एकमात्र कागज उन के कमरे के फर्श पर पड़ा मिला और मुझे लग रहा है जो दूसरे कागजों के पुलिंदे से उड़ कर गिरा हो, जिस से, जलने से बच गया. पर बीजों के बारे में बताने के अलावा, इस में और कोई ऐसी बात

नहीं है जिस से हमें मदद मिले. मैं सोचता हूं कि यह किसी की निजी डायरी का पन्ना है. लिखावट शर्तिया मेरे अंकल की है."

होम्स ने लैंप घुमाया और हम दोनों कागज के उस पन्ने पर झुके जिस के टेढ़ेमेढ़े किनारे दिखा रहे थे कि वास्तव में किसी किताब से फाड़ा गया है. उस का शीर्षक था, "मार्च 1869 " और नीचे यह रहस्यमयी नोटिस लिखा था–

चौथी. हडसन आया. उसी प्लेटफार्म पर थी.

7 वी. मैककोले, पैरामोर और सेंट ऑगस्टीन के जॉन स्वेन पर बीज छोड़े.

9 वी. मैककोले साफ.

10 वी. जॉन स्वेन साफ.

12 वी. पैरामोर से मिलने गया. सब ठीकठाक.

"शुक्रिया" होम्स ने कागज मोड़ कर वापस अपने मेहमान को दे दिया. "और अब किसी भी हाल में तुम को एक पल भी नहीं गंवाना है. हमें यह सोचने में भी समय नहीं गंवाना है कि तुम ने हमें क्या बताया. तुम फौरन घर पहुंचो और काम करो."

"मुझे क्या करना होगा?"

"करने के लिए एक ही काम है. वह फौरन किया जाना चाहिए. यह कागज जो तुम ने हमें दिखाया है, उसे फौरन उस पीतल वाली डिबिया में रख देना, जिस के बारे में तुम ने हमें बताया है. उस में एक नोट यह भी लिख कर रखना कि बाकी सारे कागज तुम्हारे अंकल ने जला दिए थे और तुम्हारे पास बस यही एक बचा है. इस बात को ऐसे शब्दों में लिखना जिस से उन को तसल्ली हो जाए. यह करने के बाद, तुम्हें फौरन यह डिब्बी सूर्यघड़ी पर रख देनी है, जैसा उन्होंने कहा है, समझे तुम?"

"पूरी तरह से."

"इस वक्त बदला लेने के बारे में मत सोचना. मुझे लगता है कि हम कानून का सहारा लें तो हमें फायदा होगा. पर हमें अपना जाल बुनना होगा, जबकि उन का जाल तैयार है. पहली बात जिस पर हमें ध्यान देना है, वह यह है कि उस खतरे को दूर किया जाए जो तुम्हारे ऊपर इस वक्त मंडरा रहा है. दूसरी बात है कि इस गुत्थी को सुलझाना और दोषियों को सजा दिलवाना."

“शुक्रिया.” युवक ने उठते हुए कहा और ओवरकोट पहन लिया. तुम ने मुझे नई आशा और जीवन दिया है. मैं बिलकुल वही करूंगा जैसी तुम ने सलाह दी है.”

“एक पल भी मत खोना. और सब से जरूरी यह है कि इस बीच अपना ध्यान रखना. मुझे लगता है कि इस में रत्तीभर भी शक नहीं कि तुम्हारे ऊपर एक भयानक खतरा मंडरा रहा है. तुम वापस कैसे जाओगे?”

“वॉटरलू से ट्रेन लूंगा.”

“अभी नौ नहीं बजे हैं. सड़कों पर भीड़भाड़ होगी, इसलिए मुझे लगता है कि तुम सुरक्षित रहोगे. और फिर भी, तुम को बहुत ज्यादा चौकस रहना होगा.”

“मेरे पास हथियार है.”

“यह अच्छी बात है. कल मैं तुम्हारे केस पर काम शुरू कर दूंगा.”

“तो फिर मैं तुम से होरशम में मिलूंगा.”

“नहीं, तुम्हारी गुत्थी लंदन में है. वहीं पर मैं उसे ढूंढूंगा.”

“फिर मैं एक दिन बाद या दो दिनों में तुम से संपर्क करूंगा और बताऊंगा कि कागज और डिब्बी का क्या हुआ. मैं हर बात में तुम्हारी सलाह मानूंगा.” उस ने हम से हाथ मिलाया और चला गया. बाहर हवाएं अब भी सनसना रही थीं और खिड़कियों से टकरा रही थीं. यह अजीब दास्तां मानो हमें कोई शैतानी ताकतों से आई लग रही थी.

शरलॉक होम्स सिर झुकाए, आग की लाल चिनगारी पर आंखें टिकाए चुपचाप कुछ देर बैठा रहा. फिर उस ने पाइप सुलगाया और कुरसी पर पसरते हुए वह धुएं के नीले छल्लों को देखने लगा, जो छत पर एकदूसरे से खेल रहे थे.

“मुझे लगता है, वॉटसन,” आखिर में वह बोला, हमारे सभी केसों में यह केस सब से अजब है.”

“चार का चिह्न वाले केस के अलावा.”

“हां. उस के अलावा. और फिर भी, मुझे लग रहा है कि यह जॉन ओपनशॉ शालटोस से भी ज्यादा खतरों से गुजर रहा है.”

“पर क्या तुम ने कोई अंदाज लगाया है कि ये खतरे क्या हैं?” मैं ने पूछा.

“इन के बारे में कोई शक नहीं है.” उस ने जवाब दिया.

“तो फिर वे क्या हैं? ये ‘क. क. क.’ कौन हैं? और इस दुखी परिवार के पीछे क्यों पड़े हैं?”

शरलॉक होम्स ने आंखें बंद कीं और अपनी कुहनियां कुरसी के हत्थों पर टिका दीं, असली तर्कबाज वह है जो किसी गुत्थी के बारे में एक ही जानकारी मिलने पर न सिर्फ सारा घटनाक्रम समझ लेता था, बल्कि उस के परिणाम भी बता देता है. जैसे कुवियर (एक प्रफांसीसी हड्डी विशेषज्ञ) एक हड्डी देख कर भाप लेता था कि यह किस जानवर की है. इसी तरह कोई दर्शक जो घटनाक्रम की एक कड़ी समझ जाता है, वह दूसरी कड़ियां भी समझ सकता है. यह बात हमें अभी भी समझ में नहीं आई है.

“वे समस्याएं भी हल हो जाती हैं, जिन से वे लोग उलझन में पड़ जाते हैं जो अपनी इंद्रियों की मदद लेते हैं. इस कला को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए तर्क करने वाला उन सारे तथ्यों पर गौर करे जो उस की जानकारी में हैं और इसी से सारी बात पता चल जाती है, जो, एनसाइक्लोपीडिया और मुफ्त शिक्षा के इस दौर में बड़ी आश्चर्यजनक कामयाबी मानी जाएगी. पर यह बात इतनी नामुमकिन नहीं कि किसी को वह जानकारी हो जो उस के लिए जरूरी है. मैं ने अपने केस में यही करने की कोशिश की है. अगर मुझे ठीक से याद है, तो एक बार तुम ने हमारी दोस्ती के शुरुआती दिनों में, बड़े संक्षेप में मेरी सीमाओं की बात की थी.”

“हां.” हंसते हुए मैं ने जवाब दिया. “वह अजब ही दस्तावेज था. फलसपेफ, राजनीति, खगोल में जीरो मिले थे–मुझे याद है. बॉटनी ठीकठीक, भूविज्ञान में शहर के करीब 80 कि. मी. के भीतर किसी भी इलाके की मिट्टी के दाग परखने में अति उत्तम, केमिस्ट्री में विख्यात, अनाटोमी अव्यवस्थित, सनसनीखेज साहित्य और अपराधें के रिकार्ड रखने में अद्भुत, वायलिनवादक, मुक्केबाज, तलवारबाज, वकील और अपने शरीर में कोकीन और तंबाकू के जहर भरने वाला. शायद यही मेरे विश्लेषण के खास मुद्दे थे.”

“आखिरी बात सुन कर होम्स मुसकाया. ठीक है,” वह बोला. मैं अब भी कहता हूं. जैसा मैं ने पहले भी कहा था कि आदमी को अपने दिमाग की छोटी सी दुछत्ती में वही समान भरना चाहिए, जिस की उस को जरूरत पड़ सकती है और बाकी सामान उसे ऐसी जगह रखना चाहिए जहां से जरूरत पड़ने पर वह निकाल सके. अब ऐसे केस के लिए, जो आज रात हमारे सामने पेश किया गया है, हमें अपने सभी साधन जुटाने होंगे. तुम्हारे

पास वाले शेल्फ पर जो अमरीकी एनसाइक्लोपीडिया है, उस में से 'क' निकाल कर मुझे देना. थैंक यू.

अब माजरे पर विचार करें. देखते हैं कि हमें क्या समझ में आता है. पहले तो, हम इस बात को मान कर चलते हैं कि कर्नल ओपनशॉ के अमरीका छोड़ने के पीछे कोई ठोस वजह थी. उस की उमर में, कोई भी अपनी सारी आदतें बदल कर फ्लोरिडा के खुशनुमा महौल को छोड़ इंगलैंड के एक छोटे से शहर में रहना नहीं चाहेगा.

"इंगलैंड में उस की एकांत प्रियता दिखाती है कि उसे किसी व्यक्ति या वस्तु से खतरा था, तो हम यह मान सकते हैं किसी व्यक्ति या वस्तु से डर कर इस ने अमरीका छोड़ा था. जहां तक इस बात का सवाल है कि उसे किस का डर था, इस का अंदाजा उन भयंकर पत्रों से लगाया जा सकता है जो उसे और उस के परिवार वालों को मिले थे. क्या तुम ने देखा था कि उन पत्रों में कहां का पोस्टमार्क था?"

"पहला पांडिचेरी से आया था, दूसरा डुंडी से और तीसरा लंदन ही से."

"पूर्वी लंदन से. इस से तुम को क्या समझ में आया?"

"ये सारे समुद्री तट हैं कि पत्र लिखने वाला पानी के जहाज पर था."

"बहुत बढ़िया. हमारे पास एक सुराग आ गया है. इस संभावना में कोई शक नहीं है कि यह पत्र लिखने वाला किसी जहाज पर यात्रा कर रहा है. अब एक और बात ध्यान देने लायक है. पांडिचेरी वाले पत्र में धमकी और अंजाम के बीच सात हफ्तों का समय था. डुंडी में तीन या चार दिनों का. इस से कोई खयाल आता है."

"यात्रा करने के लिए ज्यादा दूरी."

"पर पत्र को भी तो आने में ज्यादा दूरी तय करनी पड़ी थी."

"फिर मैं नहीं समझा."

"हम यह अंदाजा तो लगा ही सकते हैं कि यह आदमी या कई आदमी जरूर किसी पानी के जहाज पर यात्रा कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि वे हमेशा अपने मिशन पर चलने से पहले ही अपनी धमकी भेज देते थे. तुम ने देखा कि डुंडी से आने पर धमकी को कितना जल्दी अंजाम दिया गया था. अगर वे पांडिचेरी से स्टीमर पर भी आए होते, तो वे पत्र के साथसाथ ही पहुंचते. पर उन्हें सात हफ्ते लगे. मेरे खयाल से उन सात हफ्तों का फर्क

बताता है कि चिट्ठी लाने वाली मेल बोट और लेखक को लाने वाला जहाज में इतना ही फर्क था."

"हो सकता है."

इस से भी ज्यादा. यही हुआ है. और अब तुम समझोगे कि इस केस में कितना ज्यादा खतरा है और क्यों मैं ने ओपनशॉ को चौकन्ना रहने के लिए कहा था. उन का वार हमेशा उस वक्त पड़ा है, जब हत्यारों ने वह दूरी तय कर ली है. पर यह पत्र लंदन से आया है और इसलिए हमारे पास देरी करने की गुंजाइश नहीं है.

"इस का क्या मतलब है, ये अंधाधुंध हत्याएं?"

"ओपनशॉ जो कागजात लाया था, जाहिर है, वे जहाज में आने वालों के लिए बहुत मायने रखते हैं. मैं सोचता हूं कि साफ है कि वे संख्या में एक से ज्यादा हैं. एक अकेला आदमी दो हत्याएं इतनी सफाई से नहीं कर सकता कि पूरी जूरी की आंखों में धूल झोंक सके. इस में कई लोग शामिल रहे होंगे. ये सभी दृढ़ निश्चय और तेज दिमाग के हैं. वे उन कागजों को किसी भी कीमत पर हासिल करना चाहते हैं. इस तरह तुम देखो, क. क. क" एक आदमी का नाम नहीं है, बल्कि किसी संस्था का बिल्ला है."

"पर किस संस्था का?"

"क्या तुम ने कभी," शरलॉक होम्स ने झुकते हुए और आवाज धीमी कर के कहा, क्या तुम ने कभी कू क्लुक्स क्लैन का नाम नहीं सुना?"

"नहीं, कभी नहीं."

"होम्स ने अपने घुटनों पर रखी किताब के पन्ने पलटे. यह रहा" कुछ देर बाद वह बोला. कू क्लुक्स क्लैन यह नाम राइफल तानने की आवाज से लिया गया है. यह भयंकर गुप्त संस्था, गृहयुद्ध के बाद दक्षिणी प्रांतों के कुछ कॉनपेफडरेट सैनिकों ने बनाई थी और जल्दी ही देश के अलगअलग भागों में इस की शाखाएं बन गईं, खासकर टेनेसी, लुईसाना, केरोलिना, जॉर्जिया और फ्लोरिडा में. इस की ताकत राजनैतिक मुद्दों, खासकर नीग्रो वोटरों को धमकाने के लिए प्रयोग की जाती थी और उन लोगों को मारने या देश से खदेड़ने के लिए, जो इन का विरोध करते थे.

"अपने विरोधी का खात्मा करने के पहले उस को धमकी भेजी जाती थी, किसी जानीपहचानी चीज के जरिए–चाहे वह ओक का पत्ता हो या तरबूज के बीज या संतरे के बीज. यह पाने के बाद या तो विरोधी अपनी गलती सुधर लेता था या देश से भाग जाता. अगर वह विरोध जारी रखता,

तो उस की मौत तय थी और यह मौत बड़ी सनसनीखेज होती. इस संस्था का संगठन इतना मजबूत था और दोषरहित, कि एक भी केस ऐसा नहीं था जिस में कोई इस का विरोध कर सका हो या जिस में हत्यारों का सुराग मिल सका हो. संयुक्त राष्ट्र अमरीका की सरकार और दक्षिण के प्रभावशाली तबकों की कोशिशों के बावजूद कुछ सालों तक यह संस्था तरक्की करती गई. आखिरकार, वर्ष 1859 में अचानक यह संस्था ढह गई, हालांकि उस तारीख के बाद भी उसी तरह के इक्वेफदुक्वेफ मामले सामने आते रहे हैं."

"तुम देखोगे," होम्स ने किताब वापस रखते हुए कहा. "संस्था के अचानक बिखरने का समय और ओपनशॉ के अमरीका से कागजों समेत फरार होने का समय एक ही था. हो सकता है कि इस घटना की यही वजह रही हो. इसलिए इस में ताज्जुब नहीं है कि वह और उस का परिवार उन लोगों के निशाने पर है जिन को

इस ने धोखा दिया है. तुम को समझ में आ ही रहा होगा कि इस रजिस्टर और डायरी में दक्षिण के उन लोगों के नाम हैं, जिन्होंने इस संस्था का गठन किया था, और जो तब तक चैन से नहीं सो सकेंगे, जब तक ये कागजात उस के हाथ न लग जाएं.

"फिर जो पन्ना हम ने देखा है–"

"वही है जिस की हमें उम्मीद है, अगर मुझे ठीक से याद है, तो उस में लिखा था–ए. बी. और सी. को बीज भेजो–मतलब उन को संस्था की धमकी भेज दो. उस के बाद लिखा है कि ए. और बी. का सफाया हो गया है, और सी. का भी अंजाम भयानक ही था. मुझे लगता है, डाक्टर कि हम इस अंधेरे पर रोशनी डाल सकेंगे और मैं मानता हूं कि ओपनशॉ के पास बचने का यही तरीका है कि वह वही करे जैसा मैं ने उसे बताया है. आज की रात करने या सुनने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए मुझे मेरा वायलिन पकड़ा दो और आधे घंटे के लिए हम इस भयानक मौसम और उस से भयानक इनसानों को भूलने की कोशिश करते हैं."

सवेरे मौसम साफ हो चुका था और धुंधला सा सूरज लंदन पर चमक रहा था.

जब मैं नीचे आया, तो शरलॉक होम्स नाश्ते के लिए बैठ चुका था.

"मुझे माफ करना कि मैं ने तुम्हारा इंतजार नहीं किया." वह बोला. "मैं अंदाज लगा रहा हूं कि मेरे सामने एक व्यस्त दिल है—ओपनशॉ केस की वजह से"

“तुम क्या कदम उठाओगे?” मैं ने पूछा. “वह तो मेरी शुरुआती छानबीन पर निर्भर होगा. शायद मुझे होरशम जाना पड़ ही जाए.”

“तुम पहले वहां नहीं जाओगे?”

नहीं. मैं शहर से शुरुआत करूंगा. घंटी बजा दो, नौकरानी तुम्हारी कौफी ले आएगी. बंद अखबार उठाया. जैसे ही मेरी नजर उस पर पड़ी मेरे दिल में बर्फ सी जम गई.

“होम्स,” मैं चिल्ला पड़ा. “तुम ने बहुत देर कर दी.” “आह!” अपना कप रखते हुए वह बोला. मुझे इसी बात का तो डर था. कैसे किया गया?” वह शांति से बोल रहा था, पर मैं देख सकता था कि वह बहुत विचलित हो गया है.

मेरी नजर ओपनशॉ के नाम पर पड़ी, और शीर्षक है ‘वॉटरलू पूल के नीचे हादसा.’ सारा किस्सा पढ़ कर सुनाता हूं. ‘कल रात नौ और दस बजे के बीच, ‘एच’ डिवीजन के कांस्टेबिल कुक ने, जो वॉटरलू पुल के निकट तैनात था, मदद की पुकार और छपाक से किसी के पानी में गिरने की आवाज सुनी. वह रात बहुत ज्यादा अंधेरी थी और तूफानी भी, इस वजह से कुछ राह गुजरते लोगों की मदद के बावजूद किसी को बचा पाना नामुमकिन था. पर अलार्म बजाए गए और जल पुलिस की मदद से लाश बाहर निकाली गई. वह एक युवक की थी, जिस का नाम उस की जेब में रखे एक लिफाफे पर लिखा हुआ था, जॉन ओपनशॉ और जिस का घर होरशम के पास है.

यह अटकल लगाई जा रही है कि वह वॉटरलू स्टेशन की आखिरी गाड़ी पकड़ने की जल्दी में था. इस जल्दी और घने अंधेरे की वजह से वह रास्ता भटक गया और नदी में स्टीम बोटों को रखने की जगह पहुंच गया. लाश पर हिंसा का कोई निशान नहीं था और इस में कोई शक नहीं कि मृतक एक बदनसीब हादसे का शिकार हो गया, जिस की वजह से सड़कों के खराब, हालातों पर सरकार का ध्यान खींचा गया.’

कुछ मिनटों तक हम चुपचाप बैठे रहे. होम्स को इतने दुख और सकते में मैं ने पहले कभी नहीं देखा था.

“इस से मेरे अहंकार को ठेस लगी है, वॉटसन.” आखिर में वह बोला. “यह बड़ी नीच भावना है, पर मेरे अहंकार को ठेस लगी है. अब तो यह मेरा निजी मामला बन गया है और अगर मेरा स्वास्थ्य ठीक रहा, तो मैं इस गिरोह को पकड़ कर ही दम लूंगा कि वह मेरे पास मदद के लिए आया और मैं ने उसे मरने के लिए भेज दिया!” वह कुरसी से उछला और बेताबी

से कमरे के चक्कर लगाने लगा. उस के पीले गालों पर उत्तेजना की लाली थी और लंबे, पतले हाथ आपस में गुंथ रहे थे.

“वे चालाक पिशाच होंगे.” आखिर में वह बोला. उन्होंने कैसे उस को वहां पर पहुंचाया? वह जगह सीधी स्टेशन तक नहीं जाती. पुल पर बेशक बहुत भीड़ रही होगी, ऐसी अंधेरी रात में भी, कि वे उस का काम तमाम कर सकें. खैर वॉटसन, हम देखेंगे कि लंबी दौड़ में किस की जीत होगी. अभी मैं बाहर जा रहा हूं.”

“पुलिस के पास?”

“नहीं, अपनी पुलिस मैं खुद बनूंगा. जब मैं जाल बुन लूंगा, तो भले ही वे मक्खियां चूस लें, पर पहले नहीं.”

पूरा दिन मैं अपने काम में व्यस्त रहा और जब मैं बेकर स्ट्रीट लौटा, तो देर शाम हो चुकी थी. शरलॉक होम्स तब तक नहीं लौटा था. वह करीब दस बजे लौटा, थका और पीला. वह मेज पर गया, डबलरोटी का एक टुकड़ा तोड़ा, मुंह में ठूंसा और पानी के साथ निगल गया.

“तुम भूखे हो,” मैं ने कहा.

“तड़प रहा हूं. मैं भूल ही गया था. मैं ने नाश्ते के बाद से कुछ नहीं खाया.”

“कुछ नहीं.”

“बिलकुल नहीं. मेरे पास सोचने का वक्त ही नहीं था.”

“और तुम्हें कामयाबी मिली?”

“हां.”

“क्या कोई सुराग मिला?”

“वे मेरी मुट्ठी में हैं,” ओपनशॉ की मौत का बदला जल्दी ही लूंगा. क्यों न हम, वॉटसन, उन का ट्रेडमार्क उन पर ही आजमाएं. यह अच्छी तरकीब है!”

“क्या मतलब?”

“उस ने अलमारी में से एक संतरा निकाला और उस के टुकड़े कर के उन में से बीज निचोड़ कर मेज पर रख दिये. इन में से उस ने पांच बीज लिए और एक लिफाफे में भर दिये. उस के अंदर उस ने लिखा जे. ओ. के

लिए श. ह. की ओर से. फिर उस ने लिफाफा सील कर के उस पर पता लिखा, कैप्टन जेम्स केलहुन, लोन स्टार, सवाना, जॉर्जिया."

"जब वह तट पर पहुंचेगा तो यह लिफाफा उस का इंतजार करता मिलेगा–" हलके से हंसते हुए वह बोला, उस की रात की नींद उड़ सकती है, वह समझ जाएगा कि यह उस की मौत का फरमान है, जैसे ओपनशॉ को लगा था."

"और यह कैप्टन केलहुन कौन है?"

"इस गिरोह का सरदार. मैं दूसरों से भी निपटूंगा, पर पहले इस से."

"तुम मामले की जड़ तक कैसे पहुंचे?"

उस ने कागज का बड़ा सा टुकड़ा जेब से निकाला, जो नामों और तारीखों से भरा पड़ा था.

"मैं ने पूरा दिन बिताया है," वह बोला. मैं पुराने अखबारों की फाइलों और लॉयड के रजिस्टरों को पढ़ने में, उस हर जहाज के बारे में जो जनवरी और फरवरी 83 के दौरान पांडिचेरी पहुंचे थे, ऐसे 36 मालवाहक जहाज थे जो उन महीनों में दर्ज थे. इन में से एक 'लोन स्टार' ने मेरा ध्यान खींचा, क्योंकि उस को जाने की इजाजत लंदन से मिलने के बावजूद, उस में नाम दिया गया है यूनियन के किसी प्रांत का."

"शायद, टेक्सास."

"मुझे ठीक से नहीं मालूम कि कौन सी जगह थी, पर मुझे मालूम है कि जहाज अमरीकी मूल का था."

"तो फिर?"

"मैं ने डुंडी के सारे रिकार्ड देखे और जब मैं ने पाया कि लोन स्टार नाम का जहाज जनवरी 85 में वहां था, तो मेरा शक यकीन में बदल गया. मैं ने पूछताछ की कि इस वक्त लंदन के किस तट पर कौनकौन से जहाज खड़े हैं."

"तो?"

"लोन स्टार," यहां पिछले हफ्ते पहुंचा था. मैं एलबर्ट डॉक गया, कि आज सुबह वह समुद्र में ले जाया गया है, सवाना की ओर मैं ने ग्रेवसेंड तार भेजा, और पता चला कि वह थोड़ी देर पहले वहां से गुजरा था, और क्योंकि इस समय पूर्वी हवाएं चल रही हैं. मुझे शक नहीं है कि इस वक्त वह गुडविन पार कर चुका है और आइल ऑफ वाइट से ज्यादा दूर नहीं है."

"तो तुम क्या करोगे?"

"ओह, मैं ने उस पर शिकंजा कस दिया है. मुझे पता चला है कि वह और उस के दो मित्र जहाज के एकमात्र अमरीकी मूल के यात्री हैं. बाकी सब फिन या जर्मन हैं. मुझे यह भी मालूम है कि पिछली रात वे जहाज से गायब थे. मुझे यह बात उस से मालूम पड़ी जो जहाज पर सामान लाद रहा था. जब तक जहाज सवाना पहुंचेगा, मेल बोट यह पत्र वहां तक पहुंचा चुकी होगी और सवाना की पुलिस को सूचना मिल चुकी होगी कि तीन सज्जन, हत्या के सिलसिले में ढूंढ़े जा रहे हैं."

पर इनसान कितनी भी योजनाएं बनाए, उस में कोई न कोई दोष निकल ही आता है और जॉन ओपनशॉ के हत्यारों को वे संतरे के बीज कहीं नहीं मिले, जिस से उन्हें पता चल सके कि उन के जितना ही चालाक और जिद्दी कोई इनसान उन का पीछा कर रहा है. उस साल की समुद्री हवाएं बहुत तेज थीं. हम ने बहुत समय तक लोन स्टार के सवाना पहुंचने की खबर का इंतजार किया, पर हमें उन के बारे में कुछ पता नहीं चला. पिछले साल हमें पता चला कि अटलांटिक के किसी सुदूर किनारे पर, किसी जहाज का टूटा हुआ पाल किसी लहर पर दिखाई दिया था, जिस पर 'एल एस' लिखा था और लोन स्टार की किस्मत के बारे में इस से ज्यादा हमें और कुछ भी नहीं मालूम हो सका है.